य वस्ताणिता वास्तर विविधित

वर्गे शर्थे महिंद तु न्यय श्रीशन इसस्



ᢀٵ वॅ५'ग८য়'ড়য়'ড়য়'ঢ়'ळॅয়'८६' য়ৢয়'য়ৢঢ়'ঢ়য়'য়য়'ঢ়য়য়'ঢ়য় ঢ়ঢ়য়য়য়য়য়য়য়য় ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ঀৢঢ়য়য়য়

नर्नी मार्की निर्देशिष्ट । प्राण्यानी मार्किकमा



বাপত্য-ব্য-পূর্

७७ | र्र्यान्य स्थान्य स्थान विषय स्थान विषय स्थान स्

ण्यःश्चेत्राष्ट्वेत्रःस्तःण्वेष्यायः वित्रः वित्रः

यस्त्रियान्यः नेयान्यः यस्त्रिया

2009.7.15

קקדיæקי

नक्ष्यान्य मृत्या क्ष्यान्य व्याप्त क्ष्यान्य व्याप्त क्ष्या क्ष

1.1 অর্ক্ট্র্ন্স্	2
1.2 অন্ট্ৰান্যুন্নি বাদুন্ন্নৰ শ্ৰী শ্লানৰ	2
1.3 মদ্র কুর্ শ্রী অর্চ্ দেরি স্থান্	·····5
1.4 বন্ধুব ঘট বাদ্দ ন্বৰ শ্ৰী শ্লবৰা	7
1.5 ষ্ট্রেন্ইন্ট্রেন্ট্র	8
1.6 बें बें र वर पर्वे कें य कुर ग्री क्रिया व	9
1.7 ব্ৰিট্ ক্ৰম্বৰ্ট প্লবৰ্	10
1.8 র্ক্ত্রিপান্ত্রিপান্ত্রিপান্ত্রিপানান্ত্রিপানান্ত্রিপানানি স্পানান্ত্রিপানানি স্পানানি স্পানি স্পানানি স্পানানি স্পানানি স্পানি স্পানি স্পানানি স্পানানি স্পানি স্পানানি স্পানানি স্পানানি স্পানানি স্পানানি স্পানানি স্পানি স্পানানি স্পানানি স্পানানি স্পানানি স্পানানি স্পানি স্পানি স্পানি স্পানানি স্পানি	11
1.9 वेंन् ग्री कुल वें क्षेत्र सं कुन् लुक सुर निस्ते प्रति स्निन् निमान	·····12
1.10 বিশ্বদ্য ক্রিশ্বামান্ত্র ক্রিশ্বামান্ত ক্রিশ্বামা	1 3
1.11 श्रूट द्रायम प्रमुव पा प्रमुव मार्चे का चेंद्र श्री विभाय केंग पार्य पाया प्रदान प्रमाय प्रमुव श्रूप भ्रूष	
<u> </u>	15

त्यो न्या क्रिया वा व्या क्रिया वा व्या क्रिया वा व्या विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व व विश्व वि

	. નક્ષુક્ર-પૃષ્ટુે-ન્×ૃગ્નુે-ભેં-જેન્નુશ-ન્દ્ર-જ્ઞેક્ર-ભેં-ભઃર્સેનુષ્ય-પદ્ય-শ્ભુનષા	·····17
	्र्ये के वृ श्रे ञ्चाप्त्र	18
2.3	୍ର ସ୍ୟାୟଞ୍ଜି ଦ୍ୟା ପଞ୍ଜି ସ୍ୱାଷ୍ଟ ଅପ୍ୟା	·····18
2.4	ୣୖୄ୷ୖ୶୶ୖୣ୵ୣୖଽ୕ୣ୶ୖୢୢୄ୕ୢୢୠ୕୶୕ୣ୴ୄୡ୕ୢ୕୕୳୕ଊ୕ୄ୳୲୕୕୕୕ୠ୷୕ୠ୷୕୷୷ୖ	20
2.5	ૡૼૢૼૼૼૣઌૻ૽૽૽ૡ૿૽ૣ૽ૼ૱ઌ૽૽૾ૺ૽ૼૹૄ૽ૢ૽ૹ૽૾૽ૢ૿ૺૹૢૻૣ૽૽૽ૹૣૻ૽ૻૹૣૻ૽ૻૹૣૻ૽ૻૹ૽ૻૺૺ૾ૺ૾ૺ	20
2.6	; जुर्य <u>स्</u> वापर ग्री ङ्गन्य	23
	' ସ୍ରସଂଦ୍ୟ'ବ୍ୟର୍ଦ୍ଦି ' କ୍ଲ ାସକା	·····24
	B 된다면 : 융리 : 취디제	24
2.9	୍ର ၎ଦ୍ୱା ସମ୍ପିଶ୍ୟ ମୁ'ଧ୍ୟ ମୁଧିଶ୍ୱ କ୍ଲିସ୍ୟ ମୁଦ୍ୟ ଅଧ୍ୟ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ	24

िया ने
रुषार्श्वाश्रुवार्या
याशर क्याश के द्यीर मी स्था

3.1 ଞ୍ଗୁଂୟ୍ଗୁଦ୍ୟଂସ୍ଟ୍ରିଟ୍-ସ୍ଟ୍ର୍ୟ୍ୟନ୍ଧ୍ୱ୍ୟକ୍ଷ୍ମ୍ୟ	····28
3.2 প্রুষ্-মাম্ব্রিন্মুন্-মুন্ম্ন্র্	·····41
3.3 美工美文·桑州·夏·中国工·克克·利·夏州·夏·州中州	
3 4 จังจารักจาก ฐาจา	<i>····</i> 43
3.5 美美·禹씨·낙경·柯··································	·····44
3.6 अव र्प में चे दे ते सुव में ज्ञानिया	····49
(-)	
$\int \overline{a}$	
नुषरःस्नारानाशरःस। यसायत्रसःहरायत्रारावेःस्नारा नुषरःस्नारानाशरःस। यसायत्रसःहरायत्रसःमवसः।	
गुर्भर स्मार गुर्भर स्मा यस उन्हर है स उन्हर है र निर्मा स्मार स्मार स्मार स्मार स्मार स्मार स्मार स्मार स्मार	
/ 1 mas algentation and a second a second and a second and a second and a second and a second an	····53
4.1 ব্যাবন্ধ নি ব্যাবন্ধ নি ক্লিব্ৰালা নি ক্লিব্ৰেৰ্ন নি ক্লিব্ৰালা নি ক্লিব্ৰেৰ্ন নি ক্লিব্ৰালা নি ক্লিব্ৰেৰ্ন নি ক্লিব্ৰালা নি ক্লিব্ৰেৰ্ন নি কলিব্ৰেৰ্ন নি ক্লিব্ৰেৰ্ন নি কলিব্ৰেৰ্ন নি কলিব্ৰেৰ্ন নি কলিব্ৰেৰ্ন নি কলিব্ৰেৰ্ন নি). }·
र्ट ता है 'अर 'व ते ता कि का वी 'खानका' वि 'खानका' वी 'खानका' वि 'खानक	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
4.3 इ.म्. व.च. व.म. व.म. व.म. व.म. व.म. व.म. व.म	·····56
	50
رع)	
54.2.51	
××>	
र्बात्यः स्था र्वे स्थान्यः स	
	·····
5.1 ই ব ব্দের্ভারা শ্লুব ব্দের শ্লুব ব্দান শ্লুব শূল	····62
5.1 ਵੇੱ বি ব্ব ব্ব ব্ৰহ্ম শ্ব্ৰির ব্ব ব্ব ব্ৰহ্ম শ্বৰ ব্ব ব্ৰহ্ম শ্বৰ প্ৰত্য শ্বৰ ব্ৰহ্ম শ্বৰ প্ৰত্য শ্বৰ শ্বৰ প্ৰত্য শ্বৰ প্ৰত্য শ্বৰ প্ৰত্য শ্বৰ শ্বৰ শ্বৰ শ্বৰ শ্বৰ শ্বৰ শ্বৰ শ্বৰ	68
5.1 ਵਿੱੱ ਜਿੱ ਜਿੱ ਜਿੱਤ ਜਿੱਤ ਜਿੱਤ ਜਿੱਤ ਜਿੱਤ ਜਿੱ	68°°°′
5.1 ই বি দ্বে বি ক্রিক্ত ব্রুদ্ধর ব্রুদ্ধর ক্রিক্ত ব্রুদ্ধর ক্রিক্ত ক্	68 68 69
5.1 ই বি দ্বের্র অর্থ্র দ্বের্দ ক্রির বি দ্বের বি শ্লবন্ধ। 5.2 বি দ্বি দ্বের্ন ক্রির শ্লবন্ধ। 5.3 শ্লেন বি শ্লবন্ধ। 5.4 প্র বের বি শ্লবন্ধ। 5.5 শ্লুবর্ল বের শ্লবন্ধ।	68 68 69 71
5.1 ই বি দ্বের্র অর্থ্র দ্বের্দ ক্রির বি দ্বের বি শ্লবন্ধ। 5.2 বি দ্বি দ্বের্ন ক্রির শ্লবন্ধ। 5.3 শ্লেন বি শ্লবন্ধ। 5.4 প্র বের বি শ্লবন্ধ। 5.5 শ্লুবর্ল বের শ্লবন্ধ।	68 68 69 71
5.1 至 전 도 도 전 전 전 도 도 도 원 도 미 ' 워크 짜 미 ' 5.2 전 중 도 도 도 전 기 위 프로 페 ' 워크 짜 미 ' 5.3 겠도 ' 로 도 고 전 ' 워크 짜 미 ' 5.4 우 도 고 고 국 짜 ' 오 죠 도 ' 다 ' 그 집 ' 워크 짜 미 ' 5.5 젛 도 로 도 고 집 ' 워크 짜 미 ' 5.6 [다 짜 ' 어, 도 그 ' 도 우 자 ' 간 ' 그 집 ' 왔 그 짜 집 ' 워크 짜 미 ' 5.7 원 중 ' 광 국 짜 프 장 프 및 맛 씨 ' 그 집 ' 왕 그 짜 집 ' 왕 그 짜 미 '	68 69 71 72
5.1 至 전 도 고 전 과 절 구 도 고 월 도 리 가 되지 5.2 전 중 고 도 도 전 과 기 가 되지 5.3 য়도 된도 고 집 가 되지 5.4 위 고 고 고 집 과 고 요 도 고 집 가 되지 5.5 য় 고 된 도 고 집 가 되지 5.6 [다 과 · 입, 도 고 · 도 고 도 가 도 고 집 · 집 고 고 집 · 지 고 지 고 집 · 지 고 지 고 집 · 지 고 집 집 · 지 고 집 · 지 고 집 · 지 고 집 · 지 고 집 집 · 지 고 집 집 · 지 고 집 집 · 지 고 집 집 · 지 고 집 집 · 지 고 집 집 · 지 고 집 집 · 지 고 집 집 · 지 고 집 집 · 지 고 집 집 · 지 고 집 집 · 지 고 집 집 · 지 고 집 집 · 지 고 집 집 · 지 고 집 집 · 지 고 집 집 · 지 고 집 집 집 집 집 집 집 집 집 집 집 집 집 집 집 집 집 집	68 69 71 72 72
5.1 ই র্বাদ্যার র্বাদ্যার র্বাদ্যার রাজ্যার রা	68 69 71 72 72 77
5.1 ই র্ন দ্রের্র মার্কুর দ্রের স্থান না 5.2 য় ৢ দ্রি দ্রের্ন মার্কুর দ্রি দ্রা স্থান না 5.3 য়ৢ দ্রের দ্রের স্থান না 5.4 প্র দ্রুর মার্কুর মার্কির মার্কির মার্কুর মার্কির মার্ক	68 68 71 72 72 77 78
5.1 ই র্বাদ্যার র্বাদ্যার র্বাদ্যার রাজ্যার রা	68 68 71 72 72 77 78
5.1 ই র্ন দ্রের্র মার্কুর দ্রের স্থান না 5.2 য় ৢ দ্রি দ্রের্ন মার্কুর দ্রি দ্রা স্থান না 5.3 য়ৢ দ্রের দ্রের স্থান না 5.4 প্র দ্রুর মার্কুর মার্কির মার্কির মার্কুর মার্কির মার্ক	68 68 71 72 72 77 78
5.1	68 68 71 72 72 77 78 80
5.1 ই র্ন দ্রের্র মার্কুর দ্রের স্থান না 5.2 য় ৢ দ্রি দ্রের্ন মার্কুর দ্রি দ্রা স্থান না 5.3 য়ৢ দ্রের দ্রের স্থান না 5.4 প্র দ্রুর মার্কুর মার্কির মার্কির মার্কুর মার্কির মার্ক	68 68 71 72 72 77 78 80

6.1 ইল্'র্ন'ন্ফুন্'ম'ন্ন'ন্তম'ম্ব্রীস্প্রমা	84
6.2 ঘ'ঠ্ঠব'ন্কুব্'ঘ'ব্দ'্বন্তৰ্গ'মন্ত্ৰি'স্ক্লীনৰ্কা'''''''''''''''	
6.3 최도국 '시자' 그렇는 '시자' 까지지	88
6.4 ର୍ଜ୍ୟ : ଖ୍ରମ୍ବର : ଜ୍ୟୁ : ବ୍ୟୁ : ବ୍ୟୁ : ଜ୍ୟୁ :	88
6.5 ব্রুমন র্ক্তন নর্ভন প্রদান শ্রী স্লুননা	88
ر الحري	
5315155351	
नुराधेये न लन् खेंया हे 'सूर नुरानये 'सूनश्	
7.1 ঐ'ব্যবি'শ্-স্কুৰ'শ্ৰী'শ্লবৰ্ষা''''	
7.2 (45 a.c.) (4 a.a.) (3 a.a.) (3 a.a.)	92
7.3 थे.बेंबाब्वकार्यं वृत्रकारी क्षेत्रकार विकास के कार्यकार विकास के किया किया किया किया किया किया किया किया	
7.4 গ্রন্থ বিশ্ব বিশ্ব প্রতিষ্ঠান ক্রিয়ার স্থান ক্রিয়ার বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব ব	96
7.5 བད་མཚོག་གེ་སྐབས།་་ 7.6 བག་མོ་གṇནང་ངུག་གེ་སྐབས།་	97
7.6 ध्या ऄॅयाबुट नुवा यो न्नाप्ता	99
(8)	
581515151	
नुस्रान्त्रम् । स्राम्यान्याः विक्रां स्राम्यान्याः विक्रां स्राम्यान्य स्त्रम् । स्राम्यान्य स्त्रम् । स्वाप्य स्त्रम् । स्व	ลเวาเกลเรเลิวสเกลเเ
0.1 =	102
8.1 존미·디라 기계 및 기계	
8.2 (25 a.c.) a.c. (3 a.c.) a.	106
8.3 ସମ୍ମି: ଅର୍ଚ୍ଚିମ୍ 'ଷ୍ଟୁମ୍' ମୂର୍ମ୍ ' ଅଟ୍ଟମ୍' ଷ୍ଟୁମ୍' ଅଟିମ୍ 'ଅଟିମ୍' ଅଟିମ୍' ଅଟ	1U8 1.1
0.4 動のファーフタップトンのションデー 8.5 あればにはっている アーフタップトンのション・データ 1.2 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	114 118
8.5 କ୍ଲିୟଫି'ସନ୍ଦି'ଟ୍ନିଟିଷ'ର୍ଶ୍ଲିସ'ຫຼື'କ୍ଲସଷ୍ଟ୍ର" 8.6	
8.7 ५&२'स्त'ग्5्न'२२२४'ग्र'ङ्गन्य 8.8 ड्युय'पदे'झुदे'२ेअ'प'ग्वेशपदे'झुनय	125
8.9 ব্যথাপ্রশ্বীর্থারাষ্ট্রনামান্ত্রানাষ্ট্রনামান্ত্রানার্থানার্থারাষ্ট্রনামান্ত্রানার্থার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থানার্থার	
8.10 ধ্বার্র্যান্র্রান্র্রান্র্রান্র্রান্র্রান্ত্রা	140
8.11 वर्षे खिट केंब हे प्रेंच क्रिय	146
8.12 ୟସି ପ୍ରମ୍ୟ ଅମ୍ବ : ସ୍କ୍ୟର୍ଷ ଅକ୍ଷ୍ୟୁ ଅଧିକା	149
8.13 প্লা'ঝুদ'ম'র্মুর্ম'ন্দ'নভ্তম'মনি'স্পানমা	
8.14 ที่ผล จุลร นิลิ ฐิจุ	159
8.15 ঠিকাই শ্রের ক্রিব শ্রের কর্মান্র মনকান্দ্র নেত্রকামের স্প্রাম্বা	
8.16 ଚ୍ଛ୍ର୍ମ୍ୟ୍ର୍ମ୍ୟ୍ର୍ମ୍ୟ୍	164
8.17 র্কুন্'র্জন্'র্'র্ডুর্'র্ন্ত্র্র'ন্দ্র্নত্ত্র্যধন্দ্রি'শ্লুন্ত্র্যু	
8.18 ঈ্ব্র্ব্বি	168
8.19 র্ণুব'ক্টবু'ব'ব্রু'ব্'ব্হত্তর্মধনী'শ্লবর্মা	170
8.20 [항 평 지수 취직적	·····172
8.21 ব্দেশ্বিশ্বিক্তার্ক্সিন্মান্দানতব্যাদনি স্লুনব্য	17 3
8.22 য়৾৾ঌঀ৾৾৽ঀৢ৾ঢ়৾৽য়ঢ়৽৸ঀ৾৽য়ৢ৾৽য়ৢঀয়৾ঀ	174

8.24 মার্ল্বাস্থন্ন্ত্রমংঘরি নামার নাজুন ন্মান্ত্রা ব্রার্থি নামার নাজুন ন্মান্ত্রা নাজুন নামার নাজুন নামার
9.1 শ্রিষ্ মার্দ্রের্থ স্বর্মার স্থান্তর স্বর্মার স্থান্তর মার্দ্রের্থ স্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার স্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার
9.1 শ্রিল্ফার্ন্নের্ন্নের্ন্ন্ন্র্ন্ন্ন্র্ন্ন্ন্র্ন্ন্ন্র্ন্ন্ন্র্ন্ন্ন্র্ন্ন্ন্র্ন্ন্ন্র্ন্ন্ন্র্ন্ন্ন্ন্র্ন
9.1 শ্রিষ্ মার্দ্রের্থ স্বর্মার স্থান্তর স্বর্মার স্থান্তর মার্দ্রের্থ স্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার স্বর্মার স্বর্মার বিশ্বর্মার স্বর্মার
9.2 বৃ.লুব.শ্লুনন্দ্র নাল
9.2 বৃ.লুব.শ্লুনন্ বৃষ্ণ শ্রুনন্
10 বৃষ্ণ শ্রী দেশিন শৌরী স্পুন্নৰা 185
10 বৃষ্ণ শ্রী দেশিন শৌরী স্পুন্নৰা 185
10 বৃষ্ণ শ্রী দেশিন শৌরী স্পান্নৰা 185
£53
(5)
रुवानु नुवाने ना न
युग् कु केत्र में दि सूर्य
11 প্রুণা ক্রা ক্রব ব্যার স্প্রবন্ধা ————————————————————————————————————
र्वा निवास स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स
वि ग्रेन् नमुन्य स् से मिन्य मिन्य ।
12.1 বস্তুব্'ঘ'বুহ'র্ঘট্ট স্পৃবন্ধ্
12.2 a ପୁଦାର ପ୍ରିଲ୍ମପର୍ତ୍ତା କ୍ରମ୍ବର୍ତ୍ତ ବର୍ଷ ଅନୁସର୍ତ୍ତ ବର୍ଷ ଅନୁସର୍ତ୍ତ ବର୍ଷ ଅନୁସର୍ତ୍ତ ବର୍ଷ ଅନୁସର୍ତ୍ତ ବର୍ଷ ଅନୁସର୍ତ୍ତ ବର୍ଷ ଅନୁସର୍ଚ୍ଚ ଅନୁସର୍ତ୍ତ ବର୍ଷ ଅନୁସର୍ଚ୍ଚ ଅନୁ ଅନୁ ଅନୁସର୍ଚ୍ଚ ଅନୁ ଅନୁସର୍ଚ୍ଚ ଅନୁସର୍ଚ୍ଚ ଅନୁ ଅନ୍ତ ଅନ୍ତ ଅନୁ ଅନ୍ତ ଅନ୍ତ ଅନ୍ତ ଅନୁ ଅନ୍ତ ଅନୁ ଅନ୍ତ ଅନ୍ତ ଅନ୍ତ ଅନ୍ତ ଅନୁ ଅନ୍ତ ଅନ୍ତ ଅନ୍ତ ଅନ୍ତ ଅନ୍ତ ଅନ୍ତ ଅନ୍ତ ଅନ୍ତ
12.4 প্লুমাণ্ডালাকা শ্ৰীপ্লালাকা বিষয়ে বিষয় বিষয় বিষয়ে বিষয় বিষয়ে বিষয়ে বিষয় বিষয় বিষয় বিষয়ে বিষয়
12.5 বন্ধর খ্রীস্ক্রবন্ধা ব্যালালালালালালালালালালালালালালালালালালাল
12.6 ଧାର୍ଚ୍ଚି ମୃଞ୍ଚ ପ୍ରଶିନ୍ଦି । ଶ୍ରଂ ଶ୍ରଂ ଶ୍ରଂ ଶ୍ରଂ ଶ୍ରଂ ଶ୍ରଂ ଶ୍ରଂ ଶ୍ରଂ
12.8 দ্বী নু বু
6513
5্ষান্ত্রনাধ্যমান। ১
5्अ:चु:नङ्ग्याश्चःन। নাইন্'ড্রেণ-ন্ন'নন্ন'শ্লন্ম।

13.1 র্ম্ শার্তি শু স্প্রাম্বা	238
13.2 র্ষ্ ল্'র্ক্ ন্'ট্র'ঙ্গ্লান্ম	242
13.3 ব্রেম্ব্রাম্বর স্ক্রম্বর্	243
नुयाया निष्या निष्या । व्याया हे कित मिनि क्षेत्र मिनि हो हे हे हे निष्या मिनिया हो क्षेत्र स्थाया है कि	
য়য়য়৽৾৾ৼ৽৾৾ড়য়৽ঀ৾ঀ৾৽য়ৣ৾ৼ৽ৼৼ৽৾ৼ৽৾ৼ৽য়ৼ৽৸৽য়৾য়য়য়৽ঢ়ৣ৽য়ৢয়য়	1
14.1 बुण्याहे ळेव चे पूर्या से शुण्या है चित्र प्राप्य से शुण्या है चित्र से स्वर्ण से से स्वर्ण से से स्वर्ण से स्वर्ण से	246
14 2 £2.60181.292.002.302.0003.002.002.002.002.002.002.0	2 1.0 2 1.0 7 1.0
14.2 ব্র'বিশ্বন্ধ্রম'ট্রিব'ল্ল'ল্ফর্ম'ঝ্রাক্'শ্রী'শ্লম্বালালালালালালালালালালালালালালালালালালাল	2-rc 250::::::::::::::::::::::::::::::::::::
14.4 [漢·영·덕·씨희·中夏·덕克·취덕희	250 251
14.5 দেকি ন্ কুব্ অঠি ন জী ক্ষা	
14.6 अप्तर र्ह्येन प्रति अस्तर र्ह्येन स्था	2 <i></i>
14.7 महाकेत्रका हा विश्व में १९ मा १	۷۶. ۱۹۲۰::::::::::::::::::::::::::::::::::::
14.7 ଶ୍ୱର ଛଟି ଛି ହ ଦ୍ରଷ୍ଟ ପ୍ରସ୍ଥର ପର୍ଷ ଛଟି ଅଧିକ ଛି ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧି	رے روز ::::::::::::::::::::::::::::::::::::
14.9 ব্রব্ খ্রী শ্লব্যা	<i>کی۔</i> // ۲۲::::::::::::::::::::::::::::::::::
14.9 「古有・① 滑口啊 14.10 美元・カー・ロッグ (14.10 美元・ロッグ (14.	2J4 اعاد
14.10 축' 현 ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' '	۷۶. ۲۵۲
14.11 もつうつば 滑つい	250 250:::::::::::::::::::::::::::::::::
14.12 5は ついく デーツ	250
٧ ت ک	
रुषान् नहें नहीं से न्या स्ट्रह्म हो हो हो हो हो हो हो हो हो है । है । हो स्ट्रह्म हो हो से स्ट्रह्म हो हो से	
z	
क्यारा के यव रायारा देश तर्वा में हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं से है	नव्यासदाभूनया
15.1 ਕਿ.ਛੇ.ਸਙ.ਛੇਕ.ਟਟ.। ਤੇ.ਯਕ.ਸਡੂਟ.ਸਟ੍ਹ.ਡੂ.ਸਫ੍ਰੈਟ.ਕਕਿ.ਕਕਿ.ਸਕ੍ਰ.ਸਡੂਟ.ਡੂ.ਸ਼੍ਰੀ	259
15.2 দ্ব মুর শ্লম্ম্	·····262
15.3 বু এছ এই সুনৰা	264
15.4 ইন্মন্ন্	·····26 ⁴
15.5 প্ৰ'এৰ শ্লব্	265
15.6 นัก กู้ กลู้กลานให้ สุกลา	266
15.7 མངོད་བུངོ་།་་་་་་་་་་་་་་་་་་་་་་་་་་་་་་	267

1.128

श्री द्वाप्तास्त्र में प्राप्त में क्षेत्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व श्री स्वाप्त स्वाप स्वाप्त स्वाप स्वाप स्वाप्त स्वाप

१.१अट सॅ अ नगुर नदे जार्ट र र र अ हो भूनश

 $\frac{1}{2} \cdot (3 + 3) \cdot (3$ चै.ट्रे.लु.कु.शु.ज.लुटे.जब.श्रुयां क्रैजान्य.टी.ये.थु.कु.जू.ट्राचां थे.कु.शु.ज.टे.जय.ये.वु.च्यीं त्यां विकास स चे.ट्रेजे.अक्ट्र्यां ट्रेपु.कु.शु.ज.श्रुयां केजान्य.टी.शु.कु.जू.ट्राचां थे.कु.शु.ज.टे.जपु.थेट. व्यक्तां विकास यक्षेत्रं केना मुद्दाना यात्रा वित्रं त्यंत्रा श्रुत्रः मुया यहेत्रा स्वा दिवे मिद्दाया नाय्येत्र यत्र प्रक्षेत्रं केना मुद्दाना योत्रं के अहेत्रा स्वा हो दे प्रवि के श्चीर प्रविष्ठ माण्ये माणी प्रत्य प्रविष्ठ प्रविष्ठ र्या श्चीर स्मित स्मित स्मित श्ची सु प्रविष्ठ माणी है सि स चक्रुन्यः कुषार्थः विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विषयः विषयः विष्यं विषयः व عُد عَمَا العنع هِد من عَامَ عِلَى الْحُور عَن عَقَد من عَام بِي عَلَى الْحَرَى فَع مَلِّا الْحَرَى عَلَى الْح عَلَى عَلَى الْعَام هِد من عَامَ عَلَى الْحَرَى عَلَى الْحَرَى عَلَى الْحَرَى عَلَى الْحَرَى عَلَى الْحَرَى عَ عَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْحَرَى الْحَرَى عَلَى الْحَرَى عَلَى الْحَرَى الْحَرَى الْحَرَى الْحَرَى الْحَرَى ال
 والاستان المارين المعدرة المارين المعدرة المارين المار घयास्य वित् त्री सि वित् के तक्ष्वर त्रीय प्राची वित्य से दि तक्ष्य त्रीय के त्रीय के त्रीय कि त्रीय कि त्रीय के त्रीय क ॱतुॱचुरःक्षे) घं यं व्रंयं व्रयायि चर्नां में देवे चुःयुः यंव्यं क्षेत्रं क्षेत्रं च क्चून् व्यक्तं में चक्कुं घेयाया च राष्ट्रः क्षेत्रं चुरःक्षे

 $\exists x_1 \cdot x_2 \cdot x_3 \cdot x_4 \cdot x_4 \cdot x_5 \cdot x_5 \cdot x_4 \cdot x_5 \cdot x_$ त्यानवर्षः के प्राप्त स्थानिक यते छैर मॅबा कुर्न नुसुर् में दिर के म्बद बिमाया दास मक्त के महित्य पर प्राप्त महिता अपना करा अरमा कर से प्राप्त क त्रमान्त्रम् इत्यान्त्रम् वर्षात्रम् त्रम् चें के जीवा विश्व त्यायां के त्या के त्या के त्या है स्वें त्या के त्या के त्या के त्या के त्या के त्या के त्य इ. के त्या के त्रवारामानेकाक्षरास्त्र क्ष्यां प्रमानेकाक्षरा मानेकाक्षरा स्वारामानेकाक्षरा प्रमानकाक्षरा स्वारामानेकाक्षरा स इत्यारामानेकाक्षरा स्वारामानेकाक्षरा स्वारामानेका स्वारामानेका स्वारामानेका स्वारामानेका स्वारामानेका स्वाराम वर्षा मानेकाक्षरा स्वारामानेका स्वारामानेका स्वारामानेका स्वारामानेका स्वारामानेका स्वारामानेका स्वारामानेका स रअभिरंगिः क्या विषा हेर्ने प्रवासु रअभिरंप विषायनिर्णावाकी तुषाण्ठियां वृत्त्वा क्या र्या हुन राह्ना है विषा क्षेत्र राह्ने अवा क्षेत्र राह्मे अवा क्षेत्र राह्ने अवा क्षेत्र राह्मे अवा तर्भ वया वं त् भी प्राप्त प्र प्राप्त ठव.चू। टेब.च.ठ्वे.च.पु.प्याचे.च.च्याचाचाची चे.जाच.चु.चु.चु। श्री अप्याचे.च्याचाची च्याचाचाचाचाचाचाचाचाचाचाचाचा १.वैर्.। ट्रेय.च.च.च.प्याचाचाच्याची च्याची प्राचित्रचु च्याची च्याची च्याची च्याची च्याची च्याची च्याची च्याची चार्वना सर्वेदान्त्रम् । मुलारोद्दे राज्यस्त्रे त्यास्त्रे त्यास्त त्रां चीटा वेपटा में प्राप्त क्षेत्र प्राप्त प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत कूता-क्षेत्र-तूर-टर-त्रश्वरत्या ब्रीट्यरतो ब्रिट-कूर्य-त्यय-विय-ब्रीट्य-त्याया शुन्ते-क्षेत्र-त्यक्षेत्र-क्षेत् भुष्य-तूर्य-क्षेत्र-ब्रीट्र-त्य-क्षित्र-ब्रीट्र-ट्याय-ब्रिय-ब्रीट्र-त्याया विद्य-क्षेत्र-क्षेत्र-क्षेत्र-क्षेत् यर त्यूर र्ने क्वें केंद्र हैया पह्र र्ने] दे व्याने इस्राया ने स्वार प्रतान में हिता के लिया से हिता के से स्वार के से स्वार के से स्वार के से स्वार के ॱॿॺॱय़ऀऀॸ॔ॱक़ढ़ॏॱ॔ढ़ॻॖ॑ॴड़॑ॸॱॺॖॕॸॱॺॏॸ॔ॱॷॖऀढ़ऀॱॸॿॣऀॱॻऻॺॴड़ॸ॔ॱढ़॓ॱॸॱढ़ऀॻ॑ॱॸॖॱऒ॔ॱॴढ़ऀॱॾॗॖऀॴॱॻॕॱॸॸज़ॱॿॣऀॱॻऻॺॴॸॳॎज़ॱऄॸ॔ॱॶॵज़ॴड़ऄॸ॔ॱढ़*ऄ*ढ़ॕऻ

तत्र अं हि क्षण कूट के जो निक्स अप विस्ता के अप से जिल्य सुर हो है जा अप त्या अप त्या

क्रॅंट्य विष्यान्य के विर्वार्य।

चयाचिदः ताय दे क्रियां प्रतिविद्या स्वानक्ष्मी थीश हि नायु क्रियं संस्था स्वानक्ष्मी अस्य स्वानक्ष्मी देव ते चयाचिद्या स्वानक्ष्मी प्रतिविद्या स्वानक्ष्मी स्वान

9.3 अरअ: कुअ: ग्रें अहं दः पदे : श्लूत्र आ

चलेशक ये अलु मो श्रींस-स-स-प्राइट कुंचाक श्राह्म । चिता क्षिय के सार कि सार कि

त्यः ग्रीयः त्याया श्रियः ग्रीटः श्रियः ग्रीः त्यायः श्रीः त्वायः श्रीः त्यायः श्रीः त्यायः श्रीः त्यायः श्रीयः ग्रीः त्यायः श्रीः त्यायः त विवाय वार्षेत्र नश्चित्री। प्रि. वय पर्टेट, क्रिया प्रे. क्रैंट. टेट. या. वार्षु, व्युट्य तथु र या. वार्ष्य प्रमाण प्रमाण प्रह्मेवाय. शुर्दर नंदे क्षा अर रें ने ब्रेणकी नरें रे ग्री से शुर्व से अर शहें के अर ब्रिक नित्र से शहें के साम श्री र अर सक्तात्र म्यून्य स्वर्धात्र प्रकृत्य स्वर्धात्र प्रकृत्य स्वर्धात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्धात्र स्वर्यात्य स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात $\frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \right) \left(\frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \right) \left(\frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \right) \left(\frac{1}{2} \right) \left(\frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \right) \left(\frac$ केव सं अहर ता है र्वा वी सृष्टि से अपनि व स्ववायायां वाव्यार्य सुर्व पाँ इसया की या सूर्व पाँ रे के स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य लम् ह्रेनामान्य न्यान्त्र न्यान्य न्यान्य ह्या स्थापन न्यान्य न्याप्य प्याप्य प्याप्य प्याप्य प्याप्य प्याप्य व्यान्तुन्र ग्विषायान्द्र से केंब्र की प्रक्रिं खेंद्र विवास अहिन यो निष्ठेषाया ने खेंचा ने खेंचा ने खाना ने स त्। र्तित्रा, विक्री त्रित्र, विक्रिट्र विक्रिट्र विक्रान्त के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र विक्षान्त्र के स्वास्त्र के स्व चर.पूँ। ब्रिट ब्रिट अवर्षे, सूर्र देवा ताक्षा प्रकार विकार . शन् शुं प्राप्त इ अर्क्षेत्र वी वाव बर्षे भेट बर्षे वाव विष्तु का बुं का का त्या त्या विष्तु का का का विष्तु व कूँव पति त्राष्ट्रित सर्पान्त स्वाप्त पति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्व ন্ত্ৰ:শ্লুবন্ধ্যু |

१. ६ वर्षेयः राषुः योध्यः प्रचारा है। सैचर्या ।

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} d^{2}x \, d^{2}x$ यात्या देवाचर्ड्दायाचुँ वहुँ त्या देवाचुङ्का के राज्या देवाहाँ वात्या देवाहा यीं श्चित्या देश खेळ दे त्या पे देश के त्या देश का देश के ला देश देश त्या देश देश त्या देश श्वर त्या देश का देश के देश का देश का देश का देश का मश्रुट्यं भी हैट बट्यं महत्र त्र बुर्यं केंद्र परि कर्म महिन्य परि तर्मे केंद्र पर्म केंद्र परम राष्ट्रियाम् नहेत्रातरायान्त्राम् मार्गाम् मार्गाम् स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य ताबु संग्री मान्यक्षावाके राज्ये नाका है। इति सुष्ये के कि तस्य प्राधी संज्ञान स्वापाय का सुर्वे के प्राप्त के मान्य है के वित्र के कि स्वाप्त के स्वप्त के स्वाप्त के स्व चॅत्रे ॱक्रुवाबाः सम्रावाः सम्द्रान् द्रोत्रां विकायाः स्वाधियायाः स्वाधियाः स्वाधियाः स्वाधियाः स्वाधियाः स्व र्नु ग्वाभेगांबाबंबा मुन्तु व्यापा विष्टा गुर्वा विष्टा गुर्वा विष्टा वि कुषायर सहिन्दी प्रमुव राष्ट्रेय सुर्व मुह्म वात्र में अवश्विष्ठ का स्वापाय कर्म सहिन्दी त्यवाषाय भावति विवास्त <u> इत्। इत्युवाची के तयुवानमून नमार्थे नमार्थे सामार्थ स्थान प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प</u>र् हो सिना हो ८.२ वि नर्य नक्ष्य मा सिन्द ने सिन्द में सिन् की पश्चर होता तथा तथा के प्रति के प्रत इति क्ष्याण्ट्यास्त्राचर्स्याः मुक्याः र्ट्रायायवाबारायाय्येर्वे द्वेश्वयाम्बायाप्ट्रम्मुयायाळ्यायायळ्ट्रारी विवेश्वरायायाच्यायायायायायायायायायायाया क्रेरं WC. र्नो तर्व ऋषब ्य रे र्ना क्रेर्स्य या दि क्षेर त्वविषय क्रेर ख्रब क्रेश के ब्रेश्व क्रेर या बर्ट र क्रेर्स प्राप्ट कर्य नश्चरमान्यमा तस्यामानाः है है मान्या है हुट विट नम्ने न पर हैयामानमान्य पर्वे अपनि है त्यानमून है। दे त्यानमून प्रमानिन न मानिन न मानिन न शुं शुः दत्रायमा तद्वां में विदेशीया पा है है गाया ग्राटा चेंसून पा सेंद्र या सुद्र या मेंद्र या मेंद्र या सेंद ्यानसूर्वायानानन्त्रे वर्षार्येत्वातुं श्रुपत्वे त्यां तत्वावी त्यानावनायेवायात्वात्ते वर्षात्वे त्यास्त्रे त्य शहर्, वृत्रा प्रत्योब, त.जुवाब, शहूर.ज. चर्षेच.त. विधे-टे.लूट्य.बी.बी.हि.च.जय. पर्यं, श्री विस्तवाब, त.जुवाब, शहूर.वीब.कीट्. चर्षेच.त. लूट्यं सं त्यं प्रमित्य वित्यं अवाय क्वाया स्वायां अहर्ता वृष्णे लूट्या सं अवाय प्रमाया वित्या में हि रह्या दे प्राया अवाय अवाया अवाया स्वाया अवाया स्वाया अवाया स्वाया अवाया स्वाया अवाया स्वाया अवाया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स् है। श्चार्य सेन्द्र सेन अकूर हेय.ज.रतः थि.वोयश्चा हि.ज.यस्वायः वृद्धाः इत्यायः वृद्धाः वित्यायः वृद्धाः वित्यायः वित्यायः वित्यायः वृद इत्यायन्त्र श्चिर वित्यायः वित्यायः वृद्धाः वित्यायः वृद्धाः वित्यायः वित्यायः वित्यायः वित्यायः वित्यायः वित्य वित्यायः वि इयस्यापारानुस्य त्र्मा विकेर इं क्वें की त्रवास की महिना येना विराह त्यां साम हिनेस से मूर्य से मिन के साम हिन नं सु :बे :क् :बा :बेंग्न संदे न्वर्द्ध न पानि :च क्च :क्वं संवेत :चिंट :क्वं :बे अव :च्वं :क्यं चक्च :क्वं :ब -वं :सु :बे :क्वं :बेंग्न बह्र-हिटा विक्रेर पट दे इंबेबरिवी तर्वे जिस्ता है। विदे में देश में विविध के विविध के विविध के किया में किया में यं.यं.यंम्ब्रवं.तर.विश्व.वर्याविध.ययु. रचयु. त्रव्याचिष्ठं विष्ठं विष्ठं विष्ठं विष्ठं विष्ठं विष्ठं विष्ठं वि

१.५२े'स'नर्हे नकुट्ट्रक्रेशसदेःस्ननश

 $g_{\lambda}(y) = \frac{1}{2} \left[\frac{1}{2}$ ची देव हैं जर्म दे में दूर के दे में प्रति के में प्रति के में प्रति के में प्रति हैं के में में में प्रति हैं बे निर्देश है के निर्देश में कि कि स्वाप्त के कि स्वाप्त के कि स्वाप्त के कि स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स स्वनंत्रुयं क्रें विषय स्वार्धित स्वार्धित क्षेत्र स्वार्थित क्षेत्र स्वार्धित स्वार्य यंबानविकार्याञ्चन पर्ने होतु कुर्याचे राज्याचा विकास विकास करिया है । येवा निकास करिया हो पर्वे विकास करिया है लट न्या लीवा कर्न साने हीर निर्मा क्री चूरा करा करा करा है। से जा करा करा करा करा करा है। से जा निर्मा करा निर्म करा निर्मा करा निर्मा करा निर्मा करा निर्मा करा निर्मा करा निर् शुर्देवाब्र सर्वा यहिवाब हो । वर्षे अंस्व यद्व वर्षे द्वा वर्षे द्वा त्या विवा वी विष्ठे अध्य त्य विवा की वर्षे विदाय होता वर्षे विदाय होते वर्षे वरत याणीयं भी। यार्द्रदर्यापायं के त्यापायां प्रति के। यार्पार्ययां स्वापार्य स्वापार्थ स्वापार्य स्वापार्य स्वापार्य स्वापार्य स्वापार्य स्वापार्य स्व ब्रिअ वृंत्र चुर प्यर मार्द्धमा तमा प्यर प्रदास राज्य कर्मा न प्रदास राज्य मार दें राज्य में में विवास में कि क मब्रूझ्यायते छिर हेर्ण मंदी विद्या वर्षा तिंदा व गुवर्ष मायाविव छीता हेर्ष प्रमित्र वे जेव पर ही छेत्र पेते सुबर्ष ही छेत्र हा हिर्ण पहें च की दिते के ज़ब र्वेष इस्पे पंचर पति के ए ए के बहुन पर दे हुंदे प्रकार दि स्थार की उन प्रवाद कि प्रवाद के स्थ ૢૺૼૼૼૼૼૺઌૡૹ૽ૼઌૣ૽ૹઌૡૢ૽૱ૹૢ૱ૹ૽ૼઌૣ૽ૹઌઌૻૹૻ૽ૹૻઌ૽ૹ૽ૹ૽ૣઌઌ૱ૢ૽ૺ૽ઽ૽ૡ૽૱ૹ૽૱ૹ૽ૹઌઌ૽ઌ<u>૽૱ૹૹઌઌ૽૽ઌ૱ૹ૽૽૱ઌૼ</u>ઌ૽૽ૹૻ૽૽૽ૹૻ૽૽૽ૹૻ૽૽૽ૹ૽૽૱ૹ૽ૢૺ૱ૹ૽ૺ૱ઌૡ૽ૺૺ૾ यते दिने क्रिंट चैंय क्रिका ने क्रिंट प्रकार देते देव का क्रिका निकार प्रकार के क्रिका में क्रिका क्रिका निकार क्रिका निका विभवाद्यात्म्यात्मा अत्राप्तात्मा प्रति क्षेत्राची । ब्रिल्विकार्यस्ति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति । ब्रिल्विकार्यस्ति । ब्रिल्विकार्यस्ति प्रति । व्यवस्ति । व्यवस्ति । व्यवस्ति । ्त्र.पर्विट्र. तम् दुष्. र्जेम्, मूर्य १९ .प्रमूर, प्रमेर, विम्यान मेर्स मूर्य प्रमूर्य प्रमूर्य प्रमुख्य प्रमूर्य प्रमूर प्रमूर्य प्रमूर ब्रेप्पंचर्रम् न के प्रमाणित क बी चिक्री चिन्न ता हुन ता हुन ता हुन ता हुन ता हुन ता चुन ता निक्र के साम हुन ता हुन त लामान्यार्द्राताबुयामान्यार्द्धन्यान्ता व्ययम्बन्धन्यात्त्रीत्त्रात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्य नित्रम्यात्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त् वाव बं अदे चुन्त्र न्यां केंब अकें वा सिन्ता वाव देदी अधारान्ता गुंब छी बार्ग्य राज्याव है वा खून हु गो साय दे वे दी वा है वा वे गा उंगी क्षापाबेबाग्राम नेरान्ता अराहें वापान्ता केंबाह्मबापान्ता करान्तर करान्तर विवेध प्राप्त केंवा विवाध करान्तर विव ठैवार्से प्रमञ्जूषा पाचेर पाने हैं। इसारा पर्स् राग्ने सर्वे। दिन्दे खेवस प्रमान

च.लट.वोबब.स.क्रे.चक्किट्ट.चेब.ब्रा | इश्च.स.ट्रे.क्रे.क्कि.झ.च.ल| ब.क्रूंब.त| पूर्-ब्रैटब.त| क्रूब.झ्या व्यूब.च्यूच.ताचे.च्यूच.चे.च्यूच.च्यूच.ताचे.च्यूच.च्यूच.ताचे.च्यूच.

ॱढ़ॖॸॱज़ॱज़॑ज़॑ॹॱॸक़ॕज़ॱय़ढ़ऀॱढ़ॖॆॸॣॱॴज़ॱड़ॖ॑ज़॑॑ॸॖऒॱढ़ॸॖॿॱ॔ॺ॔ॴॱक़॓ॿ॑ॱय़ॱॻ॔ॿॖॸॖ॔ऻॱॾऺॹॱय़॑ॸॕॱॿॖ॓ॱॸॱॾॗ॓ॱॸॱॿॖ॓ॱॸॱॿॖ॓ॱॸॱॿॖ॓ॸॱॸॣ॔ऻ<u>ॗ</u>

राष्ट्र श्लीच्यायत्त्र स्थ्येत् वीचायव्य स्थयः वीचायाय्य वीच्यायत्त्र स्थायः स्थायः स्थित् स्थायः स्यायः स्थायः स्यायः स्थायः स

क्रिंच-दूर्य-त्यक्ष-त्यी-व्यक्ष-क्ष्री-व्यक्ष-त्यक्ष-त्यक्ष-त्या-क्ष्र-त्यक्ष-त्य-त्यक्ष-त्यक्यक्ष-त्यक्य-त्यक्ष-त्यक्ष-त्यक्ष-त्यक्ष-त्यक्ष-त्यक्ष-त्यक्ष-त्यक्ष-त्यक्ष-

वाशुर्वाकी । हो या पर्के प्रमुद्द र नुवार में प्रमुद्द स्था ।

१.६ र्से स्प्रस्पित र्से स्प्रम्

यविषार्यः वी पङ्के निक्कः सूर्यये आपेर्वः सुरमूर्यः ब्रह्मः याषुआ ग्रीः र्ह्मेना अविष्यः विषयः कुषार्यः विषयः व

बिबाम्यायां बार्मा निवासी

१.७ र्नेर्ग्रे.क्यःरनशःग्रे:भ्रनश

चक्चिर्त्यक्रेयत्र्यात्रम् व्याप्तर्वे विष्याप्तर्वे विष्याप्तर्वे विषयात्रम् विष्याच्यात्रम् विष्याच्यात्रम्याच्यात्रम्यायस्यम्याच्यात्रम्यस्याचयात्रम्यस्यम्यस्यस्यस्यस्यस् रवेंबाचह्र्नायर बूटाचबाडी चरा हुते। दि. वाचर्बा अावादवित चीवा के बीबाद्याय बटबा क्वां शुकार्य ने दु. वजु चरु वे डॉवायर दिराया र्वेदॱख़ॖॱऀॺॹ॑ॹॸॱऻ[॑]ॻऻढ़ॖॏॺॱय़ॱय़ॱख़ॖॱॾॖॏॱढ़ॏढ़॑ॱॾऺऀॱय़ऀॸॱॺज़ॺॱळ॔य़॑ॸ॑ॸॱज़ॹॕॸऻॹॸॱॵढ़ॱख़ॕढ़ॱॹॗऀऻ॔ज़ॹॗढ़॑ॱय़ॱॿॖऀॱ॑ॺड़ॎ इस्रांबा की भी जो भाषा दिसायबा आहें के स्थाय की दिन प्रतेष त्वर्षेवा.बूर्वाच्र्यीच्र्रे,ब्री,लेजायट्र,लट्रे बर्यर्यट्राच्यी लेजारेटाञ्चालाञ्चेवाबाताचेष्यं वर्षाच्यात्वेषाच्यात्यात्वेषाच्यात्वेषाच्यात्वेषाच्यात्वेषाच्यात्वेषाच्यात्वेषाच्यात्यात्वेषाच्यात्वेषाच्यात्वेषाच्यात्वेषाच्यात्वेषाच्यात्वेषाच्यात्वेषाच्यात्वेषाच्यात्वेषाच्यात्वेषाच्यात्वेषाच्यात्वेषाच्यात्व - प्राचित्रां पर्वे प्राचे प्राचित्र प्राचे के प्राचित्र पर्वे प्राचित्र प्राचे प्राचित्र प्राच च.एक्ट.त.लट ब्रुंच.टेत्रुंच सुब.रच.मू.कपु.वीक्षर.टट ब्रैंच.च.एक्ट्रूंच.मू.विट.तर.टे.वीच.त.चवीबाब.तपु.टेब.च.च्.ट्रूंच.तु.व.त्य. त्रचेन नुप्तन नुष्यो नुष्यो निष्या विषया टैवार्च । च.यत्राचारी कुंत्रसींग्ययाविट प्यक्यी बार्च्याययाची बार्च्यायाची कुंच्यायाची कुंच्याया कुंच्याया कुंच्यायाची कुंच्य स्थायाच्चा कि.यथाश्चर ताली यथास्य स्थायाच्चा कर यथाल्चर विराजका विराजका विराजका स्थायाच्चा कर यथा कर यथाल्चर विराजका विराजका कर यथाल्चर विराजका विराज जाबीर्वेशम् देव स्थान्त्र दे वर्षा प्रमा क्षेत्रा है। हु हो। वू मा दे पा पर्व व हुमा हो। प्रमान क्षेत्र हो। । मार्ग व पर्व व हो। मार्ग व पर हो। કે.હો ટુંતુ.એ્ચ.પ્વેચ∠કો

ॱक़ऀॱॺॖॖ.ॺॖ॔ॱय़ॖ_ॱॻऻॳॳॱॻढ़ॺ॓॔ॱक़ॖऀॱय़ॱज़॔ॱढ़॔ॾ॓ॱॴॾॖढ़ॱॻऻऀ॔॔ॿऀ॔ॾ॔ॱढ़ॴॕॱॻ॔ऒॣॸ॔ॱक़ऀॴॱॻॿऀॱय़ॱॴॹ॔ॻऻॴय़ज़ॵॹय़ज़ॎ॔ॱॳ॔ऒ॔ॸॻ॔ॴढ़ऻड़ऻॱॴॼॣॸ॔ॱ या चुनार्यमा ही दार्त कुलार्येते के तथेला है। द्यारा केंना ही पत्रा पहेना प्रेन तेना चुनारा भा ने लाया पहेने हान हो। वेंना या मानवार ला यंथी कुल र्येष भी वो के श्रेष्ठिय निर्मा दें दें की वो पर्या पहुँ निर्मा लें पहुँ निर्मा हो ने पर्या हो निर्मा स्वर्ध में प्राप्त हो निर्मा हो निर चयार्चेर ब्रेबा अपर्व र्य बि च तर्रे दें प्रम्याचि के विषय के बुटका ग्रुप्त संतर्भावा पार्या है से वि पुराप संतर पुराप से कार्य दे पुराप से वार्ष से प्राप्त के से स्रोप के स्रोप के से स्रोप के से स्रोप के से स्रोप के स्रोप के स्रोप के से स्रोप के से स्रोप के स्रोप के स्रोप के स्रोप के स्रोप के स्र र्वहेशर्यं दी केंग के भ्रोग्नाप्य प्रमान्य देश हुँ प्राधित ही हो पर्ट प्रमाण पर्ट एक प्रमान के में प्रमान पर्व हो से प्रमान पर्व है से प्रमान पर्व हो से प्रमान पर्व है से प्रमान पर से प्रमान से प्रमान पर से प्रमान से प्रमान पर से प्रमान पर से प्रमान से प्रम से प्रमान से प्रम से प्रमान से प्रमान से प्रमान से प्रमान से प्रमान से प्रमान से बी लर्ब्यु तः क्वें मारः तुः पहारे का द्वारा देवें देवें प्राप्त को प्राप्त के प्राप्त क व्याप्तवर्ग र क ह इस्रम्य क नार पर खिनाय प्राप्त विवा नीया र क ह विया वेर हो। दे पासुंस पर्माद्री के प्राप्त प्रासे हु गुर से द्राप्त व द्राप्त व र्ट त इंश्रेंश न्वें शर्य र न्वेंट श है नहुन्। वाशुअ र्य हे प्याद लि के भिन्द संबुक पर्या र विश्वें के वार्ष के वार्ष से स्वार्थ के वार्ष के वार के वार्ष के पञ्चरपादा वात्रीयाहे मुनेरापानुंबा वादे बार्यरायम् मुण्यरपाद्वयवायाः कर्षायाः वाद्ययायाः विद्यापार्ये प्राचीता सहिदार्दी निः स्रेर चुन्नराथ सामा क्यार्यन ज्यार स्रिदा रेट र पुणे वो र्स्निय स्रेया स्रेया स्रिदा स्रेया स्रेया स्रिया स चीयथान्नीट्रायहेत्त्रया ट्रेयंज्ञी वित्ववीयत्ता अघरत्त्रत्यक्षण्यात्त्रयात्र्यात्र्यात्त्रयात्त्रयात्त्रयात्र्य भाष्य्वायात्रम्ययान्नीत्र्यम् अद्भावत्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयात्रयात्रयात्त्रयात्रयात्त्रयात्त्रयात्त्रयात्त्रयात्र्यात्त्रयात्त्वयात्त्रयात्त्रयात्त्रयात्त्रयात्त्रयात्त् र्चेषाणुट तसुवा ब्रुट प्राचे के ते पर्वा विदाय विदाय विवेद या प्राचे प्राच प्राचे प्राच प्राचे प्राचे प्राचे प्राचे प्राचे प्राचे प्राचे प्राचे प्राच क्रियारा होने में बियारा बर्या ही हार सुन्या होयारा हैने राज्या होने राज्ये सुका त्या प्रयाप राज्ये रावेर या खेवा या स्वाप स् र्राक्षे क्ष्याया श्री निवाय प्रमा रच मु श्री रच मु श्री याविवाद प्रमा श्री याविवाद प्रमा श्री प्रमा विवाद प्रमा स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स चुना कुलार्यः क्रेंनां ले नित्रः मुद्दाने ने क्रेंके ने जाने ने या प्रेन्तः मुन्दाने मुन्दाने मेन या ने ते स्थान ने ने स्थान ने ने स्थान ने स्थान ने ने स्थान ने स्था चर ब्रिंच त्वेतु विवा दुःवर अंदुः भ्रवं तुर्वे अवाय भीव वित्र केंवा ये केंव ये केंवा ये केंव ये केंवा ये के के केंवा ये वंषा वार्देर-दंशर-ठव-ग्री-सुय-दंश-परी-क्रिंब-परी-ग्रीव-परी-ग्री-सुय-क्रिय-विश्व-पर-सुद-पर-सुद-पर-देश्विद-स्थित वर्षेन् पति कृष्ट अर्देव वेष ठवँ विषाणीय ग्रीटा बद वे न्द्रां प्रायम पति वर्षेन्य पति वर्षेन्य स्थान स्थान स्थ म्बेशकीशक्षित्रक्ष्यान्यं सूर्वेद्वयं सूर्यं त्र्भूलः इयमः क्रिमः स्वान्तः स्वान्तः विष्यः प्रमान्तः विषयः प्रमानः स्वान्तः स्वान्त त्त ब्रियाचना वर्षायाय प्रमानित प्रमानित हो त्र हो त्र वा मुख्या होता । ने वंश ई हिते ग्रन्तर र छेता

तृषु वर्षितः क्षेत्रः स्थलः त्रक्षेत्रः तः त्रा वर्ष्वः तृषु विषयः वर्षे म्बरायां अवायां निराम् म्बरायं अवायं स्त्रीत हो बर्ग निर्माणी बियावाश्वर याते वियावश्वर यात्रीयाम्बराये के वर्ष हो अविरास्त्र यार्श्वियान्यं त्रिं केंबा भूमाबान्यं न्यार्क्षया के धीवायायाया हिमाबाया केमा प्रवास केमा प्रवास के बीमाबाया हिमाबाया हिमाया हिमाबाया हिमाया हिमाबाया हिमाया हिमाबाया हिमाबाया हिमाया हिमाबाया हिमाबाया ह इसका ग्रीका द्वीत हो। ब्रिट् ग्री क्रिका सुर्वाका रहे की दानिका देवा स्थापन स्पेत क्रिका विकास के क्रिका से कार्य के कार्य के क्रिका से कार्य के कार कार्य के कार्य के कार्य के कार कार्य के कार्य के कार्य के कार क्यं नु यह्यं। पर्वतं र्यं मा द्वा सहन् ने दे के सम्बन्ध में में या देन हो प्रमुख मा सम्बन्ध मा स्वन स्वन हो में निहान स यदि केंबाञ्चेयां पार्श्वेदायाया प्राप्त प्र प्राप्त प् शर.त्.चनेर्तत्वर्यम्, कूर्यक्षे अत्तर्यम्, क्ष्याची अत्तर्यम्, व्याप्त स्त्राची प्राचित्त स्त्राची प्राचित्र स्त्र स्त्राची प्राचित्र स्त्र स्त्राची प्राचित्र स्त्र स् रबःळेवःर्यः च्चेरःपबः क्वेंवःयः भेवांयः यः प्रवादः प्रवादः प्रवादः प्रवादः प्रवादः प्रवादः प्रवादः प्रवादः प्रव यद्य-त्र्यात्रवात्रवात्त्वत्त्रवात्त्वत्त्रवात्त्यवात्त्रवात्त्वत्त्त्रवात्त्रवात्त्यवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रव रट वीं बाग्रट हुं व तहे व तार्घट विवा व सुट बाँ व बा बावव यें नयार्घर खेने बादा व व हिं के तार है व वे नव ति कुयार्घ है ह्युव तंद्रेव पर्या ह्युव दर्या वया वेट्या या व हिंगा सर प्रमृत सम्बन्ध प्रिक पर्य ह्यू पर्य व विषय सम्बन्ध पर्य हिंग सर प्रमृत सम्बन्ध प्रमृत प्रमृत प्रमृत सम्बन्ध प्रमृत प्रमृ ग्रैसंन्यायं चन्नमा दे द्रसाचस्यायमाग्री ग्रिजं यापाविट के दे चेते सटं चिन्ते । याप्त चे सुन प्राप्त सुन हे चे प्याप्त संद प्रायो से से ब्रुव इंट्बावबादियां ब्रुट हुन्य विवाद सुन्द विवाद स्वाद का स्वाद की निर्माद की स्वाद की स्वाद स्वाद स्वाद स्व चह्न र्यंत्र हैं अधीन प्रमुचन प्राप्त स्वापन के प्रमुचन के स्थापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन के स चहन र्यंत्र हैं अधीन प्रमुचन के स्वापन के स्वपन के स्वापन के स्व <u> पर्श्ववाद्यास्तर भ्रीत्र स्त्री</u>।

१.७ र्च्- मु.मु.मु.स्ययासम्बुन् त्ययास्तरान्यस्तरान्यस्

क्रियायययपूर्याययप्त्याचे स्वास्त्र क्षेत्र क्षेत्र स्वास्त्र विद्याययप्ति विद्याययप्ति स्वास्त्र स्वास्त्र स्व क्षेत्र विद्याययप्ति स्वास्त्र क्षेत्र स्वास्त्र विद्याययप्ति स्वास्त्र ब्रुणवाग्रीकानर्ग्रेटवायाद्वेराववात्वरावेरावद्वराधेवायात्वे। | वित्रुणी:कुणर्याक्षयात्वराकुणवाविकायात्वेरावद्वराधेवायात्वे। |

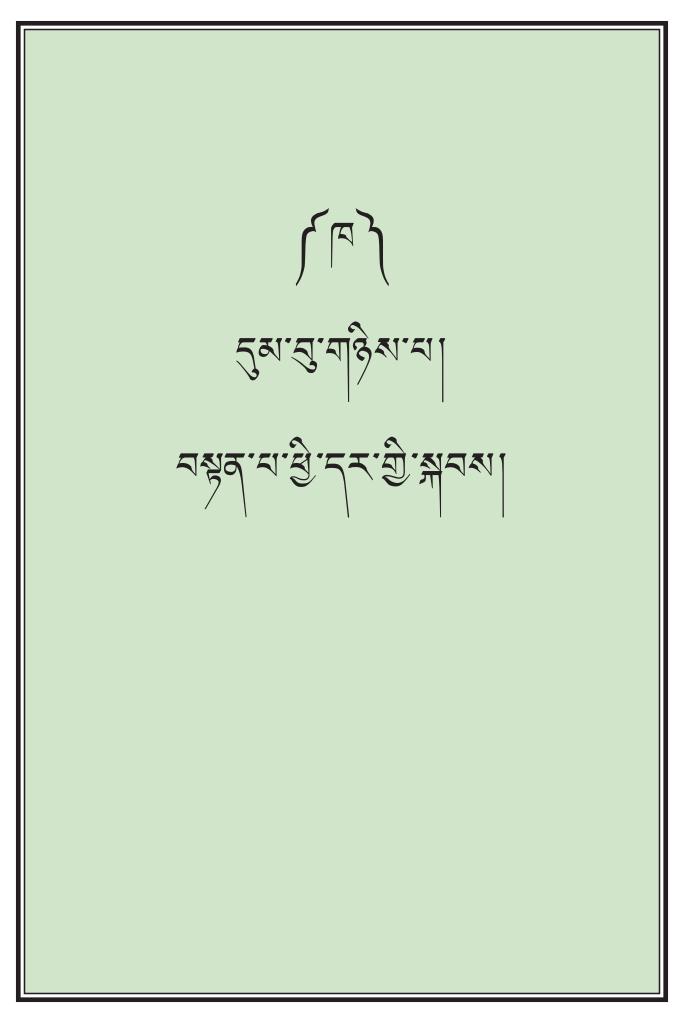
ब्राह्म त्या त्राह्म त्या प्रत्या त्या प्रत्या के कि ता कि म्बुट्। देंदबर्द्धः मुक्तः मुक्तः स्त्रीतुः मेंटः सुविषायक्षण्या अदायक्षण्या सुन्। देवे सुन्दि सुन् हेते. कुण र्यते, त्रांता कि.सं.क. चेरायपुर्वे, संस्था कुण कार्स्य वास्त्र स्वाप्त प्रस्था प्राप्त किया है स्वाप इते. कुण र्यते, त्रांता कि.सं.क. चेरायपुर्वे, संस्था कुण कार्स्य वास्त्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप व्यॅ.सेय.हुं.मूं द्रट.चङ्गला नर्डे.धं.स्थय.डीय.सटकं.येय.अकूरी कुट.यंट.वी.चक्केंटे.टे.कट.यंय.खंदु.वीलटं.टु.लु.डुरं.चपु.कील.स्य.स. थे.इ.चपुषु.यटेवो.डीय.यंय.खेट.जु.कुट.जूत्वाय.खे.वाडीट.। कुट.यंट.केंज.स्.टुंपु.चक्चेट्रत्या ट्रथते.ट्रयं.च्या.ट्र्यं.च्या.कुट.यंट्र.क्या.यंत्रं.च्या.यंत्यंत्रं.च्या.यंत्रं.च्या.यंत्रं.च्या.यंत्रं.च्या.यंत्रं.च्या.यंत्यंत्रं.च्या.यंत्रं.च्या.यंत्रं.च्या.यंत्रं.च्या.यंत्रं.च्या.यंत्यंत्रं.च्या.यंत्रं.च्या.यंत्रं.च्या.यंत्रं.च्या.यंत्रं.च्या.यंत्य महिना है न्याया मित्र हैं देव वाया मिया वार्षिया वार्षिया वार्षिया वार्षिया विश्व विषया क्षेत्र है माया क्षेत्र वार्षिया वार्ष्या वार्षिया वार्ष्या वार्षिया द्रान्ति । ज्ञानि । ज व्यामि । ज्ञानि । जञ्जानि । ज्ञानि । ज्ञानि । ज्ञानि । जञ्जानि । ज कृषिः धेषा क्षान्य स्त्रा कृष्ण क्षेत्र स्वाप्त क्षान्य स्त्रा कृष्ण क्षान्य स्त्रा क्षान्य स्त्रा क्षान्य स्त्र स्त्रा क्षान्य स्त्र स्त्रा क्षान्य स्त्र म्रुअर्थे तिन्या नेते ख्रान गृत र्खेट गृत पर्व स्थेर तिन्य भीता चार खेट अट पर्व ते पर्व प्रामुख र्येव पर कुण सेर पर्वे वा क्रेंव अपर श्चेन : भ्राम्यान ने का के प्रमान के का के कि का का कि का का के कि का के कि का के कि का के का का का कि का के क द्वि. राज्य प्रदेश स्त्रूट सर स् हे में व स्रूर पञ्जेम अवसीट में ट हें स्टेर राज्य पर प्रदेश में स् प्रदेश के भाव है ह्रेट-मुल-देब-संदे-संदे-संदे-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संद इंट-मुल-देब-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-संदेन-स द्राया चित्र सूर्त प्राया मान्य का स्टार्स स्वाया के प्राया के स्वाया के प्राया के स्वाया के स्वया के स्वय बुयाया के गांतु हुन निन्। क्रया बेंदि सुहंद हुन कुया बन पहेंदा के या के निन्या यह वा प्रति हुन प्रति वा विकास में क्रया विकास के वा विकास कर पहेंदा ण्ट्रं क्र.चेट्टवाया क्षेत्रवाया स्वाया स्वया यद्भा दृत्तु है त्यू कृष्ट के कि स्वावित विकास कर किया कृष्ट मान्न के कृष्ट के क्षेत्र कर कि से क्षेत्र कर किय यद्भा दृत्य के क्षेत्र के स्वावित के स्वा तर्या हुत् हिट के जून्ये जिन्न के विश्व के प्रत्या के प्रत्य बत्रे ह्र प्णे नु के न दिए ह्र प्यक्तिया ये दे ने दिए यो हि खेर हे नह व तर्द या दे या व यो या के न खे ते पह व

देट हिट वी सु के च शुक हिट चक्की बा ब्रांबा है यह स्वा हुया है से स्व के स्व के स्व के स्व के स्व के स्व के स् चक्की ने क के है चित्र के बाद के स्व के स्व के स्व है हिट वी सु अ है है से सुवा मान के से मान के से के स्व म्याया कर् निही प्राया प्रताय विकास कर्त निया शाहीर से के या हिन प्राया के मार्थ के से स्थाप का से प्रताय के स त्वुवात्यार्वेदान्नी ज्ञूयार्वे त्वदुर्वा विदिश्या विद्यार्थ विद्य मेल, विश्व अप्तिवासी सु. २. कुषे, ज. सूरे, रेनेट. तृषु, मु. चडी वास लूरे. तं वही जो सि. के. बवा, वासे में हो ये. ज. जूर्व, केश, टच्रे. ही ट. खुर, में जावश्रस. क्षित्रां क्षेत्र क्षे दर्'र्य बर में कुर्णावर्ष्य में व हिर हु व व वेर छै नर्र का व के लें प्रे मुंग दूर देवी पक्क करी छै व हर हु है व व महिर है वेर व र के वि मायर भ्रेया सुभारम् भ्रीया मा भ्रेया मा स्थाप स् सूर इर् जायायायाया क्षेत्राया क्षेत्राय क्षेत्राया क्षेत्राय क्षेत्राय क्षेत्राय क्षेत्राया क्षेत्राय क्षेत्र क् वबा क्रिकें बुर्ण व्यवन्या विट कें हाथ क्रेडिंट में सुर्थ या क्रेडिंट प्रमें बार् विट क्रेडिंट या कें क्रेडिंट विट क्रेडिंट विट क्रेडिंट क्रिंट क्रेडिंट क्र ल्यातापट्या ट्रेंच्यां केतार्ययाकट्टें हैं रहिटा में कितारा केता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्व या स्वीता प्राप्ते स्वात् स्वीता स्व चिम्द्रिन्त्रम् नेष्ट्री व्यापाद्धः द्वातात्रम् स्वाप्यास्य स्वाप्य स्वाप्यास्य स्वाप्य स्वाप्यास्य स्वाप्यास्य स्वाप्यास्य स् ब्रिट्र विद्रावित दिर् वी देर वा वा दे वा वर विषय केर विषय कुर व विषय केर विषय केर विषय केर वा के वा विषय केर ह्मदः दुर्बा नृति : श्री व्यापां शुष्ठा क्षदः श्रे श्री दे श्री दे पार्श्वयाया विवादी हिं कि प्राप्त हो श्री पार्थ होते । विवाद हो श्री पार्थ होते । विवाद हो श्री पार्थ होते । विवाद होते वी क्वतार्य द्वी अपदे तियाया व र्युया भेवा क्वता याळ व नवह व नवि न निवार्य द्वी न रावे नु व भीव हो।

चेड्नच डेंचे.डूट-ताड़ेचा चथ्र.इट-ताड़्चा कुट-श्चट-ताचीट-ताचीट-ताचीट्रचालट-ट्र-लु-ला-चेला ट्रच-वेड्नच ट्रच-डुचे.इट्ची-तर्प्र तावेश्वरात्थेच अट्ट-स्ट्रची चथ्र.इट्ची-सप्ताविश्वरात्थेच विश्वरात्थेच अट्ट-स्ट्रची च्यू-इट्चिच-स्ट्रची च्यू-इट्चिच-स्ट्रची च्यू-इट्चिच-स्ट्रची च्यू-इट्चिच-स्ट्रची च्यू-इट्चिच-स्ट्रची-स्ट्रची-स्ट्

है'कुलंदेंदें'तुबाबुं केंबाचुटा

१.११ त्यूर-द्रम् स्थानभूत्रायानभूत्र सानभूत्र अर्चे दार्से प्रियायार्के शामार्द्ध मायाप्ति प्रत्यापता स्थापता स्थापता



१.१ नसूत्र राष्ट्री न्राष्ट्री विं क्षेत्र वार्य न्या केत्र वें वार्य विं सूत्र वा

रेते क्षें अः मृत्वा विभिन्न क्षेत्रं क हैं बर्ट स्वर्धि के वर्षि रामित हो वर्षित वर्षा है बर्षों सुका हुँ हैं स्थाप स्वाकार हों वर्षित स्वाकार स्व विश्व शुं कुं कुं हुं न या श्राप्तिर्य ही ट्रे अयं वर बूब विय बुट रिच्व रिच्व यन् वृष्ट्य रिच्य रिच्य र्या विष्ट रिव्य हिंद र्हें हे 'बेब' चुं पारत्यवाब ये 'बुब' रब' विचेवाब ग्री 'बया अर्घेट पा बेवा या चुट 'स्हुच' सर्केव 'ह 'बेबब पाई हा कु में महिता पाई वाई राय हो सही. कुं पहेंब पर्ष्य प्रायम् । वर्ष प्राप्त देव प्राप्त क्या था ज्ञा वर्ष वर्ष अप अप वर्षित प्राप्त है वर्ष प्राप्त ۺٳٵڂڒڂۦڰؚڡ؞ڟؚڽٚۦڟڕ؞ڴٚڡٳ؞ڟۼؖ؆ۥٷ۪ٷۧڂ؞ڟڕٵٵڟڠٚڡ؞ڄڲٛڡڵڡ؞ۻڰٛڄ؞۩ٞڡ؞ڝۘڔٷ؞ۿ؇ٳڬڂ؞ڽؚػ؞ڟڂڡٳ؞ڝٳڡ؞ڿڡ؞ڰۦڴڂ؞ڝ؞ٵڮ؞ तस्त्रात्त्रवाद्यात्रात्त्रक्षात्रात्त्रक्षात्त्रात्त्रम् । देवतात्त्रवाद्यात्त्रक्षात्त्रक्षात्रकष् सर्नियम् क्रिंद्रियम् तिहास्ति विकास क्रिया में क्रिया क्रिया में क्रिय में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिय म तुःसुं वो : के द'र्यः द्वृदः चर्त्रा चंर्दु दं रेयः ब्विँदः ग्रीकं वा सुंभाष्य स्थाने होता । गृर्दि दः अर्के वा ग्रायि दाविका द्वारा विकास स्थाने होता । के दार्विका सुनि के स्थान स्थान वसार्च्र-दे.चुंता.कुं.त.लट.झटी द्रव.लट.झ.ह्या.चंर्य्यावर.धे.बै.बुट.हुंव्यत्तला श्रु.इस्त्रस्यां चक्षवे.त.द्रव.कुव.हुंच्या.हुंट्.कुं.व्यट.हो ट्रे. वी क्र डीव पर । । नस्रव क्रम मेर्च दु दु से वाने र विवा विवा विवास वाव मार्च मुस्य र हु। क्षुर्य दु क्षेत्र स् नं व वितु रत् सुव नगु विव नु न से संभीव रा क्रेंनव निर्देश रा ने समक्ति केवरों सर्वेत रा निर्देश के निर्देश की वर्ष का में व केवर में निट्रियाटा वृद्धित्य केवार्य प्रदेश श्रुवा पहें वाया प्रदेश श्रुवा है वापटा वाया वाया वाया वाया वाया वाया वाया चट्चा.ल.क्रॅट.मूंचीयात्रासद्देरी दुयाचायुलाचायधेतात्री हि.ययाचटची.क्षेट.कुयातुम.क्षेट.च.द्वी.सपु.य्यात्रीयात्र चा.स्रीच.सपु.श्रीय.कं.प्री विवाया-प्रानाव्याता्याताय्यात्रायात्र सीयान्त्रे मित्र म न्नारा ही बाज वर्षा हा वीना यो भी बाज प्राप्त है। ता विना का ता कि का निकार के का निकार हो हो है के का में का निकार के बाज के निकार है के का निकार के निक ૻ૽[૽]૱૽ૣ૾ઌૄૻૹૢઽ૽ૹઌઽ૽ૺ૽૽૱ૹઌ૽૽ૡ૽ૺ૱ૹૹ૽૽૱૽ૣૼઽૺઌૹ૽ૢ૽૱ઌ૱ઌ૽૽ૺ૱ૹૄ૽ૺઽૺઌૹઌ૽૽ૢ૽ૡ૽ૼઌ૾ઌ૽૽ૢ૽ૡૼઌ૽ૹ૽૽ૢ૽ૼઽઌૹ૽૽ૡૹઌઌ૽૽ૡ૽ૺ૱ૢઌઌઌૢ૽૱ श्चीट्रिट्र प्रक्रियं में स्वाप्त में किया में स्वाप्त के स्वाप्त में स्वप्त में स्वाप्त में स्वप्त में स् य^ॱइब्रब्स धिव वि | दि :क्षूर :क्षु :बें प्रवि :विषय क्रब्स देने | क्ष्रिंब :पेर्डें व :क्ष्व :प्यें प्रवें :क्ष्य :बेंद :क्ष्य :बेंद :क्ष्य :बेंद :क्ष्य :बेंद :क्ष्य :बेंद न्दा क्षेत्र-क्षेत्रान्ते प्रते क्षेत्रवार्यः स्त्रेत्वात्रक्षः वित्रान्ते क्षेत्रक्षः स्त्रेत्रक्षः स्त्रेत्व इ.स.चक्षः स्वर्त्ते स्त्रेत्वात्रक्षः स्वर्त्ते स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर्त्ते स्वर्त्ते स्वर्त्ते स्वर्त्ते स् त्रवाती नर्वात्वे स्वर्वाता कर्ता व्यवस्था क्षेत्र प्रति क्षेत्र प्रति । विष्ट्र स्वर्वात्य प्रविष्य प्रति । विष्ट्र स्वर्वात्य प्रविष्य प्रति । विष्ट्र स्वर्वात्य विषय । विष्ट्र स्वर्वात्य विष्ट्र स्वर्वात्य । विष्ट्र स्वर्वात्य विष्ट्र स्वर्वात्य । विष्ट्र स्वर्वात्य विष्ट्र स्वर्वात्य । विष्ट्र स्वर्वात्य स्वर्वात्य स्वर्वात्य । विष्ट्र स्वर्वात्य स्वर्वात्य स्वर्वात्य । विष्ट्र स्वर्वात्य स्वरत्य स्वर्वात्य स्वरत्य स्वर्वात्य स्वरत्य स्वर्वात्य स्वर्वात्य स्वर्वात्य स्वर्वे स्वर्वे स्वर्वात्य स्वर्वे स्वयः स्वर्वे स्वर्वे स्वर्वे स्वर्वे स्वर्वे स्वर्ये स्वर्वे स्वर्वे स्वर्ये स्वर्वे स्वर्वे स्वर्ये स्वर्वे स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वयं स्वयं कृषःत्यायाविषः दी ८८. त्र. से. त. प्राप्त कृष्णे विष्यः स्थान्त कृष्णे विषयः स्थान्त विषयः स्थान्त विषयः स्थान स्थाने विषयः प्राप्त कृष्णे विषयः स्थाने विषयः स्थाने विषयः स्थाने विषयः स्थाने विषयः स्थाने विषयः स्थाने विषय श्रु-रिटान्द्र्यत्तायकु नर्षु कृत्विका श्रुका श्रुका स्वाया स्वया 'नर्वोबाने। र्श्चेन'नेर्धेब'ने'विबाग्येर'ने'क्षे'नवार'खेब'ब'चबुवाबाबेबं'वाबुर'। धरायहैवान्नेब'ग्री'विश्वबायिन'लेखाबायायहं सान्याया

ब्रॅन 'यद्देन' प्राप्त क्षेत्र क्षेत्

१.१ वें केंत्र की भूतश

१.३ रुषःसर्ह्यस्यःनश्चेग्रयःसर्वः स्नूनश्

प्रदम्भा क्षिप्रायद्भ्यात्राम् स्वायाः स्वयाः स्वयः स्वय

कुर्या, हैं य. मैं लटा श्रीय अर्थ स्वराह्म स्वराह्म स्वराह्म स्वराह्म स्वराह्म स्वराह्म स्वराह्म स्वराह्म स्वर स्वराह्म र्देन बेदे दे राज्य हैं में हे बुद इरवादवायबूद यांचा वुवाद वा अहन यो निर्देश विवास के बेदे दे रिराजा के में विवास के बार्ज के विवास य्रद्राचळाळत्याक्त्राचीत्रुयाची हो हो होत्तर्या के द्राप्त के द्राप्त के त्या के त दे क्षित्र दे स्थेन मानविन मान दे सार असी के अपति रे दे सार कि सार में कि सार है कि सार है के सार है के सार है र्टा हैंग हैं क्षेत्र वेश र्यार्टा सर बट र्टाय वेश रवा है लें द्वाय हमा है जिस्सा क्षेत्र क्षे दें त्यां ब्रेग्वां चंदवं त्यारा क्रेंब्यं बहु वाया चुंब्रंब्य के गूर्वा या पात्र निष्ठ चेवा प्रवास के विकास के वितास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के व वयान्यार्थित्तः मुग्नरः पुर्वेव वया श्चरः र्वेत् पुर्वेव हे खेव ययाये वयायर नश्चरया पुर्वेय र्वे प्रवेर मुख्य प मुंबार्य प्राकृत महिना क्षेत्र स्त्र स्त्र त्या वित्य स्त्र श्चेत्राकु^रर्नर रुज्य अह्नी नेते श्चे व्यक्ति स्वापाय स्थापति है से राम के सूर्य के सूर्य के स्वाप के स्वाप से स मू. ५. १५ - व्यू. अवाया मू. व्यू. त्र . र . र . मा. में व्यू. त्र . व्यू. त्र . व्यू. त्र . व्यू. व्यू ङ्कं प्रचुन प्रति से संग्राट धेन ने हे का की कार्य सूना नका है के हे क्या हु के कि कि प्रति स्था के हैं के कि क विवा विवादित निर्मात अकेवा कुल ये का विवादित है के विश्व के निर्माल कर में कि का किया में कि कि कि कि कि कि कि रातर्शायते क्रियामहेराता ल्याचा मायते अपन्यामु रायहन् विषये केना में हिन महामायहा मानुका ही मुक्ति का मायहे अपन्यामु में बूट्ट मुंद्र प्रत्ये प्रत्ये व्यानिया है प्रत्ये के प्र लर्मा प्राप्त स्वर्म क्रिया में प्राप्त प्राप्त क्रिया में प्राप्त क्रिया में प्राप्त क्रिया में क्रिया में प्राप्त क्रिया में क्रिय में क्रिय में क्रिया में क्रिया में क्रिय में क्रिया में क्रिय म रुष्वेचमानमा ने ने ने नि की मुंदा में मुंदा है ने मुंदा कि नियं में मुंदा मुंद ब्रु.बैट.बूर.जू.चब्रियानविचाना टे.इ.स.झ.स्.मांश.चब्रिश.ज.स्वोय.त.ज.चक्रैट.त.चर.शदु.कूर्य.बंशय.चीयेट्या हू.च्.इ.चीराचाय.च्या.चू.वे. त्र इत्यास्त्र हिं स्पूर्णियम् वयास्य वित्र हिं स्वराम्य वित्र स्वराम्य स्वराम स्वराम्य स्वराम स्वराम स्वराम्य स्वराम स्वराम स्वराम्य स्वराम स्वरा केर वाश्चरंश देवे के नगत वाद्यकार के भू अकेर वाश्चयं दृष्ट श्चेत स्थान के वाद्य प्राप्त के वाद्य के कि से कि क $\vec{a} = \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot$ याक्च केन अहिन नि नि ने ति है निर्द्ध न की वानि नि निर्देश की निर्देश के विशेष के निर्देश के निर्देश के निर्देश की निर्देश के निर्द के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्द के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्द के चे.ट्रिय्वे.ध्र्यः भ्रीयः क्षेटः अद्यः क्षेट्रः भ्रीः चनटः यः क्षेत्रः अहटः यः यः स्वायः हो हे.ट्यां स्वेट्रः चग्रेयः विद्यां स्वेट्रः अहटः अहटः विद्यां स्वेट्रः चग्रेयः विद्यां स्वेट्रः अहटः अहटः विद्यां स्वेट्रः चग्रेयः स्वेट्रः स्वेट्रं क्षेत्रः स्वेट्रं क्षेत्रं स्वेट्रं क्षेत्रः स्वेट्रं क्षेत्रं स्वेट्रं क्षेत्रं स्वेट्रं क्षेत्रं स्वेट्रं क्षेत्रं स्वेट्रं स्वेट्रं क्षेत्रं स्वेट्रं स्वेट्र न्द्व अं भेरे विनम्भ भ ने नुम्म में नुम्म प्रमा मुं नुम्म मुं निवेष प्रमा वर्ग प्रमे निम्म के निम्म के निम्म निम निम्म निम निम्म निम के. बह्दाया श्रुपं पक्कित्यों, प्रदेश प्रदेश क्षेत्र स्त्रीय क्षेत्र स्त्रीय अप्तर स्त्रीय अप्तर स्वाय स्त्रीय अप्तर स्वाय स्वर्थ स्वर्ध स्वर्थ स्वर् <u> हु</u>र्वाय.तर.एक्रैर.र्रू। रिय.त्रक्ट्रिय.टाङ्ग्रीवाय.तप्र.क्षेटय.सूर्वा। II

१. व्याः से सः दर्भे तः श्री सः नाइना त्यना निष्टः न न न सदिः श्ली न स्रा

 $\underbrace{\underbrace{u_{0}}_{i}}_{i} \underbrace{u_{0}}_{i} \underbrace{u_{0}}_$ पद्माराष्ट्रे से किट तो तोचु किट ताधुबा य जॅश में कराष्ट्र या प्रकार कर ता है यो अब कुर्व सूतु ता किट सूर्वे क्षेत्र स्वाय रावा ये ता प्रकार किया स्वाय किया है से प्रवास स्वाय स्व चेत्रास्तायावन् मुख्यावार्याः क्षेत्राचारवार्याः मुख्याव्याः मुख्याव्याः मुख्याः मुख्याय्याः मुख्याय्यायः मुख्य नियास्तायाव्यामुख्यायाः अविवाद्यायाः मुख्यायाः मुख्याय्यायाः मुख्याय्यायाः मुख्यायाः मुख्यायाः मुख्यायाः मुख्य युष्ट्या श्चर क्रिया क्रिया स्वार प्रविद्या स्वार में व्या क्रिया प्रविद्या है वित्र प्रविद्या स्वार में वित्र वयाच्ची स्वापना में स्वापना में प्राप्त का स्वापना में स्वापना र्थे के प्रवेदम् देवे प्रवेदम् स्था अर्थे देवविका मुक्त के किया मुक्त प्रवेदम् स्था स्थाप मूर्य वेश प्राज्य विवास हो निवास के वर्ष पर प्राज्य निवास हो निवास हो है निवास हो निवास है विवास है विवास है व सुं पोवर्षाय न्वें निवस्ति स्वान स्वान पवितर के निर्देश के स्वान में स्वान स्वान स्वान स्वान स्वान स्वान स्वान द्रेण प्रमेश मुं प्रमाद्र में देश प्रमेश प्रमाद्र में प्रमेश में प्रमाद में प्रमाद में महिला में प्रमाद में महिला में प्रमाद में महिला महि ह्मद्रांगा हुं हुन्तर्रे अ सुंअ पर्गोत् सुंगवद्र प्रवेद माने माने अर्क द हित्य हिन पहिना सुंग प्रवेद सुंग प्रव यटारी प्रश्नेया चीटा विकार स्था की जिस्ता की स्था की चीश्वरास्त्रियाचा वि ह्रेव स्वर् सेर्य में चूर्व मुग्नामा स्वर् वर्ष हुव वेश वि स्वरापिया है से स्वर्ध से स्वर ॻॖऀॱॶऀॸॱय़ॖॺॱॾॗॖॖॖॖॖॖॸॱ॔ॾॸॺॱॺ॓ॱख़ॖॕॱॼॕॺॱॸऄॖॱॸ॓ढ़ॏॸॕॴॱॸ॓ॱॺॖॺॱਘॸॱॱख़ॕॣॸॱॸॖ॑ॱॾॖॕॺॱॺॺख़ॎॱऴॺ॔ॱॻऻॹॖॺॱॻॖऀॱॺळॕॸॗॱय़ॱॻऻॺॖॺॱॹॖॱॸऻॸॱॶ॑ॴॸऻढ़ॏॸॴ*॓*ॸ॓ॱ ॱढ़ॖॸॱॼॖ॑ॸॱख़ॖज़ॕॱॺ॓॔ॺॺॱॸॣॻ॑ढ़ॱॾॣॖॕ॔॔॔ॿॱॴ॔ॺॱॻॖऀॱॡॕॖॸऻॺॱॸढ़॑ॿॱॸॣॻ॓॔ॹॖॺॱॴॣॿ॔ॹॶॱॸऻज़ॗॸॱज़ॖॱॸॱज़ॸॹॵॖॺॱॸऺज़ॖ॓ॱड़ॱॹॾॺॺॱख़ॿ॑ॱख़ॸ॔ॱॸॗऻ र्म् इ.ट्रनट् रैवी. त्रुयः यषुट्यः तपु. भ्रियः प्रीची. क्षेयः ग्री. क्षें । तट् ट्रियूटः ब्रूट्यायः तप्रः त्यविष्यः तप्रः विष्यः यो विद्यः तप्रः विद्यः तप्रः विद्यः तप्रः विद्यः तप्रः विद्यः विद्य गुनाविन्यन्य, विन्यम् स्वत्याचा निवानको निवानक चिद्धवार्यवाप्तरा स्वावर वीबाह्यर पर र्रायसवाबारा चाहार धीदार्शी ता श्रेबार्सेदा श्रीता श्रीबाविदाय विदाय पर स

१.५ वर्षानावहें दानवे तें क्रू भागी भ्रम्भा

शायबात्तरः श्रीर्म श्रीयवाश्चीश्वात्तरः श्रीट्याचिराः श्रीट्राचिन् चित्रवात्तरः श्रीत्वात्तरः श्रीत्वाश्चीश्वात्वरः विद्वात्वरः विद्वरः विद्वात्वरः विद्वात्वरः विद्वात्वरः विद्वरः विद्वात्वरः विद्वरः विद्वरः विद्वयः विद्वरः विद्व

ॱॿॖॺॱॸ॔ॸॱॾॣॕॱॡॖॸॱॻऻढ़ॖऀॺॱॸ॔ॹॖॺॱॻॖऀॱॹॖॱढ़॓ॺऻॱॸ॓ॱय़ॱय़ॾऀॺॹय़ॱऄॺॱॸॸॱय़ॕॸॱॿऀ।ॱॺॸय़ॱॸऀॱॿॱॸ॓ॱॸऀॸॎॱॴॺॺॱय़ॱक़ॆॿॱय़ॕॸॱॹॗॗॸॱय़ऄॱ वर्षियक्षण नियम्भात्त्रात्त्राच्या स्टार्स्ट्रम् मूर्य त्रक्ष्याचित्रयाच चर छुन वै। खुल क्वारे क्रेंकिय ना देश तस्व खुल क्वारा ना विकास क्वारा मुक्त क्वारा ना स्वार क्वारा ना स्वार हि सीरा में ही और तापु जिए या क्षत्र में तीरा नाम तिया में तिया मे में तिया म र्क्षेट्र अंटर र पंथे द्वा स्ट्राट स्वर प्यंप पुंच स्वर प्यंत्र वाय विषय प्रति । प्रति प्रति पर्यंत्र प्रति पर्यं स्वर्ध के प्रति प् मुन्दित्य प्रत्य प्रत्य विकारी है अपि अर्दे स्वर्ध पार्वित स्वर्ध प्रत्य मुर्थियामान्याम्ययो मञ्जू कुर सूम शिर अक्त्यमा भू शितारा ही शिरा मिर्थिया मिर्थिया श्री श्री मिर्थिय स्मिर र मिर्थिया सूर्य स्मिर स् चर्रित्याचाइअवायाञ्चरम् अवराष्ट्रवृत्यायाः अवराष्ट्रवृत्यायाः अहर्त्ववायाः विक्रात्वे प्रतिकृताः के प्रतिकृति के प्रतिकृताः के प्रतिकृतः के प्रतिकृति के प्रतिकृति के प्रतिकृतः के प्रतिकृतः के प्रतिकृतः के प्रतिकृते के प्रतिकृत ब्रवियान्त्रायान्त्रात्त्रात्त्राह्न्त् नर्वित्रायाकुः श्रीवाखर्णवीत्रात्त्राचेत्रावित्रायान्त्रात्त्राचित्रायाकुः श्रीवाखर्णवीत्रायान्त्राचित्रायान्त्रात्त्राचित्रायान्त्रात्त्राचित्रायान्त्रायान्त्राचित्रायान्त्राचित्रायान्त्राचित्रायान्त्राचित्रायान्त्राचित्रायान्त्राचित्रायान्त्राचित्रायान्त्रायान्त्राचित्रायान्त्रायस्यान्त्रायान्त्रयान्त्रायान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयाप्त्रयापत्रयाप्त्रयाप द्वात्रवाक्षां व प्रचेत्रां प्रवासी के कि रायत्वा के कि रायवें व प्रचार प्रचेत रायत्वा के कि रायत्वा के कि रायव बाह्यमा सार्ह्र नार्षेत्र। देते :श्चिम् साह्यमा तर्हेर हि से साहमा साहमा साहमा साहमा साहमा साहमा साहमा साहमा स न्गु न्दर्वित के शक्ति है नेवन के बाद वर्ष अर्थे के निवास निवास के लिए हैं के निवास ब्रांके ने बर्ग क्रिं र ब्रां श्रीर ने ने ने ब्रांकें चर्र हिया के विषय में प्राप्त निकार के अधिन ने ब्रां ने विषय निकार के विषय निकार निकार के विषय निकार निकार निकार के विषय निकार क्षेत्री मृष्ट् के तृष्टी मृष्टा पर्याप्त प्रमृष्ट के मृष्ट प्रमृष्ट के अक्षत्र प्रमृष्ट प्रमृष्ट के प चंद्र-रि.पर्यान्य-प्रमानविर्याः अविषय्पर्याः चक्र्यान्यस्य विष्याः विष्याः विषयः विष म्बार्च परियामी में बार्य में बार्य में बार्य से हैं मिर्देश में बार्य हैं से बार्य में से से बार्य में से से बार्य में से बार्य में से बार्य में से बार्य में से बार में से बार्य में से बार में से बार्य में से से बार्य में से बार में से बार में से बार्य में से बार्य में से बार्य में से बार बुंपासुतै अपन् रें केंबा चुंदा दानंबत पंखेदान्बियां देते क्लिया संति अपन्दर्श केंबा ग्री पर्टेंद प्रचुंबा देते क्लियां सुति अपन्दर्श क्ष्यामुण्यान्त्रेत्रं केत्रान्यया देतेः श्चेत्रां या अर्थायत्रां या प्रति या प्रति श्चेत्रं या या देते श्चेत्य या देते श्चेत्रं या या प्रति या प्र चीयात्राद्रीयताचित्रात्त्रीया दे.विश्वाकुःश्चितायात्राद्रीय वार्षाकेत्री लाटा हियात्रीयात् वृण्यां या वार्षा के विष्यां के व धून ज.पकुराया विषय में विषय होता है अहै है जिस होता है अहै जिस हो है अहै जिस होता है जिस है जिस होता है जिस है जिस होता है जिए जिस होता है जिस होता है जिस है जिए जिस है जिए जिस है जिए क्षिता विषय मेर्या देवाया स्तित प्रह्म बिरा की स्था है। से स्तित किया है। से स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्व ढ़ॖॱॾॖॕॸॕॱॸॱॾॖॕॱॻॖॕॺॱॻॻऻॴ॔ॖ॓ढ़ॖॱॾॣॕॸॱॺॱॿऀज़ॱॻॖॕॱॹॱॸॱख़॔॔॔॓ॿॎॖॺॺॱॻॻऻॴ॒॔ढ़ढ़ऀॱॿॖॕॸॱॺॱढ़ॕॴख़ॎॺॹढ़ॎॹऻढ़ॖऀढ़ ढ़ॸॕॱॸॱॾॖॕॱॻॖॕॺॱॻॻऻॴ॔ॖढ़ढ़ॱॿॕॖॸॱॺॱॾऀज़ॱॻॖॕॱॹॱॸख़॔ॴॿॖॎॺॺॱॻॻऻॴ॔ॗढ़ढ़ऀॶॱय़ॱख़ज़ॿॎॺॱय़ॱॿॖॕॺ॔ॱॺड़॔॔ॱॻॺॸ॔ॱय़॑ॱॺड़॔ॸॱख़॔ज़ॱॿॖऀॺ ढ़ढ़ढ़ऀढ़ॱय़ॱॾॖॕॱॻॖॕॺॱॻॻऻॴ॔ॖढ़ढ़ऀॱॿॖॕॸॱॴढ़॔ॱॹॱॸॹ॔ज़ॿॖॎॺॺॱॻॻऻॴ॔ॗढ़ढ़ऀॶ॔ॸॱढ़ढ़ॴढ़ऻॺऻॎढ़॓॔ऄ॔ॱय़ॺॸ॔ॱय़॑ॱॺड़॔ढ़ॱय़॑ॺॱड़ॖऀॱॿॕढ़ॸ वैषारचा कृते क्षेत्रं अपन्ते तर्जा तर्दे व क्षेत्रं कार्य प्राप्त हुट वृषाक्ष न्दर क्षेत्रं व त्या क्षेत्रं व व बंह्री देवु श्रुच अन्तर्भ मार्चे व सैवी में नर्दा नर्दे व ते वेष्ठ का भी वासी ना से देवा वासी निर्मा के स्वीता में से वासी निर्मा के से वासी निर्म के से वासी निर्मा के से वासी निर्म के से वासी निर्मा के से वासी निर्म के नगर अंत्रे लु य सुया देश हु अव के के विषय के अविदारी अहें नि है के अविदार के अविदार के लिए के कि के कि कि कि क मामवा नेमार्नेव क्रें रेर प्रमुद्ध सम्बद्ध वर क्रेंग पा होया वर में मानवार देता दुर्चेव क्रें ही प्रमुव केर मे विमार्ने र दर पति हुए। ही मानवार

 $\underbrace{}_{\text{Lat}} \underbrace{}_{\text{Lat}} \underbrace{$ र्ळर्-यितः क्रुवेशः पुंच्येर् व्यवस्य व्यवस्य विषयि। देः ये सुरक्षितः क्रुवेशः वुकार्या। दिः क्रियायः विदेशः क्रियः स्वर्धः सुर्वेशः विश्वरः र्वायः विद्वरः

य प्रविदःश्रीषाय धिदा

बाबळें स्वापनिबारपायं बर्दा है। यदी पानिबायायहेन निबायायेन विवाय है। विवाय के प्राप्त के यंबार्न्र-प्यात्त्वायत्त्रे प्रवित् क्षुत्रं चक्कत्याच्यात्रे प्रवित् वीत्रायत्त्रे प्रवित् वित्रायत्त्रे प्रवित्रे प्रवित् वित्रयत्त्रे प्रवित् वित्रयत्त्ते प्रवित् वित्रयत्त्रे प्रवित् वित्रयत्त्रयत्त्रयत्त्रयत्त्रयत्ते प्रवित् वित्रयत्ति वित्रयत्ति

ल्. चेर क्ष्रक तहे व. र. प्रथे । हि. स्. कु व. स्. हैं कि व. कु व. ता. क्षेत्र व. प्रकेष के के कि व. ता. क ्याधेन'त्वहरानवे क्वेंबाक्ष्यायां व्यवस्थात् विस्वारा व्यवस्थात् । विस्वारा विस्वरा विस्वारा विस्वारा विस्वारा विस्वारा विस्वरा वि पूर्टि टार्झैर्वे हु अ.क्.व्यट्सर्ट्स् हुवायाकु राष्ट्रेस्त्र हुवायाकुर्यात्वा हुट्सर्थाययाकुर्यात्वा हुत्सर्था प्रदेशायाकुर्यात्वा हुत्सर्था प्रदेशायाकुर्यात्वा हुत्सर्था हुवायाकुर्यात्वा हुत्सर्था हुवायाकुर्यात्वा हुवायाकुर्यात्वा हुवायाकुर्यात्वा हुवायाकुर्यात्वा हुवाया चर्श्वनं पर्याया वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा के निर्धा के नि ण.षुबाची.च। नि.मेबापूर्ट.ग्रीबाझैच ट्रटबाचेबा विचाबाई ए.धे.शबाभैटाचभैता हो चिसैच तार्च च कुच चाचबाचेए होर् । शिवचे प्.श्रूट्ट. चीरत्तर होचाबाचेबा शिवबाचर्द्ध क्षेच तापु एटीचा भि.क्षेच ह्याता ह्या जिलाशक्य अह्य प्राप्त में ग्रीच जावाबाचर जी रात्ता विट्याच्या हियाबाई ताता हुं जिताबावा प्राप्त होता जावाबा चर्या चिर्य प्राप्त । विद्याच्या हियाबाहिता प्राप्त चिर्य प्राप्त । विद्याच्या होता प्राप्त चिर्य प्राप्त । विद्याच्या चिर्य प्राप्त चिर्य चिर्य प्राप्त चिर्य चि वर्षाञ्चरायक्तं श्रेण दिःधीयावर् तुःगर्छ र्याण्युं या दिनो श्चेरायुः इत्यां भारता हिं से ग्राहायुः भारता दिनो श्चेरायहि ये प्रिली याहि ये लाते आवत मुंदी बिट बिट सुल की तर्वा निर्देश विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व की विश्व विश्व की विश् कुर विश्व २८. मुन् विश्व १ मिन् किर किर परिया पूर्व में से प्राचित विश्व में से प्राचित कर में दें विश्व विश्व हुत होते. म्यान्तरे में त्रान्तर में । भ्रम्भित्र में त्रान्य में त्रान्य वर्षा | प्रभेष प्रमानिक के वर्ष के वर् ब्रानगा निस्धुःस्ट विट ने प्राप्त के विकास के निस्ति के निस्ति के निस्ति के निस्ति के निस्ति के निस्ति के निस् धाः सुर्या निवस्त यो । स्हित्य विश्वस्त विश्वस्त के साम प्रमान के साम प्रमान के सम्मान के सम्मान के सम्मान के स भारतीय में सम्मान के र्या श्रेषा नि.ज.विया व्याप्त विवाद $\frac{1}{\sqrt{2}} \left[-\frac{1}{2} \left[-\frac$ र्युषु लिलावयाची । श्रिव् टर्य म् जूर कूर कूर जूर विश्व में अपूर्व श्रिव्य विश्व विष ब्रियम्भातिकात्त्र स्थाने स्थ चक्रिन्याची । अप्तृत्व च निर्माति प्रति । अप्ति प्रति विशेषा प्रति । अप्ति प्रति । अप्ति प्रति । अप्ति प्रति । विशेष प्रति । विषेष प्रति । वि वर्षात्ने ता यम्तर में अह्ती नि ता श्र्म नियं नियं नियं नियं नियं नियं नियं निया में वायव नियं मिल्य मुद्री नियं क्षेत्र व क्षेत्र में व क्षेत र्दा है ज़र्गालेग लेद हैं पहुंद पर बूद बैदा शुच्च है है श्रे बूंड्रे ले स्वाय पंचय प्रदेश पर्वा पर्वा पर्वा पर्वा पर्वा पर्वा पर्वा पर्वा पर्वा है वे पर्वा से बूंड है जे स्वाय पर्वा है के परवा है के पर्वा है के परवा है क

월디회·첫[] []

४.६ क्या.क्र.चिट.ची.स्रेचश

त्युःब्रेनःग्रुःग्।नःन्वेनःग्वन्यःयःयम् ज्ञयःभ्रु।वटःबःगर्हेग्नयःग्वन्यःगन्नुब्यःग्रुःब्रान्तुःन्वन्यःग्रुःधेन् नतु ब्रिज्यन्य ग्राम्य म्यु ब्रिज्य मुंह रचट विमानीय चन्नां प्रीक है। दे जि.ब्रु वय हें हे नचट ब्रुण वी अर्थ ब्रु ख्राया अंग बट र्विबांबी बैटा। र्यटाक्रां पर्कु कें ब्रैं वो वाया कार्या होता के कार्या के कार्या के कार्या के कार्या के कार्य वे वयान्त्री पर्दे सामग्रमा प्रमा ने हे बार्यान्तर से मानी महिना या प्रमा प्रमा विकास महिना के सामग्री परि परि तीवाबाक्षेत्राक्षी.वाद्भवा जावाविटाचाबेटात्रा ज्ञातदी जाहा अरायातिहरू या राजीवी पर्टा ज्ञान के दिला विद्या ज्ञातिहरू विद्या वि ब्रोबं क्वायोर रे. प्रेट्रेणं चर्षः चर्षेर प्राप्त क्वायो क्वायो हैं हे जार्वे स्वायो हैं हे जार्वे सकार्वे सकार्वे स्वायो क्वायो हैं से जार्वे सकार्वे सकार्ये सकार्ये सकार्वे सकार्वे सकार्वे सकार्वे सकार्वे सकार्वे सकार्वे सकार्वे सकार्ये सकार्वे सकार्वे सकार्ये सकार्ये सकार्वे सकार्ये सका त्रुण च नुव रु च रुवा व्या ने वाने या तर्या च चवर चेरा ने प्राप्त के विषय मार्थ मार्थ मार्य मार्थ के सुन्देनित अपन्दर्भेषीत् । यद्वीरं क्षेत्र के सि यो यहित्या रूर यो स्पर्दे स्पर्दे दे प्रक्रह यो प्रति समस्य प्रेम्य दे हे सि सि स्वार्थ प्रमान स्वार्थ स्वार्थ प्रमान स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ चैवा श्व. इ. तर्षु .ता क्षेत्राची ता वार्य त्या त्या वेषा वार्य त्या त्या वेषा वार्य त्या त्या वेषा वार्य त्या विषय वार्य वार वार्य वार बुबाकुः अवा वी चर्राया विवादिन का सूरिया कुलाचा बुदा केंद्र सिर्दे प्रवेर चाकु से खुवा लाय हित्या हुन विवाद से ब्रं स्थेनब व्याप्त व्यापत व्याप्त व्यापत व्याप द्धः स.पाधेबाताला प्रचानिका वर पर्दर स. म्हें प्रचानिका स्वान्याचिका महत्त्र में त्या प्रचानिका स्वान्याची चम्दर्स्य म्हेन्द्र व्याप्त चार्यक्ष मान्य स्टार्स मुन्त स्वाप्त चित्र स्वाप्त यात्र्याच्यात्रीत्रात्त्रात्त्रीत्त्रात्त्रात्त्रीत्त्रात्त्त्रात्त्त्रात्त् नहुन पार्क क्षेत्र क्षेत्र के का के ना के ना के ता के ना के नर्गोर्नाया चुना क्षेपिट नर्नाया बटा क्षेत्र वार्षेत्रा प्रमाची क्षेप्ति वार्षाया चित्रा चित्रा चित्र वार्षेत्र परि हे वार्चेत्र वार्षेत्र परि हे वार्चेत्र विद्या ॻॖऀॱचःर्यः वृःशुः सं पांतुः स्वापंतुः सं चंत्रः सर्वा श्वेषाबा वहाया वृष्यः बाह्ये देने त्या वहाया । इतः स्वापंतु स्वापंत यां श्रुआनक्क न्द्रान्ति विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र विश्व क्षेत्र चित्रवास्त्र देव प्रत्वास संविधानियायां अविदार्या भेवानां स्विधानियायां स्विधानियायां स्विधानियायां स्विधानिया ॱख़ऀॱॿॖऀॴॻॖऀॴऒऀॳऒ॔ॱॹ॓ॱॹ॑ॹऒ॔ॹॕॸऻॱढ़ॱॿॖऀॴढ़ॎॸऀॱॴॻऻ॔ॴऄॿज़ॱऄॹॹॗढ़ॱॿॴॏॖॱख़ऀॱॿॗॴॸ॓॓ऄॿऻॗऄॱॸ॓ॿॴऄऀॸॱक़॔*ॿॴॸऀॸॵ*ऒॿऄऄ नर्यार्थे द्वा छ इं वाबुआर्केट्। क्वल क्षेवट निन्न वयार्थ निवित्व प्रमानित हुन स्पानित हो हिन्न प्रमानित वयारा ક્રેંત્ર.તથ.ઌૣ.તથે.વાર્થેથા શૈય.ર્કાસું શ્રુંય.થેળ.૧૧૧૧ પ્રાપાયોથા શૈય.ર્કે.ભૂય.પેય.થે.૧થે.૧૧૬૮.જ્ઞ.તવો.ળ.વસુંય.યે.વો શુ.સ્.ક્રુંઉ.

पितृषायां के मित्रा पितृषायां के प्रत्या प्राप्त प्रत्य के प्रत्

ব.² বিব.জ.বি.ব.ধু.শ্লবশা

 π च्यत्रः भ्रम्यव्यक्ती ॥ व्याप्तरः केव प्रति क्ष्यं च्या प्रति केव प्रति क्ष्यं च्या प्रति क्ष्यं च्या प्रति क्षयः क्ष्यं च्या क्षयः क्ष्यः च्या च्या व्याप्तः क्ष्यः च्याप्तः व्याप्तः च्याप्तः व्याप्तः च्याप्तः च्या

४.४ वट:सॅं.केदे:श्रूपश्

कुद्र श्रीनब्यूमी ॥

कुद्र श्रीनब्यूमी ॥

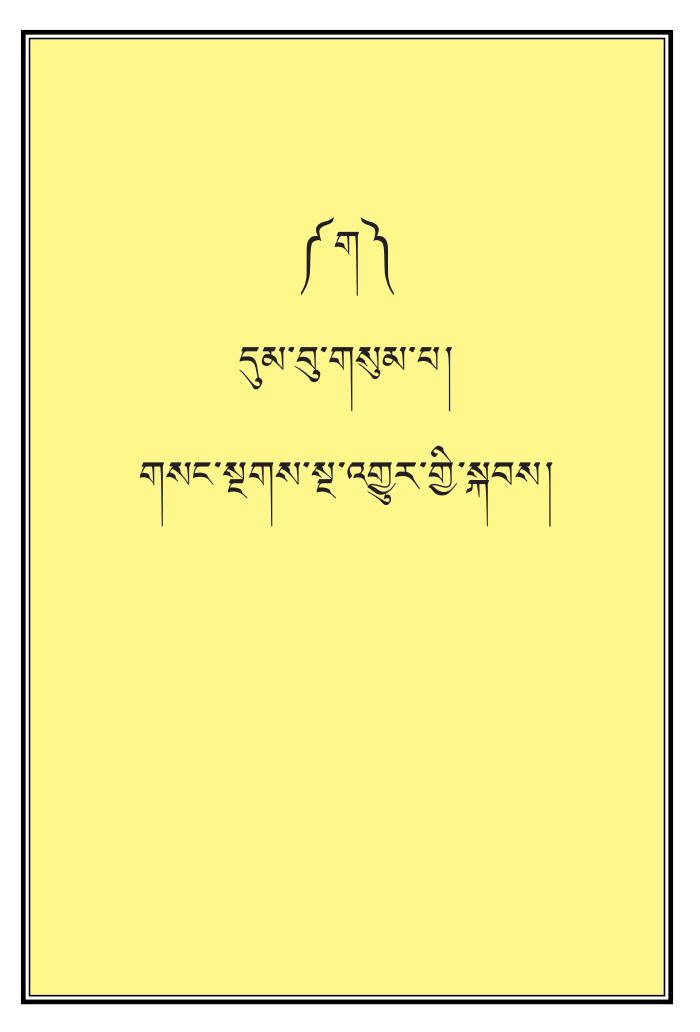
कुद्र श्रीनब्यूमी विद्यूप कुत्र व्याप्त कुत्र विद्यूप कुत्यूप कुत्र विद्यूप कुत्र विद्यूप कुत्र विद्यूप कुत्र विद्यूप कुत्यूप कुत्र विद्यूप कुत्र विद्यूप कुत्र विद्यूप कुत्र विद्यूप कुत्यूप कुत्र विद्यूप कुत्र विद्यूप कुत्र विद्यूप कुत्र विद्यूप कुत्यूप कुत्र विद्यूप कुत्र विद्यूप कुत्र विद्यूप कुत्र विद्यूप कुत्यूप विद्यूप कुत्र विद्यूप कुत्र विद्यूप कुत्र विद्यूप कुत्र विद्य

१.६ न्वो न्वे शन्यामान्येव क्षेत्रान्त सुव वाष्याप्ये स्नान्या

पवित्रास्ट क्र्या व्यवस्त्रक्षा क्ष्या क्ष्य क्ष्या क्ष्य

चित्रा पार्चे अत्राप्तराम्यराया स्थिता वित्रामित्राया स्थापनि । यहे स्थिता प्राप्त स्थापनि । यहे स्थापनि । यहे वित्रापनि । यहे स्थापनि । यह स्थापनि । यह स्यानम् अत्यानम् विद्यानम् थे:वेषाळेवार्यायां अटत्रं अहं नु विष्यं चेषायां ठवं त्यानु अन् निष्यं विषयि । निष्यं विषयं विषयं विषयं विषयं व भिष्यं विषयं व वियन्तर विद्यास्य विवास के नियन के नियन के नियम के निय र्नुंगे प्रमेश क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र केष्य प्रमानित्र क्षेत्र क् दूर्वा चर्या र व्याप्त क्षेत्र त्यूं प्रश्ने र्यू व देश प्रश्ने प्रति प्रति प्रश्ने प्रश्ने प्रश्ने प्रश्ने प्रश्ने प्रश्ने प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्र इ.र्वी.जार्षाय्याये दी.कुवा.वीया.कुंटा हिर्मे किया विज्ञा विज्ञान विज्ञायां विज्ञायां कुवा.वा.कुंटा वर्मे विज्ञायां विज्ञायं व र्थे त्युँदर्भे बन्दर त्युँदर्स्य मिने बार्चि वास्तु वास्त થી તા ત્રા માં રામ રામ કર્યા તા કરી તા સાથે તા સાથે તા સાથે તા તા કરી તા માને કર્યા તા કરી તા સાથે તા સાથે તા સ नव्यां अधीव की अन्याने न प्राप्त से न प्राप्त कर की प्राप्त कार्य के प्राप्त कूथ ग्री नेयार पाष्टियो क प्रत्र के पाड़िया पाड़िया पाड़िया पाड़िया प्रत्य प्रत है। दे.ल.चु.त्रम् द्वट्ट्यूम्ब्रुच चेर्या प्रेट्यं भ्रम्य पे.में म्या के.में म्या क्ष्य क् बर पति त्य पर्वे दिवा पालिय हो। यू दे हिन ता क्री हिंबा दिवा के ति पत्र प्राप्त हो है ते पत्र प्राप्त हो वे पत्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प मर्में अयारा इस्या क्रिंव राज्येस राज्येस राज्ये हिराय है वाराज्येस राज्ये हिराय राज्ये हैं वाराज्येस राज्येस र्व्ह्वायाश्रीयश्चीत्रायाञ्चित्रात्रात्रे अस्ति प्रत्यायायायाची वार्षे व ૹ૽૾ૺઃૠૢૻૢૢૢૢૢૢૢૢૢ૽ૻઌ૽૽ૢ૽૽ૹૢ૽ૺૡ૽૽ૹઌ૾ૼ૾ૹૄૢૹૡૢૹઌ૽ૹૢૹ૽૽ૹ૽૽ૢ૽ૢૢૢૢઌ૽૽૱ૢૺૺ૾ૢૻૹ૽૽ઌ૽૽ઌ૽૽ૹ૽૽ઌ૽૽ૡઌ૽ૹૢ૽ઌ૽૽ઌઌ૽ૹ૽૽ઌૺૡૡ૽ૹૺઌ૽ૹ૽૽ઌૹૢૺઌ कृ.चो क्ट.चो शुब्रःकूंब.कूब.पंचरो वि.श्चैब.चौलब.तो कूं.त.स्झ.बुट.चु.पूर.षर्ट्.चो शवब.चर्थ्य.टेर.तो शेट.तंडूं.ऐ.वश.शवर.चे्ब्र. शर्द्री ट्रेब.कुंट्ब.तब.चौ.तब.चथे.तु.तु.तु.त्व.चट.श्चैब.चीलब.ग्रु.शवब.तू.शर्द्री ट्रे.हब.चेबब.चस्व.टर.श.चराउनुबा टेचु.यनुबरायुट्ट. की युन्ना नायत. में नायत कुर्वा में मुक्त के जुन्मी बार ना में नायत कुर्वा में नायत नायत किया होता किया है जुन वी युन्ना नायत में मानवा के विकास में में किया के मानवा के विकास के नायत किया में मानवा के मानवा के मानवा के म या यहराक्रियां अर्थे व स्तानिक ખૂદ ક્રિયાત્ર મુખ્યા નિર્દ્ધ નાંબવા નિર્દ્ધ ક્રિયાત્ર કરે હિંચ માં છે. ક્રિયા માર્ચ કરાયા ક્રિયા માર્ચ કરાયા કરાયા કરી કર્યા માર્ચ કર્યા કર્યા કર્યા તાલું કર્યા માર્ચ કર્યા કરાયા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કરાયા કરાય કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કરાયા કરાયા કરાયા કરાયા કર્યા કરાયા કરાયા કર્યા કરાયા કર્યા કરાયા કરાયા કરાયા કરાયા કરાયા ક निर्देर के ब स्थाय ग्राट मु: खुर्या या वि: खुर्या या वि: खुर्या के खुर्या या वि: खुर्या या व श्चेतयां क्री. में देरात्र क्रूया पकरें क्री या ता में यार श्चेर दे क्रिय में या क्रिया क्रिय यांवर के वं कुल के तरी। ह्युव निष्कार में निवंबान हवान हुन पाला यां झान हिना धेवा प्रका कुल कर हो रा निवंबा परि पुंचा सुनिवा निवास के स्वाप के निवास के स्वाप के स्वा त्रुलाचालातेषाकायाः श्रुद्धात्रात्त्र स्त्रुत्व प्रत्यात्र कार्याचायकात् । क्षेत्र प्रत्ये कार्याच्या स्त्रुत्य विकासका स्त्रुत्य स ज्ञा अविदर्भ में द्राप्त के कि अविदर्भ के अविदर्भ बिट ब्रियेय से ब्रिये हो बिट क्षिय स्रोत्र या प्राया प्राया प्राया में स्रोत्य प्राया विष्ट क्षिय स्रोत्य स्रोत्य स्रोत्य स्राया स्रोत्य स् शुःचवेषं प्रमार्थेर् प्राचना कुत्र शुः हिरादे प्रदेव अदय प्रदा शुः रेपार् प्रदेश चिर प्रदेश शुन स्वाम स्वाम स् श्चर्यान्त्र न्यान्त्र स्वर्ष्य व्यक्ति त्यूर न्यूर न्यूर क्ष्य क्ष्य श्वर्ष क्ष्य श्वर्ष क्ष्य न्यूर न्यूर न्यूर क्ष्य अट ड्रोब में प्राप्त अपने अपने के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के अपने क

श्चिव वाणयाराय स्मित्र स्मा॥



२.१ श्रुःतसुषःगर्डे र्ने रःश्रुरःगरे स्नूनश

दे.क्षेत्रः त्र्दिः श्वेतः त्रदेतः तर्वे तर्वे वर्तायः प्रवेतः प्रवेतः क्षेत्रः त्रीतः व्यवेतः क्षेत्रः त्रवेत इ.क्षेत्रः त्र्दिः श्वेतः त्रवेतः तर्वे वर्षेत्रः तर्वे वर्षेत्रः प्रवेतः क्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत ષ્યદ વી પત્ર 'તું તુવા અં શુંદ 'લેદ' । ધક્કે 'નુ ર્ક્કો 'ને 'કેંત્ર' પંતે 'વેંદ' ખત્ર 'હેંદ' ભાવા થદ ' સૂવા થ' ફેંદ' અં લે શવા કેંદ્ર 'તે ને 'ભ' ફેંદ' અપને 'તેવા વી 'બુવો થ' कुट आकृत में ने सुर किया स्वारा के कुट का निवास किया है। स्वारा स्वरा स्वारा स स्ति क्वान्यां ते ते वे ति त्रान्यां से त्या प्राप्त क्वान्यां त्या क्वान्यां क्वा चर्ड्यास्त्र र्याचीयाद्यम्याकेषात्रे मायार क्षेत्र सूचाया कुत्र की से मिना सहिता सार्थीय मिना से सार्थीय स्तर स्वापन से सार्थीय से स त्ता सम्बद्धात्त्रम् त्राण्याः स्त्राच्याः स्त्राचः स्त्राच्याः स्त्राचः स्त त्रर्त्, विरा, दे अथात्रजाकुर्रियर्थानुर्मे भिष्णुं विष्युत्रिया विष्युत्रे विषयुत्रे विष्युत्रे विष्युत्रे विषयुत्रे विषयुत्य के लेंबा मुन्न निया के जो प्रति प्रत कु.य्व्य.भ्रीय.ग्रीयंत्रमू.रेव्यूट्यत्य.त्रेय्.त.चूर्.रे.पश्चैर.य.रे.झ्यय्.ज्यायायर.सिष्ट्रेय्.व्यास्य्यंत्यायाय्त्रेयः क्र्याणी न्तुम्बेर्राक्षेत्राचार के स्वाप्त क्ष्याचार वाया क्षेत्राचार क्ष्याची निष्य क्ष्याची निष्य क्ष्याची क्ष्य क्ष्याची क्ष्य वया श्रेयां ख्रावा क्रियां प्यव दे वायर हुमाया श्री श्रीयां या वायर या है श्रीयां या या है हिए या श्री श्रीयां या वायर या व स्र-त्र-र्-र्-र्ना मुन्ने मुन् मुल्यायात्र्याची क्षेत्र वे क्षेत्र निर्देव के गार बेला चे ते स्तर निर्देव के क्षेत्र निर्वेव के क्षेत्र निर्देव के क्षेत्र निर्देव के क्षेत्र निर्देव के क्षेत्र निर्वेव के क्षेत्र निर त्र-ग्री क्षे.श्रु अ.क्ष्याचिताक्षे. प्रमाण प्रम स्र-प्रमाण प्रमाण प्यम प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण प्रमाण त्वीर हैं। तवर्पयर पर पर प्रमेशका में पर पर तहें ना हे के अर्केर पहें र की र की पर के पर के निकार के कि की कि कि बर् र्यं है। वैषाव श्वाप्त विष्यं प्राप्त पान्य श्वी पावरण ये विषय है। यावर विषय है विषय विषय है। विषय विषय है

रा देतुःश्चित्रअसूर्योत्त्रस्याक्री लार्चेब्राचे हुप् लार्श्च्याच्यात्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्य स्थान्त्रस्य स्यान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस

प्रेम् अष्ट्वीलायाच्या नियाश्वर लेक्ष्याच्या नियाश्वर अस्य स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र म्या स्वास्त्र स

इ. अप्र चि. वे. तथा शैंग-रे गोर सू खेवा पच्चे श्वर तथा है जे हों के स्वार विक्रों में के सूर लट रे वा के से स्वार स्वार के सि खेवा के स्वार स्वार के सि खेवा के स्वार स

3

चगात तसी व द्वीद प्राप्त तसी व र्ही व प्राप्त प्राप्त प्राप्त है अप की वार्ष के प्राप्त प्राप्त के प्राप्त प्राप्त प्राप्त के प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त चीरानी, चर्रारे, विश्वराष्ट्रिया, विवारक्षा, चराने विवारम् चर्कें र कुषायते रुषा व ल ते व स्थाया मुख्य दुर चर्या भिषाय नवत से माने के किया दिने हु च दिने र व का खेला से दुर ने हु गु व स्वर्ण के हैं। क्कॅ्रिय-देर्षेत्र-वाट-प्रेंबर-हेर्बरम्बो अयार्च-रे-क्ष्वबर्य-प्रचित-प्रकाक्षवबर्य-याच्चेत-द्विकाचेत्र। यार्थ-वर्व र्रे.ज.वीर-र्र्म्याचेरा रे.क्षर-प्रिट-इस्रयायायायक्रयायम्। टेर-इस्रयायायी-वस्रयाय-प्राप्त विरायरायायीयायायायाय यक्ष्यान्त्र्याच्यात्राच्यात्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्य न्यतं यं छेन् चेन पर्दुतं प्रमानूण द्वापार्य यं छेन् चेन वित्र र्ये त्र रे प्रमित्र राष्ट्रीत पर्देश प्रमान वित्र प्रमान वित्र रे प्रमान वित्र राष्ट्रीत राष्ट्रीत प्रमान वित्र राष्ट्रीत राष हें खुन या खुर प्रमा ह्या खुन प्रमा देंस्र या हैना हु सर पहिर है पॅन पें दिर हे प्रमा न स्वाप हैन में प्रमा प्रमा प्रमा के में दें प्रमा है जिस स्वाप है जिस स्वा लटा लटा लटा के कि के निकार के कि कि के कि बेर प्या दे पानिका पार प्रमाण प्राप्त के पार्थ हिन के तिर प्राप्त के प्राप्त दे प्रमाण के प्राप्त दे प्रमाण के प्रमा तिर क्वें क्वेंग हैं चे हे गुंब राज्यवाय की हि वय व्यव प्रत्या मुख्य के जो खें अंवर के क्वें के विवास के किया के किया में किया के किया में में किया में किया में किया में किया म् मित्रायाः मित्रायाः प्रतिवास्त्रायाः वित्रायाः वित्रायः वित्रा म्बेनकार्या विनर्वास्थास्थात्रे वितर्वास्थात्रे वितर्वास्थात्रे वित्रवास्थात्रे वित्रवास्थात्रे वितर्वास्थात्र यंत्रे पंद्व मंद्र प्रवे वितायमा ब्रिन् क्री. देशांना के लीव नोशंसा विसायनीयाने यात्री प्राचायक्ष महितायने स्वाप्त मान्य क्रिन् स्वाप्त त्रा निहेत् व क्रिया मुख्य मार्थ कित्वात क्री के त्राव के विकार के कर मार्थ के हित कर मार्थ मार्य मार्थ मार् विविधाना मान्या यंत्रं केंत्रआवत्रायनं भेत्रा ग्रंट र्पे ग्रुट् सेट् यदे सूचत्रा ग्रीतान्तर इंस्त्रा सर्वेतं केट द्वे केंद्र साधितां पर्ने केंद्र साधितां के स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत न्वायः अन् वार्ष्यं ने ने ने वार्ष्यं विवादित के वार्ष्यं विवाद के वार्ष्यं वार्षं वार्ष्यं वार्षं वार्ष्यं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्ष्यं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्यं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्ष्यं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्यं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्ष्यं वार्षं वार्यं वार्षं वार्षं वार्षं वार्षं वार्यं वार्यं वार्यं वार्षं वार्यं वार्षं वार्यं वार्षं वार्यं वार्यं वार्यं वार्यं वार्यं वार्यं ब्रिन् रन् वी ये जिन् इसम देस की मार्च राजिया है स्वेन विश्व में हिन् जिस समाजित सकी तिस विश्व के दिन विश्व की दर्शे न अवत द्वा वी देव हो द दर्शे ब सं धीवा विद विवेश हो देव यव द प्याद दे हो। विद विवेश से यावा सब द देव विवेश हैं व विद विवेश हैं व बेर्न्यःश्वरंपःश्वरंपःश्वरंप्यम् दःदेःदंबःवर्षे विदेन्दंबःश्वरंश्वरं विदेन्यः विद्यान्यः विद्यान्यः विदेन्त्र <u>ॿॖऀॺ॑ॱॻऻॷऀॸॺॱॺॕॣॺऻ</u>ॱॸऺॸॕॱॺऻॸॕॖॱॸऻ॔ॺॕॸ॔ॹॱय़ॷढ़ज़ॱय़॑ॺॱॖॖॸॹॻऻढ़ऀॻॱॴॸऄॱय़ॿ॓ॵॹ॔ज़ॼॿॱॿॗॸ॑ॱॸॕॱऻॸॆॱॴ॓ॱॸॗॸ॑ॱॺ॔ॹढ़ॹॱढ़ॗॸॱॿॏॱॸॖ॔ॺ॓ॱॺऻ ब्रुं.र.र.वर्षित्वा पू.च.पर्, ब्रैज.तपु.भेषुवाँ लुचे.कुच.पर्वेत.त्य.दू.कक्र.वच.कुवा.पूर.तर.पर्वा.क्षेत्र.चक्रीच्याताची व्यव्याचीचार.क्षा.चू.तप्त.त्य. विवारा.जिंद.वी.भू.≆.चे.कक्र्य.क्षेत्र.कृवा.लूपे.ता.ज.भूर.वा.वुर.कृद.पर्वेवा.ता.क्षे.ह्या.वीच्यायताची व्यवस्थालाक्षा.च्या.वि.वांद.क्षा.च्या.ता.क्षे. <u>ૄૺૹઌઽૹ૽ૻૹ૽૾ૢ૽ૺઌૹૹ૽ઌ૽ૹ૽ઌઌૻઌૻઌૻઌ૽૽ૺઌ૽ૼૺ૾ૹૣૢઌ૽ૹૡૼ</u>ૢૻઌ૽ૹૺ૾ૢૹ૽ૣ૱૱૱ૹ૽૽૱ૡ૽ઌ૱ૹ૽૽૱ઌઌઌૹ૽૽૱ૹૼઌ૽૽ૢ૽ઌૻઌ૽૽ઌ૽૽ઌ૽૽ઌ૽ઌ૽ૹ૽૽૱ઌઌઌૼ र्टर.वोश्चर.चन्ना घश्चन.क्रेट.ग्रीम.श्रवेश.त.र.चववा.तमा वाश्वेश.त्.ज.रेवूटम.त.इ.स्.संर.वोल्.एववीज.श्चर.त.वीट.च.जी वीर.क्षट.त.ऐज. र्वाट क्या तसवाय वया वर्ष मान्य में वर्षिवा क्रां होवा त्या सुर्वे क्षेत्र वी सुर्वे क्षेत्र के स्वार्थ के स्वार्थ वार्षिवा क्रां होवा त्या हो सुर्वे क्षा वार्षिवा क्रां होवा हो हो हो हो हो है से क्षा वार्षिवा क्रां हो का सुर्वे का सुर् तपुँ, देवूर याता है, के या पष्टि ये ता प्राप्ति यहिये ता विषय करे ते विषय ता याता है वु क्षित है, या प्राप्ति व्यापत है विषय है। ष्रकूर्वा, र्यटा क्रिया तार्याया हो दे. लटा वालया, २ विटा विद्वा क्षी विटा वे एक रे वे अर्थे र विद्वा की विद्वा का विद्वा का क्षी विद्वा की विद्व की विद्वा की विद्व की विद्वा की विद्व की विद्व की विद्वा की विद्व की विद्वा की विद्व की विद्वा की विद्व की विद्य की विद्व की विद्य की वना बिन् रहें नं तकन निव की नेह्न रां क्रिंट नहीं न रार्डे अहीन रार्डे अहीन ते रार्वे निव निव के से कार्य के निव त्र्वाप्त्राच्याकेवार्यायां में देशान् में प्राप्त में प्राप्त के वया श्रेट थ ज्ञान मुर्जे देश देश देश होता है र र्जे व वया भ्रेय प्राप्त है र प्राप्त है । वर्जे व व व व व व व व 3

ॱठ८ॱइंबा:पञ्चर्वेटकःग्रे:बुट्रप:पट्रहंबा:पःईर्प:पुठंबः<u>ल</u>ट:बुटा। बुप:बाठवा:बी:बूवःयायाया चर्वा:कुर्वेदे से:बुट्रायोद्धःकेवार्यःकेवार्यःकेवार्यः चुद्वम् अहेरे विनमम्पुरेम नम्प्रमान्त्रम् । स्त्रम् वार्म्यम् स्त्रम् वार्म्यम् चर्मानी सन्तर्भ । स्त्रम् यं ठेवां क्षेत्रां अवत्यं ख्रान्दे त्वन रहे वा बहर ने ग्रीयां व नहें बाबुं त्वनु वा बहर प्याने त्या वहें वा बह पह्रात्रम्यंविवायार्यवार्श्वेत्रम्यहर्द्धे हि.लट्ट्र्यूह्इ हे.युत्र्यं प्रत्यात्राच्यात्राचार्याः वायट्ट्रां श्रुप्यायाः तीर.त.र्र्.इ. अत्रयारेतयांवरयाताचीरा। बैरायाचरात्राकी श्री अक्षरायक्षेत्रात्रा कुराबैरावत्रयात्रा र्र्ड्रा श्रीयार्याचीरा। बैरायाचरात्राकी श्री अक्षरायक्षेत्रयात्रा कुराबैरावत्रयात्रा हुरा विष्यात्राचीरा कुराबिरायात्रा हुरा विषयात्राचीरा विषयात्र रट ब्रुट रेब अन् के के विकास के वितास के विकास क महार् नर्द्धवर्यम्वित्रवरो नवर्रे श्लासबेर छव सेवास रोन्य हैवास निवास कराये हैं विवास विवास के सेवास है सेवास है शुःशकु। कूब.वे.वीब.तब.थेव.बुट.शकुबी बु.ब.बेर.ज.सेज.य.ज.त्याचि.यकुव.शु.श्रह्म.तर.बे.वीबेट.श्रेसी शुब.टैयट.बुट.व.सी शै. तव.री बुट.कु.ज्याच्याझ.र्ट्.ब्रिय.झ.वे.य.पट्ट.ट्रूर.श.वेय.वेय.वेट.। श्री.य्वय.तूर.वेय.वेय.वेट.। वूट.टे.वु.पूब्य.श्राविट्ट. पूवा.थे.वु.ट्रूय. बेत.कु.वु.कु.या इवाय.त.कु.यो क्रं.वी.र.वुट.वुट.त.कुवा.लूट.तबा पर्वा.वि.क.पूट्र.रट.ज.क्रं.वी.यूट्र.टे.य्र.च.तां श्वी.बेर.ज. ब्रा वर्गक्रियान्त्रेयान्त्रयान्त्ययान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्ययान्त्ययान्त्ययान्त्ययान्त्रयान्त्रयान्त्ययान्त्ययान्त्ययान्त्यया ट्रें पार्बे अर्चों अर्केन दें खूर पर पुर के अरू वे लिंद हैं जिन की पार्ड पार्ड के लिंद के प्रति के किया है। दे लिंपी हें संपर्दे हिंद ग्री सं ब्रेंट्स ने मा महत्य के साम के सम्पर्देश में से प्रति होता है से प्रति होता है से प्रति ह द्याया सुंया हु जिता हुना विकास प्राप्त का स्वार के लिए के स्वार के लिए के स्वार के लिए के स्वार के लिए के स्व चवुबालट के इंध श्रैब र्झर ख़ैब हो। सूर्या अर श्रे क्रूंब रेंगा लब इबता के इक्ष राजवाबी विट क्रूंब स्वाय क्षेत्र स्वाय स्वय स्वाय स्व याचिर्दे में अह्दारायन्त्रा वाकासम् हिन्दे भेवाकासान्तर वाचान हिन्दे नाम सुरा दि वाकी क्षेत्राया वाकासमा हिन्दार वा जैवाबाजीयान्ने प्राचित्रकार्यात्र क्षेत्र प्राचित्र प्र क्रियाद्देश स्वतं त्रवीपाया प्रति त्राची त्राची त्राची व्यवस्था विश्व स्थान क्षेत्र स्वतं स्थान क्षेत्र स्वतं स क्षेत्र द्वा प्रति विश्व स्वतं स क्षेत्र स्वतं स यान्दार्मियानते र्श्वेन्ययान्दरास्वाया तदी तद्वानते प्रविचामाने वामान्वया ग्राम्य हिन्या दिवाग्राम्य मिन्या सु यवयं अध्यक्षां नक्षी रियम्बर्यात्र्राक्ष्यं क्षेत्र हिते हिते हित हित्या दे हिया में प्रति विष्णा क्षेत्र क्षेत्र व्यसंभूत-त्र्व, क्रु. देन्. दे, ब्री क्रि-क्र्य, ब्र-देन्, प्रस्त क्रिय, क्रिय, प्रस्त प्रस्त क्रिय, क्रिय, प्रस्त क्रिय, क्रिय, प्रस्त क्रिय, क्रिय, प्रस्त क्रिय, क्रिय, क्रिय, क्रिय, क्रिय, प्रस्त क्रिय, क्टान् क्षे.में नबर्ने ब्राब्य ब्राब्य विद्या होता हुन हुन होते. या विद्या क्षेत्र के मान्य क्षेत्र के प्राप्त क्षेत्र क्षेत् યમાં દે દ્વાર વ કેવા દુદ વાશુદ સુદ્દા દે તા શ્રેમ કેવાય છે. માન વાદ સુદ્દે સું સ્ત્રેન મુમા ખેતા મદ્દે માન સુદ

तस्ताः क्रीः मानाः क्रुः चरः क्रीः सूतः पूर्वाः च स्ताः स्ताः क्रीः मानाः विषाः स्ताः क्रीः स्ताः विषाः स्ताः स्त कर्माचाना गर्रात्मक्ति हो। अर्धिमायान्या श्रुर्देव र्केन निमान मुन्य सुका निमान स्वान सुन्य स्वान सुन्य स्वान सुन्य स्वान सुन्य स्वान सुन्य सुन्य सुन्य सुन्य प्रान्य प्राप्त स्वान स्वान सुन्य तर्वाम् । श्रिंशक्रियः श्रीः मित्रेयादी तत्तर्भेश्चरीमा सन्दर्भे मित्रान्ति । स्वाभित्रान्ति । स्वाभित्रानि । स्वाभि मध्रियाची विद्यस्व सम्बद्धाः स्वार्था स्वर्धाः स्वर्याः स ष्ट्रियम नियम क्षा विवासित्य से क्षेत्र से क्षेत्र से क्षेत्र से क्षित्र से स्वास मार्च से से स्वास स्वास से स तपु श्रिव र्ज्य त्यू मं जू ते प्रत्य विवाद कर्ण की पर्दे वा में दे राष्ट्र म्थम की मान कर के प्रत्य के मान कर के प्रत्य के प्र वट्यान्याया केवा सामित्र विभाव के त्या हिन्ने मुप्ते नुषासुने न तुर्वे पास्ति पासे पासे पासे पासे पासे प्रमान के माने पासे पासे पासे पासे पासे पासे प ॱॸॖ॔ॻॖ॑ऄॕॣ॒॔॔॓॔॓॓॓ॸऄज़ॱॲ॔ॸॱॸऺ॓ॱऄॖॕ॓ॸॣॱॺॺॱऄॖ॔ॺॱॸॖ॓ऻ॒ॸॱॠॕॴऄॗ॔ॸॱ॓॓ज़ऄ॔ज़ॱॺ॓ॹॖॸॱऻॱॿॺॱ॔ऴॸॱॸॸॕॕज़ॱॿॖ॓ॱख़ॺॱॺ॔ॴॱऄ॔ॱॺॱऄॗ॔ॸॱ॓ॴऄ॔ॻऻॗॻऻॹॸॱऻ चॅर्न चॅर्ते थन ह्वाम प्रमुख परि चर्क कर पॅर्न प इंट्यापम विभेद विद्यु के विद्यु के प्रमुख विद्यु के प्रमुख प ल्यान्यून्य व्यवस्त्र विवाद् विवादित्य विवादित वसनिते चरायादि में ने वसार्बिन रहाया है राचारें हो गुर्सिन ने वसारे महाराज्य में महाराज्य में ने स्थान के ने स्थान के स्था के स्थान के स्थ श्रूचीयात्तपुः कु.चपुः लूचार्यः सेच.तपुः सेड्.तपुः सेड्.तपुः वीच्ययाः में.त्युः स्थितः स्थितः स्थितः सीच्यः सीच्य चीत्रां तथा हैं के स्थापक ने के प्रति पुरा की हैं स्थापक ने कि सुरा निकार की कि प्रति की हैं पर की सिकार की कि की कर है पर्द्ध मुंदी प्रति प्रकार की हैं स्थार के स्थापक की कि पर की प्रति की कि स्थापक की कि स्थापक की की सिकार की चलेबायां बेन विदा मुम्बान केंबा निवास मित्रा मुन्य मित्र केंब्र मुन्य केंब्र मुन्य केंब्र मुन्य केंब्र मुन्य मित्र मुन्य मित्र मुन्य मित्र लास्त्र मूर्वीयालया स्टार्ट के अकुर्त क्वा वार्य स्टार्ट के स्टार के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट के स्ट त्रुवांप्रमा ब्रेट्रिया बेट्रिया बेट्रिया बाबार्या सुक्षा की अपत्र बीट्रिया पर्या की स्वाप्त की विद्या की स्वाप्त की विद्या की विद्या की स्वाप्त की विद्या की स्वाप्त की विद्या की स्वाप्त की की स्वाप्त की स्वाप बियावना मावासरा हुरारे वासुरा भूती दे व्यापदि या नर्से तावस्य उत्तर वा नाया सव विवास परितासरा देवा वा नाया है व ्रित ख्रबाह् पर्दे बर्हे हे जियाचा *खेब* क्राइं हे क्षेत्राक्री ह्.पर्दे बर्हे हे जियाबात जा खेब की क्षेत्र परिदेश के पित्र क्या है है जियाबा हो जा है जिया ह मेर्दा भिर्महे इत्यत्वेर त्याञ्चन्ना श्रेषा श्रेषाना कर्तर र्द्वेर् कर्दा क्रिया क्षेप्र क्षेप्र त्युं व त्याव क्षेप्र व विकास कर्दा विष्यं र्र्युक्तरहें न्युन हें हे तन्तरं की खंब नंदर क मूना हेंना नेते जब मना पासून हो नेते खंब हे हि सं तम्ब की ने पर नहेंने पासी -५२. च्ची: विवासराञ्ची साम्राज्ञे कार्या विराज्ञे कार्य के ताम्या के साम्राज्ञ कार्य के साम्राज्ञ कार्य के साम्र प्रिंट्यकेट्रा क्रिक् के प्राप्त के कर प्राप्त विद्यापते क्रिया में क्रिय में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिय में क कृष्याचा स्थाया क्षेत्राच क्षेत्रच क्षेत्रच क्षेत्रच क्षेत्रच क्षेत्रच क्षेत्रच क्षेत्रच क्षेत् बर्ष्ट्रमाया वर्ष्यान्त्रों व अक्वा क्रियार्य र्या प्राप्त स्वा के प्राप्त स्वा के वार्ष के प्राप्त स्वा के वार्ष स्व के वार विट सं मृता या यहाँ अपति प्रभुत श्रीका निवाक है। देवे के तो कू पाई एवर निकार पायहित के ते के तो पर हैं हिना या आनि ना ब्.ची श्री.य.त्राब्य.त्र.ट्रंय.बी लेश.८८.वट.त्य.तश्रीट्य.वेश.य.वेय.केट.त्य.विवायहुट. श्री.वेय.वेय.के.च्य.टे.वी ट्रे.यय. ब्.ची श्री.य.त्राब्य.त्र.ट्रंय.बी लेश.८८.वट.त्य.तश्रीट्य.वेश.य.वेय.केट.त्य.विवायहुट. श्री.वेय.त.प्रिट्या ट्रे.य.के.ह्.श्री.श्री.वय. हे ह्रिच महेरू श्री प्रस्ति होता के प्रस्ति होता है जिस स्वान के स्वान के स्वान के स्वान होता होता होता है ने स्वान स्वान के स्वान नसूत्र यः र्र्भेट न गर्गन्ति न सर्वे न स्ट्रेंट र्वेद देना न न न स्वाय श्री न सूत्र य न न स्वाय स्वाय स्वाय स्व

मानना निधार्द्धेव की विनापित की क्षेत्र के वन बिरावन पिरावी क्षेत्र की क्षेत्र की विपान की किया की किया की किया য়ुणानी (भूणावारी में में विकास में विकास में विकास में क्षेत्र प्राप्त के प्रतास में क्षेत्र प्राप्त के प्रतास में क्षेत्र प्र ૮ૻૹ૽૽ઽ૽૽ૼઽ૽ૹ૽ઌૢૹ૽૱ૹૄ૽ૼ૮૽ઌ૱ૡ૽૾ૺ૱ૹ૽૽૱ઌૡ૽૿૱૽ૹ૾૽ૹ૽ઌૹ૽ૼ૮ઌૡ૽૽ૹ૽૽ૢ૽ૢ૾ૢ૾૾૱ૹૹૹૹૹૢ૾ૹ૽૱ૢ૽ઌ૽૽ઌ૽ૹ૽૽ૹ૽૽૱૱૱ૡ૽ૹૺઌ૽ यं बियो रूट रहे. यो शेट अं वियो में बुया में बुट यो विश्व अवायाय या प्रमाय वियो में बियो में बियो में बुया में बियो में विविवा हे सिर में वीर दे त्विह अप हे द्वा की मार स्विवा की मार स्विवा की स्विवा की मार स्वा की मार स्विवा की मार स क्षेर खे होत् रें भीव है। दब में टर्राय केंबर दें भी वर्ष पर पहुर्वा या दे त्य खे ज़र्व येरा द दे के क्रुट त्य प्राप्त केंबर प्रें प्राप्त वर्ष हैं । त.क.जीवर्षाक्रम् स.त.बुवा.वुर्षाक्षेत्र.त.च चट.त्र.खुवो.ज.२८.वु.श्च.रट.वीवर्षाज्ञवार्षाक्ष्वा.ज.वर्ष्यात्र्रश्चेत्र.वर्षाक्षेत्र.चुव्य.स्वा परीजःस्वर्षः वर्षाः वर यमेबारचार्वेत् देवे क्विन्यम्बद्धाः विद्यान्यम्बद्धाः विद्यान्यम्यम्बद्धाः विद्यान्यम्बद्धाः विद्यान्यम्यम्बद्धाः विद्यान्यमः विद्यानमः विद्यानमः विद्यान्यमः विद्यानमः विद्यान्यमः विद्यान्यमः ल. शुन्न न्या के स्वा के स्व के स देव केव निर्देश में मिलेश श्रम्य हैन ने अकव हैन है मुख्य में हैने मुख्य मिले में मिलेश है में मुख्य में मिलेश है मिलेश है में मिलेश है में मिलेश है में मिलेश है मिलेश है में मिलेश है में मिलेश है में मिलेश है में मिलेश है मिलेश है मिलेश है में मिलेश है में मिलेश है मिलेश हैं मिलेश ह्यत्र निवासिक में त्र हिर है से ते निवेश ते हैं वार्ष में निवेश से हैं वार्ष में निवेश में के लिए निवासिक में निवेश से हैं तह के ति निवेश से हैं तह के लिए निवासिक से कि लिए क्षेत्राधित्वी द्यानुवान्त्रात्त्रवान्त्रे प्रवास्त्रा विदायनियान्त्रे देता प्रवास्त्र विदायन्त्रे विद्याने विदायन्त्र विद्यायन्त्र विदायन्त्र विदायन्ति विदायस् न्तुं कर्णाम्बन् ने न्यां में है दें नु त्यार पर्वे प्रेम स्वर्ण में बार प्रमान कर्ण ने ने स्वर्ण कर्ण है। के विश्व स्वर्ण कर्ण है। के विश्व स्वर्ण है। के विश्व स्वर् यंत्रे विनेन हुए हु क्यों न नेन हु होने विन लू नह महिना ने विनेन में लिया हु के निक्र के कि महिन महिन निक्र के हरा की खिवाबा स्रोत बार्च प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के किया है है कि साम के स्पर्त के स्पर्द के स्पर्द के स $\frac{2}{3} = \frac{1}{3} = \frac{1}$ चॅदे चॅर्च कुंब कुंबळ द प्यट दे प्रीदाना बुंद को दे क्षेत्र के हैं, श्री व्याप क्षेत्र महित महित चे वि चर्छ वया प्राची के पान पर्वा महिता वा प्राची के प्राच श्.शिट.श्.ज.धूंच.ट्राूच.ल.दूपु. विविधाजी.ल.ट.चर्टेट.ह्र्वाय.कुचे.विश्व.जीवायाजी.ह्येट.विश्व.ह्येट.। ट्रेपु.सूर.कु.वीट्शव.टवा.ट्ट.व्रव्य.त. त्व प्रश्न व के स्व या श्व के स्व क यार्चना सुर्या सुर्वी त्यू र दे वित्यू प्राप्त का का वित्यू का वित्यू के का वित्यू के का वित्यू के वित्यू के व यर्था श्री श्री श्री त्राक्षेत्र प्रति विद्यान के त्री के स्ट्रिश्च के त्री के स्ट्रिश्च के त्री के त तुः तें कु त्वाप्यक्षुं ने ह्रें वर्षायां वर्षायां कु कुन्ति क्षेत्र या के राष्ट्र या कि राष्ट्र या कि राष्ट्र वर्षा के कि वर्षायां के कि वर्षायां के कि राष्ट्र या कि रा

થેવા સુદ્દે ત[્]રે પ્રતે મુખ્ય પે મે ત્રી ર ફેંવ પ્રથ5 કરા કેંવ વર્ષ ક્રેંવ મુજે અદ્દેવ કે વર્ષ મેંદ કુ ક્રેંચ પ્રવિવ કુ સુદ્દે કુ વર્ષ મો ફેંડ

चना भारत्यारा व्याभारत्या क्रिंट प्रचन में बिट पर्तन भी पर्दे रे प्रमें मूर्य सहित रे प्रमान में स्वर्थ स्वर्थ से स्वर्ध से स्वर्थ से से स्वर्थ से स्वर्य से स्वर्थ से स्वर्य से स्वर्थ से स्वर्थ से स्वर्थ से स्वर्य से स्वर्थ से स्वर्य से स्वर्थ से चुर्यापयाच्यर देवा ग्री च्या ये प्यां श्वेषा ठवे दें वं श्वेया वुं वेदरं पं रहेषा यह षो श्वे दें प्ययं यहीं प्रख्य पर प्रहेषा प्यां र यहीर स्थित हो है। श्वापानु मान्या । व्याप्त व्याप्त प्रमाणि । या विष्य प्रमाणि । विषय । भवापानु मान्या । व्याप्त विषय । विषय कर् र क्रिया क्षायह नेयाया हैनेया नहें या हा यह रहें हैं विश्व कारा हुए है। नेयाया से बोनाया देया नेयाया की निस्ताया दिनाया है। या प्राप्त की क्षा है। विश्व की किस की कि किस की विष्यत्युंद्रम्यायः अह्दान् । स्यायाः केतान् विष्याः स्वायाः स्वयाः स्वयः भू त्वात्वया विवाद्य प्रत्या विवाद्य प्रत्य क्षेत्र विवाद्य प्रत्य क्षेत्र नसूरंचाया गांकं इस्रमां ग्रेंट र्नु पर्केया है री यो श्रेंदा दर्मा नुसमा सुरा है हमा या या मार्च के स्मानित स्म व्याष्ट्रिर क्रिंच प्राया है प्यट प्याप्त हैं प्यट प्राया क्षेत्र प्राया विषय प्राया क्षेत्र प्राया है प्याप्त प्राया है प्याप्त प्राया क्षेत्र प्राया क्षेत्र प्राया है प्याप्त प्राया है प्याप्त क्षेत्र प्राया है प्याप्त क्षेत्र प्राया है प्याप्त क्षेत्र प्राया है प्याप्त क्षेत्र प्राया है प्राय है प्राया है प्राया है प्राया है प्राया है प्राया है प्राय हे. देवूं ब.च.क्वाब. क्रुंबा जर क्रिंट, क्रुंबा, ह. क्र्या हुवा, पश्टूर ब.वार्थ ट. श्री हे. ज. इ. ज. प्रविचाय, क्रुंवा अपूर्व विचारा, घण्या ब्राचार्य के प्राचे के प्राचित्र के प्राचित्र के प्राचे के प्राच के प्राचे के प्राच के प्राचे के प्राचे के प्राचे के प्राचे के प्राचे के प्राचे के यान् श्रुप्तार्थे। श्रिम श्रुप्तार्थे प्राप्त विवादार्थिय अस्तर्भा विवादार्थिय श्रुप्त श्रुप्त श्रुप्त श्रुप्त हैं है 'ये केंग्री या मुंबर 'ये मुंबर 'ये आवन से अट हैं ही मुंबर 'ये से दें हैं 'ये केंग्री के केंग्री मुंबर मुंबर हैं है 'ये केंग्री मुंबर मुंबर मुंबर हैं है 'ये केंग्री मुंबर मुंबर मुंबर हैं है 'ये केंग्री मुंबर मुंबर मुंबर मुंबर मुंबर में हैं 'ये केंग्री मुंबर ब्रुवायानया ग्रीट क्रुयं (ब्रियावयं याया प्राप्ताया व्याप

तिरं त्रित्र हुण्या ही ज्ञाया नुसार हुं या भु विं वृद्ध प्रमान निर्देश कर हो दे प्रमान कर विं या के विवास निर्देश कर विवास निर्वेश कर विवास निर्देश कर विवास निर्वेश कर विवास निर्देश कर विवास निर्वेश कर विवास निर्वेश कर विवास निर्देश कर विवास निर्देश कर विवास निर्वेश कर विवास नि जी श्रमः हूं यात्र विदार प्रतिय केंद्र विदाना प्राची का श्रीवर्ण पाली विदार की प्राचन कि प्राची हो में हो प्राची की स्थान हो प्राची की स्थान हो प्राची की स्थान है कि स्था है कि स्थान है कि स्था है कि स्थान है क बा बर्म के प्रत्या के बर्म होता है। विवारी प्रतिर इसी जान की प्रति के प्रति के प्रवास के प्रति के प्रत तृ प्रोत्ता क्राया क्रिक्त क्र इ. प्रायमियाया है। क्रिक्र क्रिक्त क्रि देशता वैगोत्तालट के गोर्ट्ट ट्रिव्य पर सि.पियं कारालीय या ही रे बिराल स्वाय पर गोर्य स्थानीय स्थानीय स्थानीय स इस गोर्य रेटियो गोर्चट भी क्षेत्र मेर्ट्ट ट्रिव्य पर सि.पियं से प्राय सि.पियं से प्राय सि.पियं से प्राय सि.पियं प्रियम् स्वाद्याः स्वत्याः स्वाद्याः स्वत्याः स्वत्याः स्वाद्याः स्वाद्याः स्वाद्याः स्वाद्याः स्वाद्याः स्वत्याः स्वत्याः स्वाद्याः स्वत्याः स्वत्यः स्वतः स्वत्यः स्वत्यः स्वतः स्वत चलेना अर पुरायहित या लेना हुर है। धुअ के तर्ह्य ना नी हिंद राया थी विदाय खेना ना का निर्मा हुन प्राप्त हुर हैं यर्ट्स है. दर्गण हुये. ख्रयं खेंच हुंचे अयर्थ हूंचे अयर्थ हैंचे अयर्थ हैंचे अयर्थ की स्थान स्यान स्थान यःसरः हुरः क्रुंनः ग्रीः तुः श्रीरः श्रें अरः श्रें क्रुं ग्रनः ग्रें ग्रें या तिवायिकायम् ने या है । या है खें श्रें श्रें क्रुं संस्कृतायिक स्वाया । स्वाया स्वया स् दःसीजा चवा सुर बाह्य वा मिंदि क्या स्वराय क्षेत्र क त्य-पर्यात्माष्ट्रितः क्रीयात्म्यः द्वान्त्रेयात्र्यः क्षीयाः अत्यात्मा क्षीयायात्रः द्वान्त्रः त्यात्मात्रः व चुरा है र्रार रे चुर रे तुर्ब व्यारे येवाय हैवा वायर छेव रहें वी चवाने बाय अनुवाय में की वाही पा विवाय हो रे ह द्वानायात्रम् वर्षात्रम् त्रात्तात्रम् कृष्णवर्षम् वर्षात्रम् वर्षात्रम मुर्युट् ने देर लासमा र में में दर्भ के में देश है ने मुक्त हमा साह न वस में में प्राप्त में मान में स्वाप्त में स्वापत में स्वाप्त में स् द्रेषार्थरः प्रेष्टा हे न्यू ज्ञाना के राज्ये का स्थानित के साम के स्थानित के स्था लामान्य विष्यात्रेत्रात्ते विषयात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्य त्या तहेवा हेत्र श्री क्षेत्र त्यात्र विषयात्र त्यात्र त्यात् न हिंद्या देन नंद्याय देव नंत्र वार्य ने मुंबायन यो ने मुंबाय के मिंदि से में से ने में में में में में में में क्की श्वर विवार्तिय स्थार है। मिर्द्य ति स्थार के विवार के विवार के कि स्थार के कि स्था के कि स्थार के कि स्था के कि स्थार के र्देर्ट्याययं ब्रिट्र केवा वार्युट्र दया देंट्य कें. यथ केंट्र चेत्रं यंया अन्तद केवा पर्यवा दयं दर्वेट्र ग्रीद धुर प्रया विट्र रेपवि ग्रुप्त देंद्र हरायेणकान्यानिक प्रति प्रति स्वापार्थित पाया देवे विषये विषय स्वापार्थित पाया है ते प्रति प्रति स्वापार्थित प्रति स्वापार्थित प्रति स्वापार्थित प्रति स्वापार्थित स्वापार्य स्वापार्थित स्वापार्य स्वापार्य स्वापार्य स्वापार्य स्वापार्य स्वापार्य स्वापार्य स्वापार्य स्वापार्य स्वापार् ढ़क़ॣॕॖॖॖॖॖॖॖॖॖढ़ऻॴॹॶॣॱॿऀॸ॔ॱय़ॴक़ऀढ़ॕऻढ़ज़ॻ॔ऻ॔॔॔॔॔॔॔ॴक़ॶॴड़ऀॣॸॕऄऻ॔ऻॕड़॔॔॔॔॔॔ढ़ॴॹऄॱख़ॗॴॶॱॶॴॶॱॿॖॴढ़ॖॱऄॣज़॑ॻय़॓ढ़ऀॱऄॣज़ॴऄऄॎॗॴॸ॔ॸऄॴ क्षेत्राचेंयां बट.तू.र्येत्रानामुं ह्ववातपु यर क्षेत्राविष्ट्राजानिर प्राप्ति होते हे विष्यात्राविष्ठात्वर प्राप्ति विष्या हित्राचे हित्राया क्रेव-रूट्रिवायाम्भी:क्र्यास्त्रेर-इंश्रयाचाययी विट्रार्गर सेट.हुजाशिवयान्त्रेर-श्रिवी वार्याक्षिटा,लटाजावायान्त्राच्यान्येयान्त्रे स्वीटाज्ञान्त्रे स्वीटाज्ञान्त्र स्वीटाज्ञान्त्रे स्वीटाज्ञान्य स्वीटाज्ञान्त्रे स्वीटाज्ञान्य चर्ष्यान्तरात्रः के न्यान्यान्त्राचित्रया तर्ति विन्तरात्र दे संस्थानाया के नाधित्यान्य वेषा विन्तरात्र दे हिन्यराया स्वाप्यान्य विन्यान्य विवाप वित्रात्रिकात्रकारीयां या प्राप्त वित्राचिकाया की विश्वासाय प्राप्त के प्राप्त की प्राप् चंद्रि. ट्रेचा. त्र भी व्याप्त के विष्य में विषय के वि पाश्चरःश्चरी नुरःश्चः अत्राद्धारायतः स्वरः श्चेत्रः त्वरः त्वर्षः वाच्चतः याध्यः त्वरः त्वरः त्वरः वाच्चरः वाच्यरः वाच्ययः वाच्ययः वाच्यरः वाच्ययः वा र्वां मुं भार्या भर अन्य मार्थिय के वर्षे तार्या निर्मा विकाने अवैदि केराय वर्षा क्षेत्र प्रमा निर्माण कर के प त्यवण्यायवर्गर्यते स्ट्रिट् यन्त्रेण व्यन्तरं दे होनवन्त्रवा स्त्रीयाया देवे वियानसूर ही दं यावा स्रिते दुट व वियानस्त्र स्वर्ण चिमानमा क्षेत्रायात्रे तर्रात् चैन क्षेत्रमा के लिक्ष्यार निष्या हिमान क्षेत्रा प्राप्त निष्या क्षेत्रा प्राप्त स्यां क्रियाचा क्रियाचा है। त्रुवाहित्याक्रियाचा स्थायक्रियाचा स्थायक्ष्याचा स्थायक्ष्य स्थाय श्रे प्रतानिश्वर्ता लट्र कार्या वित्र श्रेट स्राप्त अन्त्र मार्य के स्वर्त कार्य के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्य के स् चु-प्रते यद्यान् विषय स्त्री क्षेत्रं नव्य क्रियं क्रियं कर्ते क्रियं निर्देश प्रति बह्द भिषा ठव 'तु 'त्रे वा वर्षा | हैं त्या तुं के वा खूँ न या बहे ने त्या है । तह बोवां के हूँ ने वे वर्षा के अदि ही । र्चेर सुर्वा प्रविवा विषय अंगुरे पेबेट रापा हिंद छैं सुरादियां क्षेवाय अदि र्चंय दिन र वर्षे प्रदेश विषय छैं न व्या क्षेत्र वार्या प्रविद्या में वार्षित के क्षेत्र वार्के कार्या विद्या के विद्य के विद्या के विद्या के विद्या के विद्या के विद्या के विद्या के अत्रयः वृत्यः त्रेत्रः त्या सः तः त्रकृतः त्या सृतः त्या या त्रा त्या या त्या व्या त्या व्या व्या व्या व्या व्य स्वा वा त्या विश्व व्या विश्व व्या त्या क्षेत्रः त्या विश्व व नम्बा नम्द्रिन्यम्नर्यस्य स्वाधित्रम् द्वान्य केषं स्ट्रिया स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्व चंत्रअन्तिव के वा वी क्षेत्र अन्ता चंत्रअन्तिव के द्वार वी के अन्ता वार्त्र भारतीय विकास वि विकास विका

ચૂંદ जि. कूर्य कियान ह्या ग्रीबर हियान हुया ग्रीबर हियान हुया प्राथन हुया हुया प्राथन हुए। क्षेत्र क्षेत्र प्राथन हियान हुया ग्रीबर हुया ग्रीबर हियान हुया है। हियान हुया ग्रीबर हियान हुया हियान हुया है। हियान हुया है। हियान हुया हियान हुया है। हियान हुया हुया है। हियान हुया हुया है। हियान हुया हुया है। हियान हुया है। हिया है। हिया हिया है। हिय विवासहर्ति। अवासिर्यम्भार्तिवास्यायाच्या वास्त्राचान्या वास्त्रात्याच्यात्रात्याच्यात्रात्यात्रात्याच्यात्रात्या इत्याने क्ष्यां त्रिंदा पर्द्वाया क्ष्या त्रोतां या व्यापादी क्षा विषय क्षा विषय क्षा विषय क्षा क्ष्या विषय क्षा क्ष्या क्ष्या क्षा क्ष्या क् बन्यार्भेगायक्षतानातात्रीने त्यात्रमा हिन्ती नेत्रम्य स्थाप्य क्षेत्राच्यात्रम्य स्थाप्य स् कर्री ट.रट.लट. मि.स. कुर.प.प. जूब. पीय. पीय. पाय. पा.सीय. पी.स. मी. प्या.म. प्य.म. प्या.म. प्या.म. प्या.म. प्या.म. प्य.म. प्य.म. प्या.म. प्या. ह्यणबान्वित्याहै क्षेत्राचित्र वित्रार्येत्या हैंग्वार्येयानुबाग्वेया या गुरा हैंग्वारके वार्र स्वरास्य के ती वार्षेत्र वार्षे ૹૢ૽ૢૹ_ૻઌ૽ૼ૾ૹ૽૽૱ૣ૽ૢૻઌ૾ૢ૽ૢૢઌ૾ૢ૽૱ૣ૽ૹૢૼઌૺૹૹૢ૽ૺ૾ૹ૾૾ૺૺૺૺ૾ઌૺૺૹૻૢઌૺઌૺ૱ૣઌૺ૱ૡ૽ૹઌ૾૽ૹઌૺ૱ઌૺ૱૱ૡ૽૽ૹૺૼૹ૽ૢ૾ૺ૱ઌ૽ૣ૽૱ૹૣૹૹૢઌૼઌઌ૽ૼૹ૿ૺૺ૱ૡ૱૱ राष्ट्र त्यायां प्राचर्गित् हिकासु खेवे त्यका श्रुपं पादे प्रचेवे का पादेव प्राचित का श्री का श्री की साम प्राचित का प्राचित प्राचित का प्राचित प्राचित का प्राचित प्राच प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प्राच प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प्राच प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प ब्राणीयान्तरम्यान्त्र्योत्तर्यास्त्री क्राणानः वेषाञ्चेत्रायदे त्यायक्षायां इस्रयाञ्ची विषयान्त्रम् । यस्त्रेत्रायदे प्रत्मा स्वापायां स् शुःके क्षेत्रं तरहे व या केवारी क्रांश शुःविचका वका परे वाका परिवाहे व शुःशाना श्रद्धाता वका क्षेत्र श्रुपा सहते या दिना के विचाहे व शुःशाना विचा चने चर् न्यर मिनाब राष्ट्रा बार्ब अंतर होता है है से चुति हितारे तहें वे क्षे चित मात्र में के चूर्व कर में के मार्थ मार्थ में के मार्थ में मार्थ यहर्ते हे.ज.बूचबाराष्ट्राचार्यात्रवे हो के.यष्ट्राह्मायात्रवे चिराक्ष्यात्रवे विषयात्रवे चर्चन पर्या हुवा ये विंत के त्या हुन के त्या शुंब तर्रा वा से त्या से त्या से त्या से त्या से त्या से त्या से त यान्त्र मुन्द्र प्राची कार्या सुराक्ष्य सुराक्ष्य सुराक्ष्य सुराक्ष्य प्राची सुराक्ष्य स्थाने सुराक्ष्य सुराक्ष सुराक्ष्य सुराक्ष्य सुराक्ष सुराक्य सुराक्ष सुराक्ष सुराक्ष सुराक्ष सुराक्ष सुराक्ष सुराक्ष सुराक्य सुराक्ष सुराक्ष सुराक्ष सुराक्ष सुराक्य सुराक्ष सुराक्ष सुराक्ष सुराक्ष सुराक्य सुराक्ष सुराक्ष सुराक्ष सुराक्ष सुराक्ष सुर ब्रीयायाहरूर्य वर्षात्रासुरासुरासुरायाहरूत्वाताहरूत्वाताहरू क्रॅबर्न्ट् भ्रान्ट थीया वही न्ट्र अक्रेन् हेवरन्ट रेटर वंशेया ग्री क्रें वाया तुर येन एउं वा विश्व वाया निर्देश के निर्देश क्रें वाया ग्री वाया निर्देश के वाया ग्री वाया में क्रिया येन ग्री वाया में क्री वाया में क्रिया येन ग्री वाया में क्रिया येन ग्री वाया में क्री वाया में क्रिया में क्री में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्री में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्री में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्री में क्रिया में क्री में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिय में क्रिया में क्री में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्री में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्री में क्रिया में क्रिया में क्रिया चीर्यः अकु क्षरः गीयः प्रैः मार्थः स्वीचायः ग्रीः हेयः अरः रीः सब्दिन् स्वीद्रः मार्थः स्वीद्रः स्वीद्रः मार्थः स्वीद्रः मार्थः स्वीद्रः मार्थः स्वीद्रः मार्थः स्वीद्रः स् यून्यायाया नेते वटावया ग्रह्मं अव प्रतान क्षेत्र क्षेत्र हैं निर्मा विषया विषया विषया विषया क्षेत्र हैं व क्षेत्र हैं के क्षेत्र हैं व क्षेत्र हैं के क्

" ને ખાદ એ ત્રાર્ચે ક્રિંત નિવાદ ગાળા ત્રારા ક્રિંત ક્રિયા તે ત્રાપ્ત કર્યો કર્યા ક

अश्रमा विश्वासारीया स्टान्स्य विवास स्टान्स्य स्टिन्स्य स्टिन्स्य

वार्रुवाःलं त्रद्रशा

क्र्याञ्चर विष्युद्धर विषयुद्धर विषयुद्ध विषयुद्ध विषयुद्ध विषयुद्धर विषयुद्ध विषय विषयुद्ध विषयुद्ध विषयुद्ध विषय विषयुद्ध विषयुद्ध विषयुद्ध विषयुद्ध विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय म्राच्याप्याप्तकार्तम् प्रमास्त्रम् स्त्राम् स्त्रम् कूर्र्यं अक्टर्तपुः क्र्यांभूरः स्थायार्टा रेज्ञेयाः स्थायाः प्राप्तात् वित्राच्याः वित्राचः वित्राच्याः वित्राच्याः वित्राचः वि र्<u>र</u> हुए श्चित ह्ययत्र त्रा त्रायत्र व्याययायाया वि.होन् यावायायायायाया हिन् यत्र श्चेयायायाया हिन् के के के के व सून्य त्रात्ते स्वार्थ स्वार् राषु वित्ति के व याके प्रस्तुन्नायानूदा वुर्तिते र्क्क्षूनान्येव स्थेव स्थायान्य ग्री इसमानुन्ना केना ग्रीटा मुख्या वृषा वृषा प्रस्ति होता स्थानविना परिने यमा विवार्यायर्न् रहे खुंवा अन् न्वां व नविवायाय न्यायाय विवाय विवाय विवाय नियाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय द्वतर्विषयाद्वर्त्तर्द्वर्त्ति वीयान्य विदायमाद्वीयायाद्वीयायाद्वीयायाद्वीयायाद्वीयायायायाया अवार्याच्यायायाया त्यां त्रं नं त्या त्र्यं पूर्तात्व के त्या हो न्या क्रिया लिया त्या वित्र त्या क्षेत्र के त्या क्षेत्र त्या क्षेत त्रिट्ट निक्यान्त्र स्वाधातात्वयः स्वाधातात्वयः स्वाधात्वयः स्वाधात्वयः स्वाधात्वयः स्वाधात्वयः स्वाधात्वयः स्व चीत्र स्वाधात्वयः स्व सार महाता का स्वाप्त का स्वाप्त का स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त का स्वाप्त का स्वाप्त का स्वाप्त क स्वाप्त के स्वाप्त का स्वाप्त का स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त का स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त का स्वाप्त के स्व म्ना अर्थि मुंबार्यान्तरा आन्या ने वर्षा मुंबारी तर्ये मुंबारिया ने दा मुंबारिया मुंबा શ્રેયતાનું કુન્યુન ત્રું તે તે તાલુક ત या अहर् या निर्देश में श्रित्र इं थेय पर्ने सुंकें संवा ये प्रिट्या ये केरे से या बिवा ये निर्धा महिला के माने निर्धा वार्ति वार्य महिला है से प्राप्त के वार्ष के वार्ति स्था है थे। विषापिकेषा गुप्ता अप्याप्त स्थापित प्राप्त के विषय प्राप्त में स्थापित स्थापित

ૹૡૢૺૹ.૽ૢૺૺૻ૾ૺઌ.ૹૢ.ઌૹૹ.ૹ૿ઌ*૽ઌ*ઽ.ૹ૾૽ૺ૱ૡૹ૾ૺઌઌ૽ૼ૱ૺૹ૾ૹ૽૽ૼૢ૱ૺૹ૿ૢ૽૱ૻૼૹૹૹ૱ઌૺૼૺ૾ઌૡ૽ૺૺઌૹઌૢ૾ઌૺૹૹ૿૽ઌ૱૱ૺૺ૾ૡ૱ૢૡૺ૱ૢ૱ , ज़र्या प्रविध्ययः प्राचीत्रः र्श्वेषा व्यव्यव्यव्याची राज्यों प्राचित्र स्वयः विद्यान्त्र स्वयः व्यव्यव्यव्य इत्राचित्र प्राचीत्र स्वयं वर्तर स्ट्रिय में भी त्रिया में दें हिवा मुं ही द्राया द्राया में स्वाया में स्वया मे अपोबरा दे हे बां बुं देवें ब बे र वो कुर्या देर क्षें व देवें बुं ब कुर वा है ब की वा ब के वा किया के किया के क अपोबरा दे हे ब ब के देवें के किया के क श्चिरः पवित्रां पत्ति । त्र्या श्चरः पर क्षेत्रां या व्यापिर स्तु श्चर श्चर स्तु । त्र्या प्रत्या व्यापिर स्तु त्यतः विषा चुर्षा र्याषा क्षेत्रीय प्रमान्त्रमा हिरारे तहीं वृष्णरार्षे द्वारा विषय है। दे वित् तिष्ठी अर्थाय प्रमाण परि तहीं तर के पार विषय मुखाया द्वीता मुक्ता द्वीया देता हो ता है का देता है का निवार के कि मुक्ता मुक् र्वायवा वार्यायात्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्राम् विया क्रयां विया कर्ता क्षेत्रास्त्र स्वाया वार्यायात्र स्वाया वित्र स्वाया स्वाया वित्र स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्या स्वया स् वंद वंश ग्रीट समित में कि के प्राप्त के प्राप्त के कि के प्राप्त क तह्यानुमा वित्रवाराणमाञ्च्यवाविवानुमा बे नुसायुमानमा ह्राया हे पर्युव नववानमा हर्षा हर्षा है । श्रमाणिकान्ता विराक्षित्रान्ता क्षेत्रां क्षेत ह्मवीयन्य के अपन्य स्थानित स्थ स्थानित स् याश्रूर्यात्रम् हुना सङ्ग्रा स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स *न्*रिविषार्थेते सेंत्र प्रमाप्तम् प्रमाप्त क्षेत्र कुराविस्राम् मृत्र प्रमाप्त के स्वाप्त के स्व यक्षश्वरत्ते। येव श्वरत्ते व्यवस्ति वित्तर्ते स्वरत्ते के स्वर्णके स्वरत्य स्वर्णके स्वर्णके स्वर्णके स्वरत्य स्वर्णके स्वर्णके स्वर्णके स्वरत्य स्वर्णके स्वरत्य स्वर्णके स्वरत्य स्वर्णके स्वर्णके स्वरत्य स्वर्णके स्वर ब्रैट रॅदे ने गं कुराय विवासहता ने या वकुत्य प्रेते हैं के कुरा है अपने सहत हिया बूट प्रविव तु विवास के ति प्र बेंबन हैं ज्वा अहत द्वा या अविने सर ग्वा वार है। दे जा देवा गाँदे प्रकृत संधिता

निश्ररः क्रेंत्रः पर्ते (विनान्तुनः हु) क्रें सुना पर्ते क्रेंत्रः या क्रया विनेत्रः स्वरः चन्ना स्वरः स्वरः विनाय स्वरः हुं। क्रें सुना पति श्चिम्यामार्वर पान्नी श्चिम हिर्मा से दिन्दा मान के महिन के मान के मान के पान के प यम्बे. त्या वायवी दे.ज. ये. ये. व्या व्या क्ष्या वायवी दे.ज. त. वे. वे.च. व्या त्ये. वे.च. दर विषाय अनुआयि क्षेत्र में दे पानियां के बार के पानित दे पानित के अपने के पानिया के पानिया के पानिया के पानिय धे.सी.स.पर्येय.जायोचीयो हो.जायालेट.क्षेत्र.त.र्येटा वह्यार्यवेट्य.यंत्राच्यारात्रीयः हु.हुं.योध्यांग्रीयायाय्ये हो व्याप्त्यायाय्ये हो व्याप्त्यायाय्ये हो व्याप्त्यायाय्ये हो हो.योच्याय्ये हे.योच्याय्ये हो व्याप्त्यायाय्ये हो व्याप्त्यायायाय्ये हो व्याप्त्यायाय्ये हो व्याप्त्यायाय्ये हो व्याप्त्यायाय्ये हो व्याप्त्यायाय्ये हे व्याप्त्यायाय्ये हो व्याप्त्यायाय्ये हे व्याप्त्यायाय्ये हो व्याप्त्यायायाय्ये हो व्याप्त्यायाय्ये हो व्याप्त्यायाय्ये हो व्याप्त्यायाय्ये हो विष्त्यायायाय्ये हो विष्त्यायायाय्ये हो विष्ये हो विषये हो हो विषये हो विषये हो विषये हो विषये हो विषये हो विषये हो विषये

ने त्यापर्या में के कि प्रति प्रति प्रति के प्रति का स्वापन के कि एती कि कि प्रति के कि कि कि कि कि कि कि कि क हैट.रटा अक्ष्य हैर.क्रीयटा कर्ष्य त्या विकास कर्षा वाया विकास कर क्षेत्र क वंदं यं हुट चंदे के। वेंट अर्थ कर दवेव यहेंट्य पत्तु प हुया देर विंट पहेंट्य यं यो विंट वीय दवेंद्र अंचें वेंप मैं नामव परिव में मुंच के किया है रहा हुए हैं है रहा हु कें व रेव केंद्र आहे किया आधीव विहार मार्ची के किया आपमा हैना मार्च केव र्ये वं क्षेत्रम्य प्रति अतु प्रमा इस्मा व नुसम विद्या प्रमा के मार्च प्रमा के प्रमा के प्रमा के प्रमा के प्रमा ण्ट.श.पकुर्वान्तं.रटा कुर्वान्तःलाक्चेयःजीत्वाक्चेत्रःश्चेत्वाक्ष्यःवाक्चेत्रःवाक्चेत्रःश्चेत्रःश्चेत्रःश्चेत् यथेवाश्वो यथेरःतथःजिरःवाषयःत्रःवयःतःक्चयःत्रःश्चर्ताः भूरःश्चेत्रःश्चेत्रःश्चेतःत्रःयःत्रःत्रःश्चेतःश्चेतःश्चेतःश्चेतःश्चेतःश्चेतःश्चेतः। श्चेत्रःश्चेतःव्यविद्यात्त्रः श्चेत्रःवाक्षेत्रः श्चेत्रः श्चेतः श्चेत्रः श्चेतः श्चेत त्तान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्य यहूरी अक्षय हुं हु प्रयोग बुबात हुं हु रित्त बुबात र प्रयोग भी बूरी रिया तर हु हु हि र हूं हु ये जा प्रयोग या विद्या हु था हु था है विटार्झे ह्याया वि चरा विवास

'त्रमान्त्रान्त्राच्यायाम् हे हे त्री क्षेरायदे ऋष्यान्त्र क्षाच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याची स्थापा प्रविद्या विराधियाता कुराने जानाबयारा के कुर्वास्त्री विराधरा र विद्यार में राज्या की प्रविद्या त्राम्यान्त्राचे प्रमाणकात्राचे प्रमाणकात्राच प्रमाणकात्राचे प्रमाणकात्राच प्रमाणकात्राचे प्रमाणकात्राचे प्रमाणकात्राचे प्रमा . अट. ग्रेन हिंग या पा के वार्य क्रिन हो गांचा सुगंबा है पा हो गांचा हो गांचा के वार्य हो या सुन क्रिया हो या हो वारा सुन हो है वारा सुन हो वारा हो वारा हो वारा हो है वारा सुन हो वारा हो है वारा है वारा हो है वारा हो है वारा हो है वारा ह त्यः बुच् बुच् न्यायः स्वायः स्वयः स्व

चर्चा रुवा वी 'चे 'च' सः हे 'चर्ड् द' सर्व संक्ष 'चे दे दे के दे कुंय' अर्क्ट् द'र्नयय प्यान्य स्टित्त हो स्व 'चे विकास के कि विकास के किया है। स्व 'चे किया है। स्व 'चे किया है। स्व 'चे विकास के किया क् क्षेत्राज्य में व्यानिव्यत्त्राच्या क्षेत्राय क्षेत्राय में त्राय क्षेत्राय में त्राय क्षेत्राय के त्राय के त यात्र ह्यें न पर्टा यात्र केव देव के के के पर्वा प्रायम पर्वा प्रायम के के कि पर्वा के के के के के के के के के য়ৢ৾ॱक़ॖॹॱॹॖॏॺॱक़ॖऀॱॿॖॱ॔ॺॖॺॱय़ॺऻॱढ़ढ़ॆॺॱढ़क़ॕॱॸॱख़ॱॺढ़ॱॾॕॻऻॺॱय़ॱक़ॖॺऻॱढ़ॕॸॱज़ॗॹॖढ़ॱक़ॣॺॱॶढ़ॱॸॾॢॺऻॱॸॹढ़ॱॲॱड़ॖॻ॔ॱय़ॱॴॿॺढ़ॱॸॱॿॢऀढ़ॱॺॕॣऄॱॿॗॸ॔ॱ ह्याबासुरहुन्याबियादिवर्ये हे भूगायहुन्यति हो दार्थे प्राप्त प्रदेशहास्य प्रदेशहास्य प्रस्ति स्वर्थे प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रम् र्था ने कुर् र्यं वे प्राप्त के वे वा के राज के वा के वा के का का का का के कि के कि के कि के कि के कि के कि कि नियर पञ्चर पर्वे क्षेत्र पर्वे केर पं द्वरा पर्वा प्रवासका के त्युवा क्षेत्र ही केंबा इसका विवास पर ही विवास ही हो हो है जिस है है । श्चित्राचर्यः श्वीर त्रायात्राचित्र त्राचित्र त्राचेत्र त्रचेत्र त्राचेत्र त्राचेत्र त्रचेत्र त्रचेत्र त्रचेत्र त्रच चेठुवाचा र्यट्टा हे अग्रीच में स्वाप्त स्वीका की हे बंग्वीच राज्य स्वाप्त स्वीवाय की हे बंग्वीचेंट्र रटा स्राप्त स्वाप्त स्वीवाय की राज्य स्वाप्त स्व हैं अग्वेदर दरान्ठ अर्था दर्रा वे अवस्थे पर्दे पकूर के देवा प्रदे हैं अर्प द्वर दर्ग विवर पर्दे हैं देवे कुर दिवे अर्थ दूर पंठर पर्दे हा चन्द्रित्ता व्यथः इस्रायर चर्मेत्यते ते मानेद्र क्षेत्र सह्त्यते विवादित्र क्षेत्र क्षेत्र च्रा विवादित्र विवादित्य विवादित्र विवादित्र क्कें वं तं अवां वा तरि वां विद्युक्त वां विद्युक्त वां वां विदेश वां वा विद्युक्त वां वा विद्युक्त वां वां वा वैषाग्रीकार्यह्नायते युद्धारत्योयां पास्त्रवायते विकारात् । क्षायस्यानकार्यकार्यकार्यात् विकार्यकार्ये विकार्य म्यायित्व क्षेत्राच्या वित्र त्या स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्या स्वया स् लाकूबाई छेट् क्रियामबब्द है। कूबाई माबद हिट लावाची हैट व्याद लाट चट्वाल व्याद है। वाबट ह्वाबाई ट साख्याची बाराह ह्वाबा र्रेषिवराष्ट्रीया श्रीत्रायर परिवास की मेंवा से देश हैं। से है का निर्वास का निर्वास का विदेश का विवास की मेंव अन्ता स्त्रे वृत्ये वृत नामवारा अहं न प्रति के। क्षुना रें विना नीम वमानया नक्क वया पासी ने न अर्दे नि हु। तसुया या में मानया पासी नाव पास हूं। युषेतारा बुची सुपु श्चित्रां के प्रेकेट्र रे नया ग्रम किंदा ता चीतु वाया है चाया या यह रे , यह ही किंदा वाया स

तेते हो न्या के क्षा के क्षा के क्षा के का के ता के का का का के कि का के ता के का के का के का के का के का के क के का ह्या के के कि के कि के कि का के कि का का का कि के का का कि का के कि का के कि का के कि का के कि का का कि क त्तुवा प्रकार्ट् अर्कर भ्री का है हिवाब र्यं वे न्र से द्वा के वा के वा के वा के प्रवाद के ता विका विका विका व

लार्सेवाबारादे धिवा क सर पु सही दर्ने लानुवाबारेंदे बरबा कुषावें राजावबावाब देवा नुवाबारें हिन पु दर हों ने सानुवाबारेंदे

ઌઃૹૣૼઌૺૹ੶ਜ਼੶ૹૡઽ૾ૺ૾૽ૢ૽ૢૢૢૢૡ૽ૡૢ૽૱ૢ૽ૢૼ૾ઌઌૺઌૺૼૻ૾ઌૢૢૢૢૢઌૻૹ૾૱ૹ૽ૺ૱ૡ૾ૺૡૺ૾ઌૻૻ૱ઌ૽ૻૣ૽ૼૺઌ૽ૼૢૺૺ

योष्ठियं चे अक्ष्र त्यां योष्ठियं चे अक्ष्र विद्यां चे योहें त्यां विद्यां विद्यां विद्यां योष्ठियं विद्यां योष्ठियं विद्यां योष्ठियं चे अक्ष्र योष्ठियं विद्यां योष्ठियं विद्यां योष्ठियं विद्यां योष्ठियं विद्यां योष्ठियं य

द्रायां स्वाप्त स्व

عُزِد کِر ا

त्त्य, वे अपु. पूर्, कु. अट. कु अट. त्या कु. कु. त्या कु. त्

२.१ ५५ अपः अर्देवे नकुर खुन्य र क्रेन्स

दे.ज.पर्यस्ता विसारक्षीर्त्वा विसारक्षीरक्षी क्षात्रक्षीत्र स्वाप्त स

২.২ ইনেইমার্ক্তরাট্রানরনাইরের্ক্তিকাট্রাস্প্রনম্

र्चू । विषय : भट. व. यो. ज. जूवाया न्याय : प्रतियाय : क्याया विषय : क्याय : क्याया : क्याया : क्याया : क्याया व व्यापाय : क्याया : क्य ॷऀॱॺ॑ढ़ॱॿॺऀॱॸ॔ॸॱऻ*ॱॿॸ॑ॱॺॸॱॸॖॱ*ॾॕॱॾॆढ़ऀॱॺॖॆॺ॑ॱय़॑ॱॴॿॺॖॹॶॱय़ॸ॔ॸॱॿॣॺऻॹ॓ॱॗऄॖॱॴॺॱॸ॑ॸ॔ॱॸढ़ॕॺॱॿॖॸॱॿॖॺॱय़ॸॱढ़ॸॕॸ॔ॖय़ढ़ऀॱॺऻॸॱॿॺ॑ॱॸॺ॓ॱ च रुव इस्त्रें वार्ष वार्ष प्रवित्व वार्ष प्रवित्व प्रवित्व वार्ष स्त्रे वार्ष के कि स्त्रे वार्ष वार बहूर्यान्येन्त्रेश्वरत्युः कर्न्यात्वराष्ट्रवात्वराष्ट्रवात्त्र्यान्ययुः त्वर्तात्यायात्वरायात् वर्षे वर्षात्यायाः निर्मात्वराष्ट्रवात्वर्षात्वर् राज्य त्याक्षा त्याक्षा के विष्या के विषय के व बह्र-पुरे वि चरे थे त्र्रे प्य क्रिंग प्रम् क्रिंब पर प्रम हिष्णेय प्रम विव प्य पर हैं है व के प्रम के व प्रम व के प त्यात्वें द्रिया द्रियायते केंबा केंब्राया व त्री वाका प्रस्ता व केंब्राया व केंब्राया केंब्राया केंब्राया व केंब्राया व केंब्राया व केंब्राया व केंब्राया केंब्र्राय हुणार्थन् प्रमास्त्रीत्वराद्यस्य प्रमास्त्रीत्वराध्यस्य प्रमास्य प् बैंब रु रुट सं ये तर्र पर बैं श्री रुदे अन य बेंचावार के बुदे हो हार्च सर से रूट में बुदे ये सूद पर्रे व की की र्दे व या अर्से र व राज्या व अ; व्रैमः व्यन्ति द्वात्तः त्रात्तां क्षात्रः स्ति व्याक्षितः व्याप्ति व्याप्ति । व्याप्ति व्याप्ति । व्याप्ति व्याप्ति । व्यापति । व्यापत हे. छेब. तायवर्वा ब. येवा हुब. ख. वार्डिट. दे. वार्ष्ण खेब. यंगित. खेब. तथ्यवेषट. ही पहला देत की बट. यद्व. की ट. प. सूर्वा ब्रा स्ट्री. कूब. सट. र्नु जीबाबी जाविक प्राप्त के स्वारी स्वार हिना के खेला के स्वर्ध के स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स चला म्रियाक्रियान्त्रेयान्त्रेयान्त्रेयान्त्रेयान्त्रेयान्त्रम् म्रियान्त्रेयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्य चिर वयात्रेव तृ र्येयाते। ग्रीष्ट्रां पायया चुर् पाये प्रोतिया देवा प्रेराया क्षेत्र या या व्यापाय क्षेत्र या व अझ.र्टा श्रृङ्गे हैं.ब.र्टा श्रि.मॅ.ल.चूँ श्रे.स.स्टा विड्डा श्रु.मा.र्झ.ट.र्टा वे.मॅ.मा.र्.व्हॅर्टा स.र्.श्रे.से.र.ट्टा श्राक्रा संस्था स्वास यायक्वे नियर में निक्रेत त्रेय ने निया मी के द्वारा यह नी में है लहें यह यह यह निया मित है निया कुन निर्ा वह या निया है या यह निया में निया है निया कि निया है निया कि निया है निया कि निया है निया कि निया है निया है निया कि निया है यदे अर्केन स्कृत या केने वा या या प्राप्त में की प्राप्त में वा प्राप्त में वा वा प्राप्त में वा यः न्दः भुवः भदः । वित्र ग्री वार्ष्यां वार्षः वेद्यां विद्यां विद्या यः अह्रीतः या अर्थ्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वय न्ना यान्यायते प्रवानित पावन पावन पाया ग्राम पाया प्रमाण पाया प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास

स. घष्टाब्र क. ट्रे. हुं ट्रं चं चूं ट्रे. के ब. सहंद्य वाट वाट वाट का तम् वाट के क्षा तम् वाट का वाट वाट का वाट

'चसूब'चर्डेब'रे'अर्थेट'बेट'गुरुट'ग्रेटब'रे'अर्ट्ट्र'धब'घबब'रुट्'र्ट्'अळ्र-क्षेब'बचब'र्हेग्'रे'अर्ट्ट् क्रिंब'रे'अट्'ग्बब् गुब'ग्रीब'सू यर्प्तियः विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान् क्रूबारस्वाबामीविकाक्षी क्रूबाराच्या में ब्राच्या में में स्टूर्ण त्या प्राच्या प्राच्या में ने स्टूर्ण त्या में स्टूर्ण चित्रवात्त्रायम्भव र्राट्यायत्वयात्वर कुः श्वराहे श्वर श्ची-तमेबानीयेब-तर्म क्रान्तिन्ति देत-पाहे न्वान् श्ची-श्चान्य श्चिम हिन्द्र न्या देते श्चान्य श्चिम स्वान्ति हे नह व श्चिम स्वान्ति । देते श्चान्य श्चिम हिन्द्र । देते श्चान्य श्चिम हिन्द्र । देते श्चान्य श्चिम हिन्द्र । देते श्चान्य श्चान्य । देते श्चान्य श्चान्य । देते श् कें करा देवें श्रेषावें देन बेर वर्ष महिर वर्ष महिर हैं महिर कें महिर हैं महिर हैं महिर हैं महिर हैं महिर हैं देवे श्रक्ष क्षेत्र न्यें व नुष्रक केंब यं केंव ये न्दर संपेहवा देवे श्रक क्षेत्र न्येंव श्र पहन हैं हे थे व वी दे क्षेत्र सेट वेंब पदने वे प्रविद्यारा द्या वेट व्या क्षेत्र ग्री या मुन्य प्रतिया स्वाप्त स्वाप्त या व्याप्त स्वाप्त र्के. टेट. चक्षेत्र. केंद्र अ. क्री. क्री. स्वा. क्री. ब.च. क्री. ॱहि.श्चेर.त्रगुव.लब.बिर.तर.्टे.बैर.तबो चूर.वोट्ब.व्य.व्य.ब्री.बैर्ट्य.पट्टर.पट्ट.यथेश.तप्ट्र.शूवंत्र.त<u>्र</u>चे.बी.लंट.श.बैट्र्य. पट्ट.ल.क्र्य.बी. र्चेन प्रति तुम्पन्ता में उत्तर्भे द्वानन्ता अने प्रति प्रति । यह ब्रिन त्या अस्य में प्रति प्रति में अस्य प्रति । असे प्रति । यह र्राप्तु,ज्.क्रिय.ग्री.श्रेतय.श्री

उ.८ शुश्रशः श्रियशः ग्रीः स्रेयश

लश्र ह्रीर रा. क्रे. श्रुष्ट, धुर्ट, धुर्टा विद्याचीयर करा रचा हुचा चा पहेचा राच दे रि. श्रीय राम स्ट्राम्य हुम्म विद्याचीयर करा हुम्म करा हिमान करा हिमान स्ट्राम स्

तर्देन पर ह्या न प्याप्त न प्राप्त के विकास के प्राप्त वै। विषयभवि न्युष्य द्वरान्य प्रदी विषयपाष्य पविषयो विषयो विषयपुरुष्य विषयपुरुष्य विषयो देवे देवे विषय विषय विषय ट्या राज्यसम्भारा ज्ञान स्रिते द्विता सार्यन ग्राम्य प्राप्त स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स र्त्ता, न्युः इत्याप्ताया क्षान्त्र कष्टि क्षान्त्र कष्टि क <u>इत्ति, प्रमुच तर् क्षेत्य यत्य भेषात्रमूच त्रापाचीत्य त्रापान्ता करामेण त्रापाचीत्य तान्ता हियान्य श्रीत्य प्र</u> देश्चर्रित्यर प्रकार प्राप्त क्षेत्र में क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत् भूत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत र्मान्त्री शुम्बानीर्वेषाम् वदेते न्यूर्म्बान्यर्था मुन्यायर्थे निया में देश में स्थान प्राप्त के मान्य के मान्य प्राप्त के मान्य के

यदः चर्चुदः यं मिववः स्ट्रांकः भूगाः हें रः ग्रीका चर्नुदः यः वी श्वरं का ग्रीका स्वरं मी प्रेत्या मित्रं प्रा त्रित्ताक्ष्मत्यस्त्रस्य स्टब्स्य स्टब विने द्वा क्रिंद्रेय य क्रियाय केंया विने प्रत्या वी क्षेया य क्रियाय क्रिय चर्ह्न-प्राः है। पन्नाः तेन् प्राः तेन्याः स्वायः स्वायः स्वयः स

र्वेषाने। देव ग्रम्पाया सक्तेव र्याप्त देव देव देव विश्व महिला ही स्वर्म

२.५ हैं हे बर्अ परि कें क्रुश ग्री क्रूनश्

્રેન્યાના છે વાર્તા મુંદ્રાને કેલું સ્ત્રેના વસાસાવતા પ્રાથમિત છે. કેવાના સુધાના પ્રાથમિત કર્યો કેવાના સુધાના हैं। मनःकेनिः भुनः ग्रीनः मुद्दनः अधिनः पनः क्षेत्रः हेन प्राप्तन्तर प्रकानियान प्रमुप्तानियान स्वाप्ति । विषयः स्वाप्त्राच्यात्रे प्राप्ते प्रा शूट ज्.टी त. श्री स. पूर्व त. पूर्व त. पूर्व त. पूर्व त. पूर्व त. श्री ॔ढ़ॻॗॸॱॻऻ॔ॺ॑॔॔॔॔ज़ॱऄ॔क़॔ॻॱऄऀक़ॱढ़ॊॱॸ॔ॻ॓ॱऄॣॕॸॱऒ॔ॱक़ॣॕॱॸढ़ॖॱॾॱॸॸॖक़॑ॱऒ॔क़॑ॱफ़ॕॱॿॖ॓ॻॱॻॏक़ॱॾ॔ॱॸॹॸऻज़ॹॵॹॱॹॹॸॱऒॱॾॻऻॱॸॖॱ

चीनीयाः है। ने चीर्यंत्रामाः सम्प्राचीनाः स्वाप्ताः स्वापताः स्वाप्ताः स्वापताः स्वपताः स्वापताः स्वापता विविध्यां हिंदे. श्रिन्यं अर बिर बिवा विविध्या हिर विविध्या हिर विविध्या हिर विविध्या हिर विविध्या हिर विविध्य मुंद्रबर्गे क्रिंट नंग्रेबर्गे विषा पत्रिषा विषा विदान के ती प्रदेश पत्रिक्ष पर क्रिंव पर क्रेंव पर क्रिंव क्केंच'न्येंब'ल्'मशुर-'बबा मन्यब"य'इसब"र्युट-'वेब'-रच-'दोन्चट-'मबब'य'माबद-'र्ट-। |ग्रुट-ग्रुट-रुच-ग्रमब'दी। मर्डट-क्वं-अन्तेतु-(मर्दे-स्वंट-र्ये' दें कें के ले हैं ले हुने चंदी है कें ला दें बुद वर्ष र ला भी है वर केर या निवेद हैं में केर है में केर में बुद में कार मार्थ है र मार्थ केर में केर में कार मार्थ है र मार्थ केर में कार मार्थ केर में कार मार्थ केर मार्थ केर में कार मार्थ केर मार्थ केर मार्थ केर में कार मार्थ केर तक्रियाया हु में प्राप्त हुर्ग स्वाप्त के क्रिया में प्राप्त के क्रिया में प्राप्त में के कार्य के क्रिया में के कार्य के कार्य में प्राप्त में प्राप् र्ठ वा स्वार्थ के सूरित हे से ले स्वार मर प्रिवा ल के प्रवास में प लुवा श्रुंच-रत्य श्रेम् नेयान्य प्रिंच विषयात्र प्रकृता शक्षे न्यूया क्र्या झा श्रुंचा प्राचिता प्रिंच त्या विषा श्रमा प्राच्या प्रकृता विषा श्रमा प्राच्या प्रवास प्राचिता स्था प्रवास प्रचार प्रवास प्रवास प्रचार प्रच प्रचार प् वा श्वेर-घर-छ्यं युग्रेषं राख्यारी छे र्रार् पर स्ट्रा पर स्ट्रा प्रकेशका सिंद स्थाय से स्वापित स्व या के ता के के स्वार्थ के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्थ के वयःविषाः श्वः श्वेयः श्वेयः प्रते वष्यायः यद्वीरः त्रवरः श्वेयं पया विरायरः षीः श्वष्यायः श्वेयः प्रयायः स्वरं प्रते विषयः श्वेयः प्रते प्रते विषयः श्वेयः प्रते प्रते प्रते विषयः श्वेयः प्रते प्रते प्रते विषयः स्वरं प्रते ब्रुट् इंग् खेत्र सुमान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य क्षेत्रः ब्री वर्षः वर्षः वर्षः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः क्षेत्रः कष्टा क्षेत्रः कष्टा कष्टा क्षेत्रः कष्टा न्तर्यात्र्वात्त् સંસ્કેન્-(વર્લનું સુત્ર-સે·બ·નસેનું વર્ષાના તેનું સ્ત્રાન્ડસંલેન વૃત્રાં સંવર બ સેંદ ન છું તે બ છું સે સમય છે વ સંસ્કેન્-(વર્લનું સુત્ર-સે·બ·નસેનું વર્ષાના તેનું સ્ત્રાન્ડસંલેન વૃત્રાના સામાના સામાના સામાના સામાના સામાના સ ब्रीट्यान्य अपन्य स्थानित स्थ लूबे तो घर कर मृद्दे, तूपुरे में कु चया समावया वर्ष पहुँ र पिश्वेरेया पहुँ र विष्टे प्रवास किर मिन्ने र प्राप्त द्वार्यक्षेत्रपृत्युत्वराष्ट्रवेत् स्वराचबुणायां दे विषाचीराया प्रचेत्रक्षराचुलेणाया दे विषाक्षी स्वराचनाया विषाचीरा विष इंश्रमाण्चीमार्देयाण्चीं पार्देरासूर् केंद्रा केंद्रा केंद्रा केंद्रा केंद्रा केंद्र प्रस्ति कें म्यान्त्रियात्त्र विष्यात्त्र विष्यात्त्र विष्या क्षेत्र विषया व add. बैट. बेबो चि.ब. क्ष्य. क्षे. परीय. जीटी हुय. वाया मार्चीय. बीचा यूप्ते याचा क्षे. हे. बाबा सारी परीय परीय की या परीय हो। या परीय हो। या परीय की या परीय हो। या परीय की या परीय की य मर्दिन यम अर्थो मन्द्रमा नुस्र सम्भाने व यहीय यम् सन्दर्भ मन्द्रमान की मन्द्रमान की मन्द्रमान की मन्द्रमान सम्भाने सम् श्चित्रवाम् वर्षात्त्रात्त्रेत्त्रवा त्रित्वात्त्रवा त्रात्त्रवा वर्षात्त्रवा त्रात्त्रवा वर्षात्त्रवा वर्षात्य वर्षात्त्रवा वर्षात्य वर्य वर्षात्य वर्षात्य वर्षात्य वर्यात्य वर्यात्य वर्षात्य वर्षात्य वर्याय वर्षात्य वर्षात्य व ल्यट त्रह्यान्य प्राप्त प्राप्त वित्र वित् यदी न पर् ध्रेन न क्रिन न से में क्रिन न से मार्च के का के क्रिन न कि मार्च के न के कि मार्च के मार्च नार्इत्या छे वर्षे ग्रे सुर्यं तु रे रे मिर्हेर में रेर्जुम दे के हिनं यात्र में दे में मुठिमा ग्रम देतुमा में साम स्थान स्थित महिम न्वींबाबेबबार्ड वा यर क्षें चैव वबार या ने गवबार पर्दुव हुर विगार्थेन पार्चे बुर नु गबेर येव नु बेर पर कर के बार बादी हो । विर

्रवीयःसः क्रुवः संभूतः पर्येवः स्टः क्ष्यः वैः ययरः यथेरी तुः वैयः कुः प्रवेषः वैयः वयः अत्रः अतः प्रवेषः क्षय अविष्याञ्चीयायः परः व्यव्याञ्चार्ये प्रवेषः अविरः अविष्यः विष्यः विषयः विषयः विषयः अविषयः अविषयः विषयः विषयः व लायमुंजान्तु मान्या द्वाना प्रतानित् मान्या मान्या क्षान्या क्षान्या स्वान्या स्वान् ॱ<u></u>左ज़ॱॠॕॱॾ॓ॱॼॺॱय़ॱॿ॓ॺॱ॑ॻॖॱय़ॱॠॸ॔ॱऄऀज़ॱॺढ़ऀॱॸॕॖज़ॺॱढ़ॺ॑ॱक़ॆऀॱज़ऄज़ॱॺॏॺ॑ॱॺॸॺॱक़ॗॱॸऻॱ॑ॶ॑ॸॱय़ॕॱॱक़ॗज़ॱॺ॓ॸ॔ॱॻॖऀॱॸक़ॗ॑ॸॱय़ॱॿ॓ॸॱख़ॱक़॑ॸॱय़ॱॿॎ॓ज़॑ॱऒ॔ॸऻ हीत्रायाली स्वाप्त्र विष्टा स्वाप्त्र होता विष्याच्या स्वाप्त्र स्वाप्त स्वा के देशकींग ठेंद र र दर्ग राम्या विदेशकर प्राप्तीक सर्व विवास दिस्य र दर्ग किया पासुर । देर खें क्रुंस वी स्वाक संकींग लागी दे दहे नहेव वना अर अदि र्नेन वेव पर चित्र पार्य प्रवास में विषय प्राप्त प्रवास प्रवास प्राप्त प्राप्त प्रवास प्रवा दुने गाव पने व सुर्य पा के तिनु पा चा कु में है किया ता ख्राया कर की वा कर ૹ૾ૢૺૹ૽ૹ૽૽ૢ૽ૢૼૡૼૻૹ૽૽૽૽ૢૼઌૺૹ૽૽ૢૹ૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽ૹ૽૽ૼૡ૽૽૱ૹ૽૽૽૽ૣૹ૽૽ઌ૽૽૽૽ૺ૱ૣ૽ૡ૽ૼઌ૽૽૱ૹ૽૽ઌ૽૽ૡ૽૽૱૱ૹઌ૽૽ૡ૽૽૱ૹ૽ૹૡૢઌૡઌ૽ૺ૽૽ઌ૽૽ૢૡ૽ૹ૽ वमा हॅं अंदि अर्केन् 'तर् सुन पदे निर इसमाधीन पासुर । सु सुँ में भी हैं ने हैं ते स्ते पर निर्मा से पर से प्रम बुंबा वि.लीवा.धे.टेवा नर्जवा.केव.कींबा.बेव.चे.केब.चेबा वि.चू.चेब.चेबा.चेब.चेब.चेबा.चेब.चेबा.चेब.चेबा विश्वाचाला काली हैं लिट सीची. तु. कुर हूंचे. तथ झी झूंचे. को ब्या पर हुंचे. तथ सी हुंचे ज्ञा तारी हैं हैं . च्या तारी हैं ते स्वय प्राचित हैं . च्या की तु. ची त्या हैं . च्या की तुंचे . च्या हैं तुंचे . च्या की तुंचे . च्या हैं . च् ज्ञान्त्रित्ता मुल्यान्त्रिक्षेत्र त्या क्षेत्र मुन्यान्त्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क बूट्-पु-चुट-कुन-बेंग्रेयब-ट्राय-पान-प्राय-पान-विवास-पान-प्राय-पान-प्राय-पान-प्राय-प्राय-प्राय-प्राय-प्राय-प्राय कूट-पु-चुट-कुन-बेग्रेयब-ट्राय-प्राय-पान-प्राय-पान-विवास-प्राय-प्राय-प्राय-प्राय-प्राय-प्राय-प्राय-प्राय-प्राय-प न्त्। ब्रायान्त्राक्षेत्रवान्ता ब्रायाद्वन् वित्यत्ने व्रायाद्वन् वित्यत्वे क्षेत्रवान्यत्वे कष्त्वे क्षेत्रवान्यत्वे कष्त्वे क्षेत्रवान्यत्वे क्षेत्रवान्यत्वे क्षेत्रवान्यत्वे क्षेत्रवान्यत्वे कष्तिवे क्षेत्रवान्यत्वे कष्ति कष्तिवे त्र्वींग्रा गर्डट्रं गर्डर् त्रे त्रे त्रे त्रे त्रे व्यापायि वटा त्रे अकेट्रं न्यं द्रा क्रिं अकेट्रं न्यं द्र अके वे ने पाया त्रा व्यापाय के प्यापाय के प्राप्त क्रिं यान्यश्वास्त्रात्त्रे श्री त्यश्वास्त्र विष्णा स्त्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त्र स्त्रात्त्र स्त्र रचा ह्यूट प्रदर्भे बाक्रे बाक्र प्रदर्भे आया भूषा यो के प्रदाय में प्रवास के बाद के बाद के बाद के कि प्रवास के त्ताविष्णुः श्रें अवाशेवानाः वार्षेत्रवानाः वार्षेत्रः प्रें न्यः स्वान्यः वार्षेत्रः व्यवः वार्षेत्रः विष्णेत्रः वार्षेत्रः व म्बुबागवर वृत्वा व्यायम्य यहैं किंद हुं कुन पुरे की हे हेव बोद हुं मूर्य व हूं या बेट हैं व की मार्थ के व के प्रेम या धेव मार्थ दे प्राया देशक्षेत्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र प्राम्ने वा दे त्वर द्वाया स्त्रेत्र प्राम्ने प्रामे प्राम्ने प्रामे प्राम नवूर्यात्यारायेषात्रायपरायावुवर्यात्राया रूपात्राया हेया. विष्याया स्थाप्ताया मान्यात्राया विष्याया स्थापत्राय यंबाके त्यापि वितायहर्ता केर्तुत्या यहाँ नायर यह वे भेषान्या हिया कं ब्राया महेर्या वकार्या यह ते यह ति यह विताय हिया है हि स्थाय प्राया स्थाय है विताय हिया यह विताय है वित च्यापः द्यापः स्वतः स्व चेनं छ्ना श्री खरं नु सुरं यायां नु ब्रुवायते नुगाय द्वायां चेवायं यावाय होता हो वा श्री स्वर हे वा की ख्री स्वर हो ने नागाय यान्य वा की वा नुवाय हो ने स्वर हो स्वर हो नागाय यान्य वा की वा नुवाय हो निया हो स

देॱॴटेबाक्रीबाक्रीबाक्रीबाक्राव्याच्यां ऑस्क्रायद्वीटायाञ्चीयायायह्दायब्यायग्वीरार्क्षात्रुपान्तुवाब्याक्षात्रु योवटा ब्रुपंबरऍलार्नेटर् कें लग्ना ब्रुपंबरब्द पावस्था कंट्र कें लग्ने लग्ने के पार्ट में विकासीटर विकासीटर विकासीटर कु.म्.धुर्वा.क्रेर्-वयावर हुर्य.मंबर्षचय.क्रव.त्य.खेवा.वी.विर श्रेम्.त.स्.र. क्रु. त्यं प्रवाहर क्रि. शक्रूर्य प्रवाहर विवाह क्रि. त्या व त्या हूं श्रुप्त में श्रुप्त अप्तर्भ क्षेट तर्द्र विवास त्या में क्षेत्र त्या में स्थाप स् प्टीट ट्यान्नुयावना यहिताचा क्षणावना हुन हीट प्रवासी हित्य होते । विट इयन देशक में विवस मित्र क्षण होते । दे.क्श.क्ष्वांबार्या क्षेत्रांबाक्ष.क्ष.क्ष.चर्या,तात्वींबाक्ष.क्ष.कुणात्वाचा विषय क्षेत्रांवाचा विषय क्षेत्रांवाच क् य्द्रभः हुर्। वर्र दे वर्ष राष्ट्र प्राप्त प्रदे विष्ट्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प ब्यान्याः क्वीत्रात्यात्रे ने त्रवाहें अस्यायात्रे ने स्वयात्रे व्यान्यात्रे ने स्वयात्रे ने स्व हीं व सं प्रेट ते वार हुंद रे ये व हो ते वार के किया हो है किया है है कि से प्रेट के लिए हैं है कि हो है कि से चुरं विर अर् र्ं प्रवेश रे के अपने रे में अपने के में अपने किया है के का माने अर्थ रे माने के अपने के अपने के म्रिवायान्तर्ते अपान्त्रणानाः क्षेत्रायान्या म्रित्यायाया विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषय लेंड्रेंब्रा तहतुन्ते मुः अंतर्देट्यारा श्रेव व्या श्रेन्या श्रेन्या स्था स्थान प्रति स्थान स वर्षियान्त्राच्यात्रे विकास्त्र देवानी त्राचान्त्र केत्र निर्मात्र केत्र केत्र केत्र केत्र केत्र केत्र केत्र के त्रेंद्रवादान्त्रवाद्यां व्याप्त द्रवाद्या विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र क्ष वर्षान्चेवावर्त्तु हीवार्षे वाज्ञावे सास्त्राह्मा तेन् वहरास्तर्ध्याविषा प्रेचे होवास्त्र हीवार्षे वार्षेन् वार्षेन् से स्वार्थे वार्षेन् से स्वार्थे वार्षे त्रांसूर्या त्यात्तेचा.य. झू. इं. विजंत्राचूर सूर सूर सूर पीट जू. प्रमें रिट चित्र पूर्य में रिट चित्र स्तर पीट सूर भी पायर सीट पीट सूर भी पायर सीट स् र्चेट्याग्रीयार्देवयार्द्यं व्याच्यादेवयाद्यां अर्द्यके अर्द्यके विश्वास्तर्या के कि यते ही याचे अर्प रहे हैं एव सुन अन अर्पे रेप देन वित्व में इस हिन के प्रति वित्र के वार्ष के वार्ष के वित्र के द्यायाँ अदः राज्येव चेर हे दं रदं या यद हिना पाँच व प्यत् के होता क्षे खिट ने प्रमे व के प्रमाह ख्रेष यह अपिया व रो यह द क्षे या है। न्त्रम्पुणकार्यान्य वर्षाचेना न्त्रमण्डिकाण्डिकार्याचेना वर्षाचित्राच्याचेना वर्षाचेना न्याचित्रम् वर्षाचेना न्याचित्रम् वर्षाचित्रम् वर्षाचेना न्याचित्रम् वर्षाचेना न्याचित्रम् वर्षाचेना न्याचित्रम् वर्षाचेना न्याचित्रम् वर्षाचेना न्याचित्रम् वर्षाचेना निवासिकार्याच्याचित्रम् वर्षाच्याचित्रम् वर्षाचित्रम् वर्याचित्रम् वर्षाचित्रम् वर्षाचित्रम् वर्षाचित्रम् वर्षाचित्रम् वरम् वर्षाचित्रम् वर्षाचित्रम् वर्याचित्रम् वर्षाचित्रम् वर्याच बूट पर्वत्वा चुर्रा प्रस्ते विषा अहूर तर खेब तथा पर्वतः चुर्या अस्ति विषय स्त्रा विषय स्त् चर्छन् ज्येत्र च्यान्तर् चर्छा चर्छा चर्छा चर्छा चर्छा चर्छा चर्चा क्या के स्ट्री चर्चा के स्ट्री चरा के स्ट्री चर्चा के स्ट्री चरा के स्ट्री चर्चा के स्ट्री चरा के स्ट्री चर चरा के स्ट्री चरा के स्ट्री चरा के स इस्यम् पुरायन् । इस्यम् प्रायन् प्रायम् प्रायम् प्रायम् प्रायम् प्रायम् प्रायम् प्रायम् । प्रायम् प्रायम् प्रायम् प्रायम् । प्रायम् प्रायम् प्रायम् प्रायम् । प्रायम् प्रायम् प्रायम् । प् लझ्झूंशक्र्यामुन्न्याचे लहीं वाद्रे स्वात्र विद्या हे स्वाहे में त्याने वाया प्रति वाद्र से स्वाहे स क्षिण्यासूर्यात्यात्र्वे सर्वेत्रामिनामा तहे त्वीयाचे सुनाने वालिनात्र्यात्र स्त्राची त्यात्र स्त्राची वित्यान चर्या चर्रे-दिराहे चर्ड् व के त्यंत्रे चर्ड महासार पार्य कि हिर्देश माने सुदार हैं। पि के ते के ति साम के ति स विंद्र न्द्र अर्था यहें द्र वे निर्देश मुन्द ने पे की निर्देश के की को विद्र ने कि की निर्देश की नि वंशपति ज्ञानसम्पर्धाति स्तर्भे तर्दे दा इसं वे के ति स्तर्भ निया सुन्य के कार्य मुद्री निर्मा के ता साम के ति स्तर्भ के ति यदा र्श्चितं न्येव न्युव पंचरक न्दा वहेद हें खेल न्दा पठव विट ये खुट इस के हिन्दा र्श्चित न्येव पके ने खुट य नदा हा से हैं हैं कुर निता विविष्णे भेषान्तर ये निता वाषवा क्षेत्र च्लेप वित्र चित्र वाष्ट्र में विविष्णे के विष्णे के विविष्णे के व रैपोब'चर्चुर'र्-र्वेट-चंबरक्ट्रेट-दु-बब'धेपा'र्डेब'र्चश्चेचबा देंबे'विदे श्चेंच'र्न्वेव खु-रेब'रा'ये'श्चें'वर्षुयायार्वेपाबाहित अदे श्चेंने'इस्रबंध'र्ना त्र प्रिया स्वार्धे र ब्रूट विद्या विद्या विद्या स्वार्धित प्र विद्या स्वार्धित स्वर्धित स्वार्धित स्वार्ध ल.५५ूँचूबार्च्यायाच्याचा व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था त्या व्यवस्था त्या व्यवस्था व्यवस्य स्था व्यवस्था व्यवस्य स्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्था व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्य व इतका ग्रेट सहर वेको क्रिन् रट परिट व रूप केंद्र ले प्रविद सूर्वे प्रविद विकार विकार के वा परिवेद पर के परिवेद प मिट्रायान्याची मिट्रायान्यान्या विष्युवादियान्या मुख्याची मिट्रायान्या मिट्रायान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्य यर विकासका विराद्धिता विकास के स्वापन के मिडेर पुः इस्रमाल के सम्मान के मुं से सार के प्रमान प्रमान के ति का प्रमान के प्रमान क मंशुर क्यां द्रम्य र्रें र र्चेक् क्या व्यापका वित्र केया ग्राट करें दान देश महिश्य का प्राप्त क्या महिला मह यहूर्ट्य प्रमुख्य प्राप्ते व के व के प्रमुद्ध प्रमुद्ध प्रमुद्ध के प्रमुद्ध प्रमुद् र्वे प्याहे प्रवृत्तार प्रहे । प्रवृत्ता ये हें प्रकृत ये के बार प्रवृत्त प्रवृत्त वा वा वा वा वा वा वा वा वा व लाक्र्या वेया ताविवा भी वा स्ट्रिन्त्य या निराधिया विवार विवार के त्या ही अस्त्र ने स्वापन हो से पान हो हो हो ह वृत्री पहरानी मीम्पूर् श्रीन रेटा त्र्या श्रूप्त प्रीट्र विमा इ.डि. विमा स. हैया मार्थ मार्थ स्थान प्रीट्र प्रविभाग है मार्थ स्थान स वियाय विवा होता ने में खूब न्दार्वित रूट विवेश या क्षाचर यह वा वा सुटा यहें टाकेन में या ने राहें हो नया या कर विवेश या ने हें हो विंगानि ही ता हैं है। बराया कर ही नृपारी गरियान हैं निवारी से लाई पहें पहें सुना नियान हैं । बराया से निवारी म चानुबाला हैं हे : ब्रथानाळ में खेश छ : स्वाया वार्ष में प्रत्या के बाद के वार्ष का चीन के स्वाया के स्वया के स कर्म महिबाला हैं : ब्रथानाळ में खेश छ : स्वया बाद में स्वया चीन के स्वया चीन के स्वया चीन के स्वया चीन के स्वय त्रुवान् विषट् तहेट वाह्युट रेट्स यं वाषवा हैं व च्चिय देन चेर के चेत्रु चुवा विवाय विश्व विश्व है व के कि प्र चर्निन् विदे न्यान क्रुन्यते मित्र प्रमुन् मेर् विद्या भरामीया क्रिन क्रियां मेर्ड क्रियां ने व्यव ने विद्या मेर्ड मेर्ड मेर्ड ने क्रियां ने व्यव मेर्ड क्रियां मेर्ड मेर मेर्ड मेर् दे निर्वाया न्यंत्र त्रे हैं शुक्ष ने कुन त्रें दे या देवा वी वा देवा है या है वा है वा है वा के विवाय के वा व यटयाक्चियं, प्रचट, सूची हुं या में स्वायं सूची हुं या प्रचट, सूची हुं या हुं या हुं या हुं या हुं या हुं या हुं हें या तावर कुंचा हुं या हुं या सूच हुं या हुं या प्रचट, सूची हुं या सूच हुं या सूच हुं या सूच हुं या हुं या हुं या हुं या हुं या सूच हु या सूच हुं या सूच हु या सूच हुं या सूच हु या सूच हुं शर्य-ते.शहूर-रेट.पर्येत.य.जूंबीय.त्र.पश्चित्रथ.थं.श्चें.र.श्रॉजेट.जं.श्चवाय.थं.वं.शूंय्याय.यहूर-प्राप्त क्रु.पश्चेय.त्र.हूंबीय.त्र.सही वीवाय.त्राप्त क्रु.पश्चेय.त्र.हूंबीय.त्र.शहूरी वीवाय.त्र.प्त क्रु.पश्चेय.त्र.हूंबीय.त्र.शहूरी विवाय.त्र.प्त क्रु.पश्चेय.त्र.हूंबीय.त्र.शहूरी बुबँग्रीका अह्दे प्रते विद्रिक्षण वी स्नेद क्ष हैं है ने अपि विद्रिक्षण देव ने विद्रा के त्या के ति विद्रा के स्व-२वा-४-४-प्रमुट्-१वम् श्ववाय-२व्य-भ्वत-क्वाय-धेव-प्रयास्वय-स्वर-स्वर-ध्य-विय-विर-पवर-१ ह्याय-क्रेव-वायर-स्र सुः शुर्रायाः ह्वा अरक्षुः वा नोत्राव्य द्वा प्राप्त द्वा विषया विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः ुब्बायते हेबा सुंभ्यत् वृज्ञीयत् वृत्या होत् कर्षा होत् । या सुब्बाय विश्व विश्व प्राप्त होता विश्व प्राप्त हो मुग्नुत्र के प्राप्त होता विश्व कर्षा सुद्र के कि स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप ૽ૢૼૺૼૹૻ[ૢ]ઌૹૠ૾ૺઽૻઌૹૻૺઌઃ૽૽૽૽ૢઌ૽૽૽ૼઌ૽૽ૢૼૹ૽૽ઌ૽ૼ૱ઌ૽૽ઌ૽૽ૺૹ૽૽ૢ૽ૹ૽૽ઌ૽૽ૢૺ૽ૹૻૢઌૹૻૹૼૣ

३.६ अदःरमानी सेदे ते क्रुं या ग्री स्नानया

ૹેટ્રેન્યાન્યક્રિન નિયાના જેવામાં ક્ષેત્ર કેવાનો તે. આ વાર્ષ કેવાના કેવાન इयमान्नी महामान्यां के महामान्यां प्राप्त निर्मा के प्राप्त के वासके महिला हिला है निर्मा हिला है के महिला है है यद्व व्यव अटल यद्व राज्य प्राप्त राज्य है। यो अप्याधी के सुष्ठी पार्के विद्य है। की यो प्राप्त सुर है। की अपी है के चल्यं क्रीं रियार्थे क्षेत्र म्यार्थे क्रियं प्रमानित कर्मित क्षेत्र म्यार्थ क्षेत्र म्यार्थे क्षेत्र म्यार्थे क्षेत्र म्यार्थे क्षेत्र म्यार्थे क्षेत्र म्यार्थे क्षेत्र म्यार्थे स्थार्थे म्यार्थे स्थार्थे म्यार्थे स्थार्थे स्था स्थार्थे स्थार्थे स्थार्थे स्थार्ये स्थार्थे स्थार्ये स्थार्थे स्थार्ये स्थार्थे स्थार्ये स्थार्ये स्थार्ये स्थार्ये स्थार्ये यान्यक्षात्र र्श्वरामा अपन्ति । विश्वराध्यात्र र्श्वरामा विश्वराध्यात्र । विश्वराध्यात्र । विश्वराध्यात्र प्रम अपन्ति । विश्वराध्यात्र । विश्वराध्यात्र विश्वराध्यात्र प्रमान्त्र । विश्वराध्यात्र । विश्वराध्य व पायह्रितार्याक्षे हेवाल्यार्वे क्रिंटार्वे त्रिंटार्वे त्राचित्राचा कार्याक्षेत्राची विषया त्त्रचार्याः क्रियाः क्रिया चक्च.चँगोजः यथः वैट.च.जःविजः विट्यं यथा ययः अट.चे.वैट.चतुः क्वैंब.टेचे.चे.वैदः क्षेत्राचनाय्वेटवा टुर्यः क्षेटः ह्याने व्यक्तान्य विश्वास्त्राचित्राचित्राचित्राच्याः व्यवः स्ट. खूदः विवाः च्याः विश्वास्त्राच्याः विश्वास्तर्यः विश्वास्त्राच्याः विश्वास्त्राचः विश्वास्त्राच्याः विश्वास्त्राच्याः विश्वास्त्राच्याः विश्वास्त्राच्याः विश्वास्त्राच्याः विश्वास्त्राच्याः विश्वास्त्राच्याः विश्वास्त्राच्य . मिला कुर्ज निक्त प्रमान कि प ्पराधितार्दे। ब्रि. यद्यात्रियान् ब्रि. प्राचीतान्त्र अपन्य प्राचीतान्त्र प्राचीति प्राचीतान्त्र प्राचीतान्त्र प्राचीतान्त्र प्राचीतान्त्र प्राचीति प्राचीतान्त्र प्राचीतान्त्र प्राचीतान्त्र प्राचीतान्त्र प्राचीतान्त्र प्राचीतान्त्र प्राचीतान्त्र प्राचीति प्राचीतान्त्र प्राचीति प्राचीति प्राचीति प्राचीति प्राचीति प्राचीति प्राचीति प्राची वीयान्यंत्रां त्रीन्त्रम्या वावव र्षेत् स्वापर्यापया अटे सेत् वया क्षेत्र व्याप्ते प्रवेट वी प्रवेट स्वाप्ते व यन्न देन्दर्भाने पर्वा के पर्वा के अपना के अपने का कार्य के पर्वा के पर्व के पर्वा के पर्व के पर्वा के परिवार के पर्वा के परिवार के मवनामृत्रिःविमायर्त्रम्यायते र्मो तर्व स्थानं सास्या अर्दानम्यान् मान्यान् स्थान्त्रे मान्ने सामायान् सामायान्य वृत्रा विरायानिश्वराता चरास्यात् राम्यात् विराया विराया विराया विराया विराया विराया विराया विराया विराया विराय इसम् तु.ली.ती.ती. तर्मा हेर्यो नेटा हला की से हैं यो हेर किया यो में र सम विकास में सम हिन्दी से से सम हिन्दी से सम ह विवार्यमानितः त्वातः विवारमेन्त्र्। तरः वीमानुस्मानुसम् सुरम् निर्वावन् सरायाः वात्रम् निर्वावन् स्वारम् स्वारम् क्षॅर्यकाष्ट्रीत्राचित्राच्यात्रेकाच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्य तिष्टिकाचार्यक्षेत्राचित्राच्यात्रेकाच्यात्रेकाच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र च्यात्राच्यात्राच्यात्रेकाच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या हेश केंग्राय प्रिंत प्रमुख राम्मुद ग्राय प्रमुख प्रमुख राये के ब्रिट हें ब्रु ग्री में है श्री संग्री मार्थ में मार्य में मार्थ में मार्य में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार् त्याच्या अट्ट प्राण्या मुन्य प्राण्या के क्षेत्र मुन्य प्राण्या मुन्य प्राण्य मुन्य प्राण्य प्राण्य मुन्य मुन्य प्राण्य मुन्य प्राण्य मुन्य प्राण्य मुन्य प्राण्य मुन्य प्राण्य मुन्य प्राण्य मुन्य मुन्य प्राण्य मुन्य प्राण्य मुन्य मुन्य मुन्य प्राण्य मुन्य मुन्य मुन्य प्राण्य मुन्य मुन धेवा वे तत्र्यं तदे व होते हा या यह के विहा हिन्यू र व हो तह के जानवार में हिला सक्त के स्ता मुंदिर की हो के से प्र तिया कुर्र रूप क्रायह स्वाय प्रायह स्वाय क्राया के विषय के लिया के लिय ૹૢૣ૽ૼૼઌ૱૽ૡૣ૽૾ૡ૱ઌૣ૽ૡઌ૽૽ૹૻૹઌૢૻૺ૱૽૽ૢ૽ૺ૱ૣૢ૽ૼૡૹ૽ઌૢૡ૱૱૽૾ૢૼ૱ૹ૽૽ૺ૱ઌૹઌ૾ૹ૽૽ૡૺૺૺૺૺઌ૱ઌ૱ઌ૱૱૱૱૱૱ઌૡ૽ૺ૱૱૱ ोर्हे तिनर ग्रीक रेट के प्रमुख्य के प्रमुख्य के प्रमुख्य के कि प्रमुख्य के प्रमुख्य के प्रमुख्य के प्रमुख्य के प तर्ह्यर की मंद्रभन्न मंद्रभन्न मन्तर है। द्रमुद्र भी मुद्रभन्न मुद्रभन्न मन्तर की मुद्रभन्न मन्तर की प्रमुद्रभन्न मन्तर के प्रमुद्रभ लार्टे अंळ र निते 'श्रूबं नितं ने क्रूबं में 'ग्रिवं निता ने लात हिंगे 'श्रूबं में निता के लात के

लच चर्या भुय निर्द्य मुच निर्द्य सुच निर्देश में निर्देश में निर्देश में निर्देश में निर्देश में में में में मे ज्रु. रची. यथ. रेची. बैट. रेट. ब्रूंबाचीबारे तची. धे. ब्रुट. ता श्रीबा चर्छ. जा बैट. चा श्रीबार. तेरी चर्छ. चा धुंबारा जा श्रीवा वर्ष. ची श्रीबा चर्छ. ची श्रीबारा जा. त्रयात्राच्यात् त्रीत् विष्णुं स्त्राची त्राची वेष्णुं विष्णुं स्त्राच्या विष्णुं स्त्राच्या विष्णुं स्त्राच्या स्तराच्या स्त्राच्या स्त्राच्य मितृबाग्री खंबा सुं क्रु कें व्यवाय तिहुत्वां वे द्वापा चारा हिना च सार पार पार पार के व से सिर पार मित्र के द बंद र्रे बंद्री वर्रे वज्रु पं क्षेणवा हो व्याकी का कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य मक्रुवा सैय स्ट्रीमा हे सम्बद्ध स्ट्रा सम्बद्ध स्ट्रा मान्य स्ट्रा मा प्रधिताबुवानिस्य प्राप्ति म्कूबा अप्र में बिबा अपिव मार्के मार्च म ह्मन प्रायम्नि केर तर्शे द्वानक्षिर्या पूर्वीय श्रीय श्रीय श्रीय त्वान प्रायम्य मित्र मान्य मित्र मित्र प्रायम चूर्युल्याचान्त्रम् व्या विवास्त्रम् विवास्त्रम् विवास्त्रम् स्टब्स्याच्याः स्टब्स्याचः स्टब्स्याच्याः स्टब्स्याचः स्टब्याः स्टब्स्याचः स्टब्स्याचः स्टब्स्याचः स्टब्स्याचः स्टब्स्याः स्टब्स्याचः स्टब्स्याचः स्टब्स्याचः स्टब्स्याचः स्टब्स्याः स्टब्स्याचः स्टब्स्याचः स्टब्स्याचः स्टब्स्याचः स्टब्स्यः स्टब्स्यः स्टब्स्याचः स्टब्स्यः बेट वेदि गु.गुरुषाया के बर्द ग्रुव नवाद देव गुन ग्रु वेद्याय श्री के लिट हैं हिते ग्रु अं कुं स न कुन या वा निवाया रतज्दित् वि.वाचर त्येश अ.वी.वेश की. बिया वि.वी विक्व वि. वि.वी वि.वी विक्व वि. विवाय के वि.वी वि.वी वि.वी विवाय के वि.वी न्नर वुना वे न्या या मान के राम के राम वा निष्ठ राम के इवित्वता क्रि. क्रा. क् हर्णा हुं के बार्शिया पार्य हा है विवाय हरि सुरार्श्विय विवास वा विवास करिया है ने स्वाय स्वीत हैं स्वाय स्वाय वयालयार्स्ट्रन्तिः सुन्द्रित् वित्रक्षेत्रक्षाः क्षेत्राच्यान्त्र्र्त्रम् स्ट्रिन्द्रम् स्ट्रिन्द्रम् स्वाधित्रम् स्विणान्द्रम् स्वाधित्रम् स्विणान्द्रम् स्विणान्द्रम्यान्द्रम् स्विणान्द्रम् स्विणान्द्रम् स्विणान्द्रम् स्विणान्द्रम् स्विणान्द्रम् स्विणान्द्रम् स्विणान्द्रम् स्विणान्द्रम् स्विणान त्रावर क्षित्र के त्रावर क्षेत्र क् लेगा इ. ते. चूर्य अ. वृष्य हूर्य व व्यापा है दे ही हूर्य व ज्या ही अ. ह्या विवास की ज्या त्या त्या त्या व व्या यात्रा कार्यात्रा विकास विकास विकास विकास विकास के क्षेत्र के त्रा कार्यात्रा के कार्यात्र के कार्य के कार्यात्र के कार्य के कार्यात्र के कार्य कार् बह्या ब्रेन्यबान्नवानिबालुंद्रायायाविवाहेन्त्र्याववायार्ववायार्वेवावायां विवाहित्या व्यवितायार्वेवावायां विवाहित्या कर परि हिन इसमान है। के रहे हैं हिन के के निर्देश में राज में मान परि लिया निर्मास सहित है। विकास के मान कर है त्र अहरी क्र. द्र. व्यवप्र में वर्षेयाये हैं राष्ट्र प्रविष्यं दें विषय हैं राष्ट्र प्रविषय हैं प्रविष्य हैं प्रविषय हैं प्रवि होबायान्यां प्रावित्त्रवाची वात्त्रायान्या होबायान्या होबायाच्या होबायाच्याच होबायाच्याच होबायाच्याच होबायाच्याच होबायाच्याच होबायाच्याच

श्च्या चीटा हो हो चा हुंच सासूप् ज्ञेया चिट्टी- हेषु तय है. या क्या हो साम हो साम हो साम या अस सूप विकास के या क्षेत्र के स्वार्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्य

বৃষ্ণ শ্বাহ্য বৃষ্ণ ন্ रुषानु"नवे'म। ८.र्घ्याश.याश्चर.श्रा ताश.दयश.ई श.दयेट २८.य२श.युरु.सेयश

<.१ वाश्वरः अवे विश्वरः अर्वे विः भूतश्

बाबा साकुर नाबुस हुट न रेबा से क्रिंत ये राजुना रुवा की हार् र सावत क्रिंव सुन हुवा वात्र र दिवा च हेत र हिवा में सावत से कृषे त्यचर त्या जु. किं प्रेश त्या के स्वाय के अपिय क्षेत्र प्रेश त्या के या के या के या के या के या के या के य वैक्षण पष्टिय के प्रेश त्या के या के य वया वैष्टे तपुःश्रृतः मन्त्रात्त्रात्त्रः पृष्टे मुद्रे मुद्रात्या मन्त्रात्त्रः प्रमुक्तात्त्रः प्रमुक्तात्तः प्रमुक्तात्तः प्रमुक्तिः प्रमुक्तात्तः प्रमुक्तिः प्रमुक्तिः प्रमुक्तिः प्रमुक्तिः प्रमुक्तिः प द्यायात्रा होत्रायात्रायात्रा विष्यायात्रा होत्यायात्रा होत्यायात्रा होत्यायात्रा होत्यायात्रा होत्यायात्रा होत त्रुपायायायायात्रा होत्यात्रायात्रा होत्यायात्रायात्रायात्रायायात्रायायायात्रायायात्रायायात्रायात्रायायात्राया विषयात्रायायायायात्रायात्रायात्रायायात्रायायायायात्रायायायायात्रायायायायात्रायायायात्रायायायात्रायायायायायाया र्मेयाची न्यान्य विषया विश्वास्त्र के क्षा स्वास्त्र के क्षा स्वास्त्र के स्वास्त् क्रूंचाबा ट.प्रंच्यू.चंश्वर.च.ज.कर.च्युब्य.चबचब.तर.बिब्य.तवा जूपट.कं.चबेचबो चाबुर.बंट.कं.चक्रैपट.क्ट.च्य.सीज.वुबे.धे.ट्राक्येब्य. ततु. वोश्वयत्तः झश्यत्रात्रः विष्टा वाश्वरः त्वात्रः त्वात्रः विश्वयत्त्वः यो विष्ठः व

त्येला गुर्वर प्राप्त कर चर अगविर ग्रीटा हेव क्षेत्र स्वार्थ र ग्रीवर विवास क्षेत्र में प्राप्त हैन स्वार्थ प्राप्त क्षेत्र में प्राप्त क्षेत्र मे क्रॅन् सं हें हे असे | प्वर सं न्रॉवं वे। वर सं क्रुंब हेर्ग वरून सं वया यावत नंद सं प्वे के मुन्न मुन्य महिना गर्वुद में प्वर प्र षष्ट्रची.केल.ता घटतः र्याताचीयेलाचपुः क्षेटाता के.केंप्री हि.कैटा श्रमात्री व्यह्म क्षेत्र चीट्या की या की प्रम क्या की या की प्रमाणिक का विकासी की की प्रमाणिक की विकास की या की प्रमाणिक की या की या की या की या की या की या बर रे ले क्या महाराषा वर्षाया में प्राप्त प्राप्त के प् चश्चर तर्ज्ञवा के ते दूर्ण श्चर्य में में प्रति में में प्रति में में प्रति बॅ'त्रचीमां है। वर र्द्देर हिमा क्व के र्वेद रिका चीन महे करा विमा में विमा म्ट. दे. हैं या ताया विषय में क्षेत्र व्याप्त क्षेत्र वा के स्तर व यमाणुटा दू र्रे बी है वे बाद र ने निर्मे सेंद्र बोर्ट् हिर् | प्रमेर मंदर वर्ष मार्या महामा कर महामा है है है म्राप्तर्वा अप्तर्भाषात्रा निर्माणान्य पति पाइस्या की प्रमान सहित्या को मान का कि मान सहित प्रमान की प्रम की प्रमान की प्रम की प्रमान की प्रमान की प्रमान की प्रमान की प्रमान की प्रमान की बुँथः वंश्रवं छन् वार पर्यस्तिने वेर्षावं कु पश्चेतं परि प्रमानिक किया है । विकास किया विकास किया विकास विकास भी विश्व में शिष्पर प्रावेश प्रविश्व प्रायं प्रायं प्रायं के स्वर् के रासर् र दी प्रविश्व में विश्व के विश्व के

म्मान्य विकास स्वास्त्र त्या स्वस्त्र त्या स्वास्त्र त्या स्व मंडिवार्न्र ते ये अपनिवेश अह्य प्रतर शुर्र या में श्रीम सिवा श्रेन श्राम है ये अक्षा सम्बद्ध प्रति विश्व सिवा से स्वार्थ से स्वार्थ स्वार्थ से स्वार्य से स्वार्थ से स्वार्थ से स्वार्थ से स्वार्थ से स्वार्थ से स्वार्थ से त्रिव प्रमुख में वार्ष वार वार्ष वार श्च.श.न2ेच.ग्री.टैंगे.त.लुची चेष तर् ब्रथ.ई.इ.इच.ग्र.कु.चय.ची.चश्चेट.इंश.त.चुची चेय.रच.लुच.ऐची लूच.ऐच.पैचीट.गोचेयो क्षेत. त.प्रूच.ट्रत्त,च्र.कुपु.ब्रय.चुं,ड्री ग्रि.श्र्ड्य.क्षे.जृग्येया कु.ज.ट्यूट.बैग्री पिष्ट्र्य.ग्रीपु.ट्यूट.जू.च कु.पहूंच.चूं। विश्वेश.त.ट्र.यूट. विभवः कुर्यासी हैं है महिना हिना दिने क्षित्र दिने अर्थिता दिन स्थानी विभाग है दिना है से साम स्थान है दे साम सिन्दी से सिन्दी सिन्दी से सिन्दी सिन्दी से सिन्दी से सिन्दी से सिन्दी से सिन्दी से सिन्दी से सिन्दी र्ट क्षेत्र हो हि.ज.ब्रब्ग प्रेष्य प्रेष्य प्रेष्य र्ट हेज हे स्पृत्य क्षेत्र हो प्रेष्य क्षेत्र हो स्प्रेष्य क्षेत्र हो स्प्रेप हो स्प्रेष्य हो स्प ब्रिलं ल तहिरमां नरु मुर्हेण र्सेन प्रायम् मेने मेमा दे ते रूप रूप र रेसे दुन रेस हुन सुन स्वास्त्र प्रायमिन स वयानुवार्द्धस्पनुवर्षीः परावन्वायार्थे विष्वचन् वात्रुदावया वार्षे स्वायायाविवाया वाळेवायाय्वायाविवाया गावान्व वार र् क्रिंबा अविकासर श्रूर विकाली मुंड वालिका प्राप्त श्रूर विकाल कर्मा वालिका वालिका वालिका स्वाप्त स्वर्ध से क्रिंका रा, के चूर हि. ला पर्धित्य पर्धु स्व प्रदेश मार्गु के प्रत्य के बार प्रत्य के बार प्रत्य के प्रत तालियम् स्राप्ति मानियम् प्राप्ति स्राप्ति स्रापति स्राप्ति स्रापति प्रधिट्या र्थेन्, के. इ. वर्षिश्र, त्रिया, ज. वर्ष्ट्र, प्रदेश त्रियी, ज. वर्ष्ट्र, प्रदेश वर्षेत्र, क्षेत्र, क्षेत्र, वर्षेत्र, वर्षेत्र, क्षेत्र, क्षेत्र, वर्षेत्र, मक्ष्याचा के मुन्या के प्राप्त के म् अवीयात्रात्विरम् ज्ञानम् क्रियते क्रियते स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्व कुणवार्या होतु ता वो केव हुए वर्ष केंद्र हिंद एव केंद्र है अप होता है वा परिवार केंद्र होता के वा के व में प्रित्र पत्रिण्या द्रवा श्रूपे ले पानेवा पा हो प्राप्त पत्र विषया हो हो त्राप्त पत्र हो हो पाने पत्र हो हो पत्र हो पत्र हो पत्र हो पत्र हो हो पत्र हो पत्र हो हो पत्र हो पत्र हो पत्र हो हो पत्र हो पत्र हो हो पत्र हो पत्र हो पत्र हो हो पत्र हो पत्र हो पत्र हो पत्र हो पत्र हो हो पत्र हो हो पत्र हो हो पत्र हो हो हो हो हो हो हो है पत्र हो हो है पत्र हो हो हो हो है पत्र हो हो है पत्र हो हो है पत्र हो है पत्र हो है पत्र हो हो है पत्र है पत्र हो है पत्र हो हो है पत्र हो पत्र हो है पत्र हो है पत्र हो है पत्र है पत्र हो है पत्र हो है पत्र है पत्र हो है पत्र है चर्त्राचिकाराधीरार्के विर्धेर्भाष्ट्रीयात् विवाना विवानि विवानि विकार्यो इस मुख्यात्री मुख्यान विवानि निवानि व मुर्चाया क्षेत्रप्ता के स्वार्धाया त्यामे विष्यं भ्रुवाया सुवाया सुवाया स्वार्धित स्वा

ऱ्.चेडुवा.स.क्.सू.ब्रि.जे.वार्घवाबा यात्रापट्टी.जाबाबाचडी.वार्धवात्यात्याचा रट्टार्स्.ब्र्यानसूच नब्स्टी.वशवाचाटास.ब्र्यट्टी.पिष्टिया पूर्टी. द्राच्चें प्रति त्याया महीया वार्षेया प्रति वा वार्षेया प्रति हो स्वाप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत् विकास क्षेत्र क्षेत हीं निष्याय विद्या हैं सुर्याय मिट र् मेनेवाया ही यं मुनि स्वाय येवाय स्वीय वहुट मानवा ग्राट मिट र हैं मी विट मी माह दे हैं भी मान स्वाय मुन्द्र-तुं न्त्रेन्त्रायाक्षेत्रस्त्रे न्त्रायाच्यात्र्यात्रम् स्वापित्रम् नह्ने न्त्रस्त्रम् स्वाप्त्रस्त्रम् स्वाप्त्रस्त्रम् स्वाप्त्रस्त्रम् स्वाप्त्रस्त्रम् स्वाप्त्रस्त्रम् स्वाप्त्रस्त्रम् स्वाप्त्रस्त्रम् स्वाप्त्रस्त्रम् स्वाप्त्रस्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति याद्युद् वीद्वी श्रुका विदेश द्वाद प्राप्त वा विदेश हिंद राज्य है । स्वाद विदेश हैं के स्वाद न्न संग्वि देवा न्न संक्रियं ग्री क्वायळवर पंदी ख्रवाळेंबा हे ग्वि प्यायाय पाया संक्रिया है प्यादेवा से प्रायाय प् त्य. चानु ब. चर्वाच्या प्रप्त. मुंच. स्व. मुंच. कुर्च. कुर्च. मुंच. मुंच वाबर् र्ष्याबावाबर् अंतार्थ्यात्रार्थ्यात्रराष्ट्री व्राक्षेत्रत्यात्रार्थे त्यात्रात्रात्र्यात्रात्रात्रात्र बद्वः देवांचान्वयांनवे हैदः र्यायेब्रू ह्वंदर्वा वर्षेवं दर्गाव अर्केवा कुयारीयायदा वीबवा हुववि द्वं ये के हित् री.चर्विगोबी साम्राजितः युक्तेयात्रचर्षेत्रातात्रविष्याप्रियात्त्रम् सम्बन्धात्रम् कुराख्यात्रक्षेत्राज्ञीत् त्यां प्रीवित्ता प्रियात्रक्षेत्राच्यात्रम् सम्बन्धात्रम् र्ने द्रमुट, र्ने म्यून, स्वाप्त, स्वाप दिने वादमेन दिन त्रात्र के प्रादेन प्रादेश प्राप्त कर हो का सार्व प्राप्त कर के प्राप्त कर कर कर कर के प्राप्त कर कर के प्राप्त कर के प्राप्त कर के प्राप्त कर कर कर कर कर के प्राप्त कर दे. ब्रेच.कर. र्नपण. ब.श्री. तपुर. प्रकृत स्थला प्रवित्त प्रवाला प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत स्थल वित्त वित्य वित्या प्रकृत प्रकृत स्थला प्रकृत स्थला प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत स्थला स्थ वित्र वित्य प्रकृत प्रकृत प्रकृत स्थला प्रकृत स्थला प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत प्रकृत स्थला स्थल द्र्यत् क्रियापाण्यास्य प्रमाण्याप्त स्वर्णात् विकास्य स्वर्णात् स् कुंते न्याय होत नंब ने रेव के तथ नंबें का विराणकर के वार्य मिन्य क्षावर के वार्य है खुणकर में ही विराय है जा वार्य के में हिंग सास्यां यात्यात्यात्यात्रे वितानीते राष्ट्रमाया गुवादानाया याचारा वितानीत्र वितानीत्र वितानीत्र वितानीत्र वितान च्छे पुन्य ने के के तूर्ण के स्वाप्त के तूर्ण के स्वाप्त के तूर्ण के स्वाप्त के स मिल्न-दिन्दा देवे देव स्थान के नाम के नाम देव में देव से देव से देव से स्थान के नाम के दैवियात्र क्षेत्र क्षे श्चैं नेयाय पेत्रें हो नर्धे के क्षेत्र गुक्र नेपोल के कार्यें के किया है के प्रति हो के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के किया है हिन्न के कार्य के कार कार्य के कार्य कार कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य कार्य के कार ह्या निया नर्सेन वस्त्र निया पर कुल न नवर में निया नहीं वस स्वित निया निवास में ज्ञान में ज्ञान में किया ચૂર્વાયા-વર્ષાનું નેસુયા- છુંયા-તર્ફ્યા ગ્રીયા-તર્ફ્યા ગ્રીયા-ત્રીન્યા-લે. હો. સુંચા-તર્જી, ત્રીયા-તર્ફ્યા-લે. ત્રીયા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-લે. ત્રીયા-તર્ફ્યા-તર્ફયા-તર્ફ્યા-તર્ફયા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફયા-તર્ફયા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફ્યા-તર્ફયા यक्षत्र याद्यपान्त्री प्रत्या क्षेत्र कार्या के पार्विय वीयाद्यया क्षेत्र होया प्रत्येत क्षेत्र क्षेत्र पार्वे वाद्य विद्या विद न् बी. तु. चुर क्रुन क्रुन अळव क्रुब द्रमण नी द्रार केव र्यम न्यून माने द्रम्य केव क्रुन केव राम केव विकास कर क्रुन केव हिला हे खेला दें ला ही र जा हु न हे व हो जिन्ना र लें जिन्ना है व हु स स अहर पर ला विद्रास है जिन्ना व का है ह श्रस्था विट विषय के वर्षे प्रवाहित्स से से वित्र के कि वित्र के कि वित्र के वित्र के वित्र के वित्र के कि वित्र त्ता तात्रातट्यात्री, प्राप्त स्वाप्त विश्व स्वाप्त अञ्चात्त्र अञ्चात्त्र अञ्चात्त्र विश्व स्वाप्त विश्व क्षेत्र स्वाप्त स्

अःर्गे द्वं नन्दर्वासाधुसाधेदानीयानसूत्रामाहे सून्यमुद्रयामादे सून्या

ભદ.ષ.য়.ড়য়৾য়ৢৼ.ঀৢ৾৽ৼৢঀ৾৾৻৸য়৾৻৸য়৻৸য়৸৸য়৾য়৻ঀ৾৻ৼঢ়৸য়য়৻য়৻ঢ়ৢ৻য়৾ৼ৸য়য়৻য়৻ঢ়ৢ৻ড়৸৻য়ৼৣ৾ৼ৻য়৾ৼ৻য়৾ৼ৻য়৾য়ৢ৾য় तत्रवाबारा हीय र्यावीचेवाबार्वर हीवा वीबार्क्षा ही हैवा रे क्षेत्र ही होवा है। व्रें रे प्रवास विकार क्षेत्र विकार है कि विकार है। व्रें रे प्रवास क्षेत्र है। व्यें रे प् त्रभाषायम्प्री इ.पश्चेत्रप्रह्मायपुर्वे विद्यायपुर्वे अस्ति । विद्यायपुर्वे विद्यायपुर्वे क्षिप्ति विद्यायपुर्वे व वयाक्चित्रम् क्षित्राचारात्राची त्राची त्राच विचः हुट्। घशबः ब्ट् जिटः चर्षुत्रा क्वे प्रदेश की विवेदः यूचाया चक्षेत्र चु हुन्। घश्या वर्षेत्र क्वे प्रदेश के प्र म्बर्गम्बर्गम्बरम्बरम्बर्गः ह्या ह्या स्वरं स्वर यंद्रेरःभुं श्वंभावन् वर्षुभाश्वरःष्ट्रीःहें त्यति श्वं वर्षितिरःश्वं रायद्वाधी पर्द्वाधी परद्वाधी चर्वेट्रबा देंसुयां सूर्ट या सैंवाबं चर्दे वार्द्धवा यांवा विंट्य चर्वेट्य परि सार्द्ध वार्य स्थान स्य सर नर्श्वामा दे समान में भीवा वर्षाया ना श्रिट नर्ष्य दी दुमावितमा मार्क्ट निर्मे हिंदा मार्च विमान निर्मे हिंद कुंदी स्पन्न विज्ञान्त्र विज्ञान्त्र विज्ञान्त्र क्षित्र कार्य क्षित्र कार्य क्षित्र कार्य क्षेत्र कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य वी कें दे न या ब्रिन नें न र वें प्राप्त वसवाय या ब्रियाय के कि वा के र प्राप्त के र प्राप्त के र प्राप्त के या विषय में र प्त के या विषय में र प्राप्त के या विषय में या व . ત્રાત્ર ની લુચન એ તું શ્રીન છે ને વાસુ દેન પાર્ટ મું બારૂ ખના ગુદે તે ત્રાં સેક્ષુ તે પાર્થિત તે તે વાસુ ને તુ श्रक्षेत्र अहर्त्य के विषय के कि त्या के विषय के कि ता क कि राशहर्त्य प्रतिकृतिक कि ता कि पूर्वा क्रिया क्रिटा हो। लटा ब्रिटा मुं अप्यान हेन निया अस्तर हो क्रिया में अपना क्ष्या में अपना क्ष्या में अप ब्रिया क्रिया क्रिया में क्ष्या में अपना क्ष्या में क्ष्या में क्ष्या में अस्या में अस्त्र क्ष्या में अस्त्र क्ष्या क्ष्या में अस्त्र क्ष्या क्ष्या में अस्त्र क्ष्या क्ष्या में अस्त्र क्ष्या र्थे 'र्न्ट्सु'र्रुट्क'र्य'न्ट्स्न'र्नेट्'र्थे 'र्क्ट्स्न'ह्स्य इसेके 'य'र्थे 'र्क्ट्स्नुवक'र्नेट स्मित्व र्यं र सिन्द्रित रामित सिन्द्रित सिन्द्र सिन्द्रित सिन्द्रित सिन्द्र सिन् न्द्राचरुकारान्त्रुरावेदा नेद्राक्षराची प्राप्त कुर्ना सामान्य सम्बन्धा ने तामाने वाराधिवा क्षेत्राक्षेत्र के ते कुर्ना सक्षा ते कुर्ना सम्बन्धा सक्षा सक्षा सक्षा सक्षा सक्षा सक्षा सक्षा सम्बन्धा सक्षा सक् त्रष्टिया श्री.जीय.जा.श्री.प्राचीश्वायवीया हुया है। या त्री.ची.ची.की.या वा त्री.ची.या वे.या वे.या त्री.ची.या वे.या विवानुदा दे र्तिवार्ळेबाकुवावर्षित सुनाबार्ये मुखावेदाबा दे विवासिक कुवादवी विवेदारी के दे महातु प्रमान स्वादि तीलार्ट्यः श्रीबाराः बार्यः से मिला से स्ट्राय्यः स्वान्या स्वान्या स्वान्या विष्या स्वान्या ज़ज़ॱज़॔ॱॺॱज़ज़ज़ॹॕॗॱ॔ॻॾॣॱॺॾ॔ॸॱॸऻॗ॓ॱॸ॓ॱज़ॺॱॼ॑ॴ॒ऒ॔ॱॻॹॖॱॻज़॑ज़ज़ॹऄॱॶ॑ॱख़ॱॻॏज़ऀॺॱॻॖऀॱॻॸॱज़ॖॱॿॖॱॺॱख़ढ़ॱॶॴॱॿॖॱॺॱॺॾ॔ॸऻॗॿॺ॑ॱॿॗॸॗॱॸॸॱ सर्वेट्री ब्लान्यक्र हुँगु तु विगायेते क्राबायन्य दे विकास्तर्भा ने विकास स्तर्भात्र प्राचीत्र विश्वास स्तर्भात्र प्राचीत्र विश्वास स्तर्भात्र प्राचीत्र प्र पट्टी निर्मान के निर्मान के निर्मान के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वापत के स्वपत के स्वापत के स्

व्यास्तरि सुर क्षेत्र क्षेत्र के के के के के कि का प्रति कि के के का स्वर्ध के का स्वर्ध के का स्वर्ध के के के के के के कि का प्रति के के के के के कि का प्रति के कि का स्वर्ध के के यदे यर्भेर य देरा वर्भेर अप्राचानक व क्षेत्र से सामा देश हो व से का की सामा सामा के किया है किया सामा सामा सामा द्यों स इंस्रम ही मने ने ति त्यों स द्रम प इसम हुटा विनंत स ति र स हुन हुन से ति स स स हित है। ति ह देर-दर्शायते हुए हु वै द्यापते वियावेषा के इया वर्डिर अर्था वश्चिय छै। वीट विषायर कर पहुँ व सुद्ध विषाय वश्चिर । दे विवा बिर.श्रष्ट्रयातायाया वियालयाबियात्या इत्यंत्राश्चायात्रात्याक्ष्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रा बुंबाराबा व्यास्त्रात्रीत्रायत् सार्वितः यूनः पवितः क्षीः वित्वः क्षीः वित्वः क्षात्रे प्राप्ते । वित्रः व्यास स्थल हिर त्य में वाहित स्था है त्ये व स्था स्था है त्ये व स्थल है न स्थल है ल्सुलान्तुन् न्निः अन्तर्भायान्तुअधि लेकाकु लेकाकु कुष् हेवालाङ्ग्रीरानाकुषा होन्याराष्ट्रिक् पुर्वे पुर्वे प् . ब्राप्तुं क्क्षां त्या अक्षां अप्तानि दें. कर ल ब्राक्ष्य ता क्रीया देश क्षा ने शास्य क्षा के ते ता क्षा का ने प् वार्षवां पठुः यः चं रहनः रे । कटः विनः विनः विनः विनः विनः क्षेत्रः चुनः प्रवादि । विनः विनः विनः विनः चीत्रं व याना विट महिना सम्मान के निकास के मानि चित्र्विष्यपन्ति र ब्रेन्यविष्यं वर्षाञ्चवा क्वर्ययायकुषाञ्चता दे बर्याय प्रेन्ट्राध्याको यू.से. वेषायर चुराये व्यापिक विषय वर्षो क्षे. येदेवे वाश्वरः निः इस्रायः विद्यत् परः तर्व निः द्वरः धीदः राः यां पर्वा निर्वा राः वीदा श्री राज्य विद्या र्नन्य वित्र संस्थान्त्र तर्ना म्यानासुर्ग नर्ना निर्मा निर्मा निर्मा क्षेत्र संस्थान त्याना स्थान स्थान स्थान विच-र्-र-र्जूना-छव-र-र--ह-व्या-विद्यान्यक्षुंन-व्या-विद्य-च्यानुस्य प्रियान्य वित्य-विद्यान्य विद्यान्य विद्यान लट क्रिंग जावियान क्रिया व्यवस्था होता ने क्रिंहित क्रिंग त्वी क्रिया क् वीयासूर परीवी तथा है लिए तर वियर वियर विया परीवीया नरिवीया प्रिवीया विया स्विवी स्विवी स्विवी स्विवी स्विवी स्व विवानमा हिन् के हिन के हिन के हिन के हिन के मान के के कि हो है है जो है जो के के कि के कि के कि के कि के कि के फ्रें पार्केषा श्रुद्ध होता प्रवेषा विषा हो राज्य परिवासकी नाम होता होता प्रवेश प्रवेश स्वेत विषा विषय होता प्रवेश स्वेत बै. टट्य. तेषु. परीजान बै. तरीब. व्याचियाँ विटिट जालया श्रामं श्वीयो विचा की. परीजा माजा विज्ञा ने भूषे विवेद में विदेश माली है. वेया भ्री'पिश्रमानित, प्रचर प द्वि पार्वे र सिंदा केंग्रायदिर के बादि र विवाद र किया पार्वे का के र के र के र के प्राप्त पार्वे के प्राप्त प्र प्राप यमायावसम्मित्राम् वसम्मित्राचे मित्रायाचे स्वाप्ति ह्या त्रित्राम् त्राप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति श्चेन य सेन्य न्यून स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध र मा मुन र्षेन सर र्ध न्य स्वर्ध स्वर अत्येन स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य इरायार्यरान्यां विवान्यहुर्न्तु विवान्त्रे अवराक्ष्यां अवराक्ष्यां यात्रे राष्ट्रे राष्ट्रे विवान्या हिवान्ये त मेमन मुन्य मुन्य प्राप्त ने दे दे में दे पर्य पर्य में मान के त्वानान्त्रम् त्रिकाण्यात्त्रम् विद्धार्थायात्रम् विद्धार्थायात्रम् विद्यात्त्रम् विद्यात्त्रम्ति सुंभानमं अने मं नमर सुर किया अपिर्वा मार्ने माना अन्य पर स्वाम प्रमान के माना सुन पर सुन सुन पर सुन ब्रिंबा ब्लायायर मूर ब्रिंबार्य इस्रवादर्श पड़ी मार्ची रेंडि वार्ट्य प्रमाण केवामा वार्त्य मुल्या मुख्य के वार् निर्नामा अमिकेन तरे त्यान्यं स्वार्थे मुर्थे मुर्थे मुर्थे मुर्थे स्वार्थे यहून्। वर्में वर्षितितारा क्षेत्र ने द्या क्षेत्र विवानी में में नित्र अहू र तहू वर्ष के अक्ष के में में प्राप ૹ૾ૺઃૹૼ૱ૡઽ૽૽ૼઽૢૹૢૼ૱ૡ૽૽ૢઌઌ૽૽ૢ૾ૺ૾ૹૺ૱ૹઌ૽ૼૹૢ૾ૢૺૢઌૻૹ૽ૼૹૣૺ૾ૹૢ૽ૼઌૹઌ૿૽ઌ<mark>ૢ</mark>ૡૢઽૹ૽૽ૹ૽ૹ૽૽ઌ૽ૹૹૢઌૹૹૢઌ૽ૹ૽૽ઌૻ૽ૹ૽૽ૢૼઌૼૹ૾ૹ૽૽ૢૼૢઌૻૺૹૢ૾ઌ૽ૹ૽૽ૹ૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽ૹ૽૽ઌ૽ૹ૽ नश्चनम्। वर्षेत्रम् मन्द्रम् भ्रीत्रम् मन्द्रम् अवस्य प्रतिवाश्चित्रं इतम् केर्म्यान् स्वान्यम् । स्वान्यम् स्व

न्तुं .जूबे.त.ज.रूट.चूंबाकूब.नवट.वी.वैट.२.वूबे। झ.धूं.बूवोबाक्षावबॉनर.नधीन्यो झ.जूं.वैं.चब.क्षेट.टुवोबाकट.तू.कष्टिब.नबी.वूट.ज. <u>लट् ब्रिट्ल स्थर्</u>त ने तुल कु न्यान के ले ब्रिल होते हैं के स्थान कि स्थान के स्था सबिर्मान्या भेर्यात्रात्रा कातुःशुम्बद्धान्या प्रेयोद्धान्या प्रेयोद्धान्या प्रेयोद्धान्या भेर्यात्रात्रात्र्य मार सिवाब हुर होया साल वार्य प्राचित के त्यारी हिर सिया होर नर त्या वार अधिव राय वार्य स्था सिवा हो र वार्य प्राचित स्था सिवा हो र वार्य नःवस्तर्यं उत्यान्त्रत्यां सःविवेषयःहेर्यं द्वेद्ययः स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वर्यं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वयं द्वेत् स्वरं विवयं स्वयं स् वार्चेर वर्षों ब्रिंट जं हो से म्याम माने स्वाप के माने स्वाप माने माने स्वाप स्वाप माने स्वाप माने स्वाप माने स्वाप माने स्वाप माने स्वाप माने ग्री-र्योजायक्रिं क्रिंग् म्री-रावहबातावाबया यात्राव्य वित्राचित्र म्री-रावहवाब्य म्री-रावहवाब्य म्राचित्र म्री-रावहवाब्य म्री-रावहवाब्य म्राचित्र म्री-रावहवाब्य म्राचित्र म्री-रावहवाब्य म्राचित्र त्याच हे. श्चित्र प्रति चिर्क्षित अञ्चयात्र श्चित् श्चित्र विष्य प्रति स्वार्थ चर्छेवांबाखेवाबारम् अह्न हे देवबारम् अप्राच्चेवाया अह्न प्यावेन प्राचिता क्षेत्रे अदि विषय विषय विषय विषय सुःहिर्याग्रीः च्यान्त्र्यर तुः श्चर्याय यहत्। यायिकार्यर प्राप्त द्वार्यायिकायाय विकायाय विकायाय विकायाय विकाय ग्राम्पर्नित्वेत्रं वित्रास्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र प्रत्य प्रत्य प्रत्य स्त्र स्त रुषे दे तूर्रे ति इस्था श्री ता स्था विषये ति हो विषये विषये विषये हो विषये है विषये क्रेंबं ग्री तिर्देर तें ये वाब पर पंस्नेर पर्या सुर्व परंतु र प्रमुर परि ग्रु वाविब गां से प्रमुर से हिंद से हि के विश्व सुरा से पर दिन्नी हिं भूर है वर्षित सुर्च विषाण्यापाय भैटा। अळव हिंदिया केंग्रि कुलार्च विषान्न चित्र है जा केवर चें अहं हा प्रवेश हिंदिया है जा किवार है के जा प्रवेश है के त्रम्भ पर्दे में प्रमाणका मृत्याका मृत्याका वित्र में प्रमाणका विवास मिल्या के हैं सम्माणका में मिल्या में मिलया में मिल्या में मिल्य में मिल्या में मिल्या में मिल्या में मिल्या में मिल्या में मिल्य केर अहरी केर पर्श्व प्रवित्त्र प्रवित्त के पाळच के वार जाय हुँ व प्रवित्त स्वाम सहीत स्वाम सहीत स्वाम स्वाम स्व र्दर प्यट हं पा के के त्या के विषय दिर हैं अप्रायट र प्रकृता प्या श्री श्रीया कर विव र प्रायट वि तीलार्टेट तीला देशका थी. वर्ट लाया वारा वार्ष वार्ष वार्ष तार्ष क्षेत्र ते के कि का की वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष बर् बेर में वेर् के का अरते पहुँक प्रका क्षुआ हो र में नियर का साई निका हिनका हु। ते अर सेते ही का मिंट निर्म निका हो निर्मा के का से विश्वानिवृत्त्व न्यास्यान् विर्वेष्वापराविष्याने संस्थाने विश्वानिव विष्याने विष्याने विष्याने स्वानिव विष्याने स्वानिव विष्याने स्वानिव विषयाने व दे व प्रविकासित है। दे ते के प्रविकासित है के प्रविकासित है के प्रविकासित है के प्रविकासित है। दे अर्थ प्रविकासित है के प्रविकासित है। दे अर्थ प्रविकासित है। द तर्चित्र'र्देश्वें,त्रिं, त्रिं, त्र्चे व्यक्तं,त्रिं, क्वें व्यक्तं, त्रां, त्रिं, त्रिं, त्रें, त्रें र्यर.सूर्यु.कूर्य्याल्याबार्य्याचेत्राच्यवार्य्ये येवारायाः क्षेत्राच्यायाः विष्याच्यायाः विष्याच्यायाः विष्या वी भी र्राट्स मुंग्री अप्तरी क्या पर्दे राया ही नाया हो नाया हो है जो हो नाया से स्वापन के साम हो हो नाया हो न या इतारात्र क्रियं स्वाप्त स्व वयात्रिः यान्तव्यवायान्यते होतान् यान्तवायान्यत्याचे व्यवस्था विष्याची विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषय तर्देर्न्यायाहरू यो बे त्या बे हुं श्चीर प्याप्ते बादे वे बे बी प्रति यो बे स्वाप्त प्राप्त प्राप्त विवायों वित् यो बे स्वाप्त विवायों विवाय वार्यन्तर्भातात्रक्षेत्राच्यात्रे वित्रं वित

ऋ॑ॱऒ॔ॱॡॕॱॸ॑ढ़ऀॱक़ॕॕॺॱॸॿॗ_ॖॸॣॱढ़ॏ॑ऻख़ढ़ऀॱॣख़॑ॺॱख़॓॔ॱक़ॱॿ॑क़ॱॸऀॱढ़ढ़ॹ॓ॱॿ॓ॺॱॻॖॱॸ॑ढ़ऀॱॺॖॺॱॺॿढ़ॱॸॿऀॱऒ॔ॱॡॗॱॸॱॿॖ॓ॺॱॻॖॱॸॱड़ॆज़ॗॱॸॺॗ॓ज़ॱॸॖ रान्यां पानि स्वर्के पानि नियम के विक्ता के विकास के विकास के विकास के स्वर्क के स्वरंक के स्वर्क के स्वर्क के स्वर्क के स्वर्क के स्वर्क के स्वर्क के स्वरंक के स्वर्क के स्वरंक के स्वरं त्यचर क्रूब चुन क्रुव क्रुव क्रूब क्रुव त्युट पावब क्रुव क्र ट्ट. में तृत्य के प्रमानक प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान कर्ण के प्रमान के प्रमान कर्ण के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान कर्ण के प्रमान के प्रमा यानगाय नान्यमा श्री नान्यमा या स्वार्म नाम्यमा या स्वित्त हो त्या स्वार्म स्वार्म त्या स्वार्म स्वार् र्शेणवायावायां निवासिकार स्टारामिक्ने स्ट्रीट्राया अस्ति सर्मेट्रास्य स्ट्रास्य विश्वास्य में स्वाय स्ट्रीया स वुषा बर केंद्र केंत्र प्राथरे के क्रुन क्र इयथाविषयों के जालवा में अर्था वार्ष के प्राचित्र के स्वाप्त के प्राचित्र के स्वाप्त के प्राचित्र के प्राचित् त्तर क्ष्रं प्रत्ये क्ष्रं प्रत्ये क्ष्रं प्रत्ये क्ष्रं प्रत्ये क्ष्रं क्ष्रं प्रत्ये विष्यं क्ष्रं क्ष्रं प्रत्ये क्ष्रं क्ष्रं क्ष्रं प्रत्ये क्ष्रं क्ष्रं प्रत्ये क्ष्रं क्ष्रं क्ष्रं प्रत्ये क्ष्रं क् म्बिम्बर्ध्यात्रम् वर्षेत्रम् हो तस्त्रम् स्वायास्य स्वायास्य स्वायास्य स्वायास्य स्वायास्य स्वायास्य स्वायास्य यंत्राचंत्रवारुप्तान्त्रवा प्रमे विद्यान्त्र के विद्यान के विद्यान्त्र के विद्यान्त के विद्यान्त के विद्यान्त के विद्यान्त के विद्यान के विद्यान्त के विद्या ब्रे सिंदु में के रहार के रिक्र के रिक्र के रिक्र के रिक्र के के रिक्र के कि र म्बुर्-ह्रम्-मुब्र-ह्रम्-ह्र्यं प्रसम्बर्म-प्रम्मित्रम् क्रम् क्रम् क्रम् क्रम् क्रम्-ह्रम्-प्रम्मित्रम् निव्यामित्रम् निव्यामित्रम् निव्यामित्रम् कुं इ.कं.त.प्रचैता.व).प्र.पा.बु.तर.वीचेतावा हैं.य.हैंट्य.तय.दूट,प्रहोत्रा.यूट.त्र.चेतावा.कैंयाय.हैव.वारीया.टे.टे.ट.वीलय.पड़ीज.स्यय.

द्रवया क्रुंच चार्डच चार्डच संस्था स्वायन्त स्वायन्त स्वायन्त स्वायन्त स्वायन्त स्वायन्त स्वायन्त स्वायन्त स्व इ. ट्रिची चव्रच संस्था चार्डच चार्डच स्वायन्त स्वायन्य स्वायन्त स्वयन्त स्वायन्त स्वायन्त स्वयः स्वायन्त स्वयः स

क्र्या प्रदेताक्य त्रायीक्ष त्रायीक्ष त्रायायव्या क्रूंस् अटक क्रियायव्या क्षेत्र त्रायायव्या क्षेत्र क्ष्रिय अप्याप्त त्रायायव्या क्ष्र क्ष्रिय अप्याप्त त्रायायव्या क्ष्र क्ष्र त्रायायव्या क्ष्र त्रायायव्या व्याप्त त्रायायव्याप्त त्रायायव्या व्याप्त त्रायायव्या व्यापत्र त्रायायव्य व्यापत्र त्रायायव्या व्यापत्र त्रायः व्यापत्र व

स्रा क्षेत्र क्षेत्र प्रविचानात्वा पट्टी तार्श्चिमाने प्रविचान प्

्याम्बद्गान्यम् द्रमाद्रम् द्रमाद्रम् प्रक्षाया वस्या रहेत् हिंग्याय स्रात्वेषा केषा नहीत् मात्रा द्रमाया स्रा हे ब्लांच र्देन बेर क्रीया क्रांच राज्य के या प्राया अहिव विषा प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया कुलानबर्यान् नत्विणयापान् राष्ट्रियाना इयाया सुली विविध्य स्थाना विविध्य स्थाना विविध्य स्थाना विविध्य स्थानिय श्चेॅ्र प्रमातु विष्पृ चिकार्यका ग्रायायां इसका श्चेत्र कपार्वेत्। क्षे हे केवे प्रकाशका यात्र पाठेकायर पश्चित को पाविदा ग्रीतसका रामा <u>ૄૣઌઌ૾ૻૡ૽ઌૻઌ૽ઌ૽૽ૹઌઌૻઌ૽ૼઌૹઌૡ૽</u>ૣઌૺૺ૱ૢ૽ૹ૽ૢઌ૽ૹ૿ૢઌઌ૽૽ૹ૾ૢૺઌૹ૿ઌ૽૱ઌૺ૱૱ઌ૽ૹ૽ૣૡૼઌ૱૱૱ઌ૽૽ૡ૽ૼઌ૾ૹ૽ઌ૽૱ઌ૿ૺઌ૽૽ૡ૽૽ૡ૽ૺૡ૽ૹ૽ वंशनबुवेत्रपर प्यतः ह्र्यांचा द्वा ह्यं नु नु नु न्या हिंद्र वं वं नु वं के मुब्द वं वा बे वं वं वं वं वं वं व द्धंत्यायात्रीयोत्रायते तद्दर्गद्दा यहुद्रायदात्रायत्त्रस्य द्वारा निष्यायात्रस्य विद्यायात्रम्य द्वारा स्थिता स्थाना स्याना स्थाना स्य चलुमार्या निर्देश के सिंह्य में सुर्या निर्देश स्थान स त्वच्नां श्चांपारा सूर्द्रा द्धार क्रिंत खारुके खणार दो प्रमार खणार खणार दो प्रमार के स्वामार क्रिंत खुरा क्रिया के स्वामार का प्रमार क्रिया क्रिया के स्वामार क्रिया क्रिया के स्वामार क्रिया न्नर पर्वे हेंग्रां यर पंत्रुं या अर्थ के द्रां श्री विकास विकास है व श्री कि विकास के स्वार के कार्य से कि का ट्यासट् चरास्त्रिव प्रयाप्ति वृत् द्वा पानि विद्या है । द्वा है वा दिया के स्कूट विस्तर विद्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स् र्देन्'चग्रे'च'न्द्र' व्वचर्याग्रे'हेर्य'यार्थेर्णयायां अदार्या श्रुदे' विद्वच्याये स्वयं चित्रप्त विद्यायां विद्यायं विद् पूर्व चर की र्यूट्य राह्मियार पर नियत हीरा अया में किया चन्या सिट मी माई माया मिट पड़ि माया है विया पहें माया ही पर यह्री मैं जान्य प्रमास के ब्रैं वसम्बद्धारम् मुक्तिवर्षा स्वार्था स्वार्थी स्वार्था स्वार्थी स्वर्थी स्वार्थी स्री प्रिंट प्रावित्य स्वाप्त स्वाप चुमा सह्तारा तमा तर्ने राष्ट्रियोमा संसाविया पर्योदारा धिवा में निर्मयोगी में से कि स्वानिया प्रमानिया प्रमानिया प्रमानिया प्रमीत में प्रमानिया प्रमानिय प्रमानिया प्रमानिय प्रम 겠다</br>

रुषानुःष्ट्रामा

५.१ हें ने न्दार्वे अर्बे न न न से निकार

बिषाचुन्। स्रेट्य घटा मुन्ना क्रूंट खुन मुंथ राष्ट्र द्यंत्र स्थान साम विषय राष्ट्र मुन्ने राष्ट्र मुन्ने राष्ट्र स्थान साम स्थान स् यमा हे न्दुंन तर्ने ने तरी ने तरी होते होते से कित होते हुने प्राप्त कर के न्यम हो प्राप्त कर के न्यम होते होते हैं प्राप्त कर के न्यम होते हैं प्राप्त कर है निया है जिस होते हैं प्राप्त कर है निया है न 'खुंब' 5 'प्रविच्चा हैते 'बहुब' कुंब' ख़ीर 'बं' बाळवांब संर खुंब प्वविद 'है 'ज्ञ बाळेंब' है 'बंच है है 'वेच हैते हैं है र स क्षु प्वविद है स्व तिया में प्राप्त के स्व क्षेत्र क्षेत् चालबान्नीराज्ञीत्रान्नीयायार्यान्ति हिराविहेत्राचे हेर्नाको ने विष्यूर्या के जान्नी के पाने विषय परि हो पाने वि चा अन्त इंद्रें संकुट चा दें हैं ना देर्गु अपंते (सु चुन के दें) हैं कार्य ही व दें मा पड़े के की के व दें। इंदर मा के कि मा के कि के कि कार्य के कि कि नर्द्धवान्तर्दिन् के ना कुरानान्वी क्रियानि वित्वे तेन के बानान्त्र्यान क्ष्यान क् त्यत्वयः क्षेत्रान्त्रात्वान्त्वान्त्रात्वान्त्यान्त्रात्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्वान्त्वान्त्वान्त्वान्त्वान्त्वान्त्वान्त्वान्त्वान्त्वान्त्वान्त्वान्त्वत्वान्त्वान्त्वान्त्वत्वान्त्वान्त्वत्वत्वत्वत्वत्वत्वत् प्राचनस्य, ज्याप्तिम् । दे.सं.श्राण्ये.व.त्याप्त्रम् अयात्त्यः क्ष्यात्त्रम् विष्यात्त्रम् विषयात्त्रम् विष्यात्त्रम् विष्यात्त्यम् विष्यात्त्रम् विष्यात्त्रम्यस्यस्यस्यात्त्रम् विष्यात्त्रम् विष्यात्त्रम् विष्य चैट्यायट लटा इवाबाल बूँच क्रूंण ला बूवाबाट क्रांची पर क्रूंचे पायट में बैट पायट में क्रियायट क्रयायट क्रियायट क्रयायट क्रियायट क्रय क्रियायट क्रियायट क्रियायट क्रियायट क्रियायट क्रयायट क्रयायट क्रयायट क्रयायट क्रय क्रयायट क्रयायट क्रयायट क्रयायट क्रयायट क्रयायट क्रय क्रयायट क्रयायट क्रयायट क्रयायट क्रय क्रयायट क्रयायट क्रयायट क्रयायट क्रय क्रयायट क्रयायट क्रयायट क्रय क्रय क्रयायट क्रयायट क्रय क्रय क्रयायट क्रय क्रयायट क्रयायट क्रयायट क्रयायट क्रयायट क्रयायट क्रय क्रयायट क्रयायट क्रयायट क्रय क्रय क्रयायट क्रयायट क्रय क्रय क्रयायट क्रय क्रयाय क्रय क्रयाय क्रय क्रय क्रयाय क्रयाय क्रय क्रयाय क्रयाय क्रयाय क्रय क्रय क्रय याने इसमाबी पर में र्रायते पट्टी में किया ये लिया पर्या पत्री पत्री पत्री स्राम्य स्राम्य स्राम्य प्राप्त प्रमे पत्रवायं भूट ही। पूर्वायंत्रया ही जात्रवारा भा भीटा प्रयो हूं पूर्ड है हो वार हूं ट्यायी जूवारा है स्थाया में स्थाया है स्थाया में स्था में स्थाया में स्थ स्रवार्या देवा दिर्दा निर्मात का विवास के किया है अंग हिस के किया है अंग है के प्रमान के किया है के प्रमान के क लूर्नारानी प्रिट्यान्यानीया मित्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीया स्विताचीया स्वताचीया स् त्मूबा टु.श्चेब.एडूटब्रे.टे.कू.च्.ट्वाय.नर.चग्चेब.वी क्षेब.हिट्टिवाय.नर.क्.चूब.वेट.त.हुवी ट्टे.श्चेब.ट्ट.व्य.टे.कुब.ट्ट्वा.टे.श्चेवब.ट.व्यू. बुन्नर चित्र क्षेत्र क्षेत्र चित्र वार्षण अर रेन क्षेत्र निर्म क्षेत्र यंत्रामात्राबा वित्तुस्वर् वेत् प्रेवावसंग्री वर्षा में रावस्ति के स्वर्ति मान्या के वित्ति मान्या वर्षा के से वित्र श्चित्र होती प्रेक्षेत्र केर प्रेक्ष पर्दे विकास्ते वाक्षेत्र अस्ति अञ्चल स्त्रीत स्त्र विकास्त्र के विकास स्त रु तियमानायां विनेत्रा मान्या प्रमान के विनेत्र के लिला है। विनेत्र के लिला के लिला के लिला के के कि का प्रमान

म्चीयार्त्तप्ति प्रम्यात्र्या वित्र चूबाचेस्वोब्राम् भूत्राच्याच्याचा कुष्राकीत्त्रम् विच्याचा वात्राचा विच्याचा विच्याच विच्याचा विच्याच विच्याचा विच्याच वि चु-त्र्वा दे-ल्विच दे-ल्विच क्रि-त्र्वा देव्याच अत्यक्षेत्र विकास क्षेत्र क्षेत्र विकास क्षेत्र यंबा क्षेत्र व्यापतं त्र्ये वृत्यं बहुत्यं र र्वे र र र रेव र र र र हिर्म प्याप विद्यापतं र रेव र र विद्यापतं र वयाचव विवाय है हिंदा के वे लें है श्वाह दान र त्युर वा बुंद न युद र न वा चस्रव र र र से अया ठव लाचव वे वाया व के हिर यद हो स्तर्भात्र क्षात्र क्र क्षात्र क्षात्र क्षात्र क्षात्र क्षात्र क्षात्र क्षात्र क्षात्र श्रे बुर्नियं चन्द्रं वीय वर्ष्य प्राचिश्वयायां या वर्षियां या दे हित स्वर्त्त चर्षियां प्राचन स्वर्ष्य विया स यमायर के वर्षे निही माने देर देने यह वर्षे यह से पहें कर के वर्षे कर में वर्ष मान माने प्रति है के प्रमुद्ध के प्र ढ़ॖॱॺॕॱड़ॱऀऀऀऀॺॱॻ॑ॺॱख़॒ॱॻ॑ॹॖॱॹ॑ॱॸॣ॓ॻऻज़ॱक़ॣ॔ॱॳ॔ॻॕ॔ॻऻक़ॖॶॶॶॶऀॱॿऀॱॻऻॾॱॻऻॾॱॳ॒ॴड़ॏॵॹॶॱॶ॔ॱॶ॔ॱॶ॔ॱॶ॔ॱॶ॔ॱॷ॔॔॔॔॔॔ रपुं.विश्वतातावीतरानु ताराचितानु चार्क्षवियान्तरार्क्षेवायान्त्रियामानवरानाधियामानवरानाधियान्त्रेयासान्त्राच्य स्व स्व क्षित्र क्षा हैन क्षा न्तानीवन्त्रायाः विवादान्त्रायाः विवादान्त्रायः विवादान्त्यः विवादान्त्रायः विवादान्त् श्री अहीव तारि हैं निर्मा के स्वाप के स्वाप हैं के सार्च के स्वाप के स्वप के स्वाप के स्वप के स्वाप के चर्मातःश्चर्याच्या श्चें अप्रवेश्वराज्याचे स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वरं मिल्व यायव र्ष्ट्रमाषा चाया में यो वाया प्राप्त वाया प्राप्त वाया में विकास में याया प्राप्त में विकास में याया में विकास म र्नात सर्जी असि सम्बर्धन सर्वाचन में निक्ति हैन हैन हैन हैन स्वाचन स्वचन स्वाचन स्वचन स्वाचन स्वचन स्वाचन स्वाचन स्वाचन स्वाचन स्वाचन स्वाचन स्वाचन स्वचन स दें चं क्रुन के वैद् रिवा वी क्रुं क्रांब केवा वी देश प्राप्तीय देश देश के पर पर देश के विश्व के कार्य के विश्व के कार्य के विश्व के कार्य के कार कार्य के कार कार्य के कार्य के कार कार्य के कार्य के का इंदर्भाग प्रविवास पान् । दे हैं व्यायह दे पर पर्दे पर्दे हैं सम्बन्ध सम्बन्ध स्थाप है से में पर्दे पर प्रविवास यो. जुर्य न है किर नकी विशेष के का क्षेत्रका कुर्य के का नियम किर कि विशेष के कि यह्री जु.व.म्. म्यान्त्रीय मिन्न क्षेत्र त्र क्षेत्र त्र क्षेत्र त्र क्षेत्र त्र क्षेत्र त्र क्षेत्र त्र क्षेत्र क न्दानि विष्ट्रियान निक्न देवें प्रमेश के वार्ष के वार्ष के वार्ष के विष्ट्र के कि माववास्त्रां भी कार्या दूर मा श्रुपार वा को विद्या के कार्या विद्या मा के कार्या विद्या के कार्या विद्या के कार्या विद्या के कार्या के कार्या के कार्या के कार्या के कार्या के कार्या कार्या के कार्या जी श्रें पर्रुष् वर्ट टे.पिक्र. ट.ज. खेंब तरे श्रें श्रेंट हवा अंचाइवा श्रेंब वर्ष दें प्रवेद स्था के वर्ष हो श्रें श्रेंब स्था है से स्था है स ह्युरः ह्युट्र त्यायते 'के 'मेंट्र' प्रतः म्री 'म्रीकार्या कर् 'म्रीकां अर्वेट्र परा व्यास्त्र विष्या क्षेत्र स्वास कर्ता म्रीका स्वास कर्ता म्रीका स्वास कर्ता स्वास करा स्वास कर स्वास करा स्वास करा स्वास कर स्वास कर स्वास कर स्वास करा स्वास कर स्वास करा स्वास करा स्वास कर स्वास करा स्वास करा स्वास करा स्वास कर स्वास करा स्वास कर स्वास करा स्वास कर स्वास करा स्वास करा स्वास कर स्वास करा स्वास करा स्वास कर स्वास कर स्वास कर

व.परींवा.वी.श्च.रट. प्रथा.पे.वेशाश्रावर सूट खुंबाबोबी की परी बे.ता वें पूर्वे की वार्य ता परींवा की शिक्षेत्र प यान्यान् विवाल्यायम् थे विवाल्यवाया भी नवाया भी नवाया में प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त ब्रह्म तं में हिंगू कर में कर्म कर के में मार्च कर में किया में के किया में चंदुव्यावस्य वर्षा क्षें चंत्रे हुँ चंत्रे हुँ के पर्ट्र । सहर्य चंत्र हुँ यो वे चंदुव्य श्रीका चंत्र ख्री हुँ के प्राप्त खर्ष हुँ चंत्र हुँ वे वा चंद्र व श्रीका चंत्र ख्री हुँ चंत्र हुँ वे वा चंद्र व वा चंत्र हुँ वे वा चंद्र व वा चंद्र व श्रीका चंत्र खर्ष हुँ चंत्र हुँ वे वा चंद्र व चंद्र च चंद्र व चंद्र च चंद्र व चंद्र व चंद्र च चंद्र स्या देन रदां पृष्ठिश तुर्याय वां व चें रुं रुं चुदाराया वे पर्द्व चीं व हुं वर्षा वे प्रायम वां व राम विद्याय चर्ष्व के निवास के कि ता के क विवास के कि ता के कि ता कि ता के कि ता यर दर्ग द्वी दर्ग दर्श होर लेंग होंद यं दर्ग यर दें अद्र अहल दर्श होगू मा होर पा होते पा होर पा होर पा होर पा रटकेंट पर्वे छिरम्बा मुस्य प्रविद केंट प्रवृत्य विवास में छित प्रवृत्य विद्या विद्या विद्या विद्या केंद्र स्था यंते त्यायान् प्यत्नित्रे काराविषा क्षे प्रविषया या वार्षाप्रवा विषया प्रविष्ठित प्रविष्ठ वार्षा के वार्षा व भुवा के.पर्न.ज.मूं.र्य. अहेज.य. भुर्य. ये.व्य. प्रमान में प्रमान के प्रमान क्षि. विराय से प्रमास प्रमास क्षिण क्षिर क्षिण क्षिर क्षित्र क्षित्र क्षिर क्षिर क्षिर क्षिर क्षिर क्षिर क्षिर विद्युष्य क्षेत्र क्षिर क लूची ब्रिट्ट. ग्रीबार्से प्रतिवास प्रति राद्युःक्री प्रस्तानीयां क्रिया क्रिय बीव वर्ष ने राज्या ने धीव यां बीन पासुद्याया विक्र येया है कि ने दावी विवासी मुद्र हुंद्र वर्षा ने या पत्वां या से पासी हिन्द्र विवास वी 'बुर' नदः खुवा त्यं 'चुर्क' दक्ष' खुर्का 'न्' के 'दक्ष' खुर्वा 'ज्ञूर कारा त्यं न्यां चुर्का 'दक्षे क्यं क्यं क्यं के 'दक्षे कार्य के स्वीत कार्य कार यहर्तात्व्यात्रक्षेत्राच्यक्ष्यात्रक्ष्यात्राची दाक्ष्यात्राची दास्य स्वास्य स वियो जिया विविधाति विविधाति । विविधाति विविधाति । विविध वया दे.र्नु.र्म्यूर.दे.पर्वेच क्र्यूचीपर.सर.वृद्धेच.म्राज्य स्थान्य स् देव ज्ञानक क्रिक नुसुद्द नक्ष हैं दें क दैनदे न सुर निर्देश मार्थि न दि हुं के अर्थे दें न सुर निर्देश ब्रीवरप्रचालियाचीकार्द्वरायाची क्षेत्राताची विश्व कार्याची क्षेत्राची क्षेत्राची क्षेत्राची क्षेत्राची क्षेत्र वीका अहत्या देन म्हर त्रदेव के अति देन स्वत्याची के कार्याची के कार्याची के कार्याची के कार्याची के कि कार्याची क्षेत्रभूयाची यत्रात्व त्रवार्चित्यायत् यो हे तेवाद्यात्व त्रमूत्र प्रमाय विष्य क्षेत्र भूव विषय विषय क्षेत्र व हुँटा दे व्यवावन मुंबुधावा है से द्ववायां नाया प्रधात विन्या है हैं। से दुन वया होते या या दे र चवन में चिया से हैं हा या वह दाने दिन बु.लाट.एषिवा.त्यं जंशायवावाबात्यं पञ्चेत्रं तांशाचीटा, जुचूशाक्रीयां निया के किया वाल्या का प्राप्त वाला वाला त्रा निर्मा तर्वे अस्ति व्याप्त स्त्रा प्राप्त स्वाप्त स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा देन व्या क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत् यः अर्रातः सूर्याश्चर्याश्चरः विद्यात्रा द्वारा स्वार्थः विद्यात्रा स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स् क्चला ग्री वित्र के वेदी ला के पान पान के का ला में का विकाय के पान वे तर है वे ति है वे ति है वे ति ति है वे कि ला के विकाय के व

*ૅ*વર્ટના.તચ.જ.૮.ગ્રુંથ.લચ.ર્જૂચ.ઌ.ઽંચ.જાર્દેળ.ેંગ.લુનો.ઊ.ક્ષેજા.વૅચ.ગૂંચ.તચ.િષેવે.≇જાય.ક્ષેનો.ત±નચ.ત.નલુંચે.ટે.યૂંદો *નુર્*.૮નેચેંચ.ગ્રું.જી. केव इंस्रमान्याया वर विचयं परिक्री क्री रेंदर ने इंस्र विचयं ॱॾऺॺॺॱॸ॔ॖॹॖॱॿॖ॓ॱॿॆॗॱॸऀॸॺॱॸ॔ॸॱऻज़ॻॿढ़ॱऄॸॕॱॸ॔ॸॱॻॕॕॼॺॱय़ढ़ॕऀॱॾॱय़ॱॺॸॱय़॔ॱॿॖढ़ॱॺॱॺऻॿऀॻॺ॑ॱढ़ऻॖॱॾॕॱऄ॔ढ़ऀॱॿॎॣॺॱॿ॔ॺऻॕॱख़ॖॱय़ॱॿऀॱॵॱऄॱॺॱऄऀॿ॑ॱ म्री. श्रीय ति त्रीय त्र क्षेर् नर्द्धव साबिन ने मं तिना महिना में विनम हें ने कि नर्र ने महिना म द्रैट्य.ग्री.पंग्र्यंत्र.ग्री स्वायाम्बाया वर्ताताम्बायाः विवयाः हेर्याः पश्चिताः प्रतित्ताः विवयाः प्रतित्ताः विवयाः विवयाः प्रतित्ताः विवयाः विवयः व त्यां अत्याद्वा त्यां के त्या चते चु र्यं दिवा वीका अवी क्रुव वंश्वर हरे में भाषा चार्या वाश्वर विवास में है र चु र्यं वार्वर में वार्य वार वार्य वार् केन नुंगुद[्]रेग मी नुर्गु या पर्विर कें मुख्य में स्विर प्राया है सिंदी बिया देश नुर्ये तुर्वे त्या शुअं सुर्य मुख्य नुर्वे स्विर प्राया से सिंदी विया निवास स्विर स्व दुर्वानुन् खुन् खुन् पर्वं वे प्रवासन् प्रवि प्रवादि ए प्रवासिक प्रवासिक विषय होता है । विषय के प्रवासिक प्रवास ૡૢૼૺઌૹ૽૽ૢૼઌૼ૽ૣ૱ૺૼઌૹૻ૽૽ૢૢ૽ૢૢૢૢૢઌઌ૱ૹ૽ૢૼૹ૽ૣૼૼૣૻૢૻ૽ૣ૽ૼૻ૽ૣૹૻૢ૾૱૱ૻઌૢૹ૽૽૾૽ૼૡ૽૽ૹૢ૾ૡ૱૱૱૱૱૽૽ૺઌ૽ૹ૽૽ઌ૽૽ૢૄૢ૽ૢૢૢૢૢૢઌ૾ૻઌ૽૽ૢ૽ૺઌૹ૽ૢ૽ઌ૽૽ૢઌ૽૽ૢઌ૽૽ૢઌ૽૽૽ૢઌ૽૽૽૽ૢ૽ઌ૽ૻ૽૽ૢ૽ૢૢ૽૾ઌ किट विगी गोबं वियम पूर्वी जावाब तर विषा कुब एक्ट गोट वे जूर गोबंट या जो इ. मं गोष्ट में अमेर बिया में श्री कुट पर वे बी श्री प्राप्त में गोबंब में श्री में बी श्री में प्राप्त में भी गोबंब में श्री में बी श्री में में श्री में बी में श्री में श्री में बी में श्री में बी में श्री में ति. क्रूंच. ग्रीया हुंच. हुंच. प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प् चाडुचा-धे-तर्वेचांबा हुर-तर्वेचा-त्रचा-हूब-ल्या-ड्रीक-ड्रीक-त्री-ट्राक्ट-ची-तर-ट्राक्ट-ची-क्राक्ट-प्रकानी व्या चिश्र-क्रिक्ट-अन्तर्भ्वाच्या-तर-ट्री-विक्चि-एस्टर्स्य-बिश्च-इत्या-ड्रीक-स्वा-ची-तर-ट्री-प्रका-ची-तर-ची-त च्यायां प्राप्त के विश्व विश्व विश्व के त्राप्त के विश्व विश्व के च्यान्य विवासी स्वास्त्र त्या स् में प्रतिर प्रमा पर दूव क्रिय है या के या महार या की प्रमा प्रमा का मही प्रदेश में प्रमा मही प्रदेश में प्रमा मही मही प्रदेश मही प् स्याबिवी, वार्थान्त्राचा विवालया स्वाविवालया सामित्राच्या विवालया स्वाविवालया स् पयाचे दार्च मा चे या प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त या प्राप्त प्र प्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प् चॅबेट्यं पर्दे त्यं क्रुयं दिया वर्षेट्यं पर्दे के असे क्रियं असे क्रियं पर्दे अपित त्यें अबिन में या क्रियं पर्दे वर्ष मित्र में में ये वर्ष क्रियं क्रियं वर्ष क्रियं क्रियं क्रियं वर्ष क्रियं विनंपिर्वणियाची पानस्य प्रमास्त्र होत्यमा क्षेत्रं संक्षिण्यमें प्रमास सहित हो हो सारित हो हो से दिन हो से प्र लय द्वानी के हूं त्या हैया में त्यर प्यापश्चर हैया वे स्वाप प्याप्त स्वाप है स्वाप स ઋૂં તે જ્ઞુંને યાં વાસાનુ માત્રા સુર્જા તે ત્રા કુ જોને તે છે. જો કુ તે ત્રાં સુર્જા છે. ત્રાં સુર્જા માત્રા સુર્જા સામાનું સુર્જા કુ ત્યાં સુર્જા કુ ત્યાં સુર્જા કુ ત્યાં સુર્જા માત્રા સુર્જા સુર્જા કુ ત્યાં સુરજ્ઞા કુ ત્યા કુ ત્યાં સુરજ્ઞા કુ ત્યાં સુરજ્ઞા કુ ત્યાં સુરજ્ઞા કુ ત્યા કુ ત્યાં સુરજ્ઞા કુ ત્યા કુ म्विय्रूर्यः सहर्रात्रः श्लेप्यः इस्रायः श्रेष्ठियं रि.व्रिट्रः यदुः श्लेषाः इस्रायः क्रियः स्रायः स्रायः श्लेषाः स्रायः स्रायः स्रायः श्लेषाः स्रायः स्रायः स्रायः स्रायः श्लेषाः स्रायः स रा.चु.श्रम् त्यक्ष.श्र.ब्रह्म् तेत्रु.बीयः त्यम् अर्थः ने विकास स्वास्त्र स्वस्त्र स्वास्त्र स्व ૡુષાંત્રષાલેવાયા છેતા ચાં ફુનાલું અલે ત્વેલા સુંવાન ચેંત્રા લેવાયાએના છું માં એક્ટ્રાંયાને ત્યાં પ્રદાવોલે માં છે માનસૂર્ય ને રાંતા તુવાયા પેલે વર્ષાનુ त्र्रा की मान्य क्षेत्र में अव मान्य में मान्य म <u>लट अह्री हे क्यामान मृत्य ह्या वीया श्रुव इट्या है। तयव सुर्व या विराह से स्वराध वा वीव विवाह से क्या है। वा</u>

धेव हैंग गर्राट वृत्र इस्मेर्ग्य प्रति क्रिंत हो होन पर सह दें दें पर्या है हिन कर है। हिन कर हो हिन कर है है के ल्या स्टार्स निवास के स्टार्स के यंबादेती:र्यात्रामंद्रांबादेवी:हें दें त्य हुंद्रांयां तृंवां या महिबाल्यायां विषा हुंबां महिबाल्या विषा हुंबां त्ये हुंबा त्ये दिने त्यात् वाद्रांवायां विषा हुंबां त्ये हुंबा त्ये हुंबा त्यात् वाद्रांवायां विषा हुंबा त्या हुंबा हुंबा हुंबा त्या हुंबा यदे क्रिन्दं अनुस्र तरे के द्वार के विकास के कार्य के कार्य के के कार्य के के कार्य कार के कार्य कार कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य कार कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य कार कार्य के कार्य के कार्य के कार्य कार्य के कार कार्य के कार्य क ह्, चू, चूर्रे दे, चूर्य ब. ब. बर्च व. चे चे च. पड्डू श. हुं चे. तथा शहरी ही वीया कि. हे. क्रि. ब. ज. वीट्टी च बश्च तथा ब. वे चे चे च. ज. वीच्ट. सह्ति वह त्यहे नर्खें के त्या चक्कियां दृष्टु चक्कियां म्यास्त्र अविदेश त्या विदेश विश्व विद्या विश्व विद्या बेबाबायां श्री द्वींबाचीबाद बबा विदार्थ हते. तो क्षेत्र चातर हिं ति तर चाविचाबार के कि तर चाविचाबा है 'क्षेत्र विदार के व क् ब्रेन् ज्यात्वरु त्वा प्रदेश्वा वर्ष्ययप्रत्य ख्रेयां के राष्ट्रिया मुनाष्ट्रिया वित्राचित ख्रेया वित्राचित वित्राच व बत् क्षेट स्पूर्ण वित् क्षेत्र वाली क्षेत्र वित् क्षेत्र क क्यान् क्रिन्निव व क्रिक्ट प्राप्त मान्य व व व क्रिक्ट क्रिक्ट प्राप्त क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्र चर्डें ब बेट्र नि चंदी क्रिं के ब दें विश्व विश्व विश्व के ब के विश्व के के विश्व के के विश्व के किर्य के किर् ब्रियाना ब्रै.वर्षा ब्रिट्यी व्यक्त मूट्ट तारवीय ट्रूचे व्यक्त क्ष्य क्ष्य प्रत्य क्ष्य ट्रिट्य क्ष्य व्यक्त व्यक् क्वितां मक्ष्या के इ. चे मक्षे मिर्धित वर मिर्देश त्रामा में स्वार्थित मिर्धित के मिर्धित के मिर्धित के मिर्धित मिर्य मिर्धित मिर्धित संदेशिकारम् विद्यार्श्वर मा क्रियामदे विद्यानिका इताविका इताविद्याम क्रियाम क् न्म्यानायायहरान्या क्ष्मा क्ष्मा अक्ष्या इतार्ष्ट्रमा में सामियान्या है। विश्वास्त्र हैं। विश्वासाम क्षा सक्षम मीर्ट्यात्मात्त्र्यो स्त्राप्त्राचे प्राप्तात्त्र स्त्राप्ता में देशका मार्च्यात्त्र स्त्राप्ता मार्च्यात्र स् स्वार्च्यात्मात्र्या त्राप्ता स्वार्थात्र स्वार्थात् स्वार्थात् स्वार्थात्य स्वार्य स्वार्थात्य स्वार्थात्य स्वार्थात्य स्वार्थात्य स्वार्थात्य स्वार्थात्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थात्य स्वार्थात्य स्वार्य स्वार् सहित के स्वास्त्र है। दर्जेअ-र ब्रेट र ब्रुव पर वर्ग पर्य वर्ग पर्य । पर्य । पर्य र कि पर वर्ग के र वर्ग के र्ये ब्रुव दे र्य गायर पर पर र ब्रुट र विषय वार्ष्णः वास्त्रात्त्राक्ष्णं विद्याता स्वार्णः स्वार्णः विद्याता स्वार्णः स्वर्णः स्वर्यः स्वर्णः स्वर्णः स्वर्णः स्वर्णः स्वर्यः स्वर्णः स्वर्णः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्णः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्णः स्वर्यः स्व য়ৢঀ^ॱয়ৄॱतॱสয়য়৾৽ঀॱয়ৢৢৢৢৢয়৾ড়ৢঀॱৼয়য়য়৽ঀৗয়ৣয়ৼৢ৾৾ৼয়ঀ৾৸য়৾ঀৢৢৢৢৢঢ়৻য়৾য়ৢয়ৼয়য়ড়৾৽ঀৼ৾ঀঢ়ৼৢঢ়৾ৼয়৾ড়৾ঀৼয়৾ঢ়য়ৣ৾ঀঢ়ঢ়ঢ়ঢ়য়৾য়ঢ়৾ড়য়ঢ়৾য়ঢ় बैंअबर्सु परुवायायायायाँ अधिकारी पुनान केंद्राया केंद्राया विताय विवास तुवा रहार अध्याय सामे प्राप्त कार्या में

ङुॱॾॱॸ॑ढ़ऀॱॲॱॺ॑ॱॸढ़ॖऀज़ॱॺॱग़ॖॖॖॿॱॿॖऀॱॠॸॗॱऄॿऻ॓ॱॿॖॕॸॖॱॸढ़ॱॾॕॣॸॱय़॑ॱढ़ऀॸऻॕॎॿॱऄॻॖॺॱय़॑ॸॱॸॾॣॕॺॺॱॻॹॖॸ॑ॱॗॸढ़ऀॱॼॕढ़ऀॱॸॖॱॸॸ॓ॸॱॿॗढ़ॱॸढ़ऀॱॸॗॹॹॖ॑ॱ क्रम्हे तदी विर नेम्योग्नर मुल्या निर्मात तमाय तमाय तमाय स्थान मुल्या ने स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स हो मुल्याचिर प्रमाय स्थान यान्यत्र्वेत्रात्यात्र्वेत्रात्वेत्रात्वे प्रत्यात्र्वेत्रात्वे प्रत्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात्र यान्यत्रे श्राप्त्यात्र प्रत्यात्र प्रत्यात्र प्रत्यात्र प्रत्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात्र प्रत्य यान्यत्रे स्त्रात्य प्रत्यात्र प्रत्य प्रत्यात्र प्रत्यात्र प्रत्यात्र प्रत्यात्र प्रत्यात्र प्रत्यात्र प्रत्यात्र प्रत्यात्र प्रत्यात्र प्रत्य त्रीत्याला अक्षयात्रीत्यात्र स्थान्त्र स्थान्त् कूथाग्री ज्ञावाबातमा अन्यन्त्र प्रवाचाता है, है, लाटा आलु है तारा है न है। विद्यान स्वाचित्र स् क्रेव रॉब गूर्व व बाबर्द दी दे थर हैं वेंदे क्रेवब प क्रेंट च दर व बाब क्रेंब ग्राम अहंद केरी दर वेंद वि व व व क्रॅब इयन येग्न पर प्रवित् वित्र हैंग में के दर हैंब राष्ट्रिन या मेरे चेंन यह राय हथा दर्देन पर पर महण्या है चेंदे प्रवेत परे परे न ब्र्वाब्रायम् वार्त्वे वार्त्वे वार्त्वे वार्त्व वार्त्व वार्वे वार्त्व वार्व वार्व वार्व वार्त्व वार्व वार्त्व वार्व वा चर्लिन माइस्रमा मुना ने प्यत्तित सं व्याप्त वित्र में देश वित्र में मुने स्वर्ण में स्वर देव'केव'क्षेर'र्यो क्षेत्र'श्रे केव'र्यो द्वो'चवेबाश्यर'र शं र्यावाबायंत्री दिवे हेबाल'द्वोव'याचावहें र देवर धुवा क्वथासकव छैबावद्वाबा विभावनादते चनु चे पार्यद्भारामा पन्यारदाया कुपार्या कियायमा विभादते चनु चनु क्षेत्र के ने ने दे किया के निर्मा ट्रै-वर्यान्चुर-ब्रे-ह्रे-व्दि-अर्केन-पुवर्यायहान विवाय प्रमानिकाय विवाय स्तर्भ विवाय स्तर्भ क्षेत्र स्तर्भ स्तर्भ क्षेत्र स्तर्भ स्तर्भ क्षेत्र स्तर्भ स्तर्य स्तर्भ स्तर्य स्तर्य स्तर्भ स्तर्य स्तर्भ क्रियायह्रव,तर्त्तेयंतामिष्ठेष्व,त्रांत्रहर्ति थिंटावीव्यक्षेत्रस्थात्यांत्राच्यावर्षेत्राच्यावर्षेत्राच्याम्य बैंद सुअर्य या मार्गानी वी वा प्रवेद वा में प्रवेश विवा वा परे प्रवेश प क्रिंगी बुरि.बेर.ता बट.बा.च.ची बारेब.बे.चू.ची पड़े मूर्डे.लेट.व.के.चूंबे.ल.ट्मूंबे.कु.वे.चिर्याचेर.वे.च्याचे बा व.रवी.बुंच.चाचा वार्याचेता वे.ज.बूंच.चाचार.वे.जूर्य. हैं र्वित निर्मय राज्य सम्बन्ध हैया निर्मय पार्च सम्बन्ध राज्य हैत राज्य निर्मय राज्य राज्य हैं सम्बन्ध सम्बन्ध कुलार्सि में प्रति दुर मुं में पाय प्रतिलाय प्रतिलाय प्रति याया यो विषय है न या प्रति का अने प्रवास के किया है जिसे र्ये कें प्राचीवन देने अहर् ने प्राचा बुवा का प्राची के कि जो की कि जो कि जो कि जो कि जो की कि जो जो कि जो कि जो कि जो कि जो कि जो कि जो जो कि जो जो ज बूर्ट बेर्च के बेर नते के नर्दे नहर नं मुँबं प्रमा बूंब प्रमा बें कु बुर पर्या विराध में के के विराध में के के बान्यत्वर निवास के स्वर्धान्य स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्य के स्वर् त्रम् वित्रम् *चाँत्रं के*न्-नु-व्यानिक निक्क न्द-निर्ण निकु संभावनिक अदितः देशो सुन्य निक्क निक ८८.४.श्रेट.म्.अंचर्यस्

५.१ र्वेर्हे न ५६६ र्वे वी भ्रम्

दी.क्टर्यामब्द्रियुक्त्यामुक्त्र केषायुक्त्यामुक्त्र त्यामुक्त्र त्यामुक्त्याम्य केष्याय्यामुक्त्र त्यामुक्त्य विटा वट्युक्त्यामुक्त्र व्यामक्ष्य केषायुक्त विचायुक्त विचायुक्त विचायया विचाय विचायकेष्य विचायकेष्य विचायकेष चत्रं हु इ हुँ वा च से हि या विवास देवे क्लेंच सामसामान का समित्र प्राप्त का सम्बन्ध समान है वा से हैं पार्ट के का नामया में स दब्वें यामेवायान्य द्वार्य स्वार्य स्वार स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार स्वार्य स्वार्य सावदार्ग्यां संप्रता ह्या अपना पूर्व द्राप्त माने माने हिला है है नि स्वा अपना में स्वा अपना में स्वा अपना स्व तचर न हूँ र ख्वा क्ष्वा र ने तर्बा वावव कु वार्वे र र हिर य हिर व प्यर हिन र वो हिर विक लेवा है ज्वा र हिर क्य के अक र पर विक र्रेट् ब्रैर्व्यातक्ती अक्टि ब्र्नायार्म् निवायान्त्र के पर्वाया विष्या विषया त्रे.दं.श्चेट्'वी'र्न्ने'त्रेत्रेत्त्वत्य्त्रेत्त्रश्चरः वाश्चरः पञ्चरः श्चेट्रं प्रत्यात्विरः वी'त्र्येयः वी'त्रेत्रः वाश्चरः पञ्चेट्रं वाश्चरः वाश्चर वियापायर में में प्राप्त के विया प्रमान कर विवास के जान कर कर कर कि लिए के कि न्त्वरहारा से प्राप्त के प्राप्त में के प्राप्त के मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ मार्थ में ॱख़ढ़ॱज़ॱॸढ़ॱॸॣॕॴढ़ॹॸॱॿ॔॔॔॔ॸक़ऻॿॖऀॴ॔ॱॻऻढ़ढ़ॾॎॗ॔ढ़ख़ॴक़ऻॶॴॱॾॕढ़॔ऄॴॸॹॾ॔ढ़ॱॹज़ढ़ढ़ॾऄज़ऄॣॴऄॖॴॗॿॸॾॎॗ॔ढ़ऀऄ॔ॴ क्षेवानियांचित्रम् विष्णवाक्षेत्रम् वर्षास्ति वर्षास्त्रम् वर्षास्त्रम् वर्षास्त्रम् वर्षास्त्रम् वर्षास्त्रम् मी श्रेट से दें निया कि से दें ते में श्री साम के कार मान के कार में में से साम के से साम के से सिया है के सिया है सिया है के सिया है के सिया है म्लिट ह्याचा लाग्नेया मुन्दान निर्मान ना मुन्दा मुन दे त्यन्त्रवाश्वर्षा प्रवृत्ति व्यव्यामित्र वित्ता वित्या वित्या वित्या वित्या वित्या वित्या वित्या वित्या वित्य स्तर्या वित्या प्रवृत्ति वित्या वित ॻॖऀॱॹ॒ढ़ॱॻऻ॔ऄ॔ॺॱॻऻऄॺऻॱड़ॕ॔॔॔ॺ॓ॱॺ॓॔ॺ॓ॱॺॕऻऄॖॺॱॸॖॆॱक़॓ॿ॑ॱय़ॕॱॻॹॖॸ॑ॱॸ॑ॸऻॱॹढ़ॱॿॸॱय़ॱॸॱॺॸॱॻॱॹॱॸ॔ॹॹॏॖॱॻऻॱक़ॿॱॿ॓ॸऻॱॸॆॖॱॺ॓ॱॸॕॻऻऄॺॱॸज़ॱ कुं अळें दी र्रेयायात्र्यत्वतात्वाप्रवार्याते विवाने। स्वायायाचेत्रं नृतिविवाने के पाणि स्वायाया स्वायाया र्देव कु केवा अह्नु केवाबार्य अटा पटा पटा पटा दूर्व प्यां चुटा बेर्ना वर्षे व्याव वर्षे चुंच वर्षा केवा वर्षे व हें च थ अह्यं प्रते ऋ र्वेट हो के त्रुं य लुग चुट च बिग य य दुयं च लुव चेर च्या है हैं च दिर के य निवेश गविर हैं व की अर्थी अहुग व्यवयायत्ति। यिन्निः चं न्दः रिवानी स्नवयासी।

५.३ मुरःबरःसदेःभूनश

चट्नपुरु श्रीन्यां ॥ ।

बट्टिंग्युर् श्रीन्यां ॥ ।

बट्टिंग्युर् श्रीन्यां ॥ ।

बट्टिंग्युर् श्रीन्यां ॥ ।

बट्टिंग्युर् श्रीन्यां श्री ।

बट्टिंग्युर् श्री ।

बट्टिंग्युर् श्रीन्यां श्री ।

बट्टिंग्युर् श्री ।

ब्रीट्रिंग्युर् श्री ।

ब्रीट्रिंग्युर श्री ।

ब्रीट्रिंग्युर् श्री ।

ब्रीट्रिंग्युर् श्री ।

ब्रीट्रिंग्युर् श्री ।

ब्रीट्रिंग्युर् श्री ।

ब्रीट्रिंग्युर श्री ।

ब्रीट्रिंग्यां स्वाप्यां स्व

५.८ न्द्रायात्रसायक्रम्।वायवेःस्र्रम्

बरायाचाळेत्र संत्री चरावी र्स्यास्य तस्वापायाची <u>स्वयाची स्वयाची स्वयास</u> हि. या तस्त्रित्या वित्तेत्र प्रत्यास्य स्वयास्य स्थाकवांबासना स्पूर्भानवतुः श्रीव बन्धान्यां है। बीटा बीटा वार्याचा वाया विवायानया विवायान्या है। वायानाया वार्य चविर्वायात्रात्रात्राचीया र्रोक्ट्रियाचिर्वायाच्ये हेयासुर्योक्ट्रेयिय स्थायाय स्थापित स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय यर यंगम् वाया वर्षत्र प्रमेश केर् मार्वित के वार्षि द्वाया अहर्त् । वितायर क्वित आहें में प्रमान के वार्षे के प्रमेश केर मार्वित स्वाय के श्च.श्चाराचीश्वर्यं विष्यः विष्यः विष्यः विषयः व बेचना न्तुं खरी चेन्न्य सहेन्य में युं यं फ़रहर के अहर चेना न्रे यं चुन कि कि तर ये के कि से कर से हिन अर सिं ग्रीमान् भुन्नान् प्रति र्वात्त्रावर्त्व विश्वत्त्र में श्रीत्व विश्वत्य विश्वय व आख्राबङ्गान्ता व्याद्धानाम् विकास विकास विकास विकास विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र क्षेत्र विकास क्षेत्र क मावव इंग्रें मान्य मान्य के मान्य मा क्चॅं न' ग्री र्राट त्रों या कर् स्वर सह र केट विट्या शुं इट्या दया के समय मुद्दे र पार्वे विया में समय सम्बद्ध टट वया सिर्वा क्षा स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त स्वाप् विवायात्र्रान्त्रेत्रा स्वाधीयविष्ठेव् भ्रीयात्रा वार्ष्ट्रियेवार्या स्वाद्धीयात्र्या स्वाद्धीयात्र्यात्र्यात्र बूँद्रंप चंद्र रहेत में में ब्रिट ब्रुट् ग्री सेट में श्री कुं सुवाया वार्य पान वार्वे में या वि ये वि वि वि व रेंचा इ कुर्या बेट केंट के हैं खर्या वर्ष प्राच के के वार्याया परित्य के किया वर्ष के वार्य परित्य के किया वर्ष मी बुच ना बच का क्रांस्त्र स्वाक्षित निया में क्रिया का क्रांस्त्र क्रिया क्रांस्त्र स्वाक्ष्य क्रिया क्रांस्त्र क्रिया क्रिया क्रांस्त्र क्रिया क्र त्रवा क्र्यात्र्रः ग्री ग्रांतः नृत्रः हेर्गा त्रवायाः नृत्रः नित्रः वित्रः वित र्ने प्रिका हो पर्या प्रकेष ह्रिया हो आवव र्रे विकास का मानिया है स्ट्रिक मिन्द्र प्रकार के प्राचित के प्रकार के प्र बुँवं या या याववार्श्वेन विया विया प्रश्लेव यम स्वाया ने वया प्रश्लेश या ते नुया न विवास के ते प्रश्लेन यो ते कि प्रमार्थ के प र्चें द्रंपमा निवासि स्वें माने वार्षा के प्राप्त का माने के प्राप्त के माने के माने के माने के माने के माने क यात्वेषान्त्रस्य मान्त्रियात् वित्रमेषा स्टान्य मान्त्रस्य स्टान्य स्ट योष्ट्रेयां वार्षेत्र वार्षेत्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वार्षेत्र वित्र वंशनिने पर्वे प्रवेशमूर्वे वं प्रतियामार्थं क्रिं प्रवेशन पर्वे क्रिं प्रवेशन पर्वे क्रिं प्रवेश के प्रवेश वंशनि प्रवेश विश्वास विश्वा यमा देर पञ्च तमा है हो पा सुरा में मधीवा ल पा या मा हमा यमा हो मधी हो मधी हो तम समा प्रकार है। देर मा के प्रमा र्ण-पश्चरा में ब्रेंट्रिंग के पाइन में के प्रति होते हैं ने पहें ने प्रति पश्चर के प्रति विश्वर के प्रति के नं यं या या नहे वं रप्तं र्यमुन के खेत् या होता वित्त रहे वा प्रति वित्त प्रति वबा चर्वा त्यः देव देव देव देव देव देव देव देव विकास के स्वाप्त के स्वप्त के स्वाप्त के चन्नवाकेषायां प्रदेश प्रविद्धा स्था विषय स्था व केर्तरमं स्थानं ताया सर विते पार्विर तहेन हेपा ग्रीना दिते केंना तहीं तो स्वीद हैपा तहीं ने पार्थ है में हिंद में की ने ताया है ने पार्थ है ने से स्वीद है ने स्वी नाश्चरमा तन्नेमासुःक्षेत्राकेन् मेटमासुंकेनमार्केमासुरमारममा क्षेत्र्यां प्रात्मास्य क्षेत्राचीत्राम्या क्षेत्र स्रोय मुँदर्ग क्रिन त्र वित्त क्रिन स्वापन के हिला नु निर्माय कर त्र वित्त क्रिन क्

क्रवाया ये निर्मात है । इस विकास है निर्माय है निर्माय स्था है जान महास है अपने से स्थान से से सिर्माय से सिर्म चैयाक्कर्यत्र स्थान्य विषय् प्रत्या स्थान्य स तकर्।वाचायत्रे मेराम्ये क्षान् क्षेत्राका संस्थित का विष्या क्षेत्राका स्थापित का विष्या विषय क्षेत्र क्षेत्र क बर्णावबा क्षेत्रीयात्राचितात्राच्यात्रीत्रव्यात्रीयात्राच्यात् ता वैच.के.कुर्यात्र स्थायात्रीयात्र स्थित्र देत्र प्रत्य देवे. त्ये प्रत्य प्रत्य स्थाप्त प्रत्य स्थाप्त स्थाप प्रत्य स्थाप प्रत्य स्थाप प्रत्य स्थाप प्रत्य स्थाप प्रत्य स्थाप प्रत्य स्थाप स्याप स्थाप स्य उट्टेब.क्रे.बंब.क्षे.जेंट.क्.टेचट.क्षैव.ब्री ब.ब्र.क्षेवी.ज.उषिट्बी टेवीट.ज्र.चक्केट.चबुब.चरु.क्र.वी.इ.च.क्ष्ये.ज.चक्रेब.वोबब.टेट.वार्ट्रूट. वीर.बु.चर्र.कु.चर्राचेवाबा टेब.वालब.उष्टिज.ब्र्वाब.इब.ट्र.ब्रक्टर.व्य.लट.बट.टे.ब्र्वे.ब्री.वि.हब.ट्र.च्र.च्र.प.उब्रे.त्य.च्याच्य.टेवज. पक्षत्रयासी वयारे वो प्रतेया विद्या पर्वे प्रति क्षेत्र ही वै प्रताय की माने क्षेत्र की स्थाप की पर्वे की प्रताय की चित्। अक्षत् चित् क्षिप ते ते क्षेत्र तु पतृषामा गूँ ते गू भारती स्त्री स्त्री स्त्री पत्री स्वर्ण पत्री स्वर्ण पत्री स्वर्ण प्रति स्वर्ण स्वर त्यीयाः गोर्चेयां यो चिर्म्य के यो अंत्राया हो विषय हो विषय हो निर्म्य के प्रति । देव प्रति विषय प्रति । विषय हो प्रति विषय हो विषय हो विषय हो । प्रश्नुर्-र्-र्स्नुन्ने श्वेर-अर्प-प्रमु शुर्-पी नियर ध्वानिका के सर्गे प्रमु र स्त्री वर्ष हो। वर्ष स्तर्म विकास प्रमु स्तर्म विकास प्रमु स्वर्म स्तर्भ स्वर्म स्तर्भ स्वर्म स्तर्भ स्वर्म स्तर्भ स्वर्म स्वरंप स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वरंप स्वर्म स्वरंप स्व वस्त्राच्यस्त्र प्रति प्रति प्रस्ति । स्रित् प्रवस्ति प्रति र्ट्याचर्डकांचासुर्या मिट्यां द्वान्ता ह्यु स्त्री चुट्युट्यासुका छै। वित्युद्धा ची स्त्री स् वंशस्था नुगर्भारं वंशस्थान्त्रियं निर्मा गाँव संविद्धाने निर्मा है निर्मा के से प्रति है पर के है निर्मा कर्षा है निर्मा है नि इ.स.ल्या.रट.यक्ब.त.सेजा थेबाँ वरिया.जया.वट.ता.हं.इवा.सेजा ऱ्ट.इ.र्योय.ये.य्ये.कूब.वक्चेर.वहूबे.त.सट.ये.वैट.टू.। वाला.ये.लट.ये.ये. यार्स्राम्बर्ध्यस्ति स्तर्वास्त्रः स्तर्वास्त्रः स्तर्वास्त्रः स्वर्धाः स्वर पार्ष्णायदेनयाः ग्रन्ते । क्षेत्रयन्त्रं त्याः क्षेत्राचे व्यव्यान्त्रः विष्णायः विष्णायः विष्णायः विष्णायः विषणायः विषणाय यस्यान्त्रेयः चर्त्यः क्षेत्रः व्याप्तान्त्रं वृत्तः वित्रान्त्रेयः वित्रान्त्रयः वित्रयः वि वयार् श्रीते व्याप्त प्राप्त व्याप्त व्याप्त श्रीत् व्याप्त श्रीत् व्याप्त व्यापत म् विश्वास्त्रात्मात्रात्ववाची विश्ववास्त्रा विश्ववास्त्रा विश्ववास्त्रास्त्रः हेवः स्त्रायः विश्ववास्त्रः प्रविचात्रः विश्ववास्त्रः स्त्रे स्त्रः स्त्रे स्

स्ट्री ब्रूट् क्री ट्रिक्ट ट्राया में सूच्या प्राप्त क्षा कर्या कर्या कर्या कर स्वाप्त कर स्व स्वाप्त कर स्वाप कर स्वाप्त कर स्वाप्त कर स्वाप्त कर स्वाप कर स्वाप्त कर स्वाप्त

५.५ बूर:बर:संदे:ब्रूनश्

यश्चा सुर् हुं वेषु जू तर् लये क्ये जायषु मक्ये रायपि विश्व स्ट्रा स्ट्

५.७ विसासुर न ५८० म् सामानिस स्थापन

स्कृत प्र. ते. प्रतिवाक्ष क्षेत्रका वार्क्ष वाका स्वीता स्वीत प्रकृत स्वाति क्षा स्वीत् प्रति प

५.७ म्रैंय.र्यथायी.तीयायपुःसैयश

विषायना है है इससाथ प्रायं है तो लें पर्यु पार्विका लेंदा प्राये के पार्य दे तक है ना कि पार्य के कि प देंतिः ळद्र-दुं क्केंयं च रह्मा आ वृद्धिः च त्या देवीं व स्य च व क्केंय द्वें व सुनु की देवा च व व व व व व व व त्रे ने अस्ति द्वाप्त के कि स्वाप्त के कि स्वाप्त के कि स्वाप्त के कि स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के में कि स्वाप्त के स चॅद्र-तुः चुद्र-प्रते प्राप्तर स्वाया वर्षे ते अप्राप्त अप्राप्त के प्राप्त क ह्युर्न्ने गुर्ने वित्र तृ अर ने ने वित्र में बूर्ण अर्द्र या जर हिंग का गठिया हु हुर्ने ने देते है ते उस वित्र होते । वुकारी जर्म प्राप्त होता है है र ৾৾ૹૻ૾ૢૹ૽ૢૼઽ[ૢ]ૹ૽ૹ૽૽૾ૹ૽૽ૹઌ૱ૡૢ૽૱ઌઌ૽૱ૣૹઌઌ૽ૹૣૢ૽ૺઌઌૣ૽૱ૹ૽ૹઌ૽૽૱ઌ૿ૢ૽૱ૢ૽ૼઌ૽ઌઌ૱ૣ૽ૡૹૹઌઌૡ૽ૼ૱ઌ૽ૹ૽ૡૺ૱૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽ૢ૱૱ चुः चुन्नः अर्थतः निष्नः प्रत्याप्ततः मृत्यायक्षतः कुन्यविद्यन्त्रः चान्त्रः चान्त्रः । श्रुवः स्त्रः चान्त्रः चान्त्र कु.चुर.य.वीटा श्रैंचा.येंश्र.येचूच.तर.योचुचाब.त.वु.जू.याचबे.तय्याचेब.वधेब.वीब.वय्याचेष.वय्याचेब.व्यूंच.कु.जू.व व्यूचर.य.वीटा श्रैंचा.येंश्र.येंबा त्यूचे.तर.योचुचाब.त्य.वु.जू.वयंचेब.वीब.वीच.स्वाब.वीट.श्रट.येंवे.वीच.लु.व्यूच.श्रु.ज्य.यंचेवांबी. यद्व.पज्ञ.र्याचेव.त.त्रोचे क्रूच.लेटब्र.त.क्षेत्र.पच्चे.५.२व.कुचेब्रा क्रि.ब्री.प.प.प्रिंटब्रा क्रि.जं.त.प्राची क्रूचेव्या क्रूचेव्या क्रि.लेटब्र.त.प्राची क्रूचे.लेटब्र. व्याचित्र व्याच्य व्याचित्र व्याचित्र व्याचित्र व्याचित्र व्याचित्र व्याचित र्वाषये.ज.य.व.ज.प्र. तथा वे.वे.चू.चू.वे.वाबारवासीरबा रवीट.ज्.चं.व्याज्यां वे.वे.व्याज्यां चंही.वाबेश.ज.ही.वे.क्यां व्याचिता श्चीं वार्चित प्रमान इत्यात होते प्रमान का महत्र माना वार्षित माना का महत्त्र महत् चकुः वाद्गेयायाने प्रदार्था वीता वीता वाद्गेयाया वाद्याया विवास हो। चकु चित्रे विवास नर्वेन यं अह्न विक्रियन्त्रें में क्रिन खेर के या के वर्ष या जानन विकारिय की ले जाने का अहम विक्रिक क्रिक क्रिया के का विकार के प्राप्त कर कराया श्रुप्तित्वार्यः स्वाप्तित्त्रः श्रुप्तित्वात्रः स्वाप्तित्वात्त्रः स्वापतित्वात्त्रः स्वापतित्वात्त्रः स्वापतित्वात्त्रः स्वापतित्वात्त्रः स्वापतित्वात्त्रः स्वापतित्वात्त्रः स्वापतित्वात्त्रः स्वापतित्वात्त्रः स्वापतित्वात्त्रः स्वापतित्वात्तः स्वापतित्वात्त्रः स्वापतित्वात्त्रः स्वापतित्वात्त्रः स्वापतित्वात्तः स्वापतित्वात्तः स्वापतित्वात्तः स्वापतित्वात्तः स्वापतित्वात्तः स्वापतित्वात्तः स्वापतित्वात्तः स्वापतित्वत्तः स्वापतित्वतः स्वापतितः स्वापतित्वतः स्वापतित्वतः स्वापतितः स्वापतित्वतः स्वापतितः स्वापतितः स्वापतितः स्वापतितः स्वापतितः स्वापतितः स्वापतितः स्व देर क्रिंप श्रेट्य प्रयापित हैं व प्रतिवाद व स्थाप व व विवाद करा है व क्रिया व कि व व व क्रिया व करा है व व व क य्रेट्री ब्रेंट्अट्यंत्रपुः विष्युच्यां द्वुः चार्याचे त्राचे व्याप्ते ह्या मुद्रा हुर्या हुर र्विट परिवासुका अहे न प्रकारपवार प्रवास प्रकार विया नका प्रहे । पर्वे वाका अहे न अळ द खें अड्रे या चुका द का पार्विय प्रकार हुद रहे दे

त.शूरी चन.चय.भिय.रच.र्ट.इय.लू.चेर.भुय.राज्ञेय.राज्ञेय.राज्ञेयाच क्या.प्राचीय.भूत.प्राचीय.सूर्ये. योथरा। लटा ब्रिनेबु मेराचुब कु न्यानबिवा कुर्वो वार्थर भ्रेना लटा क्रेन्या प्रश्ना करा कुर्वा क्षेत्र के वार्थ क्षेत्र क्षेत्र के वार्थ के वार्य के वार्थ के वार्थ के वार्य क ट्ये.लय.पट्ट.विंटी चे.लेंज.चया टेवे.टपु.टचेय.विंयाची या.पूट्य.ते.य.वीयये.ल.वीट्ययाच्या हे.बुट.क्य.वी.से. र.टु.से.क्ट्रिट.टपु.यर.लूट.टेया ट्रे.के.वेय.बूय.वी.ह्रे.प्सेज.बीय.पव्यू.चपु.वेट.क्ये.युश्ययाटीत्य्.येश्वयाडीय चैट्ट प्रमा चित्र के स्त्र के वु त्यन प्रायन वे में ने प्राया के वे जान कर महिला हो व स्वाय मिया के हिर्म सुर के राम प्रायम कर के स्वाय प्राय म् नयारपु तर्दु र र्डूर विराधार्या स्वा कृषिया ग्रीर र या ही वाया ही या विष्या वी या श्रुर या या श्रूर स्वाधार या अने या विषय या अ क्री. टेब. य. टी. लेल. क्री. थेल. टे. य. र्जवाया पश्चेता प्राप्त प्र प्राप्त क्रिंचीयान्यस्वाताः अस्तितायाः स्वातिक्रात्रात्रियाः विश्वानास्य विश्वान्यस्व विश्वान्यस्य स्वातिक्रियाः स्वात ह्मरःव्यास्य न्यात्रः स्थान्य प्रति । स्याप्ति । स्थान्य स्थाः क्षेरः वास्य प्रति । स्थान्य स्थान्य स्थान्य स् राज्ञिस्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य प्रति । स्थान्य स् <u> देतुः हे गान्तन्तरु पढ़िया । इययं गान्तन्ति नर्दुः ह पढ़ियार्थे दुन्यन्त हेवाया । वर्षः मन्तर्भ न्तर्भ विद्य</u>ा राइयम् ग्रीट वर्ष्वा त्रवा विराहित त्रवा श्री त्रवा है वायम है र यह महित्य है र वर्ष है र वर्प है र वर्ष ह क्रियं वर्षा भेरा वर्षा दे हो के वर्षा विवादी करा र विरक्ष पर्य अहें रे किया जिस्सा हा खेला निवाद विवाद वर्षा हो विर्वाद अहें र किया व क्रॅट.क्ट्र-विषयः श्रेट्रं याक्टर.च.जा वाय्यायम्यात्रे याचे याच्यायायात्रे राज्यायात्रे याच्यायायात्रे वाय्याया बुंबा र्नो नदे नदेबानेतेबानेतेबाला बिराग्रे ह्याबायान्त्राचित्राचित्राहे स्टूरां क्षेत्राच्ये न्यावेबाना विद्या प्रमान्द्राची से समान्द्री सूदाप्रमान्द्रिताची की देश द्वी में सार्ची मान्द्राची समान्द्री। वसमान्द्री समान्द्री समा ह्यामायात्रीहरमानुमाया राप्तार्थे दाप्तार्थे विषयार्भेषाः हेत्यात्राः मुम्यायायी मायायायायायायायायायायायायायाय वियातया अवेशान्त्वतार्ट्या हुंचा हुंचा त्रिया हुंचा त्रिया हुंचा त्रिया हुंचा हुंचा हुंचा हुंचा त्रिया हुंचा ब्रम्भः ब्रुमः चुंचानः स्राविषाः पविष्टः में क्रिकारमः त्यार स्राविष्टः चे स्वर्णान्य स्वर्यान्य स्वर्णान्य स्वर्णान्य स्वर्णान्य स् त्तर्यास्तरम् मुख्यास्त्रात्वे मुख्या मुब्दा मुब्दा मुक्याम्बद्धारम् स्वर् निव्यास्त्रात्वे स्वर् स्वरं स्वर् स्वर् स्वरं स्वर <u>लाट श्री ही वा केंबा मध्ये पर दे वा पर प्राप्त के वा पर प्राप्त के वा बाद पर प्राप्त के वा वा प्राप्त के वा व</u> तर्वेषाचा बोर्-डिषाणु बुदान नेदा। बोदार्थे नु बुद्धा त्रवेष वित्र निर्देश के विष्य के विष्य के विष्य के विष्य के विष्य के विषय के विष्य के विष्य के विष्य के विषय के व बेट्र मुः या पाते वा को सहें न व वा को दे पा के दे का की दे ती हैं। की को कि का पात के वा की वा की को का बेट व च.ज.चर्डेच.चथा टेरे.कुषु.लट.धूच.धे.झैर.झैट्य.तथ.के.औ.टट.क्.यूषु.सैच.थे.पट्ट.चुज.शट.त्र.चूच.थट.टेशज.चर.एचू.च्य.कैर.झैट्य.वथा वेट.

गुंपानेबार्बेटारे ज्ञूटानिवानका नेटारे वहें बाक्केबारा स्वानकी देवी प्रमेबाह्या है विकास महिला है। विकास महिला के प्रमानिकार का

न्नुते.ळेब.स.र्नुणी नर्जे.कु.कब.स्.चक्केरी बॅट.धिर्जयाजी.जयाजीशालीयो न्नुतु.कुब.स्.रे.ची.बी विश्वयाचित्राचे.कुब.स्. रेजीया.स्.चेया नियाचीराया के वे प्री विराधा के व प्री कु के पा के व प्री जा वर्ष व व व व व व प्री व व व व व व व व व व व व व व इंअप्तयर पाकेवारी पर कर पाकेवारी पर बेरा पर बेरा पर बेरा केवारी पक्ष पर केवारी क्रिया केवारी प्राप्त केवारी विवायं ग्री ख्रांचाबिया के वे त्रांचाविया के वे त्रांचाविया के वे त्रांचाविया के वे त्रांचाविया चर क्रेंबा नर्दर पायने रेथा नर्दर पामे हैं क्रियानमें विकास पा हर पामित है। मैंचा मैं पास कर पा विवासी वासे पास पास मा विस्तर्भाता क्षर हुन तनतावी पूर्वर में में हैं। देवान मूर्य पूर्व पाय क्षेत्र पाय के प्राप्त के न्विव्रुक्तंर्क्तंरावाह्यत्वंत्रात्वे र्नेव्र्क्चक्रेवं अह्ना नेविंद्रे हेवां संगिष्ट्रा राज्येवाचा निवास क्रिया विकास क्र मुन्नियानिष्यान्ति के स्वत्री के स्वत्री के स्वत्री स्वति स् नुंद्धुन्यायायात्रमुखन्याः विवाणूराद्वा व्यावदे तुर्वे व्याववायात्रमाराज्ञात्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान् क्रॅबॅ'र्रा ठब वेबॅ'रु बे खुबं पं बेवा वेबं रया वे र्वे अवा क्ष्या पाविन प्रवा र्वा वित्र वित्र प्रवा है वा बेर के बार्य के विवास है नावा स्वां पर है। ब्रैट्रिनमा मि.श्रम्प्रे प्रेच्ने प्रेच्ने प्रिट्रि. ब्रिटर प्राप्त प्र्युं प्रेच्ने प्रेचे प्रित्ने प्रेचे प्रेचे के अपने प्राप्त प्रेचे प्रेचे प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के कि प्राप्त के प्राप्त के कि प्राप्त के प् में र्षुट्यं विश्वर्ता श्रीत्र स्वार्ध्य प्रस्ति विश्वर्ता प्रस्ति । स्वार्य र्रिण दहिन ग्री मान्न मान्न मान्य दिन प्रति । प्रति प् मुन्ति मूर्य प्रमान कर्म केरा रे प्रमान कर्म प्रमान कर्म कर्म क्षेत्र मुन्ति मु चठवावर्चे के ले अर्दे हैं कुव वाबवें प्रवास्त्र कर्र वार्षिवा ला अहिवा संजू अं पूर्वि द्वे वाहिवाब संज के वार्दे वाविव हमा वाविव सम्प्र होता त्रमाल्वी,प्रवापतत्त्रम् वे स्थानापत् स्थानर् द्वाति क्षेत्रीय क्षेत्र त्या नासूर्षेत्रम् त्या नासूर्य स्थानपत्त्रम् विष्णात्त्रम् विष्णात्त्य बिनांची बारियाचा है। ह्युनाबां देवाया हिनाबा चिता है। हैं बचा बचा प्रतियाची वार प्रतियाची वार प्रतियाची वार प् वार प्रतिहें तथा पहिला प्रतियाची के स्वाया विकास के बचा प्रतियाची वार प्रतियाची वार प्रतियाची वार प्रतियाची व नुंअयं नूदं अह्यो नुंअं य नेवेंद्र य न्दं हुं मृंयस्। के गुव् के त्वेंद्र नेवेंद्र वें असे के के के ने ने ने मूं ने में ने में ने में के ते ने के लिया स्या भिन्न स्था त्रा निर्मा के स्था त्रा के स स्या भिन्न के स्था त्रा के स्था के स्था के स्था के स्था के शक्रेट्र. खेबा. बुध्यः स्वेषा. ज. खूब्यं ब. तया. क. कुंद्र. चुट्ट. व्यक्ष्यः कुंद्र. तया. व्यक्ष्यः कुंद्र. व्यक्षयः कुंद्र. विवक्षयः कुंद्र. विवक्षयः कुंद्र. विवक्षयः कुंद्र. विवक्षयः कुंद्र. विवक्षयः व देव के चुं पुर्याना वर्षेयां व नतुन् वाया या वी इसमान देन दे मुं समा चुन ची का नम्म न विना वे प्येवा के बादी के प्यान से मिना चे निवास के प्रान्त के प्राप्त के प्रा यंबा ही वा ही बार हो ने के बार हो है के स्वार है स्वार है से स्वार - क्षुय-५-५वॅटिया ८-७०१:यह्ण-७-५३:क्रॅय-इयय-ब्ले-पानुवा-पानुवा-पानुवा-पोन्य-प्रेय-विवा-पान्य-प्राच्य-प्राच्य-प ला.लूट्र.त.चेर्य.योचा.हेर्य.सर्यो कुर्वे.स्थर्ये.चुर्य.स्थर्ये.चुर्यःस्थर्ये.चुर्यःस्थेये कुर्वेयःस्थर्ये विवायःस्व्राचिर्यःस्ट्रेतः र्मण द्वीत्राने त्याने स्वाव निर्मेश्वर निर्मा प्रति निर्माण स्वाव निर्माण स्वाव निर्माण स्वाव निर्माण स्वाव निर्माण स्वाव निर्मेश स्वाव निर्माण स्वाव निर्म बर्परीयोत्तर्भे कर् क्रि. श्रा. श्रा. श्रा. श्रा. श्रा. श्री श्री श्री स्त्रा स्त्र स्त् यया प्रस्तित्वयात् प्रस्तित्वया स्त्रित्ति । त्या स्त्रित्ति । त्या प्रस्ति । त्य प्रस्ति । त्या प्रस्ति । त्य महार वर्ष निर्देश महिला के किया विकास मिला के किया के महिला के महिला के महिला किया किया महिला के महिला र्राट्याया बर्ग्या बर्ग्या शुर्णाया या बित्रा पालिक या पालिक या पालिक या पालिक वित्या पालिक वित्या या वित्या य बर्टी शिश्रु विनम् पूर्वे किर्म पूर्वे किर्म हर्ते विनम् पूर्य निम्न किर्म किर्म किर्म किर्म किर्म किर्म किर्म चुःकॅग्वेदिन्यःर्थे प्रमुद्देश्येद्वःयःदिवावीषां अधिवा नेत्रा वास्त्रा विवाय विवाय

त्तर्यात्रंयाः याः प्रतियाः पति विष्या मित्रे विषया सामित्र विषया स्वाप्ति । स्वाप्ति विषया स्वाप्ति । स्वाप्त बॅनवारा पर्दे प्रविधित सेत्र सेत्र प्रति निवार कारा देवारी के सार खराया है। क्षेत्र खराय के सार के सार सेत्र स खुअर्क्र-पान्तरः संपानेता भी खुनापानुसंस्पान प्रति के क्षा हु संस्था हु । संस्था प्रति स्था विष्य स्था हु । से सामित स्था हु । से सामित स्था हु । से सामित वृतित्याश्चित्रीत्र वृत्तित्त्र विक्षात्र विक्षात्र विकार वि र्मुव महर्ने ब्यानी क्ष्यां के निवास महर्में वाली क्ष्य मान्य वाली वाली का मूर्य महर्में के ति स्वास क्ष्या की महर्में का महर्में की એબાનેતે ત્યાર્વેદાવરામાં જનાર્યા જૂના તર્કે તે પાર્યેદાવતા કેરા કુંવા કેરા વર્ષો દેરા કુવા કે તાર્કી તે કર્યા છે. મું અપને કુંવા કે મું માં માને કુંવા કુ सट्या अक्षव न्यास्त्र त्या स्वाप्त्र वित्र प्रतिया वित्र स्वाप्त स्वाप पंत्रवाश्चरत्रे क्र. त्राये वाया ही या ही राज्या है। यह त्या विषय क्षेत्र क्ष क्रिंबा अक्रिंवा वी बावाबर है। अहर विवाद में विवाद हैं वा विवाद के सव्यायसंनु विताया होते क्षा वित्रायम् ब्रूट्री लट.श्रुवल.लश्.टे.लूज.च.कु.व.रटे.वा.म्.न्यल.वय.झैव्.क्रून्.च्रूयं.म्यौ श्चे.श्चे.य.दे.वे.श.म.्वक्रव्.कट.पटेंबा.म.टेंवट.नॅश्चेर.कुवी. લું કુંચ પથા નુંચન વસુર વસ ગુને તેને પાસે કેન્યું કેન્યું કેન્યું કેન્યું કેન્યું કેન્યું સ્થેના અનુ કેવા કું કુન કું હેન્યું આવી વાર્ચ दें लाद्दायि क्रिंचका ग्रीका बुवा दुवा द्वा दक्ष रदा शुका दुग्री लादिका ग्री कि तिका विकास ग्री हुदा। क्रिये दिवा मुना प्रवास का सहिता लबादुन्य विकास के त्या के पार्के पार्के पार्के पार्के पार्वा विकासित के विकास के विकास के साम के कि साम के कि गर्डट यन्त्रेत राक्षेत्र वियानमूर भ्रेत यका अर्वेट न र्डं या भ्रेका मुका स्त्र से स्त्र से से से स्तर्भ से साम यद्र मार्थ विभावना वित्रापान्य कर्षेत्र विभावना मार्थ स्थान क्षेत्र मार्थ स्थान स् पर्वाविषायम् नर्तेवानुविषान् उत्विनायर्गान् विष्टाकृ निर्वायान् विष्यायान् विषयान् विषया मिनेनांबाहेबामिन्द्रांबाद्रांचाद्रांचाद्रांबाद्रांबाद्रांबाद्रांचाद्रांबाद्रांबाद्रांचाद्रांबाद्रांचाद्रांचाद्रांबाद्रांचाद्रांबाद्रांचाद्रांबाद्रांचाद्राच्याद्रांचाद्राच लट् योभेवाबा देव हिंबा की यादव कर बहु का किया में बहु की खेत यो की सम्मान के का साथ में की समाय में की समाय में ताक्चीरयात्पविष्यात्पात्री व्रीयात्पर्यत्याय्येषात् व्याप्त्राचित्राय्ये व्याप्त्राचित्रायः विवाप्त्रायः विवाप्त्रयः विवाप्त्रयः विवाप्त्रयः विवाप्त्रयः विवाप्त्रयः विवाप्त्रयः विवाप्त्रयः विवाप्तयः प्रदासित मुन्दे ने स्वाप्त स्व प्रदासित स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स चं के बा बिदा कर में है वा मुबबा अया दा कुवा बा ये वा दा के बाद वा दा के पार्ट के बाद के बाद के बाद के बाद के व र्थेव वया है दारे पहेंच वे विदायर ठवे क्रिया बाद युंदाय ये पर्वे प्रवेति पर दाय है वा पाद्र या स्थाय स्थाय कर पर होंची है वर्ध के बाद मूँ हो न्यायविवाया वया निर्मे क्रिया के स्वाप्त क्षिण कर्या स्वाप्त क्षेत्र क्षेत् सुंभान् इस्रमाञ्च स्वाप्त स्वाप्त के से से नियार पर्य परिवा वित्र मास्य स्वाप्त से र प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स लारदानीबातहुनापाद्दा बे बाधेदाराबंदार्रेकानर्ज्ञेत्राचा होता स्थान होता स्थान होता है बाह्य स्थान स्थान स्थान

<u> भैयः धूत्रातालः भैत्याश्वात्रकः वृत्रात्वाययात्वात्वात्वात्वात्वायः यत्यात्वात्वात्याः त्र्यात्वायाः यत्यात्व</u> त्रावर सरक क्रिक क्षेत्र स्वाचार का क्रिक प्रति है है कि क्षेत्र स्वाचार का क्षेत्र स्वाचार के क्षेत्र स्वाचार स्वाचार के क्षेत्र स्वाचार के क्षेत्र स्वाचार स्व त्त्र म् व्याप्त मान्य म म्वायम् मार्यास्त्र क्षेत्र मार्या विष्य प्राप्त क्षेत्र क् केवं :ॲबःयह्दं वबःवक्षेवं :घरॅ :ह्वाबा चु:एंबः पुंचारकं कुबः क्षेयः प्रदेः श्ववं :ऋरः चिवः पबः श्ववाबं :चैवः व केवं :ॲबःयहदं वबः वक्षेवं :घरॅ :ह्वाबा चु:एंबः पुंचारकं कुबः क्षेयः प्रदेः श्ववं :ऋरः चिवः पबः श्ववं विवाधः व वार्या शुर्या हुं संन्तु प्राचित्र प्रदेश क्रिया क्रिया क्रिया विवास दिन्त प्राचा विवास हिता प्रविद्या प्राची या विवास विवास विवास क्रिया विवास क्रिय इय्ययम् विद्नुत्रियायाय्यात्यम् अर्थे अर्थे व्यवस्था विद्युत्री विद्नुत्री वि नित्र देते हें बाबु देवी नेते निवेश पढ़ियायां पार्य देवी विद्या खेया विद्या है जो जो जाना विद्यासक स्वार ही राय चेठुं द्वाप्य यं अविदर्भे के स्थाप च विवासे प्रेम क्षित्र प्रेम के स्थाप प्रमान के सम्बर्ध के स्थाप स्थाप स्थाप चःलाव्याचीर है हो नापर लेवर हो यो नापा रहे तो हो र स्थान के स्वाप लेव में विद्यान के से कि मान के से कि से से कि से से कि से मान के से कि से कि से से कि से चर्चान् न्यूयाक् क्रिक्ट हुत्तर त्यू हु ही स्पर्वे नार्वे यापिव या सहर् ही क्रिक्ट होता स्थान स्पर्व स्थान हिन्द स्थान स तिविद्यां या विवादिता है से बिहे का महिला में महिला महिला है महिला है महिला है महिला महिला है महिला महिला है म ्ट्वो द्धलायह्ट्री जू.धे,वे.क.ज.ज.चेश्वेय.तर्राहूतोया क.चर्थे,क.चश्चेतालाचर्यय.चूट्टाचीट्य.यर.चूची चैवी.क.त.जीय.क्यालावीट्य.यर. चुंबी के बिहा के बहुत हैं हैं के जानी वार्ष पर क्षा हैं है जा महत्ते के कि कि के कि यार्वेच ए क्रेंब क्रेंट वी क्षु यार्टेन संपठक संपवि खुँबा वडी खिट सं क्षु बट क्रिय क्रुय क्रेंब वेंन्यय हेट बा चव ने ने प्राप्त वर्षा ने ने ने वीं प्रमाणिहें र अप्पेर्ट पेरिय पीन्य यो पहें व क्या पर्य या माने के किया हुए विचार क्या प्रमाणिक स्थापित हो म ॻॖऀॺॱॻ॑ॸ॔ढ़ॱॺॱॺॾ॔ॸऻॱॻॏॖ*ॺ॔ॸॱॺॣऀॺ*ॱय़ॾऀॱढ़ॎॖॸॱॸॺॱॸॻॕऻ॒ॸॺऻॱॿॖॱॶॣॺॱऄॺॱॸख़ॆॻॺऻॱऄॱढ़ॖॎऀॱढ़ॺॱऄॗॻऻॺॱॾॣॻ॑ॱॻऀॱॸॸॱॻॸढ़ॱॺ॑ऄॸॱय़ॱय़ड़ॱॿॢ॓ऻ क्षित्रवास्त्रेत्रविद्यात्रेत्रविद्यात्रीरार्ज्ञत् विद्यात्री स्वित्रवास्त्रविद्यात्री विद्यात्री स्वित्रवास् र्वोद्रां अपने के दा श्री का श्री का मुनि है ने हा महिता है अदार के स्वाद महिता है का लगा स्वाद के नाम के महिता दंशःबुश्रायः ब्रे ने परि स्वितः वर्षा अप्ते अनुवाया निर्देश पर्देश वर्ष पर्देश वर्ष में के प्रति में वर्ष के प यक्षश्रम्भयत्व विषयः व विट सुं ब्रिथ.ज.प्रियम बटय.मु.कु.च.र्टेट.शक्क्.बै.च.ज.रेग्.क्ष्ज.शह्री शक्ष्य.क्ष्ज.हिशय.वेय.रच.पे.चयेगबी परेज.च.सूर्याय.वायय. यं कु किर अहि । वु सुया दु अहम कि यह है कि या क्षेत्र कि यह कि यह कि यह से देते. दुवा बु: पावां प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र क्षेत्र प्राचित्र विवास विवास क्षेत्र प्राचित्र विवास क्षेत्र विवास क् यः र्ह्वेयापानुमा सुन्याने वृत्रायापाना प्राप्ताय सुन्या विष्वास्य यो स्थापान स्थापान स्थापान स्थापान स्थापान स रट स्त्र के नर्थ के से सामिताया है ते हिया सामिताया है ते हिया सामिताया में सामिताय ्रहें या ता वियो पर्या के ता के त के या ता वियो पर्या के ता क <u>न्ता ने हे बज़िर्र त्यूं वा क्वान क्षेत्र के खें होतु प्यंत्र त्यं के त्यं पक्ष प्रदेश पर्यं के वायर होते । होत हा क्वान स्वान स्वान के वि</u>

५.४ जुःखुवानदेः ह्येन सदेः स्नूनश्

कुं अप्तु यानामा भ्रम् या म्रीट्य के ने संसद्वान संस्थान स्थान सिंध मिला हिंदा मिला सिंध मिला सिंध मिला सिंध म व्रियान्विन ने ने के देश होता हो ता त्रिया है। ने प्राप्त के विकास के प्राप्त के विकास के देश के विकास के प्रा चलुंगेबरपंत्रमा ग्रायपं वराया वृत्यंयाच इत्यंयाचे इस्रवाचे हेवा पराया विज्ञान पराया है विज्ञान हो। द्यापर्वा मार्चान्विकारामार्थाः मार्चान्यायामा विवादा क्षेत्रप्ति ना मार्चान्यायामा विवादा क्षेत्रप्ति क्षेत्रपति कष्ति क्षेत्रपति क्षेत्रपति क्षेत्रपति कष्ति क यो चि.लेज.बी.क्षेयकाअकूर्ते.वोषकास्त्रवायक्षेषी ४८.जू.खे.ची.याचुकाताक्षेवीकाकू.लूबा.जाजीकाणाका.बी.वी.वे.बय.बूची कूर्वाकातायद्वेथाता. पिषटिको प्रवे.वोश्वेत्राताजापूर्वेत्रात्ताचुकात्त्वेत्रात्ताचे विषयाताचिकात्त्वेत्रात्ताचे विषयात्त्रात्त्रात्त निबाकि निवास के निवास प्रिट्या हेर्न्यविष्याराश्चार्यात्र्यात्राम् भीताह् नर्द्धवार्यायां याचीयारा क्षेत्रायां विष्या दे नित्र विष्या सामित्र विष्या प्रतिष्या प्रतिष्य प्रतिष्या प्रतिष्य क्षेत्र^{भु}त्रभुत्राच्यात्रम् प्रतित्रात्रात्त्रम् स्वत्यात्रम् स्वत्यात् स्वत्यात्रम् स्वत्यात्रम् स्वत्यात्रम् ज्रात्मा विषया स्त्रीया त्या में वाया है स्त्रात्मा स्त्रात्मा है स्त्रात्मा है स्त्रात्मा स्त्रात्मा स्त्रात्मा है स्त्रात्मा स्त बटबाक्रियां मुंद्रान्तित्वां हे. मुंजाने हे. मुंजाने हे. मुंजाने हे. मुंजाने के मुंजान कुर् मिलास्य प्रित्या वित्या प्रमुद्द स्वापार क्रिया क्रिया स्वापार प्रमुद्द स्वाप्त स्वापार स न्युः संगठिग् पर्वे द्राह्म विष्युत्त स्वार्थ विष्युत्त विष्युत्त स्वार्थ स्व योव्यान्य स्थान्त्र मा स्थान्य लायविद्या चळ्चवि लागायामा राज्य हिंदी केरावियामां लांके यार चर्षेत्र पर हैवाया सूर्य देव नर्यर व्यव से विक्र के ने पर लीलाचपु.बटबाम्बर्स्.मू.स्थ्रबालाचर्हेच्। बू.बाधुबाचषुबाचपु.बा.चू.बी.लाबर्ये.बर्.बू.बूची पर्टबाबर्यः व्यू.चू.चू.चू.चू.कू.ता क्वेब बट ने न्यय पन्दें के क्वेच प्रेव के बिंद प्रेव के के बिंद प्रेव के बिंद के बिंद प्रेव के बिंद के खुर्याचते सदम् कुम क्रेंन यं या चहेन ने महीपाम क्रेंट अहरी हेन प्राप्त प्राप्त प्रचीपाय प्राप्त ने सम्मित्र के स्वाप्त ही या है। ये हैं ने यं कु कें प्रेंब प्राप्त के विदेश के प्रमुख के प्रिंट र्यूट चुर नु पर्वा के प्राप्त के प्रमुख के प्राप्त के प्रमुख क बद्बः मुक्तार्द्द् चेरः दी बे के दि हि ता वृद्धिता वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा के वा के चन्नेव पर्र स्वांचा केंबं पर्वर मिर प्रीर चित्र मुंब पर्वे मुंब का या ह्युव के रिव पर्वे प्राय पर्वे वा पर्वे प्राय केंब्रे पर्वे प्राय प्राय केंब्रे केंब रट्, जू, धेर् तपषु, में अ. जू. में वीयाया पर्ट, वीयायाय अ. ही. जू. जू. मां स्थान प्राप्त नर्पर्य, में अंग ही. मं अ. प्राप्त में सावया क्रया ना स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स नवर वें दी कुं बें सूर या सूर कं वें दें चुंर रेर ये ब्रुट्या कें पठु या यह अन्युट्य रेव केव केट वो वें विनय ये वी त्वाय विवार क्त्या ऑक्टर्या अपन्य क्रिया स्वर्मा क्षेत्र स्वर्म से देन से दाया वास्त्र स्वर्म से वे स्वर्म स्वर्म से वास्त्र से व व्यभिवामा म्र्येनवीय स्थान प्रमाल प्रम प्रमाल प्रम प्रमाल हेर्या ग्री सुर्धेया या हेर्ग्य के ताप स्था हिंग्येगया दिते छैं। या मेटा यहार्गाया चु क्रें ताप ग्रीमाया दे हे या ग्री यो हिंग्या हेर्ग्य क्रियाया है या में प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप

कूटा विकासप्रियक्ष्य स्वीत्वाक्ष्य स्वात्व स्वात्व स्वात्व स्वात्व स्वात्व स्वात्व स्वात्व स्वात्व स्वात्व स्व स्वार्ष्ठ वार्ष्य स्वात्व स् स्वात्व स

५.६ कु.स.सह.स्रेचश

नु'मनर'र्रे' विण'र्देर मुस्र 'त्रम्थर'र मुन्न 'र'मविद'यद'र अद्रम्य अद्रम्य अस्ति। प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक प यंन्यन्द्रायहोत्येन् भ्रितं यंत्र नेत्रित्य प्रत्ये केत्र प्रत्ये विषयात्र में विषयात्र स्त्रे प्रत्ये प्रत्ये जृति.ज.पश्चांत्री वीर्यंत्र प्राप्त वाप्तान्य विवान्त प्राप्त गांभार्नों व रायनिया ग्राया परायर वर्ष यम् उत्राय के वाला है। दें लां है। यह वाला व रायन व रायन व व रायन व व रायन द्रात्तर् श्रद्री र्सिर्युत्प्रित्र्वार्थे द्रार्क्त्रा द्रिया द्राया विषया वि ने धीवा नर्गेव पायते सुळेव ने पोयते प्रवेश पावेव श्रेतु सुरास्ति । श्रेतु सुरास्ति प्रवेश स्ति पाये प्रवेश महिन प्रमान मार्थिया वारा प्रमान के स्वर्म के युष्ट्रीयःजात्तान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् भूषाक्षित्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् न्दर्भेर विद्वर अदे वहें र अविवान श्चेनका देवा दब ग्राट हैं में न्दर अहल नदे नुका कुं न्दर में र दिर विदेश विवास के विवास हैं में हैं म्रम्याया है स्थान निवेद र म्राचित प्राप्त प्रमा सुराया चुराया प्रविद्या म्रम्याया सुराया प्रमाय स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप वेया र यावनवा ग्रीवा हैवा हैन वान निवास मान है है स्वयं प्राप्त हो है स्वयं के देन श्री वान है वा स्वयं स् च्चेत्र'क्चनब'संह्, प्रमा नृत्युः शच्चमार्थेत्र में सुर्था होत्र प्रमानी प्रमानी क्षेत्र प्रमान के स्वाप्त क्षेत्र निब्द व्यादेष निश्चेत्र मंत्रे व मान्य दिन प्राया व निव्या मान्य व निव्या मान्य व निव्या मान्य व निव्या मान्य व याययः त्यायायः विष्यायायः विष्यायायः विष्यायायः विष्यायायः विष्यायायः विष्यायायः विष्यायायः विष्यायायः विष्याय याययः त्यायायः विष्याः विष्यायः विष्यायः विष्यायायः विष्यायायः विष्यायायः विष्यायायः विष्यायायः विष्यायः विष्यः विष्यायः विष्यः विष्यायः विष्यायः विष्यायः विष्यायः विष्यायः विष्यायः विष्यः विष्यायः विष्यः विषयः विष्यः विषय यम् बुवान्गर्यं विवास्तर्येत् त्रेवारे वकावर्षेत्रं के केता है व अहे वे विवासित्रं याववत्र के अत्य महिनास्तर्य विवासिक वित्रं के विवासिक विवास यास्त्रीयान् सह स्वर्णा के या से विष्या के ता सह ने प्राप्त के स्वर्णा स्वर्णा सह स्वर्णा स्वर्णा सह स्वर्णा स

पर्वर न्यत्रहुवार्स्वा वर्षा अस्ति चर्षेवे तपुरं मुश्रांत भिष्याता विशेष्य ताता स्थित अधा मुथ्य मुश्राम् मुश्रा प्रविश मानेबर्ज्य केंब्र मानेबर्ज्य मान्दर हेंबर में ही मानेबर्ण न्नानिक्यां महिला महिला हिनका निर्मा महिला सरपड़्या है खुनाया बिट कुट वा कुब नगरे वा कुट रेंट च न्टर चर्डें ब्रुट्टे के विट चुन का केंट्र अटब या नरे ही अव कें चर्च निवासी कार केंट्र श्चित कु श्रीवा श्वर पुरान के श्वर प्रकार के यो क्षेत्र श्विश्वर स्तर के ता अवाया परि के वाया प्रकार स्वर्ग में एक स्तर के वाया में स्वर स्वर्ग में एक स्वर्ग में प्रकार में प्र हैं। तें 'सूबार्य' त्या बेंग्ने प्राया प्राया क्षेत्र वा प्राया प्राया है । वा प्राया क्षेत्र क्षेत यां त्राच द्राच के प्राची मिनेनामा निने निते प्रमेस मिने के कर्षे प्रमे निर्मे हैं निस्य मिने प्रमास मिने प्रमास मिने प्रमास मिने प्रमास न्यो र क्षेत्र के व र्य सि न व व जी का वी का वा व का पति यह किया को अका ने पता के व र्या सि स विवा पार्व व की का व व का पति का व किया पति का व किया पति का व किया पति का व किया पति का व मिने बार्ची हैं नार्वा के बेहिंग निर्देश में प्राप्त के किया मिने कि ब्रिट वी गर्रुग लग तिर है नेर्वेद न्टर चर्क रामित रहेटा वर्षे मिर्द नेंद्र के के देश अही किया मिर्ट में है निर्वा रामित है निर्वा प्राप्त है निर्व प्राप्त है निर्वा प्राप्त है निर्व प्राप्त है निर्वा प्राप्त है निर्वा प्राप्त है निर्व प्राप्त है निर प्राप्त है निर्व प्राप्त है निर्व प्राप्त है निर्व प्राप्त है नि चक्कित्रहें इंग्लेहेबं पाइवाबार्क्स प्राचीवाबा दिन्ने राष्ट्रीया के विद्या में हिंदा में हिंद में हिंदा में हिंद में हिंदा में हिंदा में हिंदा में हिंदा में हिंदा में हिंदा मे हिंदा में हिंदा में हिंदा में हिंदा में हिंदा में हिंदा में हिंद में हिंदा में हिंदा में हिंदा में हिंदा में हिंदा में हिंदा मे हिंदा में हिंदा में हिंदा में हिंदा में हिंदा में हिंदा में हिंद में हिंदा में हिंदा में हिंद विवान्त्विवान्यः स्त्रां विक्रियः स्त्रां प्रत्याः भूतः भूतः भूतः स्त्रां भूतः स्त्रां भूतः स्त्रां स् ढ़ॕज़॑ॱढ़ॸऀॱॠ॑ॺॺॱॿॖॎ॓ॸॣॱॻॖऀॱख़ॱक़॔ॱॸॖ॓॔ॸ॔ज़ॿॕऻ॔ज़ॸ॔ॱढ़ॸॖऀॹॱॻॖ॑ॺ॑ॸॆॱॴॸॻॣ॔ॹॖ॑ॸॱॴॣज़॔ऄऀज़ॱढ़॓ॿॖऀॱॿ॓ॺ॔ॼॗ॑ॱॸढ़ऀॱॹॱॿॖॕज़॔ॺॱक़ॗ॔ॱ॔ॹ॔ॸॱढ़ॕॹॱॹॗॹ॑ॱॿॖॸ॔ॱख़ॖॸॱ ब्रेबंबर्नित्र देव क्रेवर्नितर वेष चूँचर ब्रेज्य हर्ष व्यन्तिया हो हैं वा चूँठवा ने व्यक्ति वा केवा ने रहा मुंति वेष चूँचते वा हुँवा वा वार्ष बु:चुट:कुंच:बेअर्च:दुर्गतं न्नूयःबेद:बेट:हर्ते न्रु:चेर्चर्यं राज्यंदायं विवादी न्रुवादी न्यूंचे विवादी राज्यंदायं विवादी न्यूंचे के विवादी न्यूंचे विवादी न्यूंचे के विवादी न्यूंचे न्यूंचे न्यूंचे न्यूंचे न्यूंचे के विवादी न्यूंचे न्यूं चय्यात्मयात्रात्त्रीत्त्रे विर्वायात्राप्तात्रे के हि पर्द्धविष्यात्रात्मा प्रवित्तात्रे विष्यात्रे के हि पर्द्धविष्यात्रात्मा विषयात्रात्मा विषयात्मा विषयात्रात्मा विषया याद्यात्वा म्यूपालवा म्यूपालवा म्यूपालवा प्राप्त म्यूपालवा म्यूपाल ॻॖऀॱॼॖॱॸॱक़ॖॖॸ॑ॺॱक़ॆॺॱय़ऀॱॺॸॱॸॖॱॺ॑ॾ॔ॸऻॗॱॺॖॺॱढ़ॏॻ॑ॱॻॏॱढ़ॸॖॺ॔ॱॸॖॹ॓ॺॱॻॏॱॸॻॺऻॴॱढ़ॸॖॺ॑ॱॺढ़ऀॱॿ॑ॣॺॱॸऒ॔ॸॱॺॾ॔॑ॸॱॴॱॸॆ॓ॱॾ॑ॺ॑ॺॱ ॻॖऀॺॱॺॱॿॺॱॸॺऻॱॸॖऻॕॺ॒ॱॠॕॺॱॸऀॿढ़ॱॻऻॹॖॸॱॻॏॴ॒ॸॹ॒ॱॸॹढ़ॻॹॱॻॏॱॸॻऻढ़ॱॻऻॸॺॻऻॴॱढ़ॸॖॺ॑ॱॺढ़ॎॱॸॺॻऻॹॖॸॱॸॺॱॺऻॹॸॱऄॿॱॸॊ ट ब्रिन क्यम के कि प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के कि प्राप्त के मान के प्राप्त के प्रा चविषायते स्ति। तार्वे चासद्दानी पराज्यान्ते वे श्रास्तानुष्याया भ्रम् निर्वे विषया विषय विषय विषय के प्रविक्ति में स्ति। इ.च.टुचा.ज.चारुचाया चेटु.चारुचायाकुर्व.चूयाचाटयायाजु.धु.सी.इ.स.चश्चेत्याट्री चैची.टी.इ.स.स.ज.चारुचाया श्रेत्र.चूयाताचूयायी.व्याद्यायीया टी.इ.चढु-चढुना ट्यूच क्रूंयाजुयाचेट्यायराजू.चढु.चटी.इ.चाढुयाचावाया यटालूयाचाचाचाचायाचायाच्यायाच्यायीयाच्याच्या स्वित्तान्त्रीत्याने स्वित्तर् स्वायानिताया यदायेवाया वित्यान्यान्त्राचित्रयाचीत्राचीत्र्यान्त्राचीत्रया चर्य या प्रचित्र मात्र म र्तृत् क्षित्रायाः स्ट्राय्या व्यार्ट्यून् इत्यायाः क्षित्रायाः क्षित्रायाः स्ट्रित्ये प्रत्ये विषयाः स्ट्रित्ये विषयः स्ट्रित्ये विषयः स्ट्रित्ये विषयः स्ट्रित्ये विषये विषयः स्ट्रित्ये विषये विषये विषये स्ट्रित्ये विषये स्ट्रित्ये विषये स्ट्रित्ये विषये स्ट्रित्ये विषये स्ट्रित्ये विषये स्ट्रित्ये स्ट्रित्ये विषये स्ट्रित्ये स्ट न्श्रेन र्ञ्जेय छेव र्ये अनुवार से हाथ प्राप्त वित्र वित्र वित्र अवायान्व वायानिक वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र इति वित्र वित् <u> २ को २ : क्र</u>िय:के व :र्ये : प्राप्त : प्रापत : प्राप्त : प्राप

५.१० नर्वोद्गःयायवे नुःग्रायायान्यस्य सामान्यस्य सामान्यस्य स्वीत्रायस्य स्वीत्रायस्य स्वीत्रायस्य स्वीत्रायस्य

महर दुर्ग भेटा महिंद हु. भर्म हु. हुट हिर प्रेष्ट्रेव पर हैं महा पर्देश न महिंद महिंद महिंद है है है है है महिंद हिर प्रेष्ट्रेव पर हैं सुंकुंट न शहर में शहर मा गां याना वियान सुर्देशका था वियोधहर्ण केंबा क्रेंट अर्में वर्ष वियान विवास है में ब्रेलु:बुर-य:०।विव:तुं:प्र-प्र-वेब:०।वेब:वोबाबी प्रवेब:ब्रेलु:बुर-य:०।हेव|बर्य:दुर्व:पुर्व:बुर-यते:ब्रेन-विव:प्रवेब:वब:विव:वी:ब्र र्यात्रस्ता अद्देत् त्रुत् सुर्यायिषाया देते र्स्नेत्य अर्भेर के दर्शनेत्र के त्रिया विष्ण चेत्र के त्रिया स्तर्या स् क्रुयाम्बर्धाः श्रीता श्रीता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स विया हैता. व्ये. क्री. परीश क्रू. प्रवृत्या ट्रेप्ट. ज्या ही ज्या ही क्रि. ज्या ही क्रि. ज्या ही क्री. हिता विवाय क्रि. ही क्रा. ज्या परी क्रि. ज्या क्र. ज्या क्रि. ज्या क्र. ज्या क्रि. ज्या क्र. ज्या दुःशुःद्वः अष्यः तन्त्रः त्रां नितः यन्त्रः व्यान्यः यन्त्रः याय्यायः यन्त्रः त्रां योक्षयः स्ट्रेन् विष्यः श् द्वाः स्वयः श्रीक्षयः त्रेन् विष्यः स्वयः स्वयः स्वयः याय्यः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स दुःशुः स्वयः श्रीक्षयः स्वयः स्व हूँवाया ५२७५मः श्राययः त्रम् तश्चेत्रया श्चितः त. जु. श. यहं रा चयायः वार्ययां क्री. वार्ययः स्थयः श्चेरः हूं श्वयः ज्यायया द्विवा हु र वां श्वयः वर्षायमें र्देव अह् ह्या ख्वा बेर च हर्मेव या कुषा मञ्चा पर्व चेरा रेट न्नेय ह्या मजुर वर्ष पहुंच सुधार में ही परि यो पर्व पर्व से प्राप्त है । मेंत्रेवाका देव. वार्य वार वार्य वार वृद्'त्वेष्ठेव्यत्र इत्वेषा अर्'स्वयायां प्रति विष्ठेवी ट्रेव वियुवायाया हियाँवा त्यां यह स्त्रीय अहेती विदे खरा स्वर्ण के बार्चे प्रति परि चलारा प्रचीयात्रा त्राचानायात् चीनाया प्रचीया पार्ट्र हिनायां वा प्रचीया प्रचीया प्रचीया विज्ञा हिनाया है विज्ञा है। विज्ञा हिनाया है विज्ञा है। विज्ञा है देशक्र न्य मुन्न प्रत्य या दुबासवत प्रेवी वापर्रापक्षितायते कार्य के प्रेपित के न्दं के अवः ठवः ग्रीः नेंदः कुः केवः यें 'अहं नं वं वाकु कें 'श्रानः वाकेषावा ने ते दे श्रान्य वाका वाका वाका व विवादा ह्यास्य क्रियास्य प्राप्त मित्र म् मित्र प्राप्त मित्र मित्र प्राप्त मित्र मित्र प्राप्त मित्र म યસ્ર્રી લદ્ગેલું નર-દુ-સુર્ન-શું પ્રથ-દેશ જેવ સેંજેવાય શુઃવાશુદ નલે સેંબ સજન પર્લા ફ્રિયાસ્રુવા હતું પાલે વાદન गाः अंधान्द्रायाः वार्ष्ट्रियायकुन्द्रान्द्रायस्य स्त्रीत्रायाः स्त्रीत्रा

५.११ हें भें हे ते क्षेत्र न कुर्मावद की में कुष क्षेत्र वार्य सम्दर्भ परि स्नामा

च्यातान्त्रं विष्याची विष्याची विष्याची विषयाची स्वायं विषयाची स्वायं के स्वायं विषयाची विषयाची विषयाची विषयाची विषयाची स्वायं विषयं विषयाची स्वायं विषयं विषय

त्राचित्र व्याप्त के स्वति स्वत्य त्राचित्र स्वत्य के स्वति स्वत्य स्वति स्वत्य स्वति स्वत्य स्वति स्वत्य स्वति स्वत्य स्य स्वत्य स्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य त्विता पृञ्जीतमञ्जी ये श्रिः संस्था देन देन देने देने देने हैं भ्रमः श्रित हिर सम्माने स्थान स् नु लेपा र्बेर प्रमें ब्रुप्य प्रदेश हो श्रुप्य प्रदेश हे के लाश्चर्य प्रदेश हो त्या स्थान होते । त्या प्रदेश हो प्रद ब्रह्मा निष्या वित्ते प्रति । क्रिया क्रया क्रिया क्रिय दक्षेत्रमासुन्। इरायराम् द्वीयविमालमानादाराम् विद्वा । मुन्यसूत्रमाहेदान् वो पश्चेत्रमानादारमाना । इरायराम् व तहें व र न्यां र न्यां न्यां न्यां न्यां व यां र यां र यां र यां र यां र यां र यां प्रत्ये र यां यां र यां प्र त्रापर्य तु क्षुवा रुअ पार्य केंद्र त्युवा कु व्याय केंद्र है त्याद्वित्यां ने रचकु न पार्य केंद्र त्या केंद्र प्याय केंद्र प्रायय केंद्र प्याय केंद्र प्याय केंद्र प्याय केंद्र प्याय केंद्र प्रायय केंद्र प्याय केंद्र प्रायय केंद्र प्राय केंद्र प्रायय केंद्र प्रायय केंद्र प्रायय केंद्र प्रायय केंद्र केंद्र प्राय केंद्र केंद्र प्रायय केंद्र केंद्र प्रायय केंद्र कें धाया क्रें ह्या केवा या अळ दे वि अळवा दे सूर पळवा वि अळवा छे यां हाया दे दी। हें यें हे याया ळें यां यां प्रहें या हें यें या यह या वि से इंशाइय्रयाक्कियान्तर्भेतान्तरे नदाकेव प्रदायां सुरायहिता प्रमृत पर्वेता पर्वेता स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा से दार्थित र्में वियानया केटा वियान के त्या के त्य के त्या के त्य कें तदें ह्विबार्केट महाट । दे विबार्ट कें मुनेमबाहे बाह्य हो बेट के अट कें बिमा यो हो ह्वें दिन हो के महिना के महाट हो है है बार से मिना या हो ब्रेट र् र्डेंब वया है अर् र्हे प्रेट में अर क्रेंय बहुन् ने रेट वे पानवार प्राचेर श्री क्रियं प्र राज विपार है प्राचे के विपार है पान के विपार है जो प्राचे के प्राचे हैं पान है जो है जो क्रियं प्राचे हैं पान है जो जो कि प्राची के प्राच बि.चार्बेट.वेबा ट्वा.चनेबा.क्रेंब.ताजा ट्वा.चपु.चनुबा.चीनुब.ताज्याबा हिट.जा.ह्.च्यु.चाट्यबा.घयब.क्ट.त्या.चया.चहु.हु.क्रंजा.टे. बॅटतं न योग्रं रोबं। देवा गुर्ट है। यदं देवा गुर्ट है। यंदर है। यंदर हैं में ती प्रत्य कार्य में हैं का गुर्ट है। यदे हैं के गुर्ट हैं के गुर्ट न स्थान हैं के गुर्ट हैं के गुर हैं के गुर्ट हैं के गुर्ट हैं के गुर्ट हैं के गुर्ट हैं के गुर . इंट्र वृंब्र के प्देते के बंदार के वृंद्र पाया विवास के प्राप्त विवास के बाद के विवास के बाद की बाक विवास के श्चे संह्या श्चे न्या के न्या के स्वाप्त के स र्टा बिवाया प्रविचाया प्रवास विवाया परवाया प्रविचा चित्र प्रविचा चित्र प्रविचा चित्र प्रविचा विवास व ब्या ने तथा थी जिस्सा के स्वाप्त के स ્રેર્વા વેયાના ક્રેત્રયા ત્યા છે. વાર્ક્વા ત્યા વારા તે ક્રેયા તાલે ક્રિયા તાલે ક્રેયા તાલે ક્રિયા તાલે ક્રેયા તાલે ક वायान्त्रियासुर्यित्या प्रमृत्यित्या पर्युत्ताया वायान्या स्टान्त्रा वित्ता स्टान्त्रा वित्ता ૄ ૹુવાયા શુ-૧૭૦૧, ત્વાં તાનું તાનું સું તાનું સું તાનું સું તાનું સું તાનું સું તાનું સું તાનું તાનું તાનું તાનુ સું તાનું સું તાનું તાનું તાનું સું તાનું સું તાનું સું તાનું સું તાનું સું તાનું સું તાનું તાનું તાનું તાનું र्वेष'गर्वेर'वेष'वेष'ळेष'ळेर'छेव'र्य'भ्रेष्ठ,'प्रश्चेर अट'र्स्याचीष'र्हे'ये'(बुब्र'वृषं'र्त्युं'अद्वे'सर्व्'ने''रे'अट'अर्ह्त् न्ट्'येर'र्घ्या'वेषा च्यात्र प्रमृत्य स्त्र विवास मान्य स्त्र स वेत्रवाही है विते केवा वाना के वित्र अहर पार्धिया देवे निर्मे वार्षि केवा के वित्र हों के वा के वाना निर्मा वा वित्र वा मार्ष्य वृत्ते दुर्म वृत्ता वृत्ते हुन्न वृत्ते वृ विशयं वर्षित्रं के के र्रेट पहुंच तार्यवारा स्थाया हैव रेट या वर्षा के स्वार्थित के प्राप्त में प्राप् बेशर्स्वाची र्येन पर्वाचित्र पर्वे बेश विकेर हैंने ही बड़े हें बहु नर्दी चर है हम्म दार विकेश विकेश वहें वी पर दें मुग्ने क्रिन्वमायके योग्ने रेश्वेरमञ्जयि योग्ने अदयः देशस्त्राचित्राचे त्या प्रमायके या में मान्या में स्वर्धित क्रिया में स्वर्धित क (ब्र.च.चूर चर्चा चङ्के प्रःक्षयः स्वाक्तयः चर्चा चार्चे वार्चे व श्चॅर चेंद्र पु.चेंद्रा चेंद्र प्रप्राप्य प्रमुख स्वापा बुक्ष प्राप्य प्राप्य कि गोहि वालिक प्राप्य के का विकास के वा के का कि का

नह्र. ५८.। च.५ इ.२.६.ज. ब्र्वीब.त.ज.र्बीब.ब्री.वायय.त.लेट.शह्री श्रे२.त्र्रे. वीययी पश्चिर.शट.त्.ब्रह्र.त.लट.रवा.क्रुट.खेय.थे. त्रशुर्राचर्चरा त्रीशुर्रास्त्राचेत्र कत्त्री में शुर्राचंत्रा द्याकेषाच्युरं त्यास्त्र त्रेष्ठ वाया विक्राचित प्तियुष्यास्रवा विश्वेव प्तरा विश्वेव विश्वेव प्राप्त प्रमा प्रमुखा प्रमुखा प्रमुखा विश्व क्षिय क्षिय प्रमुखा प्रमुखा प्रमुखा हिल्ला प्रमुखा प्रमुख <u>न्ता विक्रमः म्रेट्स्वन्ता विद्यं मु</u>द्यं अविरायं स्विकायं स्त्रिन्यु सहित्यं के अविकायं दुवावीया से स्वित्र विक्रियान खुंअॱक्रूंट्'र्ट्टा विषाचुं'नं'नुट्ा बुराक्रेषायदे ग्राह्म ग्रुट्। क्रुवान्ट्रं क्रेषायक्रेषायक्र स्यावक्र संस् र्यायवरायविष्याश्चराष्ट्री सुर्यायविष्टे विष्यायविष्ठा विष्यायायविष्ठा विषयायायायायायायायायायायायायायायायायाया सक्रवाची ज्ञासंभा केवाबाय सम्मान केवा विद्वार होता है के हैं के से केवा के सम्मान केवा के सम्मान केवा के सम्मान मुं अदं पंत्र यस रेस के न से दूर प्रमुवं पते रेस पं के न से अदर मुंद में लि दूर ने न मिन से साम कर पति पर र है चॅंदे ग्विर त्युग्व त्र दिन प्र धेन हेंग येग्वर ने त्र्चें अ श्री होंन अ प्यर धेन प्र प्र प्र प्र प्र प्र प्र प ું ત્યું ત્યું વાશું એ તાલુ વાલ તાલે સેંદ તો વાલું વાલું તાલું ત चॅटबाबु अप्तरुत्। विर्वट व त्वार तर्वे ब र्षे व वावाबुओ नतुबाव (तुः हैवा तर्त्वे अपाबुओ विषय में ह इसबे चेवाब पर पर प्रवे पर केवा विदेश व्यानक्रुन्यते नगात ग्रान्याय परि नगे नते नवे या गरेव पे गो अवेदान स्थय के वेदार हं अ वहें र न्यू या वेया नगेन ही ग्राव्या है या नुवार है या न्यू या निवार है या नुवार है या न ૹ૾ૺૹૡૼૼઽૢૼ૽ૣ૽ૼૹ૾ૼ૱ૡ૽૽ૺૣઌ૽૽ૺઌ૽૽૱ઌ૽૽ૹ૽૽ઌ૽૽૱ૡૹૹ૽ઌ૽૽_૽ૢ૽૽૽૱ઌૡ૽૽ૼ૱ઌૹૢ૿૱૽ઌ૽૽૱ૹ૿ૢ૽ઌૣ૽ઌ૱૱૱ૹ૽ૹૹ૾૽ૺ<u>૽ૻ</u>ૹૻૣ૾ૹ૽ઌ૽૽૱ઌ૽ૹ૽ઌ૽૽૱૽ૻ૱ૻઌ૽ૹ गन्ययां प्रति निवे निवे प्रति व निवे प्रति व निवे प्रति व प्रति व प्रति व प्रति व प्रति व प्रति प्रति व प्रति व વીંત્રાં તે 'નુવતા' સ્રોત્ર સે સદ્દન એ 'વેત્રાં 'ગ્રીજા ર્ઢેલા 'ગ્રીજા તરિંત 'તે' વર્જીત વાંત્રે તરાક્ષાના નું કાર્યા હોવા વાંત્ર હોવા તરાક કરી કરી કરી કરી કો કો ત્રો કો વાંત્ર કો ત્રો કો કો ત્રો ব্ৰহ্ম'ন্ত্ৰ'শ্লুবহ্ম'ৰ্মা



रुषानुः दुनाना

७.१ हेन्यां नकुन्यन्तरान्यक्रायदे भूनमा

 $-\frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{$ हैॱॳॣॸॱॻॖॖॺॱय़ढ़ॆॱॡ॔॔॔॔ॻॸ॓ॾॕॖॖॖॖॖॖऀॱय़ॸॱॻॖॱॿॣॆऻॱऒॕॱढ़ॗ॔ॱय़ॱळेवॱय़ॕॱॸ॓क़ऺढ़ॱय़॔ॱॺॱॺॕॱहॱ॔॔॔॔ॻढ़ऻॢढ़ॺॱढ़ॺॖॱॸ॑ॹॗ॑ॸॱॻॹॗ॓ॸॱय़ऄॗढ़ॱख़ॕॱॶॻॱ॒॔ मानवार्या विराधे क्रिया महिता प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र ૡૻૺૼ૽ૼ૱ૢ૽૽ૼઌ૽ઽૢૢૢૢૢૼ૱ૹૡૻૹૢૼ૽૽ૹ૽૾ૹ૽૽ૹ૽ૹ૽ૹ૽ૹ૽૽ૡ૽ૻઌ૽૽ૡ૽ૼઽ૱ૹ૽૽ઌ૽૽ૼઌ૽ૼ૾૽ૼ૱૱૽૽ૹ૽૾૱ઌ૽ૼૹૡ૽૽ઌ૽ૺૢૡઌૹ૽૽ૢ૽ૹ૽ઌ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽ૹ૽ૹ लान्नेनाम् देते है ते क्षान्य सं स्वालाय में अर्वेद स्वा सं वा सं वा ति है या निवाय है या विट के या हिंदा निवाय है या विट के या है दा निवाय है या विट के या है या विट के या है दा निवाय है या विट के र्थे सुंभं र्रुं सं पविषा ने दे हे बासु पविभारा ने खर्म के पानिषा इसाय र पर्य के ले प्रमुन्न हुं पं कि बागी से प्रमुन के लिए हैं। प्रमुन्न के स्वापन प्रमुन्न हुं पा के सिंहिं हैं। प्रमुन्न हुं पा के सिंहें। प्रमुन्न हुं पा के सिंहिं हैं। प्रमुन्न हुं पा के सिंहिं हुं पा के सिंहिं है। प्रमुन्न हुं है त्रुयाम् प्रमुन् । यत्र त्र्वापाराम्ब्रियाम् अत्यान्त्र वाद्वायाम् । स्थान्य विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्य विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य वि वोबालान्युः न्तुवा न्रान्त्वा झायाये मेवालान्यु मेवालान्यु मेवालान्यु माव्यान्यु मेवालान्यु मेवालालान्यु मेवालाल्यु मेवालाल्यु मेवालाल्यु मेवाल म्बिंशा कर् या क्रिया कर्ता व्यापा विश्वास विश क्वं क्वर्यं अर्द्धतुं पर्द्धतुं पर्द्धतुं पर्द्धात्र के दाने प्रति क्वर्यं क्वर्यं के क्वर्यं के क्वर्यं पर्द स्वायायरेति । श्रीमार्सेनायते गुनवाननका वी यह्यानयया सेमानी प्यवाद्यवा सेमायप्री ने वर्षा वुर्सेन रूपार्से पे स् मी निवय विनार्थे निक्री कुर केटा रूप मर्थे निक्र निक्री हु स्रीना प्रमार्थ निक्र निक्री स्वायन में देव में निक्र निक्री हैं होना पर्य के स् इ.चीचेबा श्वांतर्यं स्तर्या पर्यत्या संस्था संस्था स्वाधिता स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधिता स्वाधिता स्वाधिता स्वाधिता स् र्था पर्छा पावी देशों वा अर्केवा स्था दिया विश्व के वा के सक्ता मुं सक्ति तो ते हु प्रति वी की ज्या देव के वी प्रमार में मान प्रमार प्रम प्रमार प्रम प्रमार प् मासुर्बा दे दबाद सुर्वे दे वे कित हार हिन पायदिये। विराद्ध नायहिर से वृषा के कि हो हित पत्र विराद्ध पत्र है पत्र है पत्र है पत्र विराद्ध पत्र है पत्र पत्र है र्द्र'चते'र्ख्नेच'ंश्रदे'श्रक्तेगुळे'च'त्रेचे शेष'नच'त्वेच'र्णुंश श्चेषाश्चेषान्त्रेच हिरान्चे प्रवित्ता विवासनाणीः वतर् चन्नित्रवि क्रिक् श्री विर्देश्ये र श्रुर स्वराधि में स्वर्ण में बाह्य । यदि संविद्धार स्वर्ण में स्वर्ण स्वर $\frac{1}{2}$, $\frac{1}{2}$ पद्में तपद् क्षेत्र क् चर बैट बैट । श्रेर छट रेट सेर बोन प्रायक्त पार्वेत वुर्ला विभन च रामित प्रायक्त प्रायक्त विभाव केर विभन्न किर मट् में म्हर्ण संप्राचित्र के प्राची के प्रति के प्राची के प्रति चर्डर्वायात्री मा क्रिक् चेंदर प्रस्थां भीता यूर्विक स्वेत्र भीता हुँ की वित्र में मुँच स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत च्ड्यावयाच्याक्रियां अर्प्, प्रचानिक्षां सर् ध्रिवं यात्री मायार विवास मालिया असे पञ्चरा विषया विवास विवास दित साचटा श्रुप्ताकारम्ब्य वृद्धाम् सावदास्य वृद्धाम् सावदास्य सावदास

स्ति। व्याप्ति व्याप्ति विवासित के वास्ति विवासित के वास्ति विवासित के विवास

ઌૹ੶ਗ਼ੑૹਫ਼੶ਫ਼ੑૹ੶ૡਗ਼૽ૡ੶ਫ਼ੑੑਫ਼੶ਗ਼ੵ੶ੵੵ੶ਗ਼ੵ੶ૹ૽ਜ਼੶ਫ਼ੑਗ਼ੑ੶ਸ਼ਫ਼ੑੑੑੑਜ਼ੑ੶ਜ਼ੑੵ੶ਜ਼ੑਫ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ੑ੶ਜ਼ਫ਼ਜ਼੶ਜ਼੶ਜ਼ੑਫ਼ਜ਼੶ਜ਼੶ਫ਼ੑੑਜ਼ਜ਼ਫ਼ਜ਼ਜ਼ੑਫ਼ੑ੶ਜ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ਸ਼੶ਗ਼ੑੑ੶ਖ਼ੑਗ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ਜ਼੶ਜ਼੶ਜ਼ੑ੶ਜ਼੶ ਲ਼ਜ਼੶ਫ਼੶੶

न्दं स्वांयावेवातुं अदानराष्ट्रा हो क्वांनानवेवा स्वांनानविकामते देवावाया विद्यां प्रावहानवायां सेवा क्वांन्यरं पानि स्वांनानवायां स्वा याचर् यादार्मा दूरा भराष्ट्र भ वी अर्ब रिपो निधे में छे ब पर्य विषो कु निषंत्र प्राया के रिपोर्व सु पित रोष्यां हु प्रायत रे ने जे राज्य प्राय द्रा.कृतां स्.कृयां मु. में या त्रावां क्राचीं स्था प्राचां प्रचारा क्षीं या स्थान क्षीं वर्ष ता से साम क्षीं या साम स्थान स्यान स्थान स्थ अपन्याया अद्दर्श मुद्दा कर् अस्य स्थाय देवाया देवाया देवाया है वाया है वाया विश्व वाया है है जो देदा विश्व वाया है वाया है विश्व वाया विश्व वाया है व र्श्वेट पार्केष ग्रे. व्रायम ग्राट है गारवाद ने प्रस्थाय मेट देते ह्वें पाय कृत घत पार्केष ग्रे के में ग्री बादी पश्चिष पार्य में पार्य प्रस्थाय है स बुद्धित के अन्तर्भते हुँ द्यापाय देवायाय केवानाय हुँ दुवाना कु धीवा क द्या क्षेत्र अन्य अट से अतर समित सनी क्षेत्र परि हुँ द चर्डेबाचड्यबारायाराज्यबारावे केंबास्पर्ना केंद्राया इंयापर रोबारा देता पत्राया नेवा विवा क्वा ब्रुट व ह्रिंदा वह वार्या केंबाब र्थे अहुन पायहा है। विर्मेश अर्घेट पादी ने नियान । के बिट मी मुन अर्घय पर्देश पादी मिल के स्वित के बिवा में विदाय है। दुषाग्ची के क्षूदायहे व पायता के के क्षूया अरादि का पाया में करा विषा पाया के क्षूया करा विषा विषा विषा विषा व वैश्वराबोट मी इ.च. हर्न तर बेट में इवाब नियट हुवा बेट में श्वर हव हिंब है। बेट में व्यव श्वर में निवास हिंव में वाव पर प्राप्त हवी. ब्रबन्दर्याये दर्दन्वे यहें ब्रबन्दे ने रावित्र देवर ब्रुवा में रहें यह वा क्रुटा कें प्रक्षेव ने वर सुव दर्दा ये विवास के विवास करें चवि चेत् ग्वतं प्यत्ते त्र प्रमुव क्षुंच्या नेता है हे तेत् चेत्र प्रमुवाया निया मुक्ताया होता वित्ते क्रिया में प्रमुवाया में प र् क्रिंव की हिन्द्रण यस मुर्दर क्रमाय की है पर्द्ध के यह सम्प्राणी प्रमेश्व प्रमास हैं हैं बिट मैव मुग्नाय प्रमास कर प्रमास की महास्थित हैं। बर-५-बाह्न-दो क्र-अन्त्र संस्थाने के ने विवादिता ने बादिता के कि सम्मान के ने कि ने कि ने कि ने कि ने कि ने कि त्या वाद्यः व्यवान्यकः वृ। न्यताः स्वान्यविष्यत्ये वाविष्यः त्यावाकः वा बिष्यः त्यते स्वान्यः विषयः वि कर्रत्र हुत्य स्त्रीत्र विश्वत्त्र विश्वत्य विश्वत्य स्तर्य क्षेत्र स्तर्य स्त्र स्त त्युकार्दे। सुरानुराक्षन् अप्याप्यादिने वातु अपिकार्था र्योत् भी नुतु स्थापात्र वे वात्य विवासिका स्थान स्था जासूचीयांत्रपु जिचीयाजां सेवी तर्री स्थान्य स् सामित्र विद्या भूतान्य विद्यास्य स्वास्त्र स्वामा स्वास्त्र स्वास्त येषा विजयविवानी सुन्वा विषय राष्ट्रिर है। वानर नेर्द्या सुन्धर नेर न्त्रीया वार्ष्टर राष्ट्री वार्ष्य स्वार्थ है। वानर नेर्द्य सुन्धर स्वार्थ वार्ष्य वार्ष्य स्वार्थ है। वानर नेर्द्य सुन्धर सुन्दर सुन्धर स चूर्र्ट्रेय् इ। वेक्ट्रियं प्रविधाविश्वात्र्य क्या शिष्ट्रियं शिष्ट्रियं विश्वात्र शिष्ट्रियं शिष्ट्रियं विश्व ह्मट्रन्रज्ञीवाश्चीयात्री हिन्युद्वायळे झुन्त्र्यायनं सुद्वायायात्रीयायात्रीयायात्रीयायात्रीयायात्रीयायात्रीया र्ता वि.लीवा.तथ्यः अस्तर्भे स्थान्त्र क्षेत्रः स्थान्य विश्वत्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त रे.वे.प्रम् स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त् स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त बॉर्ट र् चुर्ट बिटा रेट बट में पर र् इस त्रों पर्र प्रतर्पायह के बर्द रिंट इस मारी कर में देव प्रते मार्थ प्रत नपुर्वे देश, व. ब्रेश हु य. क्री. तर्वे सूर अहू दे. त. जंगी हु ट. यट. वे. ब्रेश प्रचे जंग पर क्री. हुं प्रचे ह न्यं ब देन रहिता न्तु अर्थ के रे त्व्या नु क्षेत्र योगांवा के र त्या केंग्रावा यदि अवका या अर्थ नु क्षेत्र की ।

 ज्ञवाबास्यस्त्रुवाबाही क्री सूब च्यावाबार्नुस्ताना क्रि. स्वाचास्य त्याचास्य स्वाचास्य स्वाचास्य स्वाचास्य स्व स्वाचास्य स्वाचास्य

चर्चेअं २्वं 'रेणवं पंदे 'रंथ' ग्रे' हे। सुंयं सु: वट 'च 'धेव 'च 'बिंग' चवअ' प्यंव 'अर्केट 'हेव' दगा र 'चें 'चर्द 'चर्दु व' घ ग्रुवा दणव 'च 'चिंव' चर्चे चर्च व चाव 'च चाव 'च चाव 'च दृत्यों श्रुं.श्रंच त्यीय जात्वर ही वे श्रुंच ग्रुं अश्रवा वीय श्रें वित्त के त्या के चर.त्रा. मुंच अ.त्रा. विवयं त्रविता होता वे त्रा के त्र ब्रूरावर ध्रेति क्वा स्वा विवा तुः इसा देश कर हिर प्यति । देश सहि स्वर्य तुना दे दश ब्रूरा वेट वी केश मूरा पत्वी वा ब्रुट स्वर्ण संदित हैट कुर्नात्त्रम् त्रित्याम् कुर्नायाः मित्त्वा कुर्नायाः स्वापन्य स्वापन्य स्वापन्य स्वापन्य स्वापन्य स्वापन्य स्व वित्राप्ति स्वापन्य हु नंगाय नर्ग्रेव वर्षा द्वर दु य दु व दु नंदर अ द्वर प्रकार अञ्चर पाव विषय समा के देन की बाज देन सम्बन्ध प्रव बहर्म देराळद्रां अन्त्रायाचीयां ची ती गामसूर्याया परायाचे अन्या पार्चे राधिवायां संस्थाया पार्चे से साथ प्राया इटयाचियाजिटा सप्रेयाता स्थायाचिट्। यहरू कैवी का स्थाय किटा वीटा नसीय नया मुचिति सप्रेया नक्षा नासूय निर्मेयाचि हुण'र्डस'न्डसम् । स्वरूप'राकेन्द्रिन्तुन्प'राक्वें प्रमानस्यानेन्द्रिन्य पर्वेस'र्यान्द्रिन्य प्रमानेन्द्रिन्य प्रमानेन्द्रिन्य प्रमानेन्द्रिन्य प्रमानेन्द्रिन्य प्रमानेन्द्रिन्य प्रमानेन्य । लूची चक्र्यान्याः क्रीयानने चन्यां चीत्रायात् च्याप्तं स्थयं क्री चयां स्वतं निर्देश स्वतं यात्रायाः स्वतं वाक्ष्या चित्रं च कुब.तू.चभेर्रो टेर्येब.त.धूं.वोबजाजा.बूवोब.त.चयोष.टट.चकेब.चडूब.पश्चेय.रू.डूवो.चबुटबे.ज.टनजे.बैर.घट.वो.वोद्देवो.जवो.वट.टे. किट,बू.बूर.डी.बब.क्ष्व.क्ष्वे.टे.च्ब्रैं.चपु.चकेब.च्डूब्य.चकेब.त.भिषा.वी.चषट्.शह्टी ट्रे.क्ष्ट.चर्द्धव.त.पह्य.चिट्य.क्रुब्य.ज्ये चव्रावायार्यर क्रीयां केयाये वास्त्र न्यां चवित्रा नं सुयां पार्ट्स वाया मुन्य क्रियाये मियां न्यां क्रियां के वित्र क्रियाये मियां क्रियां के वित्र क्रियाये मियां क्रियां के वित्र क्रियाये मियां क्रियां के वित्र क्रियाये क्रियां क्रियं क्रियां क्रियं क्र चिट्र क्षेंच त्य त्य या शुं अं क्षेत्र त्य प्रांचे के त्य प्रांचे प्रा त्तर् वर्षा वर्षा त्या विष्य प्रत्या वर्षा वरवर्षा वर्षा वर्या वर्षा वर् ञ्चन नुंप्यने तर्रक्षया गुन्र बन्र नुंप्यन रहने गांतुं यो बूया खुन है। यहिं र ने ने पर्यक्षय पर स्वर पांतुं यो वु खूँ व र दे व व से खुन खुन है। यहिं र ने प्राप्त क्षे पर्वत्युराश्चुराश्चुरार्द्वत्याते त्र्रेत्रां स्वयार्दित् स्वराधिरार्धित्याचे त्राचित्याचे त्राचे त् इयम् येगम् यूर्यर पश्चिमम् क्रम् गुः इयाग्रद्धान्यर पास्र एक्ष्रेत स्वार्थ पास्त्र वास्त्र वास्त्र पास्त्र पास्य प हे पविषाव रेव सुरव सुर्व पुर्व वयायावर कुल यळ व राव पविरम् हेव घर में क्रियम् पविषम् ने लाई से प्रीम हे में रा र्टा ग्रेन्यायाचीयात्रायात्राचीयां भ्रेयादी तिम्रायाया इसमा ग्रीयायायीया स्वादित्याते तिम्रायायी हित्यात्रीया ल्यम् कुर्न्-द्राचबेटम्प्नान्त्र्ये कुर्म् इ.सबूट्नान्स्नान्त्र्य क्षेत्राचन्त्रम् विस्थान्त्रम् विस्थान्त्रम् विस्थान्त्रम् द्रिन्द्रम् विस्थान्त्रम् कुर्मा हे.सबूट्नान्स्नान्त्रम् विस्थान्त्रम् विस्थान्त्रम् विस्थान्त्र गीय बिर्यात्यात्रा के त्र बिर्ये देश द्रा बुवी त्र बुर्या त्रीत्र किया है त्या श्रीत्य विद्या त्या विद्या त्या विद्या विद कूर्मकी केट.टी टेंब हो बा हो बा केट.ता बट पूर्ट नक्या है निबेट्य तर प्राचीट न जया पर्यात प्राचीती होट न क्या केटा निक्र महित द्रवाबार्यते प्रतामुँदे र्श्वेदास्प्राप्रहुंद्राया तहसायो पुराव का स्वीताय स्वीताय स्वीताय स्वीताया स्वापित स्व इताबार्यते प्रतामुँदे र्श्वेदास्प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त प्तृवास्त्राचे प्रत्ये विष्या विषया प्रत्ये प् न्यॅं ते र्श्चेन प्रवेश रें प्रें के के प्रवेश प्रवेश प्रवेश प्रवेश प्रवेश के ते र्श्चेन प्रवेश के ते र्श्चेन प्रवेश प्रव ण. के. मी. लट. रच. प्राचें इंट. लट. सू. पंडें बचा क्या प्राचें प्रवेट. येचे त्या कार्य प्राचें में स्वाचें के के स्वाचें के के स्वाचें के के स्वाचें के स्वाचें के के स्वाचें के स्वचें स्वचें के स्वचें के स्वचें के स्वचें द्रैट चर्डोय प्रचत बिग ए ग्रुम देवे सुगम ग्री खम सेंट हूँ न श्रुमित गेट गे के बर्ध दी है। कुय सेंस्ट बम गर्वे व तु या गमट सु वे तु हैं ग ए येनमा नर्झेन पर्न में याने ने ने मास्तेन सुका के नाम पर्न ने नाम पर्नेन पर्नेन ने ने मास के ने में पर्नेन में पर्नेन ने में पर्नेन ने में पर्नेन ने में पर्नेन ने में पर्नेन में पर्न वंबायान्यायवी क्षेत्रायायां प्रति विवादी प्रति विवादी विवा यमानमून यते चार्म केर सम्दिन दे। धे सदि तुना सु तकन वर्षे ग्रीमायन यन्नामाया इसमाग्री सक्या पी निते ह्वीं पिते ह्वीं पार्टि स्थान हिंदे ह्वीं पार्टि स्थान सम्प्रामा सम्प्राम सम्प्रामा सम्प्रामा सम्प्रामा सम्प्रामा सम्प्रामा सम्प्रामा सम्प्राम सम्प्रामा सम्प्रामा सम्प्रामा सम्प्रामा सम्प्रामा सम्प्रामा सम्प्रामा सम्प्राम ૹ૾૽૱ૡૼૹ૽ૻઌ૽૽ઌૹ૽૽ૹઌૡૺઌૹ૽ૢ૾ૹ૽૽૱૱૽ૢ૽ૹૢ૿૽૽ઌઌૹ૽૽૾ૢૢ૾૱ઌઌૹ૽૽૾૽ઌ૽૽૱૽૽ઌૹ૽ઌ૽૽ઌ૽૽ૹ૾ૹ૽ૹ૽૽ૹૢઌૹઌૹઌૡ૽૽૱૽ૺૹ૽૽૱૽ૺૹ૽૽૱ है। नहेब.त.वोबल.चर.चेब.ब्री।

ૹ૽ૺૹ.ૹૣૣૣૣૣૣઌૺૹ.ત.૮૮.ઌૹ.ત.તાજાટનાં પૂર.તાનુવાયાકુય.ૹી.જૂય.ૹી.વ.જુવ.ૹા.ૹા.ૹા.ૹા.જા.જા.જા.વાનેય.ય.જાદ્દે ટ્રી ટ.જી.જુય.જી. જાપત્ર જુવ.યાન્ય.મેંથ.ટેવ.જીય.તાજ્ઞયાકુજાય.વર્શવાયા ટ્રે.કુય.એ.એ.વય.વાનેવ.ય.જાદ્દે ટ.જુવ. કું.વર્લ્ય.વીજા.તાજ્ જાપ.વાલુયા.વ.કુવ.સીત્ય.તાજા.કેજાય.જુવ.ટે.જૂય.કું.જુવ.દૂ.તાયેના ટીપ.જીવ.યજાય.દેતપ.મેંજા.તા.જાજૂવા.તાજા.જા.તાજી તાત્ર ત

तर्विरः लें क्षेत्रः चित्रः धर्ते ।

्रें क्ट्रिन्द्रियाव्याक्ष्यं स्ट्रियावित्यम् होत् त्रं क्यायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वयाः स्वयः स्वयः

र्येते चेत्र प्रका में देश र्य र प्रकाश र र्वें अलिया प्रमूद र्य प्रोत्त हो । हिया व्या र प्रकाश में प्रकाश के अपने स्वा र

৫.৭ বার্ক্তবাবকুদ্বাব্দাব্যক্ষাবারী স্পুবর্ষা

नविः विगुःषाळेव् सॅं नुनुः अते : चूनन्या है : क्षुनः चुन्या चार्हेन् : यन्या चुन्या है । ने : प्याना केव् सं : क्षुन्य : कष्व : कष्व : कष्व : क्षुन्य : कष्व यमाने मं र्या हुँ त्या पर्दे र्वेर शुर प्रे पविदाइयमा यापनि पा शुमा परि रहुं यो ने प्रमान होता में रहे ते शुमा में प्रमान में प्रमान होता है ने मुन र्श्चेन न्यें ब ज्ञान प्राण्य प्रते पार्व न प्रति पार्ट स्वर हुन प्राण्य शक्त के अपूर्ण के प्रति विषय स्वर स्व यदे क्रूंन या पवितर्यदे नुषा सुर्ग के र चुँव है। बाहूं वदे खारा पविषय स्वीप स्वीप यदि यह निर्मा पवितर्य ते स्व चन्नेयानेवर्मित्राचेत्र्याच्यात्रम् वित्राच्यात्रम् वित्राचयात्रम् वित्राच्यात्रम् र निश्चरम् इति पारवि पार्शियो द्रवायार प्रमास्थ्य हो श्चितार्य मार्थिय । इति प्रमास्थ्य प्रमास्थ्य । इति । इति बह्द्रपित रे में क्षेत्र में के वे से दे कि कार्च के प्रत्य के कार्य में कार्य के कार्य कार कार्य के कार कार्य के कार्य र्ब्हेन्'त्रंब'न्यअप्रें'मृत्तेब'क्षेम्'र्जंब'चे प्रकृतं निष्यां निष्यां निष्यां क्षेत्रं क्षेत र्यः रैत्रं केत्र प्तवर्रं र्यः कृषा प्रश्चर (तृषा प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त स्त्रं स्त्रं प्रतितृष्टे प्राप्त केत्रं प्रतितृष्टे प्राप्त केत्रं प्रतितृष्टे प्रतिति प्रतितृष्टे प्रतिति प्रति प चयी बुबा ने चारा ख्राचारा चार्बी टाय की टाय की राव की सम्मान प्राप्त की सम्मान की स्वाप्त की स्वाप्त सम्मान सम तकन् नुव ग्रम् अस्ति क्रिंच अङ्ग्रम् क्रा गृहे वह विकाय कराया अस्ति क्रा श्रा श्री सामित क्रिया के स्वाप क्रिया त्युर् गुंवंबाक्त्रस्यवायोश्चाळवाणुं चुप्ववे विवाण्याचा हे क्ष्यवायाचहेव व्ववाद्यंबाण्डर पुर्नु प्रवेद प्राप्त प्रवेद प् झु पते बेट केव सामु मुन्य में क्रिया मुन्य प्राप्त प्राप्त प्राप्त करा माने का माने कर माने कर माने मुन्य माने त्रह्मी क्षत्रचेत्रात्रात्री हुंगावार्यात्री कूंचावार्यात्री कूंट विषयात्रीया पहींची प्रमुखानी प्रमुखानी प्रमुखानी प्रमुखानी व्यक्षात्रात्री क्षियात्रीया प्रमुखानी प वे अर्वेता मवन यत्न्त्रं अर्वे क्रेंत्रं यं धेमाक अर नु अर्द्रे यं वहाँ ।

यद् नक्ची-तानक्ट्री-तावी वित्तपु रिचट्र्या शावच्या स्थावक्च सुमावक्च सुमाविव स्थानम्प्राचिव स्थानम्प्राचिव स्थानम्पर्य स्थानम्परम्य स्थानम्परम्य स्थानम्परम्य स्थानम्पर्य स्थानम्परम्य स्थानम्य स्थानम्य स्यानम्परम्य स्थानम्य स्थानम्परम्य स्थानम्परम्य स्थानम्परम्य स्थानम्य स

च-र-फ़ेर्फ़| फ़रसुरअफ़ी श्वरंकच वें दूरच वेब प्रतंकि र किया किया च क्रुं र पे र प्रतं यह का प्रति क्षेत्र विश्व

८.३ अर्देर् पदे नक्तु न पदे भूनश

यक्षेत्र नाक्षेत्र ने स्वाक्ष्य विकास स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्व यक्षेत्र नाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्य स्वाक्ष्य स्वाक्य

एं< क्र्यं.स.ध्यातम्यातम् वाचीत्रम् विद्यात्रम् वाचीत्रम् वाचीत्रम् वाचीत्रम् विद्यात्रम् वाचीत्रम् वाचीत्रम्यस्य वाचीत्रम् वाचीत्रम् वाचीत्रम् वाचीत्रम् वाचीत्रम् वाचीत्रम्यस्यम् वाचीत्रम् वाचीत्रम्यस्यम् वाचीत्रम् वाचीत्रम्य

शक्ष न्यान न्यान्य अर्थन्य स्थान न्यान्य के न्यान के न्यान के न्यान के क्ष्य न्यान के न्यान

৫.৫ ন্রুমমার্ক্রমানর্বান্ত্রামান্ত্রীস্মানমা

 चर्स् । विश्व क्रूक ते ते ते के क्रिया विश्व क्षेत्र क्षेत्र

रुषानु नर्ने भ मुन् भेदे न वन श्रेया है । सून चुन नदे भून या

थ.१ ऍ.योद्र.जू.क्रूश.ग्री:श्लूनश

ૢૼ૽ૼ૱૽૽ૺ૱૽ૢ૾ૡ૽૾૾૽ઌૡૢૼ૽ઌ૽૽ૣ૾૱૽૽ૢ૿ઌૻઌૻૣ૽ૢૼઌૣઌૻ૽૾ૣૼૢઌૣૻઌ૱ૢ૽ૺૺ૱ૢ૽ૺઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ૡૢૼઌ૾ૢ૽૱ૢ૿ૢ૽૾ૢઌ૽ૣઌ૽૽૱૱૱ઌ૽૽૱ૢ૽ૺ૱ૢ૽ૢ૽૱ૢ૽ૺ૱ૢ र्येष्यं बटबा क्रिका वाबरा तर्ष त्रम्भवाद्देव क्रि. त्रावाद्देव क्रि. त्रावादेव क्रि. त्रावाद्देव क्रि. त्रावादेव क्रि. त्रावाद वित्र पति क्षुत्र प्याप्त क्ष्या वित्र क्ष्या वित्र क्ष्या क्ष्या वित्र क्ष्या वित्र क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्षय वित्र क्ष्या दे-लःश्रेवाश्वाराःलाचन्नदाराद्दाः चैत्रवाराष्ट्री न्त्रायां के वार्षा विकाण्यावारा होता के वार्षा विकाण व क्रीन्यं क्षेत्र प्रस्ति क्षेत्र क् र्टा दे.र्वाची स्रवं श्रद्धार्य लट्टिश्चर्वा ज्वा विदास्त्र त्रे अप्तर्भ ने श्रुट्य प्रत्ये अट्टि देव विदास्त्र विदास्त विदास्त्र विदास्त ज्.क्ट्राण्वाबायपुरिवेषात्रया बारावराची गुरावेरायर्ड्वाय्युवाच्यावाक्वा यायायर्वेवाद्वावाक्ष्या र्वेर हूं क र्ट यति य ह्यंपन छी खन यति र ग्रापनापित यद स्वर्ध कर्य खन क्षेत्र ग्रापन के ती क्रियो जिसे कर में ब नं नर्गों व अर्केना नहे नवा इसका है। निवे में है के के के के कि नावि के निवेश महिला के की मानवि के निवेश महिला के कि की कि निवेश महिला के कि महिला कि महिला के कि महिला के कि महिला कि महिला के कि महिला क्रम में बार्य के बारी जिन्न वा वा महिनाया वि के बार के बार में महिन के बार में हैं कि बार में हैं के बार में हु के बार में हुए के बार में हैं के बार में हु के बार में हु के बार में हु के बार में हु के बार में कि बार में क्व वायवा नम्या अर्क्षवा ग्रम् रहेर्य विदेश हुए बन प्येन प्रदेश वर्षे प्रमानित नम्या विवास क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विदेश का विवास क्षेत्र क्षे · व्याक्रिक क्रिक प्राप्त के प्राप्त के का प्राप्त के का क्रिक क्षेत्र के प्राप्त के का प्राप्त के का का क्षेत्र के का क्षेत्र के का का का कि क मिट्या क्री खुं खुं खुं खें त्यां प्रत्य र कि वा कि शक्रुवार्ट्स्वार्क्यार्यम् इ.इ.एवीट्राय्येट्री प्रमित्रायिकात्री त्रीवारायी स्वार्थायात्री रेत्या शक्रुवार्ट्स्य <u> नर्ष्ट्रमःग्री:न्नर-नग्नर:₹अमःवृम्</u> र्देवारा हो हैं वो प्रयान हुए हैं हो बर हैं व में रावा वो वेवा वेरा वारा हरा हो वार्ष के वारा ही वारा हरा है व केर लें कुर में तुर तुं बुर्य म्द्रमा के स्पूर्ण में द्रित की मार्थ के दें त्यां प्रदेश महार स्था से दें त्या प्रदेश महार स्था से दें त्या प्रदेश से स्था से से स्था **र्हेजाको स्थेर ५८**० त्यवायाराष्ट्रेयार्त्याः व्याप्ताः क्षेत्राच्याः क्षेत्राच्याः व्याप्तायाः व्याप्तायः व्याप्तायः व्याप्तायः व्याप्तायः व्याप्तायः व्याप्तायः व्यापत्तायः व्यापत्तायः व्यापत्तायः व्यापत्तायः व्यापत्तायः व्यापत्त्यः व्यापत्तायः व्यापत्त्रः व्यापत्तायः व्यापत्तायः व्यापत्तायः व्यापत्तायः व्यापत्तायः व्यापत्तायः व्यापत्तायः व्यापत्तायः व्यापत्तायः विष्त्तायः विष्त्रः विष्त्तायः विष्त्त्तायः विष्त्तायः विष्त्तायः विष्त्तायः विष्त्यः विष्त्तयः विष्त्तयः विष्त्यः विष्त्यः विष्त्यः विष्त्तयः विष्त्यः विष्त्यः विष्त् द्रम्प्या अर्क्केष्ण निष्ठा १८४१ वर्षा कर्षा का स्वार्थ । विष्ठा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा करि इ.स.चूर्य अर्थ कर्षा कर्ष इ.स.चूर्य अर्थ कर्षा कर्म कर्षा कर् धिकं नेयं यें रें क्रें र केना बुँवी ने वन के इंच ने ट नुयं व क्षेत्र नुविन येंने अटत रें न सु बँवी र्थे द्वापाळे राम्बना ॖॿॖऀॴ॔ॻक़ॖॱॾॕ॔ॣॳॱॷॕज़ॣऺऺॣऺॱ॔॔॔॔॔ऀॿॖॖॺॱॺऺॴॖॖॹज़ऻॕढ़ॗय़ॱऄ॔ॣक़ॣय़ॱॻ^{ढ़}ॴॴज़ग़ॴॹॴॶॹॱॺ_ॣॸॕॾॣऀॱ॔॔ऀ॓ॶॣऄ॔ॱऄॗ वावन्या ग्रीबा से स्वाँ स्वर वार्ववा प्रवर् हूं. सूपु. जीवीबा की. श्रीट. कीट. जावाबातर विश्वी ही बाडाया द्वारा की बाड़ हुं. जा जारा कार्री नहीं थे की वार्य हैं. सूपु. जीवीबा हूं की सार की स्थाप की स्थाप की स्थाप की स्थाप की स्थाप की स्थाप की सार की चुनः श्चरः वो न्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वत्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्व ૾ૄ૽ૄ૾ૢૺૺૺૺૺૺ૱૽૽<mark>ૺ</mark>૱ૹૻઌૺઌ૽૽ૢૼ૱૽૽ૢ૽ૺ૱૽ઌ૽૽૱ઌઌ૽ૺ૱ૹ૽૽ૢ૽ૺૼૻઌ૽ૼઌઌ त्राविक्यात्रात्ते क्ष्यां यात्रायात् कृष्यात् विक्यात् विक्याय् विक्यायः विक्याय्ये विक्यायः विक्याय् विक्याय्ये विक्यायः विक्यायः विक्यायः विक्यायः विक्य हुंत्। विंदावी ख्रबा हैं हे बेदावी बार्की वादि खेवा ख्रुं बदातु अह्ती क्रूय. इ. मिल. र्याय. रूप. रूप. क्या प्रथा पार्थ था स्था मिल. मी. र्याटा वीयय्.तपु.र्जैर.क्र्यापत्तवीयाषुयात्रात्ते,त्यत्,तपु.तपु.तपु.तपू.तपु.विश्वर.क्षेत्राचेतायक्ष्य.क्षेत्राचेतायक्ष्याचेतायाचेत्रात्त्राचेतायाच्यात्त्रीया

ু,ধ বৰ্থ নামেন্ত্ৰনামান্ত্ৰনামান্ত্ৰী,শ্বনমা

 $\pm \sqrt{(4)} + \sqrt{(4)} +$ र्हेन यर होन्य भूते हुन पतिया सुपान वर्ष या समा देव के पान राय दर्गाया विमानुः नात्री मुगानु दानु विमान दे स्याया मुन्या मिन्न दानि विमानु प्रमान प्रमान कि मिन्न प्रमान स्था ष्ट्रमुख्य कर्ण अस्त्र न्या होती विकाण स्थाप क्षेत्र कार्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष व्याच करणे क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कार्य क्षेत्र क ८८.११८-१३८१ वर्षः में ब्रह्मायाः वाष्ट्रवात्तप्तः स्टारं स्टारं स्टारं में ब्रह्मायः स्टारं त्रि न्र्णु क्रिन्ठव सुर्नु तर्हणां प्रते भ्रां भार्स है तकर क्रिक् प्रते वर्ष क्रिक संघान क्रिक्त स्वाप्ति क्रिक स्वाप्ति क्रिक स्वाप्ति क्रिक्त स्वाप्ति क्रिक्त स्वाप्ति क्रिक्त स्वाप्ति क्रिक्त स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स् ब्रैन ने हैंन्यर ब्रेन्यते कृत्या प्राप्त कृत क्राया वर्ष क्षेत्र क प्रमानिक्षा द्वा देशाम् अर्था विकास के त्या के र्-ुस्र प्वर प्रतः श्रुवं या नावायं प्रतिः र्देव श्रु नावायं तुं या स्तु प्रां प्रवाधिव प्रां र र्र्यूट या धेव वें विषानु नं यां वें न्याया हु। नं वी सक्त छ त्येत्र प्रति प् चंतु-स्-विक्ष्रम् विक्ष्यः क्ष्रियः प्रक्षियः प्रक्षयः यहेतः यहेतः यहेतः विक्षयः विक्ययः विक्षयः विक्षयः विक्षयः विक्षयः विक्षयः विक्षयः विक्ययः विक्ययः विक्षयः विक्षयः विक्षयः विक्षयः विक्षयः विक्ययः विक्ययः विक्य त्नून संक्रिंग की सुर में ह्रिंद ख्वा चक्कि हु हैं। ने नविव न पार्वे यान परिचयार्य में के न्याय तर्व यान ฏิลาปฏิบัลเบราฮูรายลาคริา_พีราชิลาบุลัณาัร์โ <u>५.वीर तृत्रात्रात्र</u>्वे स्तरात्र्वे स्तरात्र्वे स्तर्भे स्तर्भे स्त्रीत्रा स्तर्भे स्त्र लं अर्देव रु क्विंग्रब सर ग्रेश्रद्य से यानाः चार्त्या स्त्री त्राचे त त्रोलायाः क्वेंद्रायान्यलायाला सेंग्रन्यते त्रोलायाप्राप्ता नक्केन्यन्तरहें ने बार्य देश में केंद्र परि सं कें अप अप निवास $\frac{1}{2} \ln \left(\frac{1}{2} \ln \left(\frac{1$ न्यत्र युः श्रुप्ता वित्ता वि दायामाबर्यायोव हो हे.यादाम्बादी हेबार्या देवाया हेबारा हैवारा होबारा हैवारा हैवार हैवारा हैवा त्रविद्या मक्ष्य वे स्थ्रमान्द्रमाने स्थ्रमा स्थ्रमा स्थान वित्र ने मान्य वित्र प्राप्त वित्र वित्र वित्र वित्र

त्व्यातियात्त्री क्षेत्रः त्वियाः तित्रकृषः यस्य क्षेत्रः त्वर्यः चेत्रः त्वे त्वेत्रः त्वेते व्ये त्याप्त्रः व्याप्ते व्यापते व्य दिः व्यटः दृदः र्येतः बुतः यदेः ब्यतः र्ह्वेतः क्रूब्राग्री प्रद्रीयाचार्स्याचादरा क्ट्र-'वृद्द'यर'वर्देन'य'वान्नेर भ्रिन्भेवा'ग्सुर विवायान्तर प्राचित्र प्राची स्वाया भ्रीकानी पर्या केन् क्षाया र्षिट एट न विवा च स्रें अ व ब क क वार र चुंची पड़े न क्या की ब हरे र के ब वा बव पर व पर । पर्डेन त्यून या या में नित्र त्यें वा र्येया दें या नि र्टे.क.चर.लूर्.वेश्वर.वेश.बेंबेर्.येश.चेंबेरे.ट्र.बेंब्येव.वेष्ट्र.चे.बेंब्य.वचरे.व.कुर.व्य.चंद्र.वे.वें.वेंव्य.वचरेंवे यान्तर तर्गे यदे हा यानियाने पर्य देश है सानिया से राम निया मा ने निवा असार नियम योगन स्ति वार्से में <u>बैं चूंकुं भवे अर्दे के बार्क्स के बार्क्स के अपिया या पर्दे का से राज्य में मिला पर्दे के अपिया से कि या पर्द</u> हैं। हैं कें है। [मळें चैं नमूर्व चैं चे अविया पार्ट हूं कुला कुल वेंदि विवा छैं ले च वहर हो। यो कें कें चेंद्र अविया पार्ट हुन कुला है। ॖ॓ਫ਼॓ऀज़ॱय़॓ॱॸ॒ॴ॓ॱय़॔ॱॾॕॸॱॺॏॱज़ॱॸऻॱॹॣॗॱॸॖऀॱॴॱॿॱॾॕॱय़ऻ॓ढ़ऀॱॿॖॕॱॹॴढ़ॱॸॕॹ॑ॴॴढ़ॸॖॹ॑ॱय़ॱॴ॒ॺॴॱड़ॕॸ॔ॱॾॖ॓ॱग़ऻ॔ज़॓ॱॸॗॵढ़ॱड़ॗऀॸ॔ॱॿॖॸॱख़ॸॱ देवागु वार्थी के यो देवागु वार्थ कुट या देवां विवास हिटाया देवा रहे वार्थ हैं या पर्वे पाइंड वार्थ ग्रैबंफे क्षेप्तायायम् दिवा में ब्राप्ते प्राप्त न्या अर्देव मेबाडव प्राप्त अवतः त्या विद्वार्थ छव प्राप्त हैं के गुरिया के प्राप्त के प चिट्ट्रश्चित्रप्ता चिट्ट्र्या में स्वाप्ता स्वा स्तृ त्री प्रत्तिक्ता स्वाप्त स्वापत स्वाप्त क्षिणार्डकानुः इंस्ट्रेन्या दिन्विव प्रकृत्हें हे न्यया दियया युव खुर्डिण क्षेत्र हो । हें हे न्य खुव खुव खुव खुव युव पर्दे हें हे न्यंया ।न्ययं स्व 'ग्रीवे'हें दे कुंयं रें 'दिवे या ।न्ययं स्वे 'दिन् 'तें 'अर्दे 'पहें ने 'या क्व 'या के ने 'ये के प्याप्त प्याप्त प्राप्त प्र प्राप् यदः विवाः स्त्रा विवायते त्वो वायता दे प्यदः द्रयवा क्षः दे प्या हते स्वता वु तर्वे केवा चक्क वायति ववावा क्रवा द्रविवा वा विषट्चे येते प्रतिवार्येते हुवार्ये प्रतिवार्ये प्रतित देव संक्रिश्च प्रवासी में क्रिन्य में प्रवास के प्रवास चुँड्वैतयःयुन्तर्भः यंचर्ननर्दे विषाञ्च निर्देन्दि रदे निषाणिसंदर्भ है। युन्तर्भ लेनि यून्तर्भ हिरी स्थयं वर्ष तस्पीक स्वी सुयानु कुन क्षा वर्षे यर् निया में विया में विया में निया में निया परिया परिया परिया में निया में स्त्राप्तरे क्रुन्यायहे मुंदा स्त्रो ने ते त्यो यायर से मुंदा प्रमान स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्र त्त्रायते कृत्यायते विकास क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्र क्षेत्र र्शः याम्याः प्रेतः त्राच्याः स्वाद्यः प्रेतः प्रेत्वः प्रेतः प्रकृतः प्राच्यः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्व सः स्वादः प्रेतः प्रवादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्व चु-त्रायायन्त्रत्ते क्रिन्त्रचेत्रायाक्षेत्रयावाक्ष्यात्रात्त्रत्ते । त्रिःक्षेत्रत्वचुन्त्रयावाक्षयात्र्याचेत चु-तंष्यायात्र्वेत्रयाये क्रिन्त्रचेत्रयावाक्षयात्रात्त्रत्ते । त्रिःक्षेत्रत्वचुन्यान्त्रयावाक्षयात्रयाचेत्र यं भर के वे पुरक्ते के तर के विदा में बेव प्राप्त महना निष्या महना निष्या के विद्या के - प्रत्यक्षांचान्ता हैं हैं याने व 'चेले प्राप्त प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्राप्त को कार्य के किया कार्य के किया व निम्नायायात्र अहर्नाया वर्ष्ट्र वर्षा वर्षे इत्र इत्र वर्षे र.बृट.वो.क्यात्राष्ट्रवी ह्या.रेरीयाता.वा.बृता रेटा.ब्रा.विट.ब्येटा.क्या.क्या.ब्रा.ता.हूं.हं.ड्रीट.त्री वायेतातायवार.क्र्या.क्री.ह्रे.ही रेरीयाताये. निश्च द्वारि ज्ञानाया है दिवा गाल रूट स कैले ज़े दिन के सूच हूं है किल अक्ष्य चौड़ेय श्रीय बिया ૹૺૡ૾ૺ૾ૹૣૻૼૺઌૼૹૻ૽_{ૹ૾૾}૽ૢૻ૱ૹઌૡ૿૽૾૽ૢ૽ૼઌ૽૽૱૽ૹ૾૽ૡ૽ૺ૾ૹૢૼઌ૽ૹૡઌ<u>૽૽</u>ૹૢ૾ઌ૽ૹ૽૽૱૱ઌ૽૽ૡ૽૾ૢૹઌઌઌ૽ૹ૱૱૱ઌૡૡૹૹૢૼઌૣૹૡ૽૽ૺૡ૽૽ૢ૱ૢઌ૽૱ ड्रथ. ह्या. सुन्य न्या. सुन्य न्या. सुन्य न्या न्या. सुन्य न्या. सुन्य न्या न्या. सुन्य न्या. सुन्य न्या. सुन्य न्या. सुन्य न्या. सुन्य न्या न्या. सुन्य सुअः ह्रे प्तवि तारवों मार्यामा माना दे तारविंद् यादारा में हिमारवों मार्यामा समा दे ल द्वी प्रवेश द्वी र श्री श वाशे र श्री ब्रेंशबं विवास मान्य विवास मान र्देर् हे तिर्वे वावी तिर्वापति कुर् स्वि 'देर्' पठवापा संवापी स्वापीर प्राप्त प्राप्त स्वापी स्वापीर प्राप्त स्वापीर स्वापीर प्राप्त स्वापीर

य.३ यो:नेश:वनशःस्त्रनशःग्री:भूनश

तर्रम्भित्यायात्त्रम् व्या स्ट्रम् वेयात्रम् वेयात्त्रम् वित्यात्त्रम् वित्यायात्रम् वित्यायात्रम् वित्यायात्रम् यात्रम् यात्रम् वित्यायात्रम् वित्यायात्रम् वित्यायात्रम् वित्यायात्रम् वित्यायात्रम् वित्यायायात्रम् ्ठुं च न्दं द्वा तर्जें र ग्रे ग्रुन् अंद र्यं वें यं वेद त्वन् प्यं योग्यायर ५.भ.पषिट्यतपुर्ध्यस्त्रम्यत्रभ्यान्त्रम् प्रभूतमार्श्वा । पर्वावनारिते क्षित्रां वित्राची प्रमार्थी । वित्राची रिमार्थी । वित्राची रिमार्थी । वित्राची रिमार्थी । नै किं व निन हैं पार्य प्रते हुंया परित्र हैं र सं मा वे ॻॖ॑८ॱक़ॗॕॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖज़ॱॸॗ॔ॱॿॖॴॹॖॱक़॓॑ॺॱॺॕॱॴॾॕॕॸॖॱॺॸॣ॔ॱॸॕॖॴॺज़ॱॸॖॏढ़ऻॱक़ॗ॓ढ़ऻॱॿॗॺॱय़ढ़ऀॱॿॖऀॸॱ॔ख़॔॓ख़ऀऄढ़ॱॸ॔ढ़ॴॸॏॱढ़॔ॴॹॖऀॴज़ढ़ॕॸॗॱॴ॑ढ़ॺॱॻॖऀॱॹॖॸऻ॑ॸ न्यॅब नबुद नदे विनय विषय प्रान्य मन्य थे कुन यान्य मुख्याया ने न्या ग्रह हु तसुया ब्रेंन अव नर्जेन न विषये परि दिन्दि हुन मुर्जेब ग्रै'विषाचु'च'द्रा श्रुद्र'तळेंद्र'यादुःवि''यावेषाचु'च'ह्र'त्र्युयार्वेच'याद्रणार्थेद्र'दे। देश्वय्यार्थे'चुद्'ःश्रुर्थे' क्रें र क्रुव्यय्या'केव'ने वेदार्थे क्रिंग्यं केव्याची क्रिंग्यं क्रिंग्यं केव्याची क्रिंग्यं क्रिंग्यं केव्याची क्रां क्रिंग्यं क्रिंग्यं केव्याची क्रां क्रिंग्यं क्रिंग्यं केव्याची क्रां क्रिंग्यं क्रिंग्यं केव्याची क्रां क्रिंग्यं केव्याची क्रां क्रिंग्यं क्रिंग्यं केव्याची क्रां क्रिंग्यं क्रिंग्यं केव्याची क्रां क्रिंग्यं क्रिंग्यं केव्याची क्रिंग्यं क्रिंग्य यश्चेर्यात्र द्रुश्चर्तप्र इतार्षे द्रुरात्र श्चेरात्र श पत्तेर गोश्रमात्ते अवर ब्रेच मा क्रेन्य में हैन में ब्रेन्य में क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत् बह्रम्भू हि.सुम्यतन् ग्रम्हे किं व हिने अर्दे व सुंबाद्वी या के वाया हो या चुंदा निर्वेश वर्ष वाया में सुन्दि विवर्ष ॱॻॖऀॴ[॓]॓ॱढ़॓ॱढ़॓॔ॱढ़॓॔ॱक़॔ॹॼॸ॑ॱॴक़ॕॖज़ॹढ़ऻज़॔ॹऺढ़ॱॸऻज़ॹढ़ज़ॿज़ॹढ़ज़॔ॱॿ॑ज़ॾॸ॔ॱढ़ऻ॓ॱॸॸॹऻऀॱख़ॖॴॹॗॱक़ऻऄॗज़ऻॿॖॵॴॹ॔ॱज़ॿॗॸॱढ़ऻ॓ॱॴज़ऻ॔ॴॹ चन्नेयान्यान् इत् क्ष्यायाः स्टें हे चान्न क्षे कुनागु च हे लेखा इत्ये न्याया सु क्षित्र हो नियाया है प्याया सु विवाया है प्याया है प्याया सु विवाया सु विवा ष्ट्री⁻ब्रॅं नग्न-र्के अळव अञ्चलिया हु ह्यूया देन र्श्वेच नर्धेन जन्म जुन थे नेन ज़ैन जोना निमान प्रमान के यह न निमान्न सर्ज हो। क्रुवार्च्यार्श्रा दे लास्व सर्वे भ्रीतात्रह्याद्वर्ण द्वित्यामी द्वीतात्रिता भी त्विता वितास्त्र त्रम् प्रत्यापनिकृषःभूजः प्रत्यान्त्रम् । दिरः श्चाः प्रत्यान्त्रम् । दिरः भूजः विष्यः विषयः विषयः विषयः विषयः देः तात्त्रवापनिकृषः भूजः प्रत्यान्त्रम् । दिरः श्चाः विषयः भूजः विषयः विषयः भूजः विषयः विषयः विषयः विषयः विषय चर्त. ब्रिया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया प्रथम् वर्षेत्र, वर्षेत्र, कुर्यम् कु. बुर्यः श्री म् श्री ह्यं श्री ह्यं श्री ह्यं हिन्या हिन्य ह्या ह्या ह्या हिन्य हि त्.इ.चर्थ्य ब्रिट.ग्रीय स्वी चर्नण युजा यह्य प्रमा देरं द्री वे देरं द्री वे देरं की वार्स केंद्र द्वार ही खुर वे वार्ष प्रमा केंद्र देश द्राप न्यास्त्र भी त्रित्र त्या के त्या प्रमाणका के त्या प्या प्रमाणका के त्या गुँवाचतिः विवाले न्दा चर्वा ह्युनं सन्दा चर्रे हुन् बेब्रबाग्चे विवाले न्दा न्यवाचग्राविवाग्चे इस्यान्य के वार्षे न्दा चित्राता विवास वा यह वा राज्य वा वह रहें । वि.या गाव में स्वी व रिनाह रहें ते बीच पात के वा कि स्वा के वा कि स्व के वा के कि स्व के वा कि स्व के के वा कि स्व के वा के के वा चन्द्र वे क्रिंच देव क्रिक सम्बद्ध देव सम्बद्ध स्वाप्त निग्रीयायिक्राग्रीक्र वायम् नियान्यकर हिरावना सुर्यान्त्र वार्यन्ति । क्षियान्त्र वार्यन क्षाया विवाने याया वार्यन किर्माने वायम् नियाने वायम् न श्रद्धर प्रकृष्ण्या प्रविष्या भी स्रद्ध में विषय से संस्थित हो से प्रविष्य में स्थित में स्था में स्था में स्थ न्नर केर्न देवे स्वा त्रिवा क्रायक्ष के न्याद इस प्रते केरा कुर्-ती क्रांचनर अपितान प्राम्यन प्रमान क्रांच अपिता क्रांच अप्राप्त र्श्वियां अति : अर्केण पर्के प्रमुद्द 'श्विद ' दे 'स्यां या ग्री स्ट्रेन स्वयं अत्रे अर्द्ध प्रमुद्द प्रमुद्द स्वर् प्रमुद्द प्रमुद्द स्वर् स्वर् प्रमुद्द स्वर् स्वर स्वर् स्वर्ये स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर्ये स्वर् स्वर् स्वर् स्वर्य स् जुवाबासराचाश्चरबासबा শ্বু'শ্বর'ইব'নর্ন'র্থী श्चिन्द्रिंव श्चेव विनव ग्रट श्चेन द्रिव ग्री नुहर्व ग्री श्चेन य र्दे। विर्धितः अः स्वाप्ताः यस्तुः पविष्ये दित्रे । यस्त्र विष्ये । विषये । यस्त्र विषये । त्युर-री दिब:होब:धूव:प्यंत्र्यं अ:चीव:प्यंत्र्यं के:क्यंत्रः के:क्यंत्रः के:क्यंत्रः विवाद्यं के:क्यंत्रः विवाद्यं विवादं रें अ.त.चानुन्यं ग्रीं चाविर अर.रे.चक्षांन्यं तम् चेर्न् रे.लर.वेत् मुं अर.चर. <u>२ॻॖ</u>ीॴढ़ऻॺॕॸॱॗॿॖऀॱक़ॕॱॻॱॻ॑ढ़ऻॎ॓ॱज़ॕॿॖॱख़ॱॻॹॖॱ यायाचर्रे देराचहेत्रयमान् ये भेन्ने बतमान्यमान भी विरमानु मित्रमानु मित्रमान णुन्नावियाक्षी प्रमाणिक्षाक्षियां प्रमाणिक्षाक्षियां विवादी स्वाद्यां स्वाद ૹુઃતં'આઙ્રીઃ૧૮ઃ૫ૡૢ૽ત્રઃશૅઃ૧ઃૹુ૮ઃર્ધેન્'૬ઃઘેઃવેશઃલવશઃૡુ૫શંઃઅ૮ઃ૬·વવ૧ઃ&८ઃ। ૫ૡૢતઃશુઃર્જ્ઞનઃઅંજ્રુ૮ઃવૡુઃવઃત્રઃજ્રા૮ઃએ૯ઃ૬·ૡૅથેૡેઃલા

ं व्यक्तिरहे यानेवारा ग्रें क्रॅर ग्रें अन्या

विवाहे विविद्या के में महामार्थ हैं में हिया वृषा के लें हैं ना या वाह्य देव में त्रशुरायराक्कुराद्रारायोगायासूनाक्केषासूराया यट विवाक्षेत्र विवाद्य द्वा किया है हे त्य यह वा बाबा <u> रक्षःक्षेताः हें हे बाधुबार्त्रुवान्दरः तुः चुँवाववान्दरः</u> र्भूरं ग्री प्रमृतं पर्यहर्ता संयाने माने स्वारं में अक्षेत्र केट्री विवास्त्रियार्सेन्यास्त्रवार्षेत्राचायायात्रीत्रार्भेत्राचनित्रायायास्यास्त्रास्त्रस्त्रेत्। वर्षेत्रा ॻॖऀॴॻऀ॔॔ॸॻऻ॓ऄढ़ॱॾ॓ॱॻऻऄॸॱॻॖऀॱॿॗॸॣॕॱॴॸॶॸॣॕॻॱढ़ज़॑ॣय़ॱॸ॓ॱॳड़ॣॸऻॱॿॢऀॸॣॱॺढ़ऀॱढ़ळॸॱॻऻॸॱॻ॒ॻऻॺॣॱय़ॱॴ॓ॱॴॸ॔ॱॿॖॻॱऒक़ऺॱॺड़॔ॸॸॕॏ*ऻ*ॣॺॕॱख़ॕॱॸॗऀॱॻऻॿ॑ॺॱ त्वायायर श्रीर रुवा श्रुर वेर श्री र वेर हैं न हैं हे ग्रावा के वार्य ने न क्रिर वार्य र प्रवेर केरा क्रुव यर देर ते ग्री वार्वी कि यो देशें दूराईहे ग्रामक है। क्षेत्रं ब्रह्म खुयानु तिहार में ही कार्यों निकान के के कि के सान के कि कार्यों के कार्यों कार्यों के कार्यों के कार्यों के कार्यों के कार्यों के कार्यों के कार्यों कार्यों के कार्यों क तुः अष्टिर्न्या गुन् ह्वेन्द्रा स्वार्क्ष अर्देन् त्वीन्द्रा निष्ठा स्वार्थित क्षेत्र त्वी त्वी त्वी त्वी स्वीत स्वार्थित स्वीत स्व वया. त्यूं अप्तार्थिया व्याप्ता अप्तार्थिया व्याप्ता अप्तार्थिया हुन स्वाप्ता अप्तार्थिया व्याप्ता व्याप्ता अप्तार्थिया व्याप्ता व्यापता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्यापता व् चॅर्- ५ 'दर्शुन' चदि ळॅबे 'यं ५वी 'चर्ने बं ऋ' यॉ ॡ चदि ळॅब' यब ले 'लेब या बेर्- दी पड्ले यबा पद्मे भेब रच प्रचर ग्री विय विवा न्यात्रवारां क्रम्याणी नर्वेद्वारा विंदा वेद्वार्क्षेत्रणी खेंबा अत्यादात्र विवायत्र विवायत्र स्वित्त्र विवायत्र इस्तित्र प्रमाणी निवायत्र स्वित्ता क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वित्ता क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वित्ता क चर्डुव ॱब्रॅंव ॱब्रॅंव व्रॅंव व्यं च्यं चे च्ये चर्वे चर्वे चर्वे व्यवे व्यवे व्यवे च्या व्यवित चर विराह्ये व व दूर्निर्दा अंट्रिक्षेड्वर्दा श्रुंस्किरान्त्रियार्च्याच्यार्च्यार्च्यार्च्यार्च्याः स्त्रेत्रिक्ष्याच्यायाः न्दा संदर्भाष्यदान्त्रातुन्त्रं न्दा व्रायायवादां न्दा नुस्त्रं नुदा चर्चनुका कुष्याये न्दा हिलो सर्वे कुष्य नि र्ना ग्राम्यान्ता वे स्तर्भा वर्षे वर्षा ग्राम्या विद्वा वे स्तर्भा विद्वा विद्व विद्वा विद्व विद्वा विद्व विद्वा विद्व विद्वा विद्वा विद्वा विद्व विद्य विद عَاجِرَةً إِنَّا مَادَ هَ يَجْمَ عَمَا جَدًا عَلَمَ يَعِمَ مَا جَدًا مَعَ إِمَ عَيْمَ الْمَا عِلَيْ مَا مَا عَ द्राष्ट्रीय्य्यं क्षित्र देत्। र्वद्रित्ते के स्वायान्त्री बिस्त्रेर्या नेद्रा बेट्रा बेट्रा ब्राह्म विद्रायान वानुवानु सर्बे नदे केंबा विषय वा या पानुवा या देवा यदि कुर यास्यायम् यापानायाते हे ते सर्वेत से इसमानी विट्रमानी ٣٠١ عِن عِلَى عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَ

र्. त्रिया देश.ल. योग्रु र. योग्रु पश्चिमानायात्वातात्वातात्वातात्वातात्वातात्वातात्वातात्वातात्वातात्वातात्वातात्वातात्वातात्वातात्वातात्वातात्व र्देते विनम्महेंपाची यानायेव वे केंब्र यरेव केंब्र हें हे मा छुना हीरा व ने लाविया तत्त्व अक्ट के वार्ष ता ने ते के वार्ष का विवास ता वार्ष का वा ने ने नम्भेव मं अं विवा न ने नुं त्यूँव चव वार्त्र नित्र क क्रेव में विवासिक क्रिक्त के विवासिक **क.**चीश्रंत्राक्रीय.क्रै.स्टर्य.परीज्.य.त्रस्.र्.सेजी अवअय्यस्या ब्रूच्यत्व्रम् स्वुअय्यन्त्रा त्वुअय्यन्त्र्या त्वुअर्के ते यावर्षा प्रवेति कर्मे व पुरा र्मेण वर्देव कु न्येव के वि न्य चर्च र्गे.ज.ल.ट.सेजो टे.चर्षुच.चर्च्च.व.च्.कु.ज.लट.टे.टट.चंवेश.व.संजो में.पट्नेज.जं.पर्येश क्रि.टंट्य.वर्ष प्रयंजाच.टंटी चम्रे.स्वीय.क्री. क्रियादिर निर्देश्वामा दे दिरासन्त्रात्र क्षिप्तां दे दिरासन्त्र क्षेत्र परित्र सन्ति क्षेत्र परित्र सन्ति क्ष देन्द्रः अवुअत्यः सूर्वाचावाके त्यास्याने विवास्य स्त्रीत्र अत्यान्त्र अत्याने वास्य स्त्रीत्र स्वयान्त्र त्या विर्तासर विविद्ध है विविद्ध श्री क्षेत्र इसम् अवादित है व हिंदा स्विवास ता वा बुँद नर्ते विद्याचीयाड्डी राक्टेंबा अदार निवासी द्यारा निदा हे पर्श्वन मुर्ग म् अभियान्याकेरं वी पार्ष प्रेंचें भी अके दे में अवाया वन अन हिर्दे विरा दे प्वायमा अके दे प रवारीवाळेवं क्षेत्रां वीत्रां वीत्रां वालेवा प्रति वालेवा प्रत्यां क्षेत्र वालेवा वाले दरप्राचे वार्षाच क्रम् प्राचे क्रम् क्रम् क्रम् क्रम् वार्षाच क्रम् क्रम् वार्षाच क्रम् क्रम् वार्षाच क्रम् वा

थे.५ वदे सर्हे वा वी स्नवश

सट किट तय कीट ट्या स्कूर न ब्रीय उन्नेय टी क्रीय तथा विषय क्षेत्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र प्रास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्

घट-क्टर-य-जन्मे द्रव-रूपु-विजन्बनी ब्रिय-रचा-मु-रयर-हिन्ने-यश्चियनस्वा-यश्वर-वय-यश्चियनस्व ब्रेन्द्रियानञ्चर्तात्यात्रवात्रुवातुः अर्जेवाचुद्रायते न्द्रायते विकास्त्रेवाचुन्याया व.त.र्.लर.जूव्.वैर.य.वैरय.तय.रवा.वी. न्न्र धुन् के तहीर नृति में स होन गुरा ्षः अञ्जेषु न सु 'प्रद्राप र्से अपान्दायं न स्याप्त अपितृ चुन् । व केषा अपाय प्राप्त मिल्ली यालूया.मू.झ.रेष्ट्रं य.पुंतु.की.जा.पबीटय.मंग्.यीट.भूय.रं य.पूर्व.पि.कु.प.वीरी षम्म स्थान विकास स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स बॅद्रायां गुबेर कें या देने र क्रुव प्रविण गी के हिर प्रायी क्रियां में हिर प्राया ૣૣૣૣૣૣૣૣૣૣૣૣૣઌઌૡૢ૽૱ઌૣૢ૽ૹૢૻઌૣઌ૽ૺઌ૾ૢ૽ૡૢ૿ૺ૽૽ઌ૱ઌઌૢઌ૽ૺૡૢૡ૽૽ઌ૱૽૽ૢૺઌ ૽ૢ૽ૢ૽૽ૢ૽ૢૢૢૢૢૢૢૢ૽૽ૢૼઌ૽ૹ૽૽ૢ૽૽ૺૹ૽૽ૢ૽ૺઌ૽ૼઌ૽૽ૹ૽ૺૢ૽ૹ૽ૣૼઌૻ૽૾ૢઌ૽ૼૹ૽૽ૢ૽ૹ૽ૹૢ૽ઌ૽૽ૡ૽૽ઌૼૼઌ૽ૼૹ न्येव न्दर्सेन या चुर्य यस गुर झ नह कुया किंट र्नेयुन मेळिन् चीन मनेनर खट सुर्म कुं हेन। कुने चतुर्म रह के मने कुन रेट र्नु अकं र पर जिन पर किं ∄र'ग'गुरु| ब्री जि. व. प्रेंच अप प्राप्त के वाया की या त्राया यह दें पर जा पर हैं यह के वाया है यह की वाया की यह की वाया की यह की वाया की वाय ૹૢૺૺૹૻઌૼૢૺ૾ૹૹૼઌૢ૽૽૽ૢ૽ૻૢૢઌઌઽૡૼ૽૽ૼૹ૾ૺઌૣૹૻૢઌૣૠૹઌૡૺૹૺૹ૾ૺૹ૾ૹઌૹ૽ૢ૽ૹ૾૾ૺઌૻઌૢૼઌૢઌ૽૽ઌૢઌૣ૱ૢ૽ૹ૾ૹૹૹૹૢ૽ૢઌૣઌ૽ૼૠ૿ૢૹ૱ૡઌૼૺ न्यार्चामान्त्रमानुतिःर्श्चिन्यान्यांचानुष्यहे छेन्दार्भन्यानुष्यम् प्रतिन्त्रहे स्राह्मिन्यान्यान्या यते र्र्ह्मेन अ ग्रुट र्क्न न न न र र्थे र्न्ट । यू.कुर्य.कुर्य.दे.त्वी.स्यं इ.सू.श्रे.यक्टर.ज.वार्थर्या इ.पर्थ्य.कुर्याश्रेयां ह.पर्थ्य.कुर्याश्रेयां ह.पर्थ्य केव ग्रीक सहित प्रति ते गार पर ग्रामका रश्रर.क्र्य.ग्री.क्रिय.त्र्यहः पर्देवः जं.चरे. अक्रूवा वायवः बुटः। त्रष्ट्रक्ष्य.ता.क्रूट्र.वाश्वय.त्रव.ट्वा.ट्ट.च्ट्य. यां भेटी के वार्य सम्बन्ध मानुस्य के का ग्री कुला के दे हैं। दी में निस्त्रायं निस्त्रायम् में हो वितासम्बर्धायम् पर्द्धत्यात्रायाः वितासम्बर्धायाः वितासम्बर्धायः वितासम्वर्धायः वितासम्बर्धायः वितास यायवाश्चर्यायात्र्यात्रात्र्यात्रे वित्रम्यते वित्रम्यते वित्रम्यते श्चर्यायात् श्चर्यायात् वित्रम्यते वित्रम् क्रिंग कुर्य रह्म या महिन्य मावत या में या प्राप्त प्री मी राष्ट्री प्राप्त की मी प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त की मान प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप नः इवा वी नकुन्य विकास रहें वा हा दें ते किवा का सी सी रही तथी तथी का कुल है या है या है या है यह की सी सिराय हुंग निर्देर पट्टी निवास सुन प्रस्तित से मिर्टी से किया है निवास के स्वापन के स्वापन से स्वापन से स्वापन से स् ૢ૾ઌૼૡૢૼ૽૽૽ૡ૽૽૾૽૽ૣૺૹૻૻૡૡ૽ૺૹૢૻૹૻૡૢ૽૽ૹઌ૽ૢ૽ઌ૽૽ૻઌૹૻઌ૽ૡ૽ૢ૿ૣ૽ૼૼૡઌઌૡૢૼૢ૽ૹૢ૽૽૽ૹ૾૽૽૽ૢ૽ૹ૾૽૽૽ૢ૽ૡ૽૽ૡ૽૽ૢ૽ૡ૽૽ૡૢ૽ૡ૽ઌ૽૽ૡૢ૽ૡૹૻઌ૽૽ૡૢ૽ઌ૽ૹ चत्रे वानुषाच क्यून क्षून वा देशस्त्रं र्याचे रायां प्रेक्षे र विष्तर वी सुन हे व सुन रमा विषेर से न रे त्या धार तर्से विषय रेंद्र न या ब्रिट्र र दा ब्रिट्र द र वेंद्र वयाने रात्रकर्षों तृत्वीं याधीन विश्व हिंदा वितान के धीव दिवा विश्व के स्वान के स्वान के स्वान के स्वान के स्व वंशक् क्रें रें पेंदे हिर द क्रें न र वा वाके र वें वार खुँ यं च्या अवं वाकिवा छुंवा है। चिवा का या वाक्के क्र सब्नै मंगवन यो क्रिंग ब्रांट मांगवा ही रायया रॉस स्वेय मार्थ स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं अवःर्वाः¥अयःशेवार्यःसरःवारुवा मङ्ग्रद्भारताची प्रचंद धुवाप्तंता चियाचे गाउँ क्या थे क्यां यो कुर्ते प्रवे खुवाब ये वाब प्रवास का <u>ਡੈ'ੜੇ'ਰਕੇ'ਰਵਿੱਚਾਗ਼ੈ'ੜ੍ਹੇੱ</u>ਰ'ਡਾ च्यार्चः हं कुं वी र्र्स्च मं अप्रायम ने विष्यं विषय विषयं प्याप्य ने कुंग्नर खुना ने नियारी न निविचाना याया यह केना सह दु ग्नाना न अपन्यामा साम्यामा साम यार्श्विनः अपन्ने अर्केना नुवाया अरात् प्रेरि गुरी र्देवे ग्राचे पर्जे स्वा गर्डट मी अविषय पक्ति विश বিষ্ণবাদী: কুবা: কুবা इ.अ.च.त्.चपु.भूत.म.क्वेबयायास्वेव अथाक्ष्र्वीयायान्दरास्वायायाचारा चिटा स्वेत मिल इस्रया ग्रीया क्रिया प्रमुद्दा त्रीवाया सर वार्वारा ञ्च दॅर संर देंदे श्वाब ग्री चंदे अर्केन इस्र वाचे च त त वेन वा रंपर ल्बा **नर्देश**'युव'ठेश'चु'च'नेश'युंद'। कृंत् नद्गुत क्वित् माले वात्रा माले न्या क्षाया माले हो माले क्षाया से माले प्रमान क्षीत यानुस्रमाराख्वाने ने स्वायाब्वायान्त्रम् वायान्य प्रायान्य प्रमान्य विवास्त्र विवास्त्र विवास्त्र विवासित्र विवासित् র্মান্যমন্ট্রবার্মা चर्च रत्वी ख्रांचेते अर्क्च स्ट्रेंहे प्यायेवाबांचर वासुत्वा है विश्वाच स्तुत्व बार्य हुत तथे या है जा येत्रि स नःरेवःकेवं नेराणे र्यान्ते अकेवाणे नम्निर्याणावा विद्राणीया विद्रा स्रकृत्यः देशायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स ૽ૣૣૼ[૽]ૄ૱ૢૢૺ૽ઌ૽૽૽૽ૺઌ૽૽૽ૼૻઌ૽ૺૢૹૣૼઌઌ૽ૼૹૢૹઌ૽ૣ૽૾ૹૣ૽ૼઌઌૻ૱ૹૢૻૹઌઌ૽૽૾ૹ૾ૢઌ૽ૹ૽ૹૼઌ૽૱ૢૢૢૢૢૢ૽૱૽૽૱૽૽૱૽ૡઌ૽ૡ૱ૹઌ૽૽૽૽ૢઌ૽ૹ૽ૢ૱ૢ૽ૺ<u>૾૽</u>ૹ૽૾ૢ૽ૢ૽ૺઌ૽ૡૢ૱ क्रिने न्दर नुरुष रे प्यार अहं ने वन रे रेष अहं न प्यते अहं न पर हैं ने ब पाय के यात्र हिया मुला है है जो नुरुष की न पर्नुतः याची न्याया स्वार्था या प्राप्त स्वापा स्वापा ता ता हित्या परि र्वोत् বেখ্রিদ্রমান্তর্

हैं 'शुब' कुस स्नितर प्यार 'श्रें कुर सब्नी वाद्यक्षे प्रवास के स्वार प्यार (बुब्नी अर्र 'द्रार विस्वर प्रायर के स्वर प्रायर के स्वर्ग सहित्री ुं हैं वा अर्दे हैं ता द के बाह दें र द र भू भू के वा का वा के वा के वु हैं व कि र विकान परि के पार का पर अहरी है हिर न्ना अर्दे पि हु र हु हैं है। स्त्रिया मुक्ता मुक्ता स्त्रिया मुक्ता स्त्रिया स्त्रिया स्त्रिया स्त्रिया स्त्रिया मुक्ता स्त्रिया स्त्रिया स् स्त्रिया स् चर हैं खब ग्रम मुनेवाबा ने हैं र न्युल के गुवर हैं हे बेब इन्ना ह स्निन र देते ने हें ब ग्री हैं व से हैं ल सवा से प्रश्निव ने ने व ब हर र्वे. पर्ट्रेशन्तर्टा रूट्यूर्च वि. श्रुट्याया सूर्याया त्याचीया विषय स्वाप्त यक्त्वाचा न्यन् क्विर्द्धर स्वायक्ष्य हु तालक्ष्य क्विर्याक्ष्य क्विर्याक्षय हु क्विर्याक्षय हु क्विर्याक्षय हु तालक्ष्य स्वायक्ष्य हु क्विर्याक्षय हु क्विर्याक्षय हु तालक्ष्य स्वायक्षय हु क्विर्याक्षय हु क्विर्याक्षय हु तालक्ष्य स्वायक्षय हु क्विर्याक्षय हु क्विर्याक् न्दान्डमायाचीनमायाचाम्याचा ने त्यासूर्या सङ्गदारा नावानु सिंहे केटाने मानमा निमासूर यही अर्दे वसमा उत्यावित या त्या सुर्या सुर्य पंषाम्बदार्दे। वित्रायार्दे पंतरे के कि मानायार विवास पंतरी के बार के बार के मानायार प्राप्त का मानायार के मान यद्। ब्रिन्यं अट्टे निर्देश के स्ट्रेय के स्ट्रेय के स्ट्रेय बह्र-ही देपुँ स्र-ज्यायप्त हैं-रिविविव्यं स्र्री दिपुँ हैं बाग्य न्यून स्र्यून स्र्यं विव्याया मित्र स्राप्त हैं मिवन भरें रेट में सुबर र में रूप कहा भेर हैं न लयानवर्नित्रते क्विन चुराना प्यारा अवेता या वेता ग्री छीरा द्वी परा अविकार्यो चयार्द्र-व्हेंब्राचित्रयाम्यास्य स्वात्रयाम्य प्रात्ते व्याप्त विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः चयार्द्दर् विष्यं च्याप्त विषयः स्वात्यं विषयः विषय <u>রশস্তীশর্মির রুরি</u> यक्षे क्री अ. श्री मा अहं दे ता ते ता अहं दे ता है ते तह है ता ता अहं रायहर्न प्राप्त क्षेत्र प्रहर्म क्षेत्र प्रहर्म क्षेत्र प्राप्त प्राप्त प्रहर्म क्षेत्र क् র্ষুঝায়ারগ্রীনারাক্রান্ত্রীনারগ্রীকারারার্লি ইনা क्रवार्त्ये दूरन यद देवे दर्देश श्चेंन येव रम्ब समूद सवे नगाव चवर्तः त्यात्रः त्याव्यात्रः त्यात्रे त्याव्यात्रः त्याव्यात्यः त्याव्यात्रः त्याव्यात्यः त्याव्य

ये. ६ स्वाः स्व

ने वे सुवायाना इत्यते ने वाबादवाधीवा 'चगाद ઃଞ୍ଚଧା दे :५:चुदे :ग्रुच धःचह्ने बःचदे :क्रुबःचुः दे बःर्वेट :दर चः हे बःबुः ग्रुच हिरः हे। दे वित्र क्षेत्र च ने र वहें दे र वह वे के वित्र के के वित्र के के वित्र च के वित्र च के वित्र च वित्र र्न् चुरणे क्रिंग खु विणेषा मार्झ पार्च अर्द में हिर्दे हैं अह्त हुं तु सि मार्च मुद्ध वं में वे विण स्र में दे से खेल के कि प्र से प्र स्व प्र सि मार्च मार्च पर सि मार्य पर सि मार्च पर यहारी दर्स्य द्वराविता में प्रति कार्य वित्र के देश में प्रति कार्य कार्य वित्र के प्रति कार्य क यो अञ्चेषायायायाया अति वियायादेव सुयानु याद्वीया निर्देश सुर्या प्रति स्वर्या त्यः क्रुं विषयः प्रतिवाद्यः विषयः व न्गात पर शुर पति के विंद् दर प्राचन सिव है हैं कु वना त्यां व व व के दें दें ने ते वित् के ते पार द्वार के विकाम सुर का रांचा के व र का हिंद के मुंदे के व के व के व ॱॳॖॴॱऄज़ॱय़ॱढ़ॏज़ॱॿॸॕॖॱॻॸॗ॔ॸ॔ॱॻ॑ॴ॓ॱऄॕॖज़ॱॸऻॹॕॹॱॺॴॱॿ॔ॴॷॸॱऄॖॱॸॗॴॱऄॗॱॸॸॻॎॼॱॻॹज़ऻॕक़ॕॴॱॿॎ॓ॸॱख़ॵॻऺॸॱॻॖॹॕॱॺॸॹॱॿॖॹॱऄऀॱॱ नंस्रेन यं यानं हुं ने दिं न हो से स्वाबिया केन हिन से से वित्य मही की नाम महिन हो निर्मा केन हिन से निर्मा ज्ञानक्षेत्र प्रते प्रते क्षा स्वा क्ष्म स्वा क्ष्म स्वा क्ष्म स्वा क्ष्म स्वा क्ष्म स्वा क्ष्म स्व क्ष्म स्व र्नु गरिया र्रे 'थि वा ल.प्याल.ग्री.म्रेप.र्यया टार्चे क्रियाचे दाचे राज्यायाची मेटार्चे देशायमा रायात्र्यें नार्येन् चेराव्यायस्यायार्याहाः सारी याववार्यनुवानु नर्झेरन्न चुर्यप्रमा देवे वर्गा व सार्यान कुर्णेर के प्रमान किया है सार्व के स्थाप के सार्थ के सार्य के सार्थ के सार्य क वैव ५७के घर श्रुर ही |देते'ळे झंर्रेते' अर्ळेन पुनम प्रेंन् क्षें अर्थे पंतियान पतिया पतिया स्वित्ता स्वित्ता स्वित्ता स्वित्ता स्व क्र्यम् विश्वसाद्येम् वर्षा सहसार द्वेत्र वित्र संदेशन विवार है से संस्थित से विवास विवास विवास विवास विवास सी लट.लट.चेर्थश्चराचेषट.चर. <u>ॿॱ</u>ॖॖॖॸॹऺॣॴॸॴॱॸॱढ़ॕॱढ़ॱॾॖॖऀढ़ॱॾॕॖॸॺॱॾॖॱॸ॔ॺॕॴक़ॱक़ऺॹॖढ़ॱक़ॕॴॸऄॴॱॴॹॖॸॴढ़ॴॕॱक़ॱॸऀॱॾॣॱॸॕॱॸॸॱॻऻढ़ऀॺॱॻॖऀॴॱॷढ़ॱॸऀॴॱढ़ॖॱॾॖऀढ़ॱॾॖ॔ॸॺॱॿॖॴ <u>ਵੈੱਕੋ ਲੇ ਲਵਾਸਾਂ ਬ੍ਰਾਂਘ ਸਵਾਘਾਂ ਭੂ ਬਕਾ ਭੈਕਾਂ ਡੂੰਸਕਾ ਬਵਿਤਾਪਕੀ ਵਿੱਚ ਬੰਧੇ ਬੁਵਕਾ ਗੁਵਾਂ ਭਵਾਪ ਕੇ ਵਾਪਾ ਕਿਸਾ ਹੁੰਦਾ | ਛਾ ਸੈਂ ਕਵਕਾਂ ਗੁੱਕਾ ਭੈਕਾ ਭੈਕਾ ਭੈਕਾਂ</u> देरक्षं प्रमृत् केर मृत्रबंबर पूर्ण मृत्रिं दे प्रमृत्र क्ष्या रे के हूं बावश मृत्रिक्ष के प्रमृत्रिक्ष के प्रमृत्र य्यं अन्य स्था किराने स्थित स्था किराने ब्रुव पर्योग वे मारम कुम वेव भारत स्वापित मान प्रवास कर विता य.क.ची ह्रीय.पर्याचा स्थाय.पा.ता.ची.वा.स.ट्.त.त्य.त्य.त्य.वायटा मैर्यायहरी म् इत् अया अर्थे दे प्राप्त प्रति है । क्षेत्रं योग्या वृष्य प्रया दि । चैत्रे चित्रं प्रया स्वर्थ है । स्वर्थ है व मीशिराययां स्वाप्तात्त्रात्त् मंदि अपित तर्शे अयानर कर ज्ञामाधी वामायुर हैं। पिर्देश अहर पिरी माब्द माबद अर भेग रूप भे भेग माया पर पर ग्रेते हें हे ते न्ग्रेल तिक्र ग्रे के के मा अहं ने सं ह्युन अदे प्रव र्वेट र्थेट्य सुर्ह्युट प्रे प्र बेद्रायदे यदेव पर हेंग्रव पर द्रा थॅव नृव श्री अर प्रेङ्ग र रे हैं अकूर्य मिन्द्र प्राप्त के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्व लबर्म् मुलंदियार्गराव्यास्यानुब्रात्वेषाचित्र्यात्राच्यायायाः विष्याय्यात्राच् दे ब्रियमार्थमार्थितार्थितार्थितार्थिता विषा के पात्राचार है में में प्राचीता के प्राचीता है है है है ने हिरा की राया कैला अक्ष्य क्रियान्य प्रमाणिक स्वास्त्र अवित्य स्वास्त्र अवित्य स्वास्त्र

७ कुर्भेदेःचम्राञ्चलम् भूमः कुर्म्मित्रा

यदे क्रिंग्रिंग्रिंग्रिंग वर्तियानमामनेमान्यान्त्राच्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्या लट. २ श्री ट्रेट ट्रेप्ट चर्च ब्राज्यालट प्रचील चर्या अने ब्राचन चित्र चर्या की चरित्र व ग्री ग्वान्यमाया इयमाया ग्वान्या देव:क्र.म.स्वार्याः स्तरं च्यां संत्रात्वावायाया विंदान्दार्श्वेदानेन निर्दायहै व पानि वाया रान्युःवासुअःर्राः धरःवाद्रेरः। चयाक्कि.वीर्क्कि.चे.लाक्के.लीके.जास्वा.कुषु:भूर.केंब्यांवाबय.बुटा ट्रे.जाक्क्वा.वाबय.बुवा.कुर्वा.वाब्यक्केंब्य.वाब्यकेंब्य.वाब्यकेंव्यवेंब्यकेंब्य.वाब्यकेंब्य.वाब्यकेंव्यवेंब्यकेंब्य.वाब्यकेंव्यवेंव्यकेंब्य.वाब्यकेंव्य.वाब्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यकेंव्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यवेंव्यकेंव्यवेंव्यके वु नर्वेद वस्त्रा केंब सर्ट केंग्न राये सामन केंद्र मेन मुलाना लट्रिंग क्रिया च्रिया च्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया विवादी वार्षाया स्थित विवादी वार्षाया विवादी वार्षाया विवादी वार्षाया विवादी वार्षाया विवादी वार्षाया वार्षाय

5、本、も、す、まち、ち মদ্বাদ্য হৈ বাজি ক্রিন ই অমান ক্রমান ক্রমান

র.৫ ইল্'বর্ট'বর্টুর্'বরি'শ্লবর্গা

यम् हिःसिं ही नायायहित्यं हित्रहित्यं वयार्श्वेन पर्यवायां चर्चेन या विवायया ही र्श्वेवायेवायामा अहिवा ही नाय विवाय स्वाया ૹૣૼઌૣ૽ઽઌૻૼ૱ઽ૾ઌ૽ૼૼૼઌૹ૽૽ૼઌ૽ૹ૾૽ઌૻૻ૾ૹ૾૽ૢ૱ઌૻૹૢ૽૱૽ૢૺૹઽૢ૽ઃઌૢઽ૽ૣૹૺ૽ૄૢૢૢૢૼ૾ઌૢ૽૽૽ૢૼ૽ૣ૾ઌઌ૽૽ૹ૽૾ૢૺૢઌ૽ૼૢૼૹ૽ઌ૽ઌઌ૽ૡૢૡ૽ૺઌઌ૽૽ૹૻ૽ૢઌૻઌ૽૽ઌૢ૾ૢ૽૱ૡૻઌ૽ૺ૱૱ૺ न श्रीनं नुआ बुआ बुला हे तर्श्वेषा श्रीते हुट है है प्रवाद र्थ केट बुट पी श्ला ठवा प्रवाद विषय श्रीत तर्श पर विषय स्था देवि के के निर्मा के मान के मा . तुं 'भूवा' श्चे 'ह्' ख्रंब' श्चे बाब् 'ख्र्ब' खंद्र 'ख्रंब' व्यव्याचे बेर प्रतान हें हिंद प्रवास हिंदी हें क्षंवार व्यव्यक्ष क्ष्य ख्रंब ख्रंब क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष्य क्षेत्र क्ष यो विरावासीर प्राप्ति अस्ति विराधिक हो। यस स्राप्ति सामित्र में स्वीता स्वीति सामित्र स्वीति स्वापित स्वीति स न्त्री ब्रुन्त्वाद प्यत् वेत्र वेत्र विश्व केत्र वित्त प्रति निया विश्व वित्त वित्त वित्त वित्त वित्त वित्त वि चेत्रार्याक्षराचे वित्राची त्रांच्या ग्राम् वित्र व्याप्त त्र वित्र प्राप्त क्षेत्र वित्र प्राप्त क्षेत्र वित्र इत्याव प्राप्त क्षेत्र वित्र ची त्रांच्या ग्राम् वित्र व्याप्त क्षेत्र वित्र क्षेत्र वित्र क्षेत्र वित्र वित्र वयान्यान्त्रवयान्त्रव्यान्त्रव्यान्त्रवान्त्रव्यान्त्रव्यान्त्रव्यान्त्रव्यान्त्रव्यान्त्रव्यान्त्रव्यान्त्रव्य यात्यान्त्रव्यान्त्रव्यान्त्रवान्त्रवान्त्रव्यान्त्रव्यान्त्रव्यान्त्रवान्त्रव्यान्त्रव्यान्त्रव्यान्त्रव्यान पिर व रें पर्या हैं पाया हुया था है व वर्ष के के रामव पर वर्षा अरे परि ही था पर भी व ने राम विमान वर्षा है पा है रे ही अमाव वर्ष के वा ક્રિવાય.ક્રેશય.ગુ..તેળ.ટે.જમ.તગૂરી ટુંડુ.જ.વાંઝુ.ફ્રેવાય.ઝાદ્યવાય.તડું.ગ્રેવ.ક્ર્ય.જણ.તર્ફર.જા.વાલય. હરા.વાંતાયય.લુંટા ટેગુય.ક્રેમ.ગુ. ક્રિવે.ળ.વોગ્રુવાય.ક્ર્યાય.જાદ્દાતાયી ચે.ક્રા.જા.વાંડુ.લક્રેન.તા.જુવ.ક્રા.ક્રેય.હેર્ફે. ક્રો.વાય.તર્ફે. स्वातः त्रे त्याया व्यवस्य विष्या विषयः व वार्य र श्रीर धिव के विकाय सुर मा है विका की खूट पर विवाया है त्या है अर या विकाय कि विहास की है है ति अर या सुव किया चर्य अस्ति नेतृ के जू नुष्टी स्वर्ध स्वर्ण के प्रत्या विष्य स्वर्ण में जु स्वर्ण स्वर् यव पविभागा विभागा स्त्रीत प्राप्त के प्राप् र देशानीरेशकार तो निवार विषय त्वीया तर्वाया स्थान स र देशानीरेशकार तो निवार विषय त्वीया तर्वाया स्थान स कूर्यात्रमानुन्यात्रमानुन्यात्रमानुन्यात्रमानुन्यात्रमान्त्रम् । सुर्यानुन्यात्रमानुन्यात्रमानुन्यानुन्यानुन्य विष्यानुभुः सूर्याययानुन्यात्रमानुन्यात्रमानुन्यात्रमान्त्रमानुन्यात्रमानुन्यात्रमानुन्यानुन्यानुन्यात्रमानुन वयःश्रूचःशःशटः र्ने.चश्चैट्यः तं जा रूजः त्वाचाः कूषा व्यवः श्रुवः स्त्राचायः कुष्णे व्यवः त्वाच्यः व्यवः स्त्राच्यः व्यवः स्त्राच्यः व्यवः स्त्राच्यः व्यवः स्त्राच्यः व्यवः स्त्राच्यः व्यवः स्त्राच्यः स्त्राचः स्त्राच्यः स्त्राच्यः स्त्राच्यः स्त्राचः

म्बिन्यायरम्बिन्याची सुरम्भे स्वर्त्याचित्रस्य स्वर्त्वाचान्याचित्रस्य स्वर्त्याच्याचान्यस्य स्वर्त्वाच्याचान्य

राज्ञट्टा त्राच्चे स्वाविद्या विद्या क्षेत्र स्वाविद्या क्षेत्र स्वाविद्य स्वाविद्य

हि.ज.प्यूच्य-पूर्यः अकूवा मैजाजू, परिट्या श्रम्यापुं ट्वा ई.क्यावेश्वात के यू.वी. स्वा क्षेत्र प्रमान प्राप्त प्रमान विचा के क्षा क्षा त्या प्रमान प्राप्त प्रमान विचा के क्षा क्षा त्या प्रमान प्राप्त प्रमान प्रमान विचा क्षा क्षा त्या प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान विचा क्षा त्या क्षा क्षा त्या प्रमान प्

लास्तरप्रचा है वेदे केंग विंदर्ग

 $\frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}$ म्याता स्वाता स् बर्ग निर्म्य स्थान स्था जियह वरिवाया त्राया कुराया कुराया प्रमाया में स्थाया हुन निर्माया में स्थाया वर्ष कि स्थाया में स्थाया स्थाया में स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया रथः हैना नाते न से देने द्यारा ना केने तुः ह्यु र निर्देश सह देने दिन हो । रस खुना न से सम सम सम से सम से से स त्त्रुयास्वा वाशुयारा योटा स्रेन् रायेषायये योटा निवा के बाहित हो या स्वीता के अधिका स्वीता योटा स्वा के बावा स क्रावर्या अर् क्रिया क्राव्या प्राप्त क्राय्य प्रवास क्राय्य क्रिया क्रिया क्राय्य क्रिया क् ध्रियामबार्श्चियास्य क्रियाम् क्रियाम् क्रियाम् क्रियाम् क्रियामबार्थाः क्रियामबार्याभवार्यामबार्थाः क्रियामबार्थाः क्रियामबार्थाः क्रियामबार्थाः क्रियामबार्थाः क्रियामबार्थाः क्रियामबार्याचः क्रियामबार्याचः क्रियामबार्याचः क्रियामबार्याचः क्रियामबार्याचः क्रियामबार्याचः

मानवार्स् हे बेट मे लामात्वाया वया राज्याया इसवारो मानवार सम्याता मानवार्षेत्र स्वाता सम्याता र्धार प्रभूत परिते क्रुव पेंद दें। हिंग अर्दे हैं प्रश्लेंप अर्जन इस दूरी विगर प्रण भिन्न देव के वी वेके तु देर दे। अव पेर प्राची हे पें त्रमूच त्रा ह्र ह ग्रीब नेवार पूर्वी वार्चेब त हु ह अर व अध्यात्र नेवा जुना हुवी ह क्या के बीवर वा हूं क क्या भी रच ब्रुंद्र'संघत ज्ञाया क्रेंद्रप्र क्रियाळ देव सर्वेद याचेद याच्या याचार प्रोच पर्च क्रिया सर्वेद्र हे या पर्द हे या पर्द हे या पर्द हे या पर्द है या पर है या पर्द है या पर है य बें 'बिन' धुन' क्वु अ'बिन' में 'अर 'ब्रेंब' पर पर सबसे प्रमा हैं 'ब्रें 'ब्रें 'ब्रेंब' प्रमा वेंप 'ब्रेंच' के 'ब्रेंब' के पर के प्रमा के कि कि मान लय विटा देव क्रूंच्या ग्रीया अर्दे के ता गुयारा केव के अहर ही क्रिकेट के ग्रीया क्रिया मुख्या के तार केवा के के ता प्राप्त के ता क्रिया में क्रिय में क्रिया में क्रिय में क्रिया में क्रिया में क्रिया म ह्रमानामान्यामान्त्री क्रुन्या संस्थान विदायमान्त्री क्रि. स्यानामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान हुर. ट्रीवा. त. हुट, श्र. अवा. ज. प्रधिट्या अक्ष य. व्या. हिं सम्प्राति वि. य. वे. त. वे. त. वे. वे. वे. वे. व र्वाद र्हे हे धैव है। बे बें ब्रूट वें ये बहुद वे वह वा बहुद हैं विष्य के वें वें के विषय के वें के वें के वें वेणोर्थे इस्रमानिक्षेत्र होतुः विदानी मवस्य निविद्यानित्र विदानित्र विदानित्र विदानित्र के स्रोतित्र विदानित्र मुचाया गीय न्यूषु स्याया महिन माना व्याप्त कर्ण के मिला मुकाया के स्वाप्त कर स्थाया स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्य विवाया गीय न्यूषु स्वयाया महिन माना कर के लिला मुकाया कर स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप स्राष्ट्रीय निया है अर पृष्ट मिट स्राप्ट स्वापित स्वापित स्वाप्ट स्वाप र्षेत्राचारतिहरू । विर्माणविष्यक्षेत्रम् विष्यक्षेत्रम् विष्यत् विष्यत ब्रामाब्रुयारा भारते हुन हैं मेबा सह दी अपने रो निया से पार्च के माने बार पार्ट के बार के माने के माने के माने क्षेंप'न्यॅबर्'हें हे सेव'केवु'न्यू क्षेंप'न्यॅब'पवर क्षेंप'वर्ष्ट्र पंप'न्यं क्षेंप'न्यॅबर्'नेव'म्बिव'क्रांप' केव'म्बिव'क्रांप'वर्ष म् अप्रोची पहें प्रतिषा हे बाकी विषय र्हेण पश्चित्र वर्ष ग्रीत्व वर्ष सर्दि हे वर्ष संस्था स्थान वर्ष महिष्य स्थान है वर्ष स्थान स्यान स्थान स्य राष्ट्र प्याद प्रमुख्य क्षेत्र में प्रदान के प्रमुख्य में मुक्ते में मुक्ते प्रमुख्य में मुक्ते में मुक्ते प्रमुख्य में मुक्ते में मुक्ते में मुक्ते प्रमुख्य में मुक्ते में त्तुयः क्कें र क्वें शं र्षेन् प्रदेश प्रचे प्रदेश प्रचा हु अर्थ प्रचेश वर्षिया प्रचेश के कि स्वाप्त के कि स्व ति स्वाप्त के कि स्वाप्त के स्वाप यद्दी अर.तपु.बैल.तर.विवायक्षेट्रं अ.कु.पिषट्वी उत्तर्वे स्वाति अर्चा क्षेत्र प्रति विवायक्षेत्र स्वाति विवाया देव.कव.तचर.सूपु.वार्थर.सूच.रसूव.कूय.हूर.श.सूच.तापविदय.वय.दु.दीवारा.सैवाय.सूत्रातावाचीवाया पूर.वी.स्या.सूपु. बार्शास्त्रवार्यायात्रेवाबा तर्हेबात्रवाह्म विद्यात्रवाह्म त्रित्ता क्षेत्र त्रात्य क्षेत्र त्रात्य क्षेत्र त्य स्वारत्य प्राप्त विवाद्या त्रित्ता त्रात्र क्षेत्र विद्यात्र क्षेत्र त्यात्र क्षेत्र त्यात्र क्षेत्र त्या विवाद क्षेत्र त्या विवाद्या त्रात्य क्षेत्र विद्यात्र क्षेत्र विद्यात्र क्षेत्र त्यात्र क्षेत्र त्या विवाद्यात्र क्षेत्र त्या विवाद्य श्चॅन न्यं के के रामे त्या के श्वाक के के के के कि मान के किया मान के किया है के कि कि कि के कि कि कि कि कि कि म्निम्बा र्रे क्रिंचिया द्वार क्रिंचिया क्रिया वार्य में माने वार्य क्रिया क्रि क्रि.मू.क्षित्यास्त्रक्विया म्याप्तिवित्या स्थारक्षित्या स्थारम् स्थारम् स्थारम् स्थारम् स्थारम् स्थारम् स्थारम् इतिहासम्बद्धाः क्रमायर मेशुर्याया विमाञ्चेत ठ्र क्षे मेर ब्रमायम्य स्माय प्रमाय क्रमाय क्रमाय क्रमाय क्रमाय क्रमाय क्रमाय क्रम षष्टियः तथः त्र्यः नियात्रः त्यात्रः विद्रन् विद्रम् विद्रम् विद्यः विद्य बर्य क्रिय क्रिय अळव क्रिय ग्रीट हिंग अगवा ग्री देनट वियो हे हिंग श्रीय नदेग से ग्रीयाय प्रतिह गावय ग्रीय श्रीय हात स्वासीय विया ग्री निवर निर्म् कृत चर्न निवर्ष वार्त निवर के वार्त वेवा वार्ष पर निवर कि विवर कि मुंब के विवर के कि कि कि कि ર્દેવ યુવા ૧નિયા ના ૧ના કોંગ્રેય શ્રી ૧ કેંચ શ્રી ફે વર્ષેવ વેશ્વા કરા પત્ર ફુયાન ૧૬૦ ફ્રિયારે ફ્રિયાર્સેવા સેવ ર્સેવ યો સુવાયા માના ૧૬૦ ફ્રિયારે ફ્ર - इतः पर्वेदः वयमः कुलः यळवः यः क्यमः ग्रुतः यष्ट्रिवः तरः यः भीवः हः गुम्यभितः गम्य यः यतः द्वाः यहिषः विमानवे माने माने माने विदः हें हो बॅर गुणकं सं बिण ल केंबाकर रे ले बळद अरे निहन सदी गुर्वे जन्म पर निकृत हु सं गृहे ब बूदि । निर न्निनबं सुं ग्रित कर ने इसके ल मन्द्राचेदेते च्रान् कृत्रकन्याया हे से नाया केदार्य ते प्यापात स्वराया हिन क्षेत्र के संग्रह मन्द्राचेदे प्याप विषायम् निष्यायम् अरातुः अहित्। ते स्वरादर्शे पदि र्देव कु केवारी अहित्यादे स्टावकारमार्थे पक्षित् स्वरादे स्व बे र्रे सूर्व ने त्र व ने द व दे बे र्रे होतु यद य वे बुब हु स व हेवा केंद्र प ये द्वा

१.१ दर्भानासम्स्याम् भी भूनम्

त्रस्य प्रमाण के प्रमाण क चेट्-क्ष्ट्-टे.जय.श्रट्-तय्य.शय.य.च्यू-टे.क्ष्ट्-क्षिट्-क्षे.जी.जय.क्ष्य.पं.चेट्टेयू.टेय.चया ट्रेयू.च्यू-याचेत्र.क्ष्य.च्यू-याचेत्र.क्ष्य.व्यू-क्ष्य. र् स्ट वियान्त्रुत्यान्त्रा स्वयायाम्यस्य स्वर्णान्त्रम् स्वर्णान्यः स्वर्णानः स्वरत्यः स्वर्णान्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्णान्यः स्वर्यः स्वर्णानः स्वर ૹૻઽૹઃૹૢૹઃઌઽ૽ૺૺ૾ૹૢ૽૽ઙૢ૽ૢૼૢૼ૽ઌૢ૽૽૽ઌૹ૽ઌૹૹ૾૽૾ૼઽઌ૽૽ઌ૿૽ૡ૽૽૾ૹ૽ૼઌ૽ૻૹૢૢઌૹઌૢ૽૽ૹૢ૽ૼઌૹ૽૽ૢ૾ઌૹઌઌઌઌઌઌ૽૽૱ૹૡ૽૽ઌ૽ૼ૱૱ૹ૽ૢૹ૽ૹૢ૽ૢ૽ઌૹ૽ૼઌ૽ૄૹૢૹ૽૽ૢઌૹ૽ૼ૽૽ૢૹ૽ૹ૽ૢ૽ૺ त्रतुम्यते त्यापते थीना मायत ता दार्श्व नायद तात्र यादी नादुर्भायते हैं या या विदाय या विदाय या विदाय विदाय के निया ष्णुयः चर्या के के विषयः प्रति । विषयः प्रत्या विषयः प्रत्या विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः प्रत्या विषयः व सर्वे क्रियः स्वयः स्वाची खेवाया अस्ति स्वयः स्वय त्रक्षं प्रचेश में अवस्य विश्व क्षेत्र क्ष्य क् वार्षावा विद्वावित्रात्मा कुर्वा अव देवा प्रतान्य कर्षा वायव । विश्व प्रतानित्र विद्वार्त विद्वार्त कुर्व कुर कि तो विद्वार वि तिर्त्यत् स्थान्ति । पिष्य निर्मा निर्मा कर्षा निर्मा कर्षा क्षेत्र क्षेत् टवी.लूर्ट.तर.बूब्रिय.चेट.वोधिवाब.त.लुब.धे। परीजाय.के.टेट.ब्रैवीय.चूर्य.कुब.केट.लूट.त.खुब्र.तर.श्रह्ण.व.श्य.व.श्रह्ण.व. म् यं भी क्रुया होता है या होता है यो विष्य क्रिया है यो विषय है यो है यो है यो है यो है यो है या है यो है या त

. તોયર્કો ર્રોલર.ન.રેર.લપૂર્યતોધુંએ.ગ્રેર્જાતોકુર્વાત્વંયુ.ક્રીય.નુથી કર્જારી લરાયા.સૂંચ.રનૂય.રી.ત્વરાકુરાતાનો શ્રૅઝ.લપૂર્ય.ના.સુંચ. वयानेयां स्थाप्ति अवार्या (वयाप्याप्तिव पश्चिमाने) प्रते याप्यायाप्ति हा अवार्याय होता वयापाय वयाश्चिमाया स्थाप चीतरायश्चित्राक्षेत्रवाद्यात्र्यक्षेत्रवाद्यात्र्याः स्वाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रव स्वाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्रवाद्यात्र पद्मण क्षेत्रा क्षेत्र स्टूर् स्ट्रा ह्मान्त्रेश्वर्ताः स्वायः स्वयः स में हैंग्रायावश्वरात्त्र व्याप्त कर्ण में कर्ण में कर्ण प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य इंग्रियायावर्ष्य राज्य प्रत्य दियं पार्वर हित्य प्रापित्र वृद्धि वृद्धि प्राप्त प्राप्त प्राप्त है। दे वि सुकार ही यायर ही प्रवे रे पाया पार्विव सु स्वाप्त प्राप्त पार्विव सु सु स्वाप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प पत्तवाबाः भूरः शुः श्रिष्ठेवः वेशः वर्षेटः । पत्रवाबाः भूरः शिववः त्याचारः वार्तेवा निष्यः तथा । व्यतः वे स्र अत्यावः भूरः श्रिः वायावः स्र विर त्यावः मायदःक्रमायाश्चीःक्रेंदः ते तथमायाक्षें र आवयाया व्यद्भार्यायाया व्यव्याचे र नया स्ति। च्या विष्णा च्या विष्णा विष क्षेत्रवाक्षित्रकृति । विष्णु प्रविद्याक्षित्रकृति । देव्यानुस्य विष्णु । (याञ्चलाक्षां क्षेत्र अंत्र्याचे क्षेत्र प्रवेद्वा क्षेत्र प्रवेद्वा क्षेत्र प्रवेद्वा क्षेत्र प्रवेद्व क्षेत्र प्रवेद क्षेत्र क्षेत्र प्रवेद क्षेत्र प्रवेद क्षेत्र प्रवेद क्षेत्र क्षेत्र प्रवेद क्षेत्र प्रवेद क्षेत्र प्रवेद क्षेत्र क् खेंट्र च्रे च्रेष्ठ चर्के कं ग्राट स्ट्र सहित विकर केंट्र या चहने वर्षे कें प्राप्त के स्वार्थ के प्राप्त के स अट. मूं. हुरू. खेब. में बटेंं वटवा. अट. मूं. हुर. कवाबा जू. कि. जूब. तपु. कु. हुंट. क्ष्य. कुच. कुट. तर. टे. पत्रवाब. तब. वी में या पु. वी ब्याया कुट. वा कुव. वी ब्याया कुट. वा कुव. विवास के चर्चारार नुर्वोद्याने द्वी तर्वे त्यां चर्चे नुष्या वर्षा नुष्या वर्षा व क्रुं यं कं दर्जि त्या के लिया ले के पर दे हो के तार में पर हिंदा की स्वार्ध के लिया है गुश्रदर्शाता क्रेंबाइं प्रबंधित स्तानित हैं हिप्या वार्षि हैं हिप्या वार्षि कि विषय क्षेत्र हिष्य हिष् इंश्रवाक्ष्यें र छेपा पासुर मारामा विदापासुं मारा विदाय से सारा स्वापास करा हो किया मार्च र प्राप्त मारा से सारा मारामा से सारा से सार त्रीष्ट्रीय विवासी विवासी होता है। विवासिक क्षेत्र की निया मुक्त के किया मुक्त के किया मुक्त के किया मिनिया मे भी के बुर्ज के किया में किया मिनिया में किया म त्देने वार्के वार्षी मुंगूर प्राप्त प्राप्त में के किया में अव रहेन त्या के वार्षी का प्राप्त के वार्षी वा वार्षी के वार्षी का किया के वार्षी के व योषत्री ने या तुः है व र्यः क्षेत्रा पात्रव राधिव हो। ने प्यार तुः है व र्यः क्षेत्र स्व राधि राष्ट्र राधिव राधि राधिव धिन्या चुंबा वका ने या व्यव निवं के वे व्यव्यान ने विद्यान या श्री वार्ड में चे ने न्या श्री वार्ष में विद्यान या बुग्नान्या यह दायर ग्राम्य द्वा केंत्र ग्राम्य दाया यह हर है रहें दाय विषय ये विषय विषय विषय विषय विषय विषय

नदे गर्रे ख्राकार सेवाब के नवेंबा नविराध प्रकार के नवेंबा नुष्का क्या के बार्च के निराम्न वासी माने के बार्च के निराम के का नि र्क्रेयर्पः विवासिर्देवारम्यः विवासिर्वाचामुदास्य स्वयं स्वयं यस्य विवासिर्वाचीया अस्य देव से सुवासिय के स्वयं . इते. बिर् चेश्वराया दे. हेर प्रमराया च्यां व कुराया के प्राप्त प्राप्त व किराया के प्रमाण के प र्स्य विन् नक्षुत्रं यंत्रं बत्रं क्रुबन्द विन क्रुवन्त्रेयं क्रियं विवाद स्ति विन क्रियं क्र यबाचर्वा लाच्यात कुरे के तरे वर्ष पर लुबायबा तस्वाब परि वांबुर वीचायर विर धिवा चुबायं क लुबाब यो दे हो र पर विर हे गूर्वा खुट-५-वेर-५-देन्द्रीं नर-देन्त विद-रट-वीब वुमबा कुं भे खेन पायस के के किया नदी खनका चेर्न पायबा दिन्ना पाया खुन बारी विवास के स्थान के ॱढ़ॕॖऀ॔ऀॻऻॺॱॸ॓ॸॖऻॺॱॸ॓ॱॿॖॆढ़ॆॱढ़ॻॕॖॺॱय़ॱऄॗ॔ज़ॱय़ॱऄ॑ॱॸ॔ज़॔ढ़ॱॸ॓ऄऀॱॻऻॹॖॸ॑ॱढ़ॺॱॶज़॑ॱक़ॗॱॸॸॱॻढ़ॺॱय़ॱॺड़॔ॸऻ॔ॱज़ॹॖॸ॔ॱॸ॓ढ़ॆऀॱॸ॑ॻॸॱॺॏॺॱॿॆॎॸॱऄज़ॗॱय़*ॼ*ड़ॸ॔ॸ सर्ति गीय सिवेयत्वीयात्र स्थान्य स्थान च.पर्नेश्व.ता.श्रम.श्रीवाश.र्न्ट.पत्त्र्या.शीवाश.वाच्चेश.या.भिष्या. मुंश्व. स्त्राया. इत्याय. या. वि. स्त्राया. स्त् चगुर केव र्रे बिवा चव्यक्र प्राप्त तस्वां कर्षि वार्षु र वीका नर्रे कर्षे तदी इस्वार एकी नर्षि हिन रेट हे वीवा पहें व प्राप्त प्राप्त है व प्राप्त प्र प्राप्त श्च. यथर्तिताता सभीता त्राम्त्रीया त्राम्त्रीया त्राम्त्रीया त्राम्त्रीया त्राम्त्रीया त्राम्त्रीया त्राम्त्रीय सम्पा श्चिमान्त्रीया त्राम्त्रीया त्राम्त्रीया त्राम्त्रीया श्चिमान्त्रीय त्राम्त्रीय त्राम्त सृतः अवः त्यान्तः । ने गृतः यान्ते व पृतः गृतः यान्तः प्रतः प्रवः यान्ते व स्ति । यान्तः यान्ते व स्ति । यान्त गृते व स्ति । यान्तः यान्ते व पृतः यान्ते व स्ति । यान्तः प्रवः यान्ते । व स्ति । यान्तः यान्ते व स्ति । यान्य तर यहेवीबारीट रेनिट बबार डार्जिस विट लवीरटा हुए हुच क्रियानर एकट तार डार्जियाबला सप्ट हुँच डाराह्म री पटियास हु जीवाबा स्ट्रा हु स्वाचीर पित्र के स्वाचीर स्वचीर स्वाचीर स्वचीर स्वाचीर स्वचीर स्वाचीर स्वाचीर स्वाचीर स्वाचीर स्वाचीर स्वाचीर स्वचीर स्वचीर स्वचीर स्वाचीर स्वाचीर स्वचीर स्वची व्यवायाञ्चयवार्वे प्रत्याया ह्री

लट् क्रिट.मैट.वी.चर्चट.जीबाबार्ध्व.वाट.त.मौड्डे.ज.बी.केवा बट.बेट.। जै.च.त.वाश्वश.क्रीबाबंबा टे.वाश्वश.वा.ज.क्र्याक्रीज.इव.क्रुच.

শ্বীদ্রদার্থা

र्तुषु नियम विषय लट्डिं स्वाका क्रिवाय क्रिक्त क्षेत्र स्वाक्ष्य स्

१.३ नदे अर्केन सून नकु द दर र सहद सून नकु द छी सून भा

इर-यहर्रा प्रितुः इर-बुर-वार्श्वेयः विराव-दृष्ट, इर-यहर्य न्यक्ष्यः क्षेत्रमाक्ष्यः क्षेत्रमाक्ष्यः क्ष्यः विराव-

रदावीया अळअया विर्देत सुया द्वीया चेरा सुया सुया स्वार्थिया वी विदाय सम्बद्धारी से विवाय चेया स्वार्थिय स्वर्थिय स्वार्थिय स्व व्यक्षितः हवाना भर्तः द्वार्यः द्वारं ही। दे स्रायमधेना वना हे निद्धाने चित्रं प्राप्त निवा हिन् ने स्मिन् स्मि षाचे पविषा शुंषा देर श्रुपषा सुर त्या श्रुप्त सुराया श्रीपषा यदी के साम दे प्राची स्वाप देर हो पर्द्व ते श्री दे विषय साम स्वाप स् हैं पार्सिन् ने मुर्दा ने प्रति प्यत्य के ने में में के प्रति के सम्बद्ध के सम्बद्ध के सम्बद्ध के स्वाप्त के स <u> इत्रेत्रे । क्रिंत्युने स्नेत् बुंबर्यषा श्रेंचर्यवं श्रेबर्यवर्यावर वेत्र वी स्वाप्यं व विपातृ श्रे या अळ'यब या पं स्वप्य वेत्र वेत्र वेत्र वेत्र वि</u> त्म् वित्यायात्र्यं त्रां से त्रां से त्रां स्वायायात्र्यं से त्रां से त्रा र्वेषायंषा रे खुर्रा र्वेष्ठ्रेषा उर्दे केंद्रा विदाय केंद्रा केंद्र केंद् त्यः स्थान्यः स्थान्तः स्थान्त स्थान्तः स्यान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थानः स्थान्तः स्थानः स्थानः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्यः स्थान्तः स्थान् ब्रिटा श्रीटायाक्र्यां क्रिया ह्वा या वा वा वा वा वा विवासी का हो विवासी क्षा क्षा वा वा वा वा वा वा वा वा वा व न्वात्। देन-र्रामित्रविषार्यसम्बन्धित्रयान्यवार्यस्याच्यां अरावे हिन्गुण्याः केंबामितः सन्विषाः श्रीवायान्यस्य बार्च के स्वास्त्र के स्वस्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वस्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वस्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वस्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वस्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स् त्तुरमा नै सूर येम क्रेन केट येंन पते के। तक्षर हैंग या सैंगम पते ह्वेंन स्रोध केन सर रेंग्या हु सम्पन्य सहन पमा नेर क्रेन ॱबुअॱवर्षः बुषः पत्र। गुठेगः ग्रुटः अग्ववटः। देरः धुअः ग्रुषः अपवर्डेनः दे। वूर्ते प्रवेश्ववषः दुयाया विवार्धेनः पः यवा हर्वाषः सुप्तक्षेत्रः हेः क्री.चर्षा क्र.स्य.क्ष्य.ज.प्ट्य. क्र.ज.सेच. ए.अक्ष्यय.चि.स.च.चे.ट.चे.क्य.च.ज्य.चे.च.क्य.तु.च.च्या.चे.व.हे.च.के. क्री.चर्षा क्र.स्य.क्ष्य.ज.प्ट्य.च.जच्य.चे. ज्य.सेच.क्य.चे.चे.चे.चे.च्य.च.चे.च.चे.च.च्य.च्या.चे.च.चे.च्या.च्या. कर्रा दे.ज.ब्रिंट, ब्रीय क्रिय में बर्द क्रिय क्रिय क्रिय विषय क्रिय विषय क्रिय क्र . पंचिलायायरार्यात्रा प्राप्ता प्राप्त द्यं या ब्रिंद्र देशे व से प्राप्त व व से स्वा के राया है राया है राया है से प्राप्त के मुंबान्तिवीयायात्वेतात्वात्वेत्राच्यात्वेत्रच्यात्वेत्यात्वेत्यस्यत्वेत्रच्यात्वेत्रच्यात्वेत्यस्यत्यस्यत्यस्यत्यस्य ठवर्तुं न्दर्शे श्रीतर्भावत् वयार्या वेया देव ग्राट्ये वा केवर्षे त्रत्वा प्रवासी वित्र वि कराचर विषय होता होते । स्वास्ति । स्वास्ति । स्वास्ति । स्वासि । स्व नार्येन् प्रमा ने ने अळ्यमा गर्छेन् न त्वन् पाळे व र्यमा प्रकेष मा में प्रमाणिक प्रम र्चितं केंबोयावीचर वीट्टर्चे प्राप्त केंबे विद्या केंद्र स्वाद्य केंद्र प्राप्त केंद्र स्वाद्य केंद्र स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वत्य केंद्र स्वाद स्वत स्वाद स ब्रह्मर पक्षर दे प्रकृती जिया श्री पर हो प्रकृति व प्रकृति व विषय विषय है। यह व विषय है। विषय है व विषय है व ह षिवाबः वार्षेट्र, ब्रेबः अध्रेषः राष्ट्र, ब्रेट्र, याः ट्रेबा । क्षेष्ठ, प्रकृतः श्री वार्ष्य प्रकृतः वार्ष्य व विवाबः वार्ष्ट्र, ब्रेबः अध्रेषः राष्ट्र, ब्रेट्र, याः ट्रेबा । क्षेष्ठ, प्रकृतः श्री वार्ष्य वार्षः व

ૻઽ૮ઃઌૣૼૹ૿ૹૹ૾૽ૠૣઌૹ૾૾ૺઽઌઌૹૻૻૼઽઌઌૢૡ૽ૺઌૺૹૼ૿૿ૺૺૼઌઌૺૺ૾ૺઌૢ૿ૺ૱ઌૢઌ૽ઌૢઌ૽ૺઌૹૼૺૼ૱ઌૡૢઌૢ*ૼઌઌ*ૺઌૺૹૺૡૺઌૹૻ૽૱ૹ૽૿ૺ૱ઌઌૡૺઌૺૹૼૡૢૺ૱ઌૢ૱ चो चावव रायम द्वार च र्रा प्रदासिर के माहे दें रवया वर्षा है चहुव चीमा वि चम चित्र चित्र चीमा चीमा माने चित्र के स्वार चित्र माने स्वार चित्र के स्वार चित्र चित्र के स्वार चित्र के स्वार चित्र के स्वार चित्र चित्र के स्वार चित्र चि र्न्द्र अंच्यान खेन ने ने जा ने द्राप्त प्रमान कर के लिए हैं से प्रमान के लिया है से प्रम है से प्रमान के लिया है त्त्वित्र व्यव्यास्त्र के अत्त्वा स्त्र में अवायस्व व्यव्या स्त्र में स्वाय स्त्र स् व्यत्त्र्वे हो श्रु. रूट में दे इस्याल में वी श्रे. तर् होता है में हैं ने प्रत्या का स्वाल के स्वल के स्वाल क चैं त्यावार्ष्य नित्रे मासून वित्य पर्से नित्र वित्य प्रमानिक प्रम प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक <u> ब्रे.चब्यंचक्ष्यसायार्थरं चक्क्यांचक्कंयायदायदा हे.चंद्धवाकेन्चंचने चाकेवार्यक्षेत्रस्य प्रहेवांयाचे विद्यांच</u> अगुर्रायर गासुरमा विन्तु विन्देन राज्य हैन राज्य में कि राज्य कि नाम कर ने कि नाम के कि नाम है है ने कि नाम है द्राच्यास्त्रात्वेयास्त्रात्वेयास्यात्वे स्ट्राच्यात्वे स्ट्राच्य यद्रात्में स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स विचलानुदानु श्चेनायान्। श्चेनाया श्चिना इस्रेलाने एका के त्या पर्वोत्ता दर्ला में सुन्ताने का प्रमाणिका स्वापित स्वापि पर्ट्र-द्रायम् अञ्चित्र वर्ष्या अञ्चर विवाय विवाय विवाय क्षेत्र प्रमा विवय हे । वर्षा क्षेत्र विवाय क्षेत्र स् - वर्ष्ट्र-द्रायम् अञ्चर विवाय क्षेत्र वर्ष्य अञ्चर विवाय विवाय क्षेत्र प्रमा विवय हे । वर्षा क्षेत्र विवाय ह याचे माशुक्षान्ता इत्येते भाम्ताया विवालका कार्यभूक्षकायाला इक्षायासुला तावे प्रकालका कार्योन् स्वाल्यान होता विवालका कार्यम् जयबन्धा वि.य.ज.सूर्यक्रेय.सद.स्वायं.सद.स्वायं.सद.स्वायं.स्वायं.स्वायं.स्वायं.स्वायं.स्वायं.स्वायं.सद्यायं.स्वायं.सद्यायं.स्वायं.सद्यायं.स्वायं.सद्यायं.स्वायं.सद्यायं.स्वयं.स्वायं.स्वायं.स्वय र्नेट,रैनुचेर्न,तृपुःवार्यसङ्क्ष्यं क्ष्यं सः ब्रुष्यः ब्रुष्ट, वृष्यं वृष्यं व्यव्यः व्यव्यात्रः क्ष्यः त्यात् विष्यात्रः विष्यं विष्यः विषयः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विषय ब्रीटबंप्यक्तीबा कुर्पर रु त्दे रुवम् बुट्य रो टकार्सेट ब्हेर्ब्य पबाकुर्य त्वुवां वी ते की बर्पर चुबार रे वा सब हे पर्वुव की रुवार ति वर्ष द्धः सः वाशुअः चंत्रः त्युत्रः हे : पर्दुवः ग्रीः र्श्वेनः याः प्रकृतः वाशुः र र याः प्रवादि । याः प्रवादि । य इ.सः वाशुअः चंत्रः त्युत्रः हे : पर्दुवः ग्रीः र्श्वेनः याः प्रकृतः वाशुः र र याः प्रवादि । याः प्रवादि । याः

यर्गं सद्या कुर्याय र देश के विवाया सुदारें।

चार पुंचे केंद्र ते किया के किया के का महिता के अपने का किया के किया महिता के किया के किया के किया के किया के क म् त्यात्रेयात्रात्त्रेयात्रेत्यात्रेत्यात्रेत्यात्यात्रेत्यात्र बेरा रबःकुरःयः हैन वबः मृत्वेदाया अकेने याया रबाकुरा बुदा च कुन निष्या ने भिराने बाकुरा प्राया है प्रस्ते विश्वे किया है जिले हिम्सी की स्वार्थ किया है जिले हिम्सी की स्वार्थ किया है जिले हिम्सी की स्वार्थ की याधित्यर ठव्यक्षेत्र। तर वित्रिक्ष मा न्यावित्यक्ष मान्य वित्रा स्वर्ष वित्रा मान्य स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर् खेवा.धे.चश्चैल.वंबा रे.क्वैव.करे.उंटु.क्षें.कुब.कु.च्यू.पच्यूर्यं व्यव्याचेटा वैट.वंबा.पक्चें ट्रावेब.कुंटाक्वेव.कुंवा.या.र.ट. तबा इ.पर्वेब.कुंब.कें.कर्तावेव.त्र.क्वे.त्रकुंव.कुंव.कुंव.कुंप्रचिट.चर.रक्ट्यायवेटा वैट.वंबा.पक्चेंव.तपु.कुंच.कुंब.कुंब.कुंब.कुंवा.या.र.ट. यरिशयात्रा बियात्रया लासुद्राविणात्रया यरिशयात्रा होतु हो सु सु र्योगायाया हिन् हो या वर्षेत्र सूर्यया हो या व म्बीट्रम्या र्यक्ट्रिया क्री श्रीट्राप्य कर्रित्र मर्थे क्षेय्र या स्ट्रिया व्याप्य मित्र मित्र व्याप्य स्त्र मित्र व्याप्य स्त्र मित्र व्याप्य स्त्र मित्र स्त्र मित्र स्त्र र्नु च सुयार्नु च सुयाप्तर स्राप्त स्रोत् च स्यार्क्ष पर्वे राज्या है राज्य स्याने स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थ न्याविषास्त्रीत्रे स्वाप्तास्त्रीत्यात्रात्त्रीत्यात्रात्त्वाचा त्रियात्त्रात्त्रीत्यात्रे प्रत्यात्रीत्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात्रे प्रत्यात् प्रत्यात्रे प्रत् कु.तर.पवित्रामा हुम.वे.र.दे.पवित्रमातपु.कु.विर.क्र. त्यायाचिता पू.रूर. त्यवीत्रमातपु.कु.कुम.वे.कुन.वे.कुन.वे. ॱॺॢढ़ॱॻक़ॗ॒ॸॱॕॻॖऀॱॻऻ॑ॸॖॺॺॱय़ॱॠॺॺॱॾॕॕॻ॑ऻ ॸॆॱॺॱॾॗॗॆॸॱॹॕॖॸॱॺफ़ॸॱख़ॸॱय़ॖॻऻ॑ॺॱॻॖऀॱॺॖॺॱॻॹॖॱॻऻॹ॑ॺॱॼॖऀ॔ड़ज़ऻ॔ॵऒॕॶॺज़ॕॎज़ऻॱॻऻ॔ॳ॔ॸॱय़ॱॺॖॺॱय़ऻॼ॑ॸॱ र्देशं या बिदा विदायित है पार्व से देव किदा पार्वा या विवास पार्व राष्ट्र हैं दिन र सामायित हैं या किदा है विदाय विदाय से सामायित हैं से स्वाप से सामायित से सामायित हैं से सामायित से सामा बट्यर्नेबायानांबायां बाह्य हैं से ही से पार्चित्र हैं वी वर्ष्ट्र हैं वी पर्ष्ट्र हैं वी पर्प्टर हैं वी परिक्र हैं वी परिक्र हैं वी पर्प्टर हैं वी परिक्र हैं वी परिक्र हैं वी पर्प्टर हैं वी परिक्र हैं वी |ॡॅवॱअळॅॱॠॱड़ऀ॓心ॱक़ॖटॱॸॖॱॹ॑ॱक़॔ॱॸ॒ॱॴ॒॑ढ़॔ॴॿऀॸॱग़ॗॱ॔ॿॣऀॸ॑ॴॸऄॱॸ॔ॹ॑ज़ॱॺ॓ॱॺ॓ॱऄॗॴॸ॑ॴक़ॖढ़ॱॸऻॴॸऺढ़ॆॿॱॺॴॸॿॣॕॺॴॸॴ॑ॱॿ॓ॱक़ॕॱॸॕॱॿॴॱ ंबायंत्रः र्ह्येन 'तुं प्रायेन संप्रायाना स्त्री पुरे 'क्षेत्र प्राविन 'क्री' देव स्तर्य 'तुं प्रायेन प्रायेन प्रायेन स्त्री स्त्री प्रायेन स्त्री प्रायेन स्त्री प्रायेन स्त्री प्रायेन स्त्री प्रायेन स्त्री प्रायेन स्त्री स निया हुर पार्वया चुर पित मुना मुना में कि की भूता में कि तथा प्रमास के ते हुए से पार्वे में पत्या में में प्रमास में में प्रमास में मायळेन् क्रियां भी वर्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र हिंग विन प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प

विश्वा हुं। इ. तत्त्रा क्षा बेता स्वा क्षा बेता त्या कुष गाय क्षा विश्व माय क्षा

लास्य क्षेत्र प्राप्त स्वापायां स्वापायां स्वापायां स्वापायां स्वाप्त स्वाप

सान्या स्टार्स स्टार्स स्वास्त्र स्

धरं वाववा धरे दर स्ंवा रुव विवा वी ।

स्थान स्था `बुँबा ऋषट्बं'क्वबःग्रंबर्चवर'यःग्रें'क्ट्रंस्ट्वं यंवाबर्द्ः। श्रुच्बं'ग्रेःचेश्वरश्च्रूटःयंबवी बेटःवळ्यःयं'यं बेश्वरक्रीर्द्रहेत्रःवहेवः <u> २ क्र</u>ीबर्स्न्र-र्या अंगवान्त्र-पाबर देव। इ.व.स्.इ.क्रीयवान्त्र्या क्र्यां तपु.क्ष्यं स्त्र-विकान्त्र विकान्त्र लुण्याची क्षेत्र प्रमुद्दी यास्त्रेप खेट हें लाक्षद्द पेक्च प्रमुद्द प्रमुद्ध प्रमुद ब्रैन्दरमुर्धर्भे संभाग महेत्र स्वाया वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा महित्या प्रचार स्वाया प्रचार के वर्षा के वर्षा महिता परिवाया है स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वय वैषा श्चेंप-र्धेव-क्य-र्रेंगिर्वेव-रेट-थ-प्रेन्थ-प-र्ट-श्चेंन-श्चेंप्राणनावा अमिर्ठाण-र्सेट-र्ट्य-त्राचेश्वं मीर्श्वं प्राण-स्वाधिक विष्या विषया विषय अकूवार्टा पत्रवीयःभूरी धित्राभू खिवाराजातत्र प्रदेश वित्राजीयाया हिं सि.जू.स्.च.जाइयायाया मूर्यायाया कूवायायाय अकूवार्टा पत्रवीयःभूरी धित्राभू खिवाराजातत्र प्रदेश वित्राजीयाया हिं सि.जू.स्.च.जाइयायायायायायायायायायायायाया र्थेन दें। दिन्त्र क्षेंन्य नुर्जेत त्र वर्ष नय सुया थे नरा नुराव केत्र ने क्षेत्र ने क्षेत्र न याबैवा निर्मा निर्मा स्वार स्वार में विकास मक्त स्वार मिन मुख्य मिन मुख्य मिन मुख्य मिन मिन स्वार मिन मिन स्वार मिन मिन स्वार मिन स्वर मिन स्वार म ला बूर्याया अहा है। विश्वा वह कूँ बे ला के हैं विश्वा की है ने कार्या की ला बूर्या की ला बुर्या की की ला बुर्या की ला बुर् यते क्चून त्र्योल वंश्वर रुन क्यें हैं होते किया यी अर्जन प्रमुख या किया ला में ला मे यानोत्त्रण्यात्त्रण्यात्त्रण्यात्त्रण्यात्त्रण्याः व्याप्त्रण्यात्त् ह्रेपांयां ग्री: त्व: स्वाय: संवय: स्व स्वयंत्री: त्व: स्वयंत्र संवय: स

ૹદલ તકું શ્રો ક્રા કેલું . સુ. લાકું . યો. તાકું . વે. તાવું લુંદ . વિશ્વ લો તો કેલા કેલા કેલા કેલા કેલા કેલા ક તકું દેવા તાકું તો તું કેલા લાકે માણ હવા તાલું તાલું તાલું તાલું તાલું તાલું તાલું તે તાલું તાલું તાલું તાલું તાલું તે તાલું તાલુ કું તાલું કું . માનુ લે તું તું તાલું માનું તાલું ત

अश्वाद्भी स्वाद्भी स

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \int_{\mathbb{R}$

∄रॉ i

<.< শ্লুমার্ন্র'নালাব্র'মান্ব'নতমাননি'শ্লুনমা

त्त्री चित्राचीश्रीट्यात्राक्षेत्री क्रियात्त्री, वित्राची क्रियात्त्री क्रियात्र च कॅर्निस्टर्सर्वे रे याह्यर्य परि न्वर संयास के किराने यह के किया है के किराने के किराने के किराने के किराने के कार्य बुँ र ग्रुर पर्या ग्रद र्खेन रद पर्देश हैं अदें के प्रदेश पर विष्णु के विष्णु के देश पर्या ग्रद हिंद अदें के पर के रद हैं देश के राही ने ग्री के राही ने देन में के प्रचार के प्रचार के प्रचार के प्रचार के प्रचार के कि प्रचार के प बेबानुननर्ग्युरावबा गुवाहुनवंदर्शवेबानुनदेशववातानुस्कृतान्यस्वान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस् त्वित्र-तृःक्चे 'तैं अर्दः रें 'त्यं केंब पश्च प्यां कुयार्ये न्यंत्र प्यां ही व खीषायाने न 'खाया पक्षें बाव बाहे व 'खें व प्यां ही व खीषायाने न 'खाया पक्षें व व खों के प्यां हो व 'खें व प्यां ही व खों के प्यां के कि प्यां के कि प्रांति के प मिर्चियार्गालम् द्रुयात्तुः इस्रम् गुर्दापार्देवाया नुस्रम् प्याप्तात्त्र्यात्त्रम् स्त्रम् बूत्याबातपुराविष्याच्चाकुराबर्ट् हुन बबाताबाजानाला चिलार्ट्स निवल तथा हुन हुन सहितायह निवल हुन हुन हुन हुन हुन र्दर् विविद्यात्त्रीर श्रीत्र पात्र प्रमुद्द विद्यात्त्र विविद्यात्त्र स्थाने स यहूँ न की किया में ते हैं न के न के माने कर में हैं न के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्ध के मर्बिन'तु'भेन'रा'याद्विद्याद्यांभेनी दे'क्षुं'र्यायात्र्युं क्षुय्याद्यात्रे के'यदि स्वे पत्रे वित्र के'म्यात्रे के'म्यात्रे के'म्यात्रे के'म्यात्रे के'म्यात्रे के'म्यात्रे के'म्यात्रे के'म्यात्रे के म्यात्रे क स्वित्त्वात्त्रात्त्रात्त्रात्त्वात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र स्वित्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् स्वित्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् हे हिन है श इ क्षुण चवेब यह न के हैं के हैं के देवा में बाद के हो है है। है श इन्याय या नुवे चवेब यह समाने हैं सार या के वाहें वा के बर् ब्रिनियां से ब्रिन् वेसी ब्रास्ता प्राप्ता प्राप्ता क्षेत्र करें में तात प्राप्ता क्षेत्र कर के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्ध न्यवान्ति स्थानित स्था प्रिंदिन्ग दे.वय.रट. ची. लेज. रे. क्रिंच वय. राष्ट्रीय विदान विवान परि क्रिं वे. क्रिंच व्यान विवान परि क्रिंच विवान क्रिंच विवान परि क्रिंच व रे प्रत्रित्य र्वेर प्रारे प्रवर भेंद्र व प्राय प्राय विष्य परिवास है। क्षेत्र के प्रोत्य व व व व व व व व व व व विचानानी ब्रॅनिने स्टाली निवान के तार्म पानि पानि के विचान के निवान के निवा चुँब वर्षा न मुः अति । ते प्रतास के प्रत चुँब वर्षा न मुः अति । ते प्रतास के प्रत चानेन्नं र्वयं वित्तां वित्तां वित्तां के प्रति वित्तां के वित्तां वयां श्रीट नक्षेत्र दिसं नबियां सूर्या विषय हिर नव स्ट्यां पार्य के विषय हिर स्टर स्टर स्टर स्टर स्वर स्वर स्व बुबर्मुष् नर्सेन् व्ययं नर्सेन् वृययः चुर्म प्रवाणेश्यं मासुन्य वृषां नर्सेन् वृययः स्वायामित्रं प्रवाय प्रवाय रैंद रें की डि.च.रे. अगुर र चर्षर असा रे.ज.रेंग्रेस राहेंद्र राहे ह्यू जे दें छी मासुर । रे.द्रं मार्यस रा वर से स्थम पर्वा जे र

तक्र्याचेतुः हिरारे तिहेवार्येन्त्री तक्रराक्चाचायात्री ही अपन्त्रीत्राचायात्री ही के तिरामा क्षाप्ता विकास का ट्या.लूर्-हो ्शब्र-ट्या.श्रुनी चूर्ना.की.श्रीट.जा.पड्डे.खियाबा.सूब्या हूं.चू.ह्य.बाबट.र्झ्याबा.पंकर.री.श.चंक्या ट्रे.चळी.वा.च.स्य.की.बा. वाद र्वेद पं धेवा प्रमाय प्रमाय मुन्ने देश रे के रे प्रमाय मुन्ने प्रमाय के बर्केन्यां अप्येत्राचीत्रा त्राम्या स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्व इव तपु स्वायः स्वयः स् मृंबुद्रायेते बुद्राया चुद्रावन् दावी दावी या वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा व क्त-रच-रु-तर्नुषाःषुष्ठरः। दे-क्षर्ववन्त्रं हुर-देर-च्चंनाचर्द्वःषासुद्रं वित्रं स्वर्धः सङ्ग्रह्मायः स्वर्धः व चर-५-अ॰ वर्षा देर-५-४६ वा हे वे क्षिया वेदार वा क्षेत्र प्राप्त विवा क्षेत्र विवा क्षेत्र विवा क्षेत्र क्षेत्र विवा क्षेत् ग्रीमा रेट मी प्रमे क्रिंग रामी मानमा मानमा स्थान मानमा स्थान स्था क्री देवे दुषा दुःरायवरा सर्वे राष्ट्री से दारा है वा विदान वा स्वाया परि विवास में निवास के विवास के स्वाया म ब्रिन्दि नव्या निर्मानमात्रीय निर्मानमात्रीय नवि स्विता स्वित्य स्वित्त स्विता स्विता स्विता स्विता स्विता स्व नर्वोद्याव्यांन्यान्त्रान्त्रेषांकेटा ने इस्त्र्यान्तर्हें न त्या वर्ष्ट्यन्य केटा दे तर्हे व कुटा विवास वीच्या न तर्दे व से किटा पर पर विवास वि वंबार्या मांचुया स्वार्टा या वार्या प्राप्त प्र प्राप्त प्राप् बंबिना म्नं ब्रांच्याना स्वार्थित विश्वास्त्र स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वा स्वाक्षणाया प्रत्यां श्रेक्षा स्वाक्षण्या स्वाक्षणाया विद्या प्रत्या के त्या के त्य बैट्री ट्रे-बंबाल्य-प्राप्त अपयः अपयः विश्व वार्षेत्र व रु-दी न्नु-दुवे न्नु-अ-इअअ-न्ट-अह्य-वर्ष-दर्व-ग्री-अविवायवे वियायमें नावर ग्री-प्राची वर्षे देव ग्री-इअपर हैं वाय अन् के वि मॅसुब्रायंत्राक्षेत्रात्वेत्रात्वे सूर्यात्रवाद्यते त्याङ्कष्यात्रात्वेत्रात्वेत्रात्वेत्रात्वेत्रात्वेत्रात्व भुं कें देट दु त्रवेषा वर्षे र देवे प्रवेश भ्रे पांठव दे भ्रें प्रवेश भ्रे प्रवेश कें भ्रें प्रवेश कें प्रवेश के प्रवेश के प्रवेश के प्रवेश कें प्रवेश कें प्रवेश कें प्रवेश के प्रवेश कें प्रवेश के प्रवेश कें प्रवेश के प्रवेश के प्रवेश के प्रवेश कें प्रवेश कें प्रवेश कें प्रवेश के प्र मंत्रियं विर्मायहर प्रमा ह्यें प्रमे विषायमा हैर पर्देशमा विषायत के पर्देशमा व हिला प्रमाण प्रमा के प्रमा है स ब्यासम्बद्धाः स्त्रीत् क्षेत्रास्त्र स्त्रीया स्त्रीय स्त्रीया स्त्रीय वेबा टर्ड.लु.चो.ट्र.इंश्वर.बट्ट.चट्डूर.पर्टेचा.तब.ब्र.ब्र.वब.विर.क्चा.वबंट.वब.चर्डंब.चेट.। ट्रे.जब.अक्ट.न.लट.पवेट.डुट.वाबेट. ल. है. पर्श्व रहा जा है. हिप्त लंबा दिए हिपा है. के दें पूर्व वाले के बिता की की की की की की की की का की की जा चित्रकार्च निर्मात्रका प्रमानिकार के तार के श्चीताक्ष्यान् प्रतायातायातायात् । त्राप्ताक्षयाः श्चान्याः स्वाप्ताः स्वापताः स्व चर्डिका ग्रीट खंहें है। वाह्यका हवा ग्राह्म अहा जा बहु का प्राप्त किया है के लिए वाह के लिए के जान के लिए के ज बुंदर्यापति र्थेन निन निन स्वाविदान्न याया विवादिन स्वीवादिन स्वीवादिन स्वीवादिन स्वाविदान स्वीवादिन स्वाविदान बुँगाबार्बिन्दुन्। द्वेवं पति बागाना अन्य स्थान स्थ क्षेत्रं पु.स.सॅप्टर्नरे, पर्दुत्तरहृद्यंदर्यः पदः केंग्नरयः यायमें प्रथम अळ्वा विपःयते प्रयोग्यते परीया गवित्र वायाया अदः र्वे स्त्रुयः र्वे प्रकार्त्व प्रकृता वार्षेया यार्वेया वार्षेया वार्येय वार्षेया वार्येय वार्षेया वार्येय व

. ५८ . इयम. ग्रेम. ५ में प्रमेर में प्रमेर में प्रमाण के प्रमाण के मानी है से प्रमाण के प्रमाण क नवना तनार विमानी क्रेंब क्रेंबे ज्ञाय नहीं नवन नविष नियम प्रविष रामित विमान क्रेंब महीर न या क्रेंबाय स्ति मही मक्रायम् त्राम् त्राम् वित्र में त्र्येण देवे के में वर्ष में वर्ष के में वर्ष के में वर्ष मे म्याप्त अहं निया में अर्थ में चीश्वरःश्चरः अर्टे. से विषयः लट्डें क्यां मुमायत पुरक्षेत्र म्या स्वाप्त क्षेत्र म्या मिन्न स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप प्राप्त स्वाप्त स्व म् त्रापति द्वायार्यः भ्रियाः स्वा भ्रिः स्वापि स्वापं स्वापं द्वायां स्वापं स्वापं स्वापं वायाः स्वापं स्व सूत्री यूर्यन्त्रियः कुर्यन्त्रियः कुर्यन्तियः कुर्यन्त्रियः कुर्यन्तियः किर्यन्तियः कुर्यन्तियः किर्यन्तियः किर्म्यन्तियः किर्म युव्यत् हैं अंतर्मा यदा श्रूया या देवी श्रूरा ख्या विश्वया देवाया विश्वान प्रति यदा यदा श्रूया यर श्रूया यर विष् र्यानवे महिन्या में महिन्या के स्थान के स्थान किया महिन्या में महिन्या में महिन्या महिना महिन्या महिन्या महिना $\frac{1}{2} \left[\frac{1}{2} \left$ यद्यान्त्रकृषःहो र्यः वे प्राचिकायि क्रिंचाविकाये । क्रिंद्रका र्युवाकायि विवाद क्रिंचायिक क्रंचायिक क्रिंचायिक क्रिंचायि त्रश्चिर्यं निर्मान्त्र स्त्रीत्र स्त्राच्या व्यक्त स्त्र स् क्री चूं झूंश उत्त्वीय राज्येशय क्री. एक्टर् अवीय् मूं जवूष यश्चा विष्ट्यराची ज्यारी विषय हूं वायार म्याविषा हिया क्री हिंदा क्री स्था त्रुं त्रेच्या बेत् । विष्य महिन्य उत्राय र बे हिन र विषय प्राय मिन्य प्राय के विषय प्राय विषय विषय विषय विषय स्. केषु. ज्ञानानिव स्ट. देनट. नक्षुंन ट. मुंब प्यान्य निवेद के वे स्टर्स स्ट. प्राचेय स्त्रीय प्राचीय स्त्रीय स्त लीचायात्रपु हुयाचाय्यात्र्याद्वीयात्र्यात्र्यात्र्यात्रपु वित्यात्रपु वित्यपु वित्यात्रपु वित्यपु त्र-वि.चेब.तथ्री पूर्य वेब.क्रिय.क्रिय.क्रिय.क्रिय.क्रिय.क्रियाचे वेब.यम् वेब.यम् वेब.यम् वेब.व्याचेब.क्रिय. चन्ने रामा न्त्रमान्दरावसमान्त्रसान्त्री मुप्तान्द्रमान्त्त्रमान् 8

૾ઽૢૼૹૹ૽ૼૹ૽૾ૺૺ૱ૹઌ૽૽૽૽ૼૺ૾ૼૺઌૹઌૢૼૺૡૢ૽ૺઌૺઌૺઌ૽ૹઌઌ૱ઌઌૢૼૡૹૹ૽૽૱ૡૺઌૺૹૹૢઌૼૺૺૺૹઌ૽૱ઌઌઌઌઌઌઌઌઌઌ

ने विकासर देवीन सर्वेवाकारा वावेका वारावा दावावा सान्त्रा सम्बन्धा कुलानुतर नुस्यानुद्राका सेवाका सरावादा । दिवे विका वी क्षु वाञ्चेवांबाद्धवान्दा दे ह्यूंचां अव्यापेदांचांबुंबाया वार्षांबायाचा होता हुवा का क्षेत्र का हिवा का की ही वार्षांचा वार्षांचा के वार्षां की की वार्षांचा की वार त्रायबन्य के तृत्या कि त्या के त्य त्तर्वे देवा वृज्यावृत्यत्व विश्वत्व विश्वत् विश्वत् स्वाप्त विश्वत्य स्वाप्त विश्वत्य विश्यत्य विश्वत्य विश्यत्य विश्वत्य विश्यत्य विश्वत्य विश्वत्य विश्वय लॅं गर्डे वां र्कें अविवं रिंदिशन त्यं र विवास कें वा श्रें वा श्र रट. नेवो. यत्रे अ. विश्व मार्ग स्वान प्राप्त अवाया वार् अवाया पर्दे व वार्ष हैया व्याव वार्ष अस्य श्री मार्ग स्वाया पर्दे व वार्ष स्वाया वार्ष स्वाया वार्ष स्वाया वार्ष स्वाया वार्ष स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स क्रमान्ने मुग्यानिवामा व्यापदी वार्श्वन द्वार प्राप्त प्राप्त वार्षिवामा वार्ष्य प्रचार क्रमाहे विद्यार प्राप्त वार्ष प्राप्त प्राप्त वार्ष प्रचार प्राप्त वार्ष प्राप्त वार्ष प्राप्त वार्ष प्राप्त वार्ष वार्ष प्राप्त वार्ष वार चर्षा ह्या बार्च वर्ष के वा स्पर्ने हों वर स्पर्ने के प्रवेश कर्ष के अर्थ कर हो वर्ष के सम्पर्ने के कि हो के के कि स्वर्ध वीयान्त्रं यार्म् श्रुप्यापाधिव है। दे हे हे स्थार्या पादिया नियम प्राप्त स्थार्थ प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त म्नित्रं संपूर्णियाचे स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स् तूर्वे ह्यागुर्वेट्। निवाक्के क्रेन्त्रं ट्रक्ट्रिक्षयाविट्। ने वयावियाय्याक्ष्यात्रात्र्यक्ष्यात्रात्र्यक्ष्यायाः विवाक्षयायाः विवाक्षयाः विवाक्षयायाः विवाकष्य विवाक्षयायाः विवाकष्य विवावकष्य विवाकष्य विवाकष् देते त्य में हैं यम द्वार वार्य के मद्देश के महत्त्व के चल्वाबाराबाणीट वें चार्तिक वाक्षेत्र चालक में क्षेत्रं वाक्षाया विकास के कार्य अटा दुः वें प्राप्त वाक्षेत्रं वाकष्ठे वाक्षेत्रं वाक मेर्य्यात्रम् विषयात्रम् चित्रम् म्यात्रम् म्य र्थे नकुर्गी नर्भायक्ष्ययानकृष्ययान्यानुषा है मठिमानु यहरामम् मुप्याह्मान्या मुप्याह्मान्या ने ने ने वयामन्यान चि.चयार् वी.चट्यात्रयाचर्षेट्वया एक्ट्रास्त्राच्चेयाययां श्रेयां श्रोवयाता सुवी वीयान्यस्यायायायायां सुवीयायाय चेविर्वायायां ने त्या के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के लिए हैं तही हिंद में या के कि प्राप्त के में के कि प्राप्त के प्र के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप शु.एव्रिट्य.त्या व्रिट.ग्रीय.श्रय.ग्रेट.श्रीट.त्रे.वि.ग्रेयपु.योशेट.वैट.त्या श्रेर.लट्.श्रेश.त्र्र.ववित्यो व्रियाह्य.वी.वि.त्य.श्रेश.त्र्र. . बुचे.तुपु. रेच.की 'वि. नेतूच वार्षेत्रा की बिवाया की ज़र्यों । तर्ज्ञेन प्ता वार्षेत्रा जंबे स्ट्रा है जो । भी अने पूर्व सूची वार्षेत्रा ने चत्र चर्नेन परितृता विनं चर्हेन परायद अही है नेन होन इसमा ग्रूट चर्ने द्वार परितृता चर्च चर्ने हे न न मुर्ग कर में इसमे न्दार्भेषाचिषात्रमा वाद्यां वा विश्वयात्राक्षराचरात्राच्या है तदी विराधका ग्रामा है जिसका स्वाधिका या विश्वयात्रा विश्वयात्रा विश्वयात्रा क्ष यर्णार्था चुंति रक्कें मह्म महान प्रत्या चुंदा प्रकार्य जीवा कि देवा विदेश है देश के तर्चे ता प्रत्या स्वर्ण महिला है देश है । तर्चे वा हे देश के तर्चे ता प्रत्या स्वर्ण मानंदर्गराद्भवासार्थेम् सार्वे मानविष्ट्रियाया सार्वे स्वाप्तरा सार्वे स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त रेव रें के केंब न्यर ये ता बेंबाब पाइस्र केंद्र वें। श्लिस रें या मन्दर के न्यर यह अपने स्थान

४.५ अअर्थे नदे न्देश क्षेत्र ग्रे अवश्

<u>इ.सेंश.त्.पपु.पी.कुर्य.स्वा.पत्तूर.क्र्याचेलिट.यु। पींट्य.सूर्ट.चु.टजांशर्टर.लू.चु.प्री.पी.तीवो.ची.पपु.खंयावी लैवोया.</u>सू.पटीवो.जा पित्रम् पर्द्वात्मा पर्द्वातम् स्वर्षात्मा स्वर्मात्त्रम् स्वर्मात्त्रम् स्वर्मात्त्रम् स्वर्मात्त्रम् स्वरम्

लट्-देवीय.तूर्युं-श्रूच.श.मीच-देवाय.राष्ट्रवी.रि.बी.म.त.मूल्-श्रूष.वीलिट्-वी लिज्यूंक्,वि.वी लव्यक्षे,ह्र,श्रूय,ज्ञायचर्यर्ट्-रिश यावनु तंतु यं चें र चें व व व विट क्रें व वे व रच तं चे र या ततु यं च या हो व यं र च हो च वा हो ये या या चे र य व्यानांचेषायात्र्यात्राम् वितास्य स्वान्य स्वा सर्रावुषास्तार्थानस्त्रुव्याम् मृत्यान्त्रियार्द्रियाप्त्रीयायाः विषा देवे के प्रवादान्यायाः निष्यान्त्रायाः स् नक्य. हे. चीचे वीचा । 🎵

द्यान्तरे में व्याप्त में प्रमान्त्र में त्या में त्य में त्या मे में त्या में त्य में त्या

ॹॖॕॱॺॕॸॱॸॸॱॿॣॖऀॸॖॱॻॖऀॱढ़ऀॱॺॱॺॸॱढ़ॕॸॱॖॺऀॱॸॕॱॺॱॺ॑ॴॗॱॾऀॺ॑ॱय़ढ़ऀॱॶॸॱॸॿॢॺॱ॔॔य़ॸ॔ॱॾॗऀॸॱऻॱॸ॓ॱॿॶॺॱॹॖ॔ॱॸॺ॑ऻ*ॸ॑*ॻऀॗॸऄॿ॑ॱख़ॸऻॱॼॗ॔ॱॸॱॾऀॴॼॕॸ॔ॺॱ यंत्रे तिन्द्रिः कें अत्विर्त्रः वे व स्वित्रः वे व स्वित्रः व स्वित्रः व स्वत्रः व स्वत्रः व स्वत्रः व स्वत्र वासन् देन-वर्षे श्रीट विस्तर्भ स्वीस्तर्भ मृत्र द्वर रहेन स्थान क्षा स्वाप्त स्वीत स दे वया सुर्या दुः सुर्वा और देरा चित्राचा विवाया क्षेत्रा के वा देवा विदाय के वा विदाय के विद चंदै'वाशुर-व्या वे'साबुव-विदे संर वर्ष-रंदर-वर्ष कें विवाधित हैं ने वर्ष निर्देश कर के विवाधित हैं ने वर्ष के व क्षॅ्याळुंगायां वर्देवि कॅबाक्कें श्रुपातुं पातुं पातुं पातुं पे वर्षाळेबाहेवे अळअवावें प्रातुं वर्षा वर्षा प्र शर्चर प्रकृत विट हुँ अक्षेत्र के विषय के तिया के त्या के त्या के तिया के त याने खानाया है। यदे अर्केन पश्चित्र या धेन है। द्ये ध्या अदायन प्राप्त अप्ताय है श्रम है अत्र है अत्र है अत्र है अत्र है विकास के स्वाप्त प्राप्त के स्वाप्त मक्रम विकानिया महाराज्य विकानिया महाराज्य म्त्रा भी प्रष्या मान्य ॱॸॖॖॱॼॖॺॱय़ॱऄढ़ॱय़ॺॱढ़ॺ॑ॱऄढ़ॱॸॖॕॱक़ॕज़ॱॻॹॖढ़ॱऻॠॗॏ॔ॶॺॱय़ॱक़ॕज़ऻॺॱय़॑ढ़ॆॱढ़ॺॺ॑ॱॼॗऀढ़ॱ॔ऀॸॱॠ॑ॺॺॱढ़ऻ॔ॺॱय़ॺऻॱॸ॓ॱग़ॕॖढ़॑ॱक़ॕढ़ॸ॔ॱऄॗॱॸॣॕढ़॑ॱ

१.७ श्रुवायते सुदे से सामान्य में विस्तुनमा

दे.तबुब.वोचेवाब.त.बुट.वो.खुब.वी.तप.एकीर.यालुब.ला वश्चेल.वचटब.ग्री.बटब.मुब.वश्च.वर्य.कुट.ग्रट.शर्ट्व.त्रर.हूर्वाब.तर.बटब.मुब. वेषा वर्चित् चित्र स्वाक्षेत्रक्ष प्रमुद्ध प्रमु त्त्वकृषात्विवान्ता क्रम् कृषाकृषात्वे व्याप्तात्व कृष्णियात्व कृष्णिय कृष्णियात्व कृष्णिय कृष्णियात्व कृष्णिय कृष्णिय कृष्णिय कृष्णियात्व कृष्णियात्व कृष्णियात्व कृष्णियात्व है। दे.लेट.अर्ट्र.विश्वय्तिता के.हे.सूट्राचेय्वयुव्यत्ति स्वत्याचेयः हैं योवेट्र.के.व्यत्याचेयः हैं हे.अर्व्यत्ता लेव्यत्तेयः सूच्यः विश्वयः सूच्यः विश्वयः सूच्यः विश्वयः सूच्यः विश्वयः सूच्यः सूच्य यर मुन्य य निक्रम मुन्य में मिर्म निर्मा निर्मा तरि मार दिया निर्मा तरि मार विषय मार मिर्म मार मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मिर्म मार मार मिर्म मिर ॻॖऀॱॻॻ॑ॺ॑ॱॻ॑ॸॱॻऻॺॕॣॴॱज़॔ॱॻऻऀऄॗॺ॑ॱॹॱॸ॔ॻ॓ॱढ़ॸॖॿ॑ॱॻॖऀॱॻॿॺॱॻऻॿऀॱढ़ॾऺ॔ॻऻॺॱॻढ़ऀॱॾॖॻ॑ॱऄॿ॔ॱॺॾ॔ॸऻॱॾॕॱॸॕढ़ऀॱॾॕॶॹॱज़ढ़ॺॱॸॕॸॾॱऻॗड़॓ढ़ॱॾॕऻॸ॒*ख़*ॱ लाक्षेत्रलेट्याम् सटार् ज्याम क्षेत्रलेटम् क्षित्रम् मित्रस्याम् देवान्त्रम् स्वामा स् विश्वां क्रियानुमान्त्र प्राप्ते विश्वापय प्रमाणका प्रमाणका निष्ट्र त्यानुमान निष्ठा होता होते हि स्वाप्त प्रम न्दा वर्षा श्रीत के ने कार्स के वर्ष ने दान के वर्ष के कार्य के वर्ष के कार्य के कार कार्य के य्यास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र विष्णात्त्रात्त्रात्त्र विष्णात्त्र वि त्त्राचन्त्रम् त्राचन्त्रम् विकास्तरम् वर्षे अवायवा क्षेत्रम् क्षेत्रम् किन्नु वर्षे अवायवा के स्तर्भे अवायवा क नियमानुः सेनायात्वह्निया केंबाह्येबास्यान्यस्य त्रवाचार्यात्राः वार्षेक्षानुः ह्वेषानुः ह्वापान् । हित्यास्य व बेॱऒ॔८^ॱॱॴॱऀॻढ़ॏढ़ॱॴॕॸढ़ॏढ़ॱॻ॑ॱॻढ़ॏढ़ॱॷॗढ़ॱऻ॔ॱॾऀॱऒ॔ॱॺ॑ॴज़ढ़ॱॴॱॿॸॱऒॕढ़ऀॱॻऻड़ॳॵॱय़ॱख़ॖॎ॔ॹ॑ॱफ़॔ढ़ॱॸ॔ढ़ॱढ़ऻॗॎढ़ॴ॑ॱऄॕ॔॔॔ढ़ॱॻॱढ़ॻऻॸॱॸ॔ॻ॓ॱॻढ़ऀॱऄॗॕज़ॱ

. इ.इ.च्या होत्या प्राप्ते के किया का क्षेत्र के किया के र्रात होना अ मुद्रा होना चे प्राप्त के कि होना चित्र के स्वाप्त के स्व मेर्चें अबाया असार् नुमा बिक्र वर्षे में बिक्र वर्षे ते बाद कर्म के बाद के प्रति हो में किया हो में किया के प्रति के किया के प्रति के प्रत द्वि अर्हे र्द्वर हे ब्रिन् अप्तिवाने चेर प्रमा विभवन्त्री रहे चटा हुन् की की अन्य या मुन्द निम्नु न स्वीताने प्रमा हेन् सूरिन स्यायमा हिर्मान्नी द्वार्यात्र क्रियाय क्षेत्र वृत्रा यद्वर्यात्रम् द्वर्याः श्वेताः श्वेद्वर्यात्रम् वर्षा त्रायव्यर्याः प्रत्यात्रम् त्रायव्यय्याः स्त्रायव्यय्याः स्त्रायव्यय्यय्याः स्त्रायव्यय्यय्ययः स्त्रायव्यय्यय्ययः स्त्रायव्यय्ययः स्त्रायव्यय्ययः स्त्रायव्यय्ययः स्त्रायव्ययः स्त्रायः स् इ.र्ज.प्रै.य्वेश्वरायक्षेत्रा ट्रे.य्वरास्त्राच्येरात्त्र्वे प्रेयः प्रवेता प्रवेतायविर्यात्त्रवास्त्राचे व्याप्त्रवास्त्राचे व्याप्त्रवास्त्राचे व्याप्त्रवास्त्राचे व्याप्त्रवास्त्रवास्त्रव्याचे व्याप्त्रवास्त्य मु, चेबाल, र्वेच-, र्वोब, वर्षेश, वर्षेवाबा चेबाल, स्वाब, राष्ट्र, राष्ट्र, शक्ट्र, सुबादील, वर्षेथ, राष्ट्र, अ. स्वाब, सार, वावीबा लट, बोट्बर राष्ट्र, सुवाल, स्वाव, सार, वावीबा लट, बोट्बर राष्ट्र, सुवाल, त्र्यूट्याक्षेत्र्युत्त्रव्याचेत्र्यात्र वृंभागवि क्षेते पर हिर्म अपते प्रेत्र पान व व रे प्रेत प्रेत क्षेत्र केया प्रवृणाम व व व प्रेत्र प्रमान क्षेत्र प्रमान क्षेत्र केया प्रवृणा के व ह्मणानन्यस्ति स्वर्षात्राया के अव रिणा अरे हैं ख्या हा अ खुंहें के जार्य हो से जार्य हैं स्वरं किया निर्देश कर से हिस के जार्य हैं से जार्य है से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य है से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य है से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य है से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य है से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य है से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य हैं से जार्य है से जार्य हैं से जार्य है र्ट्स है वा स्र्रिया वालवा के रेट्स प्रवास स्था के बार के कि विकास के कि विकास के स्था के स्था के स्था के स्था ृष्ट्रेर चुँव य र्सेण्य वर्षाय रुद्द र्स्य प्रायुद्ध देन देन देन यो केण पत्रुणुषा दे वर्ष गाँव ये पाव वर्ष वर्ष प्रायुक्त वर्ष देन के वर्ष प्रायुक्त वर्म वर्ष प्रायुक्त वर प्रायुक्त वर्ष प्रायुक्त र्देट पार्श्वर पार्विता दे विष्यं हुं में में प्राप्ति अमें पत्वाणी देने क्षेत्र में प्राप्ति पार्वि पार्वि पार्वि पार्वि क्षेत्र में क्षे श्चेन ग्रम पर्या प्राप्त के विकास विकार कार्य के विकास के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के खुः छुटः चट्राचबुणाबा ह्युँ रान्तुब्राचार्कुटः नुः त्यां खुया छुः नविषाबा वका ह्यां नव्ययान्यः ह्यूनाया याँ ह मबुबाबर र नेबुवाबा ने बंबा है र हिंब र्वो प्रुव क्ष्रिं र वंबा पर्या प्रिया प्राप्त होता वा प्राप्त का विकास म मैच-त-रटा विकित्यक्ष से प्रत्य ने प्रत्य ने प्रत्य ने में क्षेत्र हैं जिया के में में का क्षेत्र में में का कि प्रत्य ने में कि प् वै.पविवान, त.ज. मु. स्थाय, मु. प्राप्त वि. त.ज. प्राप्त विवान, त्र मु. मु. प्राप्त वि. त.च. प्राप्त वि. त.च. प त्विवायां श्रे अह्दाये त्वा क्षे त्वत्वा विद्याया विद्याया त्विकाया स्थाया विद्याया स्थाया विद्याया स्थाया विद्याया विद्याय व त्रेवं वाचक्केव नग्ने र क्रियं मार्यु र प्रेते विवादमीं र मावार वृष्टी हु अस्त्री प्राप्त क्रियं प्राप्त के विवाद क्रियं प्राप्त क्रियं देविवाया दूरअक्टरचंद्र त्रेयाजेट दे याविवा चैट हे मैं यातर या हूँ याची ।

टते च्चां अते र्ह्येन अ चुन न तेंदर मुह्म विदा । दायनेशक सूना देश नते अतर सेंदर माह्म पा चुन से ना के ना के ना रामाश्चर्या है। ह्या हित्र प्रमा यह में प्रमा हित्र प्रमा है में प्रमा है है जिस है है से प्रमा है है से मार्थ क्ट्री क्रूबाई देव क्राकुर विवादिया निवाद क्षा प्रतिवाद क्षा पार्टी क्षा प्रतिवाद क्षा प्रतिवाद क्षा प्रतिवाद क्षा विवाद क्षा त्। पिठेवास्तरःचेतुवाबर्न्नचंदःबेद्रंपंरभेवर्व्यकंग्वेषुःबवव्यक्वकंप्यन् श्वेत्रं क्षेत्रन्दंवन्तुगावःवाद्वेबरावदे द्वरःद्रंपंपाक्षुब्रयन्त्र्वेबर्ग् क्रून पुंच प्राचीश्व अधिव स्थाप्त अपन पुर क्रून प्राचित प्राचित प्राचित क्रून प्राचीश्व अध्य प्राचीश्व स्थाप क्रून प्राचीश्व स्थाप गार ऑरीब र्ये के निर्पायहर्ण वर्ष ये पासुया पेत्वाचा निर्पाणीसुया यहित पाननुष्य सु पत्नि पान ये मिन से सु पान प यूयान्यर, विश्वयात्री होता व्याप्यो द्वा होता होता स्त्री प्राप्त स्त्री प्राप्त स्त्री प्राप्त स्त्री होता होता म्पेर्वां अप्रे विनम् हेंग ग्रांट केर अह्ं में हैं अप्टेंट ग्रुव हैंच प्रेंप न्या श्री विषय महिष्य महिष्य हैं न कूर्वेयातपुरम्बर्द्यात्रात्त्रित्यात्र्यात्रवियात्रात्त्व्यात्रात्त्र्यात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्

तर अधिया रिवीट जूर सीर हैं । अपने अपने से पिट अट राजन असे जान हैं रिवेट अपने अपने सी अपने अपने से प्राप्त अपने चकु चित चेत्रे के स्थाप स्थाप्त के विदेश में ते हिंदा के स्थाप के स्याप के स्थाप के यमानु चुनु सेन न्यर संग्राचुणय रेट पानु संस्थाप में राप्त विण वरो किन के साम कर के साम के वर्ष ने प्राप्त के स $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \frac{1}{2}$ इत्रिन्द्रं न स्त्री प्रति प ण.लृट्यां वर्यं अ.वी.न्.त्.ली बुश्च.की.वायं याज्यां हूं वायात्य हूं वायात्य हुं वायात्य विट्या टे.यं वीर्यं हुं याज्य हुं वायात्य विट्या या ॻॕॺ॑ॱॸऀढ़ॱक़॓ढ़॓ॱॻऻढ़ॆॺॱॴॸ॓ॱक़ॆॱॻॱऄढ़ऻॱॸॆढ़ऀॱढ़ॸॱ॑ढ़ॖॺॱॻॸॱॿॕॖॸॱॴॱॿॖॹढ़ढ़ॸॱॻ॔ॱढ़ॕॸॱॗॻॱऄॗज़ॱॿॖॗॱज़ॱॹॗॕज़ॱॗॗॹॸॱॹॗऀॱज़ॸॹॕज़ॱॗॗॏॱज़॑ॸॱॸॖॱ म्यास्त्र स्वित्र प्रमाण्यात् व्याप्त प्रमाणका स्वाप्त स्वित्र प्रमाणका स्वाप्त स्वत्य स्यत्य स्वत्य र् वियात्री मिह्ना वी निवर क्रिये हे क्षेत्र प्रके त्रक परि हे प्रदेश प्रविन क्षेत्र हो प्रविन क्षेत्र प्रविन क्षेत्र प्रविन प्रविन क्ष र्वातपुर्वेद्यां न जिस्का हीं द ह्मिक् ये पे ते अप प्रमाण विषय में वार्षेत्र हें न प्रक्रिय विषय प्रमाण का किय षिष्ट्रे पर्श्वराचना कुर्ने व्यापान वित्रा निरायद्या मुख्ये वे त्या वित्र पर्मा वित्र प्राप्त ब्रिट्रिं प्रति प विवा के बाविया वह सहित् वार पुराविवा बावु बाव बाविय विवाद विवाद विवाद के बाविय विवाद के बाविय के बाविय के बाविय वं तुंबागबुंबा अद्विव पति है स्वादबुंबा विवा पतुंचा विवा विवा पत्या देवे पात्व व स्वाय प्राप्त पत्र प्राप्त पत्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प र्वस्तर्राट्सावुषायम् नगताच्युत्रात्तरे स्रास्त्राचमार्स्त्रेनासार्स्त्रेनासार्स्त्रेनासार्स्त्रेनासार्स्त्रेनासार्स्त्रेनासार्स्त्रेनासार्स्त्रेनासार्स्त्रेनासार्वेन ब्रिट्रिं बेब अन्य के च र्येट प्राची हो राजा पा हो पा का विषय वा विषय हो हो हो के ब र्ये प्रचिट च या ब्राची वा विषय वृग्वरायार्शेष्वरायदे हेवायर यर र में के

कृष्र-सूर-2. वृष्ण शक्ष्य कृष्ण पहुर्व में प्रमण्या कृष्ण विषय कृष्ण प्रमण्या कृष्ण प्रमण्या कृष्ण प्रमण्या कृष्ण विषय प्रमण्या कृष्ण प्रमण्य न्ययः में आवतः वर्षे हो ब विने नवः यः प्रविव हो हो ने अविव वर्षे वरमे वर्षे वर

ग्रम्पा देविषामार्थेषा राष्ट्रियेषारात्र्यं प्रतिप्राप्ता केत्या स्वाप्ता राष्ट्री स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता चित्रयासीय् वैवं हुं के नर्दे के के के मूर्व के मुंबर खेगू मानहरू वर्ष महरू वर्ष महर् हुंद नर्षा के खुया हु होवा यस हुद हिन में खेरी बनसे हिंगा र्नर्" वार्डवायवापिर विवास तर्केष संयोगियाचे राज्य में प्राप्त में स्त्री के कार्य प्रतिहर निर्माण के अर्था में श्री हैं वार्वर हैं से श्रु-राष्ट्र, चिद्-र्ष्ट्-ज्ञ-ज्ञ-प्रदेत्। मृत्र-द्र्-र.कु. य.क्.इयय.ये.बुच्। विद्-रार्-श्रु-वेवा रविष्ट्रं तीलं दे विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त् त्यूंवानमून राष्ट्राया अरातुं अह्त्। श्रुःभ्रेगमान्या स्वाप्य प्राप्त स्वाप्य प्राप्त स्वाप्य प्राप्त स्वाप्य प्राप्त स्वाप्य वयालट हुवा क्रिया क्रिया प्राप्त प्राप्त प्राप्त के हुवा प्राप्त के हुवा प्राप्त के हुवा प्राप्त हुवा प्राप्त के क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्र ब्रेन्यं प्रविष्णु ग्रम्य विष्णु प्रविष्ण प्रविष केटं। टेन्'ल्'ब्रॅब्'लब्स्पन्नट'सॅ'ब्रॅव्]<u>चे</u>न्'व्याप्तहु'संप्वेचर'सॅ'पंञ्चवाया कॅन्'हें'अविर वंशें'तं क्रुंन'सेनयाकु'पेर्'लेख'रु'लेख'रु' तर्ह्यं सुरं सेनर्यं नया सु केन ग्रीया र्रोपया देरया सु अर पु प्वति र्या पा संअया ग्रीट किया कुंया खेंट प्वति सुआरें सूर दिर दे ते ग्री संह्या चार्येषायाच्यात्राच्य र्ट्टि धीवा तहीं न्ट्र सुवा अळव र्येवाय ग्राट्य होन् रा होंबा ने इसम्बन्ध के र्यान्व यार्वीय रिवा वी ग्राट्ट हेव इसम्बन्ध रावेवाय श्रायार्थ या कं प्रचर न्य स्वाप्त के प्रचार के प्

तयर ढंट र वॅट तह्ना अह्र र यं बारी वं बार्या पर दे और दा सूखा वे बा इर की चर बारा होता पानवा की बार्य वं बार वे वे दे दे वे वही वा यायग्रीम हे नर्द्ध न श्रे लादे त्याष्ट्र त्याप्ता स्ति स्वामान्त्र त्याया निष्या है न स्वामान्त्र स्वा सक्तान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रम् । दे.वयान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रम् । दे.वयान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रम् । दे.वयान्त्रान्त्रान्त्रम् । दे.वयान्त्रान्त्रम् । दे.वयान्त्रम् । दे.वयान्त्रम् । दे.वयान्त्रम् । दे.वयान्त्रम् । दे.वयान्त्रम् । देत्रम् । देवत्रम् । देवत्रम्त्रम् । देवत्रम् । देवत्रम्त्रम् । देवत्रम् । देवत्रम्त्रम् । देवत्रम् नामवी तु.मु.पहु.भूम् इयम् श्रम् श्रम् श्रम् स्प्रम् स्प्रम् स्प्रम् स्प्रम् स्वर् स्प्रम् स्थित् स्प्रम् स्थित त्याच्चैयात्र्याच्चेत्राच्येत्राच्चेत्राच्येत्रच्येत्रच्येत्रच्येत्रच्येत्रच्येत्रच्येत्रच्येत्रच्येत्रच्येत्येत्रच्येत्येत्रच्येत् यादर्ज्जियराध्यें प्राण्येतावेषा स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्व मुच छेवं पित मुंबुद मीया छैकं प् ब्रिंद दिते च्चां अदि मिदव लग्मिद्द पार्च हैं भेवे माबुद प्या च्चां च अप्तर दे भी दे हो दे होते हैं। प्रेचा विष्यं व्या मृत्यं भी के प्राचित्र मित्र के प्राचीत् के प्र न्दा अस्तरं श्रीन्नद्रमुख्या गुवदा दिशे का अहू न न्दा श्री तसुवा का ने ने निता कुला की की का अहू ने स्वाय का का मुंबार्च्चेर्या वालवाल्यार्स् सूंश्रवार्च्चेर्यात्वात्याः वृत्ति स्वात्वात्याः स्वात्वात्याः स्वात्वात्याः स्वात्याः स्वत्याः स्वत्याः स्वात्याः स्वत्याः स्वत्यः स्वतः स्वत्यः स्वत्यः स्वतः स्वत र्वेवाबारम्य निवासी देवे के प्रमेबावाने रायाय लेवा वी प्रवासीय ता हो सम्यामी वा बारी का प्रमाण के प्रमाण करें स्मूचित्र्रान्टरक्रवाबर्यन्वाविक्रियःविराविक्रायाः विष्यान्त्रायाः विष्यान्त्रीयाः विष्यान्त्रीयः विष्यान्तिः व त्या श्री या ने में द्राप्त के प्राप्त के प् लट कूर्याचीयाये त्रिष्ठ प्राप्त ही मि. याचे या प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्त लारक्रेबाईरालाक्ष्याबाबुबा याराम्बद्धाराम्यम् मक्र नाश्चानक्रीन में हैं ताया विवानी हीं नास्यां के कार्या कार्या के कार्या के कार्या के कार्या के कार्या के कार्या के कार्या न्यॅबर्नो तर्वे 'रेवरकेवरपं यसंप्रां पर्ये वर्षे वर्षा स्वारा शिंदर हैं प्रवि राज्ये वर्षा स्वारा प्रवेश स्वारा स् ल बुवाय स्व प्रवाद लटा बुबा दे विष्यावर से श्रीट श्रेन् श्रीट श्रेन् श्री वादव स्व श्री श्रीत से स्व स्व स्व स यार्वेदार्देवान्दराबाङ्गी सद्यायार्वेवाबायदानु वाबबा दे विवाययवासु गारायर विवायाञ्च हो दवेवावाववायन्त्र । सामा

. यट चुँव प्रमासुय क्षेत्र ह्या मा के वार्ष प्रमास के वार्ष प्रमास क्षेत्र प्रमास क्षेत्र क दे वयाद्वियार्च्चित्रवार्यं चुवारावार्यं वर्षात्वयात्वया दे वयाद्वित्रच्चित्रवयायवार्ष्ट्वयार्य्यं क्रियायते व लट क्रैंट.टट प्रज्ञील त्राची अर्डेट टेनट टेनट ने ज्यान अर्ज हो हो ज्यान क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र चर्ला चर्ला क्षेत्र क्षेत् बर से र्नरं। बर्देव रावेंद र्वेव र्वेव र्वेव विकास में केर विवास में रावेंद रावेंद रेवें रावेंद रावेंद रेवें रावेंद रेवें रावेंद रेवें रावेंद रावेंद रेवें रावेंद र कृषका का कृष्य क्षत्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षेत्र क्षेत श्चरं भर में त्र प्रत्येत्र के निवास के निवास के त्र के त् चर्चर केंब्र संटर्च वाब्य हा केंब्र प्रीटें वाचक्रीं प्राचित्र केंब्र विवार्थ केंद्र विवार्थ केंद्र केंब्र विवार्थ केंद्र विवार्थ केंद्र विवार्थ केंद्र विवार्थ केंब्र विवार्थ केंद्र विवार्य केंद्र विवार्थ केंद्र विवार्थ केंद्र विवार्थ केंद्र विवार्थ केंद्र विवार्य केंद्र विवा नु होगूब नुर्वेब युर नेवेद ब युर शुंच चुन हो दब शुंच शुंद ब शुंद ने हम शुंच शुंच शुंच शुंच हो हो हो हो हो हो स कुँ अर्थेते : श्रुंतं त्यते त : श्रुंतं त का ने पाण क्रियां ये कुँ या था कुँ अर्थे : श्रुंतं त्यते त क्रियां य र्मया कुर्योचे यानर कुराव हुराने रे खुरान हुन। वालुन र्नेन रमवा हु केराय मेर्स राम मेरिया प्रमा हु के यो या ने दें वया श्रे लिया तया राष्ट्रेया या तर्केया या पर्या दें विश्वा विश्वया मुं ये विश्वया वर्षा विश्वया श्रे त्या वर्षा वरव न्यापः प्रश्नेर्द्राचक्षेत्रः पश्चिरः पर्वेद्राच्यापत्रः क्षेत्रः प्रतान्त्रः प्रश्नेत्रः प्रश्नेत्रः प्रश्नेत न्यापः प्रश्नेरः प्रश्नेरः पश्चिरः पर्वेद्रः प्रश्नेरः पर्वावः प्रश्नेत्रः प्रश्नेत् म्बार के क्ष्या स्तर्भ ने त्र क्षेत्र क्षेत्र त्र क्षेत्र क लंबाचक्षं चर चिर्च भी वर्षर सुवाबा द्यालाबा सामिता है कर है। यह सम्बन्ध से कि का है। तुबा कि सम्बन्ध संबन्ध स

चार्च-प्राप्त के स्वाप्त के स्वा वांशुद्राचं क्षेत्र हुँ। द्वाचित्र विवस्ताय विवस्त बर्दिर पर्वेद व्यवन देव मुन प्रति । पुराध भिवा में स्वापित पर्वे पर्वेद पर्वे पर्वेद परवेद पर्वेद परवेद परवेद परवेद पर्वेद पर्वेद परवेद प स्.चट.रे.क्रीय.त.स्वीय.वे.र.वार्रेरे.ब्र्य.व.र्य्या शटल.वेरे.य.वविवीय.तपु.क्र.य.व्रे.ब्री.वावाय.त.रटा पर्विजार्पूय.शह्र.स्वात्य. ट्येटयावायला क्री. वायीट क्रिट. टायालट ट्र्वायात में अपना लिया क्री. याचीयाट लाया क्री. याचीयाट क्रिया क्री. याचीयाट क्रियायाट क्रयायाट क्रियायाट क्रयायाट क्रियायाट क्रियाया क्रियाया क्रियाया क्रियाया क्रयाया क्रयाया क्रियाया क्रयाया क्रयाया क्र बर ५ खूर तथा पूर्य होर हैं य. मेवा वाबीर वया पक्ष हो ने प्रधिया पर्त्र र यह री पर्द ! अव्यव में हो वे वा वाबीर में र हो यर एप हों य नर्विन विनायना न यन न र ले हिन ने में हिन यो में र यो में र ये कि विनाय र यो है। यो प्राप्त में प्राप्त में प्र त्यां नात्रेव हे दूर्रावित त्यां नात्र अत्र कुण चृत्रे खार स्थान जून स्थान के अध्यान के विकास ते कि प्राचीता के स्थान के स ऑन् मः धेव' महारा हुर हिन मन् अं महित हो नायायाया के किया हे नर हुर हैं हो अयायायायायायायायायायायायायायायायायाय रा.श्चम.यथ्य प्रमान्त्रम् विष्णा विष माइबांबार्श् व्येत्रं वर्षा क्री व्याया विताय क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क नायार्सेन्नायाये ऋष्टुं इत्रायायर तु न्नुस्याययाये इयम्भित्रातृत्र तु स्रायायाये स्रायायायायायायायायायायायायाय

. बीच. स्वाय. खूंच. च्र ५. टीट. द्या. सक्टूरे. (वट. वी. टी. क्येंट्र. हीट. टी. वीवाय. त. स्वाया ग्रीट. चक्षेत्री ह्या ही. (वट. व्यवस्य स्वाया हीया वीवाया है) इंश.ए.चूनर जुन जुन हैं नर कुंवा वहें व नु से नवा परि के ता हैं ने पर हैं न व सर्वे व सर्वे व सर्वे व कुंवा नवा हुन है ने के वा वा वा के वा ता है न ता है व म्बर्टि, बेब्बर म्बर्ध सम्बर्ध सम्बर्ध सम्बर्ध सम्बर्ध मुन्त स्वर्ध मुन्त स्वर्ध सम्बर्ध सम तुं नेबीयः म्यापनं म्यापनवा्ग्रुटः स्वः तुंनः तुनः क्वेता दे 'नेबिवार्' तुनः तुनः स्वः तुनः तुनः तुनः मुब्दः य विकार्णने म्यापनं मुख्यान्य स्वापन्य स्वापन्य स्वापन्य स्वापन्य स्वापन्य स्वापन्य स्वापन्य स्वापन्य स्वापन्य स पूर्यत्रम् स्थान्त्रीयः प्रतिन्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम्यम् स्थान्त्रम् स ल.पट्चा.म.लट.ट.लुच.चाबीट.। टिट.चबा.बु.च्ये.चाँचुवाबा.मध्य.पड्चिवाबा.सेच.ज.चवीबाबा.सेच.वावाबा.सेच.चावाच.सेच.चावाचा.सेच.चावाचा.सेच.चावाचा.सेच.चावाचा.सेच.चावाचा.सेच.चावाचा.सेच.चावाचा.सेच.चावाचा.सेच.चावाचा.सेच.चावाचा.सेच.चावाचा.सेच.चावाचा.सेच.चावाचा.सेच.चावाचा.सेच.चावाचा.सेच.चावाचा.सेच.चावाच.स न्यान्यान्यस्तिः अतः रची न्यूयम् वृत्यात् त्यात् वृत्यात् वृत्याः वृत्याः यात्रायः त्यात् वृत्याः वृत्याः वृत्य चित्रायः प्रत्यान्यस्य विद्यात् विद्यात् विद्यात् विद्यात् विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्याय ૡ૽ૹૣ૽ૣૢઌ૽ૻઌઌઌૢઌ૽૽૽ૹ૾ૣ૽ઌ૽ૹ૽૽ૢૼઌ૽ૹઌ૽૱ૹઌ૽ૼૹૹૢ૽ૢૼઌૻૹ૾ૢ૽ૹઌૻૹૢ૽૱ઌ૽ૹૣૺૺૺૺૺઌઌ૽ૼઌઌ૽ૢૼઌઌ૽ૢૼઌઌ૱ઌઌ૽ઌ૽૽ઌઌઌઌ૽ૺ૱ઌઌઌઌ૽ૺ૱ઌ दुई चर्वाद विषा वृष्ण है। कर् वृष्ण वर्ष चिवेष यर्र वृष्णे देवेद स्वाद पदी दर्ज पर्द दर्श वृष्णे स्वा हिंद है पदी पद पदी पदी पदी है। व्यन्तित्वाचित्रं वार्यान्ति वार्याने वार्याने वार्याने वार्याने वार्याने वार्याने वार्यान वार्याने वा स्यान्त्री स्थान्य स्थान्त्री स्थान्त्रीत् वित्र स्थान्त्रीत् स्थान्त्रीय स्थान्तिय स्थान्तिय स्थान्तिय स्थान्तिय स्थान्तिय स्थान्तिय स्थान्तिय स्थान्तिय स्थान्ति तर्वेष्यत्रम् वृद्धाः वी वियात्रम् स्वास्त्राचेष्यं स्वतः क्षेत्रस्व स्वतः स कृतः अञ्चल-तृत्रः क्रिं क्रिंकः देवः क्रेवः क्रिंकः विला अन्। यदः दर्भा शुभारहः स्वाशुभारत्यः क्रियः क्रियः विला प्रति । यदः प्रवाशुभारते । यदः प्रवाशुभारते । यदः प्रवाशुभारते । यदः प्रवाशुभारते । यद्भाविकः विला प्रवाशिकः । यद्भाविकः विला प्रवाशिकः । यद्भाविकः । यद्भाविकः विला प्रवाशिकः । यद्भाविकः विला प्रवाशिकः । यद्भाविकः । य लबाबीयातालुबी शुःलीलाबी श्रीवर्तियर विराधितालबाकिराविष्टा लट्टि श्रीवावी स्वाचिर स्वाचिर स्वाचित्र विष्टा प्राची कूबा ह्यर अह्र र तर्रे त्वा वी वा नर्गा द श्रू त्वि श्रू न्वि श्रू त्वा क्वा क्वा क्वा वि स्व प्राप्त क्षेत्र क मुत्रमा क्वा की द्वा महित किया प्रवाप विची नहूर तर प्रमास मित्र क्षा मित्र क्ष्म हार् ट विट हूं हा क्ष्म विष् मिता मित्र प्रमास मित्र प्रम मित्र प्रमास मित्र प्रमास मित्र प्रमास मित्र प्रमास मित्र प्रम प्रमास मित्र प्रमास मित्र प्रमास मित्र प्रमास मित्र प्रमास मित् कृयात्ता जान्यविषयात्र व्यक्त कृषात्र मार्थित कर्ता हो अपन्त क्रिया क्रिया क्षेत्र क्ष त्र्ये.में.अष्ट्रपु. में. पर्वोजाजास्वीयार्म्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायायाय्यायायाय्यायाय्यायायाय्यायाय्यायायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायायाय्यायाय्यायाय्यायायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायायाय्याय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्याय्याय्याय्यायाय्याय्याय्यायाय्याय्यायाय्यायाय्यायाय्याय्याय्याय्यायाय्य नु गार्वा ह्रा सं गर्वेट्वा पाने वार्य देवां प्राचनाय विश्व कर्म के विष्य कर्म के विषय के विषय के विषय के विषय बियांच्रांयाक्कुम्तरावरं श्री तर्वे विराजकुर दितावाबुरा चिविवाँ तु विवाय विवाय विषय विराजकी विराजकी विराजकी वि विषायि वरापुः र्श्वितायावायारा स्वाराज्याया विषया अन् अवित अवित अस्त ने स्वाप्त के त्र के त स्व अवित अवित अस्त के त्र के त् न्तर्यात्रम् त्रित्राच्यात्रम् । त्रित्राच्यात्रम् । त्रित्राच्यात्रम् । त्रित्रम् रयाचीचवर्षे क्रिंचे चे प्रत्यान्तरा विवादा तर्या विवादा त्या विवादा देर मण्य के दर्दे व ग्रुप देये पर दर्शे पर देवे पर्ये द वस्त्र व स्वाय प्रमुख के लिए स्वर्ग प्रमुख के विकास के मुन्ते र मंबिया अपित र्रे के के कि प्राप्त के के के कि कि के कि के कि के कि के कि के युंडीयां बुषा दे विषायदे के बर्टी के बर्टी के या माणित हूं बर्म दे त्या माणित हैं वर्म माणित के बर्म क्रॅब्र-पर्ट्ट अर्ह्णव्या ट.म. मॅ.च्रॅन्ट म.ल. मॅ.च्रॅब्र गुबर के प्रत्य क्रॅट्वं पर धेवी इट पर मॅस्ट म.स.स.चेवा स्वापा स् त्या गर्भास्त्रीराविद्यातपु.कु.क्व.त्रकूषु अवराधित्तर हुव वयार्सूर बूत्वायारिय पु. मू.क्यात्री व्याप्ता विद्या र् निर्मुश्रमा देर निर्मुद्र स्था ता में हे हो हो ता अवत् तर्चे कु असी से दें के अमी ही तर्चु ता छी निर्मेत को माना निर्मेत हिता है। र्नेनर रेन किर्नेर मान्य कार में किराने कि प्राप्त के किराने के किराने के किराने के किराने के किराने के किराने क्षेंच न्यें ब जे बेंब व न्या हो ब जा बाद केंब के बेंद ने ब ब जो बेंब न्या के का जो के बाद के किए के प्राप्त के

कूंचबाग्नेबा ट्रैट्र्र्न्व प्रत्यात्र प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रत्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रत्य क्षेत्र क्षेत र्रा मुलानुति तो है लिया ह्या या वर ब्रिवाम के वे पर्रात्र पर्याप मुलान वर्षा हुत त्रिवान प्रात्ति वर्षा के वे यक्रूबर्चना प्रिंश्चर्या अहर्षेत्र विश्व देरालरा होता बार्ष क्षेत्र क्षेत् र्मव्भियराम्बर्गम् प्रदेशम् अर्दाञ्चर् राष्ट्राच्यां प्राप्ता यह्यानुन्धर्यामुख्यान्ति । स्वर्षान्ति विद्यान्ति यट रें लायव पर्द क्षेत्र के वर्ष ग्राट लर्कें व रार्क्षिय द्वार के वर्ष दें ता पर्द हैं हो अहिवी विषय लार्क्ष में हुट अपने में हिट वर्ष यहिये दे वर्षानित्र मुंबर अविर पुरे वेषा देवे अविद से द्वारा के बारी का के वा कि का के वा कि का के कि के कि के कि के न्त्रा वर्षित्रपु अप्ति के स्था के प्रति के स्था क यहरी दे वृत्र क्षेत्र क्षेत चक्र.झ क्रिट.चें.झ.एग्रेजा बर्ट.झं.केथ.झ.एग्रेजा टेश.पार्ट्र.झ.एग्रेजा टेड्र.क्.जग्रे.झे.मीर्थट.टट.चट्य.न.च्या.स.च्या.स्.मीर्थट.विट.त्र.क्या.न.च्या.स.च्या. कुलनं कु अर्द्धे देनट लूट् मृत्रा मृत्र प्रते कुलन कुट् नट विट वें ये ग्री अन्दें ते ग्री ये वें माग्र के स्तर न्ता गातुः भैः भः वर्षान् ग्रीः श्रीः केवान्ताः है। नर्थवान्तुः श्रीनायाञ्चावा श्रीन्यान्ति । स्वान्यान्ति । स वटायटबावबाक्याम्याच्याचे प्राथमा इटाविबादी साधिवाइसमा द्वाराय सहिताय स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान <u> २९७.इ. कुष.५.ज.५वी.कि.प.कर्य.पद्रजानकाश्री.वी.कैष.कर्या केजारी.शु.६.से.ज.५विष्टकानकाक्रीजावश्रवाद्रपट्राचर वीर</u> . ૄ ૡ૽ૡૢૻૻૡૻ૽૽ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૡ૽ૹ૾૽૱ૡઌ૽ઌ૽ૡ૽૽ૺૡ૽ૢૺ૱ૢ૽ૢૢૢ૽ૺૹૣઌૢ૱ૹૹૣૹૹઌ૽ૺ૾૽ૢ૿ૢ૽ૢૡ૽૽ઌૹૣ૽૽ૡૢ૾૱ઌૢ૿ૢૡ૽૽ૹ૽૱ૡ૽ૺ૱ૡ૽૽૱ૡ૽ૺ૱૽ૺૹ૽૽૱૽ૺૡ૽ न्यंत्र ळेत्र यं गुरे गुर् प्राया मुलायंदे भ्रु छ पर् श्रे पहता मुलाशेन लेदर गर्दे प्रायर पर्यापाय मुलाशेन स्व यंगवंद वं मा मुलार्रे सुमान्य मार्थ राज्य प्रति देव देव देव दिन प्रति प्रति मार्थ मुला सुमान स्वापित स्वापित स ૾ૹૢઽ૽૱ઌૣૡઽ૽ૢૡઌૡ૽ૼૹૢઽૹ૾૽ઽૹઽઽૣઽૡ૽૽ૺ૱૱ૹૹ૽૽ઌઌઌ૽૽ૹઌ૿ૢ૽૱૱૱૱ૹ૽૽ૢૼ૱ઌ૽ૼૼ૱ૢૹૢૼઌ૾૽ૢૻ૱૱૱૱૽ૺઌૹૻૡ૽૽ઌ૱ૣૼૺૹ૽ૺ૱ गु.पेर्टी.पन्नजा.बुट्.या.नुब.तपु.यं.जा.बुब.चुर.यंपु.श्रीयब.पट्र.यंबेबोब.त्र.विब.त.जो क्र्याङ्पु.विज.वंबो प्रित्रकु.यपु.रेब.बी.डुट्.यू. मुं हेव.रे.वोडीटा ट्रे.वंब.वेव.मुंब.वेब.तब.ह्यांनाकृतो.तपु.लेट.टॅट.पु.लवा.स्वांब.वोवट.वंबा शु.खेवाँचा.लेज.चंडिय.लंजनच्छीट. वर्षाचिर रेषा सुन्धेनेया देन मुखा सुन्द नदान हुव के सुनु हुन्ह रेन्द सहिला वेषा वेषा पर के वर्षा नहिला के विवाद पंविताबा गोबा कियु के ज्यान की बात कर है के की की की प्रमान की की किया में बर्द्धत्तुत्र्वत्तुत् तत्त्वा तत्त्र्याचात्र्याच्यात्त्र्यात्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्र्य <u>२,८९७ मुं कुष्रान्त्री मुङ्गालक मेर्ट संस्तर मुंदानी एक्ट्र सीट केष्ट्र कार्य मुल्य मुंद्र कार्य मुल्य मुलय मुल्य मुल्</u> बुँबां हु स महिमां या नहें दर्या पति क्रिंद सुधा पर्मे कित्र महिमां का महिमां हो महिमां हु महिमां है। महिमां हु र्श्रेणवारान्त्र वाववार्यात्राप्तात्रवार्यायात्र्यावार्यायात्रीयावार्यायात्रात्रात्रवार्यायात्रात्र्यात्रात्र

યદયા શ્રેયા. શ્રુપ્તા વાતા તે ત્રાપ્તા તર્યું તે ત્રાપ્ત સ્થિત તર્યું કર્યા સ્થાન તર્યા ત્રાપ્ત સ્થાન તર્યું ત સ્થાન સ્થાન ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપ્ત ત્રાપત ત્રાપત ત્રાપત ત્રાપત સ્થાન તર્યું તે ત્રાપત સ્થાન સ્થાન સ્થ સ્થાન ત્રાપત સ્થાન ત્રાપત ત્રાપત ત્રાપત ત્રાપત ત્રાપત ત્રાપત ત્રાપત સ્થાન તર્યું તે ત્રાપત સ્થાન वार्षेत्रः क्वी. चर्रः देशः चर्छः चर्छव क्षरः देशः देशः वार्षः स्वीतः चर्षः स्वीत्रः वार्षेत्रः वार्पेत्रः वार्षेत्रः वार्षेत्रः वार्येत्रः वार्षेत्रः वार्षेत्रः वार सक्त स्वापन स्वा वा थें के के दे न्यणु वें र न्य के के वें के वें की विषय में के र के अर्थ के के प्राप्त के के कि के कि के कि क वंभानतुगबाद्धरा देवकार्येन पुर्यान् कवायायायवित्र इसका ग्रीकायस जीवायायी केंबा हे लेन ग्री गासुरा गीवायस संस्थित र् देविषायाया देविषाण्याया हो क्रियाया हो स्वाप्याया हो त्याप्याया हो स्वाप्याया हो स्वप्याया हो स्वप्याय हो स्वप्याय हो स्वप्याय हो स्वप्याया हो स्वप्याय हो स्वय बर्लावबा वृत्ते केंबादिन होने देटा क्रिकार प्रवासकार प्रविधानित तथा केंबाबार जाती है का स्वासकार केंबा के कार्य जूर्वा बूज्र री श्री प्रथम हैर वुवा स्वेज राजा र र ज्या श्री प्रकृति मा श्री वा श्री प्रवास दिया है प्रवास विश्वर विवाय भी हे व इस्रमा पार्श्वेर पर से प्रु इ स्थार मित्र हो श्रु रेट या द्या सामा स्थार मित्र प्राप्त स्थार से स्थ यायरं जायहर स्ट्रिंट् ने दारा वार्ण ना ने दारा के दावी का ना के का निवास के क यक्ष्यत्यायाः स्वार्थः मेत्रात्याः स्वार्थः स्वार्थः यक्ष्यः स्वार्थः यक्ष्यः स्वार्थः यक्ष्यः स्वार्थः स्वर्धः स्वार्थः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्व दिते भ्रुते भ्रु न कॅब हे ते नेबिद प्रविषय की विद के ही नते के ले प्रवास के कि के कि के कि के कि के लंबानु सुराया सुला क्षेत्रावान है त्या निर्देश के ता निर्द के ता निर्देश के ता निर्द के ता निर्देश के ता निर्द के ता निर्देश के ॱॴॹॕज़ॏॹॱॿॎॸॖॸॸॸॱ॔ॼॺॱॴॸॱॴॸॱॸॖॱॻॗॸऻॱॷॺॱऄॸ॑ॱॸॹॣ॓ॴॱॺ॑ॺॱक़ॕॺॱॾ॓ॱॸऀॺॱऄऀॱॷॴॶॕज़ऻॗॺॱढ़ॸऀॸॱढ़ॎऄॖ॔ॺॱॻ॑ॸॱॸ॓ॺॱॹॕॿॎ॓ॺ॓ॱॿॖॗ॓ॱॸॕॱॺॴॱ सहित स्वाप्त स्वाप चक्षेत्रं तृष्ठे र्देश्य प्राह्म अर्थ है । गुर्द्य या वा या प्राहेश हो । ब्रे विद्या सुदेश के ति विद्या हो विद्या हो । ब्रे विद्या हो वि न्गुर्ने त्रान्वि नवेशंचि के के स्थानित हीं न मंन्ये सहयों अगुक्ति हिंदे न हुंगे ये संगुर्य स्थानित स्थानित ही न स्थानित हैं न स्थानित हैं न स्थानित स पंचर र्धेर प्रतृपाया पर्के प्रमुद्द प्रवियापाञ्चर्याया अर्दे ।प्यया सुर्धेपाया मैं दार्गेरी पर्धेद के दार्देद चेर द्वयायापये प्रतृपापा मुक्तेद र्धे यह द्वा वॅब् क्रिंति सुर्या नुं क्रिया यदि नुस्रिया वीका वार्वेन या क्रिया हुन ना यो न्यानि विकास क्रिया हुन क्रिया हिन नर्ज्ञेन अर्गेट र्यूर विनया के श्रुपः इते त्यू भी त्यू अप्तर होता निक्षा के वार्षित के वार्षित के वार्षित के व वर्ज्ञेन अर्थेट र्यूर विनया के श्रुपः इते त्यू भी त्यू अप्तर होता के विनय के वार्षित वार्षित के विवास के के व त्त्व न्व न्व न्य क्षा क्षेत्र त्य क्षेत्र त्य क्षेत्र प्रत्य क्षेत्र प्रत्य क्षेत्र प्रत्य क्षेत्र त्य क्षेत् विष्ठ प्रत्य प्रत्य क्षेत्र क्ष नर्गित् दी दिते दुर्वास में विद्या मुला देते जात्व लेडे वृष्टी मान्य स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र मान्य स्त्र स्त क्केंट्र बिट्र मेंट्र र भेजाया देते र या मुक्ते सुर्या केंद्र में या विट्या प्राप्त में या विट्र या प्राप्त से विट्र च.ज.बूर्वायातपुर्द्धितसीजार्ट्टाङ्गिक्दरायपुरक्षियार्ट्टाचित्राचित्राचित्राचित्राच्छ्यातपुरक्षियातपुर्वायात्राच्यात्रच्यात तर्नुत्पाराय्यूदरान्द्रुत्पान्ने पर्वत्र प्रमुत्पाने वार्युत्पाने वार्या । दे ने ने निष्यायम् भी ने ने निष्यायम

जित्राजानमूर्यी रेन्यबाबीक्रिक्तियावयायवारेग्रीचार्यु प्रमुखामित्रेय क्रियाचार्यम् मुक्तिक्रियाच्या हिंबाचवार्याचार्ये स्वीवायाचा ब्राचानायतः क्रिचीना सम्बद्धाः प्राच्याना सम्बद्धाः प्राचीना सम्बद्धाः सम्बद्धाः स्ति स्त्राचा सम्बद्धाः सम ग्रदंगवरम्बुवंदर्ग ग्रम्बयायां प्रमुवायां देश विषयां विषयां विषयां विषयां विषयां प्रमुवायां विषयां विषयां विषय यानमूर्ते हिंद्राश्वित् कुर्यान्य कुर्यान्य विष्यान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विष्यान्य विषयान्य विष सपर्वाक्षेत्र प्रवासिता वर्णाय प्रविष्यं ने देव कि वर्ण के स्वर्ण के सार्वा के सार्वा के सार्वा के सार्वा के स वानुस्रांत्राची तुर्वेत र्यान्तर नियर वार्योवात्राची वार्याची वार्ये वार यादायदार् निश्चर्या मुलदायाळेषायसूदायं वास्त्र वास्त्र वादायदा निर्मे वादायदा मित्र वादायदा मित्र वादायदा मित्र बॅण्वाया अट दु हैं वी दे व्यादेश ही बार्य मार्थ मार्थ प्राची पार्व वा प्राची में हिट हो वह वा में दि हो है हो है हेशं तहे व रंग्धेव म्यू रंग्द्रा मूर्वियंशं नर्येव ले न्या कं के हेव स्थयां या हेर्वे रंग् के ले नित्र में के मार्थे राम्येव म्यू र्या र्गुर लें खंबारह संगिते व राये वेट सं खुना ने लें प्यान ने गर्वा प्रह्म प्रह्म प्रह्म प्राप्त के विकास के प्राप्त के प्रा रोपटार्नेत्वार्थे.शुर्यात्वार्धेयाः श्रुप्यात्वार्धेयाय्यात्वार्थेयाः विषयात्वार्थेयाः विषयात्वार्थेयः विषयः ्रैक्स्य अर्हेन्युर्य स्वराम्यवर ये स्वराम्य स्वराम्य स्वराम्य स्वराम्य स्वराम्य स्वराम्य स्वराम्य स्वराम्य स्वर क्षे ज्वाची कर र त्राह्मर वा वा प्राया वा विवास नर र पुर्वा र निवास विरा हा वा नहें व र र र ा वा नवस पाव न र र लान्झ्यांतर्भात्र्याद्नी भ्रान्यंभेन् नु क्रियाहे ने नेवेव नामियायाय वितर ने रान्यं प्राप्त स्थान स्थाने वित्र यंबायहै यंबेंप्वाइबा दें द्वार्क्यहै देव यें के दुर्हर हुर वेचवायदे बर क्षुत्र हुर हुर है दुर्व वेचवायदे वा के राक्चि. खर्डे ब.सं. ता. जा. प्रमाण्डिया क्रिका हो ते. प्रविष्ठा प्रमाण्डिया विषया प्रमाण्डिया विषया प्रमाण्डिय प्रमाण्डिया विषया प्रमाण्डिया क्रिका हो ते. प्रविष्ठा प्रमाण्डिया विषया व सहर्तायरायित्रायायत्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त् सहर्तायरायवित्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवा यन्न गुर्या गुर्या मुर्या यस गुर्या सुर्र र तर्म श्रीर र वर्षे र यर्षे र यर्षे र यह वर्ष यह गुर्या मुर्या मुर् बीर् मार्ड्रेन्य स्व प्यानकरी पहुंच क्राज्ञ मार्थिय ही. मार्जिय क्राज्य ही. मार्थिय होता स्व मार्थिय होता होता होता है. वृदःव्यागुवःकुणेकेःहरःवीयःक्षवःक्षेत्रतुंत्वीवर्यानुन्वा वर्षेत्रणेयुर्याचेषानुस्राची नुरःक्ष्यस्ति प्रामेश्वेतःस्रास्त्राचे हार्यार्षेत्रः चीर हैं. हूं वोबू वंब दूर दें या ही व रहे दूर तर हैं। में प्या की कि वेप वो की कार हैं या है की हैं पर हैं विव के हिन हैं की वो की व चुंदर् राष्ट्रोद्ध विकासि महिसाँ पर से किया है। अर्थेट्स अर्थेट्स पर देवे विकास सम्प्राप्त के स्वाप्त के स्वाप मुचा भैं.यज्ञेशकाश्चाना कूर्वातिर यथिवायाययालेश जावाच्चायाययाचिर तार्यहिर्या क्षेत्रवायायवर कुरावायाययालेश स्व चुर्। ह्यें तं ह्यू प्रामाशुक्षं प्रदे के बावरु मिने बांगी के विद्यार प्राम्य प्रदे के प्रमान के कि प्रमान के विद्यार के वि ५-वि.भ्रे.जूर-पर्हर्नाय ग्राँब-रूट व्या विवय अर्गनिव याचे याचे प्रति प्रति प्रति । विवय विवय विवय विवय विवय विवय तर्चें गुन भी नियम है नियम है नियम के राम के राम राम से पान विन्य में से पान से प्रमान के लिए हैं हैं हैं हैं

र्यूर्यायमा विकासमा कुर्लरामा वेषास्र पूराविष्टी हाला सूर्वायाना पर्येयामा पूर्यायाना स्थाना स्थाना विकास विकास क्रिया ग्री अळव ह्र्येन पानिता ने हिना पाना सुरम्। वि र्यन हिन सम्बन्ध होन हिना सम्बन्ध हिना के लिए हिन्स स्व छ होन इसम्यायानीचेनम् । धर्माप्यराबुं वर्षा रुवायानीचामानीपायानीपायानीपायानीपायानीपायानीपायानीपायानीपायानीपायानीपाया नश्चरमा निवन प्यान्य स्व अधिन अर र निवार में र निवर में र निवर में र में में र देवा यम द्विवाम वसमा उत् दु क्रिंग हेर विश्ववाम गर सर प्यत् वी विश्व र प्रमाणित र प्रमाणित स्वापित स्वापित है व ग्रेनं अर येनंब ही व क्रुनं व्यवस्था वेंद्र वेंद्र वेंद्र वेंद्र यदर कर्ता हे व व्यवस्था व देश वेंद्र व व्यवस् $\frac{1}{2} \left[\frac{1}{2} \left$ 'लेट'चर्स्न हैंट'वर्षा देवे 'से अपवेशवान हैंव 'लेंद्र' वार्याट वर्षा खावर है। चं इशवाचर्ष वार्याट के वार्याट हो वार्याट हैव 'लेंद्र' चार्याट हैव 'लेंद्र' चा ग्राट प्रदे : प्रेंद मार्श्वर विश्व प्रदे : ज्ञाय द्वामा कर प्रेंद ' द र वे मार्श्वर कर कर कर कर कर कर कर कर कर पबाञ्चवा हे व निहरान्तरे पुबाबु अवाञ्चे रार्टे बावाज्ञरा। कराहरे पुबाबु गारा आगाव ज्ञारबाया विपार रावी विवाब यानिवाब सार्विवाया म्बूर्यान्यं के माना विश्व प्रमा के विश्व प्रम के विश्व प्रमा के विश्व प्रम के विश्व प्रम के विश्व प्रम के विश्व प्रमा के विश्व प्रम पितु रङ्ग शुः श्चिनं र्राट्य न्या सुर्ये शुका र्वट राजा सामा श्वामा स्थापन हिया महिता सामा सामा सामा सामा सामा दे.यय.कै.कैट्य.ये.बैंचे ट्रंट्य.तपु.कु.चै.च.वाचय.वाचेट.तपु.रेय.ये.चे.ये.वी.वी.क्य.तुप.पु.एट.क्य.टेट्री वित.कूत्रय.यी.टुट्राय.यूवीय. ला. ब्राचीय वाचीय वाचारा नवि नवा. श्राचीय नवें हुया वाचार खेला. नवें र देश हैं वाचा खेरे. श्राचीचें वाचय, ला. वाचीय वाचारा वाचीय वाचारा वाचाय वा बेट्रा बंदेव यर बंद्रिव प्रतर बर दु गर्बंद्रबा भूनबार् हैर रे तिहेव या नतुर्ग वाय निर वेद रे वेद वेद के बार के यट्या.त्या.वे.यया.जा.यक्षेयातया वट्टा.क्ट्र्य.टेंया.ग्रै.लेया क्रिय.क्या.व्या.व्या.वे.व्या.वे.या.वे.व्या.वे.या.वे.व्या.वे.या.वे.व्या.वे.या.वे.व्या.वे.या.वे.व् यहेर्या प्रश्नित प्र स्त्री वर्षा प्रश्नित प्रश् बह्दाराताः सेवासाराहें अळ्राचित्रे अह्दार्यत्र अह्दार्यत्र अह्दार्या वित्राची स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर् यक्षेत्री ट्रनट ग्रेन्या अक्ष्य नया हिला ग्रेट न्या विष्य मान्य क्षेत्र मान्य क्षेत्य तु-पहेत्रुव्यवणणवन् पः अहत्-पति द्धायः भर्मे हुः के प्यवः अहत्। अर्दे र वुः तिअवः श्रीः विदे कः इअवः तरा गूरिं स्तरा तृष्वावार्यः तरा विदः श्रीः क्षेंपान्यं व स्वर्ण कुषाकोर में प्रवर्ण पहले प्रवृत्वाका की मर्कों या प्रवर्ण पर्या पर्या देश हैं विश्व के सिर्म पर्या है पर्या के स्वर्ण के स्वर स्या क्रिंग में न्या में ने ने कार्य में ने ने कार्य में में प्राप्त कर्म में स्थान कर्म में स्थान कर्म में स्थान कर्म में स्यान कर्म में स्थान कर्म स्थान कर्म में स्थान कर्म स्थान करिया कर्म स्थान कर्म स्थान कर्म स्थान कर्म स्थान स्थान कर्म स्थान स् य.ज.ट्र-.श.श्रुय.चर.र्-.श्रे.श.धेशब.तर.ग्रीथ.पबिंट्या श्री.श्रक्थ..श्र.जाव.बंबानावा वे.से.ज.च.रट.श.व.पवुंबाङ्गर. त.जूर.तव.र्-.यंब. न्त्रे स्वार्नि संयय मुन्ते न्याय मुन्दि वर्षा श्रीट निस्त्रे नेगाय के निट निस्त्रे मिनि मिनि मिनि मिनि स्वार्मि मिनि स्वार्मि मिनि स्वार्मि स्वार् ड्रीयब्रास्त्रीं विष्याच्या में क्षेत्राच्या में क्षेत्राचा क्षेत्राची क्षेत्राचा क्षेत्राची क्षेत् पूरी बुद्रित बन्पूरी के बूक्त जुर्म पुरे ही विविद्य लट विट हुवार की बिवय तरिवट हूरी क्षेवी रिज वी विदर्शती के जूर विविद्य केंबांहे प्राप्ताया हे हेंप्पार देव के वे बेप प्राप्ता के बार के के पर के वे वे प्राप्त के वे प्राप्त के वे वे ळेव.रत्तांत्री क्रून्,लेल.रे.केल.कूच,ल.व्यूपेश्च अप्राच्यूचीयांत्रीयांच्यूचीयंच्यूचीयंच नायन र र मार्ग हैं नम स्व द्वार के र ना व र मार्ग व विष्य ना स्व मार्थ में ना निव मार्थ र ना है के से स्व में र मार्थ र निव र

१.२। दक्र्-सुदे नान्त स्वराग्री भ्रावर्षा

अन्यःश्री । । ।

यात्राच्याः स्वित्वाः स्वत्वाः स्वित्वाः स्वित्वाः स्वित्वाः स्वित्वाः स्वत्वाः स्वत्वाः स्वत्वाः स्वत्वाः स्वत्वाः स्वत्वाः स्वतः स्व

४.४ श्रुवायवेः सुवेः देखाया पित्रे वायवेः सूत्र वा

र्रापते क्रिंत्या है जब क्रिंत्य है प्राधित व्या ने जुन है वा ठे के निया विवा है यह में प्राधित विवास के का है यह के विवास है जिस है जिस के विवास है जिस है जिए के विवास है जिस है जिए जिस है ज स्तरित्र स्तरित्र में दे त्र स्तरित्र स्त किं ने प्रार्चा प्रेंन पर पी शुंद्र ने वा म्लास दर्भ पर हैं ने प्रस्ता पर केंद्र पान न पर केंद्र पान न केंद्र प ॻॖऀॱॻऻऄऺॸॱज़ॱॻऻढ़ॺॱॸऻढ़ऀॱॻऻढ़ऀ॔ढ़ॱज़ॱ॓॓ॺॱॻॖॖढ़ॱॸ॔ॱॺॺॱॸॻॖॿॱॸॱॿॎऀॻॱॻॏॴ_ॣज़ॱज़ॖॎॸॱॗॕॎॹॴज़ॱॸॱॸढ़ज़ॻॖऀॱऄॗ॔ॸॴ*ऻॼॖ*ॴॱॸॺॱॶॸॱॸॺॢढ़ॱॸऀ॔ॸ॔ॱऄॺॱ मालेबान्ना के तर्बबाने। नेत्र कुर्नेनं तुम्बानवी पन्ने व त्युद्ध बॅटार्ना एस ब्राह्में व स्वाप्त के खेला के खेला के खेला के खेला है समार्थ पास च्या स्वास्त्र क्षेत्र क्षेत् . યાદ્રે : कर : यां प्रतित : यां प्रति : यां प ताश्चिमाही ज्यम्बेर्न्,र्यी,ज्यूबाइ,र्यम्पेबिशांशिवात्तिती ज्यक्रिर्ट्यीं विषयि हिर्पायात्त्रीया व्यामिक्षियात्ति विषयि हिर्पायी यान्ययात्राचान्ययात्राच्यात्रा शक्त अर्थ अर्थ निर्मा अर्थ निर्मा के स्वापन के स्व भूते के अर्थ के स्वापन के स्वपन के स्वापन के स नदे जोशेनाबासूना श्रुट होट नं यादे दे पर्या तुर् हैं यादे वाहिया हो जो है जिस हो हो है । दे वाहिया है दे हैं व त्यार नुः क्रुं न्या श्रुम् त्राम् व्याप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वप्त त्तः इ. अकूर्या चु. इ. ज. प्रचित्तः हिर्या जाया ता. प्रचा लीश हिं जा श. प्रकृत्य होती वर्षा हो हिं जाया हो हो अप . प्रचा स्ता हो अप . प्रचा हो अप . प्रच . प्रचा हो अप . प्रच सक्तायाः श्चीरावेषां द्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वया न्यमानु सन्यानु सन्यानु से नियम स्थापन सम्यान सम्या क्री:ब्रह्म क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क् क्ष्य.चीवीय.त.मुट.वी.चक्षेत्रय.लच.लीश.श्रय.वीश्वेश.बीय.सी.श.कूर्य.चीट.च.ज.टचट.विंग.तथा लु.चे.य.तय.तपु.र्येंग.थी.लीश.बीय.जीय. म्न निर्दर्द्धाना में मुख्य में भी में अर में ट्रैंब हैं न दुबं अंटेंद से स्वेब स वेंचुब र्यू न र चुटा न्वार कें नहुंब वह किया नहीं केंच के केंच के किया में कूँअत्यास्त्रेत्वा नेर्नित्वी द्वरात्र में विशेषायाँ विषया ने विषया विशेषायाँ है वो वी स्वराश्चीया विशेषायाँ विशेषाया विशेषायाँ विशेषाया विशेषाय विशेष र्वेश्वभ्रेट्रिट्ट्रिट्याच्यी लुनेब्रम्पट्वेद्याचा स्थान्त्र क्ष्याचा स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्य इसम् कुं हैं र र वर्षा वार सार सार र विया विर्त्यर कुं कुंब सार वार कार स्वयं कुं हिर्वे वार में हुर विर्त्य र कर हैं से वार प्राप्त कर से मुंद रेबा क्रेंवा पंचां देवद व्याप्त वार्वाचा देवे के चेर दवा रुव प्याप्त विषाय विषाय क्रेंबा क्रेंबा क्रेंवा व वैषान्त्रुषातुं हैं व वेषार्य हैं है विषा ग्रूट हैं व मूर्य वषा यान यो ये हैं निया तुषा व वेषा व वेषा व वेषा व र्ट चुट हैं है गेट र्चेंब हुन इटब नब गेट रें न चलुगबा देर हूंच दुव हैं व ल गबर एट्न ए छ देनर पर हुन हर गुडेग थे स्वायाना अटर् वायय। श्रूपार्य्य प्रमुप्त प्राया अटा को लास क्षेत्र क्षेत्र प्राया स्वया प्रमुप्त स्वया विया प्रमुप्त स्वया स क्र्याबन्तःश्चर-२.खेबा विरात्तरःत्वरः ब्रेच क्रुं कृष्यान्यस्थयन्य क्र्याचन्त्रः विराधिकः अर्थर्यः अर्थर्यः अर इ. ह्या-रिटानक्यन्तः निष्यान्यत्वः अर्थः क्रुं कृष्ट्यः अर्थः क्रियः चिश्वः क्र्यः क्रियः अर्थः विराधिकः क्रियः विराधिकः क्रियः विराधिकः क्रियः विराधिकः व

विविवायात्र क्षेत्र अति वायान्त्र अत् क्षेत्र अत् क्षेत्र अत् क्षेत्र अत् विविवायात्र क्षेत्र अति विविवायात्र अति विवायात्र अति विवायायात्र अति विवायात्र नविनेयानुष्मुकु निन क्रियाहे स्नेत्राया के नया अहला दुर्जे समा विला अहिंदान स्या क्रिया के स्वा क्रिया है दिने श्चित्रः यस्ति प्राप्ति त्र स्ति त्र श्ची त्र क्षा प्रति प्राप्ति व ति स्ति त्र स्ति त्र स्ति त्र स्ति त्र स्त श्चित्र स्त्र प्रस्ति प्राप्ति त्र स्ति त्र स्त श्चित्र स्ति त्र स्त त्र क्षा आ च हैं जो जो ता ता ता की प्राप्त के ता की त चेड्रवा चर्षितायामा क्षेत्र दिवा विराह्म स्वयः स्ययः स्वयः स बर्-दु-बर्द्द् देन देन्द्रद्व की अदे विवय हे गुणे हेर् दर्मेंद कर चंदे विवय हे गर्भेंद्र य विवा ग्रुट विवय है के देन होने के विवय द्रात्रबाक्ष्यान्त्रात्वेषात्रात्रात्वेषात्रवेषात्रवेषात्रवेषात्रात्वेषात्रवेषात्रवेषात्रवेषात्रवेषात्रवेषात्र इ.तबाक्ष्यात्वेषात्रात्वेषात्रात्वेषात्रवेषात्वेषा देविषात्रवेषात्रवेषात्रवेषात्रवेषात्रवेषात्रवेषात्रवेषात्रव , ब्रुवांबान्या ग्रह्में वे पुरे त्रेयां ने क्रिवाबा सुर्या वासुंबाना विस्तृता सुर्वे अपूरा से के स्वार्थ के स र्आयामबुवाबाधिरं क्रिंबाअट पुरावेबवा अविदाक्षेत्र विदान हिंदी प्रावेब स्थान क्रिंबा स्थान क्रिंबा स्थान क्रिंब स्थान क्रिंबा स्थान क्र र्देन भी नभी वान बुगुकारा नी ने नका निर्देश में जात कर है का कु इत्यार सुर है। भी भी भी है। है का सम्मान कर नि त्रवीर लट विश्वर में पूर्य हैं ये रेट विलय प्रचार के प्राणेट पे रेश वर्ष हैं ये वर्ष हैं ये प्रचार विश्वर के व ब्रॅ-पॅवर-व्या त्रात्यमळे ब्रुचा त्रात्यम्ब्र्यत्हें अया संग्रेण यह राष्ट्री तर्वा हेन हित्य होता प्रात्य हिन स्वाय व्यापिक प्राप्त स्वाय क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स संग्रेण स्वयं स त्रवित्तित्त्र प्रतित्ति । वित्तित्ति । वित्ति । विति । वित्ति । विश्वयन्तरम् वार्यस्ति हे विश्वरहेवाय स्वर्ध क्षा क्षा प्रति । यावि स्वर्ध स्वर ळव खेरी नियम प्रभूत नियम प्रभूत पर थाने खाने थी वा ने अव किन वर्ष नियम निमाली के बिन की के वर्ष का के वर्ष अही गूर्द्र वर्णमस्य र्यूवन्य मार्ट्यूवर्षा पर्य राष्ट्रेव वर्षा पर्ट्यूक्वर श्री पर्य वर्षे अस्त वर्षे अस्त मार्थि पर्य वर्षे वर्षा वरव श्रुवार्टा में प्राप्त प्रमानिक के प्राप्त के प्राप्त के किया में का प्रमानिक के प्राप्त के किया में हीत्र त्या की अन्तर क्षेत्र क्षेत्र त्या पर्दे ता व्यक्त क्षेत्र क्षेत व्यान्त्रेषाः क्षेत्रायाः क्रुवः प्रवृत्वावायाः विषायां विषयायां विषयायाः विषयायाः विषयायाः विषयायाः विषयायाया

चर्चा पर्चेषः दुर्वः चेरः वृषाः छवः वृत्ते अवायरः देवाः अदे रावतः व्यवः छनः सेवाः स्टान्यः देरः वृत्ते अवायरः चन्ना ह्यानः स्टीर प्राप्तः चन्ना ह्रवीयार्चेन पार्य पुरा हिन्दी राष्ट्री नम्बायम् । देरात्या देवापुर्वे प्राप्त । अहत् वर्षा विशेषा । वर्षे वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे विश्वास्त्रित्वाक्षेत्रः भ्रीवारा ब्रिट् प्वंत्राप्तर्ने क्रिवार्षा नेत्रः विश्वेष्ठ । विश्वेष्ठ प्रति विश्वेष सकेलाचाला सर्व क्षेत्राचर प्रेंत्राचर प्रेंत्राचर प्रेंत्राच स्वाप्त क्षेत्राच स्वाप्त क्षेत्राच स्वाप्त क्षेत्र प्राप्त प्रेंत्र स्वाप्त क्षेत्र प्राप्त प्रेंत्र स्वाप्त क्षेत्र प्राप्त प्रेंत्र स्वाप्त क्षेत्र प्राप्त प्रेंत्र स्वाप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत चर्छः पश्चिताराः तान्त्रस्त्र स्वास्त्र स्वास्त ह्यत्यायान्त्रसुत्याम् देवा के यानस्त्रा के यानस्त्रान्त्रियान्त्रस्त्रात्वे यान्त्रस्त्रा हेत्यायम् स्त्रियाया बुण्इयायदे, किंग्स्क्राप्त्र, हिराहूरा राष्ट्र, जायह्यालेया अंत्रे प्राप्त हिता है जानिया विष्य है। विश्व क्षि चर.भेच.२मं.मुब.पश्चेत्र.पश्चेत्र.प्राय.पश्चेत्र.च्येत् यर्वे स्ट्यान्याम् मुन्या स्ट्राच्या स्टराच्या स्टराच्या स्ट्राच्या स्टराच्या स्टराच्य क्रम्यायष्ट्रियाब्रेट्राचर्क्र्न्याच्चेरार्ट्रा विद्रायाञ्चेराक्क्रेयामामान्याचा क्रम्यायाच्याच्याच्याच्याच्या क्रूबर्ट्रराचा वालवार्ड्याच्छूचा श्रावयार्वीयरेट्राश्चकारात्रवार्वात्राचीत्री हिर्मालयार्वालवार्ड्याच्युव स्त्री वालवार्ड्याचे स्त्री लया षाद्य नुगॅद सर्वेत न्याय न्य सुरा क्रिया क्र तश्चनमञ्जूरा क्रियाप्त्र प्राप्त स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त भवा मृत्यं स्वास्त्र प्राप्त स्वास्त्र स्वास्त विषयी र्याक्षेत्र तस्रेत्र प्रमान्त्री स्थानमा स्थानमा स्थानमा साम्ये क्षेत्र प्रमान प्रमान स्थानमा साम्ये स्थानमा साम्ये स्थानमा साम्ये स्थानमा साम्ये साम्ये स्थानमा साम्ये साम हूनमा निबर् से प्राप्त में क्षेत्र मुक्त कर का हिन्दा निवास करा है। हैं प्राप्त में कर मान के मान कर प्राप्त में इयम् विमा क्रमाहीर हैं है तो क्रिया के अर्थों में में स्वी स्वी स्वी सह वाम के पह निमा के पर के स्वी स्वाम की प कूबरिवा क्षेत्र कुवा श्रीय श्रीय श्रीयायां त्रा ह्यूर स्थय ही. ह्यूरी नरे त्रा कुवी स. किया वाया हाया हाया ही स मविकार्स्यकारी प्रमित्रमा प्रमेव सीमा प्रमानिक प्रमानिक मिल्या प्रमानिक प्र इंट.विधितातुः ख्रेंच क्षेट.जैवायारेटा। वार्वेयावाया अट्ट.वा.जू.वे. इंसु.क्ष्या त्या क्षेट्र.येवटा क्षेत्रा क्षेत्र विवास ्रवास्त्र के त्या के त इस के त्या के त यं या हैं है है हैं के दिया के हैं है दिया अर्दे के या गुन यक पहुंचा दूर विचाय देवीं देव कि के कि देव कि कि कि तिन् होत्। त्रेणकाराक्षक क्षेत्रः वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र क्षेत्र क्ष त्रव्यंत्रायाः र्वेषांत्रां प्रायत्र होत्रात्रात्रात्र प्रायत् होत्रात्र प्रायत् हेत्र प्रायत् हेत्य हेत्र प्रायत् हेत्र प्रायत् हेत्र हेत् त्तुवांवाबुदा ने सूर हेव तहोय सुव बुंब केंवाबार नद स्वायब की वै वी ने विवाय नित्र माना अर्देव पर भी बार नद स्व केर अहरी क्रियां अंतर अपमानित वर्षेति श्वापार अप्याय अद्याय क्रियाया है क्रिया अपित से भी ने मान्याया वर्षेत्र स्वायति प्राया कर्षेत्र स्वायति । कूथालापूर्वे तार्टा नाय्याचीयानेटाक्ष्याक्षर्यार्या नाय्याक्षर्यात्रा नाय्याच्यात्रा नाय्याच्यात्रा नाय्याच्या विष्युर्भः विषयुर्भः विषयु नःविगं नव्गाराज्यासार्याः स्वीतः नर्गोदः सः निर्मा केंद्राः विस्तानिस्ताने स्वीतः निर्मा त्यानिस्ताने स्वीतः स

त्रायवःक्रवे अराष्ट्रीं त्याक्ष्येया श्री अपवे त्रायही हे हियां या हुरे अराष्ट्री या प्रायतिया विवाया विवाय र्श्वेपायायायवरकेव देव या के कुण प्रवाद पाया संगाया होता है सार्थिय देव केव ही दायह पाह पाह केवा है हिंदी है स मुलाचान्द्रा मुद्राकेष्ठे पान्नुम् भी क्षेत्रियात्र क्षेत्र क्षेत् रवार्ट्र हुन नब छवा वार्षर के अपने के प्रति स्वर्म हिन स्वर्म हिन स्वर्म हुन स्वर्म स्वरंभ स्वर्म स्वरंभ स्वरंभ स्वर्म स्वरंभ स् द्या श्रीय पर्ये प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त प्राप्त के प लानीयानी परः क्रीचाता के क्रीट्रायर का बटा विषय होट्राय क्रीट्राय स्ट्राय प्रत्य के त्या क्रीचाय के क्रीट्राय क्रीट्र्राय क्रीट्र्राय क्रीट्राय क्रीट्राय क्रीट्राय क्रीट्राय क्रीट्राय क्रीट्राय क्रीट्राय क्रीट्राय क्रीट्र्र्र क्रीट्र्र्य क्रीट्र्र क्रीट्र्र क्रीट्र्र क्रीट्र्र क्रीट्र्र क्रीट्र्र क्रीट्र्र क्रीट्र्र क्रीट्र्र क्रीट्र क् दुः अन्दर्भ्वन्य विवार्षे । दिवाद ले द्वाप्त देव ले खेवा र्रोवा ले अपन्य प्रमाण्य के बाद के विवार के विवार के व र्वाबारीयां द्वावाबार्या होती हिन्या सुवाबाबेटबार्या रीवाकेवाहीयायां स्वाबावाहीयां देवा हो बार्या होती हो सार् $\text{a.$$}^{\text{A}} \text{-} \text{a.$$}^{\text{A}} \text{-} \text{a.$}^{\text{A}} \text{-} \text{a.$}^{$ नक्ष्मच्याप्यात्रात्रीत् । ते प्राप्तात्रीया हे प्राप्ता मुद्या हे प्राप्ता मुद्या प्राप्ता प्ता प्राप्ता प्राप केवव्यायान्तं क्वरायां क्वरायं क्वरायां क्वरायां क्वरायां क्वरायां क्वरायां क्वरायां क्वरायां म्ना संस्था प्रतान के त्र के कि त्र के कि त्र के कि ता कि कि ता कि कि ता कि मुन्ना विर्म्पर स्वाप्त क्षेत्र क् ब्रुंबावियाने प्राप्त में प्राप्त में के ब्राया है विया अर्के वित्त में प्राप्त वित्य में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में में प्राप्त में में प्राप्त में धुर्यानुदारीपांवानुदार्श्वेत्राचानुदारावे अवस्थानुदानुद्राचान्य । विदायांवानुदानुद्राचानुदानुद्राचानुदानुद्राच टे पहें व की हिया सुव सुव से कार्क निवार पाय पर पर पर पर पर पर पर में ही पर पर पर किया है। पर पर पर पर पर पर प म्बिम्बर्यन्तरम् ब्रे अर्देन्यः व ब्रिज्यन्तर्म् र प्राधी अपम्बर्यन्तर्भात्रा व व व व व व व व व व व व व व व व व यश्चेयःश्चेतः तः श्वाया स्वायः प्राया स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्ययः स्वयः स्ययः स्वयः स्ययः स्वयः विविष्यं त्रायायां वेविष्यपं पर्हेन्यवायन्य सुन्। वयं वेविष्यपंत्र त्यायते के व्यायते के व्यायते सुन्यविष्या व ्रवेष्ठीं अंबा वृषा कें त्रसुर्या नु : अ बूद 'च क्राबा ग्राट हिंगूबा प्याचीया श्रीबा अवव निहीं | किंबा हे ग्राण्य के दार्च त्या केंद्रियां अपेट के श्रीव निवास के स्वाप के स्वप के स्वाप के स्व ढ़ॖऀऀॸॱॿॗॸॱढ़ऻड़ऀज़ॱॿॖऀॱॺॖॕॺॱॸॕॣॺॱय़॑ॸॱॺऻॿऀॻ॑ॺॱॺॣॺॱॺढ़ॱॸ॔ॻॱॿॶॺॱॼॸॱॿ॓ऻक़ॱय़॑ॸॱॻऻढ़ॸॱऻॱॻऻढ़ॺॱॺॸॱॻऻॕॗॕॴॗॱढ़ॻॕॖॱॸॕॣॺऻॱढ़ऄॕॗॱड़ॕॺ॓ॱॿॗऀड़ॺ॓ॱ विवा यूने वानुस्रेम प्राप्त हे मन मने देते के महुवा निया हुने प्राप्त के वानु वा हो यह निवास में महुत्य है। क्षेत्र हो वा के प्राप्त मिन बह्मी बुबाबी ट्वाया के प्राप्त के व्याप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्व

ज्.विश्वासायेयाश्ची.सूपुंक्क्वीयार्थाताः श्चिये.प्रयावाञ्चवीयाजी.पश्चितायञ्चयावीयरायः येटा। विषयः श्चियः वर्षाह्यः प्राप्तपुष्यावीयायः वर्षात्रायः वर्षात्र शर सू बैर सू विवाद जू रिवाद जू रे विवाद के बिर के किया है या है जो किया है जो किया है विवाद के किया है के किया चविन्नानेता क्रेंन् ग्रे क्रेंन् भ्रे क्रेंन् मान्यान क्रिंत मान्यान क्रिंत क्रेंन् मान्यान क्रिंत भ्रेंन् मान्य र्यं स्वाबा की बिन वो सदी के बु स्वाव के के बे रहे वे र्यं के र्दे व शुने प्रयान पर दा है से प्रवास के सह रहे व से हैं पर विश्व के सह रहे के सह रहे हैं अहे पर विश्व के स्वाह र ह्यूट बिट्रा अर्क्षत्र थे भेष दर्पथ बेब मर्बेखा व्यवन के दर्भेद्र चें के लेगा में बेवाब के बंद दिवा वाब दे। के बाहे मंध्रीट क्रेंद्र चें हैं रूट चिट हूं हु अ भ्रे प्रतियात देश हैं त्या की स्थाप की प्रतियात की प्रतियात की स्थाप की खुबाला खेंचा प्रकारित के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष के प्रकार प्रकार के वार्ष के वार के वार्ष के हे र्झ् भे तु सर्केषा ग्रीषा के अपन्य ग्रीषा परि राम्या ग्रीता परि पा कराया भेता तर्पेषा राम्या में वार्षा में ढ़ॕॻऻज़ॗऀॱॻॴॳॱॵ॔॔॔ॱक़॔ॴऴॖॱय़ॱॿऀॳॹऺॖढ़ऻ॔ॿॖऺॳख़ख़ॳ॔ॱऄऀज़ऻज़ज़ज़ॹड़॓॔॔॔॔ढ़ऻॿढ़ॱज़ॎॼऻॿॖॻऻॴॾॣ॔ॻऻ॔॔॓ढ़॔॔ऻज़॔॔ॶख़ॣॺऻॴॣड़ॹऄॗढ़ॱड़ त्रहें तृंपि तं पा श्री मधिषाचर अहित् हैं त्र वात्रें ता श्रें ता चेतु रह या विमा अहित त्र वात्र हित के श्री हो ता विवास के विवास कि ता है। यात्रा है द्वाणात्रुअ अञ्चित्रयम् सुत्र याण्डितायात्री निर्देश श्रीकार्योद् रवेते सुत्य विश्वयात्र्यकार्य विश्वयात्र्य विश्वयात्र विश्वयात्य विश्वयात्र कृषाहुत, ट्वेट. टे. टेर्नल, वे. रू. कृषाहै। रूपात्तव, इ. हुप. ट्वेष. वेट. वे. वे. टेर्च, टेर्च, टेर्ट, टेर्च, टेर त्र-व्रिय-कुट-तर्वेर्वाय-त्राया ट्राय-कुर-लिट-कुर-त्रियम् नियन्त्र-कुर-तर्वे कुर-तर्व-क्राय-तर्व-क्राय-व्राय-क्र-क्राय-क चर् चुर् में गूर रेंदे कुवा यं सुं द्र क्षिवा वसेर व्यव्यान स्वर्ध प्रतान के किया विश्व के किया विश्व के स्वरं र्ट्र्रायानवित्रुत् केंब्र्याविद्यात्रिता दिन्तरम् मुद्रात्रुत् ह्वातायात्रुवायात्रुवायात्रुवायात्रे विद्रात्र म्रचयात्य पर्ने पर प्रचिवायात्य भेरा प्रचाने वाया है में भू भा क्षेत्र है स्था की ता ही र्येष्ट पर्मे प्रचाने में स्था की या से भी प्रचान की प्रचान की या प्रचान चयन रम् त्यं तर्व प्रत्यं क्ष्मां मृत्यं व्यापार्थं स्वापार्थं स्वापार्यं स्वापार्थं स्वापार्थं स्वापार्थं स्वापार्थं स्वापार्थं स्वापार्थं स्वापार्थं स्वापार्यं स्वापार्यं स्वापार्थं स्वापार्यं स्वापार्यं स्वापार्यं स्वापार्यं स्वापार्यं स्वापार्यं स्वापार्यं स्व ब्राया के बाहित स्वाया के विद्या के स्वाया के स्वया र्नुयगापुः अन्त्रमृत्वा केंबाह्र ने प्ववित्र मिनेगुबास् नित्र सुन्त्र त्याने निर्मेन होत्य सुन्त्र सुन्ति स्व ्रेंत्र वित्वा केंद्र वे क्षित्र केंद्र व वित्व केंद्र वे कि केंद्र वे केंद्र वे केंद्र वे केंद्र वे केंद्र वे चक्कें व क्वीं चहुत्य खुर्णा य देहें व रुप्त रुपा य दुर्गा भीव रिप्त केंद्र स्वापित ये कि प्राप्त के प्राप्त के विश्व के स्वापित के स्वापित स् तुः अञ्चर दें। वित्यं वारा चंत्र अञ्चर्य अञ्चर्या वार्ष वार चॅतर अर र् अंहर् रे केरा क्रिंव अत्र केंब की हो रे चिविव मेरी मुनाय प्रति पारि मेरी कार्य रे मेंब स्थेन से वे के वा चार कें न्दा हात्वीं वृग्गुव श्वर्षा केंबा की प्राप्त विष्यु तिवार हिवार स्वत केंबा निवार प्राप्त की बार निवार स्वत के वा निवार से वा की साम क <u> ज्ञानाया हुत्वित्। दे स्र यहित्या इयम् रेजिवाहेवियायर के तावी के महे रेजिवियायीय मर्जित वया है सम्मित्र</u> र्वण्यासु क्रिया संदर्भ वीट पी प्रवित् ही दे प्रवित्या हिन्दी स्वत्या हिन्दी स्वत्या हिन्दी स्वत्या हिन्दी स्व

.૮નાવ.ર્ત્રવ.જા.ચૂ.ય..તુંનવા.વેવા.સેવા.ર્તે..ક્રેજાવ.તા.કોર્ના.ધનાય.ગ્રે.ય.જેવય.કુ.૮.1 ફ્રેનાય.લટુ.ય.જૈય.ર્ટે.શ્રેન.ત.ર.લટેના.કુ.વ.યુ.વાયવા.ક્રેજ્ય.તા. मंबीटबो विश्वसाराष्ट्र मी.श्चिन क्षाया की.बी.वच जाराहे वे.वच में ह्वें स्पष्ट जारा दी. जारा जारा जारा जारा जारा वच . ट्रैंग्'चबेबासभेट श्रें चु बेंबे बेंच चर्च व सदे केर द्या के चर्च में प्रायमें प्रायमें प्रायम श्रेंच श्रेंच के के के के के के के का बावत. व्यथ्यः स्ट्रेन स्ट्रे चत्वाबासुं वार्षेयाचार्रेवाबाह्या अळेबाच वटा देटा देवी र्श्वेट च्वाबाया क्विया अळे दे ख्री बारे येवाबाय स्वाविक स्वावि इं नेवें वर्त नविवायावया केवें त्या पश्चित्र वर्त नेवें वर्ष निवाय के नेवें वर्ष नेवें व श्चायर हैं दें ते प्राप्त क्ष्य जाया के दें ते हिंद के स्था का क्ष्य के ते कि स्था कि स्था के ते कि स्था के ते ते कि स्था कि स्था के ते त क्रैटा इ.ट्यार.बटने विलिज्यूक्त्र.बट्या बोक्ट ब्रैट.वज्या क्राक्ट विल्या विल्या क्रिक्ट विल्य क्रिक्ट विल्या क्रिक्ट विल्य र्श्चेत्र'यमः भ्रूपं प्रस्य अहेत् हो त्री प्रत्व सुंभायक्व रुवा दे क्ष्यमा वे प्रवीत स्वापी भ्रूपं अवे । प्रमाय प्रवीत के विप्राप्त के विप्राप्त से वि व्यवाक्षाक्षेत्रीतु चुर्नाविषाचेत्रम् देश्चीरामनेषा देश्चीरामनेष्या विषया विषय चम्चामा पर्षितः वचा नमूर्यसम्पर्धाः मान्यस्य नम्बर्धाः स्त्री मान्यस्य स्त्री स्त्रीत्राः स्त्री स्त्रीत्राः स्त्रीत्रीत्राः स्त्रीत्रीत्राः स्त्रीत्राः स्त्रीत्र र्नु ग्वांबर् वर्षा वार्यम् वर्षे वार्यक्षेत्र प्रतिवास्य क्षेत्र स्थापतः श्चेत्र प्रति वार्यम् यात्री वार्यम् अयो वार्यक्षेत्र वर्षा वार्यम् वर्षेत्र श्चेत्र सार्यक्षेत्र प्रति स्थापतः श्चेत्र प्रति वार्यम् सार्यक्षेत्र श्चेत्र स्थापतः स्थापत विवायास्त्रिया अविद्रों श्रीत्राविवयात्रा विवायात्रा विवायायात्रा विवायात्रा विवायायात्रा विवायात्रायात्रा विवायायात्रा विवायायात्रा विवायायात्रा विवायायायायायात्रा विवायायायाय ची.जार्चेत्रीयात्त्राच्यात्त्रीत्त्राच्यात्रीत्त्राच्यात्त्रीत्त्राच्यात्त्रीत्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्रम् ची व्याप्तः श्रीत्त्राच्यात्त्रम् ची व्याप्तः श्रीत्त्राच्यात्त्रम् ची व्याप्तः श्रीत्त्रम् चीत्राच्यात् व्याप्तः श्रीत्त्रम् चित्रप्तः चित्रपत्तः च इल.एक्ट्रेंस्यीय.धे.की बिया,लेंद्राय्रेंधत्तर्ट्री वर्षेत्रातर श्री श्री तर्वेद्रायर विवाधियात विवाधिया विवाधियात विवाधिया विवाधियात विवाधियात विवाधियात विवाधियात विवाधियात विवाधियात विव र्हेव,ता वित्याशर्हेज.रे.क्रूर.लुवा,वोश्चर.क्री.क्रिजा.खुश्च,त्याश्चर्य,तालूरी वित्याशर्ष्य,ताय्,व्याश्चर,ताव्यवायाहीय.व्यायाश्चरायाया भ्रेनं अहं त्री लय. भ्रेनं प्रत्यं महोत्त्र : यह महिन स्वाप्तं की अपितं ही त्राप्तं की स्वापंत्रं की महिन स्वाप *ॼॗ*ॸऻॱज़ॣ॔ॻऻढ़ॖॻऻॶॣॸॱॻऺय़ॖॱख़ॖॣॸॱॻऺज़ॗॺॱॻऻॿॴॸऻड़ॸऻॱॱॿऀॱॹॱक़ॗॣॺॱॻॿॸॱक़ॴॎॶॻॿॸॹॴॿॴक़ॗॺॱॿऀॸॱख़ऀय़ॖॱॻऻॿ॔ॸॱज़ॴॗ॔ॱॻज़ ॱरॱब्रेट्स'र्न्ट'र्नात'अ'र्क्सेरं'सेनेबं'क्स'स्ट्रंर ग्री'म्र्नुत'चु'र्न्ना'ल'र्ले' क्रुस'म्रुस'स्त्रं प्रेक्'र्न्ना थेंक्'रन्ना केन'ल'म्रिस'प्रेक्ट'न्नाक्ट्रा यापंतः ह्येन् पति विया के यस मिंपानियां सुना पतर पति दी दी विना हा या के निया हा या पति हो पति हो या है। विना कि पति हो प र्चर श्रुप विषय संस्थान्ता ग्रेर संस्था रूप पर दे हो स्रापत श्रुप पर स्था की प्रापत के प्रापत स्था के प्रापत है हो स्रापत श्रुप पर स्था की प्रापत के प्रापत मंद्रियायीन हिंगया के वा देया संस्थाया थी हिना कुन प्रसंधाया याची या या या वा यह्री ट्या ख्रा के प्राप्त के प्र अट्यान्य स्वाद्धाः प्रकट्णे भी ह्राह्म ह्या त्री वीच स्वाप्त स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स रिया प्रचार स्वाप्त स्वाप्त सहित्य प्रमाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व अट्याप्त स्वाप्त स्वाप न्त्रुवःगव्यवः इय्याः शुःन्तः क्रुवः श्रेयः ब्रिटः नः स्याः व्यव्यव्याः विव्यव्याः विव्यव्या दे हिर विवय वय द्वां द्वां वर्ष कर के अर्के झट दे चाप प्रवित्व दे देवा वर्ष राय है राय है प्रवित्व वर्ष प्रवित् चींबी द्वाबारा हैंची केंद्रों केंद्र केंद्र पर्दे खेचे तर्दे खेचे बाद्र केंद्र मिन्द्रम् अन्त्रम् मिन्द्रम् अन्त्रम् देन्द्रम् अन्तर्भे अन्तर्भ मिन्द्रम् अन्तर्भ स्तर्भ स्तर्भ

क्ष्यायट र ज्ञान्या दे व्यवस्त्र स्त्रीत्व व्यवस्त्र स्त्रीत्व व्यवस्त्र स्त्रीत्व स्त्र इत्यावयात्रंयाचा क्राकेव्याया अहत् किया विवायाया विवायाया विवाय त्याप्तायायाया विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय व जीवाबाजासूर्वाबानायुः क्ष्यां स्टार्टिं वाबायी ट्रायं स्वायं स्वयं स्वायं स्वायं स्वायं स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं केवं यं नहेंवां ने वर्षा श्रें में क्षेंने श्लेन श्लेंच श्लेन श्ले . तबार्न्स्यासुंभून्त्रेन्त्रायतराष्ट्रिम् दुबान्ने रास्याखारा क्रिया हो छारासुंग सुंग स्त्रीय क्रिया स्त्राच व सहि र्वाप्त संस्था में निष्य में निष्य संस्था ने निष्य संस्था में निष्य संस्था मे निष्य संस्था में निष्य संस वश्वाक्रम् भ्रीत्राविष्णाची वावायात्राम् । यह वायाविष्ठा याचा वश्चा प्रति विष्णाची वश्चा व यायर शि.मं.कर में अर्थ्य मंत्री व रि.टेश में रायदिर हैं त्विवीय तायी क्र्य है अहूर तर देव क्षेत्र अधे जी वर्ष व में सिर्ट्र में रि.स्.स. वयाश्चर में क्षें मेरें। रे में के इंग्रेय सुर्धे में देश कुरि त्याया दुर हो रायते निवास या प्राप्त में प्राप्त से मार्थ प्राप्त से क्रिंग हे अविताम दिन स्वत् गुर्म ह्यु राद्यं है। क्रिंग हे विवासित स्वासित स्वता मुक्त स्वता हिता है। क्रिंग है विवासित स्वता हिता स्वता स्वता है। क्रिंग है विवासित स्वता स्वता स्वता है। क्रिंग है। न्वातः आर्थेनः नृतुर्वात्रां प्रति क्रें न्वें न्वरु स्वान्त्रं न्वें न्वें न्वें न्वें स्वान्तः न्वें कर्नयर निया के बाहे दे प्रविद सहित्ते प्रिमेषा तहत स्व निर्मेर से त्र ह्मा प्रमुद न भे तु त्य स्वाय रा भे या देश हैं असर निर्देश हैं हिता में प्रित से हित से हैं र्येते अर्केन हेन निर्म निर्माय विषय निर्मा निर्मा है है। निर्माय के लाग के लाग कर के निर्माय के लाग के निर्माय के निर् र्वेन् स्रवेषं र्प्तं तृष्टिं में तृष्टिं मास्यायं मानवे की ने वाक के मुद्देश के में स्थान के मान स्थान मान स्थ मुं बै नियय दर्जिन नुवाय इस्राय केंबा संदर्भ मानव विषय में दर्शन से निया हैं नि नियं व साम्राय से केंबा से विय पद्रमायाह्न सारायाह्न सारायाह्म स्वाह्म क्रियाह्म स्वाह्म स्व यविर्यकाश्ची श्चितातपुरश्चित्रपुरासामानुकातपुरश्चित्रवाश्ची । । । बाक्ष्यानुकात्तवात्त्रभूत्रपुरास्त्रपुरश्चित्रपुरश्चित्रपुरश्चित्रपुरश्चित्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रव

১.৫ ব্দথাপনার্মীন্ত্রানার্মীনামাব্দানতমানবি স্পুনমা

ૡૹ૽૽ૹૻૹૼૣૹૺૹ૽ૹૻૹૻૹ૽ૢ૽ૹ૽૽ૹ૽૽૱૱ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽૱૱ઌ૽ૼઌઌ૱ૹ૽૽૱ઌ૱૱ૢ૽ૺૡ૽ઌૹૢ૽ૼૡૹૹઌ૽૽ૺૹ૽ૢ૽ૹ૽ૢ૽૱૽૽ૡ૽૽૱ૹ૽૽૱ૹ૽ૺૹૢ૽ૹ૽ૢૹ૽૽ ट्र्यायया, वर्षा वे वे वे प्राप्त के वार्य के विश्व के व चित्र विक्रा क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत लट.पिंटिया जू.पोबीत्राजूब.तपु.कु.शब.तट्वेब.के.पद्वेब.तक्.चू.क.शु.पबीट.चर.पट्वा.क्रींश.त.वैट.की ट्रॅब.की.च.टब.त.चहरी टेब. देरःश्चिताः केषां प्रमानुः प्रमानुः प्रमानुः स्ट्रेन् कर्षावंशावशाचेन् पारति देशायन प्रायदाः वाह्यस्य विद्या विद्या र्टा बट्या कुया वेदा शुट्या की प्रमुदाया ता श्री तुरावाद्वित या ता र्याणीयाया द्वाया सम्मया समासे भी ही दाया परहेती या सास्ट्रा द्वाया है। ट्रियो.क्षेत्र.लूटी ह्रीट.पट्टियो.ज.चर्चट.त.एयोप.इ.लंट.श्रेट्टी शपये.धूर्योज.सूर्यायोज.त.धियाय.श्रेय.तेय.टीय.श्रेह्ट.पट.प्रेया.प्रक्रा.लंट. योयची ट्रे.योप्चेय.ब्रेट.योड्.सू.घ.यज.य...कृतो.ध.सबूट्.लंट.य.य.च्ये.तपु.चैट.क्ष्य.य्याय.तप्.लूच.यायीट्री ह्रीट.प्रथा.थे.धूर्य.पट्यू चित्रायस्य क्रियामास्य स्वर्धायस्ति स्वामी अत्रामी अत्रामी स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धः स्वरं स्व त्त्वायाया हिं तें श्चे विष्यति भ्रुक्त दुविवाची रत्यची बायकत्यमा क्षिवायां वसमा कि विस्ति भ्रुत्यते भ्रूत्य विद्याप्ति । त्वात्य दे द्वां में अविकास वार्ष वार्ष कार्य दे देवी विकास के वाके कार्य दे तार्प के देवा में देवा में कार्य के वार्ष कार्य यंत्रवाबर्तात्व्यं निर्मात्वेद्वर्तात्वेद्वर्तात्वेद्वर्तात्वेद्वर्तात्वेद्वर्तात्वेद्वर्तात्वेद्वर्तात्वेद्वर् वाबर हूँ व सह र वे ब प्रहे व पर हैं वो बा अविव र्ये पायर जान अर्र ह पार्विव ब स्व व व व व व व व व व व व व व व व याक्षव हिन् की मुन्यते कि प्यते कि प्यते हिन प्रवित स्वाप्त हिन याकित स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स चित तर्व संस्थान निष्य स्वाप्त स्वर्ण के स्वर् बायहराच्याक्ष्याचा देव र्चेंद्र स्वां शादे त्यां वर्षां वर मिर्वायात्रा इत्रायां वियाने वियाने वियाने वियाने वियाने वियाने वियाने कि स्वाया के स्वाया के स्वाया के स्वाया स्त्राची द्वारा भारति विकास स्त्राची त्राप्त के स्वर्थ स्त्राची स्वरंभ स्त्राची स्वरंभ जू.सॅ.च.मी.सॅ.य.वेष्ट्रेपु.टैट.टे.हाशाताइशावायीशालाजूबायातपु.वायटार्क्वायाजी.वाटशयाताश्रट.टे.वाययी होट.याश्रयाञ्ची.वा.केणाश्रक्ये.ला बुंश मूर्रा त.पा. राजा बुंरा जी बी का जी विशेष का विशेष कर को विशेष के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त की की प्र वंशायां मान्या मुक्या मान्या केंद्रा ने त्या केंबा त्रीय किया के मान्या देवा त्या देवा निष्ठा निष्ठा मान्या के मान्य त्राम् त्राम् वित्याचार्यः वित्याचार्यः वित्याचार्यः वित्याचार्यः वित्याचार्यः वित्याचार्यः वित्याचार्यः वित्य भी अवायार त्राचार्याच्या विष्ठिता चीवार वित्याचार वित्याचार वित्याची क्षेत्रः वित्याची वित्याचार वित्याची विश्व वित्याची वित्याचार वित्याची वित ટુંદ્ર-2. ત્યું. ત. જાદ. તુ. ખુ. ત્વર, દૂવાય. ત. કુવા તુંદ્ર તે ટીવા તથા જૂયા તથી. તાંચી તે વર્ષા ખજા છી. વીટે જાયા તાંચ તે જૂ. ખેવી છુવા. द्विर्, दर्म न्या विष्णा विष्णा विष्णा विष्णा के वार्ष ने स्वर्ण ने स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्व नाव्य पार अन्तरिन विवास वार्य सैनाय रादे द्वारा रहीं रायदे हा या पहुंचा सुया राया निवास वार निवास वार वार या स यित्वयाराञ्चाक्षात्रीत् वाञ्चारावे प्रतान्त्रवाराचे वार्याञ्च स्वयाञ्च स्वयाञ्च स्वयाञ्च स्वयाच्या स्वयाच्या स न्यू पर्मुचयान्य प्रमुची पूर्टा मुयानि याची स्टार्टा जा सूचीयान प्रमुच अपूच अपूच अपूच प्रमुच प्रमुच प्रमुच अधिय तह्वायां यह ते प्राया में या बदा हुंदा या या हे बा बदा या हे बादा या ये दिया या ये विद्या या विद्या विद्या या विद्या

चर्रत्युरं रसंग्रीस्य पंत्र विवादि प्रेनेयानित्र स्थे के ने नित्र प्रेनेयानित्र स्थे के प्रेने प्रेनेया के प्र निवासमें बात्यस्थान में वात्र में के दिल्ली हिन्दु निवास निवास करते हैं के लिल के स्वास के माने के स्वास के मान न् भुं हुट बिग् अने शन्य विग तर्गत अस्य दि वृष अह् अह् अहै अक्षेत्र की के असर में ग्री के बार की किया की सिन्य -याची पर्ग्ना अपूर्व ता श्री वास्त्र में में स्वास्त्र में स्वस्त्र में स्वास्त्र में स्वस्त्र में मुन्द्रित्या अपन्ति । देन्द्रम् अपन्ति वित्र क्षेत्रम् स्त्रेत्र क्षेत्रम् स्त्रेत्र क्षेत्र क्षेत येषा टॅबावळन्'न्वेषान्शुंटाबेटा। विन्तां बावर्याते चिटाकुनाबोब्बान्यं येषा प्राप्त निर्वाचीता ने विष्यं के प्र इ.संत्रार्ग्नास्त्रीयोध्यायाची सेंत्रार्ग्ने थे सेंत्रार्ग्ने पर्वे साला स्वायान स्वायान स्वायान स्वयान स्वयान हुव या वि ने मुंबा ने में प्राप्त के के प्राप्त का मुंबा ने स्वाप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त प्राप्त के प्राप्त के कि प्राप्त के कि प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप बेचनानुना में क्रियान के प्रतिन में क्रिया में क्रिय में क्रिया में क्रिय में क्रिया में ॱॻऻऄॕॱ॔य़ॕॸ॑ॱॹॗॸॱॸऺढ़ऀॱक़ॕॕॺॱॹॖॕऀॱॠॺ॓ॱॻ॑ॖ॑ॸ॑ॺॱॺॸॱय़ॕॺॱक़ॱक़ॱढ़ॺॱक़ॕऀॺॱय़॔ॸॱ॑ॺऻॣॸ॔ॱऻॗॸ॔ॸऻढ़ज़ऻॸॱय़ढ़ज़ऻॹॱय़ॱॹॕॺॺॱॸऻॻढ़ॱख़ॗऀॸ॑ॱॺॏॺॱॸढ़॑ॸ॑ॱॸॆऀॱॸॺॱ वयादेर में द्राप्त प्राप्त प्त प्राप्त लियान् स्ट्रिन्स्त्रिक्त्री विवासितान्त्रित्त्रीत्त्रीत्त्रम् विवासितान्त्रीत् विवासितान्ति विवासितान्य विवासितान्ति विवासितान्ति विवासितान्ति विवासितान्ति विवासितान्य विवासित्य विवासित्य विवासित्य विवासित्य विवासित्य विवासित्य विव र्बेट्-ब्रुअपम्याञ्चुन्द्रम्याञ्चेर्यान्यस्य प्रमान्त्रम्यान्यम् नस्य प्रमान्यम् वर्षान्यस्य विष्यम् । वर्षान्यस्य विष्यम् । पति न्याप्तर्यं स्थाप्तर्यं स्थाप्त स्थाप्त स्थापति स लूट्रत्या पूर्व हीजारीय क्र. त्या हीये ट्रिट्य त्यी हिट्र ही हीजाय रिट्र हीचाय प्रत्या प्रत्या प्रत्या प्रत्या हिट्र ही हीजाय रिट्र हीचाय प्रत्या प्रत्या हीचाय होचाय हो क्.ज.बचर्या चें र.ट्नजं केवा अट्टावट च के. ब्रु. ब्रु. क्.चचें ज्यान च ताय के.चें ते केट. वें त्या वें व्याचित के के वें त्या के विकार के वि यात्र अंचा श्वास्ट्रास्त्र प्राप्त स्वास्त्र स म्बिबायहरी ब.म्बरालट्रायहीरम्बाम्बरायाहराम् इ.म्बिबारम् खे.म्बा क्रिन् क्रीयाक्रिम् ज्ञान् ज्ञान् व.म्बरायहर् न्नु-प्रमण्नु ने अपन्ति । विक्रा विक्रिया के प्रमण्डी विक्रा विक्रा के प्रमण्डी विक्रा के प्रमण्डी के यःभ्रद्देन्याव्यवर्गं विद्युत्रेत्रं स्र्वात्रमः स्रवात्रमः स्रवायाः स्रवायाः विद्युत्त्रम् स्रवायाः स् चै.त.च्चेर.चचे.ज.वर्वेव्यव्हर्वेयाचित्रक्ष.चचे.खेव्यवेयां कर.क्यु.व्यवेशट.चषु.क्ष.क्रु.चै.त.च्यु.वेय्ववेयाचीया

ઌૹ૾ૺૺૼૺૼઌૡૢઌૢ૱ૢ૽ઌૻૻ૽ૹ૽ૼૣ૾ૺૺ૾ઌૺૹૣૼઌૺૹઌ૽૽ૢ૽ૢૼઌૺૹૼૹૹ૱ઌૺ૱ૺઌૢઌૢઌ૱ઌ૽ૻૹઌઌૢૼ૱ૹૹૹૹૹૹૺ૱૱૽ૢૼૢ૽ૺઌૢ૽ૣઌૺ૱૾ૺ૱ઌ૱ઌૢઌૼ . पर्तै : आर्-प्रायां कु : केवा चें 'संअवां वे 'र्योप्' आइअवां कु : इस : वा वा वा प्राया वा वा प्राया विवास के विवास के कि स्वास के कि स् चय्याक्रीयाश्चात्रियाम् क्रियाम् क्रियाम् क्रियाम् स्थान्त्राम् स्थान्त्रम् ब्रुट प्रतर मुग्य अट पें लान्य देट प्रशेल ने बर्फ अट पें प्रया हिन्न स्थान असे न प्रत्ये के पाल भून बर्फ सुगनिक सुगनिक स्थाप ज्ञेरिट जिट्र त्रे व विवाय पर पे क्षे प्रयूष के प्रेर पा श्रुट । ह्याय है पा प्रेर पा हे व प्राप्त के प्रेर प्रवर्ष व प्रविवाय प्राप्त प्र हेव्रवार्ष्ट भवार्त्त अवराष्ट्रीय प्राप्त क्रिया स्वाप्त अवराष्ट्रीय स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स् र्वेच निष्य के में मुद्र के के कि के कि के कि के कि के कि कि के कि के कि के कि दिया क्रुया इ.पार्ये व. व. प्राप्त हिपार्ट्स प्राप्त होटा तरा हुन प्राप्त व विषय होता है। विषय है। विषय है। वि यद्रित्यत्रिः चेत्र व्यवस्या भेष्युणाया देशेत्रः क्षेत्राद्र्या प्रतियाणिके विषया विषया विषया विषया विषया विषय मीवियालट् मीयाक्ष्यकार्याचीयात्र स्थान्य स्थान कु:बुट्री होब्रु.जब्र.कु:चूर्,जूट्र,जूट्री हों श्राच्टरश्याचर्सेयांतरक्षां विच् हियातूर्य विद्यातिहासूर्यात् विच्ना हेवें होया युःदी व्रिःश्चेषायम् इति अर्थे क्षेत्र विवाह्म प्राप्त अर्थेदा विवाह्म प्राप्त विवाह्म प्राप्त विवाह्म प्राप्त विवाह्म प्राप्त विवाह्म प्राप्त विवाह्म प्राप्त विवाहम विवा पर्यंगः भूरः इत्रायः क्रीयः करः चित्तं प्रायः प्रायः प्रायः प्रायः प्रायः वियः परः वियायः प्रायः प्रायः प्रायः वियः परः वियायः वियायः वियायः प्रायः वियायः प्रायः वियायः प्रायः वियायः व यक्यात्तिविद्यात्त्रम् अक्षत् भ्रियात्त्रवाहे न्यर्यप्यात्त्रे न्यत्यात्त्र्यात्त्रम् विद्यात्त्रम् विद्यात्त्रम्ति लट. मु. जु. कुब. पूर्ट. कुब. मुंचे. मुंचे. मुंचे. मुंचे. स्वां मुंचे. स्वां मुंचे. त्यां ब्रां मुंचे. स्वां म मिलायक्षेत्र मिलायक्षेत्र मिलायक्षेत्र मिलायक्षेत्र मिलायक्षेत्र मिलायुक्त मिलायक्षेत्र मिलायक्ष मुच य चहुन है विश्व सु बिन वन मुन द्वीव चहुन मुच हिन सार है यह ना मार से प्रीत के लिया मार स्थाप के रहा मी साव विश्व के चवित्रासी विशेष नुर्वेष नुगरान विन्तु र से वित्र वार्योष है है निवर धुवी उति वर व नुर्वेष र चन्ने र यत्र निवास बिर अक्ट यां ने या श्रेण या श्रेन अयर हैं हैं वा अरे जाने दें चेंट ना है। यर सुर या ने दें चेंट ना है हैं दा जाने दें हैं हैं ना वें दें अर्जे दें त्तिविद्यात्त्रम् त्रित्ताः हेव अर्मुवे सूम्यत्याची सूम्यत्य अह्री मिश्राम्भित्यात्रम् विद्यास्य प्रमानित्यात्य भूषाः थे मिश्राम्य प्रमान्य प्रमान्य अह्मान्य प्रमान्य प्रमान्य मिश्राम्य प्रमान्य प्रमा वार्षायो क्रूबाश्चेराची श्चिताराष्ट्र चीर्म् वीबाविहराया विरासराम्याचारा वर्षा राम्प्रेता वर्षा राम्प्रेता वर्षा स्वा राधिने बार्डिया स्त्री हिंदा हु सुर्दर हूँ भी सुन निर्देश हैंदा इस सम्मिन निर्मेर हूँ सामित महिता मिलास मिला है मिलास सुरह्मिया सुरह्मिय द्यायह्री प्रमुख्यात्र के प्रमुख्यात्र में प्रमुख्यात्र में प्रमुख्यात्र में स्वाप्त में स्वप्त में स्वाप्त में स्वाप स्वाप्त में स्वाप्त में स्वाप स्वाप्त में स्वाप स्वाप्त में स्वाप स्वाप्त में स्वाप्त में स चंदी पर्ने हर्ने किंद्र में प्रमुखें दुर्श के पर्यो के दिन पर्में किंद्र में विन्यर ठव तिवित्या स्वं अथवाके नवादों अर्वे व की श्रेंच अवर न इयंबा अवर श्रेंच अवाव की विवाद हैं ति हैं न विवा स्थयः ग्रीयः द्याप्या वित्रस्थयः म्याप्या वित्रस्य बीयायार्यस्त्राचीयात्रात्री विस्त्राची विस्त ग्रिकं में फ्रि. केंद्रे क्रिया में क्रिय में क्रिया में क्रिय में क्रिया में क्रवार्णार स्ट्रांट्र वाचवर्षा वर्षा सुरान्याया तर्षे अवीव ग्री श्रुव स्ट्र हिट्या मुठेम तर्षे वा तर्ह्य लुवा राजा प्रतार विद्या सुन् । बह्या वर्षे अर्थे के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के कैमा चुंदा प्रमा वर्षे अर्मे क्रिमा अधिक है। दरि केंबा वर्ष मान्य का बिमा छिता वा क्षा प्रमा क्रिमा के मान्य म

 $\overline{\mathbb{E}}_{:\alpha,\zeta}, \underline{\mathbb{E}}_{:\alpha,\zeta}, \underline{\mathbb{E}}_{:\alpha,$ ठेणुॱयुवेषुषायर लु. मुबार्यम् दे उ<u>र</u>ंपासुर विकार्यका हुँ ते त्यांपाय विकार विकार हुँ ते स्वार्थ हुँ स्वार्थ स्वार्थ हुँ स्वार्थ स्वर्थ स्वार्थ स्व चार्तेते तहीं व साम्योगायते छिर् हेव तहोवा सहित्ते। च रसाया पह्नित सर्वा व व सम्यापाय स्वाप्त पबादे नार्बेली दे वब् तर्जे अर्थे व की बिया व में पर्देश द ही व पर्देश द दिया में पर्वे व कि के प्राप्त के प्र क्रियाया है. है. हो या ता ने टा ह्य या लाग हो. हो हो या ने टा होया हो छ दे चे दे हैं या निष्यं या लाग क्रियाया है यो का ने हिया का है यो का ने हिया है। हो या ने हिया के हिया का क्रियाया है। हो या ने हिया के ण.चर्झ्रें अबांविवा वाब्युंट चाहे 'क्षूर 'धेव 'ब्रुअ' क्षेत्र 'क्षुं चाव्यव्यव्यव्य क्ष्यां चाव्यव्य व्यव्य व्यव्यव्य व्यव्य व्यव्य व्यव्यव्य व्यव्य व्यव्य व्यव्यव्य व्यव्य व्यव्यव्य व्यव्यव्यव्य व्यव्य व्यव्य व्यव्यव्य व्यव्यव्यव् यवत् यर वित्र वित् स्वै अक्टेन् चैवांन अर रेंन गुर्ने न वानन वानन रमान्वी वित्र न ति न ति अर्थ न विवास के वित्र वित्र वित्र वित्र श्चित्रअत्यत्वात्वर्षः स्वात्वर्षः स्वात्वर्षः स्वात्वर्षः स्वात्वर्षः स्वात्वर्षः स्वात्वर्षः स्वात्वर्षः स्व चब्रैब-दर्गेब-मंचन्ना नुषाध्वेषां संस्थानानु दर्वेब-माचन्ने व्यवस्थान्त्रेष्ठ माचन्यान्त्रेष्ठ संस्थान्त्रेष्ठ स्थाने स्थ सैजारी होया विषये रकाजा श्री साहित ता सूर्वाया श्री ता प्रवित्व सा अटारी हीटारू । श्रिया वित्व से प्रवित्व स्वाय स्वय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वय स्वाय स्व त्र्या अर्गेत्र हि प्यर प्रिवाश त्र संपाद स्वतं स्व न्दान्ठकं प्रति निन्धं कं प्रान्दि र्येत्रं कं क्रेव राज्यं विचाविक स्तानिक राज्ये निक्का कर्ता सहिता निन्धं कं प्रति क्रिया के प्राप्त क्रिया के प्रति क्रिया क्रिया के प्रति क्रिया क्रिया के प्रति क्रिया क्र शुं द्यूट (८५वा वी | ८५वा सवा र्से चु रा र्ह्मेन स ५८ र नरु संपर्ध क्राचेस स्त्री । । ।

১.१० ধনার্র্রান্র্রান্র্রান্র্রান্র্রান্র্রা

टे.क्षेत्र.ये.ध्र्यात्र्वेय.तपु.द्रंशत्त्रक्र.त.क्षेत्राक्ष्या.वे.ब्रि.वेया.पक्ष्टा.क्षेटा। यवायात्रक्षवा.वर्ष्ट्रत्ययावीत्रवायाः क्षेत्रात्यावीत्रात्रीताः यः पर्वेचाम्यः तपुः भ्रीः पटः द्रवे च्यः कुः पर्वेट्मी वीचेचमा हेमा मृत्वे प्रति भ्रमा स्थाना स्थाने याद्यराचराचुकारात्या नर्गोत्रायादीरायाचात्राराञ्चेतात्र्याचीरायाचीर्याचीरायाच त्द्रदर्भार पुर्ने प्राप्त ही मंत्र बिम माना पर्ने ही रायदे के स्नुति क निमान माना प्राप्त स्मान प्राप्त माना पर्ने ही रायदे हो रायदे स्नु इस्रमायान्त्री द्रमायां साने मात्रामाया के मात्री प्राप्त निवाया मात्री स्थाय प्राप्त प्राप्त स्थाया स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स मूर्टिं तर्विर्वेश राक्ता व्यात्र हिर्मा वाक्ता के वाकी जून का की है के कि हिर्मा के कि कि कि कि कि कि कि कि क <u>- ८८.त.क्षर.बुट.५.कु.तर्बेन्यर वर्षे अर्वेन्यविषयात्र प्राप्त</u> प्रमुख्यात्र होत्या हेत् । वर्षे अर्वेन्य हेत्य होत्य ह (वेंद्र'र्ट्स) संग्वित्र त्या क्षित्र रट्त्यु उ. इदं क्षेव्या में अद्रावा स्वति स्व विवस्त्रास्त्रास्त्राच्यात्राच्यायां देवाविवस्त्रात्त्राच्यात्रम् विवस्त्रात्त्राच्यात्रात्त्रात्त्राच्यात्राच * इ.पर्ये, युच्यां प्रविद्यां, प्रत्यु, विद्याः क्रूब, इ.प. प्रतिक्ष, विद्याः त्यां क्षुब, प्राची क्षित्र, प्रतिक सद्गः प्रवेद्यात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् तर्ह्यात्रात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् सद्गः प्रवेद्यात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् क्र्याह्यान्नियाः ह्याने वृत्ति स्तर् प्रेत्राच्युवा वृत्राच्याया प्रमाणी विवा वृत्या यात्रा स्वा प्रमाणी विवा र्वा पर्वे अया ग्रीट अयो विद्य अप विद्या में स्ट्रा में अप स्ट्र में अप स्ट्रा में अप स्ट्र में अप स्ट्रा में अप स्ट्र में अप इ.ज.प.च्रींन निर्माण क्षेत्राचे त्राप्त विषय विषय विषय विषय विषय विषय क्षेत्र क्षेत

इययानविवायास्य स्वार्थात् प्रत्याप्त स्वार्थात् स्वार्यात् स्वार्थात् स्वर्यात् स्वार्थात् स्वार्यात् स्वार्थात् स्वार्यात् स्वार्यात् स्वार्यात् स्वार्यात् स्वार्यात् स्वार्यात् स्वार्या म्बर्धियात्री त्रित्तात्री तिर्वे हेव.केर.वे हेव.केर.विज्ञान्य विकास महित्यात्री त्रित्ता हेव.केर.विज्ञान्य विकास विवास केर्या हेत्या विकास केर्या हेत्या विकास केर्या है ज्ञात्री त्रित्र केर्या है केर.विज्ञान केर्या के यहर् वया द्विया ज्याचा सम् अहर् क्रिया प्रकासव स्वर हिर्टिट हैं से प्रवा हिर्टिट वया हिर्टिट हैं हैं से प्रवा है विका वार्बेट्बर् है। स्वं र् र् मूर्य स्टब्बर् हैं र् हैं ही ब्रुवर् स्वे वार्व वार्वी वार्व कर सावि र र दे हैं का है ते स्वार्व स्वार्व का है र र हैं ही ब्रुवर् स्वार्व स्वार्व स्वार्व स्वार्व का है र र है ही ब्रुवर् स्वार्व स विकार्यानुवार्याधीवा नवारायान्तुं वांबुखायायाञ्ची वाविकावार्यानु विकानु विकासायार्था हिंदान्यवार्यान्य हिंदान्य र्टेट् क्षेत्र.कुवा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कार्य विटायनेया तिया प्रतिहास क्षेत्र क ण्टान् भुरावसारम् वित्यस्त्रात्ते । स्वयान् स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्ययान्य स्वयान्य स्वयान् *ૡ૾ૼ*૮੶旬ૺૹૻ૽ૹ૽ૼઌ૽ૹૹૡ૽ૼૢ૽૽ૢૢૢૢૢૹૹ૱ૹ૽૽ૹૼૹ૽૽ૣૺ૽ૹૼૹૹ૽૽ૢૺ૱૱ઽૻઌ૾ૻ૽ઌ૽ૢઌૹ૿ઌ૽૽૽૽૱ૹ૽ૼઌૹઌ૽ૹઌ૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽૱ૹ૽૽૱ૡૢ૽૱ૹૡૼૢ૽ૺ बुषानुंतुति विनातुः स्वनान्नवना वेषासु कायने स्वनासान्य स्वापासान्य प्रमाणा स्वापासान्य स्वापासान्य स्वापासान्य वार्या किया के अपने प्राप्त के प् ल्यासाल्य विकासमा पर्वतानार स्विता ने त्यानम् विवा ने त्यानम् विवास स्विता स्वास्त्र स्विता विकास स्विता स्वास श्चरमायमायमार्थमार्श्वरार्दर् अविवार्दर्वे वार्षे क्षां वार्ष्यर है। यह दानमाय विवार हैं वार्षा दे विवार है। यह दे वार्षे यह वार्षे यह विवार है। यह वार्षे व शहरात्वाश्चित्रकार्यायोवा क्रवाहार्क्यापाश्चरायात्रे क्रियापाला क्रवाहार्या क्रवाहार्या विद्याला क्रवाहार्या क्रवाहाय ह्माया छन् कर्रा प्रमान्त्र विष्या मृत्या या या विषय प्रमान क्षेत्र के विषय सुराय सुराय स्था विषय स्था विषय स् त्रिंत्र पंच्या है। क्षेत्र क्षेत् म्रियार्यर क्रियाञ्च न्द्रात्याया स्वाप्तात्र नाप्ता प्राप्ता म्रियार्य स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्व त्या कु.वी.त.जॉ.परीज.यॉ.लुच.वाबीटा] टु.जॉ. इ.बीच.र्क.पट्टी वाजावाची वा.धे.ट्रांच्य.त्य.श्चीय.त.वा.वाह्टी.वीटा कुळा इ.जा.यटका.वी.पटी. ट्याचीट्य.याच्यी.पचीटा.कूंट.पचीटा.टी.पचटा.टी.पथटा.कुवी.वाबीटा.येथा.इ.शीच.र्क.पथटा. ट्यायीया.कूवायाता.पटी.व्यापश्चीटयातपु.सीटा.ह. च.सूर्यायाःस्त्रेयःकृत्याःशायाकृताःमिद्गःशास्त्रात् । दे.के.यू.लाटः याद्यायाःस्त्रेयः त्यायाः अट्ट्यः त्यायाः स्ट्रात्यायाः स्ट्रात्यायः स्ट्रात्याय ८য়য়৾ঀॕॖॖ॔ऻॕॖॖॖॏॱॻॡ॔॑ॱय़ॕॱॸ॔ढ़ॱढ़ॖॎॱॾॣॕॕ॔॔॔॔॔ॹॱक़ॕॕज़ॗॺॱक़ॆॱॸ॔॔ग़ॖॱॾॺॣॺॱॣ॔ॱॾ॔ॖॸ॔ढ़ॸ॔ॱॹॖॆॱॻऻढ़ढ़ॱॿॗऀढ़ॗ॔ॱॻऻॗढ़ॱॻऻढ़ॺॱढ़॓ॱॿ॓ॸॱ चल्र-न्वेर्वरम्यन्त्रम्यन्त्रम्यन्त्रम्यन्त्रम्यस्यायाधेवा विरायाक्ष्मन्यायेष्ठयायेषे यहेवाहेवाहेवात्रम्यादेवार्वराया मुेलायन्द्रित्याम्भवाष्ट्रियाण्याचेवायापया वदायदे केव हेटावह वाक्षायह वास्त्र वास्त चैत्र ग्रेका क्षेत्र सम्प्राप्त क्षेत्र क् ८८, श्रिवेशत्र वियात्रपुर्यः प्रमानक्ष्वायात्रपुर्यः पर्यः प्रमान्यः वियात्रपुर्यः विषयः द्रायाचेत्राया है।द्राया है।द्राया है। वास्त्राया स्वाया प्राया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्या स्वया स्वय <u>बेर दबं श्रेण तंबर बार्से पर छेत्। पब्राणंबा के पहुंदा हुंदा है दा ते पार्टिन के पुर्व देव पार्टिन पाय्य देव से बार्टिन पाय्य देव से स्वाप्त के प्राप्त के प्</u> यमा नु तिरेते वे से दे ते त्या में दे ते त्या में ति त्या में त्या में त्या में ति ते ते ते ते ते ते ति ति ति त श्राक्षें जानिम् न्यात्री व्याज् वे ने ज्ये निविद्ध हैं स्व विष्य निविद्ध हैं स्व विष्य निविद्ध हैं स्व विषय निविद्ध हैं स्व विष्ठ स्व विषय निविद्ध हैं स्व यश्चरायराष्ट्रियायया व्यापायरा दे हे दार् वेयाया सदत यहे या ता से वे त्यारा स्वीत प्रकार स्वीत स्वापाय स्वीत चार्च रट्याच्या चार्च र चेत्र चेत्र चेत्र चेत्र चेत्र प्रदेव प्रति प्रवास वर्ष या वर्ष रुप् सेट वो वार्षिया वी या बी या बी वार्षेत्र पाप्प प्राप्त के प्राप्त सेट वो त्था पुरि हिया हो से प्राप्त के प्राप्त के

गुरुं,चर्डिवायःज्ञचीचीयःचर्षेयःचर्षेयःचर्षेयःचर्षुःच्राटःजःजःलटःक्षेःस्वायःश्चःच्यायःच्यायःच्यायःच्यायःचर्षेयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्षेयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयःचर्येयः यंत्रें पंरिष्णं अपने वर्त्त में पंरिष्णं यायवा ने वंशहे श्रुव स्था तुपन वरों क्रिं यो हमा विवास है पा स्था नि द्वारा स्तृतिकाल हुमारा के व्याप के प्राप्त के कार्या कार्या के कार्य के कार्या के कार्य कार्य के कार्य क चव्यां न दे चर्चा तर्ह सारा हैया दें दे चर्चा दे हैं। बेना दे हैं। बेना दे हैं से स्वापन हैं चर्चा प्रस्ति हैं इ.घमब.टर.मडिय.त.पुब.चीव्याचाकी क्रिज.य.लट्,ट्यूय.तथ.क्रिय.विय.क्ष्य.य.टेर्यट.मुट.मुट.मुट.मुट.मुव.स्व.मुव.स्व.मु घमब.टर.मडिय.त.पुब.चीव्याचाकी क्रिज.य.लट्,ट्यूय.तथ.क्षिटा घैत.क्ष्य.य.टेर्यट.लय.क्षेज.पपु.झैय.कॅ.यो विय.यकूर्य.तर.मह्ती मह्य.य. श्चां अन् अन् किर वस्त्र कर की माध्य स्टूरिय से के त्य भ्रुत्य द्वें गुंदी रे के र पिते र र वस्त माद्य स्टूरिय स्टूरिय प्राप्त की स्टूरिय स्टूरिय स्टूरिय स्टूरिय स्टूरिय स्टूरिय स्टूरिय स्टूर्य स्टूरिय स्टू र्.कु.टर्. पद्म.विर.मुर्त्यात्रकृष्ट्म.विषयायदे अपूर्वाया भ्रीया मुस्याया मुस्याया विषया विषया विषया विषया विषय पद्म.विर.ट्र.ट्र्य्य.सुर्वे.सु.कु.बु.तूर.प्रिवायातद अपूर्वाया भ्रीया दे.सुर्याया दिस्याया विषया विषया विषया वि विवा नहीं में शुर्भ मुन्ति । वार्ष प्राप्त क्षेत्र श्री मान्य प्राप्त क्षेत्र स्त्र में प्राप्त क्षेत्र मान्य मिन्द्र में स्त्र में स्त्र स्त्र में स्त्र में स्त्र स्त्र में स्त्र में स्त्र स्त्र में स्त्र यां देव द्राक्टर त्रा के में कि प्राचित्र वावित्र वा हेर प्रवित्र वा तर्ति के प्राचित्र के प्राच सर हेर ग्री त्रमा नर्षेत्र से भे जे हु हु न स्थान कर के स्थान के स्थान कर के स्थान के स्थान के स्थान कर कर के स्थान कर कर के स्थान कर के स्था कर के स्थान कर कर के स्थान कर के स्थान कर के स्थान कर के स्थान कर क विषार्स्स्यां प्राप्ति व के प्राप्ति व के प्राप्ति का विष्टा प्राप्ति के के कि चुति क्क्रियास म्बिंद प्रचूय पूर्य स्वाप्त के विषय प्रचाय के स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्व बेरा र्यासुर्वे व्यास्त्रे हो होता पाव्य श्रीकायस्य पर्यास्य पर्यास्य विषय विषय होता विषय होता होता होता विषय यारुवाने प्याप्तावी नाक्षेत्र र्थेन श्रुन ने नियम इसमास्त्रीयायानमा ग्राम प्रमास क्षेत्र होता है श्रुवान का सुन में होने प्रमास के माने प्रम के माने प्रमास के माने प्रम के माने प्रमास के माने प्रमास के माने प्रमास के माने प्रमास के ्रुट चर् से म्याप्त क्रिं च्याप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वा वृषा नित्र वित्र क्षात्र में प्रक्षित्र क्षात्र क् र्। निर्मार्म् स्वाप्तिक्ष्ण क्षेत्र क्षेत શ્રીન મંત્રન કુર્યો વે.શૂંન 4 શ્રુપ 4 શેન કેન્યાન કુર્યા તે કુર્યા તે કુર્યા શેના કુર્યા હતે. કુર્યા કર્યા કરમા કર્યા કરા કર્યા કરા કર્યા કરા કર્યા કરમા કર્યા કરમા કર્યા કર્યા કરમ विषंपर शुर हैं। विःर्श्वेर ग्रेट कुथ र रेव रेव के। यह पविषया पहिरं रेव रवें के। कुथ र प्यट रेवें व रव कुथ श्वा हिया पि रेव रवें के। मीट्रिंचर मिन्य में भी के स्क्रिं मुन्य में द्वार में में स्कृत में स्वर्ध मे योअन्दारक्रें ना सेन्या योवी निन्या वी बार देही देश में बार क्रिया हो बार के बाही वार क्रिया क्रिया के विदा हो बार क्रिया हो के वार क्रिया क्रिया हो हो क्रिया हो क्रिया हो क्रिया हो क्रिया हो क्रिया हो क्रिया हो हो क्रिया हो है क्रिया हो क्रिय हो क्रिया हो क्रिय हो क्रिया हो क्रिया हो क्रिया हो क्रिया हो क्रिया हो क्रिया हो र् निव्नायान्य त्यां द्वा के के रामर हिटा है। कियान देव रा के ही। ल्या के बे सार बाक्ष सीम्बर्ग में बे बाब के किया मिला मिला में सार के बे शुं कुःब्रें प्यवा[']वी व्या क्षेत्रका प्रवाद के कि का वाय कि का कि का प्रवाद की कि चड्ड्य.पर्वीय.ये.चरेनीया ट्वीट.क्.चेव्र.चेवा.ज.ट्विय.ये.ज्ञचयाँ इ.ह्वय.इंय.इंय.अच्य.यास्ट्राय.स्वाय.त्.पेविटय.ह्वेटा ट्वीट.ज्.चर्थ. बह्र-तयाञ्चरान्त्रीयान्तियान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्तियान्त्रीयान्तियान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्तियान्त्रीयान्तियान्त्रीयान्त्रीयान्तियान्त विज्ञानियति हैं। विज्ञे विज्ञे विज्ञे के में मुख्य प्रत्वाचा यह देवा विज्ञानिय में भुकेंबा ग्री में जह असे प्रवास मुर्हेन प्रासे हिंग हुज्ये. तर् चिवाया स्वे प्रवे की क्षेत्र तावायव तया किता स्थेत प्राया केंद्र वया प्रवेश के जव वार्षिया विषय तार शुहै ही री है र सि ही लाकु हु. कुथार्यः इंश्रंबाक्षीः क्यून्तः प्रत्यंत्रान्तः अंदर्नुः चुबा दे व्यवस्थानुवा रहे उत्ते व्यवस्थान्य अस्ति । विश्वस्थान्य विश्वस्य विश्वस्थान्य विश्वस्थान्य विश्वस्थान्य विश्वस्य विश्वस्थान्य विश्वस्य विश्यस्य विश्वस्य विश्वस्य

. વાર્ટર.તલે.તન, જો. ધૂતા. વા. જમ. તર. તુંર. જુવે. તું. વાલુના ગુર્જા વાનું જો. વાનું જો. વાર્ચ કરો. વાર્ચ કરો વાનું જો. વાનું જો વાનુ गर्रमञ्जूरमायते छे ज्ञार ह्वा केव यंते अर्केन हेव जुर पंबेर रेट पश्चेय श्चेया प्रमान ज्ञान प्राप्त प्रमान स्थान नुं क्रॅंन ग्राट शुन क्रेंन क्रेंन त्यार नेर देवार विवार अर रानिन सरी हैं अर्कर उन सैनाय अर दे की क्राय ने ने से के त्यान हुट नहीं हीत स्पित्या है। वास मिला के प्राप्त का वास के प्राप्त चुर्षे य. ह्राचाया यहारी हुए हाया से हिता से किया प्राप्त के प्राप्त के से किया में र्ने युर्वे व्यत् अहर्त व्यत् विवाय त्या यहर्त त्या रि. यू. दू. विद्या विवाय त्या हो विवाय वित्र हिवाय या यहर ब्रुची टे. हेब. क्रियाचर दे. टे. टे. चंच. हिंट. क्रिया ब. इंबब या बाबी ट्रियाट क्रिया के क्रिया के क्रिया क्रिय हुन्'ग्री'तिष्ठिण्यां वि ह्युन्युन्या ईर्रावेण्या न्येव सुन्दि न्यया ईर्रिन्यया इस्रवाग्रीया रेव या के त्राणा न्या हिन्य स्वाप्त प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्थात्याव विष्यात्र विषयात्र व चित्रवर्षा है। सित्र तुर्बेत् खुत्र सुत्र सर्वेत् सर्वेत्र सित्र स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्व सित्र स्वाधित स न्यंत्र रेतु केत्र भ्रुप्तरान्त प्रति त्या प्राप्त रेतु ये के माना ना स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन त्ताः चयः क्ष्याचीयवित्र वित्वाक्षियः प्राप्त वित्वाक्षियः प्राप्त वित्वाक्षियः प्राप्त चयः क्ष्याचीयः प्राप्त वित्वाच्याः वित्वाच्याः वित्वाक्ष्यः प्राप्त वित्वाच्याः वित्वच्याः वित्वचयः वित्वच्याः वित्वचयः वित्वच्याः वित्वचयः वित्वचय मिनाबा मानाबाधी मानाबादी बार में के प्राप्त मीनाना मृत्यानानाने हिते हित्याति होते हित्या वित्र के त्यानान के वालिनाने के त्यानान के त्यान के त्यानान के त्यान के त्य चित्रकर हुँ व ततु त्या चुकार खुनाका के स्वारा के बाह्य ता के के स्वारा के स्व द्रव.कृवे.श्चीययः ट्रेट.बिट. क्षेत्रात्रापुर ख्रायः सुक्तायः व्याप्त क्षेत्राचा स्त्राप्त क्षेत्राचा चार्ययः प्रक्षायः प्रकष्णे प्रक्षायः प्रकष्णे प्रक्षायः प्रकष्णे प्रकष्णे प्रकष्णे प्रकष्णे प्रकष्णे प्रकष्णे प्रक्षायः प्रकष्णे प्रकष्णे प्रकष्णे प्रकष्णे प्रकष्णे प्रकष्णे प्रक्षायः प्रकष्णे प्रकष्णे प्रकष्णे प्रकष्णे प्रकष्णे प्रकष्णे प्रक्षेत्र प्रकष्णे प बर्षियाचा स्त्रीता न्या के स्त्रीत स्त तरी गांव निगर र प्रेंत विश्व र भेवा नियंव र पाविव वु प्रवट र श्री वे र प्रेंत र भेव र भेव र प्रेंत र भेव र प्रेंत र प्रेंत र भेव र प्रेंत सक्रें ने ता ता क्रूबा हिन इस्त्रेय विषा है से हिन प्रें के क्रूबा है। हिन प्रें के क्रूबा है ने स्वर्थ है ने स्वर्ध है ने स्वर्थ है ने स्वर्य है ने स्वर्थ है ने खेत्रवाही पर्ट. प्रमित्ता विषय स्त्राहे वी स्त्राप्त स्त्राहिता में स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स् वर्षा प्रमुख्य स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्र श्रद्धियः वर्षेत्रा वर्षे वर्षायः पर्यात्रयः पर्याः स्वयः पर्वाः स्वयः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः स्वयः स्वयः स्वयः वर्षेत्रः स्वयः स्ययः स्वयः स ्रैबोय्, सू. हु. नषु. ज्. ^{ख्रु}. न्, नर्थे. तषु. कु. य. वोश्वेश जि. वोश्वेषा विदे . क्षेत्र न य. य. य. न्या वा विदे . व्या व रैव'र्रे'के'न्टा स्कराग्री'र्स्चित्रयान्चायावरार्वेवाचाचेरांचार्ये'वर्षु'वृत्तेवातुःस्तुन्यस्त्र्प्यस्त्रंचाय्रीवायान्यस्त्राचान्यस्त्रं दर्ग र्हेर तहें द सरम कुष कुष अळद लेश रार्ड्सेय हाय हेंगा सरादर्ग हा अयमेंद पार्दिन रादेश राये भेश अर्गेद रॉटे लेय पार्डिय सरा बॅपांबर येट. र वित्री क्षे. क्रूंन व्यायक्र हत को देन में बार्विव पार् विवास के बुद्दे की प्रति कि हो हो के वि नचर स.न. ब्राब्य प्राप्त व्यापालको वार्य के ब्राया क्षेत्र कष्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कष्त क्षेत्र क्षेत चीवीयायने वार्यात्ते वार्यात्वा क्रियायवि क्रियाया क्रियायी स्वाप्ताय क्रियाया चित्र प्राप्ताय चित्र चित्र प्राप्ताय चित्र चित्र प्राप्ताय चित्र क्रिंगः क्रींट गी पन्ने व पार्ट् ए सुर रहे वा बार्ट् व पार बाह्येव पा बाद ता राजार ग्रामाना ने बन ग्रामान हो ग बर-दे. यया र्योर-जु.र्ज, च.वर्ड, इ.प.कुर्ते या.त.कुर्ते था.च.वे.जू.य. होयी जू.पर्छ.पाकुर्ते, प्रविध या.य.वे.व्य <u>ॱ</u>न्त्रापॅते के न्त्रुं महुअः यान्नेमाया केंबानवि मायर अन्तरी इत्येत हें रामान्य नियमित से हुन् की ख्राया का का माया की सामान्य स्वापान स्व

क्र्यायबु.त.चिषुयायबित्यातायम् क्र्यायबु.त.मु.सू.झु.दु.पू.जायबित्या भावय.क्रय.यत.सूय.त.झुय.ट्रत्यातया स्रय.यदु.सू.यटाची. ह्यणबागां वबादें न वे र तर्बे बारा क्षें शुबारा विवास प्रवास श्वर प्रवास है प्रवास के प्रवास के प्रवास के शिव व निर्माया केंबा दुर्मा में बिर्न ग्राम माना क्षेत्र निर्में क्षां मुख्य निर्मा निर्में निर्में का क्षेत्र मिन्न वर्षित्या निर्मात्यात्रे स्वासायान्य मार्थित स्वासायान्य मार्थित स्वासायान्य स्वास्त्र स्वासायान्य स्वासाय स्व र्ट्स्यूचं प्रचेत्र हुं ये कुं ये के वार्ष में के कि प्रचेत्र के क न्यं बृञ्चन्यायाये के। डेर पत्नायाये नुषायुष्पर वहिनाहे बुः श्ची श्ची पात्र स्थायायाय विन्याय स्थाय प्राप्त स्थाय प्राप्त प्र प्राप्त म्बिर्गम्। क्वियःस्वायःस्वायःस्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः प्रिंट्यो वानुवाबाई बाबीयर मुचानी कर यय। इट यंग्रिया वी मूच मुचानी के प्रिंप प् वयः क्रियः द्वापार्याः स्वापार स्वाप्त स्वापायवा विवायः विवायः विवायः विवायः स्वापार स्वापार स्वापार स्वापार स यह्नी क्रुज्याचिन संयम्पानम् नेति हमासु द्वेतु पार्ने ट.नु क्रियाहे न्नायान्य याप्य याप्य वितानिक वितानिक प्रा र्वे बर से के निवास के से हैवा वी से निवास से हिस प्रोची निवास के में की जान के स्वास के कि निवास के कि मान के म क्री ब्रिट् र्सवाया अंदर् तुं वायव राज्ये ह्यं वायर देया छन् राज्य राज्य ता नायां स्वात हा या प्रात्य के वाय ह क्कॅट खंट चं तर्ने क्कॅट नर्वेद नर्वेद <u>ग</u>णेया थे तिर्देर च ठेणे दिट च तर्नु ज जात्र च ति दे तु के या क्केट जो या चेश्व ते या जो हिट स्था न्द्राचारते द्वेत्रायकाराया क्रुरायाया विदारी क्राया के काय बुया द्वेता है जे दारा विद्यारी के प्राया क्रिया क ुं चुंदा वेजायर <u>म</u>ुन्यायान्व व्यायर वेवट सुदा हुनाया हु विवाय हु विवाय है ते वा विवाय के ते विवाय के ते विवाय है है देश चयार्न्निर्यास्त्रात्त्रीत्त्रात्त्रात्त्र्यस्त्रहेः तक्ष्ट्रम्भात्रात्र्यस्य स्त्रात्त्रात्त्रम्भात्त्रम्भात्त्रम्भात्त्रम्भात्त्रम्भात्त्रम्भात्त्रम्भात्त्रम्भात्त्रम्भात्त्रम्भात्त्रम्भावत् । विष्ट्रम्भात्त्रम्भ न्यमानुं श्रेन्यान्त्रं में हिन्यान्य स्वत्य स्वतं न्वर्त्यान्य निवास स्वतान्य स्वतान्त्र स्वतान्त्र स्वतान्त्र मृषु मृषु मा के श्रू स्वयं मृष्टिया रेयोद् जू चर्थिया स्वयं मिश्वर के मृष्टिया मिश्वर ट्ट क्रूंच ट्यूच बु.च ट्यूण पाड़ेब ज.रच हुन बुड़ा चर्ड प्यापाय क्रिक्त मुन्य वित्र क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्र चन्ना प्राप्त क्रिक्त क्रिक र्यायाङ्केषान्नर नु म्हणायाने कार्या कुराया केराया केव कुल नजर प्रमाणकार्सेना वाकर रहेव आवव केव नगाव नहुः प्रमाय सिन्न निक्षेत्र प्रमाणका हेन वासुय प्रमाणकार्ये क केव कुल नजर प्रमाणकार्सेना वाकर रहेव आवव केव नगाव नहुः प्रमाणकार्ये प्रमाणकार्ये केवा सिन्न केवा सिन्न सिन्न स बर विच्या शक्रिय में विवेद राजा प्राप्त प्राप्त प्राप्त में विवेद राजा प्राप्त प्राप्त में विवेद राजा में त्रवी. वी. सू. में . या प्रश्ने त्र प्रति त्या वी वी वी में में प्रत्य प्राप्त प्रवास हो में स्वी की वा प्रत्य चर्षेष्र.के.र्जूल.त.विश्र श्रिय.र्ज.त्यूरे.कोवोयाताले.कूथाहिट.शट.रे.विश्रो श्रोतय.कुष.कोवीश.कूर.टा.टट.धूर्य.टेतूब.क्षरा.केलायालय.रचारी. यर्थियः स्टूची सिक्ष्यः सुन्यात्वयः स्टूचः त्यात्वयः स्टूचः स्टूचः स्टूचः स्टूचः स्टूचः स्टूचः स्टूचः स्टूचः स सुन्य स्टूचः स्टूचः सुन्य स्टूचः स्टू पर्स्थयःत्र-अर्थतः स्ट्रिंद्र-तः विचा चिर्-तया अवर् कुर्व-रैयायः चर्थिः तप्ता चीर्यः तप्ता चीर्यः तप्ता चीर्यः विचा चीर्यः चित्रः चीर्यः चित्रः चीर्यः चित्रः चीर्यः चीर्यः चीर्यः चीर्यः यर सब्भारम् निया होता है स्वास्त्र हो स्वास्त हो स्वास्त्र हो स्वास्त्र हो स्वास्त्र हो स्वास्त्र हो स्वास्त् चीच्राबाराचा श्रीबुःक्यात्तर मुब्बाराच्या त्यात्र स्वाप्ताय स्वाप् मंत्रिकं त्याम्बर्के हुँ त्यहर् देवे र्मुव यापूर्व केव मण्याक हूँ र पर्टी हुँ य रस्ते व प्राप्त पर्टी र के हुँ पर्म् व केव हुँ पर्म हुँ परम हुँ पर्म हुँ परम हुँ र्यासका अर्ह् रादे राज्य रि. मुहारा के जो श्रमा की प्राप्त हों प्राप्त के स्वार्थ के के स्व र्धे.धिवाब.चभ्रीत्। न्हेव.वाषुब्र.पंत्रवीय:त्रिक्य.चर्बेब्र.सूच.त्र.त्रव्य.तीय.लीय.वायायी लु.चुब्र.त्रव्यूच.सूच्य.वीयायी क्र्य. हैं 'च्रद' कुथ, प्राया के 'प्रपद्म किंबा हो पर के बाद प्राया के बाद प्राया के कि प्राया के बाद के कि प्राया के कि प्राया के बाद के बाद के प्राया के बाद के ब बिद्रदर्ग थे:वेबाअर्वेब संते हेबांववर्ग झुं रवाबं अदे कुंविद्रं अव रचा दंर चंड्यांच यार्बेवबाय रंतृर्ग द्रथ्यायवा औं युं पंते प्याविः

क्रुय.ग्री.अंथ.पश्चीय.पट.क्.अग्रीय.ज.स्वाय.त.सट.टे.वाययी चे.जेट.दुय.त्.कु.वीवाय.त.भ्रिजाशक्ष्य.त.ज.त्.त्राचादु.ट्यट.श्रु.कु.ज.स्वाय.तप्ट.टे.वाययी क्याह्य.वीयाय.स.भ्रिजाशक्ष्य.त.ज.त्याचादु.ट्यट. विष्ट. ૹ૽ૼૹ૽૽ૣ૽ૢ૽ૼ૾૽ૼઌ૽ૢૺ૾ઌ૽૽ૢૼ૽ૹ૽ૣ૽ૢ૽ૢ૽ૣ૾ૢ૽૾ઌૹૼ૱ૹૣઌ૽ૼૼઌ૱૽૽ૢ૽ૹ૽૽ૢ૽ઌ૽૱૽ઌૹ૽ૹ૽૽૱૽ૺઌૹૢ૽ઌૺઌૹૡૢૼઌઌૹ૽૽ૹ૽૽૱ઌ૽ૺૹ૽ૼ૱ૺઌ૽૽ૹ૽ૼ૾ૻૢ૽૽ઌ૽ૺ૱ૼૡઌ૽૽ૹ૽ૺ૱ૹ૽ૹઌ व्यानेपायाप्त हु। प्रे के के के प्रे प्रे के प्रे के प्रे प्राप्त के प्रकार के प्राप्त क ट. सुर्वा बर्ग प्रचार प्रच प्रचार प् `बुं'च'र्ये'श'योर्हेर'अ'र्छेया'अह्'द'रेश्य'योर्हेर'क्षेयं'योट'रोयाबार्यर'हुट'याबुंट'। दे'दब्य'र्ब्वेद्य'द्येदे'याबेअब'र्स्ट्र-प्रव्याबार्य, योबेअब' गॅर्षेग'रा'न्रेंद'षट्याक्रीयात्रीयात्रीटा ग्रुबाद्यां अर्धदार्थे में में में कर केद'र्ये प्राप्त द्यार्थे प्राप्त में में प्राप्त कर केद'र्ये प्राप्त द्यार्थे प्राप्त में में प्राप्त कर केद'र्ये प्राप्त कर केद'र्ये प्राप्त में में प्राप्त कर केद'र्ये प्राप्त कर केद' इ.योच.बिट्य.तपुर, विट.चे.व्याचा श्रीच.बिट.चेया.विच.वच्या.बिट.क्या.विच.वच्या.व ज्ञाब्यस्य न् विकाश्चर्या श्चर्याया स्वाप्त स् हे^ॱपंठिपाःतुः पङ्ग्रेंद्रायः प्रया मेनू पः ऋर कॅट कॅट क्रिप्य प्रया हैट टे युद्देन पर्यट पंटर प्रताप्य प्रविद्या मेनू स्था केन् प्रया प्राप्य प् क्याई चिराक्चितायम् वृद्धाः मान्याव त्याच्यापात त्यापात त्य कुरा है . धुरा ज्या के बार इंटर हैं हो बार के इयमःक्रुवीयःक्र्यः योग्ययः तपुःक्षी वियः क्ष्याः वियाः क्ष्यः प्रति वियाः प्रति वियाः प्रति वियाः वियाः वियाः व भूपः प्रति वितः प्रति प्रति प्रति प्रति वियाः वियाः वियाः वियाः वियाः प्रति वियाः प्रति वियाः वियाः वियाः विया वियाः प्रति वितः वियाः विय र्या वस्त्र मं कर् गुर्ण म् विषय पार्व सं श्री सं श्रित्र पार्च । वर्षे वे प्यापि प्रमुत्ते पार्च में प्रमुत्त में प्रमुत्त स्वर् स्वरं स्वर् स् त्तः क्षेत्रः वित्ता वोवायाने त्याचाया व्यापना व्यापना व्यापना व्यापना वित्ता व्यापना वित्ता व्यापना वित्या वित्या व्यापना वित्या वित्य यानव केव नगात नंदुः य नकेंद् वयान केट नो वा यहूद वया नही व यर हैंगाया नावव प्यट हैं न दुर्घ के र देव या हैं देव ये के नुमान या ब्रूर्यात्रात्र के त्राची वा ब्रिया है जिस के त्राची के वा के त्राची के त्राची के त्राची वा वा के वा के त्राची के जयाम्यान्यम् अप्यायाञ्चरम् विवासक्ष्याः विद्याप्ताः विद्यापत्ताः विद् कुचे.तृषु.ट्ट.जबं.चेश.टे.लंट.शु.चौलू.चॅर.चर्षेचीब.त.जबा बैंचे.कं.कुर.चश्चेट.त.खु.चर.चानुचीब.तृषु.चीनुचीब.कूट्य.ग्री.चीज.टेरी.ज.क्षेची. पूर्ट.चीबजात्प्यत.खुची.थि.श्वीर्य श्रवजात्प्रदेवी.तृर्य.सूट.पटेची.चबश.तृषु.कुपट.चश्चेबा.चर्ट्स्ट.शह्ट्.तृषु.जुट.चषु.चीट्य.शु.एकूजी होची.श्री. चतुः क्षेट्यः श्रेन्यत्वाव्यक्षेत्रः अध्यः अध्यः स्त्राच्याः स्त्राचः स्त्राचः स्त्राचः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राचः स्त् स्वी अर्रे. र्यं अस्ति। में क्षेत्रं बीचं तरि नियम् में स्वीतं अस्ति या स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र म्बीन् स्वास्त्र के क्षेत्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्व तवन् ग्री द्विषान् न होने हो हो हो वर्षाने प्रति हुनानी प्रतानिव ष्ट्रा होने प्रति हो हो प्रति प्रतानिक हो हो परि प्रतानिक हो हो प्रति होने हो हो परि प्रतानिक हो है परि प्रतानिक हो हो परि प्रतानिक हो है परि प्रतानिक है परि प्रतानिक हो है परि प्रतानिक हो है परि प्रतानिक है पर मद्रेव स्रित्र स्रित्र क्रित्र द्रेन द्रेन प्रचल प्रति प्रचल प्रचल प्रचल स्रित्र क्रित्र स्रित्र क्रिया स्र प्रिंत के प्रति प्रति वार्ष के प्रति स्थान के स् स्तु शु.स्.स्यान्तु त्राचार्त्त्र स्त्रान्तु स्थान्त्र श्रे ह्रान्य स्तु स्तु स्त्र स्त्र

सकेन देव राक्षित के स्वर्थ प्राचीतिक धीव दे वि दे देव राक्षित वार्य प्राचीत है वि दे वि स्वर्थ प्राचीत है के स चित्रम् प्रमेश्वर्षात्रम् मुन्य्वर्षात्रम् मुन्य्वर्षात्रम् मुन्या विस्तर्भेत् मुन्यस्य स्यस्य मुन्यस्य स्यस्य स्यस्य स्यस्यस्य स्यस्यस्य स्यस्यस्य स्यस्यस्य स्यस्यस तथ.वर.प्रव.मू.कु.खेब.चीबोबो क्वित.टी.टेट.चर्थ्य.चू.र्थेवा.चू.मी.वर.लट.कीरी ये.ब्रीट.टेट.वीब्र्ट्रेस्.ज.ब्रूवोब्र.सप्रुं.वार्थ्येवा.जेवा.विट. इसर्गुः क्रिंस्प्रेट हिन् क्रिंस्य क्रिंस्य वित्र क्रिंस्य क्रिंस् पूर्त ब्रिट्यां सूचा कुष्य क्षाया नवर न कुषा पूर विषया बिंदि प्रविद्या कुष्य मुख्य अर न सह प्रविद्या प्रविद्या र् विषानुष्तर् प्राप्तात्विषाक्वराञ्च रते पर्तरा केरा अदे सुन अदे सुन अस्य अपन मा नर्देश स्वादन सर्हे विषाने ने बॅर्ट्न पति हैं हे विषा च ने ने न हैं बारा दे हैं राम पर्दे का मार्च का मार्च के मार च्.रेरे. प्र्युष्ट्र, प्रयोग ना में राये का माने का माने का प्रयोग में स्त्रीय विश्व में मिने के प्रयोग में स् राष्ट्रि.विलाक्की.टेक्कीलालक्र्यात्रस्यात्रात्रेयात्रम्यात्रीयोयात्रीयात्रात्रीयात्रात्रीत्रम्यात्रीयात्रात्रीयात्रम्यात्रीयात्रात्रात्रीयात्रम्यात्रीयात्रम्यात्रीयात्रम्यात्रम्यात्रम् '၎ଵୗॱૡ૽ૹ૾ૢ૱ૣ૿ૢૹૻૺૢૼૢૡ૽૽ઽૡૻ૽ૡ૽૽ૢ૽૱૽ૺ૱ૡ૽૽ઌ૽૽ૹ૾ૢૺૢૺ૾ૡૹૻઌૹૻ૽ૡ૽ૹ૽ૡૻ૱ૣ૽ૹૻૺઌ૽ૼ૱ૹ૾૽ૢ૾૾ૺૡ૽ૼ૱ઌ૾૿ૢ૾ૡ૽ઌૡ૱ૹ૾ૢ૾ૢૡ૽ૺઌ૽ૹ૽૽ૡ૽૽ૡ૽ૺ૱ૺૺૺૺૺૺૺૺૹ૽૽ઌ૽૽ૹ૽૽ૡ૽૽ૡ૽ૺ૱૽ૺૹૻ૽ૡ૽ૹ૽૽ૡ૽૽ૡ૽ૺ૱૽ च.एमूं.पषु.अमूच.सू.योज्ञाची चू.चयाला क्षेट्र.संचान्त्र सीचाया स्थान प्रमान साम्यान स्थान साम्यान स्थान स्थान स इट्रामु.पु.पु.पु.कुट्रामूच.योच्याचान स्थान सम्यान सम ૄ[૽]ઌ૽૽ૹ૽૽૽૽ઌૢ૽ઌ૽૽ૹ૽ઌ૽૾ઌ૽૽ૢ૽૽ૼઌ૽૽ૹ૽૽૱ૹ૽ૼઌઌ૽૱૱ૹૢ૽૱૱ૹ૽ઌ૽ૢૼ૱ઌઌ૱ૹૣ૽૽ૹ૾ઌ૱ૹૣૹ૱ઌૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૢૹૢ૽૽૽ૡ૽ઌ૽ૡ૽૽૱ઌ૽ૹ૽ૺૺૺૺૹૢ૽ઌૺઌૹ૽ૺૹ<u>ૢ</u> ॱॳॖऄऻ॔ॸॱख़ढ़ॱॻॕॺ॑ॱॺॎ॔ॾॖॖॖॖॖॖॻ॑ॱढ़ॖॸॗॣख़ढ़ॴज़ॺक़ॱय़ॱॿॖऻ*॔ॸढ़ॱऄॕॸ*ॸॵॱॹॖॴज़ॿऒॺ॑ऻॎड़ॖऀॱॗॺऺॺॱऄॺॺॱढ़ॺ॔ॱॿ॑ॺॺ॑ॱढ़ॸॱॻॖऀॱॹॗज़॑ॻॿॣॴॱ चूर्यात्रायात्रायात्रीयायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्राया वित्या सुमिर्देवं ने अत्र तिर्देर् दरम्य क्षारमञ्जू तुर्व पूर्व तिर्वेद वित्य मिल्या वित्य कित्र वित्य नियाः (वयाः यात्रुः वरः प्रतिते वरः परः वा क्षेः विविते । अयः प्रवः प्ररः यरः प्रयः । क्षेयः कुः प्रायाश्वरं या प्रेरः कुः वहायः क्षेयः कुः वह्ययः विवित्रः वित्रः विवित्रः वित्रः विवित्रः वित्रः विवित्रः वितित्रः विवित्रः विवित्रः विवित्रः विवित्रः विवित्रः विवित्रः वितित्रः वितितित्रः वितितित्रः वितित्रः वि

नवी निश्चेत्र नु स्तर ने सामक्र साथित निश्चे त्र साम है स्तर मु ति स्तर मु ति साथ है से स्तर से साथ से स्तर से साथ से स्तर से साथ से स्तर से साथ साथ से साथ साथ से साथ साथ से साथ साथ से साथ साथ से साथ साथ से साथ स लट् वार्युमी देवीट.जू.श्रेश.श्रे.इ.र्ज.ज.बट.श्रेश.सूच.तम्ब.श्रावय.तू जूब.श्रुंच.सूच.सूच.सूच.सूच.सूच.सूच.मूच.सू इस्रमाश्चिमां सहिताने क्षित्र में प्रमाण कर्म में मान्य स्वामा स् त्तेन यो पर्द्धन पायन प्राम्य विकास प्रीमा प्राम्य विकास के विकास के स्वार क्रिया प्राप्त के प्राप्त के कि कि क चैयाय निर्मुद्र श्चित के शिक्स त्रवि । ज्या पट्टिया या पूर्णियां या या या विष्णु के या या विष्णु के प्राप्त के म्भी त्याबाल्य स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास म्भी त्याबाल्य स्वास्त्र स्ट्रियाः श्रीमा स्ट्रियः प्रति स्ट्रियः प्रति स्ट्रियः चतुं चर्व्याचार्यास्य सं त्याया नियम नियम नियम के क्षेत्रा के त्याया स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप पबान्चे ब्रायते गवुबा सुरत्यां यान्या ग्रामायण्या सुर्वा सुर्वा सुर्वा पबा वे महर्षुते ही मानवा निवा ने सिना बर् च. ठवं रे वी रट्यू र रे बार्य अविवास प्रहा विटार हों बर हो हो र हुं में स्वार प्रहा हो र हुं से साम हो से स्वार हो हो से हैं से साम हो साम हो से साम हो से साम हो साम हो साम हो से साम हो साम है डेंबर्ग्यान्डेंबर्यक्षण्यत्यूं श्चेतर्हें देंबर्ग्वदर्ग विकेयह के दार्थ के दें ते विवाय करा के के दें चविषाक्षित्राप्त्रितायम् विष्याचेत्राच्या विष्याचन्त्रात्रात्रे विष्याचिता चिता विष्याचिता विष्याचित्रा विष्याचित्रा विष्याचित्रा विषया व दे विवायमान्त्रित प्रायमित के बार्चित कर्म में स्वायमा है प्रमेन विवाय में स्वायमा विवाय है स्वायमा है स्वयम् न्रेंब चैंदर नम् तस्में तस्में अस्में का स्ट्रिंग में करि लिया के दिया लुका में का छिने प्रस्त के स्ट्रिंग के का से स्ट्रिंग के स्ट्रिंग क तीवयःजः यद्याः वृत्यः वृत् देः जदः श्चः द्वयः वृत्यः व स्वार्ता है के क्षिप्त कर कर से कार के बार के कार की स्वार की स्वार की स्वार की स्वार की स्वार की स्वार की स्व स्वार की स्वर की स्वार की क्रवे.स्.म.चे.व.वे.क्.इ.कं.चुब्य.त.श्रु.चे.चे.चे.चे.च्य.पटीयात्मा ट.क्ट्यंड्य.स्य.त्यीपट.टे.योग्नयंग्रेयात्मेयां श्रु.सर्.चंश्य. चतुन्त्रक्षत्र्यं क्षेत्र्यं वार्ष्ट्रक्ष्यं क्षेत्रक्ष्यं क्षेत्रक्ष्यं वार्ष्ट्रक्ष्यं वार्यवे वार्ष्ट्रक्ष्यं वार्ष्ट्रक्ष्यं वार्यवे वार्ष्ट्रक्ष्यं वार्यवे वार्ष्ट्रक्ष्यं वार्यवे वार्ष्ट्रक्ष्यं वार्ष्ट्रक्ष्यं वार्यवे वार्य ब्रुंबर्का ब्रीटाम है के रकामी ब्री रे खेवामा नाश में देश ब्री ना की को के रावी है का ब्रीट खेना ब्री अर मार्च के मार्च ना माया है निया म्वाना इन्वर्षायो तह वे वित्याम ततु पर्वा विद्यामा विद्य हुन हैं ते स्वानाय अदार में हैं ते में विद्यान के विद्यान के विद्यान हैं विद्यान के वि म् संबर्गेनुषान्यत्राह्म स्वत्त्राह्म निष्यत्राह्म निष्यत्राह्म स्वत्त्राह्म स्वत्त्राह्म स्वत्त्राह्म स्वत्त्र यःकेद'र्यः संह्नां यानः संन् हम्यानितृत् कृषान् प्रति हैं स्वर्णानित् स्वर्णानित् स्वर्णानित् स्वर्णानित् स्वर मर्चेन देवें वन रेन के के मार्च निवास का समास्त्र के निवास के कि में के मार्चेन के के मार्चेन के मा योन्यंत्रारायात्रांत्रात्वेदाः स्त्रात्वेत्रायत्रा स्वातायाः स्वातायाः स्वातायाः विद्यात्रात्रायाः विद्यात्रात्रायाः विद्यात्रात्रायाः विद्यात्रायाः

દ્રાસાનું વાર્ટ કે તાર્ક તારુ તાના કોન્સ કું ઉપુ. ખુ. ખાતા કો તાના કોન્સ કું તર્ફો હિન્દ મુખ્ય કું તાનુ તાના વ ત્યાના વાર્ટ કે તારુ તાનુ તાનુ કો જૂ તાના તાનુ કો હો છું જો છે. બહુર ખુ. તાનું સું જે છે. જો કો ખાતા કો જો જો જ न्यापाळेंबा बेटवापाडी वियव सुरक्षिण का द्वीरवाद विषय विवास के बारी के का हैं है तह विवास होने वा क्या वर्षेतर हा सह है हिता है है है स ब्रैट.त.जेवोबर्तर-यंश्वेष्यो ब्रेज्रेट्वोबर्त्रर-प्रवोद्धत्यात्रियाः है. व्यवावाध्यक्षः व्यत् क्षेत्रं प्रदेश व्यव्यक्षेत्रः विव्यक्षेत्रः व्यवस्यक्षेत्रः व्यवस्यक्षेत्रः विव्यवस्यक्षेत्रः विव्यक्षेत्रः विव्यवस्यक्षेत्रः विव्यक्षेत्रः विव्यक्षेत्रः विव्यक्षेत्रः विव्यक्षेत्रः विव्यक्षेत्रः विवयक्षेत्रः विवयक्षेत्यः विवयक्षेत्रः विवयक्षः विवयक्षेत्रः विवयक्य ब्री-र्रेट कॅन्यू स्वरं अक्रूब कार्य मुन्न व्यायाच्या कर्ति न्या वाया विष्य कर्ति । विष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क् भ्री-र्रेट क्ष्य वाया अक्रूब कार्य मुन्न व्यायाच्या कर्ति क्षय कर्ता वाया विषय क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क · इंब्री हेरासरानुमें बारे बाके वे श्रीटामी हैमा सुटांचिहें हो हे बुबे बेमा हुं मा सुधार्ये बाम बाद के बिना से सुधार हो सुवा सुबे सुबे सु चत्रै चित्र बर बेंट्र दे विट रेट वी देवें वें खु कुर्व पं यो बेंचा बर इसे बी का ची हरा। ये चर देश पा वी ये वे व ल्युक्त ने नं धीव रयर नंबेने ने वित्यां केव केंबाधिया दी। केंबाहे त्यान्य सम्मान्य सम्मान्य वित्या ने सम्मान्य वित्या सम्मान्य सम विवीत्र'वानिकार्न्ट क्षेत्र हिंच रेत्र होती देवे के वानिकार वानिकार वानिकार सहीत सदी वार्वार हावार होती होता स ह्रेन्द्र-द्रिन्द्र-स्रेन्द्र-स्राण्याकरः स्वाका ग्री गाव हिन्द्रीक निवास निवास निवास निवास के स्वास निवास न निवायान्य क्षेत्रा हर्ने हे र्यं पं प्रताचेरा वित् अळ्व छेट ए या अवियाय क्षेत्र हे वे चित्र हे वे प्रकार कि वे क्रेवं <u>स्</u>वर प्रस्थना नर्स्व्वेर क्षेट्र की प्रिट र्शून देवे वर्ष क्षेत्र क्षेत्र में ने लाई सूच प्रकेश के वा है लाई प्रकेश के व ૄઽ૮૽ૹ૽ૼૼઽઌ૽૽ૢ૾ૺૹઌૹ૽૽ઽ૽ઌ૽ઌ૽ૹ૽૽૱ૹ૽ૼૢૼૻઌઌૹ૽૾ૢૼૹ૽ૻૹઽૻૹ૽૽ૢૹ૽ઽઌઌ૽ૡ૽ૹ૽૽૱ઌ૽૽ૺ૱૽૱૽ૹ૽૽ઌ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽૱ઌ૽૽ઌ૽ૹ૽ૹ૽૽૱૽૽ઌ૽૽ૺૺઌ૽ૼૹ૱૽ र् निर्माय केंग स्व लेग द्वाप हो। दे प्रविभाग समाद्वाप दे र स्व केंग हो पर्व प्रवेश के पर्व के पर्व निर्मा है र श्रृं अगु र्या त्राह्म दर्ग दर्ग दर्ग र वर्ज र्याकेंद्रिः इसम्बन्धान्य प्रति निष्य प्रति त्र कित्र कित्य प्रति । प्रति विश्व प्रति विश्व प्रति । प्रति । प्रति विश्व प्रति । प्रति । प्रति विश्व प्रति । प् र्येते क्षेत्रा प्रति अर तिष्ठुर्द्या क्षारेते प्रायम के प्राप्त का प्रति स्थापित है से प्रेति स्थापित र्देट गंबुट । वि.श् पाया नट सु न गविगमा देते हैं। वें त्युयान बुबान हु उंधानट त्यें गवान वर्षान्तु वर्षा कु हो ग दिना हे वा अर्थे वा देते। बहर्या क्रियं प्रमान कर्म विकास करा होता देश ग्रेश महिलामी अर्थ मार्थिम मी प्राप्त होता हिलाय पहिलाय स्था हिलाम स्था है अर्थ प्रहिम हिले सर्वेद्र-त्र-कृषानां वेद्र-प्रति प्रति प्र श्रवतःश्रन्-तयःवश्रयःश्रन्-त्र्यं प्रत्वे त्रावे यात्रे व नगायः व व ग्रीयः व व ग्रीयः व व ग्रीयः व व प्रत्यः व व ग्रीयः व व प्रत्यः व प्रत्यः व व प्रत्यः व प्रत्य ष्ठिमाने गार्रियानाहेना सुर्याप्तायाना विहेपा हेने अर्योन यदि प्रयापिन हों अर्पन ही नरहेर नर हेने पदी वासमा कर हो हो सहस्या विकादियः विवेशास्त्रकार्यः द्वान्त्रम् साम्यास्त्रकार्यः स्वान्त्रम् स्वान्त्रम्यान्त्रम् स्वान्त्रम् स्वान्त्रम्यस्वान्त्रम् स्वान्त्रम् स्वान्त्रम् स्वान्त्रम् स्वान्त्रम् स्वान्त्रम्यस्वान्त्रम् स्वान्त्रम् स्वान्त्रम्यस्वान्त्रम् स्वान्त्रम्यस्वान्त्रम्यस्वान्त्रम्यस्वान्त्रम्यस्वान्त्रम्यस्वान्त्रम् मृत्या होते. त्या प्राप्त स्वाप्त स्वापत

১.१५ বন্ধী দ্বিদ্দের বাদ্দ্দ্দ্দ্দ্র শ্রী শ্লুদ্দ্

श्रुक्त श्रुप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्व

चे त्र्ह्मेट च्रित वट क्रव यो ट्रिये जीवा अञ्चर्स स्वयम् स्वर्ण स्वरम् स्वर्ण स्वरम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् स्वरम् चे त्रिया स्वरम् बिट्यानयानेयाचेश्वयान्ये चेयां ने व्यवाक्र भ्रीयान्य प्राप्त क्यां प्राप्त प्राप्त प्राप्त क्यां प्राप्त क्यां प्राप्त क्यां चव्या हिया होत. तथा श्रायत सूर्य श्रीय वीता होया अर्थर चव्या हे विष्य देवा चित्र स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय दे दर्भ ह्रेंद्र कर्न वर्ष राज्य कि राज्य हिंदा कर्म हिंदा का जा का जाने के लिए हिंदा के लिए हिंदा के लिए हिंद इंट विट ने अर नु क्रिन नु कर खेत्र क्रिन व्यक्त क्रिन क्रिन निवास क्रिन ने निवास क्रिन क्रिन क्रिन निवास क्रिन क्र यंत्रक्षत्रायां गुर्दे विद्राक्षेत्र या बेद्दा तद्वा देव र्ये के नवं के विवाय क्षेत्र नविवाय विवाय विवाय विवाय ब्रैं अपर में ब्रेय ख्रिय ब्रेन प्राप्त विश्व स्पर्देश के वर्ष स्था के त्या के त्या के त्या के त्या के त्या के अंभ्राप्त के प्राप्त के त्या क इ.ष्ट्रब.क्षेपु.ट.क्वेज.क्वेब्र.पूर्वो.धे.यथैवो.तथाँ टे.सूट.क्वेट.क्वे.यथैय.क्वेब्य.क्वेब्य.क्वेब्य.स्वेच्य.क्वेच्ये लट.घट.क्षे.व.यथे.क्वे.क्वेव्य.क्वेब्य.क्वेब्य.क्वेब्य.क्वेब्य.क्वेव्य.क्वेव्य.क्वेब्य.क्वेब्य.क्वेब्य.क्वेव्य चर्याचाचसुर्वेत् वित्रदर्भे ग्रुट् सेर् चार्यर भ्रुष्ठा कर्याचा रेषणाया वर्षे चर्या वर्षणाया वर्षे सेवा वर्षा वर्ष चॅठन् तृष्टित्यां ने न्यान्त्यां सु तर्डें न तिन अवयाया नु स्वारें देया ने पाया दे प्रायत वार्डें न या विपायन अवि स्वारं न से न्यान के केव र्यं हिण द्वीर विवास महित विवास में विवास में विवास में किया में विवास में किया में विवास मे रिष्ठी दियासु के माने माने दे में ने प्रति होता है जिया होना होते सम्मान स्थान स्यान स्थान यमार्डमाबर दुःश्चेन दे र्च क्रमाय दूर सर्च या निर्माय क्रमाय दे दुषा सुर्वे तुषा सुर्वे स्थाय दे सुर्वे ति स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स द्याःक्ष्वित्रः वृत्रः स्वाः स्व वंगायबुन्'यमं स्वित्रं त्यमः वृत्रं प्रवित्रं प्रवित्रं प्रवित्रं प्रवित्रं प्रवित्रं प्रवित्रं वित्रं प्रवित्र घट स. स. में त्या में त ब्रिकाम्हिरामते दुवासु न ब्रियान्य देशान न स्थान स्थान स्थान स र्वे त्याविक्षामाशुरा दे त्यूयां क्षेत्रे विमाने क्षित्र त्यायां चायदे रहे अपने में दिना देवे त्यायां चायदे त्यायं चायदे त्यायं चायदे त्यायं चायदे त्यायं चायदे वारायरायं वाराक्षा स्वार्थित वारा श्रीता के विवाद के विवाद के विवाद के किया के किया के किया के किया के किया के म्श्रीं व त्या त्या व त प्रयम् वीत् भ्रम् ते कुर्वा चीत् प्रत्या विषय प्रवासिक प्रतम् विषय प्रवासिक प्रवासिक प्रवासिक प्रवासिक प्रवासिक प्रवासिक प्रत्य प्रवासिक ब्दा बुद्दे त्युद्द त्या के ने स्वत्य के ने स्वत्य के ने सुद्दे त्युद्द के प्रति के स्वत्य के स् ट्वायीवा रट्वीयानुस्यासु र्श्वेट चासव ट्वायीव वासुट चया है ही वास्त है या चित्र प्याय स्वतं स्वर्ध स्वर्ध स्वर म्बेनिबायमा निक्षित्वा स्वाप्त स्व <u>कुर्य, सुच्ची, सृची, जृय, ब्रिट्र, ट्र्मूय, स. लूप, ज्ञान, ज्ञान, ज्ञान, ज्ञान, ज्ञान, ज्ञान, ज्ञान, ज्ञान, ज</u>्ञान, ज्ञान, ज्ञ देर'वर्चे'अर्वेद'छुन्'अन्तरंपञ्चअबादेषं'चेंद'हे। छुन्'अन्तरं धुन्या'अन्तरं नुन्य'त्रदे'क्रिंचें'बेद'र्घेष'अन्तर्भान्य'क्रिया'अन्य'क्रिया

कर् केर र् ' चुं के र् विकास चुरा र्ग्र के श्र इं विवेद पर्व अंदे र कर्षा के सुने से विका के जुन स्वा के सुने प इंट्राचाया हेरान्यू विकार्त्य क्षेत्र प्रदेश क्षेत्र प्रदेश के वास्त्र क्षेत्र प्रदेश क्षेत्र प्रदेश के विकार नवियायम् छेव् माञ्चित्रं मुक्तावय्यव्यक्षात्रवात् । त्यात्रवात्रं देवा न्यात्रवात् । त्यात्रवात् । त्यात् । लट् ब्रेच वयाच्या स्थान व लट् ब्रेच स्वा क्रिया व लट् क्या क्रिया व लट् क्या क्रिया क् क्षां गुप्पते नोबुट रेट र् क्षेत्रं ह्र स्वां क्षेत्रं गुप्पते नोबुट नीबा किं कें नार त्वें प्रत्र हिंद तिहित पार्थ के नाबुट के कि स्वेर पित्र प्रत्ने प्रत्यां - श्रुयाया चुरा गुंबुरा। ने देव वा विरामें स्वराया प्रोक्याया से विषा व्यवस्था विषा विषया है। से विरामें विषया श्चिमायम् अह् न ने में अप्तर प्रेष्ट्रेन पर हेंगमा ने नमायार में श्चेर पर्विमायार के प्रथम नमायार में मिर्टिंग के एत्र प्रथम के प चर्चेतात्त्र चर्चेत्र चर्चा क्री का चर्चेत्र चरचेत्र चर्चेत्र चरचेत्र चर्चेत्र चर्चेत्र चर्चेत्र चर्चेत्र चर्चेत्र चर्चेत्र चर्चेत्र चर्चेत्र चर्चे मी सह रह मिट देर लट पूर्व राजन के स्वाप्त के में ति स्वाप्त के में ति स्वाप्त के स्वप्त के स्वाप्त के स्वप्त यम् वर्षा वर्षा त्या वर्षा त्या होत् । वर्षा वरव धेव' श्वरायस्थर कर कुर्या प्राधेवा दे 'यद त्याचेव 'तु हुर्य केट हो 'यस खुर प्राये 'यह किया वीय सुरह स्वर्य परि 'सु 'यह 'वादिवा क्वर प्राया हि से प याग्रवमायास्त्रमाण्याः श्री चेवायाया वित्येषाध्ययास्त्रम् । वित्येषाध्ययास्त्रम् । वित्येषाध्ययास्त्रम् । वित्येषाध्ययास्त्रम् । यर चुंब दब मानवार ने हिन के बादे प्राप्त के मानुद दब मानि कर्त हिंद वा चुंद वी कि मानि के बाद वा के प्राप्त के मानुद के विकास के कि प्राप्त के सूर अर्रे तथ केवी जिट रे मेर्य स्थापिक छुका मुन्य केवी मिर्म क्षेत्र केवी का कुर मिर्म केवी जिट स्थापिक केवी मिर्म केवी जिट रे मुर्म केवी जिट रे मिर्म केवी द्याच्यास्याचीयात्रीतः प्रत्यास्य स्वायायया प्रत्यात्राचायाः वित्यास्य स्वायायाः स्वायायाः स्वायायायाः प्रत्याय इत्याचास्याचीयात्रीतः प्रत्यायायाः स्वायायायायाः वित्यायायाः स्वायायायायाः स्वायायायायायायायायायायायायायायाया स्र-भूगि.वी.की.की.प्राचीकूजी ट्वट.श्रट, हं श्रें क्रुजी विवी. येशीवर वी. येश वश्चें प्राचेश्वें वी क्रुजी क्रिया श्रें ही ये. ता ही य मुस्ता दे त्यावयान्तर प्राचीनवान नवाची अवस्था विक्रिष्टी विषय हो निषया नुस्ति विषया नुस्ति विवास हो विकास विकास देति क्रु अळवे लुंब राबा हिट क्रु लेंबब द्राव वर्षे प्रते हिना वर्षे व ना होट । ही र वेट लें खेनर हैं ना ब हो ने बब कर हो देव सह दर्प स्वापम्बारान्त्र्याः स्वापान्तः स्वापान्तः स्वापान्तः स्वापान्त्रः स्वापान्तः स्वापान्तः स्वापान्तः स्वापान्त्रः स्वापान्तः स्वापानः स्वापान्तः स्वापान्तः स्वापान्तः स्वापान्तः स्वापान्तः स्वापान्तः स्वापान्तः स्वापान्त वयाश्चिमायमाश्चिम् इत्याप्त्रम् वर्षात्रम् वायमा क्रिया श्रीया श्रीया श्रीया प्रमाण मही वाया प्रमाण प त्रिना चेत्रप्ति में द्वार्य प्राप्त के नेवन छैन ली नेवन सुर्ति यह से यह यो प्रवेश प्रकर्तिन स्राप्त के प्रवेश हैं। रवे वया ने पावया की या या है। पायुर पठने पड़िन पर बी झाप्यया थे परे बी करा का झीया पावी पर्वे वर्षों के वायर्पे पर्वे व च.वी हुब.च्.कु.न.च्चुन्नब.डी्ज.टे.व्रूचे.वब्र.चेब्ट्रिं क्च.क्.चेब्ज.रच.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च्ये.ट.चेक्टे.पच्चेरी कच.क्.चेब्ज.च.वी क्च.क. पट्टेंब भी जिल्ला विकास में विकास में में किया म

વર્ષેત્રાયાતાલું મેન્ટિ.વેટ.લેટ.લેટ.લેટ.લેટ.લેટ.લેટ.લેટ.લેટ.લેટ્રેય.લેટ.વેયા.લેટ.વેયા.લ્ટ.તાલું મેન્ટ.લેવાયાત્વ આશુંદ્રી તતા.સ્.મેં.તે.તલેવાયા.કુદ.ખ.ભદ.વાનય.વાનુય.વાલય.ટે.લટ્રેય.લાગ્રુંદ્રી તતા.સ્.મેં.મં.સ્ય.સ્ય.સુવા.વલુ.ત.કુ.વાંશેટ.ભદ.ક્ષ.યે.જી. मर्बेन हिक्द देंद अर्थेंद्र विद्वार्थ ने मुक्त मुक्त मुक्त मुक्त का मुक्त मुक् त्य न्दर्न्य में क्रिया नुस्य प्रमुक्त प्रति वार्ष्य प्रमुक्त अक्षर्म क्रिया क्षेत्र स्थान क्रिया क्षेत्र स्थान स् सेव्य के त्या के स्वाप्त के स्वाप सेव्य के स्वाप्त के स ब्रैन्य की प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त की कार्य ने की कार्य कार्य की कार्य कार्य की कार्य कार कार्य कार कार्य कार्य कार्य कार कार्य कार कार कार्य कार कार्य कार कार कार कार कार कार ब्रुट् विश्वत्राम् अ.मू.चर प्रदेग् चर् वंद्र वंद्र विज्ञान होत् व्याप्त व्याप्त व्याप्त विद्र विश्व विष्ट विश्व इ.पषु.ज.रेरीब.बी.क्री.वी.वा.क्री.जा.क्षेती.जीट.रे.ज्यवा.वेबा.क्रू.ट्र.बी.जा.क्रू.वा.क्रू.च्रीची क्रूर.वाची वा.त.रेराती.क्रिया.बी.क्रू.चरीची ब्रू. ॺॎॸॱॿ॔॓ज़ॱॿऀॺॱॾॕॖढ़ॱक़ऀॺऻॱॡॹॱफ़ॗॣॺऻॴॱफ़ॗॣॺॱॸऺऺॸॣॻॿॷॸॱऄऀख़ॵॱॳॳऀज़ॱय़ॱॸऺॸऻॳऀॱऄॗॸज़ऻऄॣग़ॿऀ॓॓ज़ॺ॔ॣॿऻॷऀॹऄॗऀॺ॓ज़ॹॗऄज़ज़ चयः क्रेंट क्र. वर्षेश्वा अहूं हे त्वची वर्ष्य त्वट विचे क्षेत्व वर्षा वर वर्षा वर्ष ङ्खानासुरुषाची वर्तवानर्रेष्ठे स्वार्थान्त्रवान्त्रे स्वार्थान्त्रे स्वार्थान्त्रे स्वार्थान्त्रे स्वार्थान्त्र क्रॅट.ज.सूर्वाय.टेनवी.शुट.सेजी ब.सू.झैल.क्री.जू.जू.चवी.सू.बीटु.क्ष्य.इश्य.वाट्य,टेट्य.त.वायय.तय.मुव.विवाय.सीवी.शुव.वय.शी. विञ्चनाञ्चानित्रे प्रोत्तर्वित् प्रेत्यावर्षे प्रमुखन्ति । अवे प्रमुखन्त्र ज्ञानित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क त्र.ज.र.न. अहूर. क्रि. इ.म. विर. क्रि. जि. हे. क्र. जॉट. क्रि. व्यव त्याय. चे. जया. विराण क्र. क्र. विराण होता क्रीय. चर्षिय.त. हे. जूपु. रहीर, र्रट. रहीर. क्र. हिर. जह जावाज्य त्याय. चेट. जूय. या होटा। अर्थ. क्रय. चुर. हे. विराध प्राचीय. हे. होया होया क्रीय. चर्षिय.त. हे. जूपु. रहीर, र्रट. रहीर. क्रि. जि. हो. जह जावाज्य स्थाय. होटा। अर्थ. क्रय. चुर. होया हो हो होया होया ह्मणबाडीय नश्चरात्रीय श्चित्र प्रमुख्य स्वाधित्र स्वाधित् बर्नात्विर्वाबांबुःवार्ष्यां ने विवादित्यायार्येव परावत्वां मुबाद्वेयायां यता मुवावीवावा ने यावत्वा मुबाद्वेयाया रैव-र्रे केंद्रे-क्रिंग अप्येव-पं यो नुषा ध्रेष-पर्यो अर्पेव प्रोवीवाय वया स्वारा श्रम्य स्वरं पर्य केंद्र पे प्रमाण विवास पर्यो अर्थेव की स्विता खुद्रां बदायां के बार्यते प्रतेव दे प्राप्त दे बिबा ग्राप्त ही। वर्षे अर्थि व दे दे के बिद्रा के बिद्रा होता है के बिद्रा के बिद्र के बिद्रा के बिद्रा के बिद्रा के बिद्रा के बिद्रा के बिद्र के ब मु.लज.च.खेब.क्य.च.वाबेश.लूट्रेय.कुब.कुब.क्यूब.बु। लच.लज.भी.जट्.बु.क्षेचा.जट.घट.त.कुब.चू.टेट.चाडुव लच.चब.चूंचे.लच्य.य भी.लज.च.खेब.क्य.क्य.चीबेश.लूट्रेय.कुब.कुब.क्यूब.बु। लच.लज.भी.जट्.बु.क्षेचा.जट.घट.त.कुब.चू.टेट.चाडुव लच.चब.चूंचे.लच्य.य क्षेता.अट्..घट.त.कुच.सूपु.र्षेत.चया अर्गू.लत्यय.ज.पट्टे.र.सूता.ग्रीय.सेता.अट..चेंट्टा व्रिट.ग्री.सेत.टे.त्यचया त्रीय.हं.चु.वाचप.चया.कुय.अक्ष्री पुच.द्रा.कु.रा.क्षेत्रया.च.त्येत्वा.ग्रीय.क्षेत्रा.अट..चेंटा व्रिट.ग्री.सेत.टे.व्ययया.चेंवा.सेवा.अट.चं पर्वो है. र.ज.सेजी प्रविज क्रिक प्रवेज क्रिक वांश्वर नमा प्रवेज जाना है में में जू वांश्वेज वांश्वेज स्तु न वांशे वांशे में माना वांशे सु नदी मित्र मान्य मान्य मिन होता है में श्वर महत्य में महत्य महत्य महत्य महत्य महत्य महत्य महत्य महत्य महत्य ठेवा:ळवांबाचुबार्येन वांबुटा ह्रवा:खटा घंटांचाळेवार्येबाखान्छच्वेबचां खेवाबाळीचा वो त्यांचाखेटवांचा के वांबुखांचाळु मुड्रेम मुंब के स्ट्रा स्वर मुंब है के अट हु नक्षेत्र वक्ष मुंब स्वर मुंब स्वर मुंब के कि स्वर मुंब स्वर म ब्रूँट थे.ज.वर् अह्जान्त्र ज्ञात्र प्रति तुर् प्रति उ.विट जा च्रेंच क्षेत्र प्रति क्षेत्र अप क्षेत्र में व्यापन स्ति विद्या विद् ॻॖऀॴ ढ़ॿॖॸॱॸॣॸॱऄऀॻॱॹॖ॑ज़ॱॸॖॱॡॖ॔ॻॴ॑ॱॸऀॱॿ॓ऀ॓॔ज़ॱढ़ॿॸॱॸॣड़ॱज़ॱऄऀॻॱऄॕॗज़ॱज़ॱॿॖॕॸऻ*॔*ॱॸ॔ॻ॓ॱढ़ॸॣढ़ॱॾॺॴॻॖऀॴॴॿ॑ॸ॔ॱज़॓ॱज़ॹज़ॹज़ॹज़ॱऄॗॴॴॹॗॸॱॗॸ॓ॱ द्रव.त्.कु.च.ज.चर्थ्य.क्टे.क्ट्रेय.बिय.त्या क्रि-ट्रा.प्या.क्र्या चर्थ्य.क्टर्.वी.क्र्य.क्रि.क्रि.क्रिय.क् बब्धीटानेबचान्नीः श्रीत्रास्त्रीं वर्ष्यास्त्रीत्रात्त्रीत्त्रात्त्रीत्त्रात्त्रीत्त्रात्त्रीत्त्रात्त्रीत्त्र चिवार्स्यन् वार्ष्यन्। नेवान् स्वान्त्रं निवान् वार्षाव्यन्ते वार्ष्यन् वार्यन् वार्ष्यन् वार्ष्यन् वार्यन् वार्यन् वार्यम् वार्यन् वार्यन् वार्यम् वार्यन् वार्यन् वार्यन् वार्यन् वार्यन् वार्यम् वार्यन् वार्यम् वार्यम्यम् वार्यम् वार्यम् वार्यम् वार्यम् वार्यम् वार्यम्यम् वार्यम् वार्यम्यम् वार्य चे नविव गहिर्न्य है ज्या न नहें वा वक्षणविव के में बादिया है प्राप्त के स्व के बर-पुंचर्रि ही-राष्ट्रमा खर-घर्प के वे र्राजियकुर्प प्रमुवा कि.श्रांचवे वापते के स्वायि मिर्पायक वित्रायक वित्र त्तिन्त्रम् स्त्रीत्राच्चेत्रम् स्त्रीत्वाच्चेत्रम् स्त्रम् र्रा इंश्रेषां अहर् वा अविवर्षे प्रायत देव के प्रायत वे के प्रायत वा विवास के वा अहर् प्रायत वा विवास के विवास कर र्देर न भी वे वे बा मा सुर व मा मिर्या मार्थ के बार में स्वाय कर मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ मार्थ के मार्य के मार्थ के म म्बिन क्रिक क्षेत्र त्री म्बिन स्वर्थ क्षेत्र त्र क्षेत्र क्षे यूने मक्क्ता मूर्या वार्षा अहूर नयर अट रे. वीरा मह्यू तर मुचे तर प्राप्त के अहूर मार्थ के स्वाप मुचे के स्वाप मह्यू के स्वाप महिला के स्वाप महिला महिल रान्तर्भुबानबालका नेत्र प्रदेश की वर्ष त्रावर विवाद पर्वाद राज्ये वाराय हिना प्रवेद वा दे हैं बाद है वा प्रवेश र्यानवित्यापरिः स्रवासितः वर्षाते स्रानवित्यापानिता वित्यापानिता निर्देश्यास्य स्रवासित्या स्रवासित्या स्रवासित कुवानविद्यानपुः मुस्याक्रीयातात्वा मूर्यानयां भूतान्यां भूतान्यां मुस्यान्यां अकूनावदाकुरायात्राम् भ्राप्तानाम् तियंत्रात्रक्वीत्रम्भ कुषाद्वीत् वित्र वित्र वित्र ह्यां प्रवित्र ह्यां प्रवित्र प्रवित्र प्रवित्र प्रवित्र प्रवित्र वित्र वित्र प्रवित्र प्रवित्र प्रवित्र प्रवित्र वित्र प्रवित्र प्रवित्य प्रवित्र प्रवित्र प्रवित्र प्रवित्र प्रवित्य प्र चगाना नुषार्देन नषानि । चर्चा में नषानि । संदार् । इत्या देते 'स्रोनषा सुं स्त्रा अद्ति 'स्रे स्रोन सुन होने हैं । स्या दे । स्या हो सुदा ठेषा चुंबर द रचनर चे र वंबर ब्रीट पी अर्षे र चुबा अर्केंद (पंट गा पं पक्केंद्र ख क्रियर ब्रिट गा कर पंची ता के बा विअव ब्रीट गा कर ૱૽ૺઌ૾૾૱૱૱ૹ૽ૼૺ૾ૢૻૹ૾ૺઌ૽૱ઌ૽૽ૹ૽ૹૣૻૹ૾૽ૼૢૺ૽૿૽ૢૺ૽ઌ૽ૼૹ૾ૻઌ૿ૹ૽૽૱ૹ૽૽ૹ૽૽ૼઌૹ૽ૺૢૹ૽ઌૹ૽૽ૢૼઌૹ૽૽ૼૺઌૹ૽૽૱ઌૹ૽ૺઌ या वित्राचनित्र में अभूता होता हुन है तर्पा के पार्र है भूगा श्रीता बिताया के तर्पा है में साम प्राप्त में महिला है के पार्र में महिला है के प्राप्त महिला है के प्राप चर्छे चर्छे । वर्षे वर्षे वर्षे निर्वा निर्देश कर्ष वर्षे वर वद्वसं मुग्सं त्रोंन् न्वेंस्युद्धित स्वतं त्रार्थित है सम्बद्धित स्वतं सम्बद्धित सम्बद्धित सम्बद्धित सम्बद्धित यां के निर्वेता होता वर के विवासनामान कुन कु सामित्र में ही वर्षा देतान अर्थेता वात है ता वर्षा वर्षा वरा वर्षा त्र्र्ज्ञानं अर्थेट के जो के कि कि के कि इस्रकाश्चारतीयात्रेत्राचित्राचात्रात्रवाचात्रात्रवाचात्रात्रवाचात्रात्रवाचात्रात्रवाचात्रात्रवाचात्रात्रवाचात्र ॱॼॣॸ॔ॱऻॱॠ॑ज़ॱॶॸ॑ॱॸऄऀॱॿॖॖऀॱख़ढ़॑ॸॱॡॕज़ॱ॔ख़ॱॾ॓ॸ॔ॱॸ॑ढ़ॸॱॸऀढ़ॱय़॔ॱ॔क़ॆॱढ़ॸऀढ़ॏॱॸऀॸढ़ॹॹॱॻॹऄॱॶ॔ॱॿॖऀॶऄॱऒ॔ॱऒॱॿॗॶऄऀॱऄॕॱॴ ल.चार.लॉट.अ.पर्यू.चोबीट.बॅब्री ज.ज.जं.ब्रिटे.क्रीय.ब्रिट.क्रर.च.लुब.चीबीट.ब्रट.चा.ल्यूचीब.त.अट.टी.शहरी छे.चोबब.झ्यब.ल्यट.हे.टीटी. यहर्प.टीट.झै.टिट.क्र्यूच्.टेट.ब्र.चालू.च.ज.ब्र्चाब.अट.टी.वैटा. क्रुच्ब.पटीचा.बिट.ब्रट.ची.ज्यूप्ट.क्रू.वैटा. ची.त्र.चालब्र.चाल्यूच.टे.एक्र्यूच्.झ्यब. र्यान्द्र्ये:वैद्यायार्थेन्यायार्थे:क्वेन्यायाः केव्यायायायाः विद्यायायाः विद्यायायायाः विद्यायायायायायायायाया ला. श्री. चर्नेश्रमा कि. त्यो. तर्र. क्षेता. लीट. वटा तपु. ये वा क्षेत्र ता क्षेत्र क्षेत्र त्या क्षेत्र त्य त्तर् त्रां ने किया में विवास के के प्राप्त सहरी विश्वर्थावर वी विराधि स्वावीय प्रस्वाय सम्प्राधित विश्वर विश्वर विश्वर विश्वर विश्वर विश्वर विश्वर विश्वर बर्वा क्रुंब हिन क्ष्यमं स्टब्ब के स्टब्ब के स्वापन के स्वापन स् यहर्ने वयानिहे वे प्रमाहिताया में पर्यु ति प्रमाहित यह ने यह प्रमाहित प्रमाहित प्रमाहित प्रमाहित यह में स्वाहित प्रमाहित स्वाहित प्रमाहित स्वाहित प्रमाहित स्वाहित प्रमाहित स्वाहित प्रमाहित स्वाहित स याया देव दें के मोने मुक्त मानव कर मेन मा मोने राव तु अर्दि । नहिया की मान्दि । निर्देश के मोने मुक्त मानव के मोने मानव निर्देश के मानव निर्म के मानव निर्म मानव निर्म के मानव निर्देश के मानव निर्वेश के मानव निर्देश के मानव निर्म के मानव निर्म मानव निर्म के मानव निर्म मानव निर्म के मानव निर्म के मानव निर्म के मानव निर्म मानव निर्म मानव निर्म के मानव निर्म मानव नि

चर्डुणमा मूँ उ.चेंट्य मुद्देर भें चेंट्य मुद्देर में चेंट्य होते हो। यह व स्थेय हुँ ट.चेंच्य प्रमुद्देर या क्यम हूँ या देंच हो हो है से मार्ट्य प्रमुद्दे हो से प्रमुद्दे हो स याच्चित्रं त्रमाञ्चार्यात्रमण्यात्रात्तराष्ट्रणा हे च्चित्रं यहत् महत्या महत्या स्वर्णात्र्येत्रा प्रवित्ता वित्रात्त्र वित्र वित्रात्त्र वित्र वित्रात्त्र वित्र इसम्प्रांटर्पः हिमासाधिताचार्यस्य केषायां हिमासाधिताचार हिमासाधिताचार हिमासाधिताच्या हिमासाधिताच्या हिमासाधिताच चगायः वार्यायाः विश्व स्वां विश्व हिया ने दार्याया निया विष्य प्रति । विश्व स्वां विश्व स्वां विष्य स्वां विषय स्वां विष्य स्वां विषय स्वां विष्य स्वां विषय स्वां विष्य स्वां विषय स्वां विष्य स्वां विषय स्वां विष्य स्वां विषय स्वां विष्य स्वां विषय स्वां विषय स्वां विषय स्वां विषय स्वां विषय स्व र्-दें। ब्रेंबरनदः चर्नः तनरः दें ता ख्रबरं नहीं व्येन् रांदे के विषय सूना तुरा धर्मा व्येन निषय क्रिया क्रिया त्रियो लग्नु प्रमान के का जान के का जान के का जान के ज ्रवित्ता जूट् जूँ नट न्युषुष् । श्चि शं श्चि पूर्त तथा श्चे था से वी जिट हो श्वे तथा से से वा लिट हो वो से वी से से वा लिट हो की से वा लिट हो से वी से से वा लिट हो की से वा लिट हो हो त लवायार्टिराम् मुन्या विषया विषया मिन्या मिन् द्वीद्रावीत्वरुष्ट्वीत्वावाववर्षावद्वास्त्रुप्तद्वा श्रीवाद्ववाववायायायावावावायायायायायात्वाद्वात्वात्वात्वात्व ल्ब्रां ब्रिंबर हें व्यानक किर्ताय के प्राया के प्राया के विश्वास यथा वे.स्.सप्.सप्.सप्.क्ष्यं इ.एग्रेजा यट्र.अक्ट्र्याःक्षेचे.चंकैटी अत्रयःयश्चेट्र.थेत्रः हुजा स्व.क्ष्यं हुजा ट्रेच्ट्रा व्यवज्ञात्त्रः वित्रः वे.क्ष्यं हुजा स्व.क्ष्यं स्व.क सर्व हुन मन्त्र प्राप्त प्रमान्त्र प्रमान्त्र स्वापनि टट शहला विश्व व से स्वास्त्र के स्वास्त्र क ह्वाची तु मुद्रा अवायाय श्चित वाहेर होत तु रहेर या अवाया हुया या हित रहा इसमा श्चित वाहेर होता यह ते वाया रहेर से हा दिवेर र्रान्द्रिं चुर्नेन हुं निक्ष मुद्रा में निक्ष विद्या विद् र्चे तस्तर रे विरायर प्रेर्ण प्रमा के मार्च रे पूर्वे या में स्वार्थ में स्वार्थ में स्वार्थ में स्वार्थ में स बेर प्रचित्रगावमा श्रिम देवें वापवर देवें पं देव केवर मण विषय प्रवास माना महितर पर हिंगाना दे विषय महितर साम हिंग स्थान हैं विषय हैं के स्थान है स्था स्थान है स्थ बू रेंदि केंबा दुर्ण देर खुण कु केव रें भाषाना वाद्यकारा अरे दुर्ज वुषा वेषा से पार्ट दुर्ज पुरि सु देर प्यारे के अहला पार्ट क्षा या किया विश्व से पार्ट से पार्ट के विषय के स्वार पार्ट के स्वर के स्वार पार्ट के स्वर के स्वार पार्ट के स्वर के स्वार के स्वार पार्ट के स्वार पार्ट के स्वार पार्ट के स्वार के स्वार पार्ट के स्वार पार्ट के स्वार पार्ट के स्वार के स्वार क बोद्दात्रमा हुन्। त्राचमका महित्राच महित्राच महित्राच महित्राच महित्राच महित्राच महित्राच महित्राची महित्र पित्रियं है। वार्ष्य स्वर स्वर सर्वे वार्ष्य सिर सिर्म सर्वे वार्ष्य हैं वार्ष्य सिर्म हैं वार्ष सिर्म हैं वार्य सिर्म हैं म्पूर्यात्पर्ये अह्र वेषात्रात्रे वेषात्रात्रात्रा हो व स्थाने स्थान स्थाने स्थान स्थाने स्थान स्थाने स्थाने स क्रियाट्याह स्रेर् पंश्चित्यायाचित्र ते ब्रिट् क्षेत्र में पठताया प्रतास्य स्था वारा प्रतास स्था वारा प्रतास स चॅर-प्रविण रर्राते वे णुसुअ पासु के प्राणेत्व सर्वेपसावस्य अर्द्र क्षेत्र इस वर्ष वर वस्य स्वर्ध का मुन्य स्वित प्राप्त के स्वर्ण स्वर त्तर्न्यात्री मूंबाराम्बाक्त्राम्यात्र्वात्रे व्यापावे राम्यात्रात्रात्रात्रे व्यापावे व्यापा इत्रे केल स. क्रिया क्रिया विश्वा के क्रिया के क्रिया के क्रिया के क्रिया के क्रिया क् यद्भायान्त्रितः हेव.चर्यान्त्रीयान्त्रियः यो विष्टान्त्रे स्वर्षः स्वरं स्वर्षः स्वरं स् ह ने ब न कु दि द दे ते प्रकृत प्रकृत स्था द ब के दि पर परि के प्रकृत के ते हैं कि स्व कि स्व कि स्व कि स्व कि स र्त्र्वासु केंबा है 'न्य्यानवर्ट से न्ट्रा वांदुर चुंच्याचा 'बावद से वार्डर या क्रेंच 'न्येंद क्रुंय या गेंद य ने रावी वांद्र से वांद्र स्वाया स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं स ब्रैंबर्जनम्बर्धां वर्ष्मेति वर्ष्मेति वर्ष्मेत् वर्ष्मे वर्ष्मे वर्षेत्र क्षेत्र क्षे कें.शु इ.र्ष्ट्रपु न्यू-प्रचीत्र ब्यू-पर्विवाया निर्वाट ज्यू-विवादि है. इ.स्यू-प्रचीत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विवादी क्षेत्र क्ष न्बर्स्या भ्रायकेर् के के प्रमानित अहर् पेते अपिन भ्रित के प्रमानित के प्रमानि र्थमाण्ड्रवाचा प्रति में के प्रति स्वाचा प्रति स्वाचा स्वचा स्वाचा स्वचा स्वाचा स्रीयका ग्री त्रांचा वार्ट्स स्वार्थ के त्रांचा वार्ष के त्रांचा के के त्रांच के त्रांचा के त्रांचा के त्रांचा के त्रांचा के त्रांचा के त्रांचा के त्रा

लियः क्र्याक्षेत्रा ग्री : खंबर्ये : खंबर्या खंवर्या क्र्या क्या क्या क्या क्या विषया विषया विषया विषया क्या क्या विषया विषय न्विवाया सङ्ग्यामु उति दुर पु न्याय पङ्किर भी वारस्य प्रस्य प्रस्य प्रस्य प्रमाय स्वी प्रदेश के वार्ष में स्वी ॱटावाबुंब्राचाबाब्राचुःलासङ्कुः वासुँ वाद्वाबाबर संवुवाबाबुः वार्ष्यलानुबन्धाद्याया । द्वाविष्याक्षेत्राचाविष्याक्ष रङ्गांगु दु वी म्याप्त्र में प्राप्त के प्रा सून-देर्त्य-ब्रु-त्ना-तन्त्र-त्न-तुन्त्र-तुन्ति। त्य-नदु-दुन्य-त्य-त्न-द्व-त्य-त्र-त्र-त्न-क्रिय-त्य-क्रिय-त्य - त्नु-त्य-क्र-त्नु-ल-त्व-त्य-त्य-तुन्तु-तुन्-। त्य-नदु-दुन्य-य-ल-त्व-त्य-त्य-त्व-त्य-क्रिय-त्य-त्य-क्रिय-त्य-तह्यान् चर्ना वन्ना वेन केव या ज्ञान या मुलायक वा गाव न्याय केट में इस्र व पक्षेत्र व व के केवा साम विवास है के गुविः श्रूर्वं प्रते द्वार् प्रदेश मुवि श्रूर्वं प्रवास्त्र स्वास्त्र स्वास् वायर के अह्र देव्या प्रेंच तर ह्वाया वायर स्वाया विद्या हि स्वाया वायर के वायर के अहर के वायर के अहर के वायर के के अहर के के अहर के वायर के के अहर के वायर के अहर के वायर के अहर के अह र्मराग्यं चर्यां योविषाया पार्वे र तसुर्या यावे र तस्य पार्थे यावा पार्वे हु या क्रिक्त के के विषय स्वर्थ है या के या विषय पार्थ के विषय लानिवामा क्रमा ग्री हे रहु मार दी ॲवरनिवा स्वामा हे स्मिनमार एस मासिका महिला स्वामा क्रमा मासिका मिला है स्वाम ग्रीय-र्मुब-त्रमून, ब्रम्म-र्माट, मिट, जु. व्हान प्रकार निष्या निष्या में क्षेत्र स्वामा प्रकार में मिल क्षेत्र स्वामा स्वामा क्षेत्र स्वामा प्रकार में मिल क्षेत्र स्वामा ब्रह्मी ने वयं हैं क्रें वेट्रें में क्रिया वर्ष के प्राप्त के प्र बबा क्षेक्ष्य.क्षेत्र. महास्त्रीत्त्र, महास्त्रीया क्ष्याची वात्राय होता क्षेत्र. स्वाप्ताय स्वाप्ताय क्ष्याची स्टार्खेट या वात्राय होता स्वाप्ताय क्ष्याची स्टार्खेट या स्वाप्ताय स्वाप्त तालीवायाम् विवादा प्राप्त विवादा प्राप्त के में के स्वादा के स्वाद प्रविद्याना में व क्षेत्र हैं व का आवंद न्यूया प्रवर्त दी। यें प्रवर्ति पाया भेषा दे व के व निता सुवा के त्रा ही व के व हिंदी के के व हिंदी के के व हिंदी के कि व हिंदी के कि व हिंदी के व है। हिंदी के व है। हिंदी के व है। हिंदी के व हिंदी के हैं। हिंदी के व हिंदी के हैं। हिंदी के व हिंद गीयर्चात्रात्त्री वयात्राप्तर्थम् अवित्या ज्ञान्त्रम् वयात्रवित्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्र तित्रवा भ्राणां वयात्राप्तर्भवात्रः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे त्तात्र अद्भुमारिष्टमा रेगीटाजु नर्थे त्या न्याने मान्या म स्थयः अ. प्रमुं ययः प्रमुं प्रयाप्त प्रकृत्व ते प्रमुं प्र ययदः द्वा द्वाञ्चेत्रः हेटारे यद्देवाया चतुर्वायाया वायदाया अस्ति स्वया स्वया वायदा वायदाया स्वया वायदाया स्वया चकु. च्येन् .ज.कूब. इ. यं. यं. कुब. येट. इ. जब. टेब. पर्यूच हिंदे, पर्टेव धिय. त्यु. टेबूट ब. केवी श्री ब. य्या जा व्यू वा बाय प्राप्त वा बाव पर्यं वा ब्यू कुलायात्राचिकामीटानेकान्यायात्राचीटा। येटात्राश्चार्षेत्रावामी कुल्याचेताल्यात्राचीटाही। यात्राचीयात्राचीयात्र इ.जाहीयावासी कि.पेट्राहीयावालवायासीटा। प्राप्तासी प्राप्तासी कुलावायात्राचीटाही। यात्राचीटा स्वाप्तासी स्वाप्त त्याप्तृत्त्रे अस्त्र मुद्राय्य मुद्रायत्त्र मुत्र स्त्र प्तर्मे प्रम्य प्रम्य स्त्र प्रम्य स्त्र प्रम्य स्त्र विवा प्रम्य मुद्राय स्त्र मुद्राय स्त्र मुद्राय स्त्र स्त्र प्रम्य स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स् ट.पह्रच.श्रु.श्रु-.प्.मुच.प.कु.प्शुट.श्रु ग्रुप.क्रुच्.स्.श्रुच.स्.इ.स्.च्यू-.प्.मुच.प्र-प्तेन्.त्.सुचू-.र्याचेत्रस्य प्रमास्य र्वाष्ट्राच्या व्यवस्थान्त्र क्ष्याचा क्ष्याच्या क्ष्याच्या व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था क्ष्याचा व्यवस्था विषय स्था विषय स्था विषय व्यवस्था विषय स्था व त्रीयो ज्ञानक् क्रि.स.स्वायाना प्रमेत्र वित्राचा हिन्याचा हिन्याचा स्वायाना स्वायाना स्वायाना स्वयाना मर्में बर्ग मुक्त बर्ळबमार्विन्यायान्वेणमा बेवाप्यन कर्त्रा प्यत्र हुवा पर्वे की प्रमार क्रिया प्रमार क्रिया है स्वीत क्रिया है स्वीत प्रमार क्रिया है स्वीत प्रमार क्रिया है स्वीत क्रिया है स्वीत प्रमार क्रिया है स्वीत क्रिय है स्वीत क्रिया है स्वीत क्रिया है स्वीत क्रिया है स्वीत क्रिय है स्वीत क्रिय है स्वीत क्रिया है स्वीत क्रिय है स्वीत क <u>खुबार्टरा जि.कर क्रि.कृ न्वाःक्वाबाबरी जि.चर्ये वृ.जूब बबाक्कार्टरा वृह्णे जि.र्च वृष्णे वृष्टर्क्व</u>ावा<u>क्</u>ये वृष्णे विट्या जूब क्रि. यहर् दी केंबाहे निया ने बादिया नहें वा की या गाव देवादा की बाव ने त्तुः अकूटे निवेश शेरिकेट नर् जीट नक्षेत्री ट्वीट जू. टीवीट जू. टीवीट जू. टीवीट जू. टीवी क्षेत्र ने क्षेत्र न . ५. यंबा धुवा या श्लाभेत प्रते प्रति । यदिव पर भेवाया क्वा के वार्ष अदेव पर शिष्ट्र प्रति । क्वर वासुअव अव प अंते नियम में पशुमा प्रति में कर में बंध है। दे वे देव में के व्यासमित नियम प्रति सवस में स्वर्थ में स्वर्थ में दे वस क्रियान प्राणीय प्राणीय प्राणी हिंद में में प्राणी प्रियान स्वाप्त क्षेत्र क यां क्रिया अळव रपेश श्रिया देवें वा विया यावत याचर यें या वा यह है। यह देव या प्रश्लेव यर हैं वा या के विवाद व ल्ला शुर्हेवां वाया नरे अर्केवा ववार्य या के न्यवा बेन लाकेवा वायते नियम नियम विषय वाया वाया वाया वाया विषय होता है से निया श्रायाक्षणकाराष्ट्र अकून स्वास्त्र र्टाची इंबाधर व गाव बंदिया के विश्वास में जूर जा बंदि व की रहें जू विश्वास जी वेर्च वार कर जूर के हैं के हाँ हि क्र के व र्य प्रमुद्धा व वे व व क्षेत्र प्रमुद्धा कर क्षेत्र क्षेत स्ता है. यहां कुंग है. यह स्वाकृत सही तथा है। यह स्वाकृत सहिता सहिता है। यह सही स्वाकृत स्वाकृत स्वाकृत सहिता सहिता सहिता सहिता सहिता है। यह स्वाकृत स्वाकृत स्वाकृत सहिता सह चैट्। दे व्यक्तिम् में प्राचनम् स्प्राचनम् स्प्राचनम्य दे हे बं देवट विवास राज्यां के अर्थ के दे के अर्थ के अर्थ के अर्थ के कि कि के कि विज्ञानिया बैका बैरा-रेट में में रेट अवेजा जासूचीया तपु अकूर ता के कुर मू सीजा है मुखा लूम तर स्वाप का सूचीया तम में होता है वा सीचा लीट. तिट.टेपट.टेयोर.ज्री ब.चचरा श्रिबे.र्ड.क्र्बे.क्रु.क्ये.क्ये.ब्रट.च्ये.ट्यं.पंचर.धेल.जं.स्वोब.तपु.टेवी.क्बे.क्ये.क्ये.व्यंत्यं बट.यं.व्यंत्यंत्रं चेत्यंत्रं चेत्यं चेत्यंत्रं चेत्यंत्रं चेत्यंत्रं चेत्यंत्रं चेत्यंत्रं चेत्यंत्रं चेत्यंत्रं चेत्रं बहर्ी इ.बुर.वर-४ ब.टेर विश्व कुरेट. वृष्ट वया विव बी.टेशबा महरी तो परीजा मुख्या कुबा विशेषका पर पुराय करा है। लूरी बूच.राषु.प्रह्म.राषुय.बुर.वाया.हीय.राष्ट्राया.पु. राषा.लाबूर.जा.बुर.वा.च्या.वया श्रूट.पूर्व हीय.हां.वया.वावप.रावज होवाया हीज. र्येत्रे पश्चेत्रे हेंग्या ग्री आपत्र र्ये अह्ने भ्राप्या पदिर रेट र्ये त्या पदी । यह रायेत हें टाहे पर्येत 'व अया रेत्र के व के व स्थापत स्थापत हो ।

हेव प्रविश्वास्त्र स्वर्थः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः द्वा द्वा स्वर्धः स्वर यंबाचानाचराबराम्, विविराद्मयां पर्योद्दानगवाचरा ह्यूटाचाया दिवार्था के जेदावनबाचाया यात्रा रेगायराप्य विदायां य यचर श्रद्धं त्यर्भे याची वात्र मुण्या अळव प्याप्त स्थाप्त स्था नमानमु नम् केषु प्राप्त केषु केषु प्रमु न केष्ट्र केष् च्चेत्र' त्यायाचे विश्वसंदिरं प्रायादारी चिर्णे क्षेत्र कि. प्रायाचित्र स्थान स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स कुट्। विज्ञासका ग्रह्म (विचका कुँचा जन्न का मान्य अप्रोधी को किया आहें हो। क्षेत्र खेला अव्याद किया है । वका किया आहे का हो स्वाह किया हो। ज्यूवीय सिर्तर र में स्वाय विष्य क्या विषय में स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय से स्वाय से स्वाय से स्वाय से स्व नविव मुनेपाय पंपा के ते महे व पर वे पर हो व में महो न का हो न को के मही के महि पर हो है के प्राप्त के प्राप्त में प्राप्त के प्राप्त यते स्तर्भिया केन्य महोत्य मार्थिय स्वर्थ मार्थ मेर्चिय स्वर्थ मार्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वयं स . बेद.र. क्षेत्र तुं अहेल न है पा हुट देवा झु. देवं र. पा हुट र चे छी. हूल हो पा ले दूँ तु न हु पा न पे ति दे हु मूट श्रम्भून्यः प्रस्ति स्वर्धः प्रस्ति स्वर्धः स्व इरवया अ.पॅपूर.इर.च.ट्र.सेजा श्रव.जेट्ताइर.च.कुवा.लपट.वायूर.श्रट.टे.हुवे.वय.अ.पॅपूर.धेया क्वेज.स्.थेटय.हेय.केट.सेजा जपट.वावट.हुवे.चभेर.वय.वार्यट.चश्चेवय.त्या क्वेज.सू.ट्र.व.र् । श्रीर.अर.वीज.वी.२.वय.श्रवे.वट.वी.भेवय.वावय्य.केवा.लट.स.लूव. ट्रे वर्ष स्नित्र विवा तु कुरा विश्व यो कवी हो व्यव वर्षा वश्वर ठ्रेन या रेश के की वाज्य विवा तु कि वाज्य विवा दें अं मुं क्वें दर्ग ने मुं या वर में नम् ग्रार में देश अंट र अहं र नम्पायमा के नम्पायमा के नम्म में स्वाप प्रमाणिक के नम्म में स्वाप के नम्म स्वाप के नम्भ स्वाप के निर्माणिक स्वाप के म्रीट.वर्षुम्पर्तं स्वाप्तं स्वापतं स्वाप्तं स्वापतं તુર્દો શું.જો.કો.તર.કો.ચર.ટે.તર.એળ.સ્ં.ર.એળ.રે.પર્ફેચ.તપદ.જાદ્દી જી.રન્સ.જુવ.સ્.લ્ર.જો.જા.વર્ષેચ.શું.વર.છુંચ.જો.નાંચેચ.જો.નાંચેચ.જો.જો.સ્.લે..જો.જો.સ્.લે..જો.સ્...જો.સ..જો.સ્.લે..જો.સ્.લે...જો.સ્.લે..જો.સ...જો.સ...જો.સ...જો.. म्बे के प्रमुख्य प्रमुख्य प्रमुख्य हित्र के प्रमुख्य के प्रमुख्य प नुने नं थेवा हु अर् व्यवस्थित है निवास निवास कर है । इस निवास कर है ने कि स्थान के वार्ष की कि स्थान के वार्ष की स्थान की स्था की स्थान की विनाम्बर विषाने हे रामिया प्राप्त प्रमानिया है ता विना है से मानिया है ता प्राप्त है ता प्राप्त है ता है ता वि च के दर्भ सहित्र वार्ष के सार्व के सार्व के सार्व के सार्व के से सार्व के स्वाप के सी के सार्व के सार् हेलाग्रुं र रीत र्ये केला पान्त लान हुन को हो तेले होता हुन री केला पान केला र केला ने क्षित पर प्राप्त पान्त प क्टर्यापूर्यायान्त्रीयान्त्रात्वा श्रीवाद्यात्रात्वा क्षेत्रात्वा क्षेत्रात्वा वित्यात्वा वित्यात्व वंबात्यकी वेवबार्म्योद्धाः वेवब्याः स्वायाः क्रवाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वयाः स्वयः स्ययः स्वयः स् त्री विवान में त्र व्यक्त के प्रत्य र्दुर् ने प्रत्यां यर् या क्रुयं छर से अया ने दे ते देवा पुर्पूर में प्रत्येत के क्रिया क्रुयं प्रत्येत के या विश्वेत क्रियं के विश्वेत क्रियं के क्रियं क् स्यु: र्ट. रे. वोबबारा क्रैंया अटा, क्रेंया अटा, वटा ता क्रवा, सूची क्रिया क्रिया हो बार ता क्रिया के अवीर, क्रया ही. योचेत्राक्षः हृत्यः ग्रीः वेषः त्रहृतः में विष्यः स्वतः त्यात्रे त्यात्र संविष्ट्रित वीर्त वीर्ट्र ब्रिट्य प्रयादि वालया प्रविशास्त्री हिन्द्र विवाद प्रताद के वाल कर किया है वाली के स

દ્રુવ.ત્.9.વટુ.વું! ટેનખ.જોવય.શુંેટ.તવું.વોશેંટ.ખર્યા ક્રે્વ.શું.પત્રવ.તવું.સંતો.જય.ઉંટ.લુંવાય.શું.શૈંટ.ઉંટ.સં કૈંટ.દૂ.! !શ્ર્યાકું.ઊંટ.જૈવ.શે.જાશૂ.વું! જ્રૈશૂ.બેવાં.ઘો.બૂ.ખ.પધિંટયા જે.બેવો.પટું.શ્રૂયાકું.વર્ગાનું યાર્ટના याः अह्रि ने त्रवारा निष्या के त्रवार के त् गूरित्र, वृथ्देश्यत्य, प्रबेरित्रव्य, ये हेर्वे, यया विश्व प्रिये विश्व प्रवेशित्य विश्व विष्य विश्व व मिनेमाना केंबाह्र नगानिकार्ना केंबाहर माना केंद्र ही नाया प्रिट्या है सुंच नामुखाया है सम्मान केंद्र हो माना केंद्र हो केंद्र सुका है से माना केंद्र स याञ्चाना निर्माणका विषय । यहा विषय । यहा विषय । यहा विषय । यान्ययान वर्षा दी वार्षे विषया त्राह्म के कार्यान के वार्षा के कार्यान के वार्षा के कि वार्षा के कार्या के कि व चर्चर ग्री म्निस्यस्य संस्तर मुज्य वित्र पर म्वर्ट ब्रियाय सुर्जे वित्र विस्वर्थ स्त्र स्त्र क्षेत्र में क्षेत्र स्तर स्त्र स् बोन्। पद्धपालपापर केवे रिते विन्य में पातहे व स्वाया विश्व सम्बन्ध कर गुर्द हिन्द पर्द दुष्याय परायह ना नेवो तर्द व श्री हे केव रित्य पर्द न मुबा बु मुन् दर्भाया सूना श्रीत वित्य परि वित्त होने बु मुन्या ग्राट किंबा हे से ब से के वित्य के वित् र्नर्भिष्ठा प्रोहेर्न कु.केवर्षे अहर्न प्राया स्वान प्रदेश अहर्न प्राप्त अवा के प्राया अधियां प्राया प्राया अहर म् अंत्राचिषात्त्राचे अपनात्त्र अपनात्त्र विषया अपने विषया के अपने स्वर्ध के त्या के अपनात्त्र विषया के अपने स्वर्ध के स्वर्ध के त्या के अपने स्वर्ध के स्वर्य के स्वर युंबार्यामा क्षेत्राच्या व्यवस्त्राच्या विष्यक्षेत्रम् विष्यक्षेत्रम् विष्यम् व्यवस्य व्यवस्य विष्यम् विष्यम् क़ॗ॑*ॺॱ*ॸऀॸॱॿऀॸॱॺॖऀऻॺॱॸॖ॔ॱॸॻऻ॑ढ़ॱॾऀ॓ॺॱख़॓ऻक़ॕॺॱॻॖऀॱक़ॗढ़ॱॺॕॱॺॖॎऀॱ॔ख़ॕॸॱॿॖ॓ॱॸ॑ॕॺॱॻॖऀॱॿॗऀॺ॔ॱॸॸॺ॔ड़ऻॗॱॴॺॺॱख़॓ॺॱॿऀॱॸॱढ़ॕक़ॕॺॱॴॺ॑ॺॱय़ॕॱॴड़॔ॸॱड़ऻॗ चर्व र्यं अप्यास्त्र स्वाप्त विष्यं प्रमृत्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स यहेब.यथा तक्षेय.त.जू.चर्येब.के.क.के.तथ.यभीत्य.वर्षात्य.वर्य.वर्षात्य.वर्षात्य.वर्षात्य.वर्षात्य.वर्षात्य.वर्षात्य.वर्षात्य.वर्षात्य.वर्षात्य.वर्षात्य.वर्षात्य.वर्षात्य.वर्षात्य.वर्षात्य लीं वरियामं हाल देवर त्यों नंदा अर्वाय संविधाय हूं मार्च मार चकुच् रि.रेर्च रि.रेर्च के कि त्र देवायात प्रति वित् वित् वित् वित् के च कि च कि या के प्रति वित् वित् वित् वित के प्रति के ह्न-त्र्युव्यक्तिः विकास स्वास्त्र स् त्रा त्या स्था के त्या के त्य के त्या के त શું તહુંદના ખરાભુંયા ગ્રેમાં હૃદ દૃતે 'દું માં તેમ હોર્- ફોંત' ફે. મૂર્દ 'હોદ ભારે 'ત્રદ મિંદન 'શું એનમાં માં તો લવમાં બાર્સ માં હૃદ 'ફે. જેવા શું તે તેમ नमून पति विंग या ने लनमाहे माने राष्ट्रमा ध्रिमार्ग्रमा ध्रिमार्ग्रमा स्वाप्त प्रति हो माना स्वाप्त प्रति हो माना स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत इन् मूं इ.च.लट् अह्दे विवासील त्या विवास व ॱॿॕॺॱज़ॸॱॖॖॖॖॖॳॱॿॖऀॱॺ॑ॸ॒ॱॸॻॱऄऀॱॿऀॸॱऻॱॷॸॕॣॺॱॿॆॺॱज़ॸॣॱऄॖॖॳॱज़ॻॺॏॸॱज़ॗॿऀ॔ॸ॔ॱॿॖऀॱॶॗॱॶॣॹॱॶॺॱॸ*ऻ*ॸ॔ऻॱज़ॕॿॕॣॸय़ॱॺऻॶॕॱॿॕ॔ऻज़ॱॺ॔ॺॱॸॿऀ॓॓ॸ त्तु स्वा अर राज क्षेत्र प्रकृत विवा पुर प्रविवाय पार्च अया ग्रह ते विवाय विवाय के कि प्रकृत के ता पुरी के अधिव जिल बेद्दी बावदार्रे वर्षां वर्षां वर्षां वर्षा वर्ष वाबर न तर्वा परि त्यो वापा क्रिंव अवाबवान वार्षिव वापा अर है वाबाब कर है । यावाब पर हो बार वार्षेव वापा क्रिया

खर् द्रशत्यां श्रिया श्रेट तर्श्वेच श्र-ट त्रव्यत्यं श्रेच्य श्री निया प्रश्चेच व्यक्त व्यक व्यक्त व्यक व्यक्त व्यक व्यक्त व्यक व्यक्त व्यक्त व्यक्त व्यक्त व्यक्त व्यक्त व्यक्त व्यक्त व्यक्य

4.9≈ বালপ্র-মের-শ্রম্থ

ૡઌૣૼૼૹઌૣૼૺૺૺૺૺ૱૽ૢ૾ૡૼૺૹૢૡ૽૽૽૽૱ૡૢ૱ૹૢઌ૽૱ૢૢ૽ૡૼૢઌૢ૽૱ૢૢ૽ૡૺૢ૽૱૱ૡૹઌૹ૽ૹ૾ૢૺૡ૽ૺઌૺૹૢૹ૽૽૱ઌઽૺૹ૾ૢ૾ૺૹઌૡૢ૽ૹૢૹૢ૽૱ૡૢઌઌૺૺૺ૽ૺૺૺૺૺૹઌૻૻ૱ नु प्येता देते के सुअ ते द्रायर महत्त्व पहुं विवादा देते दुवा सु प्रायण मेंद्र याळवाया त्र महित्र प्रायदे या मह याने वाने प्राचित्र प्राच्या के प्राचित्र के प्राचित्र के प्राचित्र के प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र के प्राचित्र प् क्षिण्या श्रीका विट में हैं के तर्खेण विट नेट प्रोकेंट्र दी श्रीट निवासी होता का की का किया किया के होता के दिव दुवा वो नवर्न प्रवा केंवा ने ने विदे 'श्वा परि 'अने ये ते त्र प्रवे 'त्र विदे 'त्र विद्या प्रवे 'त्र विदे 'त्र निव ने 'त्र ने 'यह केंवा ने ना है कें ने 'हे गो अन्ता विद्या विदे के ते 'विद्या अविद प्रवे 'त्र विद प्रवे 'त्र वा भुक्त के ति ने केंवा विद प्रवा विद 'तृ का ना विद 'तृ का ना विद 'तृ का ना विद प्रवे 'त्र विद प्रवे 'त्र विद 'त्र व र्भन्। भ्रुंबाक्रवाविकाक्षेत्राभ्रुंबाक्षेत्राक्षेत्राम् भ्राम्य निर्म्बायाचे निर्म्बायाचे निर्माय स्वत्या स्व सूँ अक्टू नचहर रें लेव प्रम् अदे शुकाल लूर्न प्रदेश के अस्त्र अत्या के अध्या प्रमाणिक प्रमाण लूर्यात्रास्यायात्रीयाञ्चात्रात्राच्याच्यात्रच्यात्राच्यात्राच्यात्रच्या ॱख़ॺॱऒऄॺॱॺॖॸॱॻऻ॓ॸॱॻॸॻॺऻॱ॔ॖॺॱॿॖऀॺॱॻ॒ॱॸॻॺॱॺॖॱॿॗॱॸॱॸॻॕऻ॔ॺॱॻॱॻॸॻऻॱॻऻॿ॓ॺॺॱॺॎॸॱॻऻऀॱॿॖॱॾऺॺॱॻऀॱॾऀॻॱॸॕॺॱॴॺॕॸॱॸॸ॓ॱॿ<u>ऻॱॿ</u>ॖऀॿॱॸॻ॑ॺॱ यद्राया प्राप्त मान्य विकास विकास करा है की देश के स्वाप करा के स्वाप करा के स्वाप करा के स्वाप करा है की देश हुमासुम्मानुस्य प्रमानिकारम् विष्याच्या स्थापना स्थापन स्य र्वात्मान्तर्दराव्याक्षेत्रप्रेत्राच्यात्राच्या विविद्यापति तुंबाचु विदान मुलानायात्रामें वासके वासके वास्त्री र् वित्यस्य चक्षेत्र तर्रे हूं वेशा जूर है वी वी चर्रे दें अविवे सूर्य दें हैं दें विवेश वेश प्रति या शविश्व पर चित्र विवेश स्वाय है वे स्वर यदः वोष्यतः चर्नः वोच्चेवाषा सत्यदः चुद्गा द्वादः क्षेत्रं कुः स्थायः के ह्वा क्षेत्रं द्वा कुः क्षेत्रं च्वे खुद्धः च्वे कि कि स्वराह्म क्षेत्रं विषयः विष

र्, त्राचेश्री ब्रिट्रे. ज. क्रे. त. क्र्या त्राट्या पर्यं पर्यं प्रतित त्राच्या प्रतित प्रतित त्राच्या प्रतित विकास प्रतित विकास प्रतित विकास प्रति विकास विकास प्रति विकास विकास विकास प्रति विकास विकास विकास प्रति विकास कुवा शह्री जूरी जार्बावर् जूरी धारा नाम वार्षा विवास मान का की विवास के कि का मान की विवास के कि कि विवास के कि शह्मी दृष् क्षेत्र्यं में स्वयः स् म्बर्मं वर्षान्त्रवार्षेत्राह्मणायुष्ट्रित्राच्यात्रवार्ष्या नेत्रानेत्राचे त्राचे स्वर्धात्रवार्ष्यात्रात्रवार्ष्यात्र त्राचे स्वर्धात्रवार्ष्यात्र त्राचे स्वर्धात्रवार्ष्यात्र त्राचे स्वर्धात्रवार्ष्यात्र त्राचे स्वर्धात्रवार्ष्यात्र त्राचे स्वर्धात्र त्र त्राचे स्वर्धात्र त्राचे स्वरत्य स्वर्धात्र त्राचे स्वरत्य स्वर्धात्र त्राचे स्वर्धात्र त्राचे स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर्धात्र स्वरत्य स्वर्धात्र स्वर्यात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्यात्र स्वरत्य स्वर्यात्र स्वर्यात्र स्वर् देति भ्री त्यां नु र पति दुर पु भ्रित प्रवासी प्रवास के वृष्या । अत् पर् सूर्व प्रमुख प्रवास में भ्री प्रवास प्रवा येट विटा लटा टार्सेट त.ज. एकूट त.च. एकूट वा चार्य ता विवास ते के कि ता विचाय के कि ता विचाय के कि ता विचाय के विचाय के कि ता व बिविद्यारा वार्षाच्या प्रति प्रविद्या वार्षा के विद्यारा विद्या हिना यो विद्या हिना यो विद्या क्षें अने खु अध्यति ले जाव बार्योवी ने वबार देने गुँद कु या विष्य प्रवाद विषय क्षेत्र पर होते प्रवाद विषय के व ह्यंत्र पांडिपा सालुका न्यंत्र राज्य स्पार्थ ग्रामुत्र ।यदार राष्ट्र मा प्रदेश साम्तर ।यहार । विद्रामुका स्वार त्रमा चीर प्रेत विभावमा क्रिं श्रीमा साहित श्रीमा साहित सह वा प्रति स्वा स्वा मा साहित है । से प्रा के साह के व में त्रमा क्रिया स्वाप्त निर्मा क्षित्र विकास क्षित्र क्षित नन्गु कें केंब केंब तिय भी महें नेंद्र गुन्द दर्ब है केंब ग्रुप्त पते केंब विवर केंद्र वा हु पति पह संस् गृत्य दे पह से प्राप्त पति पह सम्बद्ध स्था प्राप्त पति पह सम्बद्ध समित्र सम्बद्ध समित्र सम्बद्ध समित्र समित्य समित्र समित्र समित्र समित्र समित्र समित्र समित्र समित्र समित्र हिर् विरा ने इसमा सकेन हेने ने नमा हैने के महामा में महामानिया महामानिया है में महामानिया है महिरा है महिरा है त्रिटा कूब बु बैटा याजा वार्या या बिया जो कूब पर्विर जा बैटा यद्धा पर्विषा या इसमा की कूब विद्या विद्या विद्या शुंभाराक्की वालामा नामा प्राप्त है से माने के के कि से विदेशी पर के वी माने के प्राप्त है से प्राप्त के कि मान सम्बद्धान्त्रा निर्दायम् म्या म्यान्या स्वत्या निर्वायन्त्रा निर्वायन्त्रा स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्व म्बार्या स्था निर्मेष्ठ निर्माण स्थान के स्थान वी प्रतरापित्र सं से दिया अहर दिया प्रतिपाना दिते हिला सुर्हें वास खुत कुला दें दियों अहें सर्वेद ग्री सर्के के स्थान स्वापन प्रतिपानी प्रतरासे र्ये पर्वे प्रमुद् ग्राप्त्र मा सहि। तर्वे मुपाके वाला मुब्द पर्वे र्श्वे प्रमुपा पर्वे र स्थाप के र स्थाप के मा प्रमुपा पर्वे र स्थाप के र स्थ येण्यादेन् श्रेयं के ब्रिटे चर से ने संचित्र मान्तर या अहुना मन्या क्षेत्र मान्य सरा श्रे र में मान्य या अहुना में र से या मान्य प्राप्त से प्र च्याक्षेबर्द्रन्ग्रीबास्त्रस्याव्यवस्युंग्ववस्य स्वामी परार्क्षेत्रस्य स्वाप्त प्रमान्यस्ति विने र्क्षेत्रं चर्णम्यायस्य स्वाप्त स्वाप स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त धवा तिन्वांगन्तुः संभागम् विन्यां प्राप्ति । प्राप्तां प्राप्ति । चर्च मा क्षेत्र के के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत त्दे ता क्रिया है भाषर है त्या प्रयापितीया वया क्रिया यह देते त्या प्रतास क्रिया क्रिया है त्या क्रिया है त्या 5 त्यं के शुक्र पार्वेना दे है ना श्रुव श्वर्म पर्येत विश्व सह मार्थ प्राची प्रवस्त है श्वर है है तुर पर त्ये है शक्ष प्रवस्त है निक्स है के स्वर्ध है तुर पर त्ये है शक्ष प्रवस्त है स्वर है के स्वर्ध है तुर पर त्ये है शक्ष प्रवस्त है से स्वर्ध है तुर पर त्ये है से स्वर्ध है तुर पर तुर है से स्वर्ध है तुर तुर है से स्वर्ध है तुर है से स्वर्ध है तुर तुर है से स्वर्ध है तुर तुर है से स्वर्ध है तुर है से स्वर्ध है तुर है से स्वर्ध ह

8

५.१५ कें अः हे मार्डर मान्तु केंद्र मान्द्र स्वर्भ न्दर महर्म नर्भा

 $\frac{1}{2}$ प्रत्यास्य ज्ञास्य ॱॳॖॖॖॖॖॴज़ऻॿॖज़ॱऄ॔ॱॸॣॸॱक़ॖऀॱज़ॏज़ॱॹॖॱज़ॱॺॕॱॿॖॆढ़ॖॱॴॸॷॕॺॴॱॺळढ़ॱॻॕॾॖॱॸॕॱॾॆॸॱॻऻऄ॔ॴॱॻऻढ़ॕढ़ॱॸॖॹॱॹॖॱढ़ॼॆॱऄॕॗॻऻॱॴॺॺॱॻॸॱॺॿॎॖ॓ढ़ऻॱऄ॔ॱॻॹॖॸॱॻॱ लासु है र ज्ञुव लाबेट महिमासुलाव माज्ञुव पञ्चव माज्ञुव सम्माना सामिना सर्वा महिना पर्दु मानुसार र जाना मिना मह चंहुयः बुवाबः संह् न न्तुबः चः बदः चुःचः ऋन्दः न्दः न्दुः वं विषयः विषयः संबेषः विषयः संवेषः स्वर्थः स्वर्थः स ब्रुयः इंटि. वेब क्षितीलया वेषया टे.लट क्रुय वट्या क्रिया त्या प्राप्त प्र बेन् ग्री तिर्देन त्य केंब नक्ष्र प्रांची वावव नेवे क्षें प्रांची किया केंद्र केंबियों केंद्र प्रांची केंद्र प्रांची वावव नेवे क्षें प्रांची वावव केंद्र कें इस्रमास्यापाना वारवारम् निवार्यते त्रेणमासु क्षेत्राचार्यामासु सुरान्यस्य हि पर्द्धवान्नी र वि देशमानी वराविकासुर स्वीता से स्वापानी पंर्हेंबरव्युक्षर्देर् मुंपः धेव् पर प्रावि पर्रेष्व पर्रेष्व पर्रेष्व पर्या अर्देव पर्या अष्टेव पर्या अर्थे व परा अर्थे व लट झेंब क्रू. रेट तड़े ल च लेवा रियं हि हि यह यह यह यह से प्राप्त है के लिया है कि लिया कॅर ब्रिट्य प्रया श्रेर प्रया विट केट प्राया है अप मानिया है या मानिया मानिया मानिया मानिया है प्रया मानिया है क्र्याण्येय च्राच्या प्रत्या प्रत्या प्रयाणा प्रयाणा येत्र वित्र वृषा प्रयोग् अत् च्राच्या क्राच्या कर्णा प्रया क्रिया क् इस्रमानम् । देरायनासुस्रामहिषाम् याचायारम् वाचिषारे पार्वेत्या ह्यूरास्यारम् स्त्रम् स्त्राप्तायायायायायायायाया र्ष.क.अंग्रेय.चेंयो विट.क्ट. त्यं क्रिट. र्यं क्रिट. त्यं क्रिट. त्यं क्रिट. त्यं क्रिट. यं क्रि विन ग्री नगुंद से संस्था है से हि से स्वार्थ में र होता र से हिंद पान ने देश से से सुरा है से साम है है से रस हद पादी श्चृत्रा अ.श्रेंश्वराता ता श्चें अस्य वा कूरे तत पुर विचा क्षेत्र वा क्षेत्र विचा कुर वा विचा क्षेत्र विचा क् वियासया विट्ययाद्वाविद्वाद्वात्यास्यास्याद्वाद्वाद्वात्यात्याद्वाद्वात्यात्र्वात्वास्यात्रात्यात्रात्यात्रात्या व्यव्ववायाया इयवायां हार्स्नेया नेटा इया पववा चार्यात्या विवा ग्राट्या मिन्नेटा यह विवा ने हिवासुयाया वा विवास च्रियानित सुनाबा ही बार्य बार्य स्वार्य स्वार्य के वार्य बार्य के राय स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स राय्यर द्विरा बुबाराया मुन्द्रवाया प्रति सक्ता सक् द्वाचान्त्रियः त्यान्त्रियः वित्वाचीन् वित्याचान्त्रियः वित्यान्त्रियः वित्यान्त्रियः वित्यान्त्रियः वित्यान्त त्यान्यान्त्रियः त्यान्त्रियः वित्यान्त्रियः वित्यान्त्रियः वित्यान्त्रियः वित्यान्त्रियः वित्यान्त्रियः वित्य वित्यान्त्रियः त्यान्त्रियः वित्यान्त्रियः वित्यान्ति वित्यान्त्रियः वित्यान्ति वित्यानि व ्याचेनबार्म् नृत्यास्यो देरान्नं यास्त्राह्म होनं पार्श्वेषा विदान्ता हुया होते हुत्या महिला होते होते हिला होते हैं स्वर्ष निर्देश स्वर्ष होते हैं स्वर्ध होत दे.इज.पड़िर्न्याचावपःश्चरं विष्यां माजाजी श्चारं जो श्चीरं रेज्याजाड़ियं विष्याचे प्राच्या विष्याचित्राच्या विषयाचित्राच्या विषयाच्या विष्याचित्राच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्याच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्याच्या विषयाच्या विषयाच विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच चंठत ठव छी अळ्यम छूम वम चर्झे यम प्रमालवा वार्ष्या व हें वाम प्राष्ट्रेन प्रमालव हो वे प्रमालव मार्थ विष्य हो है । चत्वाबर्गाचत्वाग्री तैयायायाया द्वियायत्र अळयेयाच्यावया वयाय्यीय यो द्वापी द्वापी हो थी वयावया गृत्यायायी प्रा तपु अर्चे र अर्द्ध हो स्त्राची पर्चे प्रति प्रवास स्ति प्रवास स्ति प्रवास स्ति स्त्राची स्त्र चल्पायाँ ने न्यारें व के के त्या सुंहें से न्दा चर्या वया चल्पाया क्षर ते के समें व की हिंद है के प्याप्त वया के त्या प्राप्त विद्या में विद्या શૂ. ક્રેટ. ઘર્ની, ભર લિવાયા ચેં. વર્શેએ વિશ્વાસ જોય છે. લાગાયું, વર્ષાયા વેં. તથા છે. તું રામાં કર્યા રાષ્ટ્ર તું, ક્રેર. ભર જાય કે વર્ષાયા હોવાયા છે. તું રામાં વેં. લાગાયું, વું રામાં વેં. તથા કું રામાં ક ढेवा <u>चित्र</u> हे निहरा हे त्रुवा छेर कुँव हे ऋत्वारीवा हु चरवा दे त्रवा सुदा छेता गुर छेवा क्या निहरा वह वे प्रवास र्रादेत है बंग्येश त्रुंचर हैन चुब्गु मुर्देश हैं प्रविद रि. त्रचरवा पंचायंचा वर्ष हैं वर्ष है हैं वा वर्ष हैं वर्ष प्रवाह के प्राचनित्रात्तः स्वर्णा क्षेत्रात्त्रात्त्र स्वर्णा क्षेत्रात्त्र स्वर्णा क्षेत्र स्वर्णा क्या स्वर्णा क्षेत्र स्वर्णा क्षेत्र स्वर्णा क्षेत्र स्वर्णा स्वर्ण स्वर्णा स्वर्णा क्षेत्र स्वर्णा स्वर्णा स्वर्णा स्वर्णा स्वर यानाथुःसुया ज्ञाःयाववान्त्रयान्यां स्वार्थाः मुन्तः होत्यान्यान्तः सहित् क्षेत्रात्याः यानाथुः स्वार्थाः स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्

श्चित्र द्रात्य वर्षात्यात्र राविषाणा श्चायावट्ट वीष्यं प्रियोग् पृत्वे म्याया श्वाया श्वाया स्वाया स्वाया स्व जिनगान भी नुसूर नूरे नुसू में अर सूरी हैं है। पूर नी से कृष ही हिर सार है प्री प्री प्री प्री प्री प्री प्री प ब्रां गुर्राच भ्रुला विवासी गुर्रा कुर्न प्रेते त्यस प्रमान प्रमास माने प्रमान स्वास कर्षा प्रमान कर्षा प्रमान र्देव सहिन हैं हैं में हुँवा हुँब सुर्दर नर्गेव रावे जावे जात्वर वयाजावव रेव ग्राट सह र जर्म हैं र सूर्य सहस्य हैं र ग्री रेस र्मार्न्ट्रक्केव्राचार्क्कार् श्रीम् श्रीट्रे विट्राचिव्रामा परिते क्का ट्रम् केव्राचार प्राचीत्र परित्र पर क्रेव'ॹॆॺॱक़॓॔ॺज़ॱॿॖॎ॓ॻॱॸॆॱढ़ॿॎऀॻऻॺॱॺॺ॔ऻॿऄढ़ढ़॓ॱऒ॔ॱॸॗॻऻॱॹॱख़ॱॻऻ॑ॸॖऀॻॱॻ॑ढ़ॱॸऻॼ॓ॸॱॼ॓ढ़ॱॴ॓ॻऻऄॻऻॺऻॣ*ॿ*ॱॺॕ॔ॸज़ॕय़ढ़ॺॴ नवः र्वः च्वः त्रः त्रे अर्थः क्वः व्यायः विष्णुः त्रवः द्वः तर्वः व्यायः त्र्वः व्यायः त्र्वः व्यायः विष्णुः र्न् हर् हर् क्षेत्र हैं अहित पर क्षर हैं। दिते क्षेत्र का कें वार्ष र पाय के वार्स हैं की विद्यापति सुवादी कि विद्यापति हैं चर्ठुः वोश्वर्यायाः श्रेंच देर्ये ताम् वर्षा चर्ते विषया चर्त्राचा वर्षा वर्षा वर्षा चर्ते । वर्षा वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षे । वर्षे व अक्षअयान्छन् अन्वीयान्य हेंत्र श्चित होत त्रिया ने प्राप्त केंत्र के प्राप्त के विश्व विश्व विश्व के विश्व विश्व विश्व के विश्व विश् दह्न जिस्तानिया है के बार्य हैं के बार्य के प्राप्त के स्वाप्त के ब्री.क्षिता.क्षेत्र.ब्रम् व्यक्तावाश्वर ब्रीट्यायाच्यार विका त्यार प्रति विकाला है त्या क्षेत्र विकाला है विषायत्व वर्षात्रम् सुराया सुराया सुराया सुवारित त्या सुराया निष्ट्रम् निष्ट्रम् वर्षात्रम् मित्रम् सिर्म् स्व हं चुंतर प्रदाद्या देत अर्केन विदासिया में पार्ची विश्व स्थान में देश में प्रदास के स्थान के निर्माण के निर्मा वाश्चर (ब्रे.वार सियं विश्वराधिया शक्ष श्वरा है। चर (ब्रेशराया) हिर रूट ही (ब्रेहर पुर रियं ही श्वरा विश्वरा) है र रचश्चेश्वर श्वरा याद्राया दिया प्रति । विकास के प्रति प्रति प्रति प्रति विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास व यंभेवाबारासियां यथा द्राक्त्यां या चीता है स्वार्धित विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व व भुवा वर्ष्ट्रावर पर्य है संचि त्यक्षेत्र हेर्य के कर नदि ती वी ही वा वार्यकार वा वर्ष कर नदि वर हिर्म है या नि पर्चे. ब्रेट. विश्वानया पूर्वा या विष्यान विश्वानया विष्या विष्या विश्वानया विष्या विश्वानया विष्या विश्वानया विष्या विश्वानय विष्या विश्वानय विष्या विश्वानय चियात्वीयः सूचाः व. शु. २८. वयात्वा ८याचिर त्यात्वे त्यात्वे त्यात्वे स्थात्यात्वे स्थात्याः स्थात्वे स्थात्याः स् कृष्यं यो व. रे. क्रिंव राया तारा प्रत्या खूपा खूपा खूपा क्रिया किरा वार्तीय किरा वार्तीय वार्तीय वार्तीय वार् ह्यूट भ्रीतात्र प्राची मुन्याय मुन्याय मिन्याय मिन्याय मिन्या मिन्याय ध.य.ज.वंब.तबा इ.चर्च. थु.ज.जपट.पेट्ट. क्षेय.वैट.च.लुची ट्र.शक्य.कु.वांबेट.री ड्वीय.ब्रे.से.य.वेंवांब.ट्रट.ज.वाटशब.टवॉ.घशब. ग्राप्तम्याप्ता वाजुः ब्राप्यप्ता वळवापर्हेन इवना ख्रायाचेव प्ताप्त विषय यो हे ख्रासु पति पसूर्व पर्वे वाळ रायि यो रायाँ प्रा बक्रिन्यूं व्याप्त क्षेत्र व्याप्त क्षेत्र द्वा विद्या विद सु गर्नु ए गर्नु प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति । व्यापारी मिन्ने प्रति प ढ़ॖॱॸॕॱॻऻक़ॣॱढ़॔ज़ॱज़ॱक़ॕॴॹॱय़ॵ॔ॱॻॵज़ॱॸॏॎढ़ॱॱढ़ॖॴ॒ॵॺॱॸॏॹ॔ॱॹढ़॔ॱॸॱऒॹॕज़ॹॱय़ॱऒॕॗॸॱॻॏॹॣॸॱॎऻॗॸॕॱॹॵज़ॸॱढ़ॗॸॱॿॖॗऀॸॱॴढ़ॸॕज़ॹॕ ढ़ॱऒॿॖऀॸॱॴॱॻड़ॆज़ॱय़ढ़॓ॱॾॏॱॴॴॻॿॸॱॸॖॕॴॵॸॱॏॿॖॸॱॸॸॱॸॹॕॖॱॿॗॸॱॻॵॕॸॱऒॎढ़ॕॸॱऒख़ॕॸॱॿॖॎ॓ॸॱॹॖ॓ॱॹॱॴढ़ऀढ़ॸॱ ॹॴॱॻॿॸॱॻऀॱज़ॸड़॓ज़ॱय़ढ़ॱॹऀॱॴॴॻॿॸॱऄॗॴऄॿॸऄऻॱऄॴॸॻॿॸॱॿॖॴ॔ॱय़ॵऻॹॴॸॿढ़॔ॱज़ॱढ़ॹॕॸॱॿॖॎॸॱॹॖऀॱॿॎ॑ॻॵज़ॴढ़ॸढ़ढ़ॗॸॱॿॕॖॴ द्रात्यम् प्रत्या प्रत्या प्रत्याच्या प्रति चेराया प्रति चेराया प्रति प्रत्या स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा रॅच मुंबुंबं र्नुंट १ मन्दर बंदे १ दर्व देश दर्व देश निव के की का सेवर के र के देश के विकास के र के दिर्ग स्वर

৾ড়৴[৻]য়য়৾য়৽ঽ৾৴৾য়৽৾য়ৢয়৽য়য়ৢ৾য়৽ঀয়৾৾ৄৼ৾ঀয়৽৸৽য়ৢয়৸৸৻৽৸ড়ৢ৾ঢ়ৼ৸ৠ৾৾৴৽৸৽৸৾য়৾ৼ৸৽ঢ়৾ঀৢ৾য়৽য়৾৽৸ৣ৾৽ঀৢয়৴৻ঀ৾ঀৄ৽৸৾য়৸৽৸৾৾য়৸৸৾ र्नेर चे के अर्गुंद में दिया महिन्य के कि त्या हो र के लाय हों र महार के कि स्वाया कुं अश्व अस्तायश्व ता कुंवा <u>न्गुर्गिःस्त्रःस्त</u> चाडुचा जा के स्वास्त के स्वास्त के स्वास्त के स्वास्त के स्वास के स्वस के स्वास के यंश्चर्यं पर्वे र्श्वेच अर्दे अर्द्धेच ही देर यें र के च श्वं मुर प्विन्य चर पुळे च मुर के प्वज्य के विन्य के व

दे लाश्चरीया दी। दर वेर मुं अवदावी वार्देर पर्वेश्वराया धेवाला केंबा हे वार्ष्ट पर पर्या मुंदा तार्श्वराया केंबा है वार्ष्ट पर्या अवेबा विटारद्रायदावारा में द्वीदाय थी हो दे रो ले वार्षद्रायम स्वार्मे वार्य स्वारी वार्य विषय विदायी मा विदायी मा व . ह्यम्बर्म्स्याष्ट्रम्परम्बर्म्स्य हुंपर्ने स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप

लब् क्रेब्र प्रति न्व्रित्र वाना ग्रम् हु दे दे रि. वा विष्य र वा क्रिव्य वा सार है । हुरा

दे.जःश्चेंत्रं श्रंदुः शक्क्ताः हुं तेर्चे यायान्यः ताख्यान्यः ताला स्वायान्य स्वायान्य स्वायान्य स्वायान्य स्व

न्वीं व पतर शुः रेते 'ते 'लें वाषा व 'लेंन्' ने रा

मुट से लिया दी। देट से पदे पारे प्रवेश प्रवेश प्रवेश प्रवेश प्रवेश प्रवेश हैं ग्रह्म प्रवेश प्रवेश प्रवेश महिला मह

वाबवरमबर्मिवाबरन्यायपुरबा सुनः नुः मुहः र्वेशियन्त्रन्य वर्षाः र्नेवः मुः क्रेवः र्ये अहन्।

कु'अपनिष'या दे। यदि वन्ये स्तरकु अपनिष्ठ व वेषाम्बद्ध देव सहित्यम् कु'अपनिष्ठ विक्र हित्य है कि स्तर्भ कु'अपनिष्ठ के स्वाप्त स्व कु'अपनिष्ठ के स्व कु

ર્જ્ય है गर्डट र गर्थ में ग्रे न के देश है कि तर्थ है जिस्ता के स्थान क तह्रवाम् यात्रेवाम् न्दान्त्रः व्यक्ति स्वाप्तान्त्रः स्वाप्तेवाम् न्द्रत् स्वाप्तान्त्रः स्वाप्तान्तः स्वाप्तान्त्रः स्वाप्तान्तः स्वाप्तान्त्रः स्वाप्तान्त्रः स्वाप्तान्तः स्वाप्तान्त्रः स्वाप्तान्तः स्वाप्तान्त

प्रायह न्या स्ट त्ये के स्वाप्य प्रायह स्वाप्य प्रायह स्वाप्य स्वाप्य

ब्रुंशःश्चे त.जट.वे.सूबे.कुबे.वोब्बें वे.जट्,वृधुःहं,वर्षे इ.ट्वी.त.य.ब्र.हे.ल.एषिटबी इ.तर्थे.क्.ट्वी.तर्थे.ब्र चर्रु वाश्वरायां रेट वी क्वर्य से से से से सिट त्या ते विद्या है सु से पाय से बार्स में पाय ने वासा रेट से से प्राप्त है न से है ट से से हिए से वाने वासा ।

वियार्प केट्र में क्रियें के केट्र मेरि हैं सम्बद्ध पर क्षेत्र का व्याप्त प्राप्त के हैं मुं हैं महिकार हैं के क्षेत्र के के कि के कि के

वि। र्ह्मे मुंबरक्षर निवस्त्र प्रमित्र के त्र के व्यक्ति स्तर्भ के व्यक्ति के त्र प्रमित्र के व्यक्ति के त्र प्रमित्र के विषय के त्र प्रमित्र के त

ज्यूवीयत्तर्भं भीयत्त्रीयात्र्यं में याद्वीयात्र्यं विषयात्र्यं विषयात्र्यं विषयात्र्यं विषयात्र्यं विषयात्र्यं विषयात्र्यं विषयां विषयात्र्यं विषयां विषयं विषयां विषयं विषयां व त्रुवा द्वावारों मेंट याँ वार्वण केंद्रा क्रिंबेंद्राय केंवावाय हुआ के क्षेत्र के क्षित्र के क्षित्र के क्षेत्र इस स्थान देवावाय के क्षेत्र के क **á**

४.१६ श्रून वज्जानी स्नूनश

<u> बू</u>र्वे.त्र.टे.तर.रे.कु.च.र्षु.त्.ज.पब्रॅ.यपु.ट्रे.ब्रेंरे.ये.ब्रेंरे.ये.ब्र.त्.प्.यर.ट्य.ब्र्.त.क्री 🕸 त्यातर.वं.त.वु.वर्षेजातर.ब्य.बर्षट.ट्र. 🗟 बर्फ प्रकृत प् व्यूज्यन्त्रन्त्रम् श्रुवं रक्ष्मे विषेत्रक्षेत्रम् विष्याच्यात्रम् स्वाप्तान्त्रम् विषयात्रम् विषयात्रम्यस्यम् विषयात्रम् विषयात्रम्यस्यस्यम् विषयात्रम् विषयात्रम् विषयात्रम् विषयात्रम् विषयात्रम्य क्र्याग्री नवा क्वाया मान्त्रेवाया होया नावाय ग्री हे स्रिति हो स्रिति हो स्रिति विवाया विवाया विवाया विवाया मान्त्रेया स्रित्य स्र कूँ व ने क्रबाह में ताया थीया तु हुन् उत्तावक क्रबातिक प्राप्ति प्राप्ति के विद्यापा है के विद्यापा के विद्याप र्नोबां बुबायबा विनुवाय निर्माय स्ट्रियं वाय देवां वाय देवां वाय देवां वाय के स्ट्रियं वाय के स्ट्रियं वाय के स ब्रेन्'चु'चे'च'त्यार्स्स्यानस्यानस्य हेर्'क्रियास्य वर्षाच्यात्रस्य क्षात्रात्रस्य क्षात्रस्य स्थानस्य स्थानस्य इत्रिव्यान्त्रवाष्ट्रवाष्ट्यवाष्ट्रवाष् प्तान्त वर्षा क्रमाहे प्रकृता ता स्वान प्रति हुन हुन स्वान वित्य हुन स्वान प्रति हुन स्वान प्रति हुन स्वान प्रति हुन स्वान स्व नम् । तर्व इसमा तर्द सूर्व संग्ना निर्देश के शुः वेदंश सर् अहं द्वा हो याद वी तद तहे व कवा या या हो द राम् तहीं या तुः हो व राष्ट्र या द राष्ट्र या हो या द यहर्ता विश्वायत् विश्वायत् विश्वायत् विश्वायत् वितायत् वितायत् वितायत् वितायत् वितायत् विश्वायत् द्वारायात्र के त्या के त कुट पर्द्विप्रायम्बर्धियम्बर्धेयम्बर्धेयाद्वेयस्यात्वेदायम्बर्धे स्वर्थे स् चर.कर्.ज.सूचीय.त.रटा रेपांप.धेर.की.चुवीय.ज.सूचीय.त.सूचिय.त.सूच.त.त.स्त.त.सूची.चूचीय.त.सूची.चूवीय.सी.सूट.चय.बट.ज. वियाग्री क्रूंचया मुंबा बहूर्य, त्रम् वियाप क्रेव्यं स्पट्ट पाट्र क्षेत्रा मुंबा मुंबा स्थान स्यान स्थान स्य द्वी.पर्यु. यहारी प्रिया में इसम्प्राचित्र विषय के प्राप्ति के दिन प्रमान के प्राप्ति के प्रमान के प्राप्ति के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के न्दा न्तुःरे यार्शेषुष्यप्ते न्वेवन्यास्व रे अह्न वसाम्बद्ध नित्रम् । विन्यरं न्तुःरेरं वे न्तुन्यं निव्यास्य केष्यं प्रति र सूँदा क्षेत्र क्रांतर्शों क्षेत्र प्रतिविधारा क्षेत्र श्री माध्य प्रति विदेश प्रति व त्रेयाबारायां स्वायाचीताचार्ट्राच्याहें स्वयाहें स्वयाद्याया प्रतिवाया निवयाया स्वयाया स्वयाया स्वयाया स्वयाया तर्माया स्वयाया स्वयाय लानगर्यः क्र्याश्चरः प्रेन्ते क्र्यायायाः अर्त्यायाः क्रियाः प्रतिक्रयाया श्चित्यान्यः वित्यायाः वित्यायः वित्यायाः वित्यायः वित्या करें विया आर्ये अध्यास्त्र वर त्याया वार्ष विया सम्भागा स्थान प्रति वार्ष समित वार्ष समित वार्ष समित वार्ष समित नु देन वेषा अव प्रति प्रमान्ति । क्षेत्र प्रमान्य क्षेत्र प्रमान्य प्रमान्य विकास । क्षेत्र प्रमान्य विकास । क् खीयायात्रियात्वर्षात्वेयात्वर्षात्वेयात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्व विषयायात्रियात्वर्षात्वर्षात्वेयात्वर्षात्वर् क्षा विष्या क्षेत्र विषया स्वापन क्षेत्र विषया स्वापन स्वापन क्षेत्र विषया स्वापन क्षेत्र विषया स्वापन क्षेत्र स्वापन क्षेत्र स्वापन क्षेत्र स्वापन स्व स्वापन स्व

्त्राप्तकाविवाबाहेबासु प्रस्ति र्याप्त विषया वात्र वात्र विषया ही त्याय विषया है । व्याप्त वात्र वात्र वात्र व चसूर-वैन्न्य-त्त्य-दिन्त्य-क्ष्र-त्य-क्ष्र-वि-एड्रव-द्वा क्ष्य-द्वा क्ष्य-वि-क्षय-वि-क्ष्य-वि-क्षय-वि-क्ष्य-वि-क्षय-वि-क्ष्य-वि-क्षय-वि-क्षय-वि-क्षय-वि-क्ष टैवान्तर्यं, सूर्यं, तथुं, व्युव्यं, व्युव्यं, व्युव्यं, व्युव्यं, व्युव्यं, व्युव्यं, व्युव्यं, व्युव्यं, व्य कृष्यं, व्युव्यं, त्युव्यं, व्युव्यं, व्युव्य मुर्बट मुर्चे ला मुर्चे व बाही बादा मार्चे ता पाव व लाही मार्चे मुर्चे मुर्चे मुर्चे मुर्चे मार्चे मार्चे व के मार्चे मार चश्चिम्यामयाञ्चा महिमान्दा विषा महु महुव ता अविया सम्भिया विषेत्र महिन्द्र र्ट्राष्ट्रिर्पर्या शुर्ट्रा दें पुण्यें ज्ञान सुं अळअन र्या रें शुन्य हैं यहूँ अने। देव र्ये के अर सूँ व शुन्य अपवर यें र्ट्र्य र्या र्या स्वापित र्ये व *ॱ*ॸ॔ज़ॱ॔ॹॺॴढ़ऻॴॱॹढ़ॱज़ढ़ऀज़ॱऄ॔ॱॸढ़ॖॱॸ॔ढ़ॎऀॱॸॸ॔ॱऻॱॶऄॱ॔॔ॿॱॸ॔ॱॸ॔ढ़ॖॱॸ॑ॸ॔ढ़ॱॿॖऀॱॸॸॱॻॖॴॱॸऀॱक़ज़ॸॕज़ॱॸऀॱॹॗ॓ढ़ॱय़ॱॻ॑ॺढ़ॱढ़॑ॺॱॸ॔ज़॓ॱॸऀॸ॔ॱऄॗ॔ढ़ॕ द्यां या चुर विराधियार प्राप्त के तो स्वाप्त प्राप्त के ता स्वाप्त के स्वप्त के स्वाप्त के स वो देर दैवर के केर अहर यह के विट अर्प पर दवर वश्चर वे के विट वश्चर वश्चर वश्चर वश्चर वश्चर विद वश्चर विट अर्प पर ह्मि अपिन से हिंदी अपन से अपन से पित का मा अपन से प्रायन से प्रायन से प्रायन से प्रायन से से प्रायन से से प्राय ज़,८वं,श्,८८.४.ई,८८.धूं,८कूवाब.८८,वाषट.उद्यावस्त्रावास्त्र्यं,वाश्चेंय.वाश्चेंय.व्र.वाश्चें.८८.१८.१०.१०.व्री.८०.१०.व्री.८०.व्र.वाश्चें.८०.वाश्चें.८०.वाश्चें.८०.वाश्चें.८०.वाश्चें.८०.वाश्चें.व र्गाय नर्में प्रम्य में में प्रम्य में प्रम्य में प्रम्य में प्रम्य में में प्रम्य में में प्रम्य में प्रम्य में प्रम्य में में प्रम्य में प्रम कृष्णाम्बर्तिः प्रकृषः प्रकृषः विष्णा विराक्षरः पर्तिः चुं क्षेष्णान् वास्त्राच्याः प्रकृषः विष्णा विष्णा विराक्षरः पर्ति । विष्णा विष ले.लट्ट शक्त कुट कुट में देने अ.इ.चे.ल.बूबोब सूर है.श्रट सूर्य रेट में किया कुट स्थाय स्था द्रभार्चे त्रभुषां न प्राप्त ने त्रमेषा में स्वापाय का स्वापाय हिंद ने मा किंद ने मा सके देन हैं देश में नमीय न से हम प्राप्त में भी भी इसमान दें। पर्य पर्दि रहें रे पर्द ते ने में प्राप्त के पायह मानु प्राप्त के नसून नर्रेन पर्नेन प्राप्तिन प्राप्ति व प्राप्त प्रमाण का निया के स्वाप्ति के स्वर्ण प्राप्ति के स्वर्ण प्राप्ति के प्रमाण के स्वर्ण प्राप्ति के स्वर्ति के स्वर्ण प्राप्ति के स्वर्ण प्राप्ति के स्वर्ण प्राप्ति के स्वर्ण प् <u>८८, मुर्चित्रक्तान्य वेश्वानकीतात्र प्राचित्र प्राचीतात्र क्षाम्या प्रयोग स्थान स्</u> ब्यून, द्वी अप स्तुवा वी अपवर्ग हो ।

५.१२ र्केन्टरमःनुःकेन्टन्यरुभागभा

ब्रबःशं.बःज्ञःचेत्वःश्चेत्रको श्चेटःस्वावीयोबन्तप्रहे.ज्ञःलुवी चित्रवे.त्.चोडुबःकं.चर्रव्यट्यन्यःश्चेतःवर्ष्यःश्चेतःवर्ष्यःश्चेतःवर्ष्यःश्चेतःवर्ष्यःश्चेतःवर्ष्यःश्चेतःवर्ष्यःश्चेतःवर्ष्यःश्चेतःवर्ष्यःश्चेतःवर्ष्यःश्चेतःवर्ष्यःश्चेतःवर्ष्यःश्चेतःवर्ष्यःश्चेतःवर्ष्यःश्चेतःवर्ष्यःश्चेतःवर्ष्यःश्चेतःवर्ष्यःश्चेतःवर्ष्यःश्चेतःवर्षयःश्चेतःवर्षयःश्चेतःवर्षयःश्चेतःवर्षयःश्चेतःवर्षयःश्चेतःवर्षयःश्चेतःवर्षयःश्चेतःवर्षयःश्चेतःवर्षयःश्चेतःवर्षयःश्चेतःवर्षयःश्चेतःवर्षयःश्चेतःवर्षयःश्चेतःवर्षयःश्चेतःवर्षयःश्चेतःवर्षयःश्चेतःवर्षयःश्चेतःवर्षयःवर्षयःश्चेतःवर्षयःवर्षयः। च.जि.चिथरी अक्तर् जेवूर्य सूर्य राजियों श्री यात्री सी यात्री मी अहार मान्या विविधा दर्मेवार्यं पर्ने प्रवापित परि दुंबा में परि परि अहें विषे में देव मुने केंद्र में प्रवापित में मूर्व में रहें व में व प्रवापित में प्रवापित में व प्रवापित में में व प्रवापित में व प्रवापित में व प्रवापित में व प्रवापित में प्रवापित में व प्रवापित में व प्रवापित में व प्रवापित में में प्रवापित में प्रवापित में में प्रवापित में प्रवापित में में प्रवा क्रॅन्यंन्तुः म् क्रॅनंनंदेंतुः सुरी नय्य क्रॅन्यं हुन्य क्रॅन्यंतं विटायाय होया क्र्यांत्रेतं ही स्याक्रिता केरा महीता सुरायायां ग्रीं अर्जे र दें होते व ब के के वें र प्रते हैं व प्रवादि व प्रति । ध्रीयाव कर प्रति हो र पर्छ पा पी के प्रवर व ब हा अपने प्रति हो र व ब हो इंस्रब क्रीबा दर्वेद रार शुर वी केंब हे क्रुर्य या कें यह क्री विवास केंग्रिय राष्ट्र येवा कें यह क्री वार्य कर् न्ह्रेट दब र र्टर हैं के बार पानियां या चुरावरे न्यु यावां द राजा | अर्क्षद र्रोक्ष या राजीयां या को क्रु के द राजीयां के वा कि का विकार की क्रु का विकार की का विकार की का विकार की का क्रुवायःक्रुयः वाबेटः वयः ब्रुटः टीत्रः क्रुवाः क्रीटः द्रवायः त्रीतः क्रुवाः क्रुवाः क्रुवाः व्यवः व्यवः व्यव त्रुवाः क्रुवाः वाबेटः वयः क्रुवाः क्रुवाः क्रुटः क्रुवायः क्रुवाः क्रुवाः क्रुवाः क्रुवाः व्यवः व्यवः वयः वयः त्रुवाः क्रुवाः वाबेटः वयः क्रुवाः क्रुवाः क्रुवाः क्रुवाः क्रुवाः क्रुवाः क्रुवाः वयः वयः वयः वयः वयः वयः वयः द्री र्वबाचरिया कुर्वाकुर्व विबार हुरि. जबास मियां जासवाया सामित स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स म्बियायान्त्रात्वियाम्बियायान्त्रम् व्यापान्त्रम् व्यापान्त्रम् व्यापान्त्रम् वित्रात्त्रम् वित्रम् वित्रात्त्रम् वित्रात्त्रम् वित्रात्त्रम् वित्रात्त्रम् वित्रम् वित्रात्त्रम् वित्रम् वित्रम बॅर्णबायरानु जोबादी देवी तर्व में हैं देवित सुरत्व के प्रति स्वापित के प्रति स्वापित स कुँबानाबन ने न्याः चन क्रूबाने ना वार्ष्टान्य वार्ष्ट्र ते त्राप्त क्ष्यान्य क्ष्यान्य क्ष्यान्य क्ष्यान्य क्षयान्य क्ष्यान्य क्षयान्य क्ष्यान्य क्ष्यान्य क्ष्यान्य क्ष्यान्य क्ष्यान्य क्ष्यान्य क्षयान्य क्ष्यान्य क्ष्यान्य क्षयान्य क्ष्यान्य क्षयान्य क्षय क्षयान्य क्षयान्य क्षयान्य क्षयान्य क्षयान्य क्षयान्य क्षया त्या श्रुंच-र्त्व-प्रेय-विन्य-र्स्चन् दें श्रुंच-द्व-क्रि-ए-प्रेव्-विन्य-प्रमाणिया विन्य-प्रमाणिया विन्य-प विकेति सुर्यान्तर् हं यत इत्रायार्वेषायार्य हिंद विरावविषयात्र महीतार्य वित्यास्ति । अविराह्य दुर्यापा विराहे पाद्र से प र्त्तव.श.ट्रे.व.ट्रे। क्षंतर्वेर.त.ट्रक्ट्रेचबर्ट, प्रवाकाणालट्यूटबाक्चित्रक्ष्यकाणटाकुत्तराचेटा क्षंत्रवित्रक्ष्ये हेवा क्ष्येवा क्ष्येवा वित्रतर्द्धात्वरक्ष्ये हेवा क्ष्येवा क्षयेवा क्षयेवा क्ष्येवा क्ष्येवा क्ष्येवा क्षयेवा क्ष्येवा क्षयेवा इ.लट. ध्रेय.त्र. यो श्री व्याप्त प्रचार क्राण्ये। क्रिया में प्रचार क्रिया में प्रचार क्रिया में विकास क्रिया में स्वित क्रिया क्रिया में क्रिय में क्रिय में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिया में क्रिय चुरायाया देराचेंबाचें केवाचुराचायावीवार्यकाबी वेंदि ह्यूयायां चिरायायवार हु। यदां खेरार्यवार का विवास विवास वि द्राया में प्रमुख्य के प्रमुख दे भ्रिक् कर् सिर्म क्रिम भ्री तर्द मेम दर्द त्राया आर्थेरा। देर में मास्त्र प्रमास क्रिमा अर्थे त्या अर्थे त्या क्रिमा में स्वाप क्रिमा स्वाप क्रिमा क्रिमा में स्वाप क्रिमा वृषा मुंदं रहेवा तर्वा पं तावावा वर्षा श्ची वर्ष वर्ष प्रति पर्ने र तेषा वर्षा भी वर्ष के वर्ष अवित वर्ष श्ची के स्वा के स्व अवित वर्ष श्वी के स्व अवित वर्य वर्ष श्वी के स्व अवित वर्य वर्य वर्ष श्वी के स्व अवित वर्ष श्वी के स्व अवित वर्य वर्य वंदाक्ष्मियमान्त्राच्यात्राच्य शुं कूँगे चरा देर विषय र्या प्रत्ये प् नग्ने पुर्वे मुंबुर्यं मुंब्र्यं मुंब्र्यं मुंब्र्यं मुंब्र्यं मुंब्र्यं मुंब्र्यं मुं चेर्ब्यन क्षेत्रकार्थ्य विद्यान कर्ष्य क्षेत्र कर्ष्य क्षेत्र क्षेत ૹદ્રી ૹર્વાત્યસ્ટી સેટ.કુવા.વાદ્યાસભ્યમાં કૈયાના દેવા વાલય દુરા કૈયાના ધુનય વાદ છું. કૈયાના સભ્યય કૈયાના વાલય દુરા તાલુ લિવય ફ્રિયાનું ત્યાન કૈયાના વિવાય વાયા ગિદા દૈવાયા તેયા તાલુ કિ. તેયા મુંદા ભ્રદા કિ. કૈયાના સભ્યય છી. તે क्रेव्रचैतर देर बेर नेवा संस्थाय संस्तृ च्वावा दे क्रिया चावा का छी वा विषय वा संस्थाय स्वाय से देव विवासी विषय है है । ढ़ॕज़ऻज़ॖऀॱज़ॸॣॕॳॱॿॹॵक़ढ़ॻॺॣॖॖॖॖय़ज़ॣऄॴॶॴॶॺऀज़ॎऄॹॶऄ॔ज़ॹॹॣॸॱॴॿॳ॔ड़ॣॕॳॹॹढ़ॣ॔॔ज़ॸ॔ॱख़ऀॹज़फ़ॗॹज़ॗॶॴॶढ़ वयार्मेन कर वया क्रिंव वया प्रवासेन क्रिंन क्रिंत स्थान स्था मुं के चिना मुं के व र्रे प्रत्यक्षेत्रायन सुरु विषय व रायहाम सुंकार्त्र मुं के व रायहाँ सुंका की को की वार्ष यायत्तः वित्। वित्यत्तः हेवायायः हेवायायत् विवयत्त्रः वित्यवित्रः वित्यवित्रः वित्यवित्रः विवयत्त्रः वित्यवित् स्वतः वित्यायत्त्रः वित्यत्तः हेवायायः हेवायायत् विवयत्त्रः वित्यवित्रः वित्यवित्रः विवयत्त्रः विवयत्त्रः विवय णः सहित्या अव्यासित्यस्य । अत्यासित्यस्य अति प्राचेषामा हे सित्य वासित्य । अत्यासित्य सित्य वासित्य । क्रिया व त्र तृत्य के त्र के त् द्र-जू.वीश्वरक्षे. बु.की विट.ट्योर.टेट.लट.ट्योर.वोश्वरक्षे.जू.वीश्वरक्षे.बु.च्येटी मूट.क्ट.टे.जू.चटेब.हे.खे.की केट.चूर.जू.चटी.वोश्वर हु.बु.च्यं.चटी.वोश्वर हु.बु.च्यं.च्यं.चटी.वोश्वर हु.बु.च्यं.च्यं.चटी.वोश्वर हु.बु.च्यं.च्यं.चेश्वर हु.बु.च्यं.च्यं.चेश्वर हु.बु.च्यं.च्यं.चेश्वर हु.बु.च्यं.च्यं.चेश्वर हु.बु.च्यं.च्यं.चेश्वर हु.च्यं.च्यं.चेश्वर हु.च्यं.चेश्वर हु.च्यं.चेश्यर हु.च्यं.चेश्वर हु.च्यं.चेश्वर हु.च्यं.चेश्वर हु.च्यं.चेश्वर हु.च्यं.चेश्वर हु.च्यं.चेश्वर हु.च्यं.चेश्वर हु.च्यं.चेश्वर हु.च्य त्त्रवाह्मात्रम् त्रात्त्रकृत्यात्रम् त्रात्त्रकृत्यात्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्र वित्रवाह्मात्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त् वित्रवाह्मात्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त् में श्रीय-त. क्रीया अन्तर प्रमुख्य अहं तो ने प्रमुख्य अहं तो हो त्या अस्तर प्रमुख्य अस्तर प्रमुख्य अस्तर हो ते स्था स्वर्थ क्षेत्र स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य केर्ते खु कुरायी बिट ब्रीट या केंग्राहे दे दिर्यायी सु दे यी मध्यां भेर यह के मिर्म है अपनि मेर या है अपनि मेर मिर्म केर्य प्रिंग रहा देनका श्रीर विष्या मुखा रेवा विष्य रेवा विषय राज्य विषय स्वर्म हिं के लिए हैं

्रैच्-क्ष्वीय, रूट्-द्रायवेश, त्राच, रु. ही ज्ञानमार प्रयादा मृत्यादा मृत्यादा स्त्राया स्त्राया स्त्राया स्त्र

नेगातः ह्यन र्राट्या अनुसारा सुरने र्यो नेगाँ न सकेवा हुने संस्थान हो। में सूस्य सुराय है या वासवा धीना या हुना हुने ने वास या यहना नत्रैं नगतःनत्ने त्रहें व पत्रै नगे नमे ब के वे रागिका मि ब के पन र त्या क्षेत्र र मा अप अप के पन र अह व व व व यर ठवं त्रुद्ध र ष य ठेवा धेवा

प्ट्रेत श्चेंपाय पिर्माण्या में प्राप्त है। ये से स्थाप हिस्सान का श्वेन स्थाप का स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप यते दुवा बुं स् दर्भेदा अस्द यते भ्रानवा बुं कु ये र दु र्घेवा दवा बुंगवा दवा यंगात यदी या देवा अवता ते दि से र सुं -हेंगबायायात्रह्मदेशे दुंबा ध्रेबायार्रणा हु कुर्रोर्ट सुर्वायां यांचायां प्राप्त यांचायां दे विवायात्र यांचायां विवायात्र यांचायां विवायात्र विवायात्र यांचाया पश्चेत्र्या पश्चेत् रहः शुं द्वारा श्वेषाय स्रोत्तारा प्रोत्ताय विषया

चबिट्या भुक्तिः श्रे दिन्यत्रं तुन्या देवै ख्रयः धृहे स्वतं याचारेण सूर्वः भ्रुवि र्श्वेचाया दे त्याख्य श्रेवः कः यकेन स्वते ख्राक्षेणयाया चार्येट जीः श्चित्रपादीयाँ र्यो अब्रास्ति के में बंदियां बाया हैं सिंदा होते बादी खांबा है। बाजी बाजी बाजी के बाजी के बाजी के बाजी है। बाजी बाजी के बाज चैत्व चूट वर्त वे ते ते दे मारा चत्व के पाया धीवा अळव चरे लेपाया चीया अळवा वेट के चीया था विश्व है पाँचे या के से हा वया में प कट्र न ये निष्या प्राचीत्र व ते हैं निष्य के स्वाप के स्व यान्तरार्थे र्याचे हु साम् देवा बार्चे हुया या यो विवाबा है। है। या निर्देश हुवा में हुँ बार्चे हुँ वा ये ন্ত্ৰ-শ্লুন্থ্য

र्क्षेट्र प्रचुमामी स्नूनश्

<u>ॼ</u>ऀॴॸॱक़ॕ॔॔॔ॸॱॸढ़ऀॱख़ॕ॔ॸॱॺॱॿॖॴॸॱॴॸॱॸऺ॔ॺॕ॔ढ़ॱॺॱॿ॓ॺॱॻॺऻॺॱय़ॱॸ॓॓ॱॿ॓ॱढ़ऻॎढ़ॸॺॱॶॴॴॱॕऄ॔ॸॱऄॣ॔ढ़ऀॱॸऺॺॕऻढ़ॱय़ॱऄॖॱॺऻॸॣॕॸॱॸ॔ॱक़ॆऀॸॱॺॱॸढ़ऀॱॻॗऻॸॱ शुँ यं यं श्री श्री श्री त्या स्वार्थ त्या स्वार्थ त्या स्वार्थ त्या स्वार्थ त्या स्वार्थ त्या स्वार्थ त्या स्व मिन्ती प्राप्त त्या स्वार्थ स्वार्थ त्या स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वर्थ स्वार्थ स्व स्तुः क्षेत्राष्ट्रन्य स्वत्या स्वत्या मुद्दा वित्र स्ति स्तर्भा मुद्दा स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्व स्वत्य पर्वूर.व.लूर.त.इम्बर्य.र्थ.व्यू...कृष.पर्वू...व्यू...वृष्य.त.व्यू...वृष्य.व्यू...वृष्य.वृष्य.व्यू...वृष्य.व्यू...वृष्य.व्यू...वृष्य.वृष्य.व्यू...वृष्य.वृष्य.व्यू...वृष्य.वृष् लूबी जु.र्जं त्युब्यः येव्यं विवयः ज्ञात्यं त्युः श्राचीयः श्राट्या विवयः हेव. हेव. हेव. हेव. व्यव्यः विवयः विवय क्वरां क्षे प्रभूत हैं हे लेका चु प्रं लेवा सुंका सु त्या कुका सु द रहे का ने का प्राप्त है ने पर के प्राप्त है कि प्राप्त है ने प्रमुक्त प्रमुक्त है ने प्र सर्यो हूं खंबरिवेयं र्यात्राचीयीयात्राचा विकास मुक्ता है स्वास्त्राचीयात्र विवास के स्वास्त्र स्व यपुं होत्र श्चनमा विग्नमा धेना सि.म्.म् वाचार महिन हायाचा धेना हिंस सान् श्रेणमा गहिन हायाचा धेना हिंस साम हिंस नु ने र्नेपाय चूल न भी बोर्य ने लेया ने पाय से पाय होता राज्य होता है से महिला है हैं माय के महिला महिला से कि ग्व-प्वट्यां भ्री: श्वामा यट्या मुका भ्री श्वयाया श्वयं यह दे विश्वया व्ययं श्वयं श्वया श्वयः श र्रेंदे क्रु-विन्यं पर्वान्द्र पर्वान्द्र प्राप्त विन्यं विन्येन विज्ञेन विदेन सुर्वा विवास स्वान स्व रायः क्रूबार्ययान्त्र अत्यायान्य स्वर्णात्यान्य स्वर्णात्याच्यात्य स्वर्णात्यात्य स्वर्णात्य स्वर्यस्य स्वर्यस्य स्वर्यस्य स्वर्यस्य स्वर्यस्य स्वर्यस्य स्वर्यस्य स्वर्यस्य स्वर्य श्च.श.ट्रेंट.केंट.त.ज.ब्रुचब.त.झशब.जब.घशब.ठट.कु.कुब.श.जब.तर.जूबे.तर.शह्टी जू.टेंचे.वेंब.क्रूचब्र.त.चश्चेटबा चविय.ज.डिट्. चन्ना न्न्रान्ये ने मुक्त मिन्ने माया वायन से भ्राप्त ने ने स्वापित वाया वाया मिन्ने में मिन्ने में मिन्ने मिन र् निर्मेष्ट्रीय प्रस्मित्रा अळव्या मार्थिय प्रमाण देश में त्र मार्थिय में त्र मार्थिय में निर्मेष्ट्र मार्थिय में मार्थिय <u>ब्रु</u>र-लॅं.प्रेन्-केप-में न्यर-ह्र्-हें-क्रील-प्राच्यान केप-प्राच्यान के प्राच्यान यहेवा हिन् भूष्वरायके प्रकार्यके विषय अर्थत देवा विषय प्रति विषय अर्थि स्वाप्तकार्य हिन्या प्रकार है विषय अर्थ हिन्य विषय । पार्वेद्यान्ने स्त्राम् स्त्रीया स्त्राम् स्त्राम स्त्राम् स्त्राम स्त्रा वित्रं वे व्युर्हे में वे

ट्रेति:श्चॅन्'म्'श्चिब्'म्'नेत्रकेव्'स्व दी देट:देर-लॅन:लेश:नम्मचाय:न.केव.क्चे.क्चे.क्चे.क्चें.कुद्वे.जी लॅट:र्व्मव.न.जय:नेक्चे.विक्चे. य्यक्ताक्षेत्रा देराद्रायवायः विवायवात्राक्षेत्रात्राद्धराष्ट्रीयः विवायः पर्वे स्वायः पर्वे द्वायः परवे द्वायः द्वायः द्वायः परवे द्वायः द्वायः द्वायः परवे द्वायः द्वाय ૡ૾૽ૡૺૢૻૺૼૼૼૺ૾ઌૹૣૹ૽ૼ૱ૢૢૣૡ૽ઌૺઌૢૢૢઌૢ૱ઌ૽ૺ૱ઌ૽૽૱ઌ૽ૹૣઌ૽ઌૢૼ૱ઌ૱ૢૺઌ૽૽૱ૢ૽ૺ૱ઌઌઌૼૹૹૹૹઌ૽ૺૹઌઌઌ૽ૼૹૺઌૹ૾ૢૺૹૺૢઌ૱ૢ૽ૺઌ૱ૢ૽ૺ૱ त्रथ.कूर्या.योशेट.क्षे विर्ययाद्वी.पर्यट्या.वेथा.बु.चर.योघेयाया.कु.चर.जू.यीश्रा.कु.इ.कंपु.चर.री.बचया.चेट्रट.बिया.योक्रुया.केट.श.येजा.चर.श्रीय. कर नर्विवाय तथा ही ये. क्रांचर विवाय। क्र्या है .ज. नर्विवाय, तथा वायर है ट. वी रिवट वार अय. त. जट ज. स्वाया ताया र विवाय हिंग या स्वाया है . वायवी भू रावातपु रैट्ट रेपट कूब मट रे खिबा मूर् क्ट ता ज्यट ए रीवा सूर वायवा कर वायवी बारा के जा कर सूर स्थाय चीयः क्र्या थे अत्राज्ञीत्वा व्यवस्था क्रिया स्वयः ची क्रियः स्वयः स्वय

 लट च्रिन्स्य प्रति । स्वतः प्रति वित्र प्रति वित्र प्रति । स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्व त्यू द्वा प्रति । स्वतः प्रति । दे वित्र स्वतः स्व इत्या स्वतः स्व

प्यत्र प्रचित्र विवास के स्वास के स्वस के स्वास के स्वस के स्वास के स्वास के स्वास के स्वास के स्वास के स्वास के स्वास

दिते ह्रिन य में त्युंग केंबा हे नित्र विवर् केंब्र मूण ग्राग्व या केंब्र ही

तारसीना वीयः स्याविकानान्त प्राप्त स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्थान्त स्थान्त स्थान स्

प्यः श्वः अद्यान्त्र स्वाह्म श्री क्षा अक्ष्यां स्वाह्म श्री वा स्वाह्म स्वाहम स्वाह्म स्वाह्म स्वाहम स्वाहम

द्धवान्यार स्वानं तर्सन निम्न निम्न

बयालटार्रेग्वानान्त्राच्यात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् लटाक्वितानालटार्न्य्वानात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्

क्रुंतरपार्था सेवां साराश्रेता सूना परि क्रुंया सक्तर पार केवां सारा पर पर्वां वासा सी

पट्नीन् क्षेत्रस्था स्वास्त्रम्था स्वास्त्रम्याः स्वास्त्रम्याः स्वास्त्रम्याः स्वास्त्रम्याः स्वास्त्रम्य

<u>लट.रेतल.मूर्य.क्ट.तपु.सिवोब.की.सब.वीय.कुब.सी.कुब.त.लुब.धी. दुपु.वीरेट.ययब.बु.सर्ट्र.शैर.रेटीय.सूर्य.विट.धी.क</u> मुंबुक्षं मुंबुद्धा बावत त्यूंति ब्रह्म होत् बेर ब्रह्म त्या सुर्य प्राप्त महत्या देर गुर्व हुन वृत्ते दे हिन मुहेर् या मुदा ह्या विद्या स्वीत स यत्रीय र भेर मित्र प्राची स्थान मित्र प्राची स्थान मित्र प्राची स्थान स् रवाराष्ट्र त्यस्य प्रति चिर क्रिय क्रिया क्रिया के स्वर्ध देशा स्वर्ध प्रति होता है है । स्वर्ध प्रति होता क्रिया क्षेत्राची प्रापासी प्रियम स्वाप्त स्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त विषारपादग्रेवासुराम्बर्धाः विष्पा प्रस्ति स्थानित्र स्था वंबाह्यरास्तरम् तर्वेवं प्रदेश्याची स्तरासु राजान्व स्वर्षायाया केवाहे में नाकर प्रवास रेतर स्वर्ष स्वर्षाया स कट्र न्यात्र वित्र वित्र प्रत्य वित्र वित् र्गायःप्री र्यात्राक्ष्याचेत्राचित् विर्वे विर्वे क्ष्याचार्यक्षेत्राचित्राचित्राचित्राचित्राचेत्राचित्राचित्र हें वं गा र ब्रेश र हुर न गर ग्वें व हुर न हैं गवार र गर्वे व र व वे व ले हो व ले वे वे हिर व वे के हिर के के व न्व्या रब्धवाक्कि.कु.कुर्यान्यंत्रेयं तब्देयं तब्देवायां केवायां केवायां के वायां वीता प्रतिवाद केवायां केवायं केवाय इस्रयाचीचेर्यायायाः कर्वायायम् अवस्यायाः वर्षायाः स्थायाः वर्षायाः स्थायाः स्थायाः स्थायाः स्थायाः स्थायाः स्थ करें. तर्रे वि.सं. हुवां वि अक्षये. पूर्वे क्षये. प्राप्त क्ष्ये. प्राप्त क्ष्ये. प्रत्ये क्षये. प्रत्ये क् वीश्रुली क्रुश्र है रुचे क्रि.ल.टे ब त्यू प्रविधार जुवीय जुवीय तर्र विश्व में जिंदी तर्ज़ देया प्रविधार क्रुवीय जुवीय जुवीय है या जुबीद या भूट श्रीवयात्र स्टाब्रेयी प्रिट् वी वीबिट वीया देश एप्ट्रिया यह या क्षेत्र हुं हा खा श्रीवयाता अविवास या प्रेत् वा वीट विवास स्टिव विवास स्टिप् स्व-दि-तर्वा नामान्त्री देर विद् क्षान्य निवा विषय अराक्ष्य विषय अर्थ नामान्य विषय क्षान्य नामान्य विषय विषय व द्यानुवान्त्रीत्यात्त्रीत्यात्त्रीत्या क्रवाहेत् न्यात्रात्त्रीत्यात्रात्त्रीत्यात्रात्त्रीत्यात्रात्त्रीत्यात् क्रवाहेत् न्यात्रात्त्रीत्यात् क्रवाहेत् न्यात्रात्त्रीत्यात् क्रवाहेत् न्यात्रात्त्रीत्यात् क्रवाहेत् न्यात् क्रवाहेत् न्यात् क्रवाहेत् न्यात् क्रवाहेत् न्यात् क्रवाहेत् न्यात् क्रवाहेत् न्यात् क्रवाहेत् त्याक्षी तद्येताना भेत्र के दे त्येत्वा क्षेत्र के त्येत्र त्येत्र त्येत्र त्येत् त्येत्र त्येत् त्येत्येत् त्येत् त्येत्येत् त्येत् त्येत् त्येत् त् विगावियाममा अवाही सामानविवार गूर्य हैना ने ने प्रायम है। क्रिया के बाही में के बाही में के बाही में के बाही में पश्चिम्यत् क्रुम्याया विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य क्षित्र विश्वस्य क्षित्र विश्वस्य क्षित्र विश्वस्य क्षित्र विश्वस्य विश्वस्य क्षित्र विश्वस्य विश्यस्य विश्वस्य विष ું 'અદ્'૬'ૡૹ_ૻ૬ૹ'ૡૡ૽ૼૣૹ૽૽ૢ૾ૻૢ૾ૻૣ૾ૣ૾ૣૻૡઽૹ૾૽ઌ૽૽ઌ૽ૢૡૢ૽ઽ૽૽ૢૄ૱ૢૻૹ૽૽૱૽૽ૺૹૢ૾૱૱ૹૢ૽ૼઌ૽૱૽ૣ૽ૼઌૹ૾ૢ૽૱૱ૹૹૹઌઌ૽૽ૢ૽૱૱ૹૹઌઌ૽૽ૢ૽૱૽ૺ बिबार्चबार्टा तुर् चिटां शु. शुर जित्ता मुन्ति विवाबार्य शुर्वे शिवाबार्य शुर्वे अत्यान्य स्ट्रा हु क्या नहीं न इस जवाबा हु जित्ता जुर शिवा जुर शिवबात शु. जा नश्चे च्या बिबार्य शुर्वे अविदेश तुर्वे अया नश्चित्य सामित्र प्र बैं र 'चैंब बंब र्हेन बन्ने ने पत्ने पत्ने वा दे 'बब' अर धुया दे र र चुर बब ये अँ अर्हे ब बब है 'यहू र र चेंन ब अर्के द स् 'चैंब) दे 'बब' नविवे वयबारुं - हिन्द्रें व द्रांवा वें दें ते वर्षे वें बर्षे वें वर्षे वर्षे वें वर्षे वर्षे वर्षे वें वर्षे द्वाप्तर्वे प्रत्यात्र क्ष्यं प्रत्ये क्ष्यं क्ष्य वर्ष्य कर् बुंद्य केट वर्षे देहें में बें के के देवें हैं के प्रवित के प्रवित के हैं हैं हैं के पर केट के अपने स्ति ग्री में त्र के के त्या के त्या के त्या के त्या त्या के त्या त्या के त्या त्या के $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \frac{1}{2$ इंट्रबार्च बंक्रें रें भूभार्त होता कुण र्या भाकु रें व र्या के त्वव विवा भा नुबा मित्रे रें कुण प्रवित रें कुण सुंभावना दान्नार्वाहेदाहैताहैताहे भावन्त्रा वार्षाभावाहेदान वार्षाभावहेताना सुदी द्वाहेता वार्षा हिता सामिता वार्षाभावाहेता वार्षाभावाहेत याँचारक्षात्राम् सुवाराम् सुवाराम् सुवाराम् सुवाराम् स्वारम् सुवारम् स त्रियक्षरम् में में स्वापित्र में क्षाप्रमें में स्वापित्र में में स्वापित्र में में स्वापित्र में स बे 'नेट'कु'नेट'नेयुं'नेट'पायटेब'य'र्शेषाबारायाट'ययेट'यहेपाबारा'बेन'यांबट'टें। 'हें'हे'पाबुब'ग्री'पब्रेब'बुब'ख्यायेते 'ब्रेन'बादे पाँठें'वें वी रेव रें के यापर कुर्पा केंब हे रूट हुट पा ज्ञाय रूप यापा यापव केव पर्वेट वयव दें रावेश हैं पाव है वाले हैं गाव ५ नेतृत्र क्रें व गुन क्रिया के त्राहित क्रिया है क्रिया क्रिया है क्रिया मीतु की ता के अप ता विष्ठ में कि ता की ता ता ता की ता बट्-श्रीट-श्रीट-वील-क्रव-श्र-दि-वील-क्रव-श्र-दिन देव-श्री-वाज्य-क्रव-श्री-वाज्य-क्रव-श्री-वोल-क्रव-श्री-वाज्य-श्य-श्री-वाज्य-वाज्य-श्री-वाज्य-वाज्य-वाज्य-श्री-वाज्य-चर्यर्वित्रयात्रित्तात्री ब्राज्यात्रात्त्रीत्री ब्रेष्डियर्ट्टिविट्यात्रेत्रयात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या र्बाट द्रीगर क्षट में विचय देर है या चे है में यह देन यह में प्रति या वा के ये हैं है देन ये के में द खुर्म में यूर्य अर्धन है ये यह से प्रति प्रति अर्धन है प्रति के नदी सुना पर न विनाय न व तस्याय अर्केन प्रायान में तर मुना निनाय न मुना प्रायान में मान अर्थ निया में प्रायान मूर्य स्टिन्य अपनित्त निर्मेश्व स्वास्त्र में देव स्वास्त्र स्वास् रे हिंद इंग्रेंग मुंजू हिंद ग्राट अंट दे अहंदी अयर्र र पत्या के रात्रे के पानियं पाट में हिट दे में हिंद के वे रात्र हैंट पति है वे राह्या के लूब.ज.पंषिटब.चेबी टेवीट.जू.चक्केट.ट्रि.झ.के.नं.अ.चू.लूब.की.चें.च.वार्बेश.तपु.कुंट.वार्बेब.ज.कूब.की.टेवीटब.बी.वार्वावीयां टेपू.हेब.बी. चटवा.तू.वीवाब.न्.पवीट.वांचेब.तपु.लट.वीब.त.अकूवांचेट.कैंब.तब.च्यींट.वपु.च.त्र.च.कूंट.ट्री पत्रू.चे.च.कूंच.वी.च्य चित्र मार्के महे पर्युत् व्याया मिता अक्षेत्र क्षेत्र हे मित्र मुं मुं मार्चे म लीट नहें ने निविद्य हैं। अवत निवान कर परिला है जिस है जिस परिवास में निवास है जिस है जिस है जिस है जिस है जिस है ट्रेचारा.के.सू.जीवा.चा.तप्र. रावर्षिचाबा ट्र. बबार. र्रेषु सू.सू.झु.वे.प्र. प्र. प्र. प्र. च्यां सू. ही ही प्र. त्वर्च सू.ची. सू.ची. सूची सू.ची. सूची सू.ची. सूची सू.ची. सूची सू.ची. न्त्र के रें ब्रेष्टु प्यव या बेंट रें । मून केव प र्श्वेन न्कृत दट न्ठव परि भ्रवव है। ब्रेट या मूनव के भ्रवव बी

<.৭০ ট্রি:ম্র:মরি:শ্লুনমা

त्यों अर्षे व रेव रें के वे रेव के व रेव रें के जुल कं वे। व पा श्चिप व रेव रेव रेव राय सुव रेव व रेव रेव रेव व बुँबायते त्रावाया वर्षा तही पाहेवाया कर्णाया के पाहेवाया है वार्षा वार्षा पाहेवाया पाहेवाया वर्षा विश्व कर्णाया चमेबाही जुन्नो मुँचाङ्गेन व्यापनुष्ठा ह्यां सार्चार ने स्वापनी हुन रहत चित्र सुबाही हुँ सुवाया ह्यां सार्वेन विवास हिन्स ने सार्चा ह्या सार्व से सार्वेन स्वापनी ह्यां सार्वेन स चक्षेत्र'यात्री इमानमान्यंना बुद्देत्रक्षंत्रे चा अद्यत्तेत्रक्षंया विद्वेषा विचन्त्रक्षेत्र विभावनेत्रा क्षेत्र विद्वेषा विद्येषा विद्वेषा विद्येषा विद्येषा विद्येषा विद्येषा विद्येषा विद्येषा विद्येषा विद्येषा विद्येषा विद्येष मुनिन् हुर्रायानं हुंयाविस्ता सुने न ने रेरेर छ ना गो मो रेरेर मंगना निने प्रमेत सुने प्रमाधिर हिंदा पह ग्री हा हास दियान इवि.में. क्षेत्रयात क्ष्या विया होते तर्य त्या मान्य क्ष्या है । ये बा चार का सुरा में स्था प्राप्त क्ष्या विय इवि.में. क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या होते तर्य क्ष्या है। ये बा चार का सुरा में स्था ने स्था क्ष्या क्ष्या है के क्ष्या है के स्था क्ष्य क्ष्या है के स्था क्ष्य के स्था क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य के स्था क्ष्य के स्था क्ष्य क् देवा प्रविधावत् स्वाप्त प्राप्त के विश्व प्रविधावत् स्वाप्त प्रविधावत् स्वाप्त प्रविधावत् स्वाप्त प्रविधावत् स हो कि स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त स्वापत स्वाप्त विवित्तर्वायां तहे व मायत् मायवा दे व व ज्ञायायां छै अया छैया है भूम मधिते मायत क्षया यह विवासवा स्वया महामाय तालिवायालुयां जार्यावया तुर्विट वि अहू याजा विया येथा नाश्चेया नास्त्रीया नि नि स्त्रीया नि वि स्त्रीया वि स्त्रीय वि स्त्रीया वि स्त्रीय वि स्त्रीया वि स्त्रीय वि स्तरीय वि स्त्रीय व स्त्रीय वि स्त्रीय कुट च न यार्षि सुते याने र्वेया निव हे निट च न तिराय सैवाय पा च्या नियानि याने प्रति की स्वीत पर्द सेन सुवा निय विवान् में क्षेत्र मा स्वाये प्रति विवाद्य क्षेत्र विवाद क्षेत्र क मुल्दि स्ट्रिंब तथा है नर्श्व के ज्ञान निवाय के विद्या निवाय के विद्या निवाय के विद्या द्यू अर्मेद तानिश्रवात विवाह नहीं अवाधवाहें नवा ना हिन् संर ठव नहें वा मुन हिन के दार मुन हो। शुन हिन नदे के हि सुदे अर्केन विट वी क्वें भारत्य वात्रवा (মন বি) ক্লিনেম বিশ্ব ৰূপ প্ৰীম অন্ত্ৰি ভূমি । অনি অনি অন্তৰ্গ ক্লিনেম ক্লিনেম ভূমি নেম বি ৰূপ আৰু দেব ক্লিন্ত স্থানিক বিশ্ব বিশ্ব ৰূপ ক্লিম আৰু ক্লিন্ত্ৰ স্থানিক ক্লিন্ত্ৰ স্থানিক ক্লিন্ত্ৰ স্থানিক ক্লিন্ত্ৰ স্থানিক ক্লি न्वार संभित्र्व रं से से से सूर ल विवेष

ॱॼॖऀ॔॔॔॔ॱळॱॸ॔॔ॸॱग़ॖॖॖॖॖॖॿॱॡॺॱॸॺॱय़ॱॠॖॱॺळेॸॱॻॖऀॱॸ॔ॺॕॿॱॺॕॱॺॕॖॎॱख़ॖ॔ॱख़॔ॱॸऄॿॱॸढ़ॏ॔ॱॸॺऀॱख़ऻॿॕॎॱॺॕॱॹ॒ॸॱय़ॱॿऻऄॿऻॺॱॾॆॺॱॻॖऀॱऄ॔ॱ चाबुबाया हु कें खूंचा की केंग्रे प्राची प्रवाह तय देवा की को को निर्माण की का की क्रायमिवाबाराते क्रियातिहर या होता क्रियातिहर है। या लु स्रिया हाया स्थार होता तहर पाया वित्र होरा या होता है। व्यव स्थार होता है। चरां तुं पोर्डर दियार त्यापाबन स्वायर प्रायदित के बार विराधित होता में बार का की स्वायर प्रायदित हो बार की की स च.ज.प्रयीजन्य.विव्यार्देव,किर.वर्षेत्रया वृद्ध.वर्थरजियार्थ,विवयांत्रयां इ.क्षेत्.वीय,व्वार्यात्राच्यार्थ,विक्र.विव्याः व्याप्ताप्त स्र-डिव, टटब, वेब, ह्र्-, टेव्वेटब, ज. खूर्वेब, तपुर, टेक्वेज, पृष्ट, के तम्बे, स्रेव, श्रुव, व्य, ज्यू के तम्ब ॻॖऀॱॾॺॱॶॺॱॸॆॺॱॾॆॱॺॣऀॺॱग़ॖॺॱॸऻॿॸॱॴॾॖऀॱॴॺॱॸॖॱॸॱॸॕॣॱॶॺॱॳॸऀॱॴॱॺ॔ॻॱॻॖॸॱॻॗॸॱॸॺॱॾॺॱॶॺॱॻॖऀॱॾ॓ॺॱॻऻॺॸॱॴॸॱॻऻॺॺऻ*ऀ*ऒ॔ॱॸॹॖॱॸॣॻ॔ॱॻ लालबिट अळ्अन्नाबट मी देवेंद्र र्या बट द्वी पार्चेर प्रति लें दूर अपन्य पार्चे वा स्पेन पर्ने लें स्वर्ग प्रति स्वर्ण प्रति प्रति स्वर्ण प्रति स्वरति स्वर्ण प्रति देग्या देन्या वित्याप्तर विवास त्या क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत् मॅं र्-रंगपरि विवस्तर्भात्र निर्देश तर्हेण स्वर्मा मान्यू हित के स्पर्धी मान्त्र विवस्त के स्वर्भ मान्त्र के स लू.पाश्चित्र.री.श्रष्ट्रश्चय प्रयाप्त्र प्रताष्ट्र याचा हेपू.स्ट.जाम्चजा.क्.ज.र्ज. ह्र.क्.ट्र.वीरश्चय ट्वा.जीवायाश्च.पट.वी.चम्.स्ट.वी.स्थ्या.श्चर द्वान्दरा यगायः प्रवस्तरात्रुं मासुस्रान्तुः पाद्वस्यात्वसा वित्रान्तात्वे सात्याहे म्हायाळ माने मासायात्रीय मान्यसा बॅंद'र्न्'ग्वंदर्' ब्रिंद'र्र्ग् पुर्दर्पविवर्त्दा हें श्रेंब्रायाय विवाद कर्ता हो प्रति । विवाद विवाद कर्ता हे विवाद वि ्च प्राप्तिकं व प्रिपामा देन क्रिया करि भ्राप्त प्राप्त प्राप्त कराया के स्वाप्त क्षेत्र क्षा के स्वाप्त कराया के स

पण्ठ त्यापि त्यक्कित्ति वृत्ता वृत्त

राष्ट्र भ्रम्मिय्यः श्री ।

५.२१ वर देव दें के श्वें न सन्द न करा मंदे भ्रानमा

ला जिटीन्यायिवीयायायुः श्रेष्टे कुच नयाचे देयाना जूल को हिन्दा कुचा व स्वयं ययाचु सुन्ता वीन । दे यया यस्ना कुच स्वयं ययाच्यायाची स्वयं सुन्य सुन्य नयाच्यायाची स्वयं सुन्य स

या विकानिकेट स्वार हुं हुं हुं में बिलय के हुंच उपकार कुंट, के से अहरे राकानिय के इस के वान कि का का का विकान का विकान

द्वां संज्ञान्त्व स्वायं स स्वायं स्वयं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वयं स्वयं स्वायं स्वयं स्

पचूर्यात्तरम् क्षेरम् सूर्यास्य प्रिचार्या वि ञ्चार्य र श्रीमा प्रिचारम् स्था क्षेत्र स्था स्था स्था स्था स्था

ण्यत्यां प्रतित्यां स्त्री विद्यात्मा विद्यात् विद्यात्य

१.३१ सळ्यानाराचरायदे ज्ञास्त्रका ही भूतका

यहेची चैचा क्षेत्रचेबात क्षेत्रचा ने जात्र ने साम क्षेत्र क्ष

૱૽૽ૄ૽ૺૺૢઌ૱ઌ૽ઌૢ૽૽ૼૹ૾ૺ૱ઌ૽૾ૺ૾૾ૺ૾૽૱ઌ૽૾ૺૢ૽ઌ૽૱ઌૢ૽ૺઌ૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽ૢ૽ૺૠ૾ૢઌ૱ૹ૽ૼૺૺૺૺૺૺૺૺૺ

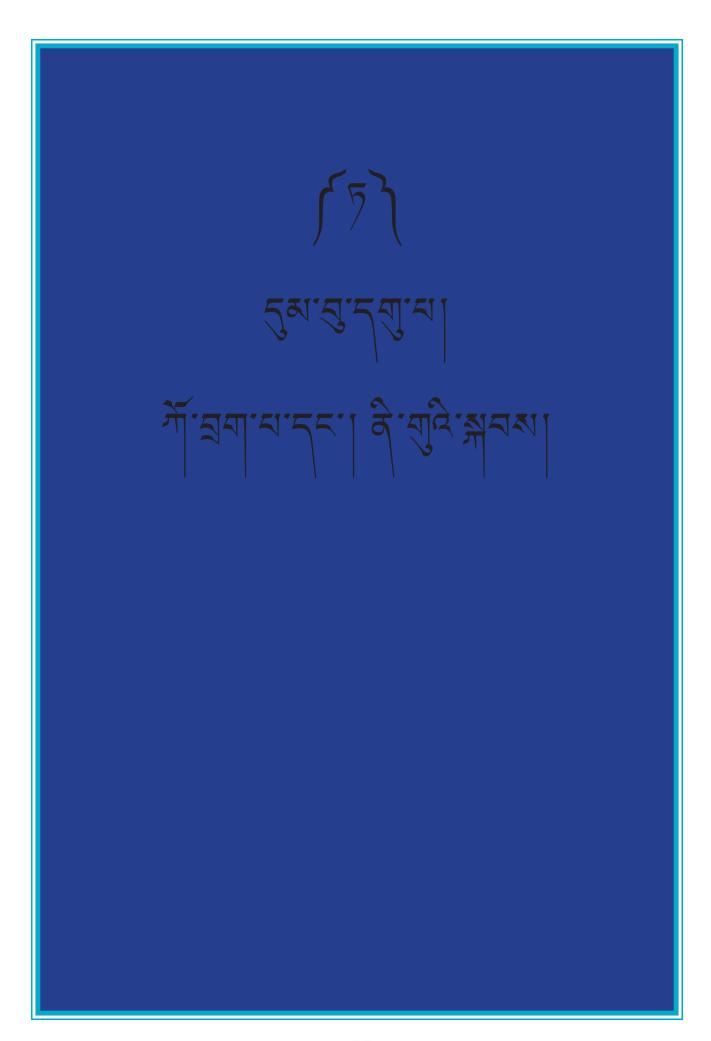
१.१३ शेसश्विद्धिः नकुद्धिः अत्रश

ૹૢૣઌ[ૢ]૬ૼૠૺૺૺૹ.ઌૢ.ઌઌૢ૱ૹ૾ૢૺૼૺૼઌૢઌૢ૱ૢઌૢ૱ૢૼ૱ૹૢ૿ૺ૱ૺ૾ૺૺ૾ઌૣઌ૱ૢૺૺૺ૾ઌૻઌૹ૽ૺઌ૱ઌૢ૱ૺ૱ઌઌૢ૱ૺ૽૽ઌૡૺૹઌઌ૱ૢૼૡૺઌૢઌૼૺૺૻઌઌૡઌ૱ૢ૽ૣૹ. पर्वट नविद्यात्रेत्। श्रीयात्र मुन्ति पर्वेद पर्वेद्य परवेद्य पर्वेद्य परवेद्य पर्वेद्य परवेद्य पर्वेद्य पर्वेद्य परवेद्य परवेद् तीलाचार्यक्षेत्राचित्रकालामित्रम् अत्यवित्राक्षेत्राचीत्रम् वित्राच्यात्राचीत्रम् वित्राच्यात्रम् चः स्थाया वास्तु अर्क्षेत्र खेट हिन हे त्र बाज्या पर स्थार प्रमुखा है स्था ने स्व विषय वास्तु अर्क्षेत्र खेट हिन है र हे तु खेवा वी स्व ही या स्व विवाद का क्ष्या प्रमुखा के स्व विवाद के लेहिन्नुसर्पेन्वलास्त्रवादित्त्वीत्त्वत्ता तर्देवत्त्रप्ते स्वत्त्रप्तत्त्वे त्वल्यास्त्रप्ते त्वल्यास्त्रपत्ते त्वल्यास्त् गुभे द्विग्राप्त न अधुगु के र्यं या प्रकास दें नि निरं देर विगाय प्रधु ने विश्व दें द्विग्रा ही गुम्म के रों से रों से गुम्म के रों से रों से गुम्म के रों से रों रों से रों द्राचम्याने स्थाप्तर व्रिष् रेतर्पे के हर से प्राचीया में प्राथक्षेत्र प्राचीया वृष्ट के प्राप्त के प्राचीया विद्या के प्राचीया के प्राचीया विद्या के प्राचीया के प्राचीया विद्या के प्राचीय के प्राचीया के प्राचीय के प वित्रावित्र में द्वित्र प्राप्त मान्य के अहेत् वेत्र प्राप्त प्राप्त के प्राप ૡ૽ઽૹૢૼઽઌ૽૽ૺૹૹૻ૾ઌૢૡ૱ઌૡ૱ૡઽૣૻ૽૽ૢ૽ૺૢૡ૽ૹ૽૽૾૽ૹ૽ૼઌ૱ૡૢઌ૽૽૽ૢૹ૽ૻૹ૽ૻૹ૽ૹ૽ૹ૽ઌ૱૽૽ૼૹ૽ૹ૽૱ઌૼ૱ૹ૾ૢૼઌઌ૽૽ૡૢઌ૽ૻ૱૱ઌ૽ઌ૱ૺ दर्गायं अया कुराने हिं अपने हिर्मा पिने रार्चे ने ने हे ने हे ने हिं की रायह पार्वे मार्च मार्चे मार श.वैट्र्यमाल्या अट्रूप अत्य प्राप्त प्राप्त में अपना होता है जार प्राप्त में ज य.व्या विटे.ज.योधेर.क्ष्याचयः क्ष्यें जूरे पर्येवा योषेष्यः स्थयः जैया वे प्रदेश वे प्रत्ये वे प्रत्ये वित्र व चबर र्ये व्यत्रायम् ज्ञावत् क्रममा श्रीवापत्र दे ज्ञीवेषायम् व्यत् वित्रायम् हेर्ज्यम् वित्र प्रमा हित्यम् वित्र प्रमा हित्यम् अ यान्जुन्नज्जुः यदन् विनानन्न विकार्यः मानुयाया स्वापायते स्थया सन्धर्मा स्वर्ते स्वर्ता सन्दर्भ सन्धर्मा सन्दर नु प्रतुर्वानानी दि यार्श्वेर्यं यार्वे क्षेत्र पुरर्यर सेंद्र भी वर्षियम् रवावी प्रकृत परित्र परित्र परित्र य म्। र्ट्रियाक्षरात्रमा ह्यूनाखरामा ह्यूनाक्षरात्रमा स्वापाक्षणमा हो। हे इसमायमा सुतु हु हायाचा ही। विद्यारमा ह्यूनाक्षरा हा खुरातु स्वापान हो। स्वाक्त के स्ट्रां के स्ट्रां के स्वाक्त के त्य. टे. क्र. क्षेट. त्विक्य. ज. ज्या त्यू स्वक्ष्ट. तु. क्षे. क्ष. त्वे क्ष. क्ष. विच्या क्ष. त्यू क्ष. निर्वत्रक्षयम् मुन्यत्र्वेत्रक्ष्यः श्रीः निरुधः स्त्रम् बंह्न वृद्र तुःवाचवर वृद्र है हुद्र गुर्वेश्व वर्षेव वर्षुव दुर्वे वं के नवर्षेव के नविवास है नहीं वर्षे वे के लवे दूर वर्षेत्र बेरा रे त्यक्कें न संस्थान स्थान में के बी ह्य में के नकें न के नकें न के का का सकत न न के न के कि के कि के कि यश्चित्रवायतः पूर्वेत् विद्यावायाः विद्याचार्याः विद्याचार्याच्याच्यायः विद्याचार्याः विद्याचार्यायः विद्याचार्यायः विद्याचार्यायः विद्याच्यायः विद्याचार्या चत्रयाद्भात्रप्रात्रप्रात्यवाक्षात्रपात्रप्रम् विवाद्यात्रपात्रप्रम् विवाद्यात्रपात्रप्रम् विवाद्यात्रपात्रप्रम् विवाद्यात्रप्रम् विवाद्यात्रपात्रप्रम् विवाद्यात्रपात्रप्रम् विवाद्यात्रपात्रप्रम् विवाद्यात्रपात्रप्रम् विवाद्यात्रपात्रप्रम् विवाद्यात्रपात्रप्रम् विवाद्यात्रपात्रप्रम् विवाद्यात्रपात्रप्रम् विवाद्यात्रप्रम् विवाद्यात्रपात्रप्रम् विवाद्यात्रपात्रप्रम् विवाद्यात्रपात्रप्रम् विवाद्यात्रपात्रप्रम् विवाद्यात्रपात्रप्रम् विवाद्यात्रप्रम् विवाद्यप्रम् विवाद्यात्रप्रम् विवाद्यात्रप्रम् विवाद्यात्रप्रम् विवाद्यप्रम् विवाद्यात्रप्रम् विवाद्यात्रप्रम् विवाद्यात्रप्रम् विवाद्यप्रम् विवाद्यम् विवाद्यप्रम् विवाद्यप्रम्यम्यम्यम् विवाद्यप्रम् व यात्राक्षां हाथा त्रह्मात्रात्र त्रा ची त्र्या के विषय विषय विषय विषय क्षेत्र के निषय के विषय के व

ये त्राप्टेट कु स्पक्ष ता स्वयं वक्ष स्टायं कु स्वयं स्वयं

४.१८ अह्वाःसून्द्रः सर्यदे नगादः नक्तृन्द्रः प्रते स्वारं नक्तृन्द्रः स्वारं स्वारं नक्तृन्द्रः स्वारं स्व

यमीर मक्चीर छुका मिकाक मुंद्रा मिकाक स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य



৫.9 শ্রিবানার্শ্রবিমান্দরেক্সমন্থ্র

गूँ। च्या पायर्भेन विश्व मुल्य क्षेत्र अळ व १ वे वा प्रेंट वा बुग्या में प्रेंप क्षेत्र के कि विश्व कि मुल्य के है अपिने कर्जी खन सुर्ह दें स्पापी ते ते सुर्व है न सुर्व है न सुर्व है न न ति हिन में देन है न से विकास कर है न से की पर ज्ञां क्रिक् अंदर्भ मार प्राप्त के से के स्वाप के से के स्वाप के से के से कि से के स सुमानी यात्र अन्य सुमान हैं क्षेत्र प्राची होता निष्य के स्थान के स्थान के स्थान स्थान सुमान स्थान स् चीतु.लू.ल.खु.चर.चीरुचेबा श्रुब.चू.कुर्च.सू.टु.चुं.चंपाय.चश्चिट.यट्टुं.कूटब.बी.चोरूवाब.बू.खुंब.ची.चट.पूं.चूबंकाचेब.खे.चुंब. ची.चीटशब.टची.चोबची तहे.ऐब.जीट.क्य.पूब्ब.खेबा पर्चू.चपु.टूंब.श्चेव.शु.एकट.त.टट.शु.कु.च.चायुब.सह्ट.यब.चश्चेट.छे.त.श्चेवा.शु. लपट.पट्टी.शु.शिवेच.ची.च.शुटी चज.जूट.क्य.चुब.खेबा पर्चू.चपु.टूंच.शु.चुंब.शु.एकट.त.टट.शु.कु.च.चपुंब.चोय.चायेट.चय कू.ज.च.चुंच्य.चर्चूंचा मू.च्यून.त.खुब.जीट.चंचीबा पट्टी.ज.चुंच्य.चू.टट.शीवब.तपु.शक्च्य.घश्च.वट.ग्रुब.जीट.बेचब्य.ज.चीरेवाबा कूब. यहां नितु क्षिया अके साथी में के किया में में स्वाप के के स्वाप के में स्वाप के स्वप के स्वाप मूर्ट, ता स.५.८ . क्रेंब्र.ज्. क्री शहर ५.८ जा ज्यान प्रमेंब्र. तमेंचा ज्या हा महामा स्वीत है। व्यासी क्रिया क्रया क्रिया क्रिय वें द्वी रुवायावें द्वी पानवायों द्वायां वें व्यावें वावायों द्वायां वावायां प्राया विष्या प्राया विषयां व वर्षित्रे देवा अटते देश द्वा वर्षे के अं मुला वर्ष वर्ष वर्ष कार्य वर्ष वर्ष कार्य के वर्ष कार्य कार होंगा,लिट.ता मेल.क्रिया हुंज.क्रिया हूं अटर्,या क्रियामक्षेत्र में क्रियामक्षेत्र क्रिया हैं में स्थाने हिं में स्थाने हिं में स्थाने हैं से क्रिया है से क्रिय है से क्रिया है से क्रिया है से क्रिया है से क्रिया है से क्रिय है से क्रिया है से क्रिया है से क्रिया है से क्रिया है से क्रिय है से क्रिया है से क्रिय है से क्रिया है से क्रिया है से क्रिय है से क् र्रेण'या अनं ये ना न्यरं क्रेंब सुरान्यरं या मेंट क्रेंब या बेंचर या ब्रायर ये मुख्य केता बेंचर में क्रेंब या क्रायर ये में या पर्वेषाक्ष्य हैव हैवा या वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष के वर् यहें चिनाया क्रेंन् श्रेट्र श तिविद्या रे.पार्युयस्य श्रे ह्वितालाम्बेषाया में ज्ञिपारा ह्वेत या द्रदानक्य परि ह्वित्य सी।

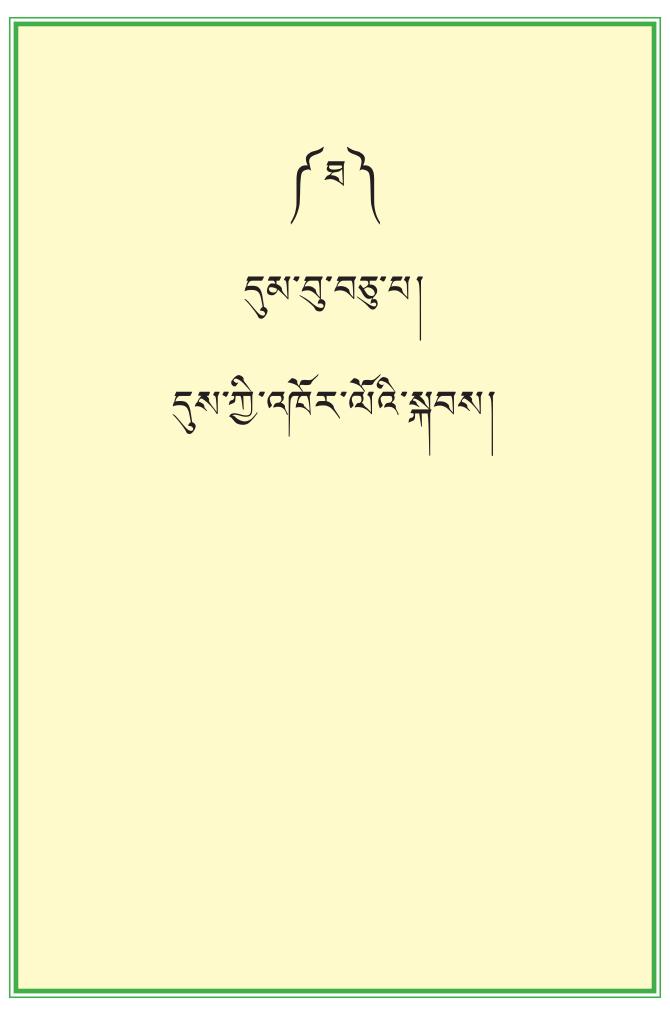
८.१ वे.योदः स्रम्यशा

चैंद्र-लॅट्ब-हुँद्-छुँद-चब-र्ब्र्--झुन-क्ष्र्व-छ-च-छिग-लुब-प्रेषु) धैद-चिवुद्-ष्टी-धर्वेद्-सं-छुव-हुं-वृद्य-प्-दे-वृष-प्-विव-सं-छ्--स्-च्-नब्रुंबन है। हैं हे तकर नर्देन या हुन या सुर्येन है न यं में वू के यदि हुंबा के ती मान विनाद के निर्मा परि न या मान मान परि व अह्नर सुर्वे चेत्र हेर् स्थानी त्र स्थानी व्याप्त स्थानी स्थानी स्थानी स्थान लूचे वाबुटा लट रिपेट्ट वियानवा विवट र्कवाया कुर्वाद्र वाच्याति विविध्य विवास प्राप्त विविध्य विवास विवास विवास वर्णायां सुरण्तिन्त्रा दें त्याप्तां त्यें सापतां त्यें साधीद्वां वया सुर्वां द्वां से स्वां से स्वां सापता त्या से सापतां त्यें सापतां सापतां त्यें सापतां सापतां सापतां त्यें सापतां त्यें सापतां त्यें सापतां सापतां सापतां त्यें सापतां सापत प्रवित् हेरक्षे त्या है हैं है प्रदेव सेंब केंब हिना क्रिया किया है है के नामिता है से स्वापित है से सामित है से स न्दं श्चेतं वनमान्ने ने हुं अद् रा नाशुद्रमा ने नु अदे लिया नम् के मान्यमान निम्म मान्यमान के मान्यमान निम्म में शुक्रै अह्याबुटा वाबुर संजानबादिता प्रश्नित क्षेत्र प्रमाण क् यद्भाषान्य प्रत्याचे व त्र यद्भाष्ट्र व त्र व त् क्टी चुबरायरेट क्टि. मु. ट्रांत जबावाबूबी इय. कुच. चंचर कू. ट्रांत ट्रांस जी वाबर तुर्व बाल कुवाबर कुवाबर हिवाबी बार पुरे बाल हुब अट. ट्रांव वावर कुवाबर हुवाबर कुवाबर कुवाबर हुवाबर कुवाबर कुवाबर कुवाबर हुवाबर कुवाबर कुवाबर कुवाबर हुवाबर कुवाबर कुव देव:मृणास्त्रः चेता स्वाप्तः स्वापतः स्वाप्तः स्वापतः स ब्रिं ब्रिं त्यार्श्वायां पर्यु देश्व ग्वाय विकास महित्य क्रियां क्रियां अट दे प्रमृत प्रमेश में प्रायम क्रियां प्रमाण क्र यंह्रदायनाञ्चरःह्ययारांयाद्धता यायाववराग्चीःसवार्देवायोन्नरम्यवाद्ययाद्वर्याद्वर्याद्वर्यात्रीयायते र्यंत्रवाया मुलाग्नेशःत्रवर्षेत्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः त्याः स्वान्त्रः त्याः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वन्तः स्वान्तः नमून है। भ्राक्ते अवर ध्रेने नमा प्राप्त अमा पारे रेट में परे किया ग्री वार्य प्राप्त में च्री पिट्रेट से के ज्यानक के जिल्ला के प्राचानक के कार्य के प्राचानक के जिल्ला के जिल ब्री पिक्नैर्तत्वेत्रक्तास्त्राह्मास्त्रव्छव्याङ्किर्वयान्त्रवेत्रक्षाच्यान्त्रक्षान्त्रवान्त्रक्षान्त्रक्षान्त्रक्षान्त्रक्षाक्षान्त्रकष्टि किटा यात्रे संप्रमा मान्या मान्या प्रमान कर्म मान्या मान्य चर्ड्व स्ट्र- ब्रिंन पर्विद न्यार्थ सम्बर्ध स्था के स्था के स्था के स्था के स्था के स्था के सम्बर्ध सम्बर्ध सम त्स्रियं क्षेत्र चार्च हैनं क्षेत्र प्रायाधी कर्षाये निष्ठू निष्ठू निष्ठु निष्ठ त्रवाग्रीत क्रिया मेर्निया मेर ट्यट हैवाबाई बायहूं व.तर. खे. तैबाताबा ब्रिट . ब्रीयु . ब्रीयु . ब्रीयु . ब्रायु . जावाबा खेबाताबा क्रियु . ब्रियु . ब्रायु . जावाबा क्रियु . ब्रियु . ब्रियु . ब्रायु . जावाबा खेबाताबा क्रियु . क्रियु . च्रायु . जावाबा . च्रायु . च्रायु . च्रायु . जावाबा . च्रायु त्य बिंद दश्य पासुरा वद ग्रीम बुम पम र र पासुर दमा दगे प्रवेश केद ये सुपा सुर प्रवेश में भी भी भी पर प्रवेश प्र

. ^च.त.बेट. वित्रबर्ग प्रस्ति व् क्रेंबरप्रवास्विषा द्वारहाल का क्रिया वित्रवा वित्रवा वित्रवादि वित्रवाद वि विषा निर्देशिक्त में निर्मानने केंद्र विवाहन प्राप्त में मुद्री निर्देश मुब्रिया के किया में मिल्या में किया में मिल्या में मिलया में मिल्या में मिलया में मि व.ज.र्जेयत्माकुर्यत्मेत्राकुर्यत्मेत्राक्षेत्राचित्राकुर्याचित्राक्षेत्राक्षेत्राच्याच्याकुर्याच्याक्षेत्राच्य मुराह्यराह्यत्मेलाम्बेश्चा श्रीराह्यमेश्चाक्षाक्षाक्ष्याच्याकुर्याच्याकुर्याच्याक्षेत्राच्याक्ष्याच्याक्ष्याच्य र्द्याक्षेत्राच्याक्षेत्राच्याक्षेत्राच्याक्षेत्राच्याकुर्याचित्राच्याक्षेत्राच्याक्षेत्राच्याक्ष्याच्याक्षेत्र वर्षित्। हेर.रब.क्टर.लेवोब.क्वे.रेवट.वोर्श्वय.त्वा.क्ष्यय.लट.रेवा.तर.वोवट.। वीर.ब्र्यूश.क्वे.ब्रैवाब.ब्र.क्षय.वेब.तब.ब्रिय.ता.ली सुब.क्वेब. न्रेंड्रेन्द्रमुंबाक्ष्यां के बार्चित्र मुक्तान्य के ने न्या के ने न्या के ने निवास के वित्र के मुक्तान के निवास के निवा र्दे परि मंश्रुर मेश्रा नवर राज्य प्राप्त मार्थ के बेवर प्रम्म के राष्ट्रीता विकार मुक्त स्वेशा न हिन के सम्मे मिने बार के प्रति के बिया लेज.रे.ब्रेचे। द्रावीश.परेवा.ताजा.ब्रेट.वर्षू ट्य.येय.रेवी.च.वेया हे.येय.ब्रेच्य.वर्षूर.जा.ब्रैट.वर्षूय.या.यंच्य. मुन्धंयाराश्चरायी नमे प्रमेया वी तपरामे स्थान स् म्याक्र्यान्तर्भवत् श्रम्भायत् वर्षम्य स्वतं वर्षम्य स्वतं वर्षम्य स्वतं चतःर्वी.स्थयःवीर्येत्रयः प्राचित्रयः क्ष्याचित्रयः क्ष्याचित्राः विश्वयः विश्ययः विश्वयः विश्वयः विश्वयः विश्वयः विश्वयः विश्वयः विश्वयः विश्य वयाक्षेट्यायर या पृष्ठियायळ्या पठर वया पर्से स्वाराया वया वया स्वाराया प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रम यालु पर पर्वेरवाहे हैं व परि यम पर पु प्रयापवा में ग्रुपा प्राप्त रहें मा विषय प्राप्त प्राप्त ले हुर ले मही हे व व स्वाम से रहा मारी व र्थः अह्टान्य क्षेत्रं तृत्ये मृत्ये विषयः देशः क्षेत्रं क्ष्यः क्षेत्रं क न्येयार्म् इषर् र्षं व्र्वा श्र्यं ग्रीया ग्रीयायं या स्था श्रीया है ग्रीया स्था या स्था या स्था श्रीया स्था य चर्यायहें वी देवें चर्कुं प्रायद्या क्रया सुवा क्रेंब क्रें राश्चर चया यहें वी देवे चिकुं प्रायद्या क्रया सुवा क्रेंब क्रिया कर्या सुवा क्रिया स्वाप कर्या वी पविष्यानियाः हुर् जित्याचेत्रामा वरित्रियापन्या निवादाया वर्षाचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित म् एयम् त्रम् मान्या विष्यात्र में द्रम् देन देन देन देन विषया है से स्टर्स के प्रति के प्रति के प्रति के प्रति ची.त. दुवी. वीब. इंश प्रविवी विबाद पुँ अपाय देर लेवी. वीबेशी चर्ब हो अर. ट्रेंट परबाद हवी. वैट. य विर विबाद वी से भी सेवी वी सर दे हैं। खै.ट्यूबाखेबातबा चूता. सर. दुता. तथिर क्रि. चूता. सर. तथिया तथिया तथिया तथिया तथिया तथिया तथिया तथिया तथिया त चैत्र कुषे द्या क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कुषे कुषे तथिया क्रू-. व्यास्त्रम् विक्रान्त्रम् म्रि. सक्राक्त्र- विक्रान्त्रम् विक्रान्या क्रून्त्र- विक्रान्त्रम् विक्रान्य विक्र र्टें नर्जुन लेंबें र वे ने से लेंबर में बुबर में बिया ने ने ने बा महित हैं जुबर में बिया में हैं ने से के महित हैं के से महित से के महित हैं के से महित हैं से महित हैं के से महित हैं के से महित हैं महित हैं से से महित हैं से महित है से महित हैं यभिवाह यभित्र में विश्व त्या स्वाह में देव त्या विश्व त्या विश्व त्या में विश्व क्षेत्र त्या मे विश्व क्षेत्र त्या में विश्व क्षेत्र त्या में विश्व क्षेत्र त्या ल्तुवासन्नेर्जेब्र्स्यानुब्रस्वनाय्वेरेर्वे वोर्सन्द्री न्रस्थ्वानुवा इयवावाना ने च्यूयंवानव्या मुर्जेब्र्याय विवर्षेत्र वार्व विवर्ष के वार्ष विवर्ष बेरें पं इवार्य हैवा हुट प्याय पहेन न बावन खाना है हैं वान परित्र तिहुट वारित कर रे क्षेत्र परि हुट हु हुन पं ना ने पान कर है वान कर है सत्व नमुन्ना सुन् निर्देश हुत नन्ना सिन्द रेश सुन होन्य के धेव हुनंयन है से मुन्द ने मन्ने से मुन्द से मन्ने स ૽ૣ૾ૼૼૼઽૻઌ૽ૹૢઽૻઌ૽૽ઽ૽ૺ૽ૢ૽ૺૢૢૢૢઌ૿ૡ૽૱ૻૻ૱ઌૢ૽ઌ૽ૹૢઽ૱ૹ૽૽૽૽ૢૺઽ૽ઽ૽ૺ૽ૢૢ૱ૹઽ૽ૺ૽ૄૢ૱ૣૹ૱૽૽ૹૢઌ૽૱ઌૹઌ૽*૽*ૢ૱૽ઌઌૻ૽૱ૹઌ૽૽૱ૢઌૹ૱૱૱૱૱૱ૺ क्रमार्थेयात्र स्वातंत्र स् क्वायाकी वार्षक्र माह्यां क्रायर स्वार्क्त निर्मा क्राया क्राया होता है वे विकास क्राया क्राया क्राया क्राया क म्नायदे वियायमा सन्दर्भ विवास हैना पशुरायन र प्राप्त स्वाम स्वाम स्वाम स्वाम स्वाम स्वाम स्वाम स्वाम स्वाम स्व

ત્ર્રેમ્પાન્દ્રમાં ત્રુપાન્દ્રમાં ત્રુપાન્દ્રમાન્દ્રમાં ત્રુપાન્દ્રમાં ત્રુપાન્દ્રમાન્દ્રમાં ત્રુપાન્દ્રમાં ત્રુપાન્દ્રમાં ત્રુપાન્દ્રમાં ત્રુપાન્દ્રમાં ત્રુપાન્દ્રમાન્દ્રમાન્દ્રમાન્દ્રમાં ત્રુપાન્દ્રમાન્દ્રમાન ત્રુપાન્દ્રમાન ત્રુપાન્દ્રમાન ત્રુપાન્દ્રમાન ત્રુપાન્દ્રમાન ત્રુપાન્દ્રમાન ત્રુપાન્દ્રમાન્દ્રમાન્દ્રમાન્દ્રમાન ત્રુપાન્દ્રમાન ત્રુપાન્દ્રમાન ત્રુપાન્દ્રમાન ત્રુપાન્દ્રમાન ત્રુપાન્દ્રમાન ત્રુપાન્દ્રમાન્દ્રમાન ત્રુપાને ત્ यमानुस्रमा हीत्रात्वीयम्। सक्तसमान्द्रन्दिराययर्गायम् सम्मान्यायः सम्मान्द्रम् हेर्ग् हेर्ग् हेर्ग् हेर्ग् हेर् वयास्त्रात्तात्रात्ते त्यात्रात्त् व्याप्तर विषय कर पर्वेत्र प्रिक्ष के कर त्याप के विषय प्राप्त के विषय पर्वे प्राप्त के विषय के विषय के विषय के द्वजः क्रि. ट्रंबं अक्ट्रेन क्रि. क्रि. या गर्हेवाबा श्रुपंत्र व्यवस्था विवास न्याय हिन्दा अर्ह्ने राजा प्रवित क्रि. क्रि. क्रि. विवास निर्देश क्रि. त्तरं मुन्तरम् विवाद्वर्त्तात्वर्तात्वरम् निर्देश्या विवाद्वर्त्ता विवाद्या विवाद्या विवाद्या विवाद्या विवाद्य राय है सिरापरीय असूच अंशरी अधियात रहा। श्रुपायपुर अभ्यय श्री बिशास है या नास स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया नवित्रक्तीर्देत् द्वेन्यार्थि के यहर् दी दर्गाट वित्र हैं स्वास्त्र वित्र निर्माण के वित्र में वित्र के वित्र क णःश्चें.यःश्चेंब्री जूट्यःश्चेर्यःतःश्चरब्री र.जयःशुःरजर्श्वयःतःस्त्रेयःवरःसःश्च्यःतरःश्चेशःयव्य रर्वोटःजूःचळ्याकुवाःजःग्वेटःयेःश्वयः वृषःरयःकुषःश्चेःवा श्चेरःश्चरःतपुःश्चिषात्रश्चेःश्वयःष्यःपश्चिरयःस्र्रःष्ठी पश्चिरयःस्रिजःस्र्यःश्चेशःश्चर्या वर्षेरःयःश्वयःर्वाः त्रेषेयः ह्राचारा प्राचीता व्याप्त क्षाचार क्षाचार क्षाचार का विशेषाया प्राचीता विशेषाया विशेषाय कुवा थेश्रयां शे.जुब्र, माबिने.कु. स्यार्थर सेवेश चोब्र्स, विश्वयां विश्वयां विश्वयां में होता है। जुब्र से से श्चेर श्चर यन्ता अर्दे ये ना बाश्च या इयब नश्चेत या भेत है। नार विषाण र नश्चेयब यदि पॉत्र हत या के ना तक्र पुर तु श्चा या श्चेर श्चर या व च.यट्य.क्रिय.टेट्य.क्रिया.चर्षिताय.क्रिट.पॅटिय.तय.ट्रट्र.पट्र्ट्री, ट्य.जट.खय..ट्रुय.चर्चे.तय.क्रि.पय.क्रिट.ज्ञेट.प्रेय.ट्रुय.पट्र्या. इयाद्यर विकार्य रहेका क्रीका नार्द्र ट्रायदे अके या विना क्षेर विन र्वते वह वृत्यं वर्षा श्रीत्याह क्रिया बाबाव्या क्षु खुन्ने हाराया वर्षियान ह्या हु तरने नवाया है ब्रिन्न हुत्य वह वह वह स्वाद हाराया है । क्षे क्षेत्र पार्क भीत्र मासुर । दे द्वेल पार्क मास्त्र क्षेत्र पारायाया र द्वायते मास्य पारायायाया स्वाप्त पार्व वर्षे.वर्ष्ट्रेश्वयःश्वेट्यांत्र्यःश्वेटःलटः श्वेः वर्षे वर् न्सूर्यकानका थी. वि. सु हैं . र . सर्जा वें बा द्वार में हुते . देवार हुत . देवार हुत . ते बिकाल के ना बिकाल का बिर का ना बिकाल का की हुते का ना विरायर विवादिको लव छ्वाची छ म्यां अर्थान्वेव योवका निर्देश होने पर क्वे पछ ति विरायते अर्थ अर्थ में क्वे अर् कट् चं र अ ही वं र दे र तुं सुर ्यर ्ववेषा हिन् ही कं चविव र ये होंब र ये वु र हो ये र हैं व र ये हैं व र ये र हैं व *ज़ॱ*ऄऺऺ॓॓ॺॺॱॻक़ॗॆॸॱॸढ़ॕॱॸॱऄॗॸॱॻऺॗॸॱ॑ॻॱ॑ॴॸॱढ़ॕॎ॔ॻॱॻऻॹ॑ॸॱऻ॓ क़ॕॺॱॾऺक़॔ॱऒॿॱॸॸॎॱढ़ॖॱॸऀॱॻॗ॑ॸॱऄॻऻॺॱय़ॸॱॺड़॔ॸऻॗ*ॱॸॱॸॸॱ*ॻॺ॑ॱॻॸॺॺ॑ॱ च.चर्च.चर्चेचाबा पक्क. श्रुं-चाब्द.च.द्श. क्रुंब.चूंचाब. बूजा क्रिंट. क्रुंब. पह्निंट. चूंब. हुंच. र्वेच. चूंचर. च्रुंब. च्रुंब. प्रवेच. च्रुंब. च्रुं वर्वे ज्यान्त्रमा न्यान्त्रमा द्रात् व्यान्या हैत् की त्रवेषां ना कर्म किता कर्म के का के वाले के किता के विकास न्म्यान्त्रम् अत्याक्त्रं भी वित्यात्रात्त्र वित्यात्रात्त्र वित्यात्र वित्यात्र वित्यात्र वित्यात्र वित्यात्र मर्वेदासंदर्भ केंबार्श्वराहेबाचा विद्यालया है। बाह्य वार्षा है बाह्य वार्षेदासंदर्भ हैं वार्षा है वार्षा विद्यालय है वार्षा विद चीवायात्मा स्थान्त्वा मुक्ता मुक्ता स्थान्ति । त्याने ते त्याने त्याने स्थाने ૹ૽ૺૹ૽[ૢ]ૹૹ૽ૹ૾ૹ૾ૹ૽૽૾ૻઌ૽૽ૢૢ૾ૢ૽ૢૼૢ૾ઌ૽ઌૡઙ૽ૺ૾ૢૣૻૼઌૻ૿ઌ૿ઌૹઌ૽૽ઽૻૹ૽૽ૢૢૺ૱ૢઌ૽ૼઌ૱ૢ૽૽૽ઌ૾ૹ૽૽ઌ૽૽૽૽ઌ૽૽૽૽ઌ૽૽૱ઌૹ૽ઌ૽૽૱ઌૣૹ૾ઌૹ૽૽ઌ૽૽૱ૹ૽૽ૺૹ૽ઌૺ त्रशुकाकोराचीरार्भेषाकाणीं कुर्तानं का क्षेत्राया के व्यापने के त्राया के त् याँ महेत् त्रवाणिकें त्रिक्ष केत्र वेद्रां सकेत् त्रे कुँ से द्रायते त्युर प्रमुव प्यार सहित् स्त्राया प्रमुख स्त्राया प्रमुख स्त्राया स्त्राया स्त्राया प्रमुख स्त्राया स्त्राय स्त्राय स्त्राय स्त्राय स्त्राय स्त्राय स्त्राया स्त्राय स्त नर्ज्ञनंत्रां ग्रीत्राक्षे नश्ची न्यां श्वेष्ठा रहे अर्थे न निर्देश का अपनिष्ठत्र निर्देश के स्वापित के स्वापित स्वापि तर.परीवाची ज्ञानकीरीजानम्बेष्ट्राह्वायात्रीवा.क्षयाजीटा श्रीयावरीटा श्रीयाश्चरी श्रीयाश्चरीया हिला स्वीटाज्ञा चरु दर्ग यायायायाया के बाह्य के वार्ष के प्राप्त हिन्या हा या श्रादा खुनाया हिन्य के निवास हिन्य हा या हिन्य हा या वार्ष हिन्य ग्रुच-ट्रेयूचे विद्यां श्रूच-ट्र्यच-ह्रं क्रेंची श्रूच्-ट्र्यच वीय-वृत्ती लाक्-क्रिच-ट्र्यूचे ह्रं कर्ण विश्व क्रेंच्-अल्या वर्ष क्रेंच् अल्या विश्व क्रियां विश्व क्रियं क्रियं विश्व क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्र क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्र युपार्विपार्श्वणायर्था था सुपार्था द्वारा विषय सुरुपार्थे विषय स्वर्धित स्वर्येष्य स्वर्येष्य स्वर्येष्य स्वर्येष्य स्वर्येष्य स् श्चेंत्रवर्षेत्राचि नर्षे अर्च के में चिर्ते कु र्वेर्त्त का वाया विष्यत्र्या विष्ट्रिया अर्थ त्या विष्यत्र हिर लापन् चुरा के भेर्न है याययाँ तर्ने प्रत वासुंबा की दिन भेरा भेरा के ता वास कर की वास कर की वास की का का का का न्व्याप्तियाताली लूजासी या प्राप्तिया मिलासी स्थाप मिलासी स्थाप मिलासी स्थाप मिलासी स्थाप मिलासी स्थाप मिलासी स इंग्रेप्ट्रिंर पंज्ञुन र्वेन केन रें हैन पेंद्र नेर ने ने देरे वद दु हैन जार ते में निर्देश में मुद्रेर ने प्य न्यं वर्षे के वर्षे वर्ष बहुर्यानु विराजित स्ति विनुद्राया मिन्या मिन्या मिन्या मिन्या मिन्या स्ति विनुद्राया स्ति विनुद्राया स्ति विनुद्राया स्ति विनिद्राया स्ति विनुद्राया स्ति विनिद्राया स्ति विनिद्राय स्ति विनिद्राया स्ति विनिद्राय स्ति प्टायाः त्यान्त्रम् मिवा विश्वास्त्रम् मिद्रायाः स्त्रम् वित्तान्त्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र वित्ता त्यात्र वित्ता त्यात्र र्श्यानक्षेत्र क्री देश मं श्रद्ध में वित्र मा वित्य प्राप्त क्षेत्र में प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र में क्षेत्र में प्राप्त क्षेत्र में क्षेत वै.चयत्र क्रीयाक्ष्म विचार्य विचार्य विचार्य विचार्य क्रिया क्रीया क्रिया क्रिय धूर्यः अज्ञावयः वीयः विष्यः क्षेत्रः बेषः वीयायः सः देत्रे। स्वाप्तः क्षेत्रः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप इत्यः अव्याप्तः स्वाप्तः स्व शुक्री हार्य हारा त्या हो मार्थ द्वार विकास के कार में मार्थ का की मार्क हो मार्थ हो हो मार्थ हो मार्य हो मार्थ हो मार्थ हो मार्य हो मार्थ हो मार्थ हो मार्थ हो मार्थ ૹૣ૾ૼૼૼ૱ૡૼૡૼૡઌ૽૽ૺૹૹ૬ૼ૱ૹૡૼૺ૽૽ૡૢૼઌ૽ૹ૬ૼ૱ૹ૽ૹ૽૽૱ૡૢૼઌ૿ૡ૿૽ૢૺૹૹૹ૽ૼૼૡૼ૱૽ૼ૱ૻૹૼઌૡ૽ૼૹ૽૽૱ૡ૽ૼ૱૽૽૱ૹૢ૽૱૱ૡ૽૽ૹઌૡ૱ૹ૿૽ૢ૱૽ त्तृ व देनै व नुस्य व नुस्य देव है। व नुस्य व न मी किन्यं अंत्रिक विनः क्रेंब्रंच प्रचेत्रन यार्ग्या गृष्यं गृष्यं प्रचारा क्रिया हो स्वर्था व्यक्षित्र विन्तु च्यर न्यं अपये स्वाय मित्र विषय अर् स्र मित्र मित्र विषय स्वय स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं विषय स्वयं विषय स्वयं त्रमाधीयाचीष्याच्यमान्त्रम् त्रमुद्रमान्यमान्त्रम् सार्वा ह्रीयामानु त्रमानु त्रमानु त्रमानु त्रमानु त्रमानु स श्रूबारा ह्राया है ते व्यूट दुवान वार्या वार्या वार्या वेदाय विवास वार्या है ते विद्या है। विद्या है ते विद्य न्शेकान्ने रायमार्थनः श्रेष्ट्रिकार्यम् वर्षात्वर वर्षात्वर्षाय्येषात्रे प्रविद्या विव्यविद्या योबनुर्य क्षेत्रभूदबायहित्यार्थया ग्रीकार्केका नित्यहित् सुया ग्री खूद प्राम्ने के वर्षे प्राप्त दे निवार्ष से प्रमानित वर्ष हित्र म्ये अ. म्ये अ. म्ये अ. म्ये अ. म्ये अ. म्ये अ. प्राचीय अ. म्ये अ. म्य हे.यटयाक्रियास्त्रेयास्त्रे स्वास्त्राचेत्रे वायास्त्राच्यास्य स्वास्त्रे स्वास्त्रे स्वास्त्रे स्वास्त्रे स्व इति महत्त्रे स्वास्त्रे स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास् सहर् छट् क्षेत्र चानात्र स्ट्रेस्ट केर्यो देव र्याचीयाचा पर्वसम्पत्न क्षेत्र यानात्र स्ट्रास्त्र स्ट्रेस प्रक्रिय स्ट्रेस क्षेत्र यानात्र स्ट्रेस स्ट्रेस क्षेत्र यानात्र स्ट्रेस स्ट्रेस क्षेत्र यानात्र स्ट्रेस स्ट देश्रद्भार्थक्रियामीनामायते ही ते प्रीते हिनामाद्भाषी हिन्या है। के के वाह्म का की माले के कि वाह्म के कि के कि सर्दि : द्र^ल : प्रचेत्र : र्र्ड : सः पित्र का स्थाप को लिया को प्रचानी प्रचानी प्रचेत्र का हो : त्रे चत्र : र्याय स्थाप को का निवास की का निवास की विकास की का निवास की निवास की

महिंदा दे दे प्रमाण के प्रमाण के का मिला के का मिला के कि कि मिला के कि मिला के मिला के मिला के मिला के मिला के न्तुः बेन् वर्षायान्य प्रति वर्षायाने वर्षाया वर्षाया वर्षाया के वर्षाया याने वर्षाया प्रति वर्षाया वर्षाय मुल'अळव'न्यल'न्यन्यं वृत्राच्यां वृत्राकृत्वां वाष्या स्वेत् चित्राचे क्षात्रकृत्यात स्वित् स्वात्रकृत्या विद्य तुःचुता चरु: चेत्राचन्ना वृत्राकृत्याविद्याकृता वाष्या स्वेत् चित्राचे क्षात्रकृत्यात स्वित् स्वात्रकृत्या स्व र् प्रत्वाकर्त्रक्र क्रांचेत्र र्ये क्रुवं ठवं ग्री क्रुप्पर प्रविवाका वावका ग्रुविक ग्री हैं वाका प्राप्त प्रति प्रविद्या विकासका ने व्यव विकासका है । बॅब्यॅं यं अर्डें या बेन पुर ने वे वे वे के पंजुर पर या सूर्वे र लु थी में की मानहरा व का यह मा कि व पुर वे का यह मा महस्या महस्या व प्रवास का या अर्थ का यर विषा क्व मुंदा मुंदा मुंदा मुंदा देव द्वार प्राप्त विषा है। भ्रीमा विषा मुंदा प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प स्पर्वे. स्प्वित्रप्ता मार्चे चि प्रते भी र मार्चे से मार्चे प्रते के मार्चे प्रति । स्प्या प्रति प्रति स्प्या मार्चे स्या मार्चे स्प्या मार्चे स्प्य न्यमान् सेन्यां के सेन्यां के स्वाप्त के सेन्यां सेन्य ૱૽ૻ૱ૢ૾ૺૺૹ૾ૺ૾ૹ૾ૺઽૹ૾ૺૺૺૺૺ૾ઌૺૹૼૺૡ૾૱ઌૢૺઌૼ૱૽૽ઌ૱૽૿ઌઌૢૼૹૢ૽ૡઌઌૻૻૡ૽૽ૹ૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ઌૹ૽ૺઌૹ૽ૺ૱૱૽૽ઌ૽ૹ૽૽ૢ૽ૹ૽ૹ૾ૹ૾૽ૡ૿ૺૡૹૺઌૢ मैं देश मृत्या मृत्याचे स्वापन के के ने स्वापन स्वापन स्वापन मिला मृत्या मृत्या स्वापन ब्रुव वृंश हुर् क्रु प्रमेर प्रमेर विज्ञान में प्रमेत कर दे पृत्व प्रमान कर के कि क वयत्त्वाच्यात्त्वात्रात्वात्रव्यात्त्रात्त्रवात्रात्यात्रात्यात्त्रवात्त्रात्त्रवात्त्रव्यात्त्रवात्त्रवात्त्र द्याच्यात्त्र्यात्रात्यात्रव्यवात्त्रित्त्त्रत्याः वित्यत्रत्तुः यद्याः क्षेत्रः यद्याः अस्य विषयः प्रवित्यात् त्रचन छ्वाक्रेत्र वे मुक्ताक्ष्य व क्रिया है में अहर्न व निवानी व मुक्ता होता है निवास मुक्ता है निवास क्रिया है से स्वर्थ क्रिया है से स्वर्ध क्रिया है से स्वर्थ क्रिया है से स्वर्ध क्रिया है से स्वर्ध क्रिया है से स्वर्थ क्रिया है से स्वर्ध क्र बर रूं तर्न हैं व नर्ग ने व के व कर के के व कर के के व कर के के कि के कि के कि युगार्चे नुचुन ह्वार प्राप्त वि प्रतर प्रमिण्य स्थाप प्रहेश वार्ष युगाय है रहे ने प्रक्रिय प्रमाण है जो है जा प्रस्था प्रदेश के रहे । विषय सुप क्रूबाह्ये क्रूचा अपने में में प्राप्त में बाद प्राप्त की विद्युद्ध प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त में कि प्राप्त के प्राप्त के कि प्राप्त के प् न्तिंतु । यस १८५ वर्ष स्तर्भ । यस स्तरं स्वरं स् हु अट च मुन्न हैं मुन्हें मुन्दें में देव के दर्श में मुन्न स्वाय प्रायय मुन्न स्वाय मुन्न स्वाय हिन् यॅर-५-अर्वेत-ऍर्याव्यं प्रस्तेत-स्वेत-ययं प्रस्ति प्रस्ति । येत-क्रेयं यदे :क्वेंय् ग्री श्रेंट-पर्यंत-स्वेप्य इंदर्ग स्वर्णायां स्वरंग स क्रिंग ग्री पर्प परिवास पर्दे व पार्षे व व मुने अया पर्याप अया एवं क्या के प्राची वार्ष मुने में के व पर्वा मु र्नुविव केव रो दंशका श्रीका श्रीट विवका या पेर्ट्र हे ते वे पार्व होते वे विवस्त या विवस्त वि र्यंदै के बार्च हु न्वा वा बि नर विवेष का ने दे दे हों न अ ज्वा में के ना हैं है न्या की ने जर्म न हु का का नहीं का ना है के निवेश के निवे चितः चित्रे बात्रोत्रे ते प्रांचा वार्यं बाद्या वार्यं के वित्राचन के वित्राची तपु.पूर्ं विश्वात प्रधित्यो स्वा भूत मुंद्रा विश्वात विश्व मुंद्रा मुन्द्रा महिता महित महिता महि बुदा विदेत्त्वरायार्थविषायादेवे श्वेववाद्यातु अवि विश्वेवाश्चराय विश्ववायरा अहत् चिवारी छे यो हैं हे तुवयायां विद्यायि छेंबा श्लेर हैं स मैं जा विद्या जा विद्या ज्या क्षित्र के अव ॳॖॸॱॴज़ॺॱॻॖऀॻऻॎढ़ॖॖॖॖॖॸॱॻॖऀॱॿ॔ॴॼॖऀॱॻ॔ऄ॔ॱॾॖढ़ॱॼऀॿॸॻॿऀॸॱय़ढ़ॱड़ॖॹॱय़ॾॹॸॸॱॿॸॱय़ॵॿ॔ॸॻज़ॹॸॸॻॏॗॴढ़ऀॱऄॸॱॾॖॆॸॱ ॿॖॺ॑ॱज़ॖ॔ॸॺॱॹॖॱॻ॒ॻऻॺॱय़ॱॸॖ॓ॺॱख़ॿढ़ॱॸ॔ॻऻॸऻॸॱॻऻॺऻढ़ॱढ़ॕॺॱॹॣऀॱढ़॓ॺॺॱॹॖॱॻॾॣ॓ॸॱढ़॓ॺॱॻऻ॔ॖॴॸऻॸॱॿॖॱॸॱॾढ़ॸॱय़ॱॺॿॕॸॱॸऻऀॺॵढ़ॸॱऄॸॱढ़ॗऀॸॱ र्नेण श्चित्र र्वे अप्ते हैं त्र प्रेश विवर् तु र देश्वरे श्चे त्र गाव है। श्वर प्रेश विवर्ष श्वर क्षेत्र श्वर के प्राथम के स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण के स्वर्ण के



न्यःग्रीःवर्षेत्रःवेदिःश्लवश्

*ૹૄ૾*౼౾ૻૻ૱ૹ૽૽૽ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢ૽૱ૡ૽ૺ૽ૹૢૻૼઌ૽૽ૡૻૡૼૹૣૻૢૹૢ૽ૢઌ૽ૹ૽ૢઌ૽૱૽ઌ૽ઌ૽ઌઌઌ૽૽ૡઌઌઌ૽૽ૡ૽૽ઌ૽ઌ૽૽ૢ૽૱ઌ૿૽ૹ૽ૢૺ૱ઌૡ૽ૢ૽ૢૼ૱ૹ૾ૺ૾ૢૹૢઌ प्राः मूर्यः द्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्त स्वान्तः स्व स्वान्तः स्व केन देयाचु विपन्न की नामहित्यते प्रते प्रत यार्चेट्यों प्रकृट सुर्वे यार्च में दे श्री दे त्यार्च स्वार्च म् लूटबाला विवास सामे द्वारा क्षेत्र विचाय प्राप्त क्षेत्र धेव के विषा मुन नर से ने या संग्राय नमित या के तिग्राय अर्घर हो पड़े न लाम अर्गेव ये हिंद या वे मू या अर्देव ने या है हो लाम के ति हो न मुषासुं सर्न् प्रांचे नुंत्रें व सुंद्रायान विष्युष्ये दे मित्रिका ग्रीट नूट र्ये र र्र्न् लिये र में सुर्वे पाया मित्र के स्वीता से स्वीत स्वीता से स्वीत स यर विवाब सदि क्षेत्र र तहीं विवेश विर के दी दि ता दहीं च नवा दी रेवा ब्यू क्ष व्यव संक्षेत्र संवाब वा दे व वा नवा सं क्रिवायमार क्रियायक्षेत्री क्रियाहे तिह्यानुविद्यायायाराया गावीयावित्राक्षेत्र तिन्त्रीया विद्यायाया विद्यायाया कुल पंजा के का मुनु अद्वित के कि के कि के मुने मुनु अद्वित के कि पर के कि प्यान के कि कि कि कि कि कि कि कि कि क ता. श्री. श्रेंच. तर्या प्राची प्राचा केंद्र त्या वा केंद्र त्या वृत्रा व्रित्रायम् अपन्याया स्त्रां मान्यत्राया स्त्राया स्त्राय देवांबास्त्रायमानुबाकी विविद्यां मुद्दान्दा दे यार्श्वेदां यावोदावी बावांब्दायाया वे विवायं विवायं विवायं प्रति यीय. मृतः ह्यां प्रदेशाः स्थाना क्रुंबा क्री प्रतान क्रिया में विष्ण क्रिया में स्थान स्था न्स्व त्री के मुण्य में मुण्य निवास के मान्य के मुल्य के मुल्य के मान्य के निवास के मान्य के निवास के चंबेन वृत्राक्ष्यां पान्न प्रति ब्रूट चार्या शृद्धा पानि प्रति वित्र वृत्र वित्र विवास वित्र वित्र वित्र वित्र प्रति प्र ष्टा संदि ना बुट दि । दे व व पुरा देवुवा व देवे पहें हैं हैं से या ना बुट वा है। व हि बूं व बा पर पान की हैं में वा वर पान हैं हैं वावकाञ्चकांचा बेट वो कुंवा अळवा अवदा प्रवाद प्रवाद के वाचा विकानु हो। वि देवा वीकाने कांचा दूट सुद्ध कुरी रावकिवा कर के दूरी प्रवाद के कि

ૡૺૹૹૢૹઌૹ૽૽૽૽ઽૺૡૢ૱૽ૢૢ૱ઌૹૻૹ૽ૢ૾ૢૢૢૢૢૢઌ૱૱ૡૹૻ૽૱૱ૢૺૡૹ૽૱ૹૢ૽ૺ૱ઌૹ૽૽૱ઌઌ૽૽૽૽૱ઌ૱ૹૢઌ૽ૹ૽૽૱ૡ૱૱ઌ૱૱ઌ૱૱૱ઌૺૹ૽૽ૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૹઌૹ पंर्भूर पार्वेगां तुः श्वर में विश्वर्षेत्र प्रें वाविषां पारा केंबा वाबवाया या वाबवाया या केंबा वाबवाया या वाबवाय या वाववाय या वा तर्ट्रेट्र.त.श्रःभधिय.त.लट.लूट्र.संचयःसुवा.धे.टे्य्र.खवयःत.कुय.त्र्यःभ्येयःदियःदियःश्रुःपर्वयःश्रुःप्रेयःयावेयःस्वयःश्रुचेयःय्रुच्यः। लट्रेट्र.त.श्रःभधियःत.लट.लूट्र.संचयःसुवा.धे.टे्य्र.खवयःत.कुय.त्र्यःभ्येयःदियःखेट्यःश्रुःपर्वयःश्रुचेयःयःस्वयः श्चाबिर सुरा न्तुना नु निया को प्रदे नियम उत्तर मान्य ने का सुरा नियम नु निया में निया में नियम नियम नियम से न युषा हूं. मू. के ब्रम्पूर, माधेया वश्वा क्रम. श्रीया शि. सूर. ब्रम्पूर बिर्मा श्री सूर. मिर्मा में मिर्मा मिर्मा में मिर्मा मिर्मा में मिर्मा में मिर्मा में मिर्मा में मिर्मा मिर्मा में मिर्मा मिर्मा में मिर्मा मिर्मा मिर्मा में मिर्मा मिर त्यांगुः विषरः वे अध्यापा से नित्ते। सक्ष्यः प्रति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वा बूँ अ.वे.च.ज.ब्राच्या अ.व.ज.ब्रूच्याचित्रं विद्राचलिवायाचा ला चे हैं नितर्जा चे वेद्याचे वेद्याचे व्याच्याचे व ग्री नियं पितृक् पर्मुं र त्या प्रीचिषा सु सुं या प्रया में अया रुद् दें अळ र में अल र वनायके ने या कुलायळवा निरानुना विनया कुराना पानिया की याकी वारा लेवा या रायही निरामी रायही मही । ज्ञाया विनया के रायही या की या विनया की सामित के लिए हैं। वययालूर ह्यां मंद्रीं त्या प्रमाण्या विष्य प्रमाण क्षेत्र प्रमाण क में भुं के निते र्ये मित्र में भी ही ने पर रे में महा माना करा का में मुन्य नित्र के का नित्र के मान के मान में कुर्य. त्याबर क्वाब क्रि. श्रिष्टे या कु. या लू. विराध श्राबर ह्या क्रियां श्रावर त्या विराध स्था विराध स्था वि सह्यापरे पुत्रासु प्राप्ता वार्षेत्र स्वाप्त स्वाप्त हेव प्राप्त वित्र हिवा वित्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स विरक्षिवायाचीयाच्या विष्याचे विष्या होता है। इ.सु.स.स.स.चे विषय के स्वाप्त के स्वाप्त विषय होता है। स्वाप्य होत क्षेत्र स् हें हैं हैं विता के खेला तथा अने अत्तर अहं निवासित हैं। निवासित हैं निवासित कर हैं विवासित हैं के स्वासित हैं अप के स्वासित हैं से स्वसित हैं से स्वासित हैं यद्र. देब. श्री कं अष्ट्रे त्र के विद्याति के कि त्र के कि त यो स्वार्या सार्या सार बे केंब की अंदर निवाल दी अविवादि केंद्र मुन्द ले निवाल के बार के लिए में के का का में मुन्द के लिए में के का क श्राचिष्ठ-त्यः व्याचिष्ठाः व्याचिष्ठाः । विश्वाकृतः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः विषय मित्रेन्यायाया है निर्देश प्रमुखा विकायन विकाय विकाय निर्माणी निर्माणी निर्माणी निर्माणी निर्माणी का मित्र निर्माणी निर् सह्तरायमा दे.क्षेत्रस्त्रेच्यात्त्रस्त्रम् विकास्त्रम् स्वाप्तायम् स्वापत्तम् स्वाप्तायम् स्वाप्तायम्यम्यम् स्वाप्तायम्यम् स्वाप्तायम् स्वाप्तायम् स्वाप्तायम् स्वाप्तायम् स्वाप्तायम्यम्यम्यम्यम्यम्यम्यम्यस्यम्यम्यम्यस्यम्यम्यम्यस्यम्यस्यम्यस्यम्यस्यम्यस्यम् चट्चे ब्रैंयानालुवे कार्ये चीवेटा देवाकुं ब्रैंचावाणे चयाचे या निक्ता के त्या इंस्कें। बिर्ह्स एक् वर्षिय अण्विक्ते। इस बिर्ग राप्ता इस रिवास के वर्षिय के वर्ष्य के वर्षिय के वर्ष्य के वर्षिय के वर्ष्य के वर्षिय के वर्षिय के वर्ष्य के वर्य के वर्ष्य के वर्ष्य के वर्ष्य के वर्ष्य के व बे के के नित्र मंत्र प्रियोग देवे श्रेय दे अपे प्रायमित प्रायम प्रमान प्रमान प्रमान प्रायम प्रायम प्रमान प्रमान

षह्रै.तयं.मु.कूषा.म्यायात्र्यं.स्यायात्र्यं. विविदःर्निटःरीयोपं.यथःरवीर्यः पर्वेयःस्यम् मु.मु.कूषा.म्यायायात्र चग्राविषारेव क्रिक न्दा पर्विषार्श्वेय पविषाय्या पर्विषार्श्वेय वे पद्माय प्राप्त प्राप्त मान्य प्राप्त मान्य प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र यावर्यायायायायाचीत्री चर्याचीर्यान्देव केव ग्रीयावी रहेन ययाही स्थन याचिव पर्याचिव यो चर्याचीर्याचीर ही पर्याचीर ही पर्याचीर ही पर्याची चर्वाचीयालुकाराची प्रमुद्द पर्देश विद्यार मुद्दार प्रमुद्द प्रमुद प्रमुद प्रमुद प्रमुद्द प्रमुद प्रवास्त्रम् मुर्चा स्थान्त्रम् स्यान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्यान्त्रम् स्यान्त्रम् स्यान्त्रम् स्थान्त्य <u>इ.ज.म.चेन्.क्र</u>्येबन अ.प्रेंचीची.क्षेत्र.ये.वाचेवाब्रूच्या पितु.संक्षेत्र.ये.चे.संक्षेत्र.वेटःक्ष्य.क्षेत्र.वेब्रूच,व्यावेटःक्ष्य.क्षेत्र.कष्टेव्य.क्षेत्र.कष्टेव्य.क्षेत्र.कष्टेव्य.कष्ट बुबाचिबाक्या चि.या.मा.चै.तार.क्ट्रेट.ता.चेबाताबाह्.सुबाटेबाकी.पक्ट्रियाप्रचेतावेट.कुबाक्टर.कुबाक्टर.कुबाक्टर.कुवाक्टर.कुवाकट्याचे मक्ष्य, तार, रेवा की त्यूर, जू. या बुबा मिवा कू वि हिंदी मिवा मान कि में हैं रेट हैं का मिवा मान के कि जा कि में कि कि मान कि में जा कि में कि मान कि च्यान्य वित्तान्त्र त्यान्त्र त्यान्त्य त्यान्त्र त्यान्त्य त्यान्त्र त्यान्त्य त्यान्त्र त्यान्त्र त्यान्त्र त्यान्त्र त्यान्त्र त्यान्त्र त्यान्त्य त्यान्त्र त्यान्त्य त्यान्त्र त्यान्त्य त्यान्त्र त्यान्त्य त्यान्त्र त्यान्त्य त्यान्य त्यान्त्य त्यान्य त्यान्त्य त्यान्य त्यान्त्य त्यान्य चर्ड्साक्नी नर् श्रीर वीमा दुर्भ की मार्ग्दर वें प्राचित्र में प्राचित्र में वीमा में वीमा प्राचित्र में वीमा प्राचित्र में वीमा प्राचित्र में वीम सहर्याविकासपुर स्थान्तिया होता होता स्थान त्रचूर वि निते हुँ न सर चुन श्री प्रकेष रेतु र्ये केते गासुर गीन ने स्त्री संस्थान में के ने प्रकेष स्त्री निते हुं साम स्त्री स <u>न्ये पवित्रः अर्घेटः नः यः यटाने वित्रः सूरः सूरः है। । नहण पवित्रः नटः नने अर्केण में त्र्येयः यावित्रः में अत्यतः यर्षे अत्यस्य सूत्रः सूत्रः सूत्रः स्त्रः सूत्रः सूत्र</u> सर्केन ने त्वे कि सारे के ने मारे कि ने सारे प्रकार पार्टी ने पर प्रकार में सारे प्रकार की सारे कि सारे की ने स '5, पर्ने पर्के र्चेर संप्रेत क्रूंन न्या ग्रुट क्रुव क्षेत्रका न्या क्रिया क्रिया यह न प्रोत्त क्ष्या क्रिया व म्बियाक्षेत्रात्म् वेत्राच्याक्षेत्रवेत्राच्याक्षेत्रवाचेत्रवेत् वेत्राच्याचेत्रवेत् वेत्राच्याचेत्रवेत् वेत्रवेत् वेत्रवेत् व्यवेत् वेत्रवेत् वेत्तवेत् वेत्रवेत् वेत यालुचे त्रायाचीचे बुट्। टेयाविययाताक्षरात्री टेयाविययाताकुचातु द्वापात्री श्रीयायाची श्री श्रीयायाची श्रीयाची श्रीयायाची श्रीयायाची श्रीयायाची श्रीयायाची श्रीयायाची श्रीयाची श्रीयायाची श्रीयायाची श्रीयायाची श्रीयायाची श्रीयायाची श्रीयाची श खेशरहारके त्या व्याप्त स्वित्र कर्णा क्षेत्र स्वतः व्याप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष त्या प्रतिकार्य क्षेत्र क्षेत् क्षेत्र क्षेत् $\frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \left(\frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \left(\frac{1}{2} - \frac{1}{2} -$ ब्रियाची मार्जा में ज्ञान मार्जे ज्ञान मार्जे के क्रिया के क्रिया के क्रिया मार्जे के ज्ञान मार्जे के ज्ञान मार्जे के क्रिया क्रिया के क्

ૄ વર્ષા ટ્રે.બ.પશું.છું.જાયં.વોચેવ.બ.ૹૅર્રે.ભ૮.વોહેવ.બૂ.ચૂર્વાય.બય.ગૈં૮.વોચવ.તર.ગ્રેવાય.બી લી.છૂ.ભ૮.પૈટ્યું.ચૂંત.જા.જુવે.શૂંટે.ગુે.૮૪૬૮.તું. क्चैन ने अन्तर पर्दाती क्षियाय नुर्गेन अर्केन पशुप्त ग्रीकार पनि क्षिर पाष्ट्रीय पाष्ट्रीय पर्दा प्रस्ता निकार माने प्रस्ति । वीवीयायेशयासीने वेपायासीवीयासीने त्यांत्रात्यास्य स्थित्या हेट्ट प्रमेत्रात्यासीने प्रमासीने स्थितायासीने स्य यायवायान्त्रयायम् द्रवायादि वास्त्रत्वयाद्रवीयान्त्रे याचारान्त्राच्याद्रवेषा देखेषात्र द्रवाह्रित् क्षेत्रावाद्रवायायाया चळ्यारानावरा। दे.वया.वे.लीचा.वे.चूच्याच्यूत्रायाच्यूयाच्यूत्याच्यूत्रायाच्यूत्याच्यूत्याच्यूत्याच्यूत्याच्यूत्य मुब्दान्याया मराज्ञ्चाच्याच्यूयाचन्दाच्यूत्याच्यूत्राच्यूत्याच्यू त्रियः शः अव्यास्त्रित्तः स्वास्त्राच्यान्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्यान्त्रचयान्त्रच्यान्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्त्रच्याच्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्यान्त्रच्यान्यान्त्रच्यान्त्रच्यान्यान्यान्याच्यान्यान्याच्यान्याच्यान्यान्याच्यान्यान्यान्यान्याच्यान्याच्यान्यान्यान्यान्याच्यान्यान्याच्यान्यान्यान्यान्याच्यायान्य चर्झें अंबर्यका अर्देव रेपर वे बर्या कु के वे पर प्राप्त र स्वार्वी वार्वे का की खिराया कु विवादी विपादी के विवादी का विवादी विवादी की विवादी के विवादी के विवादी की व स्वाकाताः कृष्णकारातुः अविकात्मात् स्वाकाः स्टार्वाकाः स्टार्वाकाः स्वाकारात्मात्र स्वाकारात्मात्र स्वाकारात्म अप्तेत्र स्वाकारातुः अविकारात्मात्र स्वाकाः स्वाकाः स्वाकाः स्वाकारात्मात्र स्वाकारात्मात्र स्वाकारात्मात्र स्व स्वाकारात्र स्वाकारात्मात्र स्वाकारात्मात्र स्वाकाः स्वाकाः स्वाकारात्मात्र स्वाकारात्मात्र स्वाकारात्मात्र स्व स्वाकारात्र स्वाकारात्र स्वाकारात्मात्र स्वाकाः स्वाकाः स्वाकारात्मात्र स्वाकार स्वाकार स्वाकारात्मात्र स्वाकार स्व क्षेत्रयात्र्वेत्रयक्षेय्रयात्रया के.टे.केट्रयात्रया क्षेट्रयाय्ये अयात्र्वेत्रयात्र्वेत्रयात्र्वेत्रयात्र्वेत इ.से.वे.रपु.यम्भूययात्र्वेत्रयात्रयात्र्वेत्रये देवायाय्ये व्यवस्थित्ये प्रमान्येत्रयात्रयात्रयात्रयात्रयात्रय व्यवस्थित्यम् श्रीट रूप अ श्राक्त में विश्व के विश्व में अन्य प्रमानिक के त्रा में के त्र में में के त्र में में के त्र में के ते में के ते में के ते में के ते में के त्र में के ते र्द्र-द्रम्पतः श्रीयः श्रीयः श्रीयः श्रीयः अवतः अहं हे त्यः द्रेटः प्रतेषः यो स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्यान्यः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स् म्बीतायपुरक्ता स्वापन्त स्वापन यद्या मुन्यते : मुन्यसारवा त्यावे स्वर्या स्वर्या मुक्या ये त्या त्या स्वर्या मुक्या स्वर्या स्वर्य मश्चर्या के ब्रह्म विषय के ब्रह्म विषय के विषय देवे इसंसर वर्षेत्रं र्यं रेवेब र्यं वाबर तर् ब कैर् अवाब की अनब ब रेवेड के लिए हैं। हार्व के ब है उहाँ स्वाब र रेट सह या पर रेवेड म्बेर् क्रैट्यायदे म्बुट मैयायह्याम्बर पंतर प्राचित स्वाप्त स् त्त्वे प्राप्त क्षण्या क्षेत्र क्षण्या क्षेत्र क्षण्या विषय प्राप्त क्षण्या क्षेत्र क्षण्या क्षेत्र क्षेत् चैर्। ब्रैल स्थापिट दे नस्थित्रा प्राप्त के वार्ष से प्राप्त के स्था है वे स्था है है स्वाय के स्वाय के स्वाय के स्था के स्वय मुँदिर इस देश थ सेवाय पति क्रियाचे वर्ष सहते प्रयास क्रिया है या कर्ष प्रयोग पति प्रयोग प्रयास है। यो स्था क्रिया के स्था क्रिया प्रयोग विदेश हैं दे प्रया न्वर मुर्ग वित्र वित्र वित्र क्षे न न अर स्वर स्वर क्षेत्र क्षेत्र वित्र क्षेत्र अर क्षेत्र क्षेत्

महिन्द्रन स्वाह ने से प्रति स्वाह में महिन स्वीत प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति स्वाह स्वाह स्वाह स्वाह स्वाह स नु पर्वविषय नुवेश्वरम् वासुद सुवार्येषा वीवार्य ने पर्वाया ने स्वयं प्रकर्ण सुवारी हिंदा में प्रविधार पर्वाय व यं र गुँगमा विन् व र्श्वेर द्वा शे तद ने विन ने किन वा प्रार मानव रा शहरी विर में ति व किन के विन महीं विर महीं श्रेय परि हो यर्'व्यं'ग्रीमार्विमार्गि दुमायायपं प्युन र्श्वेतं वुमार्ग्वेतं प्यान्ति वयत् पर्म् प्यान्तिमार्ग्यायि स्राप्ति स्रापति स्रापति स्रापति स्राप्ति स्राप्ति स्रापति स्रापति स्रापति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप बेंबं गुंगका चेर बेयक क्रुय थे पर है। ये ये बुर्य के प्रविद्या करें दुवे 'तुब सुंगर ये परिवर्ष है 'ये परिवर्ष दुव मार यं बी. ह्र्चीयां तर्रायां वर्षेत्रायां स्वाधितां के स्वधितां के स्वधि मक्ष्यः मान्यान्यः स्त्राच्याः स्त्राचः स्त्राच्याः स्त्राचः स्त्र सहराते प्रमेष का मान्य का मान्य का मान्य का मान्य का प्रमाण का मान्य के प्रमाण के प्रम ला है रात्राप्ति, होत्या विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व त्या है त्या विश्व त्या विश् कः येषान्दर्यं कर्षायापाने वर्षायापाने विदेशा में मिर्देशी के मिर्देशी के मिर्देश में कि स्वापनि के मिर्देश में मिर्देश मिर्देश में मिर्देश मिर्देश में मिर्देश मिर्देश में मिर्देश मिर्देश में मिर्देश मिर्देश में मिर्देश मिर्देश में मिर्देश मिर्देश में मिर्दे लट. ई.य. थी. वीचट. । ही य. के जा विश्वयं शी. वि. शू. कु. ही ट. टापु. ई.वी. वी. जू. जा. जु. टाचट. वी. य. ही वे. टाट वा. टी य. ही वी. विट. ही वी या स्वा देर अळ्यम न्रूट्ने ने नुमार्थिर श्री प्रमेत्र माने न न्या है वे प्रमेश प्रमाय माने स्वाप के स टीत रिवर हिर्टी ते बुर्ट स्थल कर हिर्ट के वार्ष राज्य के स्थल चबुंगमा ध्रमातुः नर्देमार्थे बुदाळन् न्नासम्बन्धार्ये मन्त्रम् मन्त्रम् वर्षे स्पन्नास्य स्वासम्बन्धारम् स्वासम्बन्धारम् स्वासम्बन्धारम् त्याद्रदाचेश्वाक्षेत्रकृति । विद्वते क्षेत्र याक्षेत्रहे ज्ञान प्रति । प्रति प्रति । न्ययायार्सिण्यायात्रात्रात्र हिंतु र्दे वित्राया गुत्र कृषा की हिंता यार्सिन पार्टिक नेया या वित्रात्र के वार्सिन के वार्षित हिंता वित्रात्र के वार्षित हिंता वित्रात्र के वार्षित हिंदी वित्र के वित्र क हीट बुटा है हैं दें प्राची के के स्वापन के स्वपन के स्वापन के स्व . दॅट:वृंच:रे:द्वंच: इंक्व:दट:यूट्यह्य:हे। वृद्यय:देव:युट:क्वॅव:युव्ययंत्रेय:छुट:बद:शे:यद:व्यय:व्यव:युंचेदंव:यह मुद्रेन माने के प्रति के स्वति चर्षे.त.क्रियोब.बूर् ब्रुं से.ल.योचेयाबा पट् .बु. क्रिब.वी.विट.तर.२२वे.बुर्याताब.क्रब.इर.४८.विट.रू. ई.ब.क्रिट.पट्यु. स्थातर.वर.तपु.ल.यो.क्र. त.स्थाब.लपट.ब्रिट.य.विट.तर.२२व.क्रिब.त.त्व.क्री व.म.लट.स्याब.म.इ्याब.त.ब्रट.क्रियाबीट.। योटव.ब.जू.चम्चेट.शूट्ट.ट्री ट्रिया.थे.झ. यह्री विर अंश्रय तर् स्रिन संभावन नर्दिन लेन के अर्थ दे विषय है जात है जात हिन्दे ने स्राप्त के से स्राप्त के स्राप्त के से स्राप्त के स्राप्त के से स्राप्त के स्राप ॱ<u></u>नेब्चम्बन्धन्यः बुद्यान्त्रवाद्यात् । इत्यान्त्रवाद्यात् । इत्यान्त्रवाद्याः कुत्यान्त्रवाद्यात् । इत्यान्त्रवाद्यात् विद्यान्त्रवाद्यात् । इत्यान्त्रवाद्यात् विद्यान्त्रवाद्यात् । र्नर् कर्षेत्र हिन्दर पठका या येवा वा प्रवास्त्र मां बना हिन्य पर्या कर्षेत्र हिन्दर ह मुंराहीं दिते श्रून अर मुराया गावा अधिव विवासन मुला अळवा वी दिला चेती से लिया है निवास के पार्व वा निवास के लिया त्रविद्यापाति त्राच्या क्षेत्र त्राच्या विद्या प्रति विद्या प्रति क्षेत्र त्राच्या क्षेत्र त्राच्या क्षेत्र त् देविद्या पाति द्रवेद क्षेत्र विद्या विद्या प्रति विद्या प्रति क्षेत्र त्राच्या क्षेत्र त्राच्या क्षेत्र त्राच्य र्यात प्रविद्धे प्रम्ति संस्ति सम्बन्धिय प्रमास मान्य स्त्र साम मान्य स्त्र मान्य स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त् वी चुं का इंग्रक्ष का कुं प्येट र्चित विका चुं क्रें रे अहं ने प्यक क्रेंत्र पायट प्ययट प्यर चार्चित्र। वात्र विका पायत प्राप्य का के प्यर अहं नी ने र व्याहें अंतर पुरायमान हुंव पेंदा हव के अर्थ नाया क्रियाय वियासन स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त विवास माने स्वाप्त स्व त्तु विश्व में शुर्य प्रति हैं। देवीं द्यू श्वा श्व स्रूपं पानित्र में प्रति विश्व में श्वे प्रत्य श्वे प्रत्य म्बर्भ मुन्द्रुय यहेंद्र में भ के व राज्य में देन में प्रत्य में प्रत्य में में प्रत्य म मंत्रिका ग्रीका विरार्थे व्रि. तार् का ग्री. तेर्विर तेर्वे ते श्रूर प्यारा पर्वेका त्र श्रूर ते तामित के दे ते विकास के दे त्र का ग्रूर त्र व्योत के दे त्र विकास के त्र विकास के दे त्र विकास के दे त्र विकास के दे त्र विकास के त्र विकास के दे त्र विकास के त्र विकास क क्र.मुवेटबत्त्रम् न्यात्रम् विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र मुवेद्यात्र क्षेत्र क्षेत्र चित्र क्षेत्र क्षेत खुप्तरुंद्रुद्रप्तरुंखुप्रपुद्रा कुरुन्नायाद्रुप्तर्वे संदर्भेष्यप्रदेशकुष्ठा कुर्यामाप्तरी चेन्नेष्यपं क्रियाया स्वान्ता अन्तर्भ स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्व स्वान्त्र स्वा बीजावशबाक्टर रे. लेबे. जवी रेवी विशव बी. जुब राषु श्रीयाश श्रीयका भ्रीयाय श्रीयाय श्रीय श् ॖऀॖॏॱक़ॖॕॱॠॕ॔ॖॱॴॱॿॖॗॸॺॱय़ॺॱॴॺॺॱय़ॱऴॖ॓॔ॿॱय़ॕॸॱॣॻऻज़॔ॸॱॻऻढ़ऀॺॱॻऻढ़॔ॸॱॻऻढ़ऀॺॱॹॖॕॱक़ॕॣॸॱफ़ॗऀॱॿॎड़ॱॴॱक़ॕॴॺॱय़ढ़ऀॱॺऄॿढ़ॱऄॿ॔ॱ ढ़ॿॎॖऀॸॺॱ॔ॹॴॹॸढ़ॱॸऀॹॱय़ॱऒॱॡ॔ॱॸॱॴॱढ़ॿॎॖॸॹऻॱॻऻढ़॔ॿ॑ॱॸॖॺॱॿॺॱॸऀॸॖॺॱॹॖॕॿ॔ॱॼॕॣॺॱऴॕऻॸॱॸॗऀॱॿड़ॱॵॹढ़ॺॱॾऀॸ॔ॱ॑ र्ये प्रत्येश्वर्णयम् भीत्र पुर्प्प्यम् हे त्र भीत्र प्रविद्या मान्य स्था मान्य स्थाने स्थान विभान विभाने त्या में त्या के क्या के प्राप्त विभाव के वि र्वाप्तर्भात्राचाल्यात्रात्रात्र्वे व्यवस्थात्रात्रे व्यवस्थात्रात्राचित्रः व्यवस्थात्रे व्यवस्थात्रे व्यवस्थात्रे व्यवस्थात्र व्यवस्थात्र व्यवस्थात्र व्यवस्थात्र व्यवस्थात्र व्यवस्थात्र व्यवस्य विद्यवस्य व ळेवे⁻चें त्यांपासुन्यं। दे विकाणेन सुन्युंपायं तायेनयं। हें त्यातुंपायायते दुयाये दूरा सुन्य सुन्य से स्वाप्त सिन् ते ते सिन् ते ते सिन् ति सिन् ते सिन् ति सिन् ते सिन् ति सिन् ते सिन् ति सिन् ते सिन् ति सिन् ते सिन् ति सिन् ते सिन् ति सिन् ते सिन् ति सिन् ते सिन् ति सिन् ते सिन् ति सिन् ते सिन् ति सिन् ते सिन् ति सिन् ते सिन् ति सिन् ते सिन् ति सिन् ते सिन् ति सिन् ते सिन् ते सिन् ते सिन् ते सिन् ते सिन ते सिन् ते सिन इतिबाहे अत्यास्त्र केंद्र ने केंद्र ने अत्यास्त्र में केंद्र केंद्र में केंद्र केंद्र में केंद्र केंद्र में केंद्र केंद्र में केंद्र मेंद्र में केंद्र मेंद्र भ्रां वाद्याय ने नाव वायाय के ना में ने कर वह वा यो ने वाया वायाय के प्रत्या के नियम के किए के ता वायाय के नियम टीतार्टा तक्षेत्र सैंचात्राक्षेत्र भीतात्र विकासी क्ष्य हे हिंचीयात्र पूर्व स्थान सेंचा है तेंचायात्र केंचा से क्ष्य हे हिंचीयात्र पूर्व सेंचायात्र सेंचायात्र सेंचायात्र सेंचायात्र केंचा सेंचायात्र सेंचायात्य वस्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचान्त्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राच्यान्त्राचान्त्रचत्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचान्त्रचत्रच मृं या सक्षतं या मान मुन्ते हो। मुन्ते या मान मान प्रति वर्षे प्रति प्रत बर येनबर्त्वाप्त विष्या केंब्रा स्वाप्त विषय स्वाप्त स्वाप्त में स्वाप्त का स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व वयाञ्चरारायाः विवायाः ने प्यवः यावा द्ववावी इतार्य देन द्वर म्यादे के मुत्य के देन भ्रत्य व्यव स्वरं विवायाः व ट्रेच.लॅच.चाधुब.या.ल.ट्रंबच.क्र.ल.वारिवांबा त्रावयात्वर विचारा सङ्काराष्ट्र सेलाएड्रेच.क्री.ट्वट.क्रीवा.क्रच.ता.च्या.स्वार्थे साम्यात्वर योजाला है मा के बर् के बिया ग्राम अहर हैं। यह देश के पर्या प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के चेरेचा रे.सं.प्रूर् क्रि.मं.सं.रे.स्मेन.सं.म्.स्यां स्यां स्यां में स्यां में स्यां स्थार स्था स्थार स्था स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्था स्था स्थार स्था स्था र्ह्म पिट गुन्य अधिन के ने रित श्रें न अपहर्म निवार करें के अधिन के अधिन में में पिट के निवार के निवार के अधिन यम्देन्यासुन्देन्द्रियाद्वी तह्याद्वित्वादेन् कृषायायात्राक्ष्यम्यायात्राद्वात्र्र्यायायात्राचात्रात्त्र्यात्र

. च.क्रुंब.५व.त्.क्रुंव.२वा.६.इ.च।२वी.त.क्षवीय.त्.क्षेवी.ज.पषीटया वीयट.से.८ट.इय.घॅट.वाधुय.घोर.चयोप.चबुय.वीय.तं.दु.ईय.क्रुंट. सघर निर्णाय सिंद्र में स्वर्ण के राज्य स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण सिंद्र स्वर्ण सिंद्र स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स र्वे विष्या कुर्या त्राच्या विषय विषय विषय है । विषय विषय विषय विषय विषय कि विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय चत्रे अपन्य केव सर्य कुष हों में य प्रायम निवन देवा ए प्रायम हिन ही देश प्रायम सर्व वित्व सर्य स्वर्म निवास पर सेह न वेश देवा में प्रायन वित्र हो स द्वण राष्ट्रीर अं हुं या या बि प्रतर प्रविवाय की । पर्वपायी हा या प्रवृत्ते हुं दे विया हा व्यव या ग्री का राष्ट्र या विवाय का या प्रवृत्ते विवाय रुषां ग्री तिर्दर त्यें त्यमित्र हि. चर्र निस्ति नामा स्वीति के तुर्दि हो के मुला सम्मान निस्ति हो के तिर्देश स तिट व प्रविवायायते न्ना या प्रवादा प्रवादा प्रवादा के ते प्रवादी प्रवादा प्रवा कुर्त्ताविष्यातार्ट्रियाची देवाचीयात्राच्याची देवाचीयात्राचीयात्राच्याचीयात्राच्याच्याचीयात्राच्यायात ઌારાંદ્રે નાજુવું નુ વાર્વવાયાઓ ખારાદ્રે દ્વારા સાથક માં આવા છે. આવે છે. આવા છે. આવા છે. આવા છે. આવા છે. આવા છે. આવે છે. આવે છે. આવે છે. આવે છે. આવે છે. આવે છે रुषान्त्री तिर्दर तेते मेर् यत र्पार्ट प्रकार विपान वार्षा वार्षा वार्षा के वार्षा के वार्षा निवान वार्षा वार्ष इ.शु.५.तम्.ग्रेट.शु.५.टीत्र्य.त.त्येची विटिज.वि.श्रेंत्रस्याताला. श्रेन्य प्रांत्रस्यातालेट.वि.श्रेंत्र. वि.श्रेंत्र हेप्त लब.भ.थं.वश्वन्तर्त्त्र्रा, लट.विट. खुषां केल.लेषु ख़ूंच.भ.टें.लेल.वि. अर्थ.पधिटब.चषु. टेवी.चपु.चपुंच, वीच.वीट. दुव. तुव. यट्याक्कियान्यात्रा दे नान्याकेता विवादीया विवादीया विदास्त्र में स्वाद्या के स्वाद्या के स्वाद्या के स्वाद्या तात्रार्चुयाचेयानु, स्. झ.र्जा, मृत्यायान्य तारा ह्यूचे हे. वेशया श्री विषया मृत्या तारा ह्या पर विषया ह्या पर गुं सूर्वे प्राविषाप्रती विषय देशायते प्रित् क्रुन्से हार्गे नियय विषय प्राविषय क्रिया विषय क्रिया विषय क्रिया यर्चेन्त्राच्या नियम्बर्धाः विवासित्वीत् त्योत् त्या क्षेत्र क मुठेनं हु ने ज्ञुक् ने के न हैं न के पर अहं हु पक्ष की वार्षिन कर के कि नियाने के नियाने कि निया भूबाराष्ट्र अक्ष्य आत्रान वैटा रेबा की प्राप्त प्राप्त प्राप्त श्रीया आधार है. वैटाय जा विटाय में विटाय में विटाय के विट वी स.इ.जि..रे.के.स्.झेंवे.ज.पषिट्या चू.ट्रूट.इवे.चू.क.ज.चूर.कर्याचूव्याचारी विट्रत्य.टे.येथ.पक्र.टेनट.यवेटे.त.सवे.ट्व. र्ट्ट चठन मार्गन्त्री के नह भ्रामिन्न न न निर्मा विष्य मार्ग में दिन भ्रामिन मार्ग के निर्मा निरम निर्मा नि हीं मां श्रु कर रेंदि पं नेर पार्वित्र स्रुपा हो पर्रें वा कुणी हा सार्नु । यह वा पार्व वा सार्व देश में वा सार्व वा सार्व हों सार्व वा सा दें या श्चिद खुदबान्द पति चेंद रे बिबायर भुरविद्विद बाये विदेश दें हो से से से किया अळवे श्वीका श्वीच के पार्क दाया की पार्श्व पर्वे का वया ज्या के स्वाप्त के स्वप्त के स्वप ब्रे.हेंगाची खुब र्ये न्ट्री क्रेम्ची महिन अर्बेग्बाय प्यत् खुअनिब नु ब्रे.ब्रेशिय पश्चित निवासी विश्व महिन प्र ठेवा वोर्युट्य वेया है 'नेवा वी 'नेये 'नेटा' वार्येत खटा खा नेत्र खुवा विख्य का वार्य पा विख्य खाता है कि खाड़े हुन्हा है है है जो खेते. नक्षेत्रवन्नर्नायते न्वत्र हिर्म्यक्षम् । वर्षायर् वर्षाये वर्षायाः वर्षायः वर्षाय स्रम्भातमा केषा मक्ष्या मुक्ता स्रम्भात स्रम्य स्रम्भात स्रम्भात स्रम्भात स्रम्भात स्रम्भात स्रम्भात स्रम्भात ला. सूर्यायातपुरवीषु तिश्चीर् देटा इर प्रश्चीर विषु एश्चीर वर्ष्या श्वीर सहित हिंदी है। स्वीर प्रश्चित स्वीर व यर चर्रुवाबा देबर रूट वी वार्षुट संसूट हों वॉबर चहुँ न पर था थें र्जु खेवाबर पर चर्रियं बारी टा दुंबर ही र विंदर खें दे खें वे पर वार्षित कर विंदर खें हों र खें के पर वार्षित कर विंदर खें के लिए के चह्रव ग्रीक क्षा कर पर देव केव क्षया अकव पर । वे दूरा अर्केव ख्वा ये वाक पर वाबुर को दे या यह अप ग्री क्षेत्र ग्रीका वाकवी है त्रशुर व्यवनाविष्ठ व्या र्रेट प्राप्ते वी रेप विष्ठ प्राप्त प्राप्त विश्व रेप या वा विष्ठ विष्ठ विष्ठ विष्ठ वि ढ़ॻॕॗॸॱॻॖऀॱॿॆॣॸॱढ़ॺॱॸज़ॸॱय़ॱॾॕॻॺॱय़ॸॱॻॺढ़ॱढ़ॕऻॗॎॴॸॱऒॕढ़ॱॻॱॸॱॸऀढ़ॱक़ॕॱऄॕॱ॔॔॔ग़ग़ॖढ़ॱॺऻढ़ॖढ़ॱढ़ॾॕक़ॺॱय़ॺॱॻॺढ़ॱॗॸ॓ॱढ़ऀॸॱॸॸॱॸॗॱॺॱक़ॱ

चिट्यीट्तर्ट्वीयःकुर्वे,स्वीत्त्रःक्वे साववाकिवानीकेनावरायंत्री हुर्नु से क्रिवायन्यायं दिवान्ता महिकां या निवाय क्रियायं स्वायायं स्वायायं स्वायायं स नाबर अह्नी ने वब स्वा है ने दे सूब राजाबाँ वब के सूर हैं व है। सून है ने यो स्वाब अळव के जिन ही हो के सून अट न त्विर अविश्व पर नश्चनम् नरु र्न्ण निवेश पर्दे के सूर्ण है न जिने वाल ने ल लें हैं न सके वा सूर्व ल में व्यापन है न स्वी सूर्व त्रियो क्रियोबाअक्ष्य क्षेट्रे.क्षे.योखेट क्षेत्र स्ट्रिय क्ष्य त्या क्षेत्र प्रकृत क्ष्य क्षेत्र क्ष्य क्ष्य क्षेत्र क्ष्य क री. मंद्रकामी सर्प्र, म्यापूर, म्यापूर, म्यापूर, म्याप्त, गुँट घटा <u>ब</u>िना अट् या ब्रॅनिया इस्प्रेस् के ब्रून यहै वाया सहया प्रमाय होते. स्रीता स्वापित सहस्रा प्रमाय के प्रमास ॱबॅळे८ॱॱॴॱबॅज्बं प्रते 'न्यर्थ 'बाकुं प्रते 'ज्नुं न्यं कुंनु 'ळेबं 'चें 'क्षब 'ग्री बाक्य ज्ञान के बाक्य ज्ञान विकास के विकास के कि प्रति है । विकास के बिक्त के विकास के विकास के कि प्रति के कि प्रति के विकास के कि प्रति के विकास के कि प्रति के कि प्रति के विकास के कि प्रति कि प्रति के कि कि प्रति के कि प्रति कि प्रति के कि प्रति के कि प्रति के कि प्रति कि प्रति के कि प्रति क्तुं ने देन दें के इसमें प्रत्ने विवाय पर ब्रुप्त परि ज्ञान स्वाय की राज्य परि वाय मार्थ संज्ञान सम्बाय की राज्य की स्वाय की स्व बैद्रांचेतुः क्षेत्रः स्वाकृति दर्ययाः स्वाधान्यायते विज्ञाना स्वाधान्या स्वा ्ध्रण्यां श्रीतः स्वृत्या श्रीतः वित्ते प्रता स्वृत्या श्रीता श्रीता स्वतः स्वृत्या त्रीता स्वतः स्वतः स्वतः स ट्रे.लटली.शुषु:ब्रबाह्मं स्वीत्रपु:श्रीयाली द्रे.टाबुबाटी कूबाती खेला स्वायाना माया त्राया हुवा है। जारी बाता माया हुवा हो क्या माया हुवा माया हुव वयान्यतान्त्राची तिर्दर् ते ता स्वीयायि हियाची कर छी सामायाया सर दे हैं सामायाया सर सह न छन प्राप्त होता स्वीय च्यात्राच्या त्रात्तित्यात्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त् वात्तित्यात्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् व्यात्तित्यात्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त्रम् त्रात्त स्यु वर्षियार्थे व्यक्ति विवक्ति विवक याके विद्ाे विद्यापरा र हें हे जानवाया या बादार दारी किंवा झेंब्रांचा या भी वातु । वात्रायवाय र जुरा चादी वात्राय वात् र्रेय.स्यवित्राधट्या देयाह्न पर्वेच में जू.जावीबेट्यातालय है। में जू.ची चूट्या क्रियातालय है। स्वाप्त प्राप्त क्रियातालय है। में जू.ची चूट्या क्रियातालय है। प्राप्त

लायविरमा मार्जुदा श्री तर पार्विर वयामार्जु विमार्चरा मक्त पर्ट्य देश हैं । क्रिंट हैं हैं। क्रिंट हैं हैं। क्रिंट हैं से श्री हैं र श्री पार्ट पि के पार्ट के वापि चाढ़ेबाचाबावे व्यवस्त्र प्रवास मान्य क्षेत्र मान्य स्वयः मोन्य प्रवास मान्य क्षेत्र मान्य स्वयः स्वयः मान्य स्वयः वायया वर्ष्ट्रेययाच्याक्षेत्राची अकूवा चीव क्षेत्रायय किवायाच्या ते क्षेत्रा त्राप्त क्षेत्राच्या विकाय क्षेत्र न् चुर है। न् चुन् खुन् खुन् खुन् लामीनाना नेते हैं नु अर्थ अर्कना है है नु दुन अर्थ अर्थ अर्थ है। ने हैं नु के स्वां लान बुन् का स्वान शह्र-विश्वातिहास विश्वातिहास व . य्राप्त्री इ.स. प्राप्ते क. वर्षे के वर्षे वरे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे र्टा देव रे के बिंदा नर्टा के प्राचीन अट रेटा वर्कें व जा खून जा खून अपन्य बीन अट रे विद्राद्धी विश्व की विर्म र्म र्मा र्मा र्मा हिंदा परिवालका विद्यालको के अपने के स्वालको के टियात्याक्षर्याचीरया कु.सी.जाह्यराच्याक्ष्यात्रीयात्रायः क्ष्याक्षयात्रीत्यात्रायः वित्यात्रीत्यात्रीत्यात्रीत विवायः क्षायात्रात्रात्रीत्या वार्ष्यः वित्यात्रीत्रीयात्रात्रीत्यायात्रीत्यायात्रीत्यात्रात्रीत्यात्रीत्यात्र चूर. टे. तर क्र्य. ज्वेर को विराधर टे. क्र्य. जाता कार के कर है. टेर्य का वर है. वी. श्रीर लंदा श्रीर के का श्रीर क्रिया है. चीर्ट्रा कि:श्रुच क्रुंबें.श्रुट्रा चिलक्रेंट्रियां क्रुंबें या सूचीया देवूचे ता क्रुंबें चित्र प्राप्त क्रुंब श्रुंची द्याप्त क्रुंबें क्रुंखें त्या प्रचें त्या प्रचें त्या क्रुंबें ता क्रुंबें चित्र प्रचें त्या क्रुंबें इंद्रियां क्रुंबें क्रुंखें क्रियां प्रचें त्या क्रुंबें ता क्रुंबें ता क्रुंबें ता क्रुंबें त्या क्रुंबें त्या क्रुंबें ता क्रियां क्रुंबें ता क्रियां क्रुंबें ता क्रियां क्रुंबें ता क्र राजान्वेब नुबर की मन्त्र के हो से हैं है कुल बळव राजा मनिन वर्ष नुस्त है से मनिन वर्ष महिन जा प्राप्त है ने स् चभुर्यस्तृत्व्यात्रीत् कु इत्यात्रीत् अर्थे व्याप्ति कु व्याप्ति वास्त्रीत् व म्बित्रायारा के के निर्देश्चित्रा अराधि निर्देश मार्थ मा र्ट्न विर्तर्रित्र त्रियार्या विषय प्रति श्रुवा या यर प्राचीत हो। विषय विषय स्थापित स् यं च्रां अरखं गा र से हैं . त्यायिर र अण्णवाय व्हें खुण्या प्राप्त प्राप्त प्राप्त से के अपने अल्ले से से किया यवि.स.रटा, शाव्य.सू.वर्ण.कै.य.जय.यश्रेच.तर.हू.वीया घर.त.ज्.दे.च.ज.मैं.व्हे.त.रट.जु.वीय.सूय.कु.यवि.स्वी.यवि.स्वी.यवि.स्वी.यवि.स्वी.यवि.सं.यवि.स चिट् ब्रिंग सुभान् अविन पविन प्यत्यायन्य विव स्वायायाय स्वायायायन्य अस्ति अस्ति अस्ति अस्य अस्य अस्य अस्य अस्य हैं खेट न् वाबट दिने हैं से अवब के नहें अर्केव अयदब अय बेवा में प्रति अर्थ हिंग निवर केट केट से हैं हैं हैं से रटानी के बार्या निवास के विकास के किया में विकास के किया में के किया में कि कुं अर्थे के वर्षकं मृत्वे ह्रें करे हि के के मिल के हि के कुं के कि के कि के कि कि के कि कि कि कि कि कि कि कि विट सं ग्राट या मिनीयो है या तुं है व सं क्रें या बेंब हो। हिट सं घर या वें दूं न या र्डं हु या नश्चनया वें यो दूं न यो दे वा यो न स्वापका यर अधिवी ह्यें र र्वेदे नगर ग्रेन्यं बर्यं वर्षे वर्षे दे बर्ये दे हिग्या वर्षे मानु हो वर्षे हो है । है वर्षे हो है । है वर्षे प्रमान त्तवीयः ग्री. तर् खेर. राष्ट्रियः में हे. में जायवायः वायवायः वायवायः में प्रत्यायः में प्रत्यायः में प्रत्यायः वायवायः भी तर् स्वायवायः में प्रत्यायः वायवायः भी प्रत्यायः वायवायः भी प्रत्यायः वायवायः भी प्रत्यायः वायवायः भी प्रत्यायः वायवायः विष्यायः विष्यायः विष्यायः विषयः विषय 'अर'येनम'र्नम'र्नम'र्गे' प्रित्रेर पें पर्ने महिम के महिन में प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान म

चर्डमासुर्के प्यान्यात्र स्त्री क्रिकेट सम्बन्धात्र प्रति चर्ममाने ने कर्षा सम्बन्धात्र स्त्री स्तर्भ कर्षे सम् योशुर्याके प्रति मुक्त देराया के दार्थी प्राप्त के कार्या विश्व कर्णा के द्वारा के दिन्द्र के त्या के दार्थी के स्वार्थी के स सुन्याचारायाः स्वायाः स्व हैं ५ दि। मुर्ग्य र्ष्ट्र 'तृषादी रष्टें की वाप्पदी विषयि होणा हो को दिन को अर्थे का क्षा हो प्रोत्याय एक का वि र्म्यान्यं में निर्मान के निर्मान चुंबो ्रट र्येन श्चित्र या इयव ग्रीवार्ट यळ ने उत्तर्भ से हिंदा है 'हा है 'हा वो व्यवस्थित के प्रति है । है जि कुर्-घर्म्य ठर्-छो क्षेट-सं णूब यमा द्वम् मी कुरा पर्छेर लुका संबंधियां वर्ष प्रतानिब एते. विष्ण के सुरक्ष मिलक यःगोषात् ग्राम्यात् व्याप्त स्वाप्त स्व म्याप्त स्वाप्त स्व अह्र-ने नेट सट वी नर नु धट वाद कर की

लाम्हेच, च्याक्षरम् लास्य तर एक्षिर तपूर्व तीर तार्वेच विराय तार्वेच स्थाय प्रस्ति तार्वेच स्थाय स्था

ૹ૾ઌૹૹ૱ૺઌઌૢ૱ૹૢ૽ૣ૾ૺૺૺૺૺૺૺઌઌઌ૾ૺૼૺ૱ૺૺઌઌૢ૱ૹૺ૱ઌૹઌૣ૱ૺઌૺૹૹ૱ઌ૽ૹૢ૽ૺૺ૾ઌૼ૱ૹ૱૱ૹ૱ઌ૱ઌ૱૱૱ૹ૽ૺ૱ઌ૱૱ૹ૱ઌ૱૱ૹૺઌૹ૱ૹ૱ઌ૱ઌ૱૱ૹ૽૽ૺઌૹઌઌઌ૱૱ૹૺઌૺૺૺૹ द्रैं प्रविज्ञास्ति के निर्मा के सम्मान्ति के स्वाप्त के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्व भी स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के सम्बर्ण के सम्बर्ण के स्वर्ण के मुन्या स्थानिया मुन्या क्चॅबॅ'र्च'केव'र्च'त्रण्येव'यरे'अर्केण'शु'र्धं'यर्वे'र्गाय कॅबॅर्चे'यार्वा क्चंच'र्येव' अर्केत्'स्व केवा'तु विट त्रण्ने हेवा'क्षं वेवांवा देवे के होव र्दे देर शे. मेळ. मं श्वे में शेन परि प्रमेष मायवा है ने प्रविधाय परि समें अक्रमें में अक्रमें में में स्वे स्व देव्यॉक पूर्वेव क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विवास विवास विवास देत्र पक्षेत्र चुन्तर सहिता क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विवास व त्राचेत्रम् दे त्रमात्रम् स्वादेश्यात्रम् स्वाद्यात्रम् स्वाद्यात्रम् स्वाद्यात्रम् स्वाद्यात्रम् स्वाद्यात्रम स्वाद्यात्रम् र्ये केष द्ये अद्रादक ते तुर्वाष भी अव दर्वा वंदर प्रेत् दूर्व प्रायाषाव है। देते किर प्रायापी वेष पर्वे हैं प्रायाषाव है है। मावतः क्री खुम्बा धीवा वदीर प्रमा खमा दुर्ग मा द्रो से दे त्रे से खुम्ब धीव प्रमायमाय देव के व र्ये का छ्रय पर्य से से हुन दी देव प्रमूत पर्य हैं। न्त्रम् देव ते विद्यामा होते होते से हे अर्थ से स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त देव ते के स्वाप्त सपु.लीट.क्रैज, पपु. पर्वे. त.बी ल.सं.ली वे.ल.मा प्रहे.वेड्डी क्रूब.सबा क्षेत्.सु.व.वार्याया श्रेष.वी वेंके.केज.सक्यी टव.रवट.वार्याया प्रवे. केव ज्ञानम् यह केव रेव रेव केवे दि वर्ष हार अदि राष्ट्रिय निष्य हो निष्य न्नः सर्ग्युर्-'हेँ'विषायते चान्षाय केवार्याय महेवा जेठवुं खेट पति न्नुपार्श्न र्षान्य ग्रीया होज्य पत्रिपाय विषय हैं हिते पान्व या सर्केन रात्रवुर्यं श्रे ग्वरं । नयार्यं केर र अंदब मुबर्र र्चिट्च ग्री क्षाळ्य हें हैं तकर गी ग्वेर क्षा विर्यं परें केर पेवेर विर्वर्थ खें ग्वर र र र रु केंबाहि सूर्र रेपांबारायाबुद पंत्रेवाबायाबन र्देन ग्राट पर्या रे पांचर । या कें में ही ह्युपारा है दे रे रासर्पा पित हमा प्राची हा से पांचर प त्यतः विषा ग्रीमः नुमः तन्तः यरः सहनः यः धेवः र्वे।

कृत्। क्षा क्षेत्र स्वात्त्र स्वात्त स्वात्त्र स्वात्त

यान्ड्रेब्यायते हेन्य्वेब्रब्यान्य क्रिक्यान्य क्रिक्यान्य क्रिक्यान्य विद्यान्य क्रिक्यान्य क्रिक्य क्रिक्यान्य क्रिक्य क्रिक्यान्य क्रिक्य क्रिक्य

नः अवुअन्यरः र्सूवन्यते स्नेते स्ने नर्पेट्यासुना नुहार स्ने नसूवन्य याया चुन्य अहं नन्यते स्त्या ग्राट रेव निकुत्र में अपने याया चुन्या व

वश्यात्रीत्रक्षात्रात्रात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रात्र्यात्य

पञ्चेत्रपश्चेर्याते स्वाद्रप्तात्रात्र्यात्रे स्वयं रुद्रा के विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं

वया चस्रवारायान्तरम्, यद्वीवायन पूर्वे द्यारे वित्याने। र्रेटा स्रेवा क्यां ह्यायायवारी पूर्वायायीया वियास्याय तपुं श्रेबान्तर्भात्त्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रात्त्रवार्ष्ट्रवार्ट्यवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्यात्रवार्यात्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात्रवार्यात न्धेंब्रॅंट्यान्वट्यायायहेब्रहे इंब्रायमेयान्या यर धेंब्रमी क्रियाविर अहेंन्यि केंब्र्या विषय रेखिर इंब्रायमेया वोशुक्रां या शुंवोका शुः सुद्दार प्रदेश वोत्तर इसका के को द्वारा या में राधा रे रे रे वे का शुवाको क्वें वा तृर्धे दे रो रे के वो का शुः क्वें राधा के विद्या से विद्य य्थित्वश्चर्तात्त्रात्त्रम् द्वर्त्त्वे क्ष्यं वर्त्त्या क्ष्या वर्ष्या वर्या वर्षा वर्या वर्या वर्षा वर्या वर्या वर्या वर्या वर्या वर्षा वर्या वाबबायानमीत्। द्धंयानेबाळेबाग्री क्रंयानेबाबायायाच्यां वाबबायाच्यां वाबबायाच्यावायाच्या वाबबायाच्या वाबबायाच्या क्केंच मुक्तेर छै पंत्रम मुक्ते अहर वुषा केव रो त्यय य छैर मुं अकें च या भ्रुंच मुक्तेर मुक्ते मुक्त केव ये मुख्य प्यावव एवं प्रहर्न यदै केंदर है व यंक्रव यंदर है वे हैं प्रेंहें व प्रमानु मायन्य प्रमानु साम केंद्र में प्रमान के व के प्रमान है व के प्रमान केंद्र के व के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के य्रेवाचाचर्त्रं ते ने प्रार्थेट्याचा श्रीत्रं क्षा अह्त अह्त त्या अहत क्षा क्षेत्रं क्षा क्षेत्रं क्षेत ह्येणबायाया क्रियं प्राप्ति वर्षे वर्षे हिंद वी पावुदाया हुणबाद है व पावदाय बाद है व पावदाय के पावी का या हुण के पाविक प अर्ट्यत्त.म्ट्रिय सेट.त्.र्षेत्र्यत्य.म्ट्री अर्ट्स अर्ट्यांस्ट्रियांस्ट्रियां सेयाःम्याः स्वाराम्याः स्वाराम् इयाम्याः मृत्याः स्वाराम्याः स्वाराम्याः स्वाराम्याः स्वाराम्याः स्वाराम्याः स्वाराम्याः स्वाराम्याः स्वाराम्य यहिर निवस्त सिवास क्षेत्र स्वास्त स्वास सिवास स्वास सिवास स्वास सिवास स्वास स्वास स्वास सिवास सि र्वेदं पं त्री क्षुन्ध पते दुषा हे लिद क्रिं प्राप्त रेवा पा त्रेहे वाया के वार्य वाद्य प्राप्त प्राप्त के वार्य के वार्य वाद्य प्राप्त के वार्य के वाद्य प्राप्त के वाद्य यक्ष्य श्री न्ये श्री में हर प्रार्थिया वावय प्रत्याप्त वियाया स्वापाय हर्षा वायर स्वापाय स बट र्नु ज्ञाबाद दें। दे दब्ब ज्ञुन अर्घ ते र्नट के र्रेब ले खेजाब रांदी रीब सु की ति हो न पर निक्ष के पार्ट के सु के पार्ट याँ बैर घर त्राप्ये कुये त्यूर वृत्य्यात्र कुपे वीतारा जयाया है जिए जिए सुर्याया वाप्ये कुये गीये किया है हि हिर प्रारी सी जा या अ हैं.श्रुवाय रेनर नश्चेर रच एचेश्रया जन्न प्रचया थी. केंच नश्चेय होता क्रूय देवा होता क्षेत्र ज्यूवाय राष्ट्र हिर रच एचेश्रया क्षेत्र प्रचेश जा लर्नल्याम् स्पत्र क्रूबाग्री मुक्ताम् अत्राप्ते निया अत्राप्त स्वाप्त स्ट्रिन्द्र में के के कि स्वाप्त के कि सम चर्नर यं अहर् प्य वस्रव रहे भी पर्वित्व र्देव देव है व है यह पर्व अहर पर्वा अहें ह्वा व पर वह संबंध व रहे व पर क्षेत्राचर क्रुवार त्राह्म वाया स्थाप त्राह्म त्राहम त राष्ट्र विचयः क्षेत्र स्वाप्त त्वोतार्येत्रासु हैंवायापावदानायां मुद्दार्वा वर्दानायावयां ग्रीपावदानायां व्यापवादानायां वर्षायायां वर्षायाया য়ुःळेव्रयं इयम्प्यत्ये प्रत्ये प्रत्य इयमाग्री द्वर ५ . विमानेर पार्य प्रमानमा साम्याप्य प्राचनामा स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स

. अघषः र्वा.वी.र्वोट्य.त.र्वेह्रैयाद्वेय.तर्रे.धैवोयाश्चर्रेष्ट्रेर.तर.श्चर्राता वार्षेये.लट.ङ्गावटा। वयक्राविधःग्वरा मिलान चर्या नयसालयातक स्थानि विस्तापर मिरा च्या संभा स्वापार स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स ॔ॴॱॺॕॺऻॺॱय़ढ़ॖॱॻऻॿऀ॔॔ॸॱॾॸख़ॺढ़ॱऺऺऺॺऻज़ॗऻॴॿॖॴॺॱय़ॱॾॕॴॱॻड़॑ॸ॔ऻ॓ॗड़॓ॱढ़ऻॻॿऻॱख़ॣॴड़ॖ॔ॳॱॿॖऀॱख़ॱॾॹॺॱॼऀॸॱॶॴॺॱय़ड़॔ॱय़ॄॺॹॺॱॿऀ॔ॸॻॿॖऻड़ड़ॣज़ॗ त्मीर्त्यर अहर्त्री र्वत्य क्रियां हे से विवाय स्ति । या से प्राचित्य प्राचित्य प्राचित्य स्ति प्राचित्य स्ति व विवाय स्ति विवाय स्ति विवाय स्ति विवाय स्ति । या से प्राचित्य प्राचित्य प्राचित्य स्ति विवाय स्ति । विवाय स्ति विवाय स्ति । विवाय सि व्यय हर् जा मोड़े माय के या चे या चे दे माय या या विवासी में में माय या माय के या माय के या माय के या के या के म्याप्तान्त्रवाचात्रक्ष्यात्रक्षयात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्षयात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्षयात्य तंयर अर्देव यं र पक्रे व प्वविद यं विद प्ववं अपविव दि क्षे प्ववं व कि त्युं प्रक्षेत्र पर अहत पर विद प्ववं प्वव हुन ग्री विन सर अर से अर्देन न शुर या है क्वींया अवन केन गान जुले या कहर सु वह अ न ग्री में इसमें श्री दूर न के त्विर्नर्तुः नेपर प्रभूत पार्वे दे पार्व के यो विषा भूगापत यापर यो प्रषा पार्वि हिन तुरुष के के विषा होगा ते यो तुः हे ते व के वृक्तिया सक्त पारा ्रम्यात् क्रिंतः क्रुत् 'ग्री'त्वर प्रांच्यंत्र पात 'ब्रूर्त्' पर्द्धत्' पर्द्धत्' पर्वा स्थार होत् प्रांच्या क्रुया मात्र क्रिंत् प्रांच्या क्रिंत क्रिंत प्रांच्या क्रिंत क्रिंत क्रिंत प्रांच्या क्रिंत क्रिंत क्रिंत क्रिंत प्रांच्या क्रिंत क्र क्रिंत क्रिंत क्रिंत क्रिंत क्रिंत क्रिंत क्रिंत क्रिंत क्रिंत 'કુંજાન્વાવાગાં સંપાલુંન્સર 'ર્કેન્પન 'વેદ્વે' વાનવાવા ર્જેજા છે. 'શુંગાંગાં જાયારા તેવા કર્યો કર્યો કર્યો તેવા કર્યો કર્યો કર્યો કર્યો હોય કર્યો કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યો કર્યા કર્યો કર્યા કર્યા કર્યા કર્યો કર્યા કરા કર્યા र्नुगुर्भान्तनुष्नांगाः ॲट्यांसु क्रियांचां प्रवित्यवित्य स्ति । यहात् वीयाञ्चान्देर्वात्तुं पञ्चव हो खेवं त्यूवापञ्च प्राप्त पाविका की छिन् प्यतः इस्या छी वदः प्यविव पात्रुं सा छी देवापान्द सहिव प्राप्त दिया प्राप्त प्र चक्रेयात्तर्या मूं.सूं.पीटारी श्रीयात्रक्ता व्याप्तात्तर्यात्त्र अत्यापत्तर्यात्त्र वित्यात्र वित्यात्त्र वित्य वृष्टा वश्यात्यर्था मूं.सूं.पीटारी श्रीयात्रक्ता व्याप्ताय्ये स्थाप्ताय्ये वित्या व्याप्ताय्ये स्थाप्ताय्ये वि स्थयः निवान्त्री किर्मान्त्रियः विद्यान्त्री किर्मान्त्री विद्यान्त्री विद्यान्ति विद्यानि विद्यान्ति विद्यान्ति विद्यान्ति विद्यान्ति विद्यान्ति विद्यानि व यग्रिंगुराहे क्षेत्रयहर्ते। क्षेत्रार्देव गुरावी क्षेत्रवा ग्रह्म व्याग्य व्यवस्त्र व्यवस्त्र व्यवस्त्र व्यवस् च जॅर्बित बुति ब्रिनेश द्र्ये अर्वेद र्यं ने अर् शुर्म दें । द्रम्य के अर्केन य क्रिनेश स्र शुर्म हे के शान शुर के विद्र र्टा, प्रमूखानिष्यानेष्ट्राविष्यानेष्ट्रात्ते विषयाने के महिताने के प्रमूखाने के प्रमुखाने के प्रमूखाने के प्रमुखाने के प्रमूखाने के प् क्ट्रॅंट में बुर्म का श्री क्ट्रंट में रचे रच अव अर्घेट मा बेट मा बुर मा निर्मा है का निर्माण हुआ के मा बिर में के कि का महिला है के स्वीत के कि स्वीत ळेव ॲंदि शुट ग्रामंब पति ळे। क्षेंब पा ग्राबन पहुंब इंग्रम प्रिय प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प यायर सुर्या विश्वयारा हीर में अर्केन हे व कि व स्थित वर प्रमेश प्रवाद में यर व कि यह से हिए में ये प्रवाद से प પતદ અદેવ શુઅપ ભૂત તુર શુરા દ્રે વર્શ્વ તદ્ય પતિ ન કુદ્ર જાણા મુખ્ય છે મુખ્ય છે. મુખ્ય છે. મુખ્ય છે. મુખ્ય છે. મુખ્ય છે. મુખ્ય છે. મુખ્ય મુખ્ય છે. મુખ્ય મુખ્ मुक्तान्त्रम्यायक्ष्यात्रम्यात्रम् स्वाद्यात्रम्यात्रम्यात्रम् स्वाद्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम् अळे.ज.च्याबात्राच्याचा जिंदाचूंबर्टा क्र्याविश्वर्यात्राच्या विवायात्राच्या विवायात्राच्या विवायात्राच्या ल्याम्बर्धाः स्त्रीत् अक्ष्याः स्वाद्याः स्वत्याः स्वाद्याः स्वत्याः स्वाद्याः स्वत्याः स्वत्याः स्वत्याः स्वत्यः स्वत्याः स्वत्यः स्वत्याः स्वत्यः स्वतः स्वत्यः स्वत्यः स्वतः स्वत त.क्षा.क्री.स.क्ष्यां विचालात्रात्त्र स्वाल्यात्र स्वाल्यात्र स्वालयात्र स्वालयात् दैट देर देर प्रति भ्राणित्र प्राप्त देश पानी विषय स्थार में प्रति स्थार प्राप्त को भ्राप्त स्थार में स्थार में प्रति स्थार की प्राप्त स्थार स्था स्थार स्था त्वेच्चअंत्राबेत्रात्येत्रायद्यात्रात्ये । त्यक्षेत्रात्ये प्रमुद्धेन्यात्रा क्षेत्रात्यात्र । त्यात्र क्षेत्र ॱळवाॱॲन्। नेॱख़ॱवंदरॱॣख़ॕॱॺॕ॒ॱवॕॱख़॑ॸॱॺऀॱॿॸ॔ॺॱख़ॖॺॱॸॖॱॻ॔ॶॸॕॱऒळॕॿॻॱॺॏज़ॱॻढ़॓ॹॸॱॸ॔ख़ॗॸॱॼढ़ऀॱॶॸ॔ॱॼख़ॿॕॱय़ॱॺॺॱॸॸ॔ॱॿॖऀॿ<u>ॣ</u>ॱ चर्याकेंद्रार्यायाच्याच्याचे चिराक्ष्याक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राचीराज्ञीत् चित्राचीराज्ञीत् व्याचित्राच

ब्रकूवा.वा.वार्बेस.जी.र येवाबा.प नुवा. पांकुंब. तू. पर्षे बातपु. य.र.वुँ इ. धुर. क्रीं वार्बेर. बंबीर. जबीर. जबीर. जुंबे, स्वा. चुंर. क्रीं वार्बेर. वार्वेर. वार्बेर. वार्वेर. वार्बेर. वार्वेर. वार्वेर विषा श्वियां परि क्षु धिषासुदार्य हो । दिन देने वे बर्दिन सुंबा बिषा । दर्जनमार है व दूर धिरी देश परि । देश व म क्रियां में प्रति प्रति विश्व क्षेत्र प्रति । त्रियां मा प्रति क्षेत्र प्रति । त्रियां में प्रति विश्व क्षेत्र प्रति प्रति प्रति विश्व क्षेत्र प्रति । त्रियां मा प्रति क्षेत्र प्रति । त्रियां में प्रति विश्व क्षेत्र प्रति । विश्व क्षेत्र विश्व श्रिक्ता तर्रे में स्वाप्त स्व स्वित स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स विसर्भित्रे विषयः स्वर्धः क्षेत्रः वर्षे । विषयः स्वरंपायविषयः स्वरंपायविषयः प्राप्तः । विषयः विस्तरं विस्तरं विसर्भित्रे विषयः स्वरंपायविषयः स्वरंपायविषयः स्वरंपायविषयः स्वरंपायविषयः स्वरंपायः स्वरंपायवः स्वरंपायविषयः स व्हर्मायो प्रेने हिन हैं जुंगोब रेंबाची वित्ति नव्ह हैं नव्ह हैं। हिब येथे नह के ब्रान्य मेंबर ना हिन नगरि नुवेष बंदे हैं नवि नवें। नि वयः रुषः श्रीयः र्येतः प्रेतः प्रेतः प्रेतः । व्हि प्रेतः । विद्यार्गारा स्त्री । श्रिव स्वायः विद्यारा श्रीय विद्यारा श्रीय । विद्यारा । विद्यारा श्रीय । विद्यारा श्रीय । विद्यारा । विद् चषुः दूषः श्रु.चश्चीतानः जो विर्वार्थः मुक्तान्तः वृत्वाराः देवः विष्या विश्वः विषयः सर्वेट्सिवत सेंद्राया । ह्यां चूं त्रेंदे वार्षेया पहनी वृषा द्राक्षे चिट्ठित स्त्रें त्रेंद्राक्षेत्रा प्राप्त में विद्या प्राप्त विविद्यापा [ॾॖॣॴॻॖऀॱय़ॖॺॖॱॻॱॸ॓ढ़ॏॺॱॻॗॸॱऒऻॾॗऀॻऻॺॱॺॱॺॱय़ॗॱढ़ॖॏॺॱय़ढ़ॏऻॸ॒ॸॱॾॖऻॖ॒ॺ॔ॺॱढ़ॸॣऀॱॺऻऴॗॻॱज़ॺॱॻऀॸ॔ऻऻॶऴॗॣॻ॓ढ़ॿॱज़ऀॸ॔ॱय़क़ॕॺ॓ॱॸॗॺ॔ड़ॴड़ निर्मानायाः क्रियाः त्या क्रियाः व्यवस्य विश्वात् । विश्वात्य विश्व |वार्वर्यापतुर्वरामुद्रवाभी देवे वार्वार्या | भिर्माया प्रतिकार के कार्या | वार्याया प्रतिकार के वार्व के वार्य चषु.क्ष्री ब्रैल.फ्रेंक्ट्रेन्टेन्ट.क्षैवी.से.च.स्.ट्राच्या.खुट.क्षेय.क्ष्रयाच्यात्रका श्रुक्ष.से.च.र.लुक्ष.क्षेय.चेट्राच्याची प्राचित्र.क्ष्रयाच्यात्रका श्रुक्ष.से.च्यात्रक्ष्याच्यात्रक्षयात्रक् णर्ट्यासुः स्थापति स् चायम् यहूर् अधिष्टर्चा अध्य रेवा अध्य विष्ट हुत् हुता रेवा विनम् वी र्षेत्र हुवा श्री यात्र को ही विश्व से विश्व हिता से विश्व रेवा से विश्व से विश ब्रम्यायास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास् त्राचाराच्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्यास्य व्यास्त्रव्यास्य स्वयास्य स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वय त्राचाराच्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्यास्त्रव्य र्यतर मिन है। है : क्षुन निगति प्रविद : प्रविद : प्रविद : क्षुन : क्ष विषं ग्री ग्री ग्री ग्री ग्री स्वर्त के प्रति व स्वर्त हैं के स्वर्त के महिला के स्वर्त के स्वरत के स्वर्त यविष्यत्त्राचीत्रकार्याची हेव त्राचित्रकार्या विष्यत्या स्वाप्त स्वाप् र्पते :र्वाटन :श्रुं क्रें वं यो मिट प्राट प्रति प्राट : श्रृंव प्रति प्राची र स्थान प्रति वे ने देन प्राट प्राची पार्ड प्राया प्राप्त के वे प्रति स्थान प्राप्त के वे प्रति स्थान प्राप्त के वे प्रति स्थान प्राप्त के विश्व प्रति स्थान स्यान स्थान स्थ विट है। इस्यार निट ने वृत्तुन क्षे क्षेत्र के वार्च के वित्र स्वार्वे या ने या निट ने वित्र यो वित्र व क्ष्यक्षेत्र क्षेत्र प्राप्त विष्य प्रक्र प्रमा कुषाय अक्रवा प्रमुद्ध सम्मा अपन्ति विषय स्था प्राप्त विषय प्रम र्ट्याचरुषाया वार्षेत्र देते हेव् केवायर त्याचे पेते होवायर प्रमान केवाय विद्याय प्रमान केवाय होता है वाया प्रमान होता है वाया प्रमान होता है वाया होता है वाया होता है वाया ह ट्री इ.घन्नब.कर्.माष्ट्रीय.त.य्यूर.यम्ब.क्य.तर.क्य.यपु.विज्ञ क्य.क्री.विज्ञ तया.ट्री इ.पर्ट.वुर.क्री.व.क्ये.तर.लट.धेर्जूय.विर.यवुर्ब. हैं। श्चेद'यदे'यदंग'र्य'केद'र्य'र्य'युं'र्युद्यद्यं'द्युवा'द्यदं'केद'देद'केद'य्वद्यं'द्यदं' देवें'प्रदेव'र्यं'यंर्यद्यं'य्वयं

. ટ્રાંબા. ગ્રીયા. અ. ફ્રાંસ્ટ. તાલુ. ક્ષું ટે. ફ્રેંત્યા. મેં જૂર્વા. ગ્રીયાં તાલું તાલું તાલું તાલું તાલું ત તાલું તાલું તાલું કું તાલું કું તાલું કું તાલું ત मकेन-न्द-न्द्रम् संभाग निहेन न्या केंबा ही तिहर ते निहेन न्या निया ही माही महिना निया है महिना है महिना निया है मह त्रुं तर्वा क्षेत्र त्रुं अपविषय मुक्त कर्षे क्षेत्र विषय के क्षेत्र विषय क्षेत्र विषय विषय क्षेत्र विषय क्षे ८८. पिकुश्चे स्वाहित्या विद्या जिल्ला विद्या जिल्ला विद्या स्वाहित्य स्वाहि बैचार्च के त्रां तर्ने व्यापा है कि ए शे श्वर्ण वाक्षेत्र है व के त्रां है के त्रां है के त्रां के त्रां है के ते त्रां है के ते ते त्रां है के त्रां है के त्रां है के त्रां है के ते त्रां है के त्रां है के ते त्रां है के ते ते त्रां है के त्रां है के ते त्रां है के त्रां है के तार है के त्रां है के त्रां है के त्रां है के त्रा क्रेव रेव क्रेव पंचर राज्य स्था क्रीय प्राणित त्र क्षेत्र प्राण्य र प्राण्य प्राण्य क्षेत्र प्राण्य स्था विष् त्रविवायां हे अक्षव स्वार्धित या द्रवाया र्थेर वादव तर्देव या स्वाया श्रीया तर्हेवा हु ने राजा श्रवाया देवाया श्री विदाय र है अया वि वाश्वरः रचः श्वांबायः याविवा वाश्वरं दिया वाश्वरं वा विशेषात्रे वा विशेषात्रे वा वार्षेत्रः वार्षेत स्वी.शूषु.विधः हुं हुं इश्चर्य सुवीयाविट क्ष्टायर सून्य वैत्वर स्वीय स्व इ. श्चेट त्योजन्दर्भ स्तान्त्र स्त्रेत् त्योजन्त्र स्त्रेत्र प्रतेष स्त्रेय स्त्रेत्य स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्र इ. श्चेट त्योजन्दर्भ स्त्रेत्र प्रतेष स्त्रेय प्रतेष स्त्रेय स्त्रेय स्त्रेय स्त्रेय स्त्रेय स्त्रेय स्त्रेय स् र्श्रण्या क्रिन है अट रेंदि है व ही ये हैं अप्यान रह मार्थ अप्यान है मार्थ है ये प्रान्त है निर्मा के स्वर्ध है स्वर त्राहेत्यात्राह्म स्वायात्राह्म स्वायात्र स्वाय क्रिंत पुंचानाय संग्नाय क्रिंनाय क्रिंनाय क्रिंनाय क्रिंग प्राप्त क्रिंग प्राप्त क्रिंग क्रिं चर्टा में क्रिन्न विषय में स्वापार में में स्वापार में में स्वापार विचला क्षे इत्त्रित् स्थाले से वित्ति विचल वे सूर्व लाके वे त्रित् विकल से से वित्त विद्याले के लाव से विद्याले से विद्याले के से विद्याले त्नुव के क्रियम्प्त प्रवेश के क्रियम्प्त प्रवेश के क्रियम्प्त क्रियम्प्त क्रियम्प्त क्रियम्प्त क्रियम्प्त क्रियम्प्त क्रियम्प्र क्रियम्प्त क्रियम्पत क्रियम्प्त क्रियम्प्त क्रियम्पत क्रियम क्रियम्पत क्रियम चबट कुंबेब ला व्याच कुंचे के वाब लाके हो के वाब के दें च के वाब के दें च के वाब हो हो हो अट विस्त अट है के वाब के दें के दें के दें र्वा अर्केन निर्वे विश्वापर ग्रीर वी अर्केन विश्व शुर्शे निर गान्तु जैवाय वर्ष या कर् श्रीन नि वश्व राष्ट्री निवन के ले राष्ट्र श्रीन निवन के ले राष्ट्र श्रीन निवन के ले राष्ट्र श्रीन राष्ट् कुं अक्षतः क्रुं अनुति प्रति । क्रुं व अयं के व क्रिंग व क्रिंग व के प्रति । क्रुं व के प्रति प्रति व क्रिंग व के अक्षते क्रिंग के प्रति प्रति व क्रिंग क्रिंग के चन्त्र-प्रमुख्यात्रिते र्श्केत्राया केत्राया मेंप्रकार्येत्रायाया केत्राया वयत्र उपार्ट हो से प्रमुख्याया वयत्र व्यापाया से प्रमुख्या वयत्र प्रमुख्या वयत्य प्रमुख्या वयत्र प्रमुख्या वयत्र प्रमुख्या वयत्र प्रमुख्या वयत्य प्रमुख्या वयत्र प्रमुख्या वयत्र प्रमुख्या वयत्य प् तपुः सुर्वास्त्रा क्षेत्रा स्वास्त्र स्वस्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र चर्षापित्रेषायानुमा नगानायो नेवन सुवान सेविन प्रमुखानिक प्रमित्र सेविन स्पानिक स्पानिक स्पानिक स्पानिक स्पानिक सेविन सेव मुनिकं न्दा व्द्वात्रे विक्रां में मान्या के कार्या के कार्या के कार्या के कार्या के कार्या के कार्या के कार्य बूर्वाबासं,र्नुत्वाङ्गार्थेत्रविष्यं,विष्यंबावीसंभाषेत्रविष्याचेत्रविष्यः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व र्वेर्णयायान्तरम् । इस्रयायाञ्चीरानुः सर्केन् हेवः केवः स्रेतिः रचः योवयानु याञ्चात्यस्य स्रोतायान्यम् हेर्णास्य हेरान्यः ह्या हुत्यः स्रोतायाः

'શું.ક્રીંત.ક્ષી.કુર્વે.સુ.છુ.'લે.નેશ્વર-તેતાં નાનદ-કૈનીય.નોયર-ક્ષેદ-જ્ઞદ-સુ.નેદાં, કૂનો.નેગ્રીળ.નેટીય.ગ્રી.નોયદ.નોયેદ.તું.ટીય.યૂર્નીય.છે! ૅરન.નીયેય. ૾ૄૄ૽ૺૺ૱ૻૹૺઌૻૺ૾ઌઃૹ૽ૼઌૣૻૹઽૢ૽૽૽ૢૺઌઌૣૡ૽ૼ૱૽૽ૢ૾૽ઌૹૠ૽૽૱ૢ૽ઌૻ૽ઽ૽ઽઌ૽૽૱ઌૢઌ૽૽૱૽૽ઌ૽૽૱૱ૹ૽ઌ૽૽૱૽૽૱૽ૺ૱૽ૺ૱૽ૺ૱૽ૺ૱૽ૺ૱૽ૺ૱૽ૺ૱૽ૺ૱૽ૺ૱૽ૺ गूँट्या सर्द्ध्या भी अर्केन् पति । विनु पर पन् न्यू देटा निया कुर्ये वी अर्केन् पर्ये अया भी । विन् पर वस्य में उत् रह्या के सामी निया । कॅम्बाक्षके बिट न्ट्रिंगम्बर निर्मित्वका अर्केन् केट निर्मेया पर अर्द्धन पानी वया अपित अर्द्धन में के तिस्वार के ले का अटत निर्मेया प त्त्रीर श्रु हैं प्राप्त स्त्री बुट तह वा वी त्या सूर्व प्राप्त स्वाप्त वालक हैं वा स्त्रीर स्वाप्त स्वाप्त स् त्रीर श्रु हैं प्राप्त स्त्री बुट तह वा वी त्यस सूर्व प्राप्त स्वाप्त वालक हैं वा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वपत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वपत स्वापत स्वपत स प्राचित्र प्राचित्र क्षेत्र क्षेत् नवर्ष्या विव्यत्त्वा मिन्या प्रत्या में द्वा होत् प्राध्य प्रत्य विव्यत्य प्रत्य प्रव्यत्य प्रत्य प्रव्यत्य प्रवृत्य प्रवृत् त्तरात्तरात्ता सक्षात्र विकास के स्टार्ट त्या के स्टार्ट के स्टार्ट के स्टार्ट त्या के स्टार्ट त्या के स्टार्ट त्या के स्टार् त्य. श्वास्त्र स्वास्त्र स्वाबास्य के स्वाबास के स्वावास के स्वाव तार्यीत्यात्री क्रूबाई गीव र्वेत्या मैलार्य रेट्टी शहूब रेवाय क्रूबाई ए.क. यहाय शहर ही मैं वे के व्यवशहूट वाही मैं वाही में रायां क्चें र द्वेन नदे अकेना में दनदा अने के दा स्निसंस्य अद्यार से स्वीत स्व क्र्याक्रव, मृत्याक्र्य, पर्यूप्य, श्रीट, प्राच्याक्ष्य, श्रीय, प्राच्याक्ष्य, श्रीय, प्राच्याक्ष्य, प्राच्याक्ष्य, प्राच्याक्ष्य, प्राच्याक्ष्य, श्रीय, प्राच्याक्ष्य, प्राच्याक्ष, प्राच्याक्ष, प्राच्याक्ष, प्राच्याक्ष, प्राच्याक्ष, प्राच्याक्ष्य, प्राच्याक्ष, प्राच्याक् चर्थिं विचत्तर्यम्यक्षेत्र विचत्तर्यक्षेत्र चार्यस्व विषयः ॱॳॱॺॖढ़ऀॱॸॻज़ॱॾऀॿ॑ॱॺॾ॔ॸऻ*ॱॿॖॸॱॸ॑ॸॱॿॖॺॺॱॸॱॿॖऀॸ*ॱॸॱॾॺॺॱॻऄॕॱॸॕॸॣॱॿॗॸॱॸ॑ॱॴॱॾ॒ॻॺॱढ़ॸॖ॔ॴॱक़ॿॱॱॺऀॱॸॹॗॸॣॱ॔॔ॴॺड़ॸ॔ॱज़ॿॸॱॸ॔ॸ॔ऻ मावव पर केंबा है तयमांबाय के बीमा अर में वाय पहला माने के हैं है है है त तम्या व दें र तम्यों व के व ने ने ने में हम में व के विकास के व श्चै प्रविद्या श्रे मार्थे न्ना श्रेन त्यां र्येषां यदि द्वरा श्चिम प्रविद्यात्र वर्षे प्रविद्यात्र प्रविद्यात्र स्व प्रचित्रम् पार्केषान्त्री नेवायाची रवायां चेत्रम् प्रवित्रम् प्रवित्रम् स्वायां स्वायां स्वायां स्वायां स्वाया र्वो त्रमेश्वायश्वर्यं अंट र्रे ले चर्चे वट र्रे वर्ट र्वे वर्ष विषय विषय स्थानिक विषय विषय विषय विषय विषय विषय $\frac{1}{\sqrt{2}} - \frac{1}{\sqrt{2}} = \frac{1}{\sqrt{2}} - \frac{1$ प्रमुंग् विन् प्रमुंग् होत्र प्रमुंग क्षेत्र क्षेत क्रिं हैं हैं चर्ने आ देते खेंब देवं के बु गाब दर्ण ए देवं के ब के ब के पर्ण देते जो हैं हैं चर्के द वु ब ब पे के दर्ण पान हैं पे सु कर्ण पान हैं। ब्राक्षेत्रप्तः मार्थेयात्रक्षा प्रयाप्ते प्राप्ते प्राप्ते विष्णा मार्थेयात्र प्राप्ते प्राप मुषायोगाबायते मुलार्या संकेत् प्रक्षां इस्रवा ग्रीका गुंबा प्राप्त गार्द्ध गार्द्ध प्रति । ते प्राप्त इस्रवा येत्र गार्द्ध वा स्वाप्त प्रति । चर्योष्ट्री द्वानःङ्गितान्त्री त्वानःङ्गितान्त्री विकान्त्री स्वान्त्री स्वान चन्वा सं इस् कुल व्ववस्य स्वतः स्वतं स्वतः स बट र्च ल्बा है। क्ष्मा पर मुकारा तर्या छन पर क्या ने मर नियर हैं है तकर के दारी हैं या पर हैं कुया पर मुकारा ले नियर केंद्र प्रव

 $\frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} - \frac{$ न्यें ने क्षेत्र हुं त्र हु र है। विवास र हैं है स्ववार्ध वियान है सर्थ र जात हु या ते स्वान है या तु प्र है व र्वे. यु. अवीयी तर्न अकूवी वेत्र अधिव हिंदा स्थान क्षेत्र का स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स परे वी पुरूर जुन्म स्थान स मिन्व नित्री सर्दै अप्पूर्ण सक्त निहेन् समिता के किन में नित्र नित्य नित्र नित्य नित्र नित नगर्नास्या सृप्यूर्वे हेंग्वां रेसायते त्यासते स्वार्याचा संग्वां नाम्यान्यस्य स्वीर सेंग्वां हो। स्वारा प्रमान स्वारा स् यह्री विकाशी विद्यापा विषय त्रापा से सामित है । विकास से सामित से सामित से सामित से सामित से से सामित से से से न्ययं नुषाक्री पर्विन विन विन निर्दार निर्वाची क्षेत्र में जुत् पर्विन विन विन क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र सामान्नियास्त्र ते कार्याची मान्य स्त्राची स्वर्धा के स्वर्धा कार्य स्त्राची स्वर्धा स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य त्राचर्डुवास्तर् हेब्बरह्वाबर्यास्त्रेन्यते ब्रेट्चादे ह्या प्रत्यावया में क्षेत्र स्तर् हेव्य हेट्या व्यवस्य स्तर ह्या स्वापंत्र हिवास्य स्तर ह्या स्वापंत्र हिवास्य स्वापंत्र ह्या स्वापंत्र हिवास्य स्वापंत्य स्वापंत्र हिवास्य स्वापंत्र हिवास्य स्वापंत्र हिवास्य स्वापंत्य स्वापंत्र हिवास्य स्वापंत्र हिवास्य स्वापंत्र हिवास्य स्वापंत्य यचलान्यन्या निष्ठात्वान्यात्यात्वान्यात्वान्यात्वान्यात्वान्यात्वान्यात्वान्यात्वान्यात्वान्य ्यानर्ह्य्नायायाद्यं तर्देव्यवाद्यायाद्या अहत् पार्या ह्या अद्याया अर्थाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया अर्थ बुटा विवायास्त्रक्वाची विवायामञ्जीद्रायसायेवायां प्रांत विवाया विवायां विवायां विवायां स्वाय विवायां विवायां व हैं न्यं अर्गेष राप्तर्ी दर्णमाञ्चर क्षेप्तञ्चर राज्य देव राज्य के देव स्वत् स्वत् स्वत् स्वत् स्वत् स्वत् स्व स्वान्यर्ष्वर्ने, न्यान्युं, क्ष्यं, प्रत्यान्यस्य विवर्ष्यर्भन्यः स्वान्यः र्चर.वी.सूब.क्षेब्र.कुवा.श्रुब.तपु.ल.कुब.श्रु.वश्रव.बी.वश्रव.ची श्रुद्र.वा.वी.वपु.सू.हुव.वाबब.न्चर.वु.सपु.हुब.तपु.हुब.वा.बी.वी.बा.बी.की.व्यं. ब्रॅं भर देवा पर्दे देवा पर्वे वितर सुर्व राष्ट्र प्राण प्राण के देवा पर्वे देवा पर्वे वितर स्थाप के वितर स्थाप वित्याकर्ताना केत्राचारा वित्या सुरहेन वारायरा अद्याना वित्रा वित्या वित्या वित्या वित्या सुरायरा शुर्मा वित्या सुरायरा सुरायर $\widehat{\beta}_{1}|\widehat{\beta}_{1}-1-\beta_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{1}-1-\beta_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta}_{2}|\widehat{\beta$ तर.पचिर्य.जयायक्ष्यंयातपुं.कूयायुं.क्ष्यायुं.क्ष्यायुं क्ष्यायुं प्रकृतायुं प्रकृतायुं प्रकृतायुं क्ष्यायुं क्ष्युं क्ष्यायुं क्ष्यायुं क्ष्यायुं क्ष्यायुं क्षयुं क् केवं कें श्चेषायते अवर हुणायर क्षेत्रे हे नर्षेद्रवाय वेंद्रवा सुनिक्षेत्र पर अहं न त्या वातु द उव नव नगर केंद्र हा विकास के श्चित्र वा ब्र्वायानपुर श्रयाञ्ची तार्चेर्वे अस्त्रियो अस्त्रि द्वारा निया स्वराप्ति स्वराप्ति अस्तर्थ स्वराप्ति स्वराप्त सम्राप्ता महात्राचा मान्या सामिता वर्षात्रा वर्षात्र वर्षात्रा वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्रा वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्या वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वरवय वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात कुर् यूपु र्वेश ह्रवीय क्षेट्र या ये. त्विवाय त्रेट्री विवास प्रियाय विवास विव त्रदःरेव र्ये के क्षुक्त निर्म हे नव कुर निर्वे ग्री र निर्वे प्रायम ग्रीन प्रमान निर्वे का कुर के खा अर प्रायम ञ्चन तर्ग प्रश्चेन प्राप्त क्षेत्र प्राप्त प्राप्त के स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स - दर्गेट्य'र्च'हे 'क्षु'च'चित्रेत्र'हे 'चर्रुत्र' हुर्ययापते 'र्गेयाक्षे' केत्र'र्के 'र्याचेत्रं 'र्चे 'त्रेत्य स्वापते 'र्वेयाक्षेया'र्च' केत्राया स्वापते 'र्वेया' हे ते 'र्वे 'र्येय' ळॅंबाग्री हे नर्बेन व्यवस्थ में बेबान पंचा नवार पंचा यक्षेता है से से से स्वापन का क्षेत्र पर से से से से से स

चलुन्ताक्षेत्रः हुंबानालुं बुंध् ।

प्राचीतालुं कुन्याचे प्राचीतालुं कुन्याचे निष्याचालुं निर्माण्याचे वित्याचालुं कुन्याचे प्राचीतालुं कुन्याचे कुन्याचे प्राचीतालुं कुन्याचे कुन्याचे प्राचीतालुं कुन्याचे प्राचीतालुं कुन्याचे कुन्याचे प्राचीतालुं कुन्याचे क

यते त्वोतायाता ने प्यता हु। क्षां कर्मा नियम इसमा हु। त्युत्र खूट दे। तुमा हु। त्येत सूर्य है।

त्रिया.मि.कुष.सूतुःसैयश

 $-\frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} - \frac$ क्चर् तसेव राइयमा वे वर राजा नेयमा के महिंद राम देते स्थान देते स्थान हो राहे पाम राजा वर पान राजा माने माने स चते खूना चंद्रभं क्री संच के निन्न चते अव कु अर्थ त वन वन अव चर्तेन चर क्षी क्षेत्र चंद्र के निन्न चर्ते वर चर्ते के निन्न ची बर्पेंदे र्न्ने ने केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र में बादमा केंद्र पार्ट में बी बुवाय र्ना के लिये र जिल्ला केंद्र के की देते प्यूर सम्बन्ध के स्वीत के कि स्वीत के स्वीत के कि स्वीत के स्वीत के कि स्वीत के स्व यारीवाराधीवारायान्वारीवाराराज्ञुवाववारावान्वार्वेद्वायायां विवावारावारावान्वारावारावार्वेदारायाः विवावारावाराव म्यान्त्रीत् त्रेष्णान्यात्वराणाः स्वरायाः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर् वाबुदबाराक्ष्मा वनवार्त् क्षेत्रवे बारेवारा बाह्यदबाराबा वाह्यराय अन्यर प्रवेता वनवार्त्त क्षेत्रा वारा वाह्य व चत्रे चेत्र चहुत्र पत्र वर्ष प्रत्या वर्ष प्रत्य क्षेत्र प्रत्य क्षेत्र पत्र क्षेत्र प्रत्य क्षेत्र प्रत्य क्षेत्र क्षेत्र प्रत्य क्षेत्र क्षेत्र प्रत्य क्षेत्र क्षेत्र प्रत्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रत्य क्षेत्र क्षे हे. चेड्च. घर में टे. प्रयाप्ति पर्यर भ्रोत्। विषा चार्यर कराये स्थापारी स्थापारी करायी स्थापार करायी मार्थित यर अष्टिन प्राप्त कर्या मुका यका ग्विन प्राप्ते निका मुक्ते मुक्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त मिन कर्या मुक्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त इस्यायन्यात्राचात्रे नाने वृत्यां इस्यायन्त्रेना पाणीवायवे स्वतास्याय स्वतायाय स्वतायाय स्वतायाय स्वतायाय स्वताया स्वताय स्वत्य स्वताय स्वताय स्वत्य स्वताय स्वताय स्वत्य चर्रा शुर्ते, तापरीष्ट्री, त्रिवेदार्श के क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र त्रिक्ष क्षेत्र त्रा क्षेत्र त्रा श्रीते त्र चर्रा श्रीते, तापरीष्ट्री विदेर क्षेत्र हे स्रोत् क्षेत्र त्रिक्ष क्षेत्र त्रा क्षेत्र त्रा स्वीत त्र क्षेत्र त्रा क्षेत्र क व्रत्यो ग्रुच अवत् संयो के च या बावन पर ग्रुर ग्रुट । देन बुवान अक्षायर विद्यार पर प्राप्त अन्तर देव पर हुवा च हे यो हो हेन ग्री पर्वार्यर ग्रुर हैं। विद्येर पर्वे ला अवअपि सेंही अवअवर्य हैं है। वया अविदे हैं है। रेव परि हैं है। के रे में हैं हैं वी अही स्प्रा हैं। लें व्यास्था क्रिन्ति के प्राप्त क्षेत्र के स्थाप के स्था र्थे 'ब्रॅन' खेनकारों इसका ग्रीको सुने क्रु के कर्ये 'वेंन' मुंदिर न ता क्रु से क्रु के मुंदिर के का क्रु से क्रिकेट के क्रु के का क्रु के क्रिकेट के क्रु के लाँबेची ब्रिकान्त्र-रि.व्यक्तिकावार्थन्य-स्वास्त्र-प्रमान्त्र-व्यक्तिकाव्य-प्रमान्त्र-व्यक्तिकाव्य-प्रमान्त्र-व्यक्तिकाव्य-प्रमान्त्र-प् चित्रचान्याची वार्षे के वार के वार्षे के वार्ष त्तृ कु.विवातियानीवात्रकुत्रयास्य हूच है। ट्रे.स.चे.सुंट वी.सूंट रटी गीव.धे.वंचट तृषु हूं रे.त् हेर्टिक्ष्ता अत्राय हूं ता ता वीशेट्याता ॔ॴॱय़॑ॾॖऀॱॸॖऀॱवैॱ**ॸऀ॔ॱढ़ॱढ़ॱॸॏॗॱॸॱवे॔ॸ॒ॱॸॖ**ॱॿॖॕॿॱॿॺ॑ॱॻऻॹॖॸॕॺॱय़ॱॾॗॕऻॱॸॗ॓॔ॺऀॱढ़ॕ॔ॻॹॕॸ॓ॱॿऀॱॹॕॗॸ॑ॱॿऀॱॹॕॗॸ॑ॱॿऀॱॹॕॗॸ॔ॱॶॻॺॱॿॣॸॱॶ॓ॻॺ॑ॱॺॕऻॱॗॸॆढ़ऀॱ

ૡૢૼૣૢૢૢૢઌ૽૾ૺૢ૽ૺૼૢૼૻ૱ૹ૽૾ૺૺૼઽઌૢૼૣૻ૽ૺૢઌૢૡૢૼ૽૽ૺઌ૾ૺૡઌ૾ૼૢૢૢઌૻૻઽૺૺૺ૾ૺૢૼૢૡૢૹૢૺ૱ઌઽૻૼ૱ૢૢઌૢૼૢઌૢ૱ૢ૽૱ૢ૽૱ૢૢ૽ૢૢૢૢઌૢ૽૱ૢ૽ૢ૾ૢ૽ઌ૾ૹ૾૽૱૽૽૱૾ૺૡ૾ૢૺૹૢ૽ૼૡ૽ૹૠૢૼૐ म्बे मिल्रीयार्स्स्य में स्वारम्य में श्रीयायेषे रास्स्य कर्म क्षायार स्वार्स्य में स्वार्थ में स्वारम्य स्वरम्य स्वारम्य स्वरम्य स्वारम्य स्वरम्य स्वरम्य स्वारम्य स्वरम्य स्व अंग इं र वें मु र में मु र मु र में मु बुबाचीतात्रीयात्रीयात्रीत्रे विषयात्रीत्यात्रम् इति इत्यात्रेष्ट्रित्यात्रीत्रम् विषयात्रीत्रीयात्रीत्यात्रीत् विषयात्रात्रीत्रस्य के देवावराष्ट्रीत्यात्रम् विषयात्रीत्यात्रीत्यात्रम् विषयात्रात्रीत्यात्रम् विषयात्रम् विषया मु, तपु, श्राप्यात्म, तपुत्र, भूर, यु, द्वाप, तर्टा, द्वाप, देय, हुय, यीच्यय, त्वाप, त्वाप, त्वाप, यु, व्याप, त्याप्त, यु, व्याप, यु वुषा वुन क्षेण्या द्वारा क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त वित्र स्त्र वित्र स्त्र वित्र स्त्र स्त चाशुक्रा'क्ष न्द्रा' यर्च 'क्षे' श्रू' श्रू' स्ट्रेट हें क्षें 'श्रु कुव 'क्ष' श्रू चार्च 'चाशुक्र चाशुक्र 'चाशुक्र चाशुक्र चाशुक् त्रियात्र वर्षाः भीता स्वीत्र स्वीत्र वर्षा त्याप्तात् विषा विषा प्रकेषितं स्वीत्र क्षा त्या स्वीत्र क्षा स्वीत त्रियात्र वर्षाः स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र क्षा स्वीत्र विषा विषा प्रकेषितं स्वीत्र क्षा स्वीत्र क्षा स्वीत्र क्ष गा-र-ग्रह्मायान्देन अर्क्चेना अर्देन त्युदान्दर्मा है हो अपिय योष्ट्रीते हुन योष्ट्रीय हुन होने अर्थन हुन योष्ट्रीत हुन विवेश मान्या विवेश निवेश मान्या विवेश मान्या मान्या विवेश मान्या विवेश मान्या विवेश मान्या विवेश मान्या विवेश मान्या मान्या विवेश मान्या विवेश मान्या विवेश मान्या विवेश मान्या मान्या मान्या विवेश मान्या मा क्किं नुक् पक् कुंग र्ये दे अर्केन् निक्क नर्के अने अर्धे के ्रिन् गुक् स्वायर ग्री सामर ग्री सा त्तर्ते क्रियाचे क्रियचे क्रिय वी सामक्री प्रमान कर में कर के प्रमान कर के परिष्ट के लिया में कि का में के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्य के

ण श्रीया र्ज्य क्षेत्र क्षेत्

तह्रव चरा र्रे केंग ग्रम ग्वाबर में क्षित इया यह रेप प्राचित के प्राचित के कार्य प्राचित के प्राचि चिवा या अधिवी र्ल्य चार्य र मित्र प्राप्त मित्र मित्र प्राप्त मित्र मित्र प्राप्त मित्र मित्र प्राप्त मित्र मित्र मित्र प्राप्त मित्र मित् चृष्ट्रियान्यतः क्षेत्रप्तिनः स्तरानुष्टेन्यते मुद्रानियुन्य सहित् विराज्य विद्यानियान्य विद्यानियान्य विद्यान र्येत्। वित्रेर्यस्पे मुद्रान्यसंप्रस्थापमा मुद्रसंपापिति व वित्रम्य वित्रम्य वित्रम्यस्य स्थापित्रम्य स्यापित्रम्य स्थापित्रम्य स्थापि कर् अह्री श्रीट् श्रेंब सुब पति वासु ह्वा ठिवा वमुब वब देवुँ र ठुँ र ईवा वे प्वर्ष वाविक पर व पत्र विव प्वरा हि व ब वासु है। न्द्रम्यान्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्य चूर् वर्षित्राज्यात्राज्ञात् होय। इतार ह्यार ह्यार हिरानपुर वर्षित्राच्या वर्षा वर्षा के त्या किया वर्षिता जवा विराध प्राधित होता है है है। या तमा र.२.०व.व.र्। विव.तीमाञ्चेतामाञ्चात्रित्वा क्रमानिया क्रमानिया विव.तीमाञ्चर विव.तीमाञ्यर विव.तीमाञ्चर विव. त्तर्वं वार्यं यार्थं यात्र्राचार् वार्या विद्वार हिन्दं विवार हिन्दं किया है । विद्वार विवार विवार विवार विवार चर्च च.पकु.च.पा.चूंबाबवा.चर्थ्य,वांबीशा.चे.बा.पकु.चंबा.पकु.चुंच्या.चूंचे.चूंबा.चूंचा.चूंबा.चूंबा.चूंबा.चूंबा.चूंचा.चूंबा.चूंचा.चूंबा.चूंच चन्द्रात्त्र त्रित्र श्रीत्र श्रीत् ग्यां वं क्यां तर्ज्ञ र प्याय हो ज्वाव के वा वे प्याय विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास व र्वेट प्रमाने वात्र वात्र विद्याने ने प्रमानिक के वात्र प्रमानिक के विद्यानिक के व सट. ट्रि. पश्चिट्यारा में पार्था में याया मुंस्या स्था ने वया मुंखा के प्रति मुंद्रा मुंद्रा मुंद्रा प्रति मुंद्रा मुं गु सु र र ल खून जुन वन जुन के तर के लिय हैं न पर लुक प्या जुन र निर्मा र निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्मा है निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के नि रैअ'ग्री'र्केल'र्झेर'वसल'ठन'ग्नवं वंब'साधिता वेब'रूप'ग्री'से'द्यर'पंब'र्केल'वसंब'रुद'संबीवं पंर' ग्रुट'प'यान्न'सप्यापद'संब इवीस्था ट्रे.वंबाबराह्य वंबावाह्य ट्रे.ट्वी. त्वेबाबी तार्बेट्य वेबा तार्वेट्य वेबा तार्वेट्य वेबा तार्वेट्य वेबा तार्बेट्य वेबा तार्वेट्य वेवा तार्वेट्य वेवा तार्वेट्य वेबा तार्वेट्य वेवा तार्वेट्य व व्यूर्त्राच्याविष्याविष्याविष्याचे व्यूर्याच्याचे व्यूर्याची प्रित्री च्यूर्य व्यूर्याची विनगरे हैर पर के वर्ष के प्राप्त में ने प्राप्त प्राप्त कर में का का में के किया है के किया में किया म हें। दे.क्षेत्र वैदागब्दा गबेत्र बूदे हुन वैबन दिन्द हैं विवाल पति के जिल विवास के विवास के विवास के विवास के क्षेत्रकार्यर विवादा वक्षर प्रवाद प्याद प्रवाद प्रव वोबट हुँन् पर्यन्यते इन् प्रेन् प्रवेद प्रवे देन नबून नब नवे क्वेंट वे क बुन तहे व प के व क्वेंट नबेन नट व बे के बुन के व ब व बेंट ब्रिस के बेंद के बाद कर के के व वित्रम्य तर्चर्यं यात्र वर्षा वर्षे ब्रुव विश्व विश्व विश्व के श्री प्रवर्त के श्री यह ते हैं प्रवर्त के श्री विश्व ब्रिंट्र त्याची न्यान कर विश्व कर की बार के बिर की तर्हें र मुंबूर र मूं यो हैं मुंब्र सबार कुर्य के अपूर्व सबा दें द र दे हिर मुंब्र र विषानु या देवा या हो राव्या होता हो वा प्राप्त रावा है राव्या के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष वार वार्ष प्रचार्यास्तरित्रगुवाराक्षेत्राचा सहित्रे विषा प्रमुखारा विषया प्राप्त विषया प्रमुखे स्वति । स्वति स्व

षावयातराष्ट्री.ब्रीट्यानी चंक्वीरानारीयीयु.वर्षायाचीवायायी.क्वीरानी सी.चर्जेयानी र्यीटाजू.चर्चे.व्री.क्.क्.चर्खे.ज्र्यी बीचानाह्यीनाकुवी वाययात्राची र्ये व्याप्त विद्यात्र हे. प्रश्रेय मार्च तर्षे वर्षा वर्षा वर्षा वर्षे देता हिन्दी खेल र्ये वर्षे प्राप्त प्रति वर्षे व त्र-श्रूट विवा के अवी श्रू प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के स्थान वुंबांदी दुःपवामाबुद पुलेद प्रांवा है दिं हुःया विवा हैं हु दे बेबवा हव मादाया दे पर है विदार हैं र प्रांवा र प्रांवा से प्रांवा है । हैं। दि'वैषाधावतः तर्शे अः इस्रमाश्चिषा सद्भव निष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा व दिन विषय स्वर्ण के स द्वर्ण के स्वर्ण के स्व बिट चॅमक चेर्त मुर्श्वर दें। दिनेक हे नर्सुक के कि सम्मानक पर्य र चेंद्र स्पर्न है। क्रें र स्वर में र स्वर में कुंट च तर्न मार्दी खेबा दे ते ही दु पंका केंट तह वा अहर् दे हम ही ही खेबा दे पहीं मुहित बार हरे हो वा दे दे हो हो ने दे हो हो है । हैं पंदु बाया गुरंश नार पर्वे ने हो बहु र हैं बाया है ख़रा प्राचाया हुया याची धुया बारी है । चुद्धे बांगा से पायी पर पर चे वाय बाया हिना पी चेरा की नायी हैं। र्देट चर दर्ग प्रमारेट र्देट में प्राप्त महोटा है वय छ्वा दर क्रेंट च छुम ब्वय ही क्रेंट ज्ञटमा ज्ञायम छैन छैन महेन मही जिल यब हो व . बो अ . प्रचेत्र प्रवासी अ . बो . दे वि . स्वासी बार प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास प्रवास के वि चुर्वन्यम् वित्रम् त्रित्रम् । वित्रम् वित्रम र्श्वत्यः अस्ययं त्यात्रे त्याः स्वार्थः स्वार्थः त्यात्र स्वार्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर् क्कॅटर्र्न्ड्रे.वृ.र.य.ग्रुट्र्य्कॅ ब्रिंरवर्ग्युच क्वॅच केवर्ग्येट्र्यु खुव सेटर्न्य विवाय य विवाय थटा हेट यट देवे चवे याविव য়য়য়৽ৢ৾ঀ৾৽য়ঢ়য়৽৾৾৾য়ৼ৾য়৾য়ৣ৾ৼ৾৽য়য়৽য়য়৽য়ৼ৽য়ৢৼ৽য়ঢ়৽য়য়ৼৼঢ়৾য়৽য়৾৾৽

लट के वार लिया वे कुर्वे हुँ र त.ज.वार्चवीया अ.पे.चजारूर कुंबारी शहरी तपुर छू। चजारूर कुंबारी जार र वें बार्चिय वैयाक्त्यावियाने। कृयां वे मीया क्षेटा त्याक्ता प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प् मी स्वाक्तिक के स् बुन्य क्षेत्र चुन्दर त्रेव का मुन्य त्र क्षेत्र मन्दर मुक्त को निक्ष के स्वापन क्षेत्र के स्वापन के स्वाप $\widehat{d}_{0}^{2}\widehat{d}$ त्रुषु.क्ष्यायोट. ये. विश्व क्ष्यायो वि. क्ष्य विट विया विदेश हो प्रायम विष्य विषय विषय विषय विषय विषय विषय वि इ. प्रचर पूर न्यक्ने र हुँ व किटा शिट सूर्ट न हिट हो। हिंद न हूँ व प्रचेश न र न न स्थान स्थान है कि हैं सूर्य के प्रचेश न स्थान हैं प्रचेश के प्रच चनायान्त्रीत्राम्यायां ते हेत्र म्राप्ठव चेत्र युक्त प्रचीना में स्वयं मुक्त स्वयं प्रमा है ते संयोग से स्वयं मुक्त स्वयं स्वय चर्न क्रियायच्या प्रविदाङ्क प्राण्याया यहार प्रोधियाय हैर प्राचिया है प्रविद्या हि स्वयंत्र प्रयास स्वर हिता है व सुर्य हिता है व य्यात्रीयः ट.ज. प्रमुवान्तराक्षेत्राच्या व्यायात्रीयात्र विश्वास्त्र स्थात्र स्थात् मूलानुतान्त्रक्षानुकान्नुवान्त्रकायाः स्वापन्तिकान्त्रकायाः स्वापन्तिकान्त्रकान्त्रकान्त्रकान्त्रकान्त्रकान्त्र स्वापन्तिकान्त्रकानुकान्त्रकायाः स्वापन्तिकान्त्रकान्त्रकान्त्रकान्त्रकान्त्रकान्त्रकान्त्रकान्त्रकान्त्रकान्त ઌ૽૾ૺ ક્રવાવર્ફેન મુજાર નિક્રાં વાત માના સાર છે કાર્ક્ર્યું કરા સુંદાના સાવત વર્ષે અના નિક્રામાં મુંગાના મુક્રાન वयार्चेट हिरान् र्चेवाययाच्याचे नवर्यायायायाच्याच्याच्याच्याच्याचीया खुरम्ववर्षी मुलार्यायावियायस्त्रीर वयामुलार्या

ૡાફ઼ૢ૽ૼૡૢૺ૱ૻૼ૱ૺૼૐ૽ૢ૾ૺૼૺૺૺ૾૱ઌઽૺૺ૱ૺૼઌૼૹૢઌૺઌ૱૽૾ૺઌ૽૱ૢઌૢ૱ૢ૽ૡૢ૱ૣઌૢઌૢૼઌૢ૽૽૽ૢ૾ૼ૱ૹઌઌ૱ઌૺૺઌ૽ૺૢ૽ૢ૾૾ૢ૽ૢ૽૽ૢ૾૱ઌઌ૱૽ૹૺ૱ૺઌૹૢૹ૱૱ૹ૾ૺ क्चिन वृष्यंत्रे नितरे र्दे अपित त्यू अ इंअषा ग्रीषा ह्या हिन हिषा प्रथा ह्या है स्वर देते स्वर अवी हिन विषय हि अ देश है अ है अ इट्टिन्द्रम् वित्रम् अपूर्वा मिन्द्रम् अप्यान्त्रम् वित्रम् मिन्द्रम् वित्रम् त्यात्रापर त्यूं साचीयुं साचीयुं सुं सुं सं हवा सैनय से नियन स्वाप्त स न्तरम्या,यथने के विचानम्यास्त्र म्यान्त्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप इ.इ.इ.ज.पर्युत्त अपूर्ण विपार्श्व प्राप्त प्रम्प स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्व र्यात्या विवेदाही विवेदानी किराने तहीं के बीका हवा या ने राज्य या निर्मा है जिका है हो तव ने बीका विकास के बीका वासुकाया ग्रम्बर्धाय:दर:चक्कुट्र:बेर:र्रे

त्व्यात्रे स्याप्ते स्वायाः स्व

लट.क्षेत्राचर्षुं, श्रूनः सत्त्वेयः कुट्नूंट्या ट्रेन्य्या चेरः श्रूचः स्वर्धः हूं नर्द्धः स्वर्धः विट्रेट्र्ये तिट्या मूं तिट्या मीयः मिलायक्ष्या वह्यान्त्रीत्याः स्वास्त्राच्याः स्वास्त्राचः स्वास्त्

चर्चा चीय मूच मूच मूच अप व र मूच अप ज्या चीर च मुच अप जा चीया के छिव मूच कूप जीवाय ने या चीया के जीवाय के जीवाय

इं रेंदे निर्णुन रें र शुर र दे दे दु है। हर द व्यक्षेत्र र हैं विर नुर प्यं कु ते विर खेर केर् श्री केर हैं न ब्रियायः त्यान्त्रवायः विवायः वेषायः विवायः वेषायः विवायः वेष्टायः विवायः विवायः विवायः विवायः विवायः विवायः व स्वायः तायान्य व्यायः विवायः विवायः वेषायः विवायः वेष्टायः विवायः विवायः विवायः विवायः विवायः विवायः विवायः व वासूर्यम्यात्र्यात्र्रेत् क्षेत्रायात्र्येत् स्थ्रेत्रायाक्षेत्रायात्रेयात्रायायात्र्यात्रेत्रायात्रे विष्यात्र इ.पर्श्वे ग्रीचायात्रास्त्राची, श्री लय. मु. रेम्ट्रियाता लुचे त्यात्रा स्वा विवा मु. क्रिया स्वा विवा मु. क्रिया स्वा विवा मु. क्रिया मु. क्रिय मु. क्र

हेव ग्री सूट पर है यस सुरा दूर सहिव पा नुहै न ग्रुव हम पा ने है न पा ने है न पर है न पर है न पर है

हें ज्या मुद्दा में विषय प्राप्त के किया में प्राप्त के किया में क न्यॅव न्यू यें तिही पाहे व वें।

दे.ज.वीय. मूच्या अपूर्व हिता की क्षेत्र के के प्रत्य के अपना मुख्य प्रत्य अपना अपना अपना अपना की की स्वार्थ की सद्र-प्रम् वृत्र म्हेत् के प्रमान के अद्भारत के अ

श्चितः इंग्रामा निवाला अर्पतः पहेला पर्वे द्वारा पर्वे नायन श्वीन

यद्यामुमाञ्जेयापादी यपायेषामुगपितारायेष्ठां प्राप्त विदायायेष्ठा प्राप्त स्वर्मे साम्यायेष्ठा स्वर्मे साम्यायेष्ठा साम्यायेष्य साम्यायेष्ठा साम्यायेष्ठा साम्यायेष्ठा साम्यायेष्ठा साम्यायेष्यायेष्ठा साम्यायेष्ठा सा

द्रावः ह्राचः स्ट्राचे ह्राचे हेव द्वेतः हेव त्वेतः व्यवस्य क्षाच्याप्य स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्व र्षेत्रः द्वेतः स्वयः स्वयः हेवः हेवः द्वेतः द्वेतः व्यवः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वय याक्षेत्राचित्रम् वित्रम् न्या उदार्थे कें क्या पूरण मुख्य होता सहन कि राजाय प्राप्त कें प्राप्त सहन प्राप्त सहन प्राप्त सहन स्थान

चबु बु किल के सूत्राक्षी चीच कु सूत्राक्षी के अलिट कूट कु सूत्राक्षी यार्थ कु सूत्राक्षी स्वाप्त के सूत्राक्षी स्वाप्त के सूत्राक्षी स्वाप्त के स्वप्त के स्वाप्त के

ૹૣૻૼઌ[૽]૮ઌ૽ૼ૱૿ૺૼૺૼૼૼૼઽૹ૾ૢૼૹૺ૽૾ૢ૽ૺૹૹૢ૽ઌ૽૱ઌ૽ૹૺૹઌ૽ૹ૽ૺૹ૽ૹ૽ૹઌઌ૱ૹૡ૾૾૾ૺ૱ૹૡ૾૱ઌૢૡૢ૽૽૾ૢૼઌૹઌઌૹ૽ૺૺૼૺૺૺૺ૾ઌઌ૽ૼૢૹ૾૾ૺૹૺૺ૾ૹ૾ૺ विवायाण्ची पञ्च देवीवायां श्रूपायाचीवयाययाष्ट्रपायम् ५ देवायायाने देवायाययम् । विवायाययाययाययाययाययाययाययाययाय क्रमार्श्वेयपानियाण्चेयात्वा रिंट श्रुप्रकेट याचयारी यहिन हेर ग्रीयात्वा दे या देया परिया से श्रमाण्डियात्वा स

वंगतिर पवित्र प्रतिर तर्गे केन प्र गुगर हैं नि अहं न हैं।

ैदेॱॴॱऒॺॺ॑ॱय़ॱय़_ॣ॓ॸख़ॕॖॱय़॑ॱॾॣऀॱॺॖॕॺ॓ॱक़॓ढ़ॱॻॗ॓ॱॷॺ॔ॱढ़ॕॱॹॕॣॸॱॻऻॺॿॱढ़ॺॱॻऻॹॖय़ॱग़ॱॴय़ॺॗॺॱॸॕॣढ़ऻ*ऀढ़ॗ*ॱग़ॱढ़ॎॿ॓ॴढ़ऻड़ॴॱख़ॹॻॺॱ

यते थिया श्वं पक्किन् अह्न हो। थिया क ने इस्रम श्वेम खेंयान सम्म कर्न ने छियं ही।

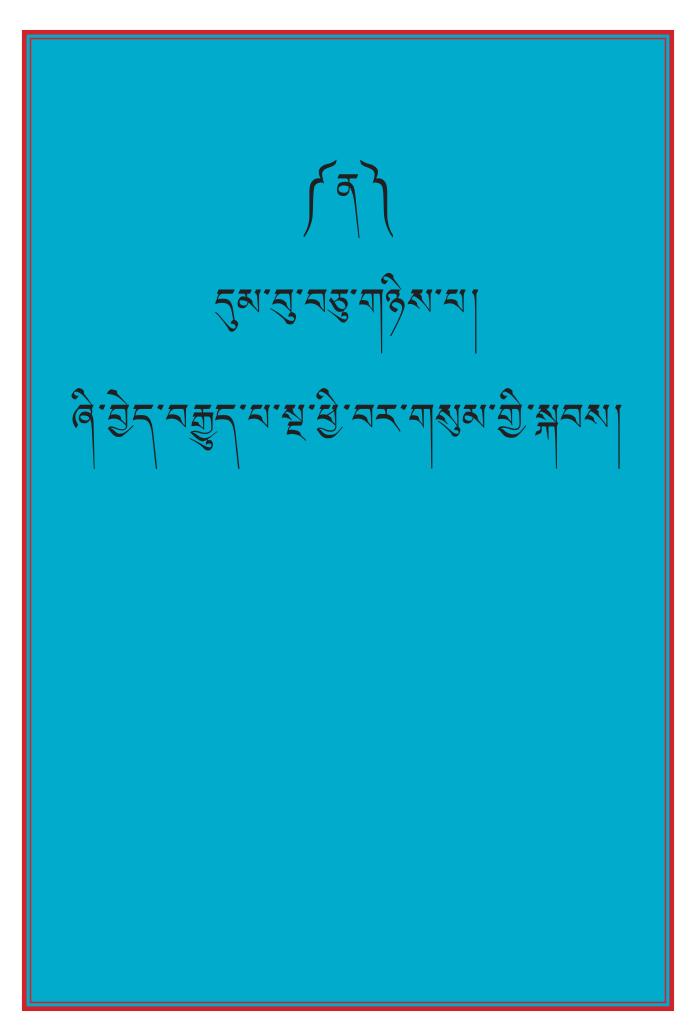
न्द्रिःश्च्रित्यः श्चेत्रः श्चेत्रः श्चेत्रः श्चेत्रः त्व्यवः देवः विष्यान्त्वाः त्याः त्याः विषयः त्याः विषयः विष

क्रेव-स्राञ्चंदाश्चावायाभ्यान्।

श्रीट क्रूंब क्रवाबा अल्यावरा हेब श्री स्वास्त्र अस्तावर्टा त्यावर्टा स्वास्त्र भ्री स्वास्त्र अस्ति स्वास्ति स्वास्ति

चीतः श्रीट त्यास्त्र प्राप्त त्यान्य स्थानित स्थान स्

नं शैं है 'च लग न हुन चते खुवा हु के द चेंदे 'भून गं शें।



१२.१ বস্তু বৃ:ব:ব্দ:ব্দি:শ্লুবন্সা

बट्द्रियोवन्यत्रित्त्रम् यन्त्रें स्वर्षे स्वरं स् ब्रॅं र ले पर्डे क पति देवाका पर र क दिवा हु। पति खुका सु र ति द क हो। सुमा ले ति साम पति हो हो सम्म हो। इस वे , प्रवादार क्षेत्र प्रवाद क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रवाद क्षेत्र क श्च-रेवा संयान्त्रेर्योद्धार्यात्र्ये स्वाचित्रं वाद्यं अवतः रवा या श्वीद्याय्य अवियाय स्वाच्याय स्वाच्याय स्व भिर्वय से ग्या अप्रे त्या अविव से प्वाच्या अविय रवा या श्वीद्याय अवियाय स्वाच्याय स्वाच्याय स्वाच्याय स्वाच्या भ्वाच्याय स्वाच्याय र्वर पश्चर व अर्वे म है। रेवा य पहें व यदे र व के के वार्य से व से अप के वार्य पर र से व यदे पर वे कि व के से व चंद्रुः सःचंद्रैं त्यापन्यं वर्षः याचन व्याया वर्षे वर्षाने वर्षे हर्न दें न के बार्याची बार्या र बिड्डी विकासी के विवासी में विवासी विवासी विवासी कि वार्या के से बार्या के से प्रसाश का की असून के प्रसार के प्रसार की स्वार की स्वार की स्वार की स्वार की की स्वार की स्वार की स्वार की स्व विच्या स्वार की स्वार की स्वार की स्वार की स्वार की की स्वार की की स्वार की की स्वार की स्वर की स्वार की स् द्रंगी.ये.भीस्य.ज्ञ.क् के.स्.वर्चेत्र.प्रज्ञात्र.ये.की कि.वर्यर्थ क्रियंत्र.की.व्यवश्चीत्र.ज्ञ.की.वर्यात्र.की.की.वर्यात्र.की.वर्यात्य.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की.वर्यात्य.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की.वर्यात्र.की. नश्रुण नर्षु क्ष्य निक्र में श्रुव न्या महिना के स्ट्री क्ष्य मान्य निक्र में मिन्न के स्ट्री क्ष्य के स्ट्री क्ष्य मिन्न के स्ट्री क्ष्य के स्ट्री के स्ट्र संपद्देवं संपर्दिन मान्ति अर्पा विश्वा विदेश मान्य कर्ष मान्य में स्थान स् स्तान्त्रम् स्रम् मुन्द्रम् स्रम् स्तान्त्रम् स्तान्त्रम्ति बह्र-पंची हीर वर्न हैं वर्न हर कें प्यापेन र वर्ष के प्रदीव वर्ष प्रवास के कि के कि है। ब्रॅन्स्थियान्द्रस्य स्थिया श्री प्रतरापक्ष निष्य स्थाप स्थाप के प्रत्य के प्रत्य के प्रत्य के प्रत्य के प है। ब्रॅन्स्थियान्द्रस्य स्थाप स चूब.सू.वि.क्ट.पर्यवा.मा.सा.वेचित्रस्तापर.प्रतापर.प्र.वाबट्री वार्थेशता.सी विज्ञात्त्र.स्त्रम् अ.कूट्रत्यंचित्रः प्रे.च्ट.पर्वेविक.प्रे.क्ट्रियं तावालप्र.प्रीटयाक्री मिर् क्रेन्या प्रत्या विष्या क्षेत्र विषया क्षेत्र प्रत्या क्षेत्र प्रत्या क्षेत्र प्रत्या क्षेत्र प्रत्या क्षेत्र प्रत्या विषया क्षेत्र प्रत्या क्षेत्र प्रत्य क्षेत्र क्ष है 'ठंअ' पंर्ते ग लुबं पर्या देट देवे 'बर्गाव भ्रम अ'भगवे ग्राटक हिंद ग्रीक केंद्र देव ग्रीक हैं। देट दे वे ग्रीक के पर्यादे भ्रम अवे ग्रम्याम् वर्षान्त्राम् वर्षान्त्राम् वर्षान्त्राम् वर्षान्त्राम् वर्षान्त्राम् वर्षान्त्रम् दि'ॡर'र्ह्मेराअन्यम्।हु'र्छेर्न'यंत्रम्मन्यत्रम्यप्यत्प्त्रम्मिन्हुर्अर्न्मम्भिन्नम्भिन्न्यत्रम्भिन्नम्भिन्नम्

चलायके:ह्रृंबःगुःकुःवःचत्रःवःक्ष्यःविकःगावःचवता देवःवेत्युद्धःवःक्ष्यःत्रःवःक्ष्यःवेतःवेतःवःववत्यः ह्यावेतःव्य विकायके:ह्रृंचःवःत्रःवःत्रःवःकुषःगुःकुःगविवःगावःचवता देवःवेत्युद्धःवःक्ष्यःत्रःवितःवेतःवेतःव्यव्यवः ह्यावेतःव

૽૽ૼૺૣઌ[ૢ]ઌૼૹ૾ૼૢ૽ૼૡૢ૾ૡ૾ૼ૽૾ૼ૽૾ૢ૽ૺૺૢ૾ૄ૽ૼૢ૽ઌૻૻ૽ૣઌ૽૽ઌ૽૽ૡ૽૽ઌ૽૽ૢ૽ઌૻૹ૾૽ૹૻઌ૽૽૽૽ૢૹ૽૽ૡ૽૽૽ૹ૽૽ઌ૽૽ઌ૽૽ઌ૽૽ૡ૽ૺ૱ૡૢઌ૽ૺ

यान्डेंबाबिटायान्वर्ता देवार्त्रेवानेबार्त्रवार्तेद्वरायान्वर्दात्रीं

त्यात्री क्ष्यात्री हेया देवा के क्ष्यात्री क्ष्यात्री हेया त्यात्री हेया त्यात्यी हेया त्यात्री हेया त्यात्यी हेया त्यात्री हेया त्यात्री हेया त्यात्री हेया त्यात्री हे

१४.१ য়'য়ৢয়য়'য়ৢ৾'য়ৢয়য়

चक्किर्तान्त्राम् ही विद्वेर्त्स् अस्त्रम् अस्त्रम् विद्यान्तर्मा निर्मान्त्रम् विद्यान्त्रम् विद्यान्त्रम् विद्यान्त्रम् विद्यान्त्रम् मुख्यायान्त्राकृता विषया मुक्ता मुक्त लम्बातिकान्नानित सम्बातिकान्यातिका वित्तित्व वित्तित्व वित्तित्व निष्याति । वित्तिनिष्याति । वित्तिनिष्याति । त्त्रवी विष्युत्त त्याप्त के त्या के त्या के त्या के त्या के विषय के त्या के त्या के त्या के त्या के त्या के त के त्या विष्युत्त के त्या के त गुन्यस्त्रम् वित्राप्ताः वित्राप्ताः क्षेत्राप्ताः स्त्रम् वित्राप्ताः स्त्रम् वित्रम् स्त्रम् वित्रम् स्त्रम् वित्रम् स्त्रम् कॅंबर है हैं बर्ग महादे प्रका दे कुर र्र स्था के के दारी बर्ज बुबर प्रका हिंद छी है कि मानी खुना के के दर्ग छ पर बिर्म है हैं दे छी खुनी के के द र्रा तस्त्र वा श्री वा हो हो हो तह अव अवव हो तवावा वा प्रति । हिंद वा वा वा वा वा हो हो वा वा वा वा वा वा वा व म्बर्पायहेव वर्षां संपित रें ह्यें प्रायम स्थानं अर्था हें म्याप्त प्रायम स्थानं स्थानं स्थानं स्थानं स्थानं स हु द्विन विवार्चेवा चेवु पुर्वे तु नवारा वार्योनव्यवार्य देवे विवार प्रवार प्रवार का किया है। विवार विवार विवार ने गुर्बें अंचलुर्गाया देते स्निन्य संस्था सुर्वे देने देन स्पूर्ण ने प्रवेश सुर्वे पुर्वे प्रवेश स्वित स्वार्थ है। सुन यार्चेन अहर् ने बं ऋषि सुवायन ये विषेत्र विवेत्र विदेत्र विदेत्र विवेत्र विदेत्र विवेत्र विदेत्र विवेत्र विवेत्र विदेत्र विवेत्र विवेत त्रष्विणवाराक्रेव र्रे लिटवारा विवादित विवादित क्षेत्र विवादित क्षेत्राच्यात्विमी पति त्यूर् हिंदाव्याप्तिमी पर्दे प्राया स्या प्राया स्वर्थात्य हिंद्या विद्रायति पति प्राया या संस्थित कृति स्वाप्त स्व वर्द्धित्त्वा अर्थेना ये अर्दे हे। ब्रुव द्वार केंब नहेब ना अहिवा द्यारा स्वेत प्यवा ही ब्रुव या प्राप्त से केंब हो र व्यव है। य्यावनाम्ययाची रेविट प्रतिवानी सुद्दाया देवित है स्वर्त स्वर्ण की त्री क्रिया की त्री क्रिया की त्री की स्वर्ण विवास स्वर्ण की त्री की स्वर्ण की स . अ.क्रेट.त.लुच.तय.क्रेट.क्ष्यय.क्र.<u>च</u>्चेयं.द्वय.ब्रिट.ल.चळ्च.चयान्यय.त.क्ष्ट.चट.चयट. यूचे.स्.लूट.चयाक्षेय.क्रेय.च्याचयाच्याच्या कें भैंचे तारूर विकासी विकास निवास स्विकासी वार अर्थ में विवासी कार्य में से किया में से किया में से किया में में किया में से से किया में से से किया में से किया म ष्ट्रिर.क्षॅट.धेय.वि.पह्न्य.क्षघर.भेषाची.व.लूट.चुर.वथा ट.ज.श.वायेट्ट.वपूर.कूर्य.लूट.तर.पॅटेवा.क्षेश.यथा.वेश.तथी टश्त.त.भे.वाय.ब्री.कूथ. ्याक्कैवा विश्वे विश्वे त्या विश्वे प्रमाणि के स्वापित विश्वे विश्वे विश्वे विश्वे विश्वे विश्वे विश्वे विश्वे बीटा मान्द्र नुर्धिन बारा धीवा ने बुद्र ने बिना दें अर्दे हो पठ वा महाराज पत्र निवास कर है वे कि पत्र पत्र के ना ने बार वा बार के बार क इस्रवास्त्रीय प्रमाणवा दे लंदिन में क्रिक्ट स्तर्भ के प्रमाणवा के वि

ध्वाबाद्यादेराक्ष्यां स्वाबित्त्र प्रावित्याद्यात्र स्वावित्याद्यात्र स्वावित्याद्यात्र स्वावित्यात्र स्वावित्य स्वावित्यात्र स्वावित्य स्वावित्य

पर्सेव स्थरार्थे।।

ૹૄ:૮૨.ૹ૮.૬ૺ૾ ચૅ.ફૢૺ.લે૨.ૹ૾૾.ઌૂ૮.ૹૂૹ.ઌઌ૨.ૹ૾ૢૺ.ઌૺ૨.ૹ૾ૢૺૹૺ૾ઌૢૼ.ૹૺૹ.ૹ૾૾.ઌ.ૡઌૹ.ઌ.ૹ૮ઌ.ૡૢઌૺ.તૹૹ૽૾ૹૡૺ.ઌ૮.ફૂેૡ.ઌૹ.૮ૹ.ઌ.ત. ग्रुच, र्स्. ह. श्रम, जे. रेस. श्रम, ये. बि. वे. के. प्रम, विया विस. श्रीय, श्रम, ये. ये. वियान, यो. वियान या. हे. वियान विया बर क्रुंब हूँ श्च. पर विषय क्रुंच क्रुंच क्रुंच क्रुंच विषय विषय क्रुंब क्रुंच त्वर् वे के ते सम्मान के के के प्रमान के के कि कि कि कि रा.ज.वोश्चेट्य.जू ।

लट् विट पर्दे व के जान निर्मा के बार के बार प्रेन्य पर्दे व लायमती है बार के बार पर्दे व बेट लायमती है बार्स परि बार पर्दि ला मबुदबर्खी हि.ज.इ.दे.क्रूप:क्रूप:केमानकूर:दर:र्देव:चक्रूप:मिलेब:जवा देव:हिन्दे:जवा:हिन:चर्ड:द्वा क्रीम:चक्रूप:दे:बेअबरचक्रीप: <u> २८ क्रॅ</u>८ धुर्त २८ वि. वर्षे २. २८ वर क्वा क्रूर क्वा ५८ अवर क्वा क्र क्षेत्र क्वा क्वा क्वा क्वा क्वा क्वा व

१२.३ র্র.প্রেম্বর:গ্রী:শ্লুনমা

ब्र्.अवयाची तिलार ब्र्राची ट्रेर.ज्रुवारीट वेबावाचल ब्राइयवार्बट रे.ब्र्रेटवी यीर्बेबावार्वेबालूट तालाब्रुवाया केटायवार्यः <u> इत्यानयः मुक्तान्त्रेयः मुक्तान्त्रम् त्रात्रः द्वात्यः विता त्याक्षेत्रः त्याच्यान्त्रम् त्याच्यान्त्रे। वाचतः भ्राप्तयायान्त्रम् याज्ञान्यायाः वितान्त्रम् व</u> वयास्य क्ष्रां प्राप्त वित्र में में क्ष्रां प्राप्त क्ष्र स्याप्त क्ष्र स्था क्ष्र प्राप्त क्ष्र क्ष्र प्राप्त क्ष्र क्ष्र प्राप्त क्ष्र प्राप्त क्ष्र क् ब्रुट्-ब्रे क्रिक्ट-चर्त्र-प्रमाण्यायहरूप्याचित्रं क्रिन् वित्राम्य क्रिक्ट-चायाद्वीयायायायायायायायायायायायाया व्रुट-ब्रे क्रिक्ट-चर्त्र-प्रमाण्यायहरूप्याचित्रं क्रिन्-वित्राम्य क्रिक्ट-चायाद्वीयायायायायायायायायायायायायाय अः कें ब्रिंत त्यार्ड हैना हैना हुए तित्न न्यायं के नित्यं का यान वित्य का नित्य का नित्य का निवास ठेवा बुं नं धेव चुक् यक्षे विद्यक्ष यं दर्भ चैव यक्ष केंगुं क्रेन्ट वी बुद्र बुँ वे प्रदेश कर हुँ व त्या च बुद् चैर्यं व्रवाया द्वीत् । देर द्वाराया रूर्व प्रमूर्ण वाद्याया प्रवाय प्रमूर्ण वाद्याया प्रमूर्ण वाद्याया वाद्याय चबुद्य, वार्षां संस्तान स्त्राची हो प्राप्त के कि स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स लुची मु.क्टर त्या हो ने त्या चया क्षेत्र प्रचा तथा क्ष्र क्षेत्र यह हो त्या निर्देश क्षेत्र या निर्देश क्षेत्र यहाँ में त्या प्रचार क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र यह हो त्या निर्देश क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व्यापा क्षेत्र क्षेत बर. ब्रेब. बबा टे. ट. पुंचा ने. बबा तर के वीचा तर के वीचा कर के वीचा कर के वीचा कर के वा के तर के विकास के वीचा कर के वीचा कर के वीचा कर के वीचा कर के वीचा के विकास के वि ल्यालरकु न्यरम्भरम् ज्यात्रात्रात्रात्रहु न्यारम् वर्षेत्रात्रम् वर्षेत्रात्रम् वर्षेत्रम् इयमाध्यस्य सन्दर्भववा वया युपार्थे व स्थानकु सम्वित दि। इयमाध्यस्य स्थानके पूर्व से प्राप्त के प्राप्त स्थानके चक्किंदाराचक्किंदास्त्र स्थान्य स्थान स क्चिंच क्चिंच वेर चर्या पुरस्य प्रामुद्ध व्याप्त विष्य स्वाप्त विषय स्वाप्त विषय स्वाप्त विषय स्वाप्त विषय स्व मुन र्स्च तृ में बाद में ने रे के प्रमाय अविद से वार्ष सम्बद्ध में की वार्य मार्थ मार्थ में मार्थ में का प्रमाय में मार्थ में मार्य में मार्थ में मार्थ में मार्थ मे रैंर न्यायेते पान्ने सासुका यहिन अग्वा लुका याचा न्यायेते 'वृष्णेने का ने न्ना 'वे स्कूर ने का पानु हान् ने स्व यावर् पायरी ग्रीय प्राप्त वया सुरक्षेत्र पर केया दित्र हो विष्पत विदेश हो सुर्य क्याया वया यही राजी से प्राप्त हो के स्थाप स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वर्य स्वयं स्

ॾॕॺ॔ॱट.बॖॖॣॺ॔ॱय़ॱज़ॱॻऻ॔ॕॺॺ॔ॱय़ॱॿऀॺॱय़ॺॱॺॖॺॺॱग़ॖऀॱॻऻॺॺॱय़ॱख़ॱॸॖॖ॔ॱॿय़ॱॹज़ॕढ़य़ॱय़ॱज़ॸॱॿॖॕॺॱय़ॱढ़ॱॹढ़॔॔ज़ॱय़ॿऻॱक़ॣ॔ॸॱय़ॱॿ॓ॱड़ऻॱॿॖऀॸ॔ॱ ॸ॔॔॔ऀॸॹ॔ॱख़ऀॸॱय़ॱॹढ़ॴॹॺॱढ़ॖऺऻॱॳॱॿॖॱढ़ॖऺॹॱय़ॱॺऻॹॖॱॹॖॺऻॱख़॔ॱॿॸॱॹॻॣ॔ॿॸॱॻॖऻॱख़ऀॱड़ऺॸॱॹॖॱॵॸॱॻॗऻॱज़ॣॱज़ॱॳऻॎऀढ़ॴॱॶॕॣॸॱॿॖ॓ॱॾऀॱय़ॱॿऀॱ लूर्त्त्रमाष्ट्रिर्द्रिर्द्रपट्षुद्रम् तर्रद्रद्रद्रमा चेर्द्रा हुर्याचन कूर्वा चेन्त्रमा मूर्त्त्रमा विद्रा निवास क्रिया मान्य क्रिया या श्रीत्र प्रति में देश के प्रति के प्रति विषय प्रति के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर्ण के स्वर भाष्ट्रीत्र प्रति के स्वर्ण के स् चीरा विश्व विश्व प्रत्यात्र के स्वार्थ त्या के स्वार्थ के स्वर्थ के स्वार्थ ने त्यार्च प्यत्यार्क्षेत्राचेत्र वृत्ते वृत्ते वृत्ता वृत्ता क्षेत्र क्षेत्र या विष्या क्षेत्र या विष्या क्षेत्र विषया विषया क्षेत्र विषया क्षेत्र विषया विषया क्षेत्र क्षेत्र या विषया विषया क्षेत्र क्षेत्र या विषया विषया वि दूरवारायुःक्वी ब्राक्षराचायुः इत्युं श्रे चावयः विचा ग्रार पर्वचाराया अत् क्ष्यः मुख्य वर्षः श्रेयः प्रथा प्रव स्थानित विचा भ्रार प्रयामा अत् क्ष्यः वर्षा श्रेयः प्रथा वर्षा भ्रार प्रथा मित्र प्रथा मित्र प्रथा मित्र प्रथा मित्र प्रथा मित्र भ्रार प्रथा मित्र प्रथा मित्र भ्रार प्रथा मित्र भ्रा प्रथा मित्र भ्रार प्रथा मित्र भ्र भ्रार प्रथा मित्र भ्रार प्रथा मित्र भ्रार प्रथा मित्र भ्रा भ्रा इसमार्स्यान्त्राच्याः स्वार्थिताः स्वार्थिताः स्वार्थित् स्वार्ये च्रियम केंद्र च्रम केंद्र च्रम केंद्र के वि केंद्र च्रम केंद्र च्र चैरायमा यसमार्थाको अर्था में स्वायन स्वायन स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वय भी स्वयास्य प्रमुखाराके से से स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य दब्दन के विस्तृ विस्तृ विस्तृ विस्तृ स्त्रु स्त्रु स्तर्व द्वारा है विषय स्त्रु विस्तृ विस्तृ विस्तृ स्त्रु विस् र्वेण, हुन्ते देव ने यह वी के निर्वे नते इंग्राहर अर्हेट यो नवित शुन रे विन ये यो लिन शुन रे विन ये यो अन्य है । अर्हेट रे ने प्यट में अर्हेट शुट म अर्दे ये विन ये यो से विन ये यो के त्रक्षात्राच्यात्रात्त वाश्वर प्रवास तक्ष्यामा तार् द्रित्र मा त्रा हो न स्वास हो न स्वास हो न स्वास हो न हो न स्वास हो न चेंबा ने व्यं नुर्वे व र्श्वेन विकारी र्श्वेव प्याप्येव पन्या के विन प्रत्येव के विवास र्श्वेव प्रत्येव के प्रत्येव र्श्वेव रश्चेव रश यहें व व रो ब्रेंब यस यस र भी मा मा राष्ट्रिय पर पा विन विकास है। यस र ने राय के बार मा मा साम मा से पा पर पा प क्रियानियार्थे अहं ता हेत्रत्यक्षानियानुस्यान्यात्र्याच्यात्र्याच्यात्र्याच्यायार्थे च्याप्यार्केन दास्यरायात्रु त्यायराधीया वितास्य स्था ्याद्वैषांत्रीवाचेराचर्या तक्ष्रेषायादे पुरार्थेरादेवाषाळेचाषायायायायराच्चेरवायावेवायीवायवादि विपायीवायायायाया बेर्प्य प्रमित्य देवे देवे के धेवे देव प्रमा है ए यह व स्वाव व व प्रमुद्ध के वर्ष के बहुत प्रमुद्ध के व व व व व पर्यिताः थित्र वित्र का मुक्ता मुक्त र दूरवे नविवायान त्या वृत्त विवायान विवाय वादास्यान्युं प्रांचां वाद्यां वाद्यां वाद्यां वाद्यां वाद्यां वाद्यां वादास्य वादास्य वादास्य वाद्यां वाद्याय ट्वा ग्राट ह्वाबायर वार्य हे ते अर्ट वी ख्रब तर्क्ष या चर्डेंद्र त्युव बेर वी त्या वार्य हिवा स्वाय या के दार रेवा भेवार परित्या

णट कॅंकुट नवामुर्डट कॅंकुं भुः देटवायामुह्म देवाचुर कुं चुर कुं सुमाया देवायहार वा देवायहुका पाया स्वापा

लट. श्रूब.स. श्री ट्रेब. ट्वी. चमेब. जुरी ट्रेब. केल. च. ट्यूब. श्रीचबा ट्रेब. रूवी. लपूरी

णट्निश्च महित्यात्र विद्यात्र विद्यात्य विद्यात्र विद्यात्य विद्य

ભૂટ.તં.ળો ખેય. છુવા. ત્રાવેય. છુવે. છૂ્ય. ગ્રી. મૈળ. ત્રાવ્યું. તેય. તેયા. તેયા. તેયા. જેવે. જુવા. ત્રાવ્યું તેયા. ત इट्-स्ट्रां अप्तर्म् स्वायन् स इट-स्वायन् द्वीयन् अप्तर्भायन् स्वायन् इट-स्वायन् स्वायन् स्व लय. क्या क्रीट्या नेट क्षे क्रा क्रिया पढ़िया विविध प्राप्त प्राप्त ने में प्राप्त क्षेत्र क्ष विज्ञान क्रियो ने स्वयं श्री में ज़र्म श्री दिन जो देते हैं ने मुंब में स्वर्थ कर्त हैं ने स्वयं में हैं के स्वर्थ होते हैं कि स्वर्थ होते हैं के स्वर्थ होते हैं कि स्वर्थ होते हैं के स्वर्थ होते हैं कि स्वर्य होते हैं कि स्वर्थ होते हैं हैं कि स्वर्थ होते हैं हैं कि स्वर्थ होते युर्वापते में प्रवाद प्राप्त प्रवाद प्य प्रवाद प्याद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवा मिवि मुन्दानि । सुन्दानि । सुन्दा चतुः श्वीः जात्रा तत्र व्याप्त स्वाप्त स्वाप् मुब्रियायार्यम् वार्षेत्रायार्थे स्ट्रियायोत्तराम् न्यात्रायायाः स्ट्रियायाः स्ट्रियायाः स्ट्रियायाः स्ट्रियाय इसासुग्वानुत्रायाः स्ट्रियायार्थे स्ट्रियायोत्तराम् स्ट्रियायायाः स्ट्रियायायाः स्ट्रियायायाः स्ट्रियायायाः स् परिवा किट. य. प्रतिट्या निट. य. वीट. त. वीट. त. प्रतिट्या के व. प्रतित्य प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प च के दे. प्रति प्रति

सूर ता बुध सूर अपू. कुब सूर्या है। बक्ट्वा श्री यहा अपूर्व सूर्या है विव सूर श्री या ता ता तो है। ता है विव स् राजी थे दें प्राची स्थान प्राची श्री अपूर्व श्री यहां अपूर्व सूर ता विव स्थान स्थान ता सूर स्थान स्थान ता है। स्थान ता सूर सूर ता विव स्थान स्थान स्थान ता सूर सूर ता विव स्थान ्याता श्रुच त्याया श्री या हो चा श्री प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्त

ड्रिपार्स्पर्न स्वाका द्रज्ञान्य स्वाद्य स्वाद दे व देव प्रति प्र त्त्रवास्त्रम् क्षेत्राचा क्षेत्राची वित्रम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् व वित्रम् वित्रम त्वाबाडिया व इत्यात्वेत्राया हैया नद्दा हैया त्या केंबा तक्ता हैया पर्या होया पर्या हैया पर्या हैया विकास है य विंदानासुद्री देरासुनुबाद्यायसुद्रमा देरेसुनादेरामुनुबाबादेवायदास्य स्वर्णन्यन्यस्य स्वर्णन्यसुद्रायाम्बर्धाः स्वर्णस्य नं ठेवा र्पेन वार्युन वर्षा यांवावन । ने वर्षा वार्षिन र्पेन तर्चिर या चीत्र वित्तर या प्रवित्त प्रति वित्तर वित चर्मा बुर्मासम्म सुः बेरायाराने प्रदेशमदिसम्पर्धाताने सम्पर्धाताने स्वाप्ताने स्वापताने स्वाप्ताने स्वाप्ताने स्वाप्ताने स्वाप्ताने स्वाप्ताने स्वाप्ताने स्वापताने स्वा

विवा वार्युट् । त्र न्युः वार्वे सं सु व्ययस्युं त्ये व स्वरे न्याय क्व न्यान् ने व सं न्याय क्व चार्यु स्वरं चार्यु स्वरं क्व क्व सं न्याय क्व स्वरं न स्वरं क्व सं न स्वरं न स्वरं क्व सं न स्वरं न र्नर्न्यक्ष्म के र्न्न् निर्वाण्यंत्र रूप्यं श्रुक्ष हु संस्थान के र्न्यं काल्या वे महामानिक मित्र मित्र मित्र शुद्धः मुक्तिः मुक्तिः मुक्तिः स्वाद्धः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः श्रे अर्दे न श्च निर्वे ते ते त्या त्या के त्या कि त्या के त्य वे कि त्या के त के त्या के त्य <u>इत्तरिक्षेत्रमध्येत्रमध्येत्रम्यक्ष्यम्यत्त्रम्य</u> शहरी देवा नर्षे ब.स्रेर.ज.वोबट उर्थ की देवट बिंब नर्ष वोबट शक्त इंडि. मैजारा बिंब मी देर वोबट उर्थ की इ. एवं जा वारा श्रम् अत्यास्त्रीय नित्यास्त्राची साक्ष्यीय स्त्रीत्र स्वास्त्र स् त्रर. ब्रूट. त्या त्या की 'श्राचय विवा पे जिस के त्ये हैं त्या तर्वे अर्थे व हैं हैं त्या तर्वे अर्थे व के विवा $\frac{1}{2} \int_{-\infty}^{\infty} \frac{1}{2} \int_{$ द्यार्थियारान्त्र्याचीयान्त्र्याचीयान्त्र्याचीयान्त्र्याचीयान्त्र्याचीयान्त्रम् स्थाप्त्र्याचीयान्त्रम् स्थाप्त्रम् स्थाप्त्रम्यस्यम्यस्य द्याचिश्वर प्राप्त वितः हें कें प्राप्त हैं से प्राप्त हों से प्राप्त हों स्थाय हो स्थाय हैं स्थाय हैं से प्राप्त से स्थाय हैं से स्थाय है से स्थाय हैं से स्थाय हैं से स्थाय हैं से स्थाय हैं से स्थाय है से स्थाय हैं से स्थाय हैं से स्थाय हैं से स्थाय हैं से स्थाय है से स्थाय हैं से स्थाय हैं से स्थाय हैं से स्थाय है से से स्थाय है से से स्थाय है से स्था से से स्थाय है से से स्थाय है से से स्थाय है से स्थाय स रें ग्रेज विका विकार के प्रति र्देन क्रुन हान्याया के अर्थ प्रता या सेवाया पादी के साथ प्रता के साथ पाय प्रता के साथ प्रता के प्रता के माने प लेक् दे दे का क्रमा प्रत्य के में हिंद देवट राज्य प्रत्य के में क्रमा प्रत्य के में क्रमा के में कि प्रत्य के में के प्रत्य के प्रत्य के प्रत्य के प्रत्य के में के प्रत्य के प्र ठिनं स्वतः तर्ये संयो नर्येनं म ठिनं युर दर्ये ते संकेष रे युन म्यू येनं केलं देव नर्यं है संपद्ध स्वाप्त स्वाप क्या दे वयागु न ठव न प्याप सुरा या वा के के स्वाप्त है वि कर परिता है पा शुरा शुरा शुरा है दि स्वाप्त से पा शुरा है व सुर्या प्रमाद क्र पर्योत क्र के मह्म प्रमाद के प्रमाद प्रमाद क्र प्रमाद के प नम्'यम्'यर्भेद्राम्बुद्रान्वयाद्रभेद्रान्ये । विष्याम्बुद्रम् विष्याद्रयायम् । विष्याद्रयायम् । विष्याद्रम् । विषयाद्रम् । विषयप्रमाद्रम् । विषयप्रमाद्रम्य बार्ट्व सुमा हेर्ग्याया बुका या ने का ग्राम के वा के रिया के मार्थित प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त के वा के विकास के विकास के विकास के कि का मार्थित प्राप्त प्राप्त के विकास के विकास के विकास के कि का मार्थित प्राप्त के विकास क हुन नर्षेत्रम् क्र्यारी प्राप्त प्राप्त प्राप्त हिंदि 'इयम ह्राचेन' न्या प्राप्त ह्या निक्र हिंदा प्राप्त हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा है । वावनारेनाओन इसम्प्राप्त क्रिया स्था में यावी उत्तर प्रदेश स्थान विवास में विवास क्रिया मान्य प्रदेश में निर्मा भूर अट र अह्री व्यापत त्यूंब नियं र प्राप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्व वर्षा है स्वापत स्व ता. श्रे. सं से वीच या वा प्राप्त के विकास के स्वाप्त क त्तर्ने स्व के न्यूने के चैठमायालुमानीया। प्रश्चेराभ्रामानीयामाहेमाप्रमान्याच्याप्यमाप्रमान्यादेव स्वीतीयामानीयाप्यमानीयाच्याप्यमाप्रमा ॻॖऀॱॿॎऺॻॺॱॸॕॖ॓ज़ॱॸ॑ॖ॔ॸॱ॓ॿॢ॓ॱख़ॖॱॻढ़ॕॱक़ॕॺ॑ॱॠॕॸॱॾॖॺॺ॑ॱॻॖऀॱऴॻॺॱॻॾॄॺऻॹऄ॑ॸॱ। ॸऻॗ॓ॱॺढ़ॕज़॑ॱॿॢॸॱॸऻॹॖॸ॔ॱॸढ़ऻॺऄ॔ॸॱऒॺढ़ॱढ़ॺॕॗढ़ऀॱऴॕॺॱॿॣॕॸॱॶ

यू ता शु सू हे ता प्रविद्धान बा हुन है जा ने सु शुरी पट्टीय सू भी मानी है ता हुन के स्वार्ग सूचिया स्वार्ग सूचिया के भी माना स्वर्ण सूचिया सू

१२.~ শ্লুমান্ত্রবাশাশ্রী:শ্লুবশা

यक्षायिकां पूर्व स्वातं एक्ष्यां स्वातं स्व

. તેનું ક્રેનું ના તેના કે સાર તા છે. તેનું તેને તેનું તેને તેનું તેનુ सर्हिट मुशुट है। मुबद अर्चे न के मुद्दा देर बम् न हु न बिम न हु न बिम स्थाप विम हिर हो है है। मुद्दा के मुद्दा है न हिम है न हिम न है न है न है मुद्दा है न है मुद्दा है न है मुद्दा है न है न है मुद्दा है न है मुद्दा गुबुदबाही स्रवंबाद्दार्थायां वदार्थेगू हु क्रियायां दि स्र्रीयार्थेग हि स्रियायां विवास मित्र में विवास मित्र में विवास मित्र में विवास मित्र मि इंन्यायदे निवासक्षेत्रम् विवासक्षेत्रम् विवासक्षेत्रम् विवासयम् । विवासयम्यम् । विवासयम् । विवासयम् । विवासयम् । विवासयम् । विवासयम् । व थेत्रबाह्य निवामक्षेत्र मुक्ता विद्या मुक्ता विद्या मुक्ता विद्या मुक्ता विद्या मुक्ता पद्यर्देट्याच्याः भ्रम् प्रमान्त्रम् त्राम् प्रमान्याः स्त्रम् ्धुण हें हे 'तूर क्रियं प्रेस प्रेस क्षेत्र या विकाय का पक्षित है जो विकाय विताय के कि प्रेस का कि का का प्रेस का स या ट्रेंबर्ज्याङ्ग्रेब्र्चर्या ट्रेबर्ज्याचेबर्च्यवर्ष्ट्यवर्ष्ट्राच्याचेबर्च्याचेबर्च्याचेबर्च्याचेबर्च्याचेबर् च नर्गेद क्षुचना नेनर्जे पर क्षेत्र की ज्ञार कर्ण चर्ण नमर ना नेन ज्ञार महिना नेन ज्ञार की प्राप्त पर में निना बर्हिट निकार्सेक विकास मान्युया निक्षेत्र प्रकासिक विकास मान्यु निकार के स्वास्त्र मान्यु निकार के स्वास्त्र मान्यु स्वास्त्र न्ति अस्तर्भक्षेत्राचे क्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राचे स्तर्भक्षेत्राचे स्तरित्राचे स्तर्भक्षेत्राचे स्तर्भक् त्स्वार्गीः के 'श्रेम' हे मा मुर्ते।

लट श्रेया ग्रीया के वार हि. यथा हेया राज राज हो या हेया श्रेया श्रेया अके राव हिया या वाय राही। यह वाय वाय वाय र्थान्तुरान्द्रेत त्रमान्त्रम् यस निक्चन दी क्वित्र निक्चन प्रकेष प्रमाणिया विषय निक्ष प्रमाणिया विषय निक्ष प्रमाणिया विषय निक्ष प्रमाणिया विषय नु रे हुन वर्षा यहें या भुजारा हेवा पहिला है। पूर्वे बात बिवात बहुन ही। यहां च हुन ही यो हिला है। से पान ये बा सीयार्सेर्नामी स्तार्सेव सेव तस्वे मिया सेवा है से नगा नेवा ने या क्षेत्र ही ना तेव से केव में केव में केव में धेवु चेर प्रकास्त्रवायायेतेवाकी दे विवासियवायायायायेत्रवायायायाचे निवासी मुचियायायायायायायायायायायायायायायायाय मकूर्ताताविष्यात्रमात्रम् विष्यात्रम् विष्यात्रम् विष्यात्रम् विष्यात्रम् विष्यात्रम् विष्यात्रम् विष्यात्रम् त्र संबर्धका हो का हो न त्र के किया प्रांथा हिन रेने राजने का कुषाया है। तेर लेकि है कि हो का ही हे के किया है कि है कि है कि कि है वार्च्र वार्यकारा में वार्य वर्ष हिंवा हे वार्ष वार्ष होता है वार्ष होता होता है वार्ष है वार्ष होता है वार्ष है वार्ष होता है वार्ष होता है वार्ष होता है वार्ष होता है वार्ष है वार्ष होता है वार्ष होता है वार्ष होता है वार्ष होता है वार्ष है म्बर ता भ्रमा ही यर तर्ते पर वियायमा तर्हे तर हैन र्वायाय भेती हा अर्ट सकर ठवें हैन तर्ते ने प्रमासित वर्षे भ्रमा हवा ु चित्री सूर्या श्रीय द्वीय दिया देव दिवाय पुर्वे वे देव हो विषय है । इति स्वाप्त के प्रति हो स्वाप्त हो स्वाप व न्यां पारे दारे व विवाय वेर प्रया क्षेत्र व विवाय व वार्ष विवाय व विवाय व विवाय व विवाय व विवाय व विवाय विवाय विर विव पर्झेयन पन हैं न के जिन के के लिए पति होन हैं न पन क्षु के न पति होने विव न पति होने विव न पति होने पति हैं क् बर्म मार्थ निश्चर हिना केर हिना में राम में मार्थ ही बर्म में मार्थ ही अपने मार्थ में मार्थ में मार्थ में में मार्थ में मार्य में मार्थ में मार য়ৢ-८८-चयः सुर्याः प्रत्यान्त्रम् वार्याः प्रत्यान्त्रम् त्रिः विष्यान्त्रम् रदःरदानी धीव मंत्रुदः वेबाङ्का भाषीवदः दें। दे वेबासुदे अपिर र्झुभागासुदव बारासुव पास्कासी हा से प्राप्त प्राप इस्रवामानुस्रव प्राप्त कार्यु प्राप्त विकासी के स्वाप्त कार्यु कार्या स्वाप्त कार्यु व प्राप्त से स्वाप्त कार्य य्यायान्त्रिः वीयः याच्याः याच्याः याच्याः याच्याः याच्याः वित्रः वित्ताः वित्ताः वित्ताः वित्ताः वित्ताः वित् यान्ययान्याः हैयान्तः चेरानयां भ्रयायानेया कृषायाळवा वान्ययान्या वान्ययान्या हैया वान्ययान्या हैन भ्रया हैन भ्रया हैन भ्रया है।

युक्तं प्राप्त क्रिक्तं क्रि

तीच्याजी.श्रेचयाजू

११.५ বর্চ্চু স্রব্র ক্রী স্পর্যা

चक्कुन्यः र्वेन्-तु-च-द्वे-त्वे-क्वें-क्वें-यां-व्यक्ते-पर्वेन्-विक्यान्यां त्वेन्-विक्यान्यां त्वेन्-विक्यान्यां त्वे क्वें व्यविक्यान्यां त्वे क्वें क्वें व्यविक्यान्यां त्वे क्वें क्वें व्यविक्यान्यां त्वे क्वें क्वें क्वें व्यविक्यान्यां त्वे क्वें क्व म्द्रियान्यस्य । क्षेत्रयन्त्रयन् क्षेत्रयः केवाकेषयास्य वात्रम्य । वात्रवास्य विवास्य विवास विवास विवास विवास त्तरं विरायम् . ख्रमा वं र्हे हिते मिर्व्यवस्यों क्षे वें दें हो त्ववस्य कि स्वाप्त किया किया विकास के किया किया कि किया किया

इस्रबादी प्रकृत्यापर स्रिते क्रेरिस्री।

११.६ याई है भुः इन्ति दे वें क्रू या ग्री स्नन्य।

र्यास्याः कुःव्याः तुः कुंवा हे रहेते रे या तहे या या यह या या वर्षा वर्षा कुंवा हो एवं स्वर्ण के या प्रतास्या न्इत्याची हुयायाधीयां ने व से स्थापदी व वन स्थाय वारा निया है है निन्दु व क्यायर हुया अदी नाहर या सिन् हिंदा ची या ने सिंदा की या निर्मा वं सुया तुरेते वर स्थाय तकर स्थाय वर्षा में हे वारव वारी र स्थारे देर र र वा व व्यव व्यव वा स्था वि है वा वी वर व सुवा वयावंदायंत्रवात्रीं वर्षेत्रं वर्ष्यं वर्ष्यं प्रदेश्वर्ष्यं प्रदेश्वर्ष्यं प्रदेश्वर्ष्यं प्रदेश्वर्ष्यं प्रदेश प यंर र्'पंत्रपायापंट र्वेट र्'हें वांपायदी धीवां वीं देर द्यापाया वींपाय विवास विवास विवास विवास की हो दारी के य विजया विट्यम्बर्गित्रम् त्रित्त्वा स्ट्रिट्यम् स्ट्रिट्यम् स्ट्रियः स्ट्रस्ट्रियः स्ट्रियः स्ट्रियः स्ट्रियः स्ट्रियः स्ट्रियः स्ट्रियः स ग्रुट्यानम् विट इसम् क्रिया के प्यत्य के प्यत्य के वित्र के त्या के त् यते केंबाइर्यं वार्याचे कुन्य है अलेबा होते ने न क्रिं वार्याचे वा

<u>२८'र्सरः विश्वस्त्रें स्त्रां ताः कृताः र्रें क्वें वार्रे क्वें वाराधिवाने विदायाः विवायम्य विवायम्य विवायम्य</u>

भ्री विंद्र-दे न्यं वासी मि.स.च.ट्यू के सूच मिस प्राप्त का मिस प्राप्त मिस प्र

क्ष्या के त्राची त्राची व्यवस्था के वा क्ष्या के वा कि वा कि

ने हिंद सुअ यात्र कंप ग्रें मं अह्या प्रमासुन यमा ह्वी असी तुमायर हिन अक्त वित् सेद यूरे सूद प्रमा

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1$ क्षिंयाञ्चेत्रं प्रांचर प्रांचर प्रांचर प्रांचर प्रांचर क्षेत्रं प्रांचर क्षेत्रं प्रांचेत्रं प्रांचेत

, वानुबबारा युनुयाया वा स्थापन स्थाप

इयमान्यायम् वाराचनानी रेवामान्य प्रमुद्ध हे वार्यमाया में मेरावास्य या मेराया वार्यमाया वी क्रुवाविवा हित्यार है से न

न्नाः यास्त्रराक्तेत्रात्मेत्रारान्ते प्राप्ते क्षेत्रात्मेत्र क्षेत्राच्यात् क्षेत्र क्षेत

ন্থিনম'বাধ্যম'য়ীম'র্ম্বর্ম'ব'নত্ত্

चिटःकुर्पःश्रेष्यस्त्रांभुत्रःद्वातःश्वे वार्ःचवाःदेशःश्चेश्वःवाशुटःदशा र्च्चेदःवादटःदश्यःदगादःद्ववःश्चेःश्वरःशुवाःवशः র্ভুর-বর্ষুধ্য-ঘ-থ-বর্ভুবা

म्च अन्य द्वा ता नम् वर्षे में वर्ष निरम्पति वर्षा हिर है। या नुष्य प्राप्त प्रमान्त्र वर्षा प्रमाने वर्षे व

ૢઽૢ૱ઌૹૢ૽ૼૹૢૼ૱ઌ૽ૹ૾ૢ૽ૺઽ૾ઌૼૡ૾ૺૡૼ૱ૡૼઌૹૻઌૼ૱ૡૼઌૹઌ૽ૹઌ૽૽૱ૹૹ૽ૹ૽ઌ૽૽ઌ૽૽૾૽ઌ૽ૹઌૹ૽૽ૹ૾૽ૹ૽૽ૢ૽ૡ૽ૺૢૢઌ૽ૡૹઌઌૼઌ ट्र-र्देव:कुट्र-र्सेट्र-पासुयःप्रीड्र-स्।।

केर्रर्द्धिक नुस्र सुर्ह्मित विद्यां में वार्या महिन् वार्याद्य वार्या वार्या वार्या विद्या सहित है र से स्थान में विद्या में कि साम कि स्थान है से स्थान से स्थान से स्थान से स्थान से सिन्द्र से सिन्ट्र से सिन्द्र से सि सः संदेर क्षेत्र में अपने स्वाप्त के स्वाप्

नह में इंब रेव र्यं के रेव के नव में क्रेंनव में के नव में नक्षेत्र में के नाम के नव के न चैत्रचित्रः हो भिक्ष्णीय प्रमुख्या के प्रमुख्य प्रमुख्य प्रमुख्य चित्रक्ष चित्रक्ष व्यवस्थित्। वित्रक्ष प्रमुख्य प्रमुख्य के प्रमुख्य प्र

यान्य प्राप्त के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्ध क

ह्. ब्रु. भ्रंच. क्टट. ब्री लिज.ज. ब्रूंट. क्रंची. क्रंच। ट्यान. लाचा ख्याचिष्या माजा वीट्यान विवास क्रंच। विवास क्रंच। विवास क्रंच। विवास क्रंच। विवास क्रंच। विवास क्रंच। विवास क्रंच।

मिनम्भुन्य मुन्य म

शुः च्रिट्याययार् नेपायायप्ता श्रुटा ह्रेन् । क्रिया ह्रोटा या प्रताय प्रताय प्रताय हिंदा ।

बट. टे. ग्रूटमा म्रि. पूर्टेट प्रहेष. म्रे. पूर्वे म्रे. पूर्वे म्रे. म् वे सुः सम्बेदे वटा वे प्रवास के के प्रवास के का वी सुर्याय के प्रवास के प्रवास के कि का माने के कि का माने के क र् हिन्ने हें के क्रून्य है। ये पा बिट हें दाय थे। देदार ही या बार प्राप्त के हिन्द के प्राप्त के प्राप्त के प णे। विकाचयान्यकानवान्त्रम् त्यास्य म्यास्य म्यास्य म्यास्य स्यास्य स्यास्य स्यास्य स्थान्त्रम् । विस्ति स्यास्य स्थान्य स्थान चर्नेवाबा द्रटाचें खेला स्वार्य के बाद के कि स्वार्थ के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर चकुः मर्रेन चतुर्गमः वसायन्याने म्हर्ममः चन्न दें द्वारा है से महिन्द्व वी ख्यादिर दें मूर्द र महिर चार्य वीव कि महिन प्रेम प्रेम प्रमा कृषान्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास् विष्याचीयास्त्रीयास् द्वायाः त्रित्वा व्याप्तात् वर्षे प्रमूत्र प्राप्ता वर्षे वर्षा प्रमूत्र क्षेत्र प्रमूत् क्षेत्र प्रमूत् वर्षा वर्षे प्रमूत् वर इन रिट पंडी मं रे अंट है। हैं अं श्रिव वे वे अंटर के क्या मं प्याप केर पहिंग मं है। विवर अंट में भूती अपा के प्याप प्राप्त अंदि धुपा . येवं रं व नवेट्याव्यात्र प्रांचित्र प्रांचेया येवाया स्थान स्था री. परिवायात्रेयात्रात्वेयायात्रात्वेयात्रात्यात्रीयात्रात्यात्रीयात्रात्यात्रीयात्रात्यात्रात्यात्रीयात्रीयात्रीयात्रात्यात्रीय त्त्रमृत्रित्त्रम् विवार्षास्य भेटा पर्माया प्रति स्वार्य स्वर्य स्वार्य स्वार र्थें स्ट्रा ह्र क्रिया क्रिया ह्रें वाया प्रतिया वीया प्रकृति हिंगा प्रक्रिया क्रिया च्रिया क्रिया वाया क्रिया क् पूर्वर प्राचेत्र वृत्त प्राचीत्र वृत्त वृत विराद्यायते वियानुष्य नेदर्पर ते उपापी पदिरे प्राच्याय विदाय हैना पद्यापर प्राचित पत्री हैना प्राचार विदाय विदाय बीवा खुः क्वव पुंतर्वो ने देवां यदि सु क्षें हिन् नित्तं नुसुदा वद यन क्षें वुनु बेन यन वैद्वा ।

न्तर्भवाराध्येत्राचा स्त्रीत्वा स्तर्भत्त्री स्वास्त्रित्त्र स्त्रित्त्र स्त्रित्त्र स्त्रित्त्र स्त्रित्त्र स् इत्तर्भवाराध्येत्र प्रवासिक स्वास्त्र स्त्रित्त्र स्त्रित्त्र स्त्रित्त्र स्त्र स्त्रित्त्र स्त्र स्त्र स्त्र শ্লবন্ধ র্মা

१४.२। ক্রিল্'ন ক্রুন্'স্থুঝ'নবি'ল্ল'ঝ'র্ম'নাধ্যুঝ'ন্ট্র)'প্লুনঝা

त्त्वात्त्रम् स्वायः व्यवः विवादः वि बानिट्र किर्म्बर्षान्यस्य ने सामान्य प्राप्त के त्राचित्र प्राप्त स्वर्ष के त्राचित्र प्राप्त के त्राचित्र विश्व के त्राचित्र किर्म्य किर्म्य के त्राचित्र किर्म्य के त्राचित्र किर्म्य किर्म किर्म्य किर्म किर् . जीर. मी. वांब्रच. मी. पर्यं. जावांबर सूर. वांबीर. । पर्यं र श्रीबारपूर, ब्रांब्रबार क्या. जावंत्र, त्यंत्र, वांबीर वांब्रवार वांबीर वांबिर वांवार होता. वांबार वांवार वांबार वांवार वांबार वांबार वांबार वांवार वांबार वांबार वांवार वांबार वांवार वा वस्यस्या नम्भारत्या मुन्दर्ता मित्रा मुन्दर्ता वर्षेत्र वर्षे स्वर्धन्त्र स्वर्धन्त्र स्वर्धन्त्र स्वर्धन्त्र मुन्दर् ज्ञाञ्च याञ्चन त्र निर्दे निर्दे निर्दे । निर्दे दे के जो दे यो के यो यो के यो बुवानित्रम्यम् चुवाक्ष्यं वृषा नुवाक्ष्यं वृषा नुवाक्ष्यं मान्यस्य विवादित्रम् । विवादित्रम् । विवादित्रम् । विवादित्रम् । विवादित्रम् । होनो च निर्मे अनुसर्ग निर्मे में कार्य के ही क्षेत्र निर्मे अनुसर्ग खुन समा र्ट किट किया ही सुनी सर्मे के में का ही में सहिता हो सा ब्रॅम्। ब्रुपः र्डं अः ग्रीः पर्के त्रां या सुवार्ड अंतुः नुयं वा यो वा श्री वा या प्रदेश रहे या देश परितार विवास सुवार विवास सुवार विवास सुवार हो। क्षेर् चिर विभागम् सार्चा प्राप्त हेर्न प्रचेषा की पार्च के किर में प्राप्त कर ही रावित माने के विभाग में प्रा च.श.वें-४.क्य.कुय.अर्थ.रेतपु.चेंग.वेंचा कूंट.पूर्वर.ज्याचीय.पूर्व.कुण.पू.ण.पूर्वाय.रे.चर्छा,यं.धुट,यचु.ज्य.युच्य.युच्य.युच्य.यूच्य.युच्य येगुबाही दूबायदे अंकेंबादे ने ये में नार्द् केंद्रे र उबाद वा में लुबायबा द्याय में वु तु बढ़े बाव में में माय र चू.लंब.बूज.चंच.अंध्य.तं.पंचच.तंबाँ श्री.वार्ट्ब.चंचट.तू.वोवाब.बी.क्वां.वुचे.वाबीट.वेबां लंश.क्तं.टोवंट.बीच.वाबीश.बुवां वाचर.क्यं.चंच्यं.क्वां.वंच्यंतंच्यं.वंच्यं.वंच्यंतंच्यंत्वंच्यंतंव्यंतंव्यंतंव्यंतंव्यंतंव्यंतंव्यंतंव्यंच्यंतंव्यंव्यंतंव्यंतंव ने अनुबन्धानि प्रति । के अनुबन्धानि । अन्य क्षित्र प्रति क्ष्य प्रति । क्षित्र प्रति । अन्य प्रति । अन्य प्रति । अन्य प्रति । अन्य प द्यत्यात्रम् स्वापात्रम् त्राण्यान्यस्य स्वापात्रम् स्वापायस्य स्वापायस्य स्वापायस्य स्वापायस्य स्वापायस्य स्व प्रतिक्षायस्य स्वापायस्य र्ह्मे 'थून क्षुन ने क्रून ने गोव सुन क्रिया में शुंध संवर्त ने सुने विषय द्वारा ने क्षित्र के मान के मान क्षेत्र में सुने के मान क्षेत्र में सुने के मान क्षेत्र में सुने मान क्षेत्र में सुने के मान क्षेत्र में सुने मान क्षेत्र में सुने मान क्षेत्र में सुने मान क्षेत्र में सुने मान क्षेत्र मान क्ष त्तरर्रायायात्र हीन्त्राविवायाया नेते हित्रात्रायायाळवाहीयायाचा तयवासुयाह्मन्त्री वस्त्रासुयाह्मन्त्रायायायाया ૡ૿ૢૹૻ૽ૹઌૹૹ૽ૼઽઌઌ૿ૡ૽૽ઽ૾ૢ૾૱૽ઌ૽૽ૢૺૹ૽ૹ૽૽ૢ૽૽ૹ૽ૣૹ૽ૹ૽ૹ૽ૣૹ૾ઌઌૡ૽ૢૢૡૹૢ૽૽ઌ૽ૼઌ૱૽ઌ૽ૢૺૹઌ૽૽૱ઌ૽૽ૺ૱ઌ૽૽ૼઌઌૢૹઌ૱૱૱૱૽ૺૹ૽૽ૼ कु. चुर्रा हर सू. पू. यपु. ताबार जाया चीर सुवार स्वाया कार्या है वि. तावार के वा चीर स्वाया स्वाया स्वाया कार्या के स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया દેં⁻જ્ઞુન-પંતિ નાનુશ્રશનાને નાનું નાનુન-પુત્રને સુત્રના કુંના સુત્રના સુત્ર

श्वरात्रः श्रुं ५.५.श्रुव ५.५८ मा

वराने अर्देवानेबारवृत्यां केवा चुरां केवा चंकुत् ग्री वात्रवारा यायायायाया स्वायाया हेवा वे द्वयाया वि

न्तुबाबु चेंब वृषाञ्चनाम वैन्य द्वावायायाया विनार्थे न्य क्वावाय क्षेत्र वार्य मर्दे स्थान निवास क्षेत्र विवास क्य यद्मीन् नाविकानी स्वाप्त क्ष्य स्वाप्त क्ष्य स्वाप्त क्ष्य स्वाप्त क्ष्य क्ष द्वि नर्मुन्य वहेत् न्याविन नर्मेत्र म्या सुन्य हो होत्य हे हित्य देवे स्वाप्त देव स्वाप्त होते स्वाप्त स्वाप्त होते स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स् वयः म्यास्त्र व्याप्त व्याप्त क्षा व्यापत क्षा व्याप्त क्षा व्याप्त क्षा व्याप्त क्षा व्याप्त क्षा व्यापत व् म्बिन्दिन्यान्त्राम् न्या न्या क्ष्याम् विकास व त्र विर वश्यापर तर्चुत्। जार्चुव प्राची विविधान प्राविष् पित्र प्राविष प्राची विविधान प्राविष प्राची विविधान प्राविष प देत वर वृत्त क्षेत्र या कृता ते 'ख्या चान या वान अर्थे वा त्या है वित्य प्राप्त है क्षेत्र क व्रतिवाष्ट्रियाषुं अधीयारी स्रूराश्चियां व्यवस्था विषार्यायां विष्यार्थे वार्षे वार्षे वार्षा विष्या विष्या विषया र्हेणमा नेरं मार्वत्रमिन क्रीम देश रामा मानुस्र येत्र क्रांत्र हा दिहा। नेर सुया तुं क्रित त्र मान्त्र क्रियं क्रियं सम्प्रा के स्वापन क्रिया होता है सा भीता सूर. टुची. में श्वांचर ताज. प्रेट. टे.चा चुश्वार ताजूबर हूं। ताचीय ताजुट विचा चीटा | ट्रेच बाची याजूवर विचा वाज हुची चार्च ताज हुची चार्च हुची चार्च ताज हुची चार्च च दिने वर्षे सुरा स्पान केंत्र सुरा दुन हों वा सुरा वर्ष हों या राज्य स्पान के निर्मा सुरा है वा साम स्पान से वर ॻॖऀॱॹॖऻॱक़ॕॖॱॺॱख़ॕज़ऻॱय़ॸॱॺॕढ़ॱॸॗढ़ॱढ़ढ़ॕॸॣॱय़ढ़ऀॱॸॕॖॿॱॹॖॸॱढ़ॕढ़ॱऄॖॴॗॾऻॸॱॿॕॴॺक़ॖ॔॔ॴॹॸॱॸऀॱॿय़ॺढ़ॱॴज़ॷॺॱय़ॺॱऄॱॻॊॱॸॗऀॱॿॗढ़ॱख़ॕॿॱऄऀॴॹॗॸॱ तस्व स्थाया अन्तरं स्थाया की क्षेत्र अं चर्च मा के तम् से तम् सी तम् वी तम् वी तम् तम् तम् वी के तम् वी तम् वि तम् वी तम्यम् वी तम् वी तम्यम् वी तम् वि तम् वी तम् वि तम् वी तम् वि तम् वी तम् वि तम् वना दे हे न संस्थान करा सुरावन र विवास कर्ति हो है से मार्च स्व मार्च है में से सामित में मार्च मार्च मार्च में दें वं ते विष्युत्रमासु तुर्म द्वारा विषय के विषय के विषय के स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ के विषय के स्वार्थ स्वार्थ के विषय के स्वार्थ स्वार्थ के विषय के स्वार्थ के स्वर्ध के स्वार्थ त्दे द्रम्य के का में का मान का में का मान का में का मान का में का मान म <u>बिर्म देव जिस्ता में प्रत्य के विकित्त के प्रति विकार के में के प्रति विकार के प्रति के प्र</u> देर पञ्चिता ग्रीमा राजाने किया ग्रीर क्षेत्रया नेता सुदे स्वामा धेर ग्रीमा सम्बन्धिया से स्वामा स्वामा स्वामा स द्यान् छेट् र जिल्लाकार जिल्लाकार जिल्लाकार का के पार्च के जिल्लाकार का का जिल्लाकार का जिल्लाकार का जिल्लाकार विष्णु के प्राप्त के प्रति के जिल्लाकार के प्रति के जिल्लाकार चर्यालर्चेंबर्चा अपूर्वे प्रश्नेव स्थान के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प राष्ट्रीं व प्रत्या स्थान के प्रत्या के प्रत बेश्रंबर्पिया वित्ता है। क्रिंदर् बाङ्कीवरप्यां पेंवरहवर है। क्रिंपिया प्राप्त क्रिंपिया वित्ता क्रिंपिया वित्र चिश्रुमा म्याव म्य र्वाचा क में व ल में व डिवार् बर्दे र्राट्र वर् इंस्रिट ब्र्यं वर्षा दें विदेश सहित्स्य दें र्राट्र स्थाने र्राट्य वर्षा का वर्षा कर का वर्षा व चर्'रु'अर'र्लर'या हर्ग्याया चर्मित्राया चर्मित्रात्रा तस्त्रा वास्त्रा वास्त्रा वास्त्रा वास्त्रा विष्टा वास्त्रा वास्त्रा वास्त्रा विष्टा वास्त्रा वास्त्रा विष्टा वास्त्रा वास्त्र वास्त्रा वास्त्रा वास्त्रा वास्त्र वास्त्रा वास्त्र वास त्वें त्रो ते त्रबाह्म संयो क्रिंब तर्दे त्या प्रेम तर्देव वाय स्वाप्त क्षा स्वाप्त स् बाह् अं द्वणक्षेत्र वर्षाम् वर्षेत्र न्दरं बाह्य वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा वर्या वर्षा वर् इस्रमालुम् देवै प्रतर्तुः न्नास्रवै पोसुदाधस्रमा उत् चेत्र चैसासु चुमाने विदासी द्रार्टि स्वामा सु प्रतिपासी दे विदासी स्वामा स्

चतृंच घर पर्चा वांबुद व्यायाविदा देर व्याधिर क्षे प्रवेदे व्याप्त प्रदेश चित्र प्रवेष विदेश विद्याप की वार्ष की देर खेला है पर्वेद रम् विश्वत्राचार्यात्राची वृद्यत्राच द्रित्वाची वृद्यत्राचार्यः वृत्वाचार्यात्राची व्यवस्य स्वाचार्यात्राची वृद्यत्र स्वाचार्यात्र स्वाचार्य स्वाचार्यात्र स्वाचार्यात्र स्वाचार्यात्र स्वाचार्यात्र स्वाचार स्वाचार स्वाचार्यात्र स्वाचार स्वाचार स्वाचार स्वाचार स्वाचार स्वाचार स्वाचार स्वाचार स्वाचार स्वचार स्वच यीट्यासु क्रियाच्यासुर्वे त्यां अत्याद्रे प्राप्त हिंदी स्वाप्त क्षेत्र त्या प्राप्त क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या प्राप्त क्षेत्र त्या त्या विष्त क्षेत्र त्या ्रव्याययार्थे प्रवेति स्वाप्ताय विष्या विष्या विष्या विष्या प्रवेति । यह स्वाप्ताय स्वापताय स्वाप्ताय स्वाप्ताय स्वाप्ताय स्वाप्ताय स्वाप्ताय स्वाप्ताय स्वापताय स्वाप्ताय स्वाप्ताय स्वाप्ताय स्वापताय स्वाप्ताय स्वाप्ताय स्वापताय स्वापत ૡૢઽ੶૱ૹૢૣ૱ૢૹૣૻૣૣૻૻૻ૽૱૽ૻઌ૽૽૱૽૽ૢ૽ૺ૾ૺઽૹ૽૽૱ૹ૽૽ઌ૽૽૱ૡ૽ઌૢ૽૽૽ૹ૾ૼૹૹૢઽ૽ૡૢ૽ૹ૱ઌૹ૽૾ૢ૱ઌ૽૽ૡ૽૽ૡ૽૽૱ઌ૽૽ૢ૽૱ૹ૽૽૱ૹ૽૽૱ૹ૽૽૱૱૱૱૱૱૽ૺૡ૽૽ यो होयों पर्यो रूप अपन्य अपन र्श्वेपायार्टे के न्यायार्या द्वारा हुन कुन के के पर देन के के के के विश्व के अया वाला का विराध के विश्व के विश्व पर के विश्व के ૹ૾ૢ૽ૹૻૻૹૻૹ૾ૢૺૢૢૢૢૢૢઌૻૻ૽૽ૢ૽ૢૢૢૢૢૢૢૢૢ૽ૢૢઌૻૣ૽ૹ૽ૢ૾ૺૹ૽ૣૢ૽ૢઌૻૡ૽૽ૢ૽ઌૻઌ૽૽ૢૹ૽ૻઌૻૹ૽ૺ૾ઌ૱ઌૺૡ૽ૼ૱ઌ૽૽ૺઌ૽ૺઌ૽ૹ૽ઌૡ૱ઌ૽૽ૢ૽૽ૹૻૼઌૹઌ૽ૼ૱ૹ૽ૹ<u>૽ૼૡૼઌ૱ૹ</u>ૹ૽ઌ૽૽૱ त्तां मुंचीत्र मुंदा स्वाय मुंदा स्वाय मुंदा स्वाय मुंचा स्वाय स्वय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वय त्देन ग्री क्षेत्र क्षेत्र भ्राप्त केषा भ्राप्त केषा भ्राप्त केषा में स्वर्थ में स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर् ब्रवं यं के प्यार नर्रे ब्रुं मुर्न वर्षे मुर्न वर्षे मुक्त क्रिंट क्रिंट वर्ष वर्षे मुक्त कर मुक्त क्रिंट क्रिंट क्रिंट क्रिंट क्रिंट के स्वार मुक्त क्रिंट र्वाश्वर । तात्रास्वायाची र्लेब प्रेव हेवायाचीर प्रता केर शे वाश्वर । तवाद बिवा बिवा र्स ता वाश्वर या वीर र तह वारा प्रता बिवा हे स्वार स्वार है स्वार त्वाप्टीत्यं प्राचीक्षण व्याक्ष्यं भ्राम्यक्षय्याम् विविद्यायाः विविद्यायः न्तुं ग्रेंद्र ग्रे के के के कर संसं बुं न सुयाया | क्वां कंदे न्याय क्वां न संस्वाय मानवा वाय के मानवा मानव <u> श्रेमायहर् , श्रेच स्पाप्त प्रमायम् त्रमायम् स्पाप्त स्पाप्त स्पाप्त स्पाप्त स्पाप्त स्पाप्त स्पाप्त स्पाप्त</u> स्पाप्त स्पापत स् ग्यूट्बासु केंबा मुद्री र्सेच प्रदेव प्यट मधेट पर प्रविद्यान बार्चित के स्वाया महार के प्रवास स्वर्ध में विद्या पर से कार्य कार्य का स्वर्ध के स्वाया स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्ध ब्राह्म देश त्राप्त क्षेत्र प्राप्त कर्म क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त कर्म क्षेत्र क्षेत द्ये इस्रम्पन्न र्ह्मणाची र्ह्मणाया महिर र् सुमा विदारी रे र्पे रे र्पे प्रमान प्राप्त प्रमान स्वाप के महिर र् र्वेत्रपान्वे हिन्यू देव सेर् देव में मुद्र मुद्र में मु रम् की स्तर्भ भिष्ठिन सर्दे क्रियेन नम् के देश राम्त्र न निष्य सर्दे निष्य सर्दे हो प्रक्रिया के स्वार्थ के स्व गुव-नगरा यळेंना ने वे हो नित्व श्री नित्व श्री नित्व श्री नित्र हैंन ने स्वा ने हैं र्श्वेन स्वा विवा में भ्रा संकेत के स्वा ने के से मान से स्वा ने स्व ने स्वा ने स्व ने स्वा ने स्व ने स्वा ने स्व ने स्वा ने स्व ने स त्दैने त्यं विषाचित्रं राम्यूर्णकार्यानाहेने पाने विद्युत्यात्रे दिने पाने के के त्ये प्रायान पाने हिन ति है व नाम है व विहिट वि चर्च हो चर्ते हा या वस्य वर्षे विषय श्रे चहे च स्ट्र स्टूट प्यट हाया व स्ट्रीट पर हो च वस्य श्री कर व न्यगानु अन्या रहीन परि ज्ञामा ही र हिंग प्रमाण कु केव ये सामान्य प्रमाण विषय हैं सामान्य के सम्माण केवा प्रमाण ૹૢૼૹ.ઌ.૮ૹ.ઌ.ૡ૾ૺ૱ૹ૽૾૮.ઌ૮.ૹ૿ઌ૽૽ઌૣૹ૾૾ૺ૾૽૱ૢ૽ૺ૱૱ઌઌઌઌૢ૽ઌૢ૱ૹૺ૾૽ૢ૽ૼ૱ૹૹઌઌૢ૱ૹઌઌૢ૽૱ૹ૽ઌ૽ૹૹૡઌઌઌ૱ઌઌૢઌૹૢૡૹ पश्रिट टें। क्रिया चक्रुट सुर्वा पति सुरा इसारा पश्रिस क्री मिन्य स्त्री।

११.५ वि:होर्:नक्रुर्:म:ही:सदे:स्ननम्

इ.ज.परिविट्याय्यायाच्चीट्र क्रि.स.च्यु.त.क्र्यू.झजाजायाचेवाया। इ.ज.परिविट्याय्यायाच्चीट्र क्रि.स.च्यु.त.क्र्यू.झजाजायाचेवाया। इ.ज.चयायाः श्रीयः क्ष्याः यायाः क्ष्याः च्यायायाच्चीयः प्राप्तः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वाया स्वायाः स्वाया स्वायाः स्वाया

च्चेत्र रादी क्षा यके द गासुय पेर्द रा यस

के प्राप्तेशन्त्र ते के बन्तर प्रमुख्या है जिसके के के प्राप्त के प्रमुख के प्राप्त के प्रमुख के के कि प्रमुख कि प्रमुख के कि प्रमुख कि प्रमुख के कि प्रमुख कि प्रमुख के कि प्रमुख कि प्रमुख के कि प्रमुख कि प्रमुख के कि प्रमुख के कि प्रमुख के कि प्रमुख के कि प्रमुख कि प्रमुख के कि प्रमुख कि प्रमुख के कि प्रमुख कि प्रमुख के कि प्रमुख के कि प्रमुख के कि प्रमुख के कि प्रमुख कि प्रमुख ब्रेबर्स् नेबर्न्न मुन्त ब्राह्म वर्षा वर्ष कर्म के वर्ष कर्म के बर्म \hat{g} . \hat{g} . की प्रियः कुं . जाया क्षेत्र के प्राप्त कि कि प्राप्त कि त्रमा मानम् त्रमानम् स्वत्त्रम् स्वत्त्रम् मानम् स्वतंत्रम् ववःक्रणबाके नरं अह्ना देराकें प्रवास इसेबा की बाबुबा के हिन्दारा साधित में बाबून अर्कवा की विदेश हो में प्रवास देन न निम्नामा नर् निम्न न मान्या मान्य निम्न मान्य निम्न न निम्न मुं तर्रेयः तथा स्तान्त स्याने स्वाने स्वाने स्वाने स्वाने स्याने स्वाने स्वाने स्वाने स्वाने स्वाने स्वाने स्व दॅटा अर्देवं पत्रे खुव पञ्चन क्षेत्रांवां देटांचेठ्वायां नाववा देते त्तुंचे केंबाया येटा क्षेत्रां हैं। यांचा व ह्या क्षेत्रं प्रेर्वेत् पर्वतं क्षेत्रं त्या स्वाम क्षेत्रं के के प्रेर्वेत क्षेत्रं प्रकृति के त्या चूर्रियात.र्ट. । एथेश्रीतपु.शीय्रा.शी.र्वे.ता बीच, व्रच.रट्यामीच. ए.वियायाड्ट. कुर्य. सूर्य मार्थेश हिया से इ. यूपु. यर प्रवियायात्यात्रात्या ૾૾ઌ૾ૢૺૹૻ૽૾ૹૄઌૹ૽૽ૹ૽ૢ૾ઌઽૢ૽૽ૼ૱ઌૹૹ૽ૢૼઌૹઽૣ૱૽૽૽૽ૡ૽૽ઌ૽૽ૹૢ૽ૢૺૢઌઌ૽૽ૹ૽ૼઌૹૢ૽૽૽૱ૹ૽૽૱ૹ૽૾ૢ૽૱૽ૹ૽૽૱૽૽ૹ૽૽૱૽૽ૹ૽૽૱ઌઌ૽૽૱ૹ૽૾ૺૹ૽૿ૢઌ૽ૹૹૢઌ૽૱૱ दे.यय.देवेय.ये.ब्रेच्ययं वर्द्रे, खेव्या लच्चेव्या लेय.देट्यावेदेट.त्र.ल्ट्व्यत्यां भ्रीत्येश्चीयां स्थाप्तयां ये.वर्षेट्याराः यो लयंक्ष्य त्यास्वायां प्राप्ति की सार्चे सार्याच्या प्राप्ते स्वाप्ति सार्वे सार्वे त्या स्वाप्ति सार्वे यहिता दे छ्वेत कर त्र व ज्ञान या वार्य व प्राप्त व व प्राप्त के प् हैं खेब पर्झें पार्स ने ने प्रतिबंदिन पर्दर बिया से पास करा के बहु के समित्र पर ग्रंमिया के मित्र मित् ष्वितायरायात्रीचा वर्जेन् वर्जेयाव्याचात्रीयात्र्वायात्र्यायात्र्यायात्राज्ञायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्र नुष्यत्वरःश्चीःशक्ष्यः वर्ष्ट्र्याश्चरः श्चेत्रः श्चेत्रः श्चेत्रः श्चेत्रः श्चेत्रः श्चेत्रः श्चेत्रः श्चेत्र त्रियः त्वरः श्चीः शक्ष्यः वर्ष्ट्र्यः श्चेत्रः श्चेत्र यो.य.वय.तपु. रूपे किया तपूर.पर्यं क्षेत्रा व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्था विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश्वस्य विश् लूटे इर व्यक्तान्तर पङ्का विचाय किर्मेट के विकार क्षेत्र प्रकृत प्रमुख्य प्रमुख्य के प्रमुख्य के प्रमुख्य प्रमु

. વૈજ્ઞ. તેલું વ.તગૌર. ત્રેન્ન. તથા પૂર, તેનુ અ.વ. વેર. જૂના લેવી. જો ક્ષ્યા છે. લેવના ફેવી. તુરે તાનું સુરે તાનું વોષા તર હી. ગુર. વેશા લેવી ય. <u> ब्रेन्-ब्रेंक् दे-र्रेक मन्यक प्रते क्ष्मे अस्यक लेको अनु पर्य के लिक अप क्षेत्र के देने वित्र ब्रेक् के प्र</u>कृति के स्वाद्य स्वर्ण के स्वर्ण क क्षेणवार्याणांबुयानक्षुंना वें खणवं प्रास्तं याण्वेत् प्रति जित्यवार्या स्ति प्रति प्रति प्रति विवास्वादे रेवा संजानेवर्ण हिवास्य ૡ૽૽ૢૼૺૠ૾ૢ૾ૢૢૺૹ૽ૼૺૢૼૼ૱ૹ૽૽ૢૼૺૼૺૼ૱ઌ૽૽ૺ૾ઌ૽૱ઌ૽ૼૺઌ૾૽ૢૼ૱૽ૄ૿ૹ૽ૹઌૢૹૢઽ૽ઌ૽૽૾૽૱૱૱ૹ૽ૣૼઌ૽૽૾ૢૼઌૼ૱૽૽ૡ૽૽ૢૼ૱ઌ૾ૹ૾ૢ૽ઌ૽૱ઌ૽૽૱૽ૺૹ૽૽ૢ૽ૼઌ૽૽૱ૹ૽ૺઌ रि.चूर्य-त्रम्यम्यम्प्रम्यान्त्रम्य विष्टेर् मुर्ज्या मान्यम्य स्त्रम्य स्त ठॅंद्र गंदर है। दे र दर हिंद यं दि हैंदे या अवंब के बावबाहर य र हुंद चेद ग्रुट के दे दें गुब्द । दे दब के सका शुन्व के शिव का श्री सुवाय कि वा स्व ्रम्तुरं सहर् पंचा श्रुवं किय की भारे । श्रुवः वे विकार वे स्वार की प्रविकाषित ते विकार में स्वार के स्वर के स्वार के स चेअषायां श्चापठन अर्द् वषा नुअषा सुन्तर प्राप्त प्रथा स्वापा प्रति है तुषा स्व निवास ते है ति स्व निवास ति स्व निवास ते है ति स्व निवा चे नब खेश श्राप्त भी ही र व र्ट्ट्सर भी देश खेर खेला प्रीचे प्राप्त के विषय के स्वाप्त के स्वप्त के स्वाप्त के स्व क्षेत्राचरवाबायह्न,त्रार्युलाचा भ्रमित्रात्रायह्यात्रीटावलायह्याचावीत्रायद्वाचायाय्यायहिटाचारवयाय्रीकावायायाय्य क्र्यायात्रीय, त्राष्टियेत्र अर्थि हिर्जाक्र्याये स्वात्र प्राप्त प्र प्राप्त बेब कें लाइ लाव कें रायते हैं रायते हो या विवा गुर्मा विवा निराम्वी होवा परा हिया विवाद हो हो विवाद हो हो हो है विवाद हो है विवाद हो है विवाद हो है विवाद है त्वा इत्रायक्षणयते स्वराये वात्राया कर्ता ने वे वात्राया कर्ता क्षेत्राया क्षेत्र विवाद स्वरायक स्वराय क्षेत्र इता इत्रायक्षणयते स्वराये क्षेत्र स्वराये क्षेत्र स्वराये क्षेत्र स्वराये क्षेत्र स्वराये स्वराये क्षेत्र स्वर रेव'ळेव'क्सर'प'श्चव'इरब'पॅदे'ळे'दे'क्श्रव'ग्री'वियापक्षर'र्श्वेव'पंब'देवे'ळे'हे'वे'दरअह्या श्वव'र्शेट'गी'पक्चद'प'दे'ऄद'ग्र्शुअ'ग्वदा विद्'वी वियं त्रवा केंबायदी याद्यदां यां विवास मित्र हुं अदा च्या यांत्री दूर् युया दुं मुंचु के बित्र वे मुंच ला. क्रुच्याचार ते व्याप्त क्रिया क्रिया क्रिया त्या व्याप्त त्या क्रुच्या व्याप्त त्या क्रुच्या व्याप्त त्या व्यापत त्यापत क्रवायां यर दे. याया मुस्ति क्रिया विया है स्वया है स्वर है जैनया ना व कर देश ने क्षर देश है वा अवर से सुँव की याया व न्त्वात् विन श्रुवात्ती श्रुवात्ती के भ्रुवा मानवारी या श्रुवात्ती श्रुवाती श्रुवाती श्रुवात्ती श्रुवाती श्रुव पर्या दर्भा सेट में मेर क्रिं की क्रायन पर्याप के मार्थ हो सम्बद्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स चंचकार्द्वी क्षेत्रात्मार्केषाकार्या ह्युकार्केषा क्षेत्राकष्णिते अपति स्वति स त्रियो. तत्र प्रस्ति क्ष्याया क्ष्याय क्ष्याया क्ष्याया क्ष्याय क्ष्याय क्ष्याय क्ष्याय क्ष्याय क्ष्याय क्ष्याया क्ष्याय क्ष्याय क्ष्याय क्ष्याय क्षया क्ष्याय क्षय भूरो नह,गू.सेपु.यर्बेबतरपुँ भूरो बूचान्,शर्म् हैपु.म.जीवाबार्येट्नेव्यत्ते.वीचटी भी.शर्पे.विप्रत्ये,पुँचाच्याव बूचाबातबाक्रियानिवाबातु,भूरो बूचान्,शर्मे हैपु.म.जीवाबाक्री,रू.से.टेट्री सिर.कुव्,क्री.त्याप,क्रु.जीपु.भूरो सिर.केट्राची.त्याप.मिरामेश्व चबु.कूबी चक्.चड़ी विच.पहूंची श्रेंबे.चश्चेर.लेंबाधूर्य झ्यारेहूबब.श्रेंस्.लेबाबा पर्क्र्य.कुँचूब.हुंब.चुंबाब्य.व्यंबी क्.चीश्वेंबात्त.ता. च.कुचे.वैंटा। जू.श्रंबार्थे.क्.ब्रेंबेव्य.चश्चेंय.चश्चेंय.झूच्.टेत्ब.सू.झै.चेर्व.हर्य.सू.विच.श्चेंव्य.झूच्य.स्व ञ्चरं गर्ठेग् तृः यस नेश्वरं सहित्। र्रो स्परं यो न्ने वर्षः वी दिर ने दिन स्थाने स्वर्धानित स्वर्धानित स्वर्ध इ.सिट.२. परी. इ. पश्चेपयातपु. परी. इया. मुच. हुया. पूच. हुया. प्राची प् बह्यावेषाविंदान्नुवाचकुत्याचार्भेत्रायाववाद्गायाच्यायाच्याच्याच्याकेत्राच्याचेषा चित्राच्याच्याचेषाच्याचेषाच्या

यार्ट ब्रैट्याययायर्ट अर्क्या क्षेत्र क्षेत्र होत्य प्रति स्वात्य क्षेत्र होत्य प्रति स्वात्य क्षेत्र होत्य प्रति विषय होत्य मुक्सा मून्येत स्वर्धित विद्या महित्त हैं मिन्य हैं निविध्य मिन्य सक्त संभित्र में अपना स्टार्स मुक्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स् सक्त संभित्र स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स् धीन् अपने प्रति संवे प्रति प्रति वह वार्षा प्रता प्रति विश्व के वि चीयात्त्रियात्त्र्यस्य प्रत्यात्त्र्यस्य प्रत्यात्त्रस्य प्रत्यस्य प्रत्यात्त्रस्य प्रत्यस्य प्रत्यस्यस्य प्रत्यस्य प्रत्यस्य प्रत्यस्य प्रत्यस्यस्य प्रत्यस्य प्रत्यस्य प्रत्यस्यस्यस्य प्रत्यस्य प्रत्यस्यस्य हुरं नं ह्रें ह्रेंट में क्रेंन महेर अने मंपर मार्थियं हमें महिरान है महेर में स्वरंप के महिरान है महेर ही मिल हैन बु. भूच. य. धेवाय ईयावीबर. । जिस. क्र. किंव. बु. में यावीय हो। ब्रिंस. क्रय. बु. मुंच. या.सू. चयार गूचा । र. भू. त्या क्रय. बु. में यावीय हिया શ્રુવ-દિ-તાશ્રુ-તાશ્રુ-તાશું કો દિયાન-કુયાનું કુયાનવલ શ્રુખી કિ. શ્રુવ-દા-હવ-શ્રુખી શું વનય ભાવદ્યા કિ. વન્યાનુ यर्थितपुर्णम् स्वीत्राम् वित्राम् स्वात्राम् स्वात्राम्यम् स्वात्राम् स्वात्रम् स्वात्रम् स्वात्रम् स्वात्रम् स्वात्रम्यम् स्वात्रम् स्वात्रम्यम्यम् स्वात्रम् स्वात्रम् स |५-क्र्यः चर्-क्रें:चर्-क्रें:ब्रेट्-प्रांग्||धे:वो-य-द्वांबर्-प्रांधे:पूर्वांक्ष्यः प्रांधे:प्रां ंबंगुर-न्नर्षायम्। न्नु-ब्रांबदयः मूर्प-यं क्षेर-बर्द्ध-देश-विक्रियः क्रिक्यनेतुः यः बर्द्ध-यः मूर्य-विक्रुन् खेः विदेशमायः बर्देर-व-दर्द्धन्यः बुट्। वायाने खन् गुट् र्झवा अर ब्रिन्ळ र पर के क्रिंट पर या बुर यो वो प्यक्ष सेटबा नेर हे वु तही या त्र्वा वा व ब्राय क्रुन पा वानन परि यो या अॱहेर्। हर्णयर्ट्यस्त्रात्त्रे स्वाधित् त्यं वर्षात्रात्रे स्वाधित् त्यात्रे स्वाधित् त्यात्रे स्वाधित् त्यात्र चर्णात्र अःह्वेत् त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र स्वाधित त्यात्र स्वाधित स बज्रा सिन्द्रव, छूब, त्राक्ता त्रवे क्ष्या त्रवे विज्ञाय प्रवेश विज्ञाय प्रवेश हिंग विज्ञाय हो। विज्ञाय क्ष्य विज्ञाय क्षय विज्ञाय क्ष्य विज्ञाय क्ष्य विज्ञाय क्ष्य विज्ञाय क्षय विज्ञाय विज्ञाय विज्ञाय क्षय विज्ञाय विज वर्देन यं बर विवास में विकास का में के किया में |प्राप्त अर्था हुन । विकास के प्राप्त के प् देर किंचेंब ग्रुट पशुट या किंदा बर पाइट वेंबार प्रविश्व के प्रित किंदी हैं के दिन प्रविश्व के बिला के प्रविश्व नंग्रान्याया चुर्याया व्याप्याया चुर्याया या प्रतिवाया वे या के या वे या व चरेनामा द्रवार् कुपार्ट्य निवार के इस भी रह्म स्वार्त है कि जिस में से स्वार्थ के प्राप्त के स्वार्थ के स्वार् ज्यायां में यात्रां त्वराष्ट्रयां यीया निवर्ण वाया यात्रयां में यात्र श्रीया यात्रयां भीत्रयां भीत्रयां में प्रतिवर्ण वार्ष भीत्र विक्रियां यात्रे में प्रतिवर्ण वार्ष भीत्र विक्रियां यात्रे में प्रतिवर्ण वार्ष भीत्र विक्रियां वाया विक्रियं विक्रियं वाया विक्रियं वाया विक्रियं वाया वि थान्कुन्यं नर्ण्यं नर्ण्यं नर्ण्यं प्रत्यं से त्यां से विष्यं तक्ष्यं त्यां के त्यां से त्यां इत्य श्रेनम् नर्हेन मुंश के द्वारा के श्रेन्द्र में के स्मान के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्य के स् र्मण क्षेत्र यो ब्रीत जात्र प्राप्त के प्रमुख्य कि पर्म प्राप्त के प्रमुख्य के यहरी हे.व्यार्त्तवाकृष्यं वाव्याकृत्या हे.व्यायगाय चक्कित्यी वायाय वायाय वायाय वायाय वायाय वायाय वायाय वायाय व मते के न्याम ने ब में के न्या के या ने या विकास माने ने माने माने के निष्य माने के माने के माने के माने के मान पश्चिर्यक्षेत्र, युं स्वाक्ष्य, क्षेत्र, क्षेत्र, स्वाक्ष्य, स्वाव्व, स्वाव्व, स्वाव्व, स्वाव्य, स्वाव्

त्रष्टुत्य विवायमायान्व माधुव रेट न् अह्न या धेव र्वे। ब्यानेयार्न्याचीनार्ना श्रीत्राचेत्राकेषाची स्ट्रीत् वित्राचेत्राचीताः वित्राचेताः चित्राचेताः चित्राचताः चित्राचताः चित्राचेताः चित्राचेत ब्रेन्द्रिनः अस्ति । त्राचार्षा व्याप्त । त्राचार्त्य व्याप्त व्याप्त । क्षेत्र व्याप्त । व्याप्त व्याप्त व्यापत्त । व्यापत्त <u>ફ્</u>ર્મન કે. ગ. ક્ર્યા નેલિટ. તાલી જા. જૂ નેલા તારુ . કેરે. જૂ. જો. તાલી તાલી નેલા કરી તાલી જો. જો. કેરેટ. કીવ. तपुः चौ. सूर्यात्राच्यात्री प्रचटा कुर्यात्रयात्रायाः सार्यात्रयाः स्वयायाः स्वयाः स्वयायाः स्वयायः स्वयायाः स्वयायाः स्वयायाः स्वयायाः स्वयायाः स्वयायः स्वयः स्वय होतान्त होतान्त क्षेत्र क् ख्यायारायाचेरा द्वाराक्षेत्रक्षेत्रम्याक्षेत्रम्याद्वारायाचेरम्याद्वारायाचेत्रम्याद्वारायाचेत्रम्याद्वारायाचेत इत्याद्वारायाचेरा द्वाराक्षेत्रम्याद्वारायाचेत्रम्याद्वारायाचेत्रम्याद्वारायाचेत्रम्याद्वारायाचेत्रम्याद्वाराय यां बुद्रा ब्राम्मं स्थापंत्रियं त्यायहिषा हे स्वर्दे द्रां प्रत्याय के संयानियां मात्र देवे प्रत्ये स्थापंत्र स्यापंत्र स्थापंत्र स्थाप सद्यः मुक्षः सुः हे वा हे व राज्यातः हे व रह्यः प्रत्रः शुक्षः मुक्षः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वा सद्यः मुक्षः सुः हे वा हे व राज्यः हे व रह्यः प्रत्रः शुक्षः मुक्षः स्वात्यः स्वत्यः स्वात्यः स्वात्य सट.टे. तश्चेला स्वाविवास लाल्या स्वाविवाय स्वाविवाय स्वाविवाय स्वाविवाय स्वाविवाय स्वाविवाय स्वाविवाय स्वाविवाय सहार्य प्रमाविवाय स्वाविवाय स्वाविवाय स्वाविवाय स्वाविवाय स्वाविवाय स्वाविवाय स्वाविवाय स्वाविवाय स्वाविवाय स् ब्रम् द्वास्त्राक्ष्णां स्वास्त्राक्षण्या स्वास्त्र स्व लारे व र्रो के ते स्नायन्य मुंजाविष्याय ने ते वित्र प्रमेष विष्य रामका प्रमास अकेंद्र प्रते सुष्य हिन प्रमा ह अही व ही सुष्याया नना नवि नहु ह नवि य य सम्म रूप्योवि य परि के परि के

यहेव पति निर्देश विष्या विष्य देव रिकंट के निर्देश के निर्देश विषय के निष्य विषय के निष्य विषय के निष्य विषय के

दे.ज्ञातिष्वेता, पुष्या, पुष्या, पुराने क्षेत्र क क्र. भीवा वा . जू. पा अंतर के पा अक्ष व . पे . जू या अप वा प्राप्त के प्राप्त के . जीवा वा क्ष व . जू व . जू व न्दः इत्यत्वर्ष्ठनः वोश्वर्याद्रवाद्रवाद्यात्रेवा श्रुद्धा वे प्यनुद्धार्यात्र प्रविश्वर्यात्र स्वर्यत्र स्वर्यत्य स्वर्यत्र स्वर्यत्यत्र स्वयत्यत्र स्वर्यत्यत्यत्र स्वयत्यत्र स्वयत्यत्यत्र स्वयत्र स्वयत्यत्यत्यत्र स कूवार्टात्म्हेर्वावेश्वात्तात्वात्त्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्र्यात्त्रेयात्र्यात्त्रेयात्र क्षेत्राच्यान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत् देवायराचश्चेता श्चायान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्व स्वायराचश्चेता श्चायत्वेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान्त्रेत्वान् वैषायदी मि.श्र. श्रीयाञ्चिताश्ची श्रीयाश्चार्यपा, पि.श्रीयाम स्थाया श्ची प्रीयोपाय प्रति प ब्वेंबावबां सुबास्य प्राप्त हो त्या प्रति हो वाचि वाचे वाचे वाचे वाचा प्रति हो त्या सुवान का वाचा प्रति हो वाच चक्रेव मं वें अंग नर्गे मा ग्री मा वर्ष में प्रति क्षें ना प्रेम क्षेत्र में भूते हिंग नवा वर्ष क्षेत्र में प्रति में प्रति क्षेत्र में कि कि कि कि कि चर्नाम्हे रेश्यानु नात्रुवं न्यान्य प्रमान्य प्र ॴ॔ॸढ़ॱॸॣॕॖॺॱख़ॴॺॱॺॖ॔ॱख़ऀ॔॓ऺऺऺॸऺज़ॣऺॺॱॴॿऀढ़ॱॿऺॺॖज़ॻॿॖऀॿॱज़ज़ॎढ़ज़ॸॱॸॺॱॾ॓ज़ॗॺ॔ॱॿॎॸॱॸॸॱॱॼॺॱॿऀढ़ॱऻॱऄ॔ॿऻज़ॗॶढ़ॱॿॕॴॹॗड़ॱॿॣॴॹड़ॸॱ सुर तुर्वे खुंग्ना क्वा वर्षे क्वा वर्षे स्था पर्वे क्वा के कि स्था कि कर हिया तुर निवास के न त्तर् न्याद्रात्रं त्यंदर्गं हें त्वुअन्तर्यं चुंदर्यकाराया स्टूर्या अन्तर्भे कार्यां सुद्रात्र्यं के अर्थे व म्बैताराजारुवायात्राक्ष्यात्रवर्षेत्रा परीयाळ्यातरास्वायायीका वर्षात्रात्रवर्षात्रात्रेत्रात्रीता देवाया वर्षात्रा न्निभीलानम् भीत्रात्वम् स्वीत्रात्वम् स्वीत्रम् स्वीत्रम्यम् स्वीत्रम् स्वीत्रम्यस्यम् स्वीत्रम्यस्यम्यस्यम्यस्यम्यस्यस्यस्यम्यस्यस्यस्यस् चर्तिः द्वा न्युन्यः व वर्षे त्यात्वा वर्षे त्यात्वा व वित्रा व वित्रा व वित्रा व वित्रा व वित्रा व वित्रा व व र्नुंन्वरं वर्भुर्न्वते छे ज्ञासन्य प्रस्ति वर्भेन्न्यते संस्पृत्य स्त्री स्त्रा प्रस्ति स्त्री स्त्रा प्रस्ति स्त्री स्त्रा स्त ट्ट्'व्यायदें गुय्या शे हेंगायर शुर्रा हेव तहोया शे विट्यार यह मुत्रा विद्या महित्य महित्य हैं मा यह सही के शुर मा विद्या महित्य के स्वाप मिनेपांबाके के दें पानेपाबापित शुर्दे के दें प्रीट प्रवासित मिनेपाबा के दें प्रीट विशेष के दें प्रीट प्रवासित के प्रवास के दें प्राट के प्रवास के ૽ૢૼૡ૽ૺ૾ૹ૽૽ૹઌ૽૽ૹ૽ૢૹ૽૽ૢૢ૽ૢૢૢૼૹઌ૽૽૱ૡ૽૽ૡૹૹ૽૽૾ૢૼઌૣૹઌ૽૿ૢઌ૱ઌૹઌૣ૽ૢૼઌૢૼ૱૱ઌઌઌઌૢૼૢ૽ઌૢ૽ૢ૽૱ઌઌઌ૱ૹ૽ૺૡ૱ઌઌૹૻ૽ૢ૽ૡઌૹ૽૽ૡ૽ૼ૱૱ क्रेव-स्.पूर-तर-परेवा.व्.वी.वी.बी.वी.वी.वा.इ.च..वु.व..तर-क्षे.ट.व..क्री.ब.वू.व..क्षर-त्रक्ष.क्षे.क्ष.त्र क्षे.वी.तर-क्षे.वी.ट..व.चे.वी.वी.वा.वा.वी.वा.वा.वी.वा.वा.वा.वा.वा.वा.वा.वा.वा.व ૄ ક્રૈદ્યાનું છે. ક્રીય ત્યાની નું તા તું સી. તે દાધીના યા. જીવા તારા સેવા છે. ક્રિયાન તા તા તા તા તા તા તા તા ૽ૣ૾ૼ૽ૼૡ૽ૺૼૺૺૺૺૺૺૺઌઽ૽ૹૢ૾ૺૻ૽૽ૢ૽ઽૡ૽ઌ૽ઌ૽૾ઌ૿ઌ૽૽ૹૻ૽૽ૹઌ૽ૢૼ૽ૹૢૼ૱ઌ૽૽ઌૣ૿ૹૢૻઌ૽૽ઌૢ૿ૼઌઌ૱ઌ૱ઌ૽૽ૹ૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૡ૽ૼઌૺ૱ઌૡ૽૽ઌઌ૽ૹઌ*ૻ*ૹ૽ૼ૱ भूरे. वर्षेत्राक्षी. भीत्रात्ते व्याप्त स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्व युर् व्ययं कर् याष्ट्रेयं तया हिन् क्रि. र विन् र प्वत्या मुन पर्यं हुन र विययं प्रत्या क्षेत्र विव्ययं स्थान त्यात्र हिन्द्र प्रति व निष्या व निष्या क्षेत्र व निष्या क्षेत्र प्रति व निष्या क्षेत्र प्रति व निष्या क्षेत्र द्रवा क्षेत्र हिन्द्र प्रति व निष्या क्षेत्र व निष्या क्षेत्र व निष्या क्षेत्र प्रति व निष्या क्षेत्र प्रति व व प्रति क्षेत्र क्षेत्र प्रति व निष्या क्षेत्र व निष्या क्षेत्र क्षेत ब्रेब प्रश्चेन में अप्राप्त कर बेर से प्रश्चेन प्रश्नेन प्रश्नेन प्रश्नेन के प्रश्नेन के किए के कि का प्रश्नेन के कि

अट.ट्रे.वोबटा बि.वोश्वेत्र.त.ज.वीय.ह्य.अ.जूट.ड्रे.इ.ज.स्वोब्य.त.लट.वोट्यब्य.तब.हूब.तट्यह्टी ब्रे.यब्दी व्यव्येत्य.यट.वी.ब्रब्य.ब्रेय.व्यः ज.स्वो.श्रु.वी.पर्येज.यःश्चेज.टे.ह्र्य.तब.क्य.य.पुर्य.त.कु.धेवोब्य.अध्यत्य.त्वेत.जूट.श्च्र्या क्य.व्युट्य.यट्टी ब्रेय.व्युट.वि.व्यव्येत्य.व्युट्य.व्यय्येत्य.व्युट्य.व्यय्येव्यय्यः ब्रु.व्युट्येन.त.ज.क्र्रे.जिटब्य.टे.ज्य्य.क्य.ह्य.व्यय्वेवय्यः क्रि.ट्य.व्यय्यव्ययः प्रत्यः व्यव्ययः व्यव्यव्य चर्रत्वियाचित्रम् विक्रम् विक्रम् विक्रम् यास्त्रम् विक्रम्

पस्रेर्चे.वाबूजाजार्यः थे.वीर्ते। पद्मः विर्यायिश्वायः विर्यायः विर्यः विर्यायः विर्ययः विर्यायः विर्यायः विर् निवार्देर् युष्याच्येत्रेत्राप्तराहेर्याचा वास्त्रुर्वे वीषाकृत्यो वास्त्रेत्राच्यात्रेत्राच्यात्रेत्राच्यात्र चर्चित्रमान्ध्री अदि क्रेंत्र अप्यापान्ती हित्यदि क्रेंत्याचे मुच्या प्रदेश हुन्य पर्याया मुज्य है। अद्राध्य अ राजानेत्वानायते र्येदान्द्राययो हेर्त्येद्रा यां सुंबाहु स्नियां देशे होना हिर्मा हे द्राये देशे देशे द्रायेदा स्मित्र स्निया है स्वावीय स्वाव मठिमायंद्री श्रुपाया यहंदी स्पान्छ प्रवेश या भारते वार्या के प्रविभावीया भारते हैं वार्या यदि । स्पान्य स्वर्य

यदिव सर प्रविवास है यदिल है के कर पश्चित्सा

ૄ૾ૢ૽ૺ૱૱૽ૺૣઌઌૹૢ૱ૢ૽ૼ૱ૹઌઌૹ૽ૺ૱ઌઌૣ૱૽૽૱ૢ૽૱૱૽૽ૹ૾ઌ૱૱ૹ૽૾ઌૢઌ૱ઌૢ૱

पविषायाध्येत्राप्त्रवाच्चायाध्येत्राच्यास्य विष्याच्यास्य प्राप्ति ।

क्रिट्या ह्रा अ हिन् उन पाकु छ न न मिर्ट प्या के या शुर्मा

तक्रतान्तरे ज्ञान नुष्या के वर्षा गाव द्वार क्राया अक्षव न न निष्या देवा देवा देवा व

इव-छव-पति ख्रबाळे परी विंद्राया थे केवा प्रचार में ख्रुवीय ही वेबा ख्रुवीय बुंची केवी ॡ॔^८ॱनॱणॄंद्धणॱक़ॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖज़ॱऄॸॱॸॿ<u>ऀ</u>ॺॖॱॺॕॣॸॱॹॖ॑ज़ॹॱॷॸॱख़ॖॹ॓ॗॹ॒८ॱॺ॑ॺॱऄढ़ॱॼॖ॓ढ़ऀॱॸ॑ॸॱॸ॑ॸॖॺॱॹॖॱख़ॱज़ढ़ऀॺऻ

हीत्रवाह्नीत्र प्रकार के स्वाह्म स्वा "हराचेठनायां इंग्रनायो वानायं राज्यान विराप्ताविन प्याराणी ने प्राप्त प्राप्ताविक प्राप्ताविक विराप्ताविन प्राप्ताविक प्राप्ताविक विराप्ताविक प्राप्ताविक प्राप्ताविक प्राप्ताविक विराप्ताविक प्राप्ताविक प्राप्ता स्त्रण त्रिया त्रिय सक्ष्या त्रिया त्रिय सक्ष्या त्रिया चैत्रायानार् मुद्राक्ष्यात्र सहित् क्यापानार प्रमुख्य वर्षाया स्थापान यथः श्वाबः श्रीयः वार्षायः चान्त्राचारे स्त्राचा स्त्राच स्त्राचा स्त्राच स् राष्ट्र केला अक्ष्य नर्श्वामा वट्टे हें वया राष्ट्र है। अपना या रेवा राष्ट्र या वाहर तरहें वर की क्षेत्र हिंवा हिंवा हिंवा हिया है है है से सि عَمْ ٢٠٠٤ بَعْ مَ يَعْمُ مَ وَمَ يَكُ مُرَاعِدُ مَ رَعِيْ الْحَجْمَ عَلَى الْعَرِيْ الْعَجْمَ عَلَى الْعَرَا ل

व्यावयाग्रेटाळुवायायायादित द्वावायाच्या दे व्याळ ज्ञाचा ह्यायहूर्यमा श्चाचङ्गवायाज्ञाचा विज्ञायकेवाया दे हियायहूरा पर्यूयमा यक्टी चर्नेत् वर्षेत्रा वर्षेत्रायदेवसम्बद्धाः स्वाराविहेरायार्सेवासायार्दित् चित्रायाळात्राचार्त्रायार्दे सुवार्त्ता विहेरायदे सेयायार्वे सामान्या न्दा निर्माद नकुन् ग्री मुर्केश पर्ने पर्म पुंकं मार्शुक्ष अस्त ने संस्थित हो दिति हुन त्या प्रेति हुन त्या प्र म् मी ही न्यंत्राची कूब ही ट्रिंग नार्ट्र मा हे बब ही ही बे जानविष्यं हित्र हो है ने स्वाहित हो ही वाब है ने स्वाहित स्वाहित हो ही वाब है ने स्वाहित स मिने राया प्राप्त विवास मिने क्षा के वार्य से किया प्राप्त से किया में स्वाप्त के प्राप्त के वार्य के वार्य से किया के प्राप्त के वार्य के वार के वार्य के वार के वार ॹॖॱॹॖॱॹ॓ॱॾ॓ॱॻॹॖ॔क़॔ॱॺॸॕॱॻऻॿऀॻ॑ॺॱॻ॑ॱॸढ़॔ॱऻॹ॑ॸॱॻक़ऺऀज़ॻॣ॓क़ऀॱॸॗॕॺॱॹॗॱख़ॖॸॱॻ॑ॱ॓॓ॺ॓ॹ॔क़॔ॸॱॸॺॸॱॗऄ॔ॱॹ॓ॸॱऄॱॼ॔ॺॱॿॎ॓ॻॱॿॎॻॱॺ॑ढ़ॱॸॖॱॿॗढ़ॱॸॱॸॕॗढ़ॱऻ बूचाक्ष्यःवर्ष्वाः हेवः तथाः तत्र्वाः तत्राः वात्रां वात्रां विष्णां व शु चुँ व । पश्चिम ह्र स्वार्ट संस्था स्वार श्रीयाचं ते श्रीट में श्रीट में श्रीट में श्रीता में ते से स्वर्ग से साम के साम से साम नियर नुकार्ति व च्चित्र के विसा नियर विकासका विनामित्र विवास निया भी मुनाका सामा छे नियर असी क्षेत्र के वार्की असी नियर मान श्चेत्रस्र तमात्रेयो के विद्युत्त के अध्या अध्या अध्या अध्या के स्था के स्था वित्र अहं द श्चेत्र वस्य के द श्चे भुं वर्मा हर प्रमाभुः देश या में वाकाराया यात्र प्रमास्य होता हो वर्षा मुका हो वा मुका में वा में प्रमास के प्रमास में में मूर्य प्रमास में मूर्य प्रम मूर्य प्रमास में मूर्य मूर्य प्रमास में मूर्य प्रम मूर्य प्रमास में मूर्य प्रमास मूर्य प्रमास मूर्य प्रमास में मूर्य प्रमास मूर्य प्रमास मूर्य प्रमास मूर्य प्रमास मूर्य प्रमास मू हिट क्रिट्य निवाय श्रद्धात त्यां अस्वाया तथिय निवाय स्थाप स्थाप निवाय स्थाप निवाय स्थाप निवाय स्था स्थाप स्थाप निवाय स्थाप निवाय स्थाप स्याय स्थाप स्याय स्थाप स्था स्थाप स्थाप स्थाय स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्था कैं वा दिन निर्माम्य प्रमान के कि प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के लिल के प्रमान के लिल के प्रमान क नर्वः लगा

व्यायाधिव र्वे।।

अ.जेब.न.र्क. हुर्अन् ने व्यवा र के लट वरिज हैं अट हूं ज्याचे तर र विवाय रायरे ही।

यापित्यक्चिर्क्कि, जावाजुब, वार्षिट पर्ट्ट्र्ट्या देतु, कूवाब, कैवाला लेकाल, स्विल, व्यस्ति, व्यस्ति, जावाजुब, वार्षिट, व्यस्ति, व्यस्ति,

ૡૢ૽ૣ૽ૣ૽ૣ૽ૣૻૻૢ૱૽ઌૹ૽૽૽ૢ૾ૢૢૢૢઌ૽ૺ૾૽ૹ૽૽ૡ૽૽૱૽ૢૼ૱ૹ૽૽ૡૡ૽૽૱૽ૣૻઌ૱ૹ૽૽ૡઌ૽ૡ૽૽૱ૡઌ૽ૡ૽૽૱૱ઌઌ૽ૡ૽૽૱૱ઌૡ૽૽૱૱ૡ૽૽ૡ૽૽૱ૡ૽૽ૡ૽૽૱ૡ૽૽ૡ૽૽ૡ૽૽ૡ यंते ववाळवर्षा हुयार पंत्राय हेर् वाववं र्वे द्वे वाववं र्वे द्वे वाववं योबन्यार्थकारी वासी कार्या के प्रतिकार के ता हो है जो कार्य के लिए के प्रतिकार च्ययः ठर्-त्रवीत्तर् व्यवस्ति स्वयः व्यवस्त्र स्वयः व्यवस्त्र स्वयः स् त्तर्वास्त्रम् स्वर्णास्त्रम् स्वर्णास्त्रम्यस्ति रि.हीयी ज्ञानिये वार्यात्र प्राप्त क्षा वार्षेत्या निकायद्वा तार्यात्र निमान्त्र निमान्त्र अप्तानियात्र विष्या ग्रीं मं स्रिवा न्ये विस्तर्य जिन्न विदे स्थान खर् देवीन सर्वे विस्ता चर्या विदेश माली स्थान विदेश के विदेश वि क्रुं भारता यात्रा निर्दे प्रति या प्रतान पर्दे स्था प्रतान क्रिया विषय क्रिया क्राय क्रिया क्र चक्रवा वित्याराह्णां ने निर्देशका में प्राचीयर क्षेत्राची क्षेत्रा त् चुर-पःषःषशर्केणःपदे नर्येवःश्रह्ना पहुःतुषायःषःपः रे पःश्लःश्ले खेवःषरःषेनःकेषःपषः नर्येवः ये केषाःश्ले ष्व देवुयाना अटा तु अह्नी हे हिटा ही या निर्मात के देवें व के बाअटा ये से राणवान कर मानवान अहुना याना या है व कि म न्तुवारायायद्वी तिरादी द्वितायद्वी त्यायादी विक्यादी वोश्वरायरायादरायाद्वा विराक्ष्यायार द्वीतियादी क्षायादी विद्वातियादी विद्वातियादी स्वीयः में स्ट्रान्य में स्वाया में स्वया मे गुवं अंभिव गुवं द्वा मुन्दा के त्या विकास के त्या में के में के मार्च के मा बट् तिविब र में बेद कि विवास सु सु तिविद्या विद् र र मार् बेदि । अर्च अविद ति में न्या सु मार् सु मार् के विवास ब्रैटा क्रिट. टिपु. ट्रेब. वर्षा. प्राचीय अर. रची वाष्ट्र. ट्रिब. क्या है ये. ट्रेट. लीट. क्या याचा याची प्राचीप है. ही बे. क्या है याचे प्राचीप अर. प चक्रुव लुषा अळव देव छव क्रेव त्यान प्राप्त प्राप्त प्राप्त क्रिक्ष या क्रिक्ष प्राप्त क्रिक्ष क्रिक्ष प्राप्त क्रिक्ष क्रिक्स क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्स क्रिक्ष क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्स क्वेंप्रभार्श्वेप्रप्रवाहित्यां क्षेत्रां मान्या प्रमेश्वेत्र हेंगुका अही है ने क्षा ले हिन्दी प्रमेश है ने सम ह्रवाया इस्त्रया स्वर प्राप्त में विर त्येस वि वि प्राप्त में ने इस्त्रया में नि मान में ने प्राप्त में नि प्रा हैं रद्या सु च्वा सुन नवित्र रा निहन है में स्वा कर सुन कर रा निहार ने स्वा कर ने वा कर में सुन या कर में सुन कर सी निहार ने ह्यट्यार्ट्य क्रियाना क्रियान्यां प्रत्यापत याचे गुर्याच्या महत्ये क्रियां यो क्षित्र याचा विषय विषय विषय विषय त्यं प्रति निक्र क्षां प्रमुद्ध हो प्रति इसम्बाधिर प्रवास क्षेत्र क याच्ची अदि र्केंबा इसबाया प्राप्ति के के दें दि से दी विवाय याच्चवा प्रवेच ग्री क्रेंच्य प्रक्रिय सक्त प्रवाय चिवा क्रिया के विवाय प्रवास विवाय के विवाय प्रवास के विवाय करें

ૹ૾ૢૡ૾ૺૠૣૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૢઌૻઌ૽ઌ૽૽ઌ૽૽૱ઌ૽ૺ૱ઌ૽ઌ૽૽ૢૼ૱ઌ૿ઌ૽૽ૢ૽૱ઌ૽૽ૡ૽૽ૡ૽ઌ૽ૹ૽૾ૣઌૡ૽ૺૡ૽ૹઌ૽૽ૢઌ૽ૹૢ૽ઌ૽ૹઌૣૻઌ૽ૹૢૻઌૹ૽૽ૼ ॱॾ॒ॻऻॺॱॿऀॱय़ॱऀऄॿॱॿॕॱढ़ॎऺॺॱॻऻॹॖ॔ॸॺॱय़ॱॸॖऀॱॸ॔ॗॸ॔ॱॺॖॿॖॖऺॿॱय़॔ॸ॒ॱॾॗ॑ॸॱऻॱॸॆॱॴॸॱॿॖॿ॔ॱख़ॕॸॱॸॖॱॻॖॻऻॺॱय़ॱॾॺॺ॑ॱॻॖऀॱॸज़ॸॱॸॖॱॼॖॺॱॺॺॱज़ॺॸॱॻॖऀऻॱॸय़॑ॱय़ॺॱ . खुर्-केर्त्र-प्राप्त प्रतित्रं मुर्प-कुथ-थ-तृष्ण ग्री-पर्विर-पित् चुन्-इनन्यून्य्यां स्वीकार्यात्त्रात्त्राच्यां स्वीकार्यतः हेना स्वीकार्यत्ये। पर्द्यान्ते स्वीकार्यत्यात्त्र स्वीकार्यत्ये स्वीकार्यत्या यार्नेयात् भ्रीतात् भ्रीतात् वित्तर्यो मित्रियात् प्रमानिक मित्र म हैव.श्र. त्राणुव.तपु. कूथ्. कुं. तपुंब. प्याया हैव. श्रूट. ता शर्ट. किंवी. जुव. ट्रेट. तर्व व. त्री त्राया है. अट्र हैं। व्याया है. अट्र हैं। व्याया स्थाया है. अट्र हैं। व्याया स्थाया है. अट्र हैं। व्याया स्थाया है. अट्र हैं। व्याया है। अट्र हैं। व्याया है। अट्र हैं। व्याया स्थाया है। अट्र हैं। व्याया है। अट्र हैं। व्याया स्थाया स्थाया है। अट्र हैं। व्याया स्थाया चूकुर् वे चूम्य प्रचयम्बावी देवे युंबा क्रें प्रचयम्बा क्रिया क्रें प्रचित् के क्रिया क्रें प्रचयम्बा क्रिया द्या श्रेव.पश्ची. त्याप. में. २ व. श्रु. में वाया कु. मंत्राया कु. प्रायत कु. में प्रायत कु. मे

रुषानु नहु नहुषाना गर्डेन खुवान्द्रापानवे भूतरा

१२.१ र्बे मर्डेन् ग्रे स्निन्स्

र्ट्रह्मार्श्यं सहीत्र पति हीं न्या स्ट्रायन पति पत्र होट्रहीं न्या होट्रहीं ही स्ट्रहीं में स्ट्रियार्श्व सहीत वह वार्य विद्या स्वा होट्र म्हिम्दर्वे दुर्वे हिंद्र हिंद्र हिंद्र देश अर्थे हिंद्र देश अर्थे हिंद्र प्रकार अर्थे हिंद्र प्रकार के विकास व.लट् । ट्रि.ज.पहुर्वाय.त्र.श्र.वे.क्षे । ब्रुट.व्राप्त.वीववाय.क्षे.क्ष.त्र.की ख्रायमं की ख्रायमं विषय त्राप्त विषय त्राप्त ही न्यू जा है। निर्दे - श्री निर्द्ध - श्री निर्मा के स्ति - स् निर्दे - श्री निर्द्ध - स्ति -इंटर्चरे प्रविग्रबाद्वीत क्षेत्र प्रविष्ठ को बेब प्रविद्धार प्रविद्धार प्रविद्धार प्रविद्धार प्रविद्धार प्रविद्धार का कार्य का का कार्य का का कार्य लूटबाश्रीश्चीपूर्टियेषु श्रीटा ही ही स्रीत्र श्रीबार प्रविव रि. श्रीत्र श्रीता विवास प्रविव श्रीता श्रीता श्रीत वर्षा देते के विकास्त्र मान्दा तर्वायान्य से मेन्या वर्षों के स्वार कर्षों प्रति के स्वार के से साथ दाया के वार वर्षा के प्रति के स्वार के से प्रति के साथ दाया के प्रति के साथ दाया के प्रति के साथ दाया के साथ द लट्ट्याम् न्यान्य स्थान्त स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य याण्येन निर्मा प्रियान ने ने प्रमाणिया में प्राप्त के निर्माणिया हिंदा में प्रमाणिया है के मान के प्रमाणिया में में प्रमाणिया में मान निर्माण में मान में प्रमाणिया है। विद्यान में प्रमाणिया में प्रमाणिया में मान में प्रमाणिया में प्रमाण शुरुषार्रग्यायात्रार्यात्रार्यस्य अर्हेन्यावृषायात्रात्रीत्राचीत्रयाक्षयायात्रीयात्रात्रात्रयात्रीयात्रात्रात्र ब्रैंद छी। तर्दे रूट च्वेब छी इर्थ तर्डेर अधीर्य प्रमातस्य छी गोर्स अरायदूट अट र्ट छुट च धीव वी के वेरे छीर गवि गोर्डेण या हीं द रेब रे चुन्तर्ना पर्देन् देशचिते हु। श्रे अधुन्न पापवितायहुण तुन्तर् विता यने यह प्यापवितानु प्याप्त अर्धेन हो। र्वेन की परिवासिक की की जिन्ना र्श्वेंदर्दर देहर मर्डेदर है बर द्वारा देश हो में बर्ज प्रति राजनित हैं महार प्रति विद्या में कि का में महिला में प्रति महिला में प्रति महिला में प्रति महिला महिल ब्रक्क. ब्रुप्त. ब्रु ग्रदारेर्देशम् वार्षेत्रा हेत्। दे द्रात्तर्याप्याचावतः अरार्यदाव्या वार्वेयात्याम् रात्र्यात्राम् वार्षेत्राच्या षरायाचीं वाचते त्यसानु त्यां प्रेत्र नु खुबार्स केवा त्विह्वायाया क्षेत्राचे र् ने विवायोग स्वित्यायाया स्विताया . ग्रुन'रा| ग्रुन'रुट'। यट'ग्रुन'रेहे'गेरुअ'रिद्विरय| दे'हेब'यट'नर्द्धद'क्य'ग्रुंद'स्र'चेग्य'दय'नविगय| क्रें'नर्युद'दया'यथय'र्स्न'चेंद्र व्याचीर त्यारे प्राप्त प्राप्त प्राप्त के प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त क्षेत्रार्चातृः चुरावत्रायव्यायाराचने :इस्रयास्य योर्च्याचुराचुराचुरायाः इस्रयायायान्स्ययायात्रास्य विरामन्त्र ज़॒ॱऺऺ॔ॻऀज़ऄऀॱॾॣॱज़॔॔ॴॶऻॴॵज़ॸ॔॔ॻॕ॔॔॔ॹज़ॻॣॻ॔ऄॎॷॳज़ॹॖॱऄॖॴ॔ॷ॔॓॓ढ़ऄ॔ॱॴॗड़ॣढ़ॱॷऀॱॴढ़ॕॗऄ॔ॱय़ॿॖऺऄॱऄॱख़ॹज़ऻढ़ॱॼड़ढ़ढ़ॱज़ऒॹ ढ़ॴढ़ॻऀॱख़ऀढ़ॹढ़ॕज़ॴॶऻॴॵज़ॸ॔॔ॻॕ॔॔ॹज़ऻज़ॣॴऄॴड़ॗॳज़ॣऄ॓॓॓ढ़ॖॖऄॵऄऄऒॹढ़ढ़ॱॷऀॱॴड़ॣढ़ॱॷऀॱॴढ़ॗ॔ऄढ़ॵज़ऻढ़ज़ॴज़ॣॴढ़ॸड़ॣढ़॔ॻॎ॓॔ॹॾॖढ़ढ़ॎढ़ ढ़ॴढ़ॻऀऀॱख़ऀढ़ॹढ़ज़ॴॶऻॴॵज़ॸ॔ढ़ॕॎॹज़ऻज़ॣॴऄॴढ़ॖॳज़ॣऄॱॸॗ॔ढ़ॻऀॴॴ॑ॱड़ॖॱक़॔ॷॴॷॣढ़ॱॷऀॱॴढ़ॣऄ॔ॱय़ॿॖ॓॔ऄढ़ज़ॹज़ऻढ़ॱज़ॾॹढ़ढ़ॱढ़ॖॱय़॔ॵढ़ बायत तर्वो बार्या के प्राप्त के प्राप्त के बाद के प्राप्त के कि के कि के कि कि के कि म्बेल अहुर् ही हि.में न्यु के त्युं के यह में में प्रत्याचिया के त्युं यह ते त्युं यह के त्युं के यह के यह ते विद्या प्रत्याचिया के त्युं इस्रमाग्री से संवुत् र्स्ट्रेणमाने से पानिया हैं में है त्या कुया में ते पान कि समाने में स्वापन के समाने से समाने समान चुंकेव वी धर क्रेंन वंश क्रुण रंप क्रुण रामक वा धर क्रुन वंश खव क्रेंव रेव केवे त्यर पर वं हेन हैं खेंग शुन चे लें क्रुन नं र प्रवि र.चमेंबात्यार्ज्ञव्याच्याः क्षेत्रयाच्याः कष्णेयाः कष्णेया

ली लिंत्राक्रीयाक्तिरायकुरायं हैं वीर्यूबावीबीरायं बाह्यं असी क्षाचरारी स्वापायं प्रियायं क्षीया विश्वास्त्र व युन् ने बा ग्राम् पुरा पर्वा के के निवेद निवेद निवेद निवेद निवेद निवेद निवाद न र्बर् दी जिंतर में जाता है, हिर दीयू के रेचर जा श्वाया विषय जिलाय है वे विवाद कर ही कु बार वा जी है विकाद के स क्री.वाटयालाम्मियातां सह्या मिलास्यात् व्याप्तात् वितास्यात् वितास्य स्वाप्तात् वितास्य स्वाप्तात् वितास्य स्व स्वाप्तात् मिलास्य प्रमाणिका प्रमाणिका प्रमाणिका स्वाप्तात् स्वाप्तात् स्वाप्तात् स्वाप्तात् स्वाप्तात् स्वाप् बूट, य.जी वाबय क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्र कुला ग्रीया निस्ति वर्षेत्र वर्ष्य में भी त्रिया में स्ति क्ष्य में स्ति क्ष्य में स्ति क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्षय क्ष्य क् यम्'दे'साधवार्तुं तद्राज्ञ वेद्रावाकोरावासुदै वादुसंमासद्वा वर्ज्ञवायायात्रमा केराकेराके तुन्न सम्मासम्मासम्मा लूर्तरायावायां विवाह्यपुर्वातरास्त्रां पराविष्यात्राच्यात्रात्राच्यात्रात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्य लैंजर्टर, लंटर्ट्वार्टर, वेटर्, वेटर्न, जंदर्भ, अंद्रवेश कुर्यर्ट्वा श्रुवेश कुर्यर्थ, वेदर्भ वेदर अंद्रवेश अंद् चादै :भ्रॅंन :इयम अद्वित् के :चन्च :स्वांन प्रायम अपमा सम्बन्ध सेन :ग्री :ग्राचम स्वन :भ्रेंच चुन :भ्रेंच चुन स पद्भावायात्राचाराक्षेत्राची प्रमुख्या प्रमुख्या विद्यानिया स्तर्भात्राची स्तर्भात्राचारा स्वाया स्वर्णा स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वरं स्वर्ण स्वरं स् चर्युर्च त्यं यं यर्केन् तृ शुरू परि तुं पति से क्रिन्य से देने के देने के देने में मूर्च के यहाँ परि के से क्रिया में मूर्च के परि के से क्रिया में मूर्च के परि क चर्त्रायाम्बर्मातुर्वे चित्रायाञ्चन्यायस्त्रे दे दे विर्यास्तर्भे विषयाम्बर्यास्त्रे चित्रायाम्बर्यास्त्रे विषयाम्बर्यास्त्रे विषयास्त्रे विष्ये विषयास्त्रे विषय गुर्बेयं दर्वा केंब्र में में प्राप्त के विषय के का में के किया है के कि का में कि के कि के कि के कि कि कि कि क बॅंकिबर्न्नु नुबर्धर बेंबबर विनंबर रुपेबुबर वर्षाना वृत्य वर्ष मायु नुबर बहुन्। यह गुर्बुबर वर्षे वर्षे स्पर्ने वर्षे स्पर्ने वर्षे स्थान स्थान वर्षे स्थान स्थान स्थान वर्षे स्थान इनानी नं राम्यातान् न्यायान् विनाया हुँ इन् व्याययान्यान् विनायी स्वाययान्यान् निर्मायी स्वाययान्यान् विनायी स मुब्बि, ट्रिया मिन्न क्रि. में में स्ट्रिय में में स्ट्रिय में में मिन्न क्रिया मिन्न मिन् द्वानी त्रें द्वात्वे स्वात्वे स्वात्वे स्वात्वे स्वात्वे स्वात्वे स्वात्वे स्वात्वे स्वात्वे स्वात्वे स्वात्व इत्राप्ते व्यात्वे स्वात्वे स्वत्वे स्वात्वे र्देव ग्री मुन्यस्य पान्तवर मान्यस्य प्रति स्वर्ध स्वर्ध प्रवास हो। स्वर्धि स्वर्ध मिन्यस्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर वया विचान्त्रेव, ता. ज. अहं, अट्या क्रियं विचार ज्या क्रियं है. त्ये विचार ज्या विचार क्रियं क्रियं विचार क्र રું.વ.જ.શ. વૈદ્યાં વયા શ્રું.તયા શ્રું.તયા શ્રું યા છે. હતું કુર્વે. ધારા જાળા તાલું તો તો શ્રું ત્યારા શ્રું તે ત્યારા શ્રું ત્યારા શ્રું ત્યારા શ્રું ત્યારા શ્રું ત્યારા શ્રું ત્યારા શ્રું કુર્યા હો. શ્રું આ વિ. શ્રું આ વે. શ્રું ત્યારા શ્રા શ્રું ત્યારા શ્રું ત્યારા શ્રું ત્યારા શ્રું ત્યારા શ્રું ત્યા શ્રું ત્યારા શ્રું ત્યા શ્રું ત્યા સ્યારા શ્રું ત્યા સ્યા શ્રું ત્યારા શ્રું ત્યા શ્રું ત્યા સ્યાયા સ ब्रह्मायार्व्द्रमुख्यायार्वे व्याप्त विषा यार्व्द्रमुद्रम् राज्ञे अवस्थायं विष्यायार्वे विषयायार्वे विषया विषया निन्यानुकानुकानुकान्त्रितानुकान्यान्यान्त्रितान्त्रम् व प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प देत ग्रुंच शक्त स्त्रीच स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र भ्रम्य श्रुंच स्वास्त्र स्वास्त् स्वास्त्र स्वास्त्

षाश्चेषान्नराहित्यहें हैं लानवरा देवारर में श्वेषाहें रे श्वेष्यचयवार प्यवेदाव्यवार देवा केवा लानवरा देवा प्रा च.बु.ब्रैंचाब.चाकुवा.ब्र् लट्.ट्रंब.त.र्वेब.त.खुब.चे.च.वाबट.क्वाब.चीबर.कुट.वाबुब.याषु.वाखट्.वाट्रंब्य.त.ज.बावब्युच्टा खु.ड्रेट.क्वाब. स्वाप्टे ठवं विवा मुन्तविवाय प्रयाने द्वार्य है ववार्य हिन् विहुत्ये हिन किन था ने या का का किन हिन सिन सिन कि यथ इं य.ज.क्रै.विवा श्रट रे. चवेय त. क्ष्य तपु रे. श. ववा विष्य जेवाय क्षे. क्ष्वीय त. प्रविष्य जिया क्षेत्र के प्रया श्री विष्य स्था क्षेत्र के प्रया क्षेत्र का प्रया क्षेत्र के प्रया के प्रया के प्रया क्षेत्र के प्रया क्षेत्र के प्रया क्षेत्र के प्रया का क्षेत्र के प्रया का के प्रया क यःगर्बेद दुः ये ने वं त्या महित्य महित्य प्राप्त का स्वर्ण मानवार मा यंगितं रु विगात् त्राह्यद्यां दे वे कृष्णया पं धेर्यापा के गाया क्षेत्र के या त्राया के त्राया के त्राया के त्य स्व.त.क्रव.त्.ज.व्यवटा ट्र.लट.२४.५क्ट.२८.तर.होव.शावयत्तर अष्टिची श्र.वश्चेर.ट्र.इ.ज.व्यट्ययत्तावयत्त्वर होट.इज.स्व.त्य.अहंट. श्र.पश्चेर.इ.ज.वाट्टर.श्चे.वाट्ययत्त्र स्व.यं.व्यव्यत्त्र होवी यट्ट.यं.वेया श्व.यं.स्व.व्यव्यत्त्र श्वे.ट्र.व्यव्यत्त्र स्व.यं.यं.व्यव्यत्तर अहंदा वोट्टर.श्चे.वाट्ययत्त्र व्यव्यत्त्र स्व.यं.व्यव्यत्त्र व्यव्यत्त्र प्रत्यत्त्र प्रत्यत्त्र प्रत्यत्त्र प्रत्य र्दे पर्द्धवर् श्रे अर वित्र वित्र प्रवित्र प्रवित्र अर्द्धन प्रवित्र अर्थेन वित्र अर्द्धवर् वित्र अर्थेन वित्र वि नंबिव रु दे बिर यव मन्न प्रायस्त प्रायस्त में किया पर प्राय किर अर्देव रु र्षेम् वर्ष मान प्राय मान प्राय किया बैंग न्द्र क्षेत्र नुर्ते व विराये प्रकारी ने विराये व स्वाय माना का माना का विराय के का माना का विराय के स्वाय योर्न्याया भी योर्न्याया भी त्याया भ यनेवा.सूपु.श्री. नंदावीबर दूर् विवाय क्री.श्रंदायय विद्युष्ट्य मुंश्यू पूर्व हुँ निर्माणया श्रीत क्रिया क्री. स्वाय क्रिया मुंश्यू हुँ निर्माणया श्रीत क्रिया क्री. स्वाय क्रिया क्रिया स्वाय क्रिय स्वाय क्रिया स्वाय क्रिया स्वाय क्रिया स्वाय क्रिया स्वाय क्र स्वाय क्रिय स्वाय क्रिय स्वाय क्रिय स्वाय क्रिय स्वाय स्वाय क्र स्वाय स्व इर विवाय महिंग नाम मिंग मान पहिंच हिंद मिन हो व मिन प्रतान मिन के मि न्याग्रीकाग्राम्यत्यापति पञ्चन्यायायायहेवावेकाग्वव यायवायाळेवार्यम्यस्य स्वरापन्यस्व प्रवासिकार्यम् स्वरापन्यस् र्वेषाद्याने राष्ट्रियंषायात्र सुरावने राप्ते राप्ते राप्ते विषयात्र राष्ट्रे राष्ट्र सुर्वेषायात्र स्वापित स्व ग्राट तर्न भारते मुन्त क्षेत्र क्षेत् <u>ठन पु. श्रृंत प्रमाधिन भ्रुं प्रमांत श्रृंत श्रृंत स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स</u> चञ्चन्यते गुन्न्यायानुङ्ग्यायाचे प्रत्ये च्यापा चुर्या च्यापा च्यापा प्रत्ये प्रत्या प्रत्ये व्यापा च्यापा चित्र प्रत्ये क्यापा चित्र चित्र च्यापा चित्र च्यापा चित्र च्यापा चित्र च्यापा चित्र चित्र च्यापा चित्र च्यापा च च्याप चरः श्रे तुषाकें विषान्वे त्यात्वा ने नवा वी स्थार्ये वाषाया पर देव प्रति हो त्या वाष्ट्र वाष् a'नब्देब'पते'&्य'न्टा दे'वबान्नायबान्दरपते'न्याळेग्'न्टार्वेय'पदि'द्देर'पन्नुट'प'न्टा' नेपट'पन्नुर'पर्वेद'र्'पवे प्रवासीय

इसम् सं वि वि प्यावत हो देव संदे प्रायम मार्सियार वि क्षित्र प्रायम स्थान कार्य कार कार्य न्तुकागुर्वाचने ग्लीट वी वीर्ट पर्मेकार्य स्थापका "पर्दुव ग्ली खुट ज्लादका वका प्रतिकामके व सहित स्थापका है दिसे स्थापका विश्वासी स्थापका स्यापका स्थापका स्यापका स्थापका स्थापका स्थापका स्थापका स्थापका स्थापका स्थापका स्य सुंअर्-पार्श्चिमराने मार्गा देशाया देशा देशाया विषय प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप् मीरेशबार्यं र्याच्या विवास मार्था रेशियामु क्रियामु क्रियाम् राष्ट्र प्राम्य प्रमान्य क्रियाम् स्वास मार्थे स्वास कूर्याबारापु . पांबुच. य. पर्विताबा की . लूर. त. ज. पांबुंट. या बाह्य या अ. य. य *^१ भित्र्मुं अयः स्य*न्त्र-वार् याद्यायात् वात्रायात् कृत्यायाय्या क्रियायाय्यायात् वित्यायायाय्यायायायायायायाया वेंस्रयाये व जिसाम्य विवा पर्य में हिवा या विवस है 'झे विसाम विवा चुटा। विवा पर्य गिर्व मुले वस छे न वस विवा होन द्व.ब.बर्ब. मूची श्रे.व. ब्रीट.क्र.ची वट.क्रु.ची श्रीट.क्र.ची श्रीट.क्र.ची श्रीट.क्र.ची श्रीट.क्र.ची श्रीट.क्र.ची श्रीट.क्र.ची श्रीची श्रीची त्व.च्या.ची श्रीची त्य.च्या.ची त्य.ची त्व.च्या.ची त्य.ची त्य. म्बर्भारक्षेत्रस्ति । विद्यास्त्र विद्यास्त विद्यास्त्र विद्यास्त्र विद्यास्त्र विद्यास्त्र विद्यास्त् र्ट्स् ब्रैट्र हे र्ट्स वर्ग रच प्रवास का की वा का राया है। ब्राया है स्वास के तर रच ति की राया वा वा की वा विवायाङ्गः क्षेत्रायाः प्रमाण्यायाः विवायः व हि.श्चेला वार्क्ट्र-हिन्दविश्वरयानया ब्रिवयायळ्ट्र-गीय्.बीयावयेय.ब्रिट्-पे.विन्द्रययायश्चेत् हिन्द्रमित्यायया विश्वया श्चेद्र श्चेया पट्ट म्लाबान्यन्त्राह्य न्त्रं व चेन्यं केन्यं केन्यं केन्यं केन्यं के न्यान्य दिन्यं के स्थान्य के प्राप्त के मान्य मर्दिब उर र्सिम मुर्चा दर्जेब असेब राजा बिचन र्हिम राजा हिर वर्षा यस र्विम न भी रेत रेता हिंद मिठिम हिर राज्ञ सेव राजा होता चर्डिकं त्य तसुद्दंब वं तर्के को श्रेन ने र नका श्लेव श्ले श्लेन निष्टुं र ठिवा श्लेन वासुद्व वासु वास विकास की स्वाप की बर्चायः में भीत्रात्मान्त् विश्वयानिवि हिरावनार्स्त्रेवायनार्स्त्रहेनासान्स्यायनार्वनार्स्त्यायन्त्रितार्दायस्य हेना सुन्त्रितायसान्त्राचीता ह्येट्-च-ल-ब्र्वाय-क्रि-च-। ह्येट-क्र-ल-ब्र्वाय-पट्ट-क्र-गाय-वायय। श्र-य-द्रव-क्रे-वा-च-ल-ट्रय-प्रह्वाय-क्र-च-न-। क्रेट-र्हे हेरे प्यन नेगात पुर्व नेगात या अपना ने ने ने किया प्राप्त के प्राप्त के

मुद्दालयर हुना अहरी ट्रमूच स्थान स्

શું નાનના દે.ળં છે તા સ્ત્રાં સું તે 'સું તે' સું તે તા ત

१३.१ वें नार्डे द्रा भी ना

यंग्रायन्द्रम्या वद्रीसुन्नासुन्द्रभूतासूर्वापदे त्या का धीवा द्रमा ग्राटाने माने प्रमास से द्रामा स्वाप्त स्व इनामनान्यामा धर्म ने ने ने ने के न के न के निका की ना कि ना की ने के निका की ने के निका की निका निका की निका की निका की निका निका की निका निका की निका निका की निका नि मित्रयारा मासुर या प्राप्त ने त्या दे या ने या है ता तया है ता है । या स्थान है ता है तो के से या ने य दूर विश्वर प्रमा रूम प्रमान है प्रविद तर्म देश में मान मान है मान मान प्रमान प्रमान मान मान मान मान मान मान मान ्रॅंदे द्विंग् रॅं डिंग् गी तु अहे अर्गे अ ट्वेंट न गंदेश क्रें ल गहर वया पर मा क्रें क्र नवेंट र्री व गोधेट व वया देश विअव ल पक्रेंट या पूर् युः मृत्या चक्किर्यः कर्रे ग्री यार्ययः पर्वेद्रः येर्वेर् प्वयं प्रस्ता व्यव्या मुक्किर्यः यार्ययः विद्या प्रस्ता विद्या प्रम्य विद्या प्रस्ता विद्या प्रस् न् यनमा क्विन या चुया क्वें पवि पवि । ब्वान से ने रोमा ग्राम पवि या या ब्वेया पन रहम पुरि या पि स्वा के राप कि चुमा चर्चोस्रावर रूट वी ले पार्वम क्किन पर ने रे लाकट पर पार्वमा किंदार ए लाका सुर्योद्या लास सा चुन प्राप्त है के प्राप्त के स्व न्दांसुना क्रेंब निने के स्वाहेत के से क्रेंब क्रेंब के स्वाहेत की मुल्या के क्रेंब के प्राहेत के स्वाहेत प्रति के कार्य के से क्रेंब के स्वाहेत प्रति के क्रिक के स्वाहेत प्रति के क्रिक क्रेंब के स्वाहेत प्रति के क्रिक के स्वाहेत प्रति के स्वाहेत स्वाह चम्नुन्यमा निःमून्यन्ते। विद्वायान्यमान्यमान्यन्त्रमान्यमान्यम् विद्वायान्यम् विद्वायम् विद्वायम् मार्थिक्टा दानुस्रवासेव राधिव रावामुद्दार्देद राम्बालुर तर्मे भी मेर् दिव मुं लियावना दि व रामिव रामिव रामिव रामिव यायट मुबा से द्वापाय के प्राप्त के प्राप्त के स्वाप्त के स्वर्ण क ॱॿॖॺॱय़ॺॱॻॿॖढ़ॱॹॗ॓॔॓॔ॹॕॱड़ॗ॓ॻऻॱॸॕॱॾॕॗॸॱॿॎॴॻॏॸ॑॔॔॑ॺॺॱॸ॑ॸॱॻ॑ढ़ॺॱय़ॱॻऻढ़ॸॱऻ॔ऀॱढ़ॺॱॾॖऀॱळ॑ॸॱॸॖॱज़॓ॺ॑ॺॱऄढ़ॱ॑ॺड़॔ॸॱॸऀॿॻॺॱय़ॱढ़ॱॣॺॕ॒ॸॸॎय़ॕढ़ॱ मुस्य-मुस्य-मुस्य-मुस्य-स्वानिस-र्निन्न-स्वान्ध-स्व त्र्च्चरमः धीवाः अपितः दे त्यः वांत्रं वार्ष्यः प्रकार्षः युवार्षः वाद्यं अष्टाद्यः विद्यं वार्ष्यं वार्ष्यं वार्ष्यः वार्षे वार्ष्यं वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्ष्यं वार्षे वार्ष त्रह्मेया कम्मेन र्सेन्यमिन नेस्तर्व स्वर्धान्य के प्रतर्भे निष्य क्षेत्र स्वर्ध क्षेत्र स्वर्ध निष्य स्वर्ध मिन्स्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर यः यः बुब्रास्यं विद्यवः यः चतः क्रेवः यः प्रतः विद्यवः विद्याः यः विद्याः यः विद्याः यः विद्यवः यः विद्याः विद्याः विद्याः विद्यवः यः विद्याः शुकारतंत्रां त्यां स्वतः विवाया स्वराया विवाया द्वाया स्वराया क्षेत्रा त्या स्वराया स्वराया स्वराया स्वराया स्व भारते सार्वे साराया होता श्वराया स्वराया स्वराया स्वराया स्वराया स्वराया स्वराया स्वराया स्वराया स्वराया स्वराय या नेषाञ्च यागुन्द हेनिया।

સર્વે.જ્યં.ક્રિયા ક્રેયા ક્રેયા ક્રેયા ક્રેયા ક્રેયા ક્રેયા ક્રયા ક્રય

বার্হ্ডিন'গ্রী'স্পবন্ধ'র্মী।

१३.३ विस्वायदेः स्रवश

कुर पठिया है। यर्पा क्रेंब स्ट्रा धेर त्या पहिनाय हैं है पहुंद के त्यों विस्ता क्रेंब स्ट्रा पित्र विस्ता है। बिट्'झुंच'र्य हे'गठेग्'र्यते इत्य तर्हेर र्य धेव दी दे'त्य गद्यंत्र रया गै क्वुव गंठेग है 'खार्रे' थे ने तर हुर गंव ते त्य प्र र्य है। खार्रे हैं हुता ष्ट्रीय के कि स्त्रीय में त्या के का विकास कि स्तर्भ के वीयाक्ष्यायर र्याप्याने या विया व्याप्या त्राचा विया या विया य हुंदा हिन्यास्य मुग्नसंदि रहें या मुद्दिन या निराने या के राज्य के रियान के सिंदि के प्रति है से सिंदि है सिंद है सिंदि है सिंद है सिंदि है सिंदि है सिंदि है सिंदि है सिंदि है सिंदि है सिंद है सिंदि है सिंद है सिंदि है सिंदि है सिंदि है सिंदि है सिंदि है सिंदि है सिंद है सिंदि ह ठूर रु. ज्यान है। अर्से र्रट अर्स में में भी ना ग्री तर्श्वर वादन सु वादि र से स्वाम अर्क दे में में ने ना प्रमे $\frac{1}{2} \cdot \vec{d} \cdot \vec{d}$ मुंड्र-रु:बुंबुवंबाम्डर:कुंबुवंदर्मि:मु:मु:सुनांविद्युद्रंत्यंत्यवर् देवंदर्मि:सुनांविद्युद्रंत्यंत्यवर् देवंदर्मि:सुनांविद्युद्धर्युद्धर्मि:सुनांविद्युद्धर्मि:सुनांविद्युद्धर्मि:सुनांविद्युद्धर्युद्धर्मि:सुनांविद्युद्धर्मि:सुनांविद्युद्धर्मि:सुनांविद्युद्धर्य र्रेंदै इ चर केंब चर्न वर्रे दर्ग्या वंब बाबिर चु याँ क्षेंब चन्न व प्यार वेचब विषा वेरा ने बान क्षेंब चर्केन व बाव के या चर्न ना ने प बु सुर्यायस्व सुर्या बुंबर की रहें में किन स्वाहित है में महिता है में महिता है से स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्व इति क्रिंव साडिया विचाया पर्से या वार्से या वार्से या क्रिंव प्रीट्ट वे प्रीयं या प्राट्ट हो वार्य प्राय्य विचाया विकास क्रिंव प्राय्य क्रिंव क्रिं रात्वात रे म्वीवाय प्रया नुष्ठेय कुं उद्याय द्वित प्रया वार्ति हो मा के दाई प्रया के दाई प्रया विषय प्रया विषय है। प्रत्यी विज्ञ वर्षा ह्यार खेर दे से हूं तर जिया की अकूर विषय जिया से हिं त्या र क्रिंट प्रति के विषय क क्रीकृष्यम् अप्तार्थियात् कृष्यम् अप्राप्त कृष्यम् । देवः अप्ताप्त स्वाप्त अप्ताप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व त्रमेषाकृष्य स्वाप्त स्वाप्त क्राप्त स्वाप्त क्रिया क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व मूबाडी कट. टे. र्वबार्टी ताकी कुबाजिए रचारी प्रवित्तर्में में स्वार्थित कुबाने स्वार्थित स्वार्थित कुबाने स्वार्थित स्वार् त्रबाद्गांताङ्गांबाक्षक्ष्यां के वार्षां वार्ष ૹ૽ૢ૿૱ૡૺઌૠ૾ૢ૽ૣૠ૽ૹ૾ૢ૽ૺ૱ઌૹૹ૽ૼૡઌઌ૽૽ૢ૽ઽ૽૽ૣૻઌ૽૽ૹૢ૽ૺૹ૽ૣૺઌ૽ઌૹૣ૽ૼઌૻૹઌ૽ૼૣઌૼઌૣ૱ૹ૽ઌઌઌ૱ઌ૱ઌ૱ઌૹૻૹઌઌ૽૱ઌ૱ઌૺૡ૱ઌૺૡઌ૽૽ૺ र्हेरःग्रीयःगर्छटःसुःयेःयेःग्रुयःचवृदःदेयःदेवःस्वरेटःग्रुयःययःध्वाःहेदःग्रेदःनेत्र। धरःस्ट्रिःछेवाःप्येदःदेःसुयःचयःर्केवाःग्रुवंद्यविषयः श्रुची वाद्र्यत्त्र प्रत्यत्त्र स्त्रेयः अस्याया स्वाप्त्र स्त्र स्वाप्त्र स्त्र स्वाप्त्र स्त्र स्वाप्त्र स्त्र भ्रुची वाद्र स्त्र प्रत्य स्त्र स्वाप्त स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त स्व च्यो प्रदर्स परिवास के प्राप्त मार्च प्रवास संस्था के मार्च प्रवास के प्रवास श्रिकाण्यतः अव्यापी में द्विकारे द्वितः प्रेतान इसका मुख्या प्राप्ताना होता प्राप्ताना के माने का है। या माने का माने का है। या माने का वया नर्न्-ज्ञूरामशुर्तावयार्वेयायते ध्रमयां ध्रीरार्चेवा नर्वेवा विवासियां मिलेयां र्येया र्यं श्रीतामिलेयां स्वास्त्रीयां मिलेयां स्वास्त्रीयां स्व `क्केंब्र'र्दे क्केंब्र' देवें के क्केंब्र के के के किए के के किए के मृत्यायाच्यात्रम् । स्वाप्तायाच्यायाच्यायाच्यात्रम् । स्वाप्तायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्या इति । अत्यायन्याच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्याय इति । अत्यायन्याच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्या वयासी में नेया है वे कि प्रति में कुंची ने वुंदा में वुं वयानर्ह्यानुं ता क्रीया नुर्ह्या तुं यावना निर्वारा क्री प्रति हैं यादी हैं यह दें क्रीया नुर्वारा क्रीया क महिन् यम द्वा मिन्य पर्वे में मिन्य न् चुँवी पर्च क्षेन्स्रियमानिबागायाँ ह्युव कर्व चुटा प्रयव स्रोया क्यांन् स्वेनबारा व क्रियाल पर्नाट प्रयान केव बॅ'(व'र्-पंग'र्तृःक्चेंद्र'द्र्यंत्रे 'खे'द्रेव" खे'व्यव्य हैं म्'प्या र्चं अर्डेव 'चुब्यं द्र्या व'र्य्य मुंच प्या द्र्या ह्या व र्या हुवा व र्या स्था हिन्य हिन्

स. क्रूंच. वैग्री प्रश्नाकृत स्ट्रिस्ट्रिस्ताविह्न विश्वाच क्रियां महिल्या विश्वाच विश्वाच विश्वाच विश्वाच क्रियां विश्वाच क्रियां विश्वाच विश्वाच क्रियां विश्वाच विश्वाच क्रियां विश्वाच क्रियां विश्वाच विश्वाच क्रियां विश्वाच क्रियं विश्वाच क्रियं विश्वाच क्रियं विश्वाच क्रियं विश्वच क्र

नुसानु नसु नते न व्यायाहे छव संदेश्वेर प्राप्त से से राजा संग्री

१८.१ व्यायाहे केदारी प्राया सी त्याया ही प्राया है ।

 $\frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} - \frac{$ चंत्रचार्यंत्राच्चेत्रः क्ष्यत्राचुराचार्यराष्ट्रीदारतायाचेतात्रात्तेत्रात्राचेत्रेत्रः त्राच्चेत्रात्रात्तेत्र चट् चैट् नदे रे अण्यट् रे ह अले के के प्रति क्षा के पर है जा के हिए में के प्रति के किया है जो के स्वाप के किया है जो के हैं जो के है जो के हैं जो के है जो के हैं जो के हैं जो के हैं जो के हैं जो के जो के जो के जो के हैं जो के ॴॹॕज़ॕॴय़ढ़ऀॱॹॗज़ॱय़ॱॿॕज़ॱय़॔ॱॴॣॸॱऄॸॱॸॖॱज़ज़ऻॺॱक़ॕॸऻॣड़॓ॸॱॺॣॸॱॸ॓ढ़ऀॱऄॕॖॺॱॶॱॸऻढ़ॖ॓ॺ॑ॱय़ढ़ऀॱॿॕॖॗज़ऺॸऻॕॿॶऄॎॱय़॔ॱॿऀॱय़ऄ॔ॷ॑ॸॱॴॸ॒ॱऻॗॿॗऻज़ यते विचल के भी निते क नुषा है 'न 'नु र मुँह का मी हो है 'र का मी हो मान के कि मान है र नु सुकार कुर है न है का मान है न है का मान है के शुः इस्रमान्त्रीत् पर्रार्थेन मेमार्ग्य तर्ते निष्ठी मालुमा है मार्ग्य मी खामान्य हैं मार्ग्य के मार्ग्य के मार्ग्य है मार्ग्य में मार्ग्य में मार्ग्य है मार्ग्य में मार्ग्य चचट.तू। ट्रेथ्,धूट.सैगी.ग्रंचथ.त.एडीट.ग्रेय्थ.ज.पू। वैंचथ.इ.कुर्य.तू.क्य.तू.क्य.कुष्टी औट.च.शघर.तूथा वैंचथ.इ.कुर्य.तू। तथै.एडीट. वायमा है है जिस सवा में है से ता रूब कि ता बर ब है र ब ता बर ब है ब र ब हो ब र व व व व व व व व व व व व व व व व र्यो मूर्रे सैवी.त.चीवीब.त.परीट.वीचेब.ध.वीखेर.लट.चशैरे.त.घट.ट्री लर.धीटब.जू.दें.च.वीबब.त.च.झें.त.घछुं.रवीब.जुं. ष्ठिणके वे अर्थे व स्त्र के अर्थे अर्थे स्तर हें ज्ञान प्रति प्रति के स्तर में के स्त्र प्रति के स्तर के स् यदै कें ग्रेष पश्चित राज्ये पर्मे द्रार्थ दर्भ द्रार्थ है हि दे हैं का है अपनि देश राज्य कें मान के प्राप्त कें यदै कें मं या नहे व व व यम्मे व या अहे के पर ही र यदे रे अपा है। व यम व या व र दें के बु ही व यह न के पदे र मे हिंदा अर्प यो कें न्दा ने सं चित्र ची सं प्रेंत्र ने त्र ने स्वर्थ के स्वर्ध ने सं चित्र ची सं ची त्र ने स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्य के स्वर् स्यु त्री अक्रूवा वी क्षी विट. टी श्रॉवय तर्वी श्रट स् वीट त्या हुए त्यू वी वाले स्था वी वाले स्था वी त्या वी वाले स्था विद्या विर्याभीतात्रक्षेत्राचेत्रात्रेत्या विष्यत्रवेत्त्वया मुन्ति स्वामी विषय केत्रति व्यामित्रात्र स्वामी विषय केत થેવું પત્ર ત્યું કે તાલુદ પ્રસૂવ પાયા સેવાયા પત્ર વાર્વે કાર્યું અદાર્થ થીનું છેયા પત્ર _' શું પાત્ર હવા શું સાથા છે. સેવા પા कृष्ट्राचारा के स्वयं विचाया तथा यसवाया स्वयं स्वयं विचाया स्वयं विचाया हिन्द्र होते होते स्वयं विचाया स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं ल्बान्तरः प्राच्याया प्राच्या हेत् हेत् हित्स्व प्राचयाया प्राच्या हित्स्व प्राचया प्राचया हित्स्य । लॅब बबायमाय विवास के तो पहुर प्रवेश या देवा विवास के ती प्रवेश में महिला के प्रवेश के ती है है । यह प्रवेश के प्रवेश हि.वैरावयासक्य क्र्या क्री सम्प्राप्त प्रमुम्यो है से एउनु अर्चन मुख्य प्राप्त क्रिया हुन क्रिया विद्या स्वाप्त वेया पर्ने अक्रमा वार्या व्यापित है अपार्दि वार्या वार्या अपार्थ वार्या वार्या अपार्थ वार्या विषारपायपरायाचेराष्ट्रीवाज्ञी करापर्वेत्यपन्। प्रवीपिविषाप्रविषाप्रविषापरायानुरार्केषाव्या विष्टायाप्रवा क्राप्यरायानुरार्केषा र्णम्या हरः श्चीमार्यां केवार्या श्रापं क्यां स्वां कर्णा श्वीं अर्राया विज्ञां श्वीं अर्था श्वीं अर्था श्वीं अर्था स्वां कर्ण श्वीं अर्था स्वां अर्थ स्वां स्वां अर्थ स्वां अर्थ स्वां अर्थ स्वां अर्थ स्वां अर्थ स्वां स्वां अर्थ स्वां अर्थ स्वां अर्थ स्वां स्वां अर्य स्वां स्वां स्वां तीवाया की जिसका क्रिक्या क्रिक्या क्रिक्या क्रिक्या क्रिक्या क्रिक्या होता है क्रिक्या क्रिक्य क्रिक्या क्रिक्या क्रिक्य क्रिक त्रम्यक्षेयात्याक्षेयात्याक्षेयात् स्वापन्यस्थित्यात् स्वापन्यस्य स्वापन्यस्यस्यस्यस्य स्य ही त्र केट या यत्र वित्र निर्मा में हैं त्या देश से ते प्रति होता हैं हैं निर्मा के प्रति के चुरु. चुंबे. चर्झें श्रंयों अट्टेंब. तर प्रेया तर वे हैं से पूर्व के की का स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ के स्व दे वर्षार्द्वण र्नु चुँव वर्षार्स्व दर्यव र्वेष प्रति वियाविषा होने या अर्देव विषा प्रति विषा प्रति वियाविष्ठ व

चुत्र-तु-तर्हेत्र-स्त्र-सह्ता नेत्र-केत-सन्तर्भक्ष-ह्य-स्त्र-तिन्द्र-त्य-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स् चत्र-तु-तर्हेत्-स-सह्ता नेत्र-केत-सन्तर्भक्ष-ह्य-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स् वृद्धवानदेशक्ष्या विद्युत्व क्ष्याची विद्युत्व क्षयाची विद्युत्व क्षयाच क्षयाची विद्युत्व क्षयाच विद्युत्व क्षयाच विद्युत्य विद्युत्व विद्युत्व विद्युत्व विद्युत्व विद्युत्व विद्युत्व व वंशानक्षेत्राह्मण्याण्ये पर्यात्राह्मण्या अर्दे सायाया पर्या अष्टिया दे विषया अपित पर्यात्र प्राप्त विषया विषय चिलाम्बर्मे वित्तं प्रति के स्वाप्त के स्वाप किलामक के प्रति के स्वाप्त के स्व न्तुकान् विरायर ने दे के वा के ना के ना के तर्वा प्राया ने क्षकान्य हो हेन क्षका कु थिन नु विराय के वा वी सु की के वा बुर प्राया विराय होते. त्वीहर्मास्त्रीयां श्रुवी वीत्र याचा त्विह्यां पति पुना श्रुवि श्रुवे हो हो हो निर्मा हो विष्टे विष् पहुंगमा बुराया राज्या रही वारा में यह वार में यह वारा में यह वार में य क्र-यां के पर्व प्रमान क्रियं व क्रियं के क्रियं व क्रियं स्रायदार्यः सहित्रम्यानस्रवानायान्यवाके निर्वाचिता यहुतानासुराष्ट्रम्यायानाम्यानास्य म्यानास्य म्यानास्य स्राय वयान्यभ्रम्यायम् भ्राप्तमार्भ्यायाः विष्णान्याच्याया वयास्त्रेन् व भ्रम्यान्याचेन्याच्यायाः वयान्याच्यायाः स् विविवासी निवर वहार स्थार वहारी ने विवासी निवेद हैं राजनवारी लाय हैं विवास सा निर्देश की सामित हैं है से विवास है से किया है। ही त्यां अ. अ. अ. या के त्यां ह्ये र क्रूबर्ट्साइन्सर सर द्वेत ता. यावबर सर, क्षेत्र विवय सर्वेत सञ्चर वीयवय, क्षेत्र क्षेत्र वीयवय, क्षेत्र क् बियः कुर्वा शिवरण, जतारी चिरः सुर कुर्वा विरावया रुवायां की सी रिया वायिका की यार्य मिया मिया मिया हिया है है है है है है है है की स्वीत्र की सामी बैट यर हैंग सेंट दु वेट केंबे द्वां वहेंगैंब वर्ष हुग्य पक्षे दुग्य सेंद प्रमासी हैं । विद्या से कि से यंत्रावट केंब्र नट अहं या विवाय पश्चित विवाय है ता विवाय है जिस ता का लिया है जिस ता विवाय है के विवाय है कि व सर होतु निर्देश न अहोत न मही मान्य निर्देश हो हिन सर तिर्या न या अविमा अने मानि में में भी साम हो में में में वणवार्श्वेयां श्चे वियाणविष्यं वर्षार्थेणार्श्वेन श्चेन प्राप्ते नेवित्र पायिनेवर्षाया स्थापार वयानविवाया ट्रे.वयाश्चे.वयूट् श्रेयावेयात्रे.पटेंगाग्ची.वयं नेट्रियां नेट्रि विराविषास्त्रीत्वा श्रेयां विष्यान्त्रीत्वा विष्यान्त्रीया विष्यान्त्रीत्वा विषया वि थुमानदे नम्पाना सभी नराये मेमार कंदा शे देंदा शिमा ने नमारमाय ने प्रात्त निर्मा नमार में निर्मा में निर्मा में यान्दानंदायानंदार्थेषाणीः केषा अहीत्। अळीताकेषिते प्रयानेषायाची प्रतान केषानेषायान्या हिन्दो प्रतीन प्रतान केषा अहीता अळीता केषा अहीता प्रतान केष् ब्रिन् अया ब्रिन् न्द्रात्त्र स्त्रात्त्र स्त्र स्त् तृषु हीय् हिन् प्रतृत्य व्याप् हियावियात्वा प्रवाधारात्वय हीय्यात्वा यहा प्रवाधारा ही प्रवाधार ही प्रवाधार हो प्रव येव दिन्न प्रकार मंत्रेत्। न्दै न ठव दुन्न सुर मंद्रान का समानिया हुन विषय मानिया निया मित्र प्रकार मित्र प्र त्रिन्द्रम्यातः मृत्यातः मृत्यात्रम् त्रात्रम् त्रात्रम् त्रात्रम् व्यात्रम् त्रात्रम् त्रात्रम् त्रात्रम् त्र वर्षेत्रम् त्रम्

चर्बर-भुेर-वयात्रात्रे : ताचसुर वाववासून पाळेव :दं ते अहुर्ग जे अयः अयः दिवे 'विष्णविवाववात्रे वाववात्रे स्वाय - चर्बर-भुेर-वयात्रात्रे : ताचसुर वाववासून स्वायात्रे स्वायात्रे स्वायात्रे स्वायात्रे स्वायात्रे स्वायात्रे स विविव्यास्त्रा विद्नान्त्रम् विद्नान्त्रम् स्त्रीत्रम् द्वार्याः स्त्रान्त्रम् विव्यास्य विद्नान्त्रम् विव्यास्य स्त्रान्त्रम् स्त्रीत् स्त्रान्त्रम् स्त्रीत् स्त्रान्त्रम् स्त्रीत् स्त्रान्त्रम् स्त्रीत् स्त्रान्त्रम् स्त्रीत् स्त्रान्त्रम् स्त्रीत् स्त्रम् स्त्रीत् स्त्रम् क्चेरं तेष्ठिरम् विः वायः नवो नक्षेत्रसन् नवार्यवा धिवा नक्षेत्रम् । पंछ् विष्या सायास्य केतु पूर्णः सर्वेत्र निरः क्षेत्र न्येत्र विन्या स्थानिक विकास स्थानिक विकास स्थानिक स्थानि यश्चनम् अम्म केत्र प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति केत्र केत्र प्रति केत्र केत्र प्रति केत्र केत्र प्रति केत्र केत् <u> बे 'बुब' दब मुर्ज़ित' गुर बहर्</u>दा अदय प्रथान से होन के पाद हो। ब्रिट पर के 'बिया पर दुव' यथ और 'बेर पर हुट प्रया अपदि के दिस् प्रचट्यापंते नीश्चर व्या के श्चित्र प्रचित्र नव्या निया निया में के प्रश्चित्र में के प्रश्चित्र में अपिव के व च्याय ग्रीन्स्र भी क्षेत्रं सं र मुण्या स्रूप हो स्रूर हो के दे जान में स्रूप से सह ने के सह ने के में स्राधित स्रूप स्रूप से स्र शक्य-रैनर्जः मैंत्रयाता अह्री वाषयाले स्थान स्यान स्थान स् . चेंद्र' इसका प्रत्येया वेका के प्रामुक्त की प्रति का किया हिस्सा पावन प्रति प्रमुक्त प्रमुक्त की की किया हिस र्चा,बैर्ज,ज.बीब्रेच,रथ,बोब्रुवाय,बीज्ञ<u>वार्च,चर्च,चर्च,या</u>द्वय,क्षुन्य,बीट,प्र,वैवा,ब्रे,द्वय,क्षेन,त्य,व्यव्य,क्ष्य, त्रियान ने विकास के त्राप्त के त् विवास के त्राप्त के त् विवास के त्राप्त के त परी प्रस्ता की ज्यार का हीं न है : इस हों का की 'से का है 'से र तब दे र त पूर्व दे र ते हों न दे र वा वा का र त हों में अर के कि स्वार के प्रस्ता की प्रस्त के प्रस्ता की प्रस्त के प्रस्ता की प्रस्त की प्रस्त के प्रस्ता की प्रस्त की प्रस ॻॖऀॺॕॱवेॱॿॸॺॱॾॖऀॱॺॕॸॱऄॕॖॺ॑ऻॹॖॸ॑ॱय़ढ़ऀॱॸॸढ़ॱॾॗॴॱॸ॔ॺॴॺॱॻॖऀॱॸऀॺ॔ॱक़ढ़ॕॱॴॸ॑ॱॺॕॸॱॿॱॾॴढ़ऄॕॸॱय़ॱढ़ॸऀॱॺॎ॔ॱज़ॿॸॱॿ॓ॺॱॻॕॹॖढ़ॱऻॸ॓ॱख़ॢ॓ॱ चुतै न्वे निते निते निते नाति व के व सिने व तस्वाव से हितु ने व व व व नित्ति व नित्ति नित्ति के व व व व व व व व २.९श.८८, अघर.८.५.९श.५८ अ.५८ अ.५९ अ.५९ अ.५९ चिया मुंटा, टियं वालूर्य, ज.इंट.कुं.वेट, घ्रथ्य, २८.५.विय.बैट, पथ.पहेंचेत्त.

मृ 2.स.पासूनीबासपु बीया ह्या श्रम् प्रिया वया वृद्धा प्रकार्या वया स्वास्त स्वास स्वास

सं.जय. विर्वेशक्तं मुं.ज. वीया विर्वेशक्तं त्या वीया विर्वेश क्षेत्रकार विर्वेश क्षेत्रकार का का क्षेत्रकार का क्षेत्रकार का क्षेत्रकार का का क्षेत्रकार का क्ष लूट हुं हुं हुं हुं हुं महेब ता कु तर्य अंक्षर है। हुं मंज मान कर महें महिला का महिला का निर्माण कर हुं हुं महिला का निर्माण कर हुं हुं महिला का महिला के निर्माण कर हुं हुं महिला के महिला का महिला हुं हुं महिला के महिला के महिला है। वृत्य चित्र त्या विवा विवा त्या त्या विवा त्या त्या विवा त्या व नंदेव र्येन हें हे 'अ महात्वा देव न दे 'अ नहत ने नि न दे ही पह के अपने के अपने के अपने के अपने के अपने के अपने के कि के अपने मार्थर बिरायतुव दुः क्षेत्र हिता हुर पा हिर वर्ष र्त्युव तुं हुँव पाया वी पर्वे के विदेश विदेश हैं पर विदेश हैं वर के विदेश हैं विदेश हैं वर के विदेश हैं वि श्चान्त्र स्थान्त्र त्या विक्रम् त्रिया के त्या के त्य स्थाने के त्या यक्षेत्र चिरायमाञ्चा तामान्तर महीत् त्रायमान्तर विद्या दे सम्मान्तर सम्मान्त ॱॴॱॺॕज़ऻॹॱय़ढ़ऀॱढ़ॸॱय़ॱॾॣॺॺ॑ॱॻऻॺॕॱय़ढ़ऀॱॿ॑य़ॺॱॾॗढ़ॱय़ॱय़ॕॺॱढ़ॺऻॱॸ॓ॱज़ॺॏड़ॱॼॖॸॱॹॖॸॱॹऺड़ॱढ़ज़ॱऄॺऺॺऻॸय़ढ़ॱज़॒ज़॑ॺॱय़ॱक़ॆढ़ॱय़ॕॱॿॗॗॸॱॗ लट. एसवाब. तं. प्रीय. क्री. परेवा. त. क्र. केब. बिब. त्या किब. जू. दूर प्राया विष. प्राया क्रिया प्राया क्रिय. जूरी. इर. लक्ष-देत्रीक्ष-क्ष्राच्या क्षान्त्र व्याक्ष्र नाष्ट्रेत् वित्त्र नाष्ट्रेत् वित्ता वित वारी मङ्गानायार हे नियान के मान्या है वाल के बाद के बाद के बाद के किया है है। यह के का का का का का का का का का वंश में में द्वार हु। कर्षा हु व व व पर है। में पर के प्राया के पार पार के प्राया हु व कि व पर के कि व पर के हि ग्रीम मूर्य ते ते कुंध वया मेशूम मूर्य पर्या है विषय है है मिर्वे मारा देवाया है अप मूर्य स्थाय के अया मार्थ है मिर्वे मारा देवाया है से मार्थ स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स र्वे.वीया त्यां के वीयम के वीया वीट वट ती आवया प्रति क्षा का त्या के त्या का अप क्षा की त्या की त्या की त्या क रे.वीया ता के वीयम के वीया वीट वट ती आवया प्रति क्षा का क्षा का ता की किया का का ता की का का ता की का का ता की लट्यविर्याया ट्रिक्रिन्य्र्वे प्रति यात्र श्रुक्र प्रति प्रति यात्र श्रुक्र प्रति प् ا عَامَ مَامَ اللَّهِ عَلَى الْحَرَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّ कृता अंत्राया प्राप्त प्राप्त विवासी या प्रस्वायां प्राप्त ने देश हैं । ता प्रकृत मुक्त वियो चारा या प्राप्त व कु.विट. मुंत्रम् अर्थे विष्युत्त विषयः व स्यो मङ्के मने व के वाम स्ट ने व के के प्रमान के विषय हैं के नियम के किया में के के किया में किया म ह्या ने यात्रा अतह अन्यया क्रिया अळवा ने यांविया रागावां में यांचा के त्यांचा के त्यांचा के त्यांचा के त्यांची के या विवार के या विवार के त्यांची के र्वेदान्त्रीत् अर्केवा ग्रामका करका कुरायह्या कुर्णा श्रुपंता है किया अर्कवा श्रुका अर्केवा ग्रा श्रुपा नावेदा विद्या न्यूनबाद्यंगबाहे भेबानना गुन्यविनार्येन् पृन्यवर्गने ये। ह्यायार्विन नुष्यार कृता भन्याया गुन्यविन यमि ग्रम्य दक्केंश्रयान्त्रः सापदः ग्रामायां पर्योद् न्वस्यायो नेया सापदः रो ग्रामायाः पार्वेदः त्या सापदः केवः पर्योदः वस्या ग्रामायाः मुलः ख्रयः सेपायः सेपायः स्थापदः स्थापदः केवः पर्योदः स्थापदः स्यापदः स्थापदः स्थापदः स्थापदः स्थापदः स्थापदः स्थापदः स्थापदः

से अवश्व प्रशासित त्वचट तू. ज. विया त्या प्राप्त हुंच , लेवी कर ट्रिक्ट , जि. चे , जि. विया कर जो , से स्वर्श के क्ष्य , विया कर के नियम के अपना के क्ष्य के क्ष्य , विया के क्ष्य के क्ष्य , विया के क्षय , विया के क्ष्य , विया के क्षय , विया क्षय , विया के क्षय , विया के क्ष्य , विया के क्ष्य , विया के क्ष्य , विया

१८.३ यार्बेन्:न्सर-संवि:स्ननश

योच्ययाच्ययाच्ययाच्ययाच्याचेच्याचेच्याचेच्याचेच्याचेच्याचेच्याचेची तीट क्रिय् स्टिस्स्म् म् वर्ष्ट्र स्थान्याची विकास स्थान्य स्थान्याची विकास स्थान्य स्थान्

१५.० र्वि:सु:न:सस:नक्तुन:प्रदे:सूनस

त्त्रेन्यानगार नुर्धान्य पर जुन्य विकास्त्री नार कृषि विकास क्षेत्र निष्ठ क्षेत्र क मुलास्त्राचान्त्रप्तात्रक्षेत्रप्ते काञ्चे काञ्चे काञ्च वर्षात्रप्तात्र चीर अंश वंश वंश विद्या त्या विद्या व वट्टी प्रविचायाराची वृत्यार्थ स्वर्धर प्रवृत्य प मक्र कु.वीन्यान्तर्भाव कु.च कुन कुषा कु.स.न व्या दूर् अदि कुन कु.मी माहे मासी वीन प्रति कु कि कि कि कि कि कि क र्ट् क्रिंच प्रति श्रुपार्ट्ट क्रिंच क्रिंच श्रुपार्ट्य क्रिंच प्रति प्रति क्रिंच क्र त्यूर्य स्वाबास्य स्वर् स्वर् के प्राचन श्रुप्त के बर्च के स्वर् चे त्य देट क्षेत्राच्या क्षे त्य हो त्राया ह्या संपद्धिय त्य क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्य वित्य प्रत्य प्रत्य त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत् वित्य प्रत्य क्षेत्र त्या कष्त्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या कष्टि क्षेत्र त्या कष्टि क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या कष्टि कष्टि क्षेत्र त्या कष्टि कष्टि कष्टि क्षेत्र त्या कष्टि क त्रीत् भ्रम् विष्याचीया प्रत्याचीया विषया विषय न्ने पार्व भेषान्त्री पार्व पार्व प्रमृत्य प्रमृ ल्ट्राचाला न्राचे विष्यु में प्रतिविद्या में प इ.८्वी.श्री प्राप्त.प्रमा.पश्ची. प्राप्त. श्री श्री श्र है. इ. वी श्री श्राःशी प्राप्त. प्रापत. प्राप्त. प्रापत. प्राप्त. प्राप्त. प्रापत. प्रा प्यर् पृष्ठ मुन्दा हिन्दा है प्रति है प्रति है ते हैं प्रति है है प्रति है विवास्ट्रेटा विज्ञान्त्र विज्ञान्त्र विद्या हेव स्थ्रित विज्ञान्त्र विवास्ट्रित विज्ञान्त्र विवास्त्र वि त्राम्य प्रमाणित्र क्षेत्र त्रकृत क्षेत्राची दे अञ्चत्राची प्रमानित क्षेत्र प्रमानि वर्षेट्यार्ग्यो थे वेयातवराचा वर्षेरार्था ववराचा वर्षेरार्थी इसान्य ईहि ववरावित वर्षाट्या इसमार्थी वर्षाया है। रहावशुहाना विट प्राचन के प्राची में प्राचित प्राचा में हैं अप अपने हैं जिया है अप अपने हैं जिया है अप प्राची हैं व प्राचीत क्रियानंडा नर्द्रयावितः क्रियं नड् पर्वेषां विनायरानु र्स्नियायायनिक्रियानं विनायन्ति क्रियानं विनायन्ति विनायन अत्रथः रुषं स्वतान्त्रेत्। त्रित्रम् प्रमानम् विषयः स्वत्रायाः विष्याः पर्वतान्त्रेत्रम् विषयः प्रमानम् विषयः विषय म् निन्दु नुं न निष्णुं निष्णु चर्चियाची के या इसमा में या सुसार है। है 'असर न हैं ने हैं 'असर न नहीं ये ने सरन नहीं ने किया किया है। से असर न हैं ने हैं असर न नहीं ये ने स्वर्ध के प्राप्त किया है। से असर न नहीं ने स्वर्ध के स् जयः क्रुवायः तथान्तरः क्रुयः चेत्रः चित्रः चीत्रः चत्रः चत्रः चत्रः चत्रः चत्रः चत्रः चतत्रः चतत्रः चतत्रः चतत्रः चतत्रः चतत्रः चतत्रः चतत्रः

१८.५ वर्षिर न क्रुव न वर्षे प्रश्ने न भी

१८.६ सामदः श्रुदि न स्रेतः सुनः ग्रीः स्ननशा

१८.२ व्युन के दासे म्हायस व्युम् निर्देश के साम्मेर व्यु मान

क्ष्यक्षा है. श्रिय चित्र चार्च प्रमुं से क्षेत्र स्वास्त क्ष्र स्वास्त स्वास स

१८.५ न्यर:बिर:केंग्र:तु:स्वाय:ग्री:भ्रूनमा

या प्राप्त निक्रा से अपाका चीन क्रूच निक्रा प्राप्त क्रूच में सुच में सूच में

१८.६ र्यु मुन्या

त्ताना स्वाप्त स्वाप्

विट तर्गे न अट रेंदे न बेंब सु गुर ही दनव ग्रे स्रवस्वी।

१~.१० र्हे हे हे त्या वा वे वा वा विकास के त्या विकास के त

े ने प्रविद् ने 'ल' मुं प्रांग ने गुं मुं नि परि र प्रवृत्त ग्रुप मुं प्रवृत्त मुं

पट्टी-पट्टी

१८.११ ईर-तु-नदे-भूनश

्रे गुपः र्हेच हु^{*} व पः वेत्र पं वेव प्वेतं पूर्व प्युर्ट सरक ज्ञुक पर्देव पः वार्युर्टक प्रवे ग्रिवे हें हे वे ज्ञुपः ग्रीप्यविष्ण स्वाप्य सरार्थः

२ै·चॅंॱळे[.]चॱइअष'ऀं।'ऄॅंदॱट्रें'बेष'गुंद'र्<u>ट</u>ेंब्र'कें। |

के देव के वर्षे हिते क्रिया सर शुरांप विवास पहें व वर्ष छ्वा क्रिकें व वर्ष विवास के स्वर्व कर में विवास के स्वर्व कर के व चक्रिन्यते हैं नबन्यते देशन्यते अवन्त्वानित स्वानित स्वानित स्वानित स्वानित स्वानित स्वानित स्वानित स्वानित स् चक्रमा चुर्ना स्वानित पर्दुं व'अव'र्श्यर्र'कर्प केव'र्ये 'य'थे 'द्रंथ' ग्रीक' पावर 'पावे 'प्रक्षं पात्रं 'प्रक्षं देश' पात्रं 'देश'य' श्रिंद 'पर 'ठव' पोठेप'रीक 'ग्रीव'र्ग्ये 'वे वा दीवा'री अव' सक्तः श्री त्यर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वर्तः स्वरं स् बुंबरचे.य.द्रवा.तपु.वायब्यक्त.जाशावयक्तेट विट.तर्वायट इवायाजावयाचा विवाल सीच्यायाची देवे.याची विद्वालियाची वि मुब्दान्त्रम् वर्ष्याचर्रत्र्र्रे क्यावयान्यो देव स्प्राचना मुद्र्यायम् वर्षेत्रायम् स्वित्रस्य स्वत्रस्य स्वत्यस्य स्वत्रस्य स्वत्यस्य <u>ॸ॔य़</u>ॴॸढ़ॎॱॸ॓॔ॱऄ॓ॱॺॕॺॱॻढ़ऀॱक़ॗॖॱ॔ॿॖ॑ॺॱॻॺॏॱॱॺॕॗड़ॱॸॕड़ॱॻॸॱऄॗॖॺॱॸॖ॓ॱॸऀॱॸॗॻॺॱॻॺॸॱढ़॑ॺॱॺ॑ॿॸॱढ़॔ॻऻॺॱऄॺॱॻऄ॒ॻॺॱॻ॑ॺऻॱॸॆढ़ऀॱॾॴॹॗऀड़ॕॱॻॖऀॺॱ॑ <u>२ जुलाचर क्रील है। दे दब क्री चे स्वार्क दे से अपदे से अपदे से क्रायर् में प्रायन के दार्च के सम्वार्क कर्ण मुक्त प्रायन हे दे दब स</u> क्रियायात्रीत्रीत्रम् त्रियायात्रीत्र प्राप्त प्रमानिक प्राप्त प्राप्त प्रमानिक प्र चक्चर् अगुबानी मुलाबा ग्राव र्गाय में र्गायर्श्य या है अग्रारा में बहु में बारवी ग्रीहर में बारवी विके है अ मुबाया दे हैं जों के हैं। यह्रमंग्रायाया देर्दानं मुख्य वियान्ता विराधा ह्या हिना है हा महिना है साम हिना है साम क्रिंग ग्री कुं सक्री क्रिंन खुंवा चार्वायाय प्रमुद्ध वार्वायाय विषय देश के अधिया है। श्री मार्चिया है। श्री मार्चिया क्रिंग खुंवा चार्वायाय विषय क्रिंग चार्वा में प्रमुख्य वार्वा में प्रमुख्य क्रिंग क्रिं व्र्याचित्रः स्रोत्राक्षा

१८.११ हेतु:र.नदे:भूनश

चून तस्वाबर्ग तस्य श्री त्यां सूर्य का क्षेत्र त्यां सूर्य त्या क्षेत्र त्या क्षेत् त्या क्षेत्र त्या कष्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या कष्या क्षेत्र

क्र्यत्वर्षेत्रच्यात्रम् । वृद्यम् वृद व्यव्यक्तम् वृत्यम् वृद्यम् वृ किराहर् की बाक्ष मा वाक्षेत्र पर्दे विद्य की माया की वी दास्त्र पर्दे विद्या के प्रति विद्या की का का का का कि चक्री-तक्ष्रियः प्रश्नित्र विश्व प्रति । क्ष्रियः विष्य विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व क्षेत्र विषयः व कुं हुं मिर्विर प्रमिया निमय मूर्य अहर् निमय मिर्ग मिर्ग प्रमिय स्वामित स्वामित स्वामित स्वामित स्वामित स्वामित त्रात्रक्षर्यः व्याप्तात्रक्षात्र्यः व्याप्तात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्र प्रात्तिक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षा ताः क्रॅबाद्वी निकु सम्मान्य निकास क्षेत्र निकास इंगार्वेश र्वेटा हैं वु देट प्रश्चेल भटा सट हु हैं वार्वे। देते श्वें पास कर्ण द्वा पर्वे साम के स्वा पर्वे हु पति पति पत्र हैं पत्र व पास हों है। क्याबा ट्रेस्ट, की. संस्थात क पूर्त्त्वायान्ति स्त्रीयान्त्रायान्त्रायान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् किट्रात्त्रा वृष्टिराज्ञी वृष्णात्रात्रात्रात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् म्बिम्बा म्राॅं संस्ट्रं हं कर्ने पत्रे पत्रुं पत्रि क्या स्ट्रां प्रवे क्या स्ट्रें प्रवे क्या स्ट्रें प्रवे क्या स्ट्रें प्रवे स्ट्रें प्रवे क्या स्ट्रें स्ट्रें क्या स्ट्रें क्या स्ट्रें स्ट्रें स्ट्रें स्ट्रें स वर्ष्य क्रेन्यान्त्रेत्र प्राप्त प्रत्या प्रत्या प्रत्या व्यापन्त प्रत्या विक्र विक्र प्रत्या क्रिया क्रिय क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क सदी अनम् शंक्रमा नीया त्या केंगा देशका की भी पर होते हैं ने प्यापिक के वा अने शा की विशेष होते होते हैं ने प्राप्त रर विभाषा है है के कवा है। अब है स्वतंब में दा है पहुंब वावाब हु वे वाविवाब परि हो ये हैं। ये हैं भी वाह परि व यायदे सकें ना नी सुर्धेद्र से सुर्हे ना सा देन देन देन ते प्राप्त के सिक्ष के मा के अर्केर्न हे तर्ने र्न्जेट्र वित्य तर्ने प्रमा के कि निवास के ति स्त्री तर्न के निवास के निवास के कि स्त्री कि निवास के कि स्त्री के कि स्त्री के कि स्त्री के कि स्वर्ण के कि यर्थतम्बु सक्तान्त्रीत् व्याप्त स्वाप्त स् चर्षिणवारान्त्रेया चर्याप्रयात्रेक्ष्याच्या हे हे होत्या वर्षे कुर्ने हे ज्वायायहूव के किया वर्षाया वर्षे के व

कुंब-त्रतीय-प्रतियान्त्रीय प्रतियान्त्रीय विश्वास्त्रीत् विश्वास्त्रीय विश्वास्त्रीत् विश्वास्त्रीय ब्रै इं इ इर दे अह्याँ केंबा अह है में बंदा मूर येंग में हे अर्थ है है है है के से में इर पर केंबा में किया है कि में हैं है अर्थ किया में स तमा नियक्त मान्य स्वापन्त स्व या केंबा पानवा निर्मा केंबा प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त केंब्र केंब्र प्राप्त केंब्र केंब्र प्राप्त केंब्र केंब्र प्राप्त केंब्र कें चक्क देश द्वापा हु हुटा दे व्याहेतु रूर येवया द्वीय द्वाप हु स्वाहेयायाया वटारा केर येवया देते के स्वाह्म या देश है हिन्दा व से अर्थ यूर बुँब बबर्षित या बुँ भुँ नेते अपे बाज बाज मार्थ ता है ते सब से हैं में स्वीत निया है से बुद्ध में देवाबायदे रयाची यार्बेवाबायदे अविबाय अटानु रदनु बायविंदा हेंदानु हुन के बावाबुट बायदे के चुपाने वे विवाय का सु स्क्रान्त्र स्वास्त्र स्व यः वृण्यान्यान् वृत्वान्यान् विष्यान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य निबीशत्मां अ. श्र. त्या का त्या विवास क्ष्ये हैं , देन का निवास विवास व र्वेटा देहेबान्चान्यर्पेन्नर यें द्यंया देहेबादेव के दुराविकायर्थे द्वेद यें क्या केंबाद्ययान्नर यें वाद्य वाद्य क्. व्री.चय. ज्याचर् नक्ट्रेन्य विवाय व्या व्रायः म्याच्या याच्या याच्या व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व्य व्यायः व्याय व्यायः व्याय है। विंदः रूदः दं इवायक भ्रेष्वं वेविष्यं भ्रेष्य विद्यापान के त्र विंद्र विकाय के सुन्त के विद्यापान के विद्य मिल्या संस्था होते. या के स्वार्थ स्व

विदःर्सेवार्यायावेरान्त्रायान्यात्र्

नुसानु नर्के खु मा क्षेत्राश्चे प्रविश्वेत्राश्चा स्ट्रिं श्चे स्ट्रिं स्

१५.१ । বি:ळे.स्राहःळेत्,र्टा हे.लश्च.चक्कुर्स्यते स्रे.चिंदे स्रावदःचकुर्गः ग्री:भ्रायशा

નું ભૂત વાર્ષ હતું શું શું કાચ્યા હતું શું કાચ્યા હતું તાના તાના કર્યો કર્યા કર્યા કર્યો કર્યા કર્યા કર્યો કર્યા चक्रुन्यन्दा विकेते पट्टी त्रिया द्वी त्राची त्राची त्रिया के विद्या प्राची त्राची त द्धारादि : स्वर अंदर्भ पा क्रम्याप्त द्वापा के विषय के विषय के स्वर प्रमान के स्वर प्रमान के स्वर प्रमान के स् अंदर्भ प्रमान के स्वर स्वर प्रमान के स्वर्ण के स्वर प्रमान के स्वर प्रम के स्वर प्रमान के स्वर प्रमान के स्वर प्रमान के स्वर प्रमान के प्यान्ति हैं हैं त्या महिन प्राप्त के प्राप् चित्री देवें के द्वादितर वं क्ष्रमण्यी दर्दम् विदेशका में अधि में वाद्य का द्वाप दुर्में र वाद्य में प्रमान के का प्रमान के माने स्वाद के माने र्यायम् विवासांस्या प्रवीप्तरी प्रमास प्रवास विषाने विषाप्तर्यायां तारा महेत्र व्यापहणा में पश्चरा में द्वापार प्राप्त महेत्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप ब्रैंबरच्चर प्रक्षरम्बा दि.चैं हि.चैं.पर्यया चेट क्ष्या क्षेट्र स्वा क्ष्टर स्वा ब्रब्द हे प्रवेद प्रक्षरम्बर क्षेत्र प्रवेद प्रवेद क्षेत्र लाचयक्रयाची श्रामाचीयाची त्राप्ट त्याची त्रापट त्याची त्याची त्रापट त्याची त्याची त्रापट त्याची त्रापट त्याची त्रापट त्याची त्याची त्रापट त्याची द्वाधानी प्रति स्वाधिक प्रति है के प्रति के स्वाधिक प्रत र्ट्यार्थ्येयः कुतान्तिवाबाताः गाँत्राहेलः देवे विष्याप्तात्व विष्या विषया विष्या विषया विषय वयानश्चर चुर्रा विर्तायावर मी क्रिया भ्रेर अर प्राविश विरामित्व विषा वर्षा प्राविश क्षेत्र श्चेत प्रदेव प्राया श्वास श्वास विष्ठा विषा प्राया श्वास विष्ठा व तुंदात्रवणार्षी :बॅटा वि:बांतुनांवबायदां गुटार्देव :देशुंचाटेबांगुंबरा देशम्युंका देश श्रीकार्षे अर्थे के ब्रॉ ब्रॉ व्यावका के स्वावका विद्यापार के स्वावका क श्रु.श.ताब्रुयान्य प्रत्ये क्षेत्राचीटान्य विवायाः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वयः स्वायः स्वयः स *ढ़*ऀॾॆढ़ॱय़ॱॾख़ॹॱ॔॔ॻ॓ॸॹॣॸऻॱॿॖॱॾॆढ़ॱॸॖॱॻऻॿ॓ॸॱॹॖऀऄॕॸॱॺॢऀॸ॔ॱॸऀॻॱॻऻॿ॓ॸॱॶॸॱॶ॑ऻढ़ॸॎॼढ़ॸॱॸॗॵज़ऄॻऻढ़ॸॖ॔ॱॿय़ॱय़ॿ॑ॸ॔ॱय़ॕढ़ऀॱॿॣॱॸ॓ॱॻऻॸॕॻऻ

इययानभ्रम् यानु नानु नम् विषा सुया हु सम्वे न भ्रेन्यापन्मा यह के न विष्य नह मानु मानु मानु न में निर्मान स्वी दें र चुँव प्यम श्चिव प्र इव शे तर् ना पा पर श्चिर त्ये हैं वा पर शे वा पर शे वा पर होने पर हो वा पर ह इंग्रमासुर्या स्ट्राक्टेन ग्री वियानमा है निर्देश सम्प्रान में में होने स्ट्री में होने स्ट्री में त्यां भ्रामित्राक्षण्यात्र विकास स्वाप्त क्षेत्र क् र्द्याने केंबा अंदाने विषया है केंब पर्विद्याय है हैं प्रवासीत प्रमेश मह है वा व्यन्त प्रवास प्रवास है वा विवास ॸॱॾॱॴऄॗॺॱॸ॒ॱॸ॔य़ॕॿॱऄॣॕॻॱढ़ॸऺऀॱॾॣॺॺॱऻॕॗॸ॔ॱॻॖऀॱॻऻॿॖॻऻॕॺॱढ़ॱॻॹॺॱढ़ज़ॱॻॺ॑ॸॿॻॺॱॿॖॺ॑ॱॺॴॕऄ॔ॱॱॸॸॱक़ॕॺॱॾऀॺऄॻ॑ॱॿ॓ॸऻ*ॕॾ*ॱॴऄॗॺॱॿ॔ॱ दाचुमार्चमार्थमार्थः स्वर्णान्यः सुवानार्थः स्वर्णान्यः सुवानार्थः याद्यः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स हेते स्वर्णमार्थः त्वरः स्वरं स ॻॖऀॱऄॗॱऄ॓ॸॱॻ॒ॸॺॱऄ॓ॸ॑ॱय़ॱॺॎ॑ॱॸढ़ॎ॓ऀॱक़ॺॱढ़ॸॖ॑ॺॱक़ॺॱढ़ॎॸॺ॑ॱॸॖॕॻ॑ॱॻ॑ॸॺॱऄॸॱय़ॱॻॖॺॱक़॑ॺॱऴॕॺॱढ़ॖॺ॑ॱय़ॱख़ड़ॱॸज़ॱॺॎॱ॔ढ़ॾॕॸ॑ॱॺॸॱॸॖॱज़ॹॖॸॺ॑ऻ_ॼ॑ॸॱॸॕॱ बिकाराः इसमाग्नीमान्तरात्रः प्राप्तान्तरात्रः प्राप्तान्तरात्रः प्राप्तान्तरात्रः प्राप्तान्त्रः स्वाप्तान्तरात्रः प्राप्तान्त्रः प्राप्तान्त्र क्षेट खणुं अट र्ये (८५ व) देर दिन्दे जावबा अहु देन यो बहु वा निहु यो वे कु देन के किया में किया में किया में कि र्दर सर्दे बेदे क्वत प्रदान में दर्श देन के बुर की ग्राम के रहें ता देन रहीं के लिया है। महिन के लिया के स्वाप र्चूबर्पर्यं वर्षे ब्रेन्'न्ववैत्र'र्यःकैर्न'तुनः क्रॅमेत्र'र्यं स्वरं नित्र'विकेन्द्र'र्वे स्वरं प्रत्ना'नशुन् । ने'त्रक'सून्'श्चे ग्रुक्यं केन्द्र'र्यं स्वरं निवरं निवरं सित्र' केट र्घनम् निनान बुनम् दिनम् द्वारा हो विवास है से दिन्द्व स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्व मुस्स देन स्वास निनान बुनम् देन स्वास हो स्वास है से स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्व यद्याक्रियाम् विद्याप्ति क्षित्राचेत्रत्य क्षाचेत्रत्य क्षाचेत्र्य त्रिचा होत् क्षेत्र क्षाचेत्र स्याचेत्र स्य नेयान्त्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीया ही क्र्यां शेषात्रीया विष्ठां प्रत्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्याविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्यत्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ्यात्रीयाविष्ठ चुंश्रवःक्रेंवःस्थानविषान्तरम् निष्याक्षेयावास्याया चुंश्यवःक्रियःस्विष्यात्रम् स्थानास्यात्रम् । चुंश्यवःस्वि त्रेची विरामा इसका भीका पानव प्राप्ते व भीता प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप दयः द्वा द्वा त्वा विषयं व त्या द्वा त्वा विषयं र्क्टरचर्या लट्टराष्ट्र कुर्वे क्रियर निवासी विषय स्त्री क्रिंचिव स्वित्त स्वित्त मिन्ने क्रिया स्वित्त स्वित्त र्थे ह्ये तुर्दे : च्रोदे : ह्यां पदि : के बाया बुंधा देवा पे कुंपी बुधा ही 'पर्द र के बादे वा हुए के बाद के द म्बाबान्यते त्याया स्त्रीत् के त्या स्त्री त्रिवाया स्त्रीत् त्या स्त्रीत् त्या स्त्रीत् स्त् ला क्रिंगंह्रमार्चातृ चुटाचा ग्राटमा खेटा राखेला खूर्वामा अर्कन हिटा ग्री लावा लेन त्रे के लाचा इसमा आर्ने राचा लाचे ग्रीहा कुला में सुवामा उन र् नियान का मार्थ में के के के प्राप्त करी विदेव लगी विद्य के अध्यान मार्थ विद्या मार्थ के के कि मार्थ के के कि <u> नुष्णमानमा भेटा संस्थित संस्था संस्था सम्मानमा सम्मानमा मेरान्य स्थानमा मेरान्य सम्मानमा सम्मानमा सम्मानमा स</u>

देवाबःग्रीःक्ष्यःअटः पुःवाबुद्धःविदायः विकान्नात्वः द्वाद्यः यात्वः विद्यादाः वाद्यः विदायः विद्याद्यः विद्याद इत्याद्याद्याद्यः विद्याद्यः विद्याद्यः विद्याद्यः विद्याद्यः विद्याद्यः विद्याद्यः विद्याद्यः विद्याद्यः विद्य

शक्य ना चिकु त्रिक क्रिया ची क्रियान क्रियान

१५.१ द्यो ध्व पदे भूत्र

इन्याः अपन्यास्य स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थ महिर्भाता जाति तता वार्य हो अर्थ त्याप मुद्द मुद तुं क्रिकानामक त्यञ्जः तानम्भूतः वर्षुः चर्षाः स्वार्थः स्वार्धः चरुतः चर्षाः द्वीतः क्षेताः वर्षेतः चर्षेत् व टटबाराषु बर्जे क्या पूर्वे त्या हिन्दा विषय स्था विषय हो त्या विषय होता हो विषय स्था हो त्या हो त्या हो त्या क विषय हिन्दा होता हो त्या हो हो त्या हो हो त्या स्था विषय हो त्या विषय होता हो हो त्या हो त्या हो त्या हो त्या रगे. ब्रैं र. कुता होर नाशर व्या रे. व्या में अंग्रें अंग्रें अंग्रें अंग्रें व्यापारीया त्रिया प्रिया विराव या गूर्य र व्या में र र या र से हे स्यापार पाया र र वयावनी निवान वित्र के त्या क्षेत्र के त्या क्या क्षेत्र के त्या क्षेत्र के त्य त्तृत्वाद्दं अक्तरके चेत्र क्षुत्राच्यात्वाद्यात्वाद्यात्वाद्यात्वाद्यात्वाद्यात्वाद्यात्वाद्यात्वाद्यात्वाद्य वित्वाद्दं अक्तरके चेत्र क्षुत्राच्यात्वाद्य द्याचराक्षात्रात्रविकारका स्टावेद हा संक्षात्र प्रकार विवास स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व स्वाप्त स् स्वाप्त त्रःश्चेत्रवाक्षःश्चर्त्वत्रःश्चेत्रःश्चेत्रःश्चेत्रःश्चेत्रःश्चेत्रःयत्रःश्चेत्रःयत्रःश्चेत्रःयत्रःश्चेत्रःयत्यःश्चेत्रःयत्रःश्चेत्रःयत्यःश्चेत्रःयत्यःश्चेत्रःयत्यःश्चेत्रःयत्यःश्चेत्रःयत्यः। व्यवदःयत्यः विवयः। व यार या या महत्र त्या भी या त्या प्रत्य त्या प्रति ताया की सूर्य ता रेची त्या या य `ब्रॅन्'बटबः क्वेबं'त्रहेवाहेव:5; च्रॅव:य:न्ट: तर्ज्यातेट:चर:वेब:यर:वेब:यर: क्वेब:वेवा छेब:यते खुट:चह्नेव:य:चहेबा थे:न्य:क्वेब:क्यट:वर्नुव: न्ते पश्चन्यात्यात्रात्यात्रेत्र्वे त्रेषायावेत्रात्यात्रेत्रात्ते स्वत्यात्रेष्ट्रम् त्रित्यात्रेष्ट्रम् त्रे मृत्ये पश्चन्यात्यात्रात्यात्रेत्रम् विवाधित्यात्रेत्रम् त्रित्यात्रेष्ट्रम् त्रित्यात्रेष्ट्रम् त्रेत्रम् त्र प्राचे ! अंतर्मात्रम्य म्यास्य स्वाध्य स्व लान्सेलातानु चरान्हें वातरानु वावबार्वालाहे स्नेराह्में नायर हो ने वात्र के कु.क.रवायाताक्टालटाकु.वाङ्ग्विवाडुटे.जायट्याके.वर्षे.केवायाकु.क्लाजायहैवारव्ययात्रार टीव्ट्यायकी ट्ट्रास्य स्था वबा जू.ट्रे.कुट.ज.ट्रम.कुत.चपुर.कुच.चपुर.कुच.चपुर.कुच.चयुर.कुच.च्यूच.च् ज्ञाबान्य प्रतित्व का क्षांच्याची त्यां अर्द्ध प्रतिका क्षी क्षांच्या क्षेत्र प्रतिका क्षेत प्रविश्व हुवाबालाक्षेत्रचाह्नेत्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित स्वाधित्र स्वाधित्य स्वाधित्र स्वाधित्य स्वाधित्य स्वाधित्य स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्वाधित्र स्व चि.स्थर् क्रियः प्रस्ति त्यते स्थाप्त प्रमान्य प के. चर् में ट्या तर्ते। हैं न्य द्वा दे ते न्यात दे दे त्या बया अर्थें हिंदा का श्री प्राप्त के प्राप्त के दे ते त्या के दे त्या के दे त्या के दे त्या के त्य के त्या के त <u>美ઃદ્રેષઃનમૃતઃૹુંચઃનતેઃધેઃगेઃચથા દઃચग</u>ॱबः<u>कॅ;ह</u>्षःग्रुटःअःहे:इ:५ंग्रैहे:ब्रेते:ॲबं:५वं:ग्रुःअघतःहेंग्बंयम्यःश्रंत्वंयाशुटः। ळ५ं:अ:यबः

त्र-स्योद्गाय-प्यत्विच्याक्ष्मं त्वो क्ष्य्याक्ष्मं नि क्ष्याक्ष्मं ।

हे स्वाविक्षाय-प्रविच्याक्ष्मं त्वो क्ष्य्य-प्रिक्ष्मः क्ष्याक्ष्मं ।

हे स्वाविक्ष्मः क्ष्यां विक्षः क्ष्यां विवाद्धः क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां विव्याव्यां क्ष्यां विव्याव्यां विवाद्धः क्ष्यां विव्याव्याः क्ष्याः क्ष्यः क्ष्याः क्ष्यः क्ष्याः क्ष्याः क्ष्याः क्ष्यः क्ष्याः क्ष्यः क्षयः क्ष्यः क्षयः क

१५.३ तुःषड्ः प्रदेः भ्रूनश

१५.० हेश.बर.संदे.श्लेचश

लव.कट्न,जा.जूनक्री.ट्ट.बु की.क.ट्रीच जूट.ट्टी इक.घट.तापु. सैचक.जू ।
लिजारी क्री.च.टेची,जा.पड्डीचेक.ट्टीच जूट.ट्टी इक.घट.तापु. सैचक.जू ।
लिजारी क्री.च.टेची,जा.पड्डीचेक.ट्टीच जूट.ट्टी इक.घट.तापु. सैचक.जू ।
लिजारी क्री.च.टेची,जा.पड्डीचेक.ट्टीच जूट.ट्टी तापु. खेलाक.जून.ट्टीचेक.डु च्यू.चु च.चेक.चेट.चपु.चेक्या क्रु.जू.च.ज.ज.चट.च्यू.चेक.च्टू.च्टीचेक.च्यू.चेक

१५.५ वु:यदः भूत्रश

. १८८२ वा.तथ्रेक्ट. रेवा.त.पट. तथ्या.वेब.पूर्वे.लु.वे.हे.के.त.वेब.त.क्ष्य.य.वे.वेब.पक्ट.पर.वे.वि.व.वेट.तगूर.त.टे.लवाबा टे.वाध्य. भुषाक्ष्यत्व.वे.ल.घट्यत्व.त.रट. । रेवेब.वाद्र्र, वे.व.ह.केर.वेब.त.क्ष्य.य.वे.वेब.तक्ष्य.यक्ष्य.वे.वेब.वेब.तक्ष ग्रॅंट अपिन से श्रे मिर्डमे बेर मिर में प्राप्त मिर में मिर्च हो बारा धेनी से रमा मिर्डम निवास मिर्डम से में से मिर्च में प्राप्त मिर्च में से स्वार्म के मिर्च में से मिर्च में मिर्च में से मिर्च में मिर्च में मिर्च में से मिर्च में से मिर्च में से मिर्च में से मिर्च में मिर्च में मिर्च में से मिर्च में मिर्च मिर्च में मिर्च में मिर्च मिर्च मिर्च मिर्च मिर्च मिर्च मिर्च मिर्च में मिर्च म महर्म के मह् ट्यो.पर्टेच.क्री.कृ.यथ्वीबानापट्टे.ह्बानाक्चे.प्रबंटायटेची क्रियाचिष्टेबाक्ये.विष्ट्याचे.क्ष्याचा व्यवित्ताची क्ष्याचा विष्टे विष्टाचे क्ष्याचा विष्टे विष्टे विष्टे विष्टे विष्टे विष्टे विषया बावन संज्ञाने वान्तर त्यां के राजने स्वावन स्वाव वित्र स्वावन संज्ञाने स्वावन स्व ·ᠬᠬᡎᢆᢋᡃᡆᠵᠲᡃᡪᢩ᠑ᠵ᠋ᢃ᠂ᢋᢦᠬᡤᠬᢅᠯᠬᢅᢐ᠋ᡊᠵᢐ᠋ᡆᡭᢅᠼ᠈ᡸᢆᢖ᠃ᡎᢆᢒᢩ᠂ᢠᢅᢩᢋ᠄ᡷᢋ᠂ᢅᡷ᠗ᡭ᠈ᢅಹᠳ᠒ᢩ᠑ᠵ᠂ᢋᢋᢅ᠄ᢠᡬᢅ᠂ᡤᠨᡪᡑᢅ᠇ᠬᡐ᠍ᢍᢅᠫᢐᠬ᠑ᠳᡳᡆᡬᡠ चक्षत्र पृष्टित्र पर्दे हैं अर्वे दे दिटा के बूर्य है व के लिय के के कि के कि के कि के कि कि के कि कि कि कि कि ्चेश हें त्र हे नमून पति निर्मार्थ भेन पाया है त्र चेन पति ले हुन्य भेन पत्र प्रमान प्रमान महिन्य का स्वर्थ का निम्न स्वराय की सवियात्त्रिणाङ्गी क्रायात्त्रित्व्वा ब्रेत्रव्या ब्रेत्रव्या श्रुक्ष्या श्रुक्ष्यात्त्रित्व्या श्रुक्ष्यात्त्र स्रियास्य प्रमान्त्र प्रमान्त्र प्रमान्त्र प्रमान्त्र स्राम्य प्रमान्त्र प्रम श्ची'यते प्रकृत ये अर्थिन त्रीं न अर्थेन क्रिया से अर्थ कर से अर्थ से साम से साम से साम से साम से साम से साम स र्वे। प्रष्ट्रवं प्रते प्रमुपं रें र्हेवाची वें 'दर्द 'इंस्रब' (दंदुवा से द्वा ने 'से स्पेत प्रमुपं से प्रमुपं

१५.६ धर-र्-वश्चुनशः पदेः श्वनश

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{3}} \frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{3}} \frac{1}{2$ शूचा. बंशबा चारब. तर. शु. थे. यधुर. श्रेब. वंब. वार्चर.] श्रे. चे. या. ज. श्रंब. ई. इ. ज्वाब. त. र्टर. (क्रू. र्टे. र्टे. र्वे. वार्चे. वार् लान् बोला क्षेत्राका का अर्थे के प्राप्त का कर निर्मा के हिंदी प्राप्त का विश्व के विश्व के किया के विश्व के वि चत्रबाह्म स्वाप्त स्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त यः केव स्त्री देनाब स्त्र-तः क्राःस्वाना व वह र दे तुः स्वाना केव स्त्री इति श्रेष्ण द्वाने हैं। देश यह श्रेष्ण दे स्वान व विष्ण स्वान व विष्ण स्वान स न्विर्युट्यू के वं से वं के वं प्रचट्यू । द्रावाय इसका चुटा के के प्रच्यू विकास कर कर के स्वाय के प्रच्यू के विकास कर के प्रच्यू के विकास कर कर के स्वाय के प्रच्यू के के प्रच् र्ने म्बर्या कर्त में निर्में व रेने मुन्दे व के व ति मुन्दे व के व ति मुन्दे व के व ति के ति वै क्रें प्रत्य तह वोषा प्रश्चेत त्र बार वोट के पाने को वोची को बार को अवीं अवीं त्र वोचा पर विष्के वा वा विष्ण वा वि चयु चर्याप्र विश्व विश्व विश्व के विश्व विश्व के विश्व विश्व के वि र् निर्मुषा रेते ख्रमः अपन्ने के दः स्था विभाग निवार में निवार के ते खानका में निवार निवार में भी है। देश विभाग के निवार में के मुट्टमा मुन्दान मुन्दा माने राज्य कृषानानम् विषा वृष्णान्यायावा होनायाक्षायावा स्वापानम् । कृषानानम् विष्णानानम् । कृषानानम् । विषणानानम् । विषणानम् प्रिचिट यम मूर्या त्याया मही क्रिया महिता करा महित विवाद करा महिता महिता करा महित ज्ञाबान्तर्भः कुर्वाबान्तर्भः विकान्तर्भः विकान्तर्भः विकान्तर्भः विकान्तर्भः विकान्तर्भः विकान्तर्भः विकान्तर विकान्नर्भः त्यान्तर्भः विकान्तर्भः विवान्तर्भः विवान्तर्भः विवान्तर्भः विकान्तर्भः विवान्तर्भः विवान्तर्भ क्रेव-त्यर में क्रियर देते क्रियर में विद्या में क्रिया में देश में क्रियर मे न् प्रचिन्नियां परिते गुन्यते प्रचेत्र प्रचेत् प्रचेत्र परित्ये प्रचेत्र के अस्ति मुन्यत्य के अस्ति मुन्यते मु

चतु-त्त्रीकानित्व स्त्रकार्यान् स्वाप्त्य स्वाप्य स्वाप्त्य स्वाप

14.2 AET: 351

```
ब्रिवायार्द्रेतः न्वर संते द्वेत् स्वयवार्षे र क्वे या वादि स्वर्था न्यायार्षे र क्वे या विकास स्वर्था ।
 लेबंप्यते मुर्दराञ्चलाळ्लाविस्रवासार्देवालकार्वेदंबाल्दर्वापते कुताद्वाळदारासे स्वराप्य
श्चित्र, देवा, जुवोब्र, तपुर, युचैंट, वोब्र, वोट्य, व्यव्य, तपुर, देवा, त्यूब, कु, पट, श्वावब, तथ, तम्ब्रीवा, व
त्येत्र, देवा, जुवोब्र, तपुर, युचे, कु, वोष्ट, वावब, तपुर, देवा, त्यूब, कु, पट, श्रीवब, तथ, तम्ब्रीवा, वावब, त
 दे अर कुंग परि पश्व पर देव से के।
 र्यासंर्यं स्थायते स्थानां स्यानां स्थानां स्थानां स्थानां स्थानां स्थानां स्थानां स्थानां स्य
 दें'वदैर'धै'मेवे अर्नुमुख्य नर्गेद्रदे।
 वेबर्नन क्षेण स्व क्षे चेंब्र से केंद्र दुर्वे।
 र्नो न तरि धैर्य सुर्ये या सेर्न पति सुर्य र हेत् ग्रीया ।
 क्रिंग नते नेष्ट्रव रान्तर्न द्वेते क्रिंव निगर्न तहीं देश वर्षा
 थॅव न्व गाव पितर व्यव र उदाय विव पितर देव पितर विव विव
कृत्रं श्रे तकर्प्यते स्वेत्र त्यायात्र तक्ष्मायाः ग्रुटा ।
इ.स.म. में विटायहे अपयात्य तक्ष्मायाः ग्रुटा ।
 ह्यनंपते क्षां अर्द्धर या दे वि अर्केंद्र द्या पति वा
युन्यम् मुन्यात्र ग्रीन्य ग्रीन्य म्यान्य प्रत्य त्रीत्र ग्रीन्य ग्रीय ग्रीय्य ग्रीय ग्रीय्य 
                                            ૡૼૼૼૼૼૻ૽ૢ૽ૺૺૢ૿ઌ૿ૢઌ૽૽૽૽ૢૼ૽ૹૼૹઽૣ૽ઽ૽ૹ૽ૣૼૹૣ૽ૹ૽ૣ૽ઌ૽૽૽૽ૣ૾૽ૡૢઽ૽૽ૢ૿ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌ૽ઌ૽૽ૺ૽૽ૹ૽ૹઌ૽૽ૢ૽ૺ૽૽ૢ૾ઌ૽ૹ૽ૼૹૼઽઌઌ૾ૼૡૢ૿ૢૢઽૹૡૹઌ૽ૼઌ૽૾ૢૢ૱ૢઌ૽૽ૼ
 ॱॸ॔॔ॸॱख़ॱज़॑ॹॖॱय़ॱॴॱज़ॕज़ॱॹ॓ॱक़ॕॱॿॖॎऀढ़ऀॱक़ॕॱॴॱ॔ॸय़ॵग़ऻॖढ़ॱॸॖॱज़ॿॸॱॺॕढ़ऀॱॹ॑ज़ॹढ़ॸज़ॱॸढ़ॱॿॖढ़ॱज़ॸॖॸ॑ॱॾऀढ़ऀॱॿॗढ़ऻॱॼढ़ॱॺढ़ॕढ़॑ॱय़ॸॱ
 र्वात् चते र्कें स्ट्रिंट मुल्य ह्या प्रते प्रते के ह्या या विवाद प्रताप्त के प्रताप्त के प्रताप्त के प्रतापति क
                 (वॅं८-५-() ह्नाब-देवे पर-क्रिक्त वे न्यान् देवे अप्तान के कि प्राप्त के प्राप
```

14.6 57:55

च्याने। अन् र्वेच्यायाक्त्याची स्थाने स्थान

धरः र् ने भूगः धर्वे । ।)

